...emical Works Ltd.

...IRA (Gujerat State)

...facturers of

...SHOE" Brand Chemicals

- ★ SODA ASH
- ★ CALCIUM CHLORIDE
- ★ SODA BICARB
- ★ SALT
- ★ HYDROCHLORIC ACID
- ★ RAYON GRADE CAUSTIC SODA (Solid & Flakes)

Managing Agents

SAHU BROS. (SAURASHTRA) PRIVATE LIMITED

For Your Requirements

Please Contact

15-A, HORNIMAN CIRCLE

FORT, BOMBAY-1

Telegram "SAHUJAIN Bombay   *Telephone* 251218-19-10

दिल्ली जैन डायरेक्टरी

प्रकाशक

जैन सभा नयी दिल्ली

दिल्ली जैन डायरेक्ट्री का शुद्धि-पत्र

(१) भूमिका में पृष्ठ तेरह पर अंतिम पैराग्राफ की पांचवीं पंक्ति में 'श्री लक्ष्मण सिंह भंसाली' के स्थान पर 'श्री धनपत सिंह भंसाली' पढ़िये ।

(२) विषय सूची में क्रमांक २२ के सामने

(I) विषयानुसार क्रमिका के स्थान पर जैन सभा नई दिल्ली - सदस्य सूची ; और

(II) पृष्ठ संख्या २६० के स्थान पर २६१ पढ़िये ।

(३) पृष्ठ १२ पर प्रथम पंक्ति निम्न प्रकार पढ़िये - धर्मपुरा के अत्यन्त दर्शनीय व भव्य कलापूर्ण 'जैन मन्दिर' का निर्माण उन्होंने ही सन् १८०७ में कराया था कहा जाता है

(४) पृष्ठ २८ पर नं० १० के विवरण में दिगम्बर जैन मेहर मन्दिर की प्रतिष्ठा तिथि '२३ जनवरी सन् १७३२ के स्थान पर '२३ जनवरी सन् १८७६' पढ़िये ।

सम्पादन मण्डल.....—

दो शब्द

प्राचीन काल से, कौरव पाण्डवो के समय से तो अवश्य ही, दिल्ली भारतवर्ष का एक प्रमुख नगर रहा है और आज तो, स्वतन्त्र भारत की राजधानी होने के नाते, इसकी गणना संसार के गिने-चुने नगरों में है। दिल्ली के इतिहास मे जैनो का हिन्दू, मुसलमान व ब्रिटिश काल मे राजकीय व सामाजिक क्षेत्रों मे ऊंचा स्थान रहा है। स्वतन्त्रता सग्राम मे दिल्ली के जैन किसी से पीछे नहीं रहे है और स्वतन्त्रता प्राप्त होने के बाद, न केवल इनकी जनसंख्या बढ़ कर तीस-पैंतीस हज़ार हो गई है किन्तु व्यापारिक, औद्योगिक, सामाजिक, राजनैतिक व राजकीय आदि सभी क्षेत्रों में इनका एक विशेष स्थान हो गया है। ऐसी दशा मे यह दुख का विषय है कि पृथक-पृथक जातियों व सम्प्रदायों में बंटे होने, नगर के भिन्न-भिन्न भागो मे रहने-सहने और उनका कोई दिल्ली-व्यापी, असाम्प्रदायिक संगठन न होने के कारण आपस मे जानकारी नही के बराबर है। इस कारण बहुत दिनो से इस बात की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी कि दिल्ली के जैनो के बारे मे ऐसी डायरेक्टरी प्रकाशित की जावे जिस से उनकी सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा अन्य स्थिति का परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्कों में वृद्धि हो सके।

गतवर्ष जैन मिलन की एक बैठक मे जब नई दिल्ली जैन सभा के मन्त्री श्री चक्रेश कुमार जैन से यह मालूम हुआ कि उनकी सभा ऐसी ही डायरेक्टरी निकालने का विचार कर रही है तो मुझे बडी प्रसन्नता हुई और मैंने उन्हे इस कार्य मे पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

प्रस्तावित डायरेक्टरी के लिए जन साधारण मे उत्साह पैदा करने व सभी कार्यकर्ताओ का सहयोग प्राप्त करने के हेतु श्री लाल मन्दिर जी मे दो एक मीटिङ्ग करने के बाद सम्पादन मण्डल के साथी कार्य में जुट गये। अपने ढग का नया और पहिला प्रयास होने और इस समय तक एक भी ऐसा प्रकाशन न होने से जिससे हमारा मार्ग प्रदर्शन हो सके, मडल को शुरू से ही जटिल समस्याओं का सामना करना पडा। रूपरेखा बार-बार बदलनी पडी। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री इकट्ठा करने मे हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न कर सके। डायरेक्टरी को पूर्णतया स्वावलम्बी बनाने के लिए जैन व्यापारियो व उद्योगपतियो से विज्ञापन देने की प्रार्थना की और यह बडे सतोष की बात है कि इस कार्य के लिए हम जिन सज्जनो के पास भी पहुचे उन्होने बड़ी उदारता से हमे अपना सहयोग प्रदान किया जिसके कारण ही हम इस डायरेक्टरी को समाज मे प्रचारार्थ लागत के एक तिहाई दामों पर देने मे सफल हुये है और डायरेक्टरी के काम को आगे जारी रखने और निकट भविष्य मे इसका सशोधित और पूर्णतम सस्करण निकालने के लिए नीव पडी है। सम्पादन मंडल प्रत्येक विज्ञापनदाता महानुभाव का हार्दिक आभार मानता है। साथ ही हमें उन सज्जनो की भी सराहना करनी है जिन्होने विज्ञापन दिलवाने में अपना अमूल्य समय दिया।

मंडल ने डायरेक्टरी मे दिल्ली के जैनो के अतीत और वर्तमान की एक झांकी पेश की है जिससे समाज को अपनी स्थिति व सामाजिक महत्व व प्रगतियो पर दृष्टिपात करने का एक अवसर मिलेगा। साथ ही दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थानो भारत के जैन तीर्थ स्थानो व प्रमुख जैन केन्द्रों का हाल देकर इसे और उपयोगी बनाने का प्रयत्न किया है। मंडल को खेद है कि गली कूचों मे व्यापार करने वाले भाई इस डायरेक्टरी में स्थान न पा सके और कई वर्गों की सूची अधूरी है। यह भी सम्भव है कि कुछ व्यापारियों, संस्थाओ आदि का विवरण रह गया हो या अधूरा हो। सम्पादन मंडल ऐसे सभी सज्जनों से क्षमा प्रार्थी है।

यह डायरेक्टरी समस्त समाज के सहयोग का फल है। मंडल सभी बन्धुओं का अत्यन्त आभारी है जिनसे परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इस डायरेक्टरी के निकालने में किसी भी प्रकार की सहायता मिली है। सपादन मंडल के सहयोगियो के कार्य की सराहना मैं किन शब्दो में करूं। वैसे तो सभी किसी न किसी रूप मे बहुमूल्य योग देते रहे हैं फिर भी कुछ साथियों का जिक्र करना, मैं अपना आवश्यक कर्तव्य समझता हू।

श्री शिवदयाल सिंह हमारा सदैव उत्साह बढाते रहे हैं और जब जब जिस प्रकार की सहायता की आवश्यकता पडी, देने के लिए उद्यत रहे और सहर्ष मिलती रही। श्री चक्रेश कुमार की योग्यता, कार्य कुशलता, कर्तव्य परायणता, और अथक परिश्रम डायरेक्टरी की योजना की सफलता का मुख्य कारण है। डायरेक्टरी का आकर्षक और सुन्दर रूप श्री मुनीन्द्र कुमार जैन की लगन और उनके महीना के कठिन परिश्रम का फल है। श्री आदीश्वर प्रसाद के सार्वजनिक जीवन का अनुभव मडल के काम में बडा सहायक रहा है और इनसे न केवल अच्छे-अच्छे सुझाव ही मिलते रहे हैं वरन् डायरेक्टरी के प्रत्येक कार्य मे पहिले दिन से ही इनका पूर्ण सहयोग मिलता रहा है। दिल्ली के मन्दिरो के सयोजन और ब्लाक बनाने का कार्य श्री उग्रसेन दिगम्बर, प्रोप्राइटर दिगम्बर आर्ट काटेज, ने बडे उत्साह से कलापूर्ण और रुचिकर रूप में किया है।

सपादन मडल, जैन सभा नई दिल्ली, का बडा आभारी है कि इसे सभा के इस वर्ष के प्रकाशन के सम्पादन का अवसर मिला, जिसे सभा ने जो गत वर्षों मे अंग्रेजी मे केन्द्रीय सरकार के जैन कर्मचारियों की सूची प्रकाशित करती रही है, समाज के हितार्थ पहिली बार एक वास्तविक दिल्ली जैन डायरेक्टरी का रूप दिया है।

आज ससार मे बलवान देश कमज़ोर जातियो पर स्वत्व जमाए हुये है और उन पर तरह-तरह के अत्याचार ढा रहे हैं। छोटे देश ही नही, वरन् बड़े देश भी एक दूसरे से भयभीत है और अपनी रक्षा के नाम पर नित्य नये हिंसात्मक अस्त्र शस्त्र बना रहे है जो युद्ध छिड़ने पर मनुष्य जाति के सर्वनाश नही तो बहुत बडे विध्वस का कारण बनेंगे। धर्म, विज्ञान और स्वास्थ्य के नाम पर प्रतिदिन हज़ारों बेज़बान, पशु-पक्षियो के खून से धरती लाल हो रही है। नैतिकता का ह्रास हो रहा है। ससार मे दिनो दिन बढ़ती जनसख्या के लिए पर्याप्त भोजन, वस्त्र, मकान आदि उपलब्ध नही है। भगवान ऋषभदेव ने करोड़ो वर्ष और भगवान महावीर ने २,५०० वर्ष पूर्व मानव समाज को अहिंसा, अनेकान्त सत्य, अभय, अपरिग्रह आदि का उपदेश दिया था। इन सिद्धान्तो की सत्यता और उपयुक्तता आज भी ज्यो की त्यों है। जैनों का तो सदा जैन धर्म पर स्वभावत अटल विश्वास रहा है परन्तु आज तो Einstein की Theory of Relativity, डाक्टर जगदीश चन्द्र बसु का यन्त्रों द्वारा बनस्पति में जीव की सिद्धि, महात्मा गान्धी का सत्य और अहिंसा द्वारा भारत को स्वाधीन कराना, अफ्रीका का पराधीन व पद्दलित जातियो का गान्धी जी के सत्याग्रह का अनुकरण, रूस और अमरीका आदि देशो के विज्ञानशास्त्रियो का और नई पृथ्वियो व उनमे हमारे जैसे मनुष्यो के अस्तित्व की सभावना आदि जैन शास्त्रो की सत्यता ससार के सामने लाते जा रहे हैं। ऐसी अवस्था मे जैनो का केवल यह श्रद्धान रखना ही पर्याप्त नही हैं कि जैन धर्म आत्मा का निज धर्म होने के कारण यह किसी विशेष जाति या देश का धर्म नही है अपितु यह ससार के प्राणी मात्र का धर्म है, उनका यह कर्तव्य हो जाता है कि वह इस धर्म के सिद्धान्तों का व्यवहारिक व रचनात्मक रूप मे प्रसार करे। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए आवश्यकता है दिल्ली मे समूचे जैनों की अपनी एक असाम्प्रदायिक सस्था की। डायरेक्टरी बनाने मे सभी सम्प्रदाय जाति व क्षेत्र के बहुत से जैनो ने मिल कर कार्य किया है और जैन समाज मे एक नवीन उत्साह और आशा की लहर दौड़ी है। यदि समाज अतीत के आदर्शों से प्रेरणा और कमज़ोरियो से शिक्षा लेकर विकासशील प्रवृत्ति अपना कर भविष्य के निर्माण मे लगेगी तो सम्पादन मंडल अपने इस श्रम को सफल समझेगा।

चांदनी चौक, दिल्ली
७ नवम्बर, १९६१

डिप्टीमल जैन
अध्यक्ष, सम्पादन मडल

भूमिका

जैन सभा नयी दिल्ली द्वारा जैन निर्देशिकाओ (Jain Directories) का सकलन व प्रकाशन अपनी स्थापना के साथ ही होता आ रहा है, किन्तु इनमे दी गई जानकारी केवल नई दिल्ली क्षेत्र तक ही सीमित हुआ करती थी । नई दिल्ली क्षेत्र से सम्बन्धित जानकारी में भी नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय सरकार के विभिन्न कार्यालयो मे काम करने वाले जैन अधिकारियो से सम्बन्धित जानकारी मुख्यरूप से होती थी । सर्व प्रथम यह सकलन सन १९४१ में सभा के प्रथम मत्री स्व० श्री बुद्धि प्रकाश जी एम० ए० के सद्प्रयत्नो से साइक्लोस्टाइल्ड सूची के रूप मे निकाला गया और इसी भाति कई वर्षो तक बाद मे भी प्रतिवर्ष निकलता रहा । सन १९४३, १९४८ और १९५५ मे इसे छोटी सी पुस्तिका के आकार मे मुद्रित करवा कर प्रकाशित किया गया । सन १९५५ के सस्करण के साथ ही अलग से एक स्थानीय सस्थाओ की सूची उनके पदाधिकारियो के नाम व पते सहित निकाली गई ।

विगत वर्षो मे प्रकाशित उक्त निर्देशिकाए अत्यन्त ही लाभदायक सिद्ध हुई है । इनके द्वारा स्थानीय समाज मे पारस्परिक सम्पर्को मे जो अभिवृद्धि हुई है, वह विशेष महत्वपूर्ण है ।

गत वर्ष जब नवीन कार्यकारिणी का चुनाव हुआ तो मेरे मित्र श्री गोकुल प्रसाद जी, एम० ए०, ने सुझाव दिया कि दिल्ली मे आज जैनो की सख्या तीस-पैंतीस हजार के लगभग है और वे अनेक विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों मे है, यदि सभा इस प्रकार की एक डायरेक्टरी का, जिसमे कि समूचे दिल्ली प्रदेश के जैनो के बारे मे जानकारी प्राप्त हो सके, सकलन और प्रकाशन करे तो वह न केवल स्थानीय जैन व जैनेतर समाज को, वरन् बाहर से आने वालो के लिये भी उपयोगी हो सकेगी । पिछली डायरेक्टरी का सशोधित सस्करण निकालने का विचार तो पहले से था ही केवल उस के क्षेत्र को बढ़ाने का प्रश्न था। कार्य के महत्व और इसकी उपयोगिता को दृष्टि मे रखते हुए यह विचार किया गया कि यदि विभिन्न सम्बन्धित क्षेत्रो से सहयोग प्राप्त हो तो यह कार्य भली भाति सम्पन्न और पूर्ण हो सकता है । तदनुसार सभा के प्रधान श्री शिवदयाल सिंह जी, श्री गोकुल प्रसाद जी, व सयुक्त मत्री श्री सतीश कुमार जी के साथ कई बैठको मे डायरेक्टरी की भावी रूपरेखा काफी चर्चा के बाद बनायी गयी । इस रूपरेखा को सभा की आम बैठक (बजट) मे सरसरी तौर पर और बाद मे कार्यकारिणी के समक्ष विशदरूप से प्रस्तुत कर इसे निश्चित रूप दिया गया ।

इसी दौरान मे जैन मिलन की एक बैठक कान्स्टीट्यूशन क्लब में हुई जिसमे लाला डिप्टीमल जी आदि दिल्ली व नई दिल्ली के कई महानुभाव सम्मिलित हुए । मैंने लाला जी से इस योजना के सम्बन्ध मे चर्चा चलाई तो उन्होंने इस विषय मे केवल प्रसन्नता ही प्रकट न की, बल्कि पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया । इसके बाद ही लगभग प्रति दूसरे या चौथे दिन कार्यकर्त्ताओ की बैठके लाला जी के निवास स्थान अथवा दुकान पर होनी आरम्भ हुई और यह कार्यक्रम डायरेक्टरी के पूर्ण होने तक अनवरत रूप से चलता रहा, अन्तर केवल इतना हुआ कि कुछ कार्यकर्त्ता जो आरम्भ मे थे वे अपनी किन्ही व्यक्तिगत कठिनाइयो अथवा अन्य कारणो से अन्त तक सहयोग न दे सके और नवीन कार्यकर्त्ता सम्मिलित हुए ।

डायरेक्टरी के लिये जानकारी एकत्रित करने के लिये विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयो, संस्थाओं व प्रमुख कार्यकर्त्ताओं के पास अनेक पत्र और उसके बाद अनेक स्मरण-पत्र भेजे गये। समय

समय पर टैलीफोन तथा व्यक्तिगत रूप से भी जानकारी भेजने के लिये प्रार्थना की गई। ग्राम समाज की जानकारी के लिये प्रत्येक मन्दिर आदि ग्राम स्थानो पर इन सूचनाओ को लगवाया गया। इस विषय मे परामर्श करने और अधिक से अधिक व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त करने की दृष्टि से दिल्ली प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रो के लगभग ७५ प्रमुख कार्यकर्त्ताओं की एक बैठक श्री लाल मन्दिर जी मे दिनाङ्क २३ अक्टूबर सन १९६० को सायकाल बुलाई गई। उस बैठक के निर्णय के अनुसार लगभग ३५० कार्यकर्ताओ की एक और बड़ी बैठक श्री लाल मन्दिर जी मे दिनाङ्क ६ नवम्बर १९६० को अपरान्ह बुलाई गई। आमंत्रित व्यक्तियो में सामाजिक कार्यकर्त्ता तथा विभिन्न व्यापारों, व्यवसायो आदि सभी क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्ति थे। इसी प्रकार की एक बैठक सदर बाजार के अन्तर्गत क्षेत्र वाले प्रतिनिधि व्यक्तियों की भी की गई। इन बैठक के होने से कार्य की सफलता के लिये समुचित वातावरण बनने के साथ-साथ कई नवीन व्यक्तियों द्वारा रचनात्मक सहयोग भी प्राप्त हुआ।

विभिन्न क्षेत्रो से धीरे धीरे सामग्री प्राप्त होती रही और आज से लगभग ४ मास पूर्व यह स्थिति आ सकी जब इस के प्रकाशन आदि की व्यवस्था के बारे मे विचार किया जावे। इसमे कोई अतिशयोक्ति नही कि जितना कठिन कार्य डायरेक्टरी की सामग्री इकट्ठी करने का था, उतना ही कठिन कार्य इसके प्रकाशन और उसके लिये आवश्यक धनराशि एकत्रित करने का था। अनुमानित व्यय लगभग पाच हजार की यह धनराशि भी केवल विज्ञापनो द्वारा ही एकत्रित होनी थी। अत. प्रकाशन संबन्धी और विज्ञापन लेने के दोनो ही कार्य साथ ही साथ आरम्भ किये गये।

इस डायरेक्टरी के प्रकाशन मे वैसे तो रूपरेखा बनने के समय से लेकर पूर्ण होने तक ही अनेकानेक कठिनाइयां उपस्थित हुई किन्तु उनमे सबसे बडी कठिनाई सामग्री को एकत्रित करने की थी। मुझे खेद है, कि अब भी ऐसे अनेक व्यक्ति है, जिन्होंने अनेको बार मौखिक, लिखित और व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाओ पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नही किया। वास्तव मे इसी कठिनाई के कारण मुद्रण के लिये कोई निश्चित पाडुलिपि भी प्रेस मे नही दी जा सकी और जो पाडुलिपि दी भी गई, उसमे प्रूफ स्टेज तक बीच बीच मे नवीन सामग्री के आ जाने पर सशोधन करने पडे। डायरेक्टरी के निकलने मे जो विलम्ब हुआ है, उसका प्रधान कारण यह कठिनाई रही है।

डायरेक्टरी की प्रस्तुत सामग्री मे प्रथम अध्याय दिल्ली के जैनो के इतिहास का है। हमारे पूर्वजों का इतिहास जैसा चाहिये, वैसा उपलब्ध नही है। जैन सघ मे समय समय पर महान् तपस्वी एव उद्भट विद्वान आचार्य हुए, उनका कोई प्रमाणिक जीवन-चरित्र नही, अनेक लोकोपयोगी कार्य हुए, उनकी कोई सूची नही, जैन सम्राटो, मंत्रियो, सेनापतियो के बल-पराक्रम, शासन-प्रणालियो का लेखा नही, जैन श्रेष्ठिवर्ग जो अपने महान् त्याग और जन-हित के कार्यों के लिये सदैव प्रख्यात् रहा है, उनके कार्य कलाप की कोई तालिका नही, और इसी भाति साहित्यको, कवियो और समाज सेवियों का कोई परिचय नही। और तो क्या, विगत ४०-५० वर्ष मे ही अनेक विभूतियां हुई, उनका भी कही कोई लिपिबद्ध विवरण नही। देश की समूची समाज के बारे मे जब यह स्थिति है तो एक प्रात के बारे मे क्या सामग्री होगी, यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता हैं। प्राचीन शास्त्रो, लेखो व राजपत्रो से तथा वयोवृद्ध व्यक्तियों के अनुभवों को सुनकर जितना भी कुछ यत्र तत्र बिखरे मोतियों की भाति अतीत की धूल से उठाया जा सके, उससे ही संतोष करने के सिवाय अन्य कोई चारा नही। दिल्ली का इतिहास लिखने मे मुझे आरम्भ से ही खोज करने की विशेष आवश्यकता नहीं हुई, क्योकि इस दिशा मे प० परमानन्द शास्त्री कुछ वर्ष पूर्व प्रयास कर चुके है। उन्होंने अपनी शोधपूर्ण लेखमाला में, जो अनेकात के कई अंकों में प्रकाशित हुई, राजपूत और मुसलमान काल मे जैन जगत की सुन्दर झाकी प्रस्तुत की थी। इन लेखों ने इतिहास के लिखने मे महत्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध की। भट्टारक परम्परा का इतिहास श्री विद्याधर जोहरापुरकर, एम. ए., द्वारा सम्पादित 'भट्टारक सम्प्रदाय' नामक पुस्तक में दिये गये लेखों आदि पर आधारित। 'अंग्रेजों के काल तथा उसके बाद' के अन्तर्गत दिया गया विवरण सामान्यतः सन १९४७ से पूर्व का है। इसमे दिये गये तथ्य जीवित वयोवृद्ध पुरुषों से प्राप्त जानकारी, विविध जैन पत्रों में प्रकाशित लेखों तथा राजकीय पत्रों

आदि से दिये गये हैं। यह जानकारी लाला डिप्टीमल जी ने स्वयं कई दिन विभिन्न स्थानों पर तथा अनेकव्य क्तियों के पास जा जाकर एकत्रित की है। सन १६४७ के बाद के वृत्तांत मे बहुत कुछ अंश वर्तमान से ही सम्बन्धित है।

इतिहास के बाद के अध्यायो मे मन्दिरो व स्थानकों, धर्मशालाओं व पुस्तकालयों, औषधालयों व शिक्षण संस्थाओं, सामाजिक तथा साहित्यिक सस्थाओं का परिचय तथा पदाधिकारियों के नाम व पते दिये गये है। सामाजिक संस्थाओं मे स्थानीय सस्थाओ के अतिरिक्त अखिल भारतवर्षीय संस्था की, जिनके कार्यालय दिल्ली में हैं, जानकारी भी सम्मिलित की गई हैं। संस्थाओ के परिचय में सामान्यत: उनकी स्थापना-तिथि तथा उनके कार्य-कलाप का ही उल्लेख किया गया है, उद्देश्यो आदि का नही। संस्थाओं के पश्चात् 'भारतीय ससद व केन्द्रीय सरकार' के अन्तर्गत केन्द्रीय मत्री, ससद सदस्य, ससद तथा केन्द्रीय सचिवालयों और उनके सम्बन्धित व अधीनस्थ कार्यालयों में जैन अधिकारियों के नाम, पद व घर के पते (जहा उपलब्ध हो सके) दिये गये हैं। प्रथम पंक्ति में अधिकारी के नाम के साथ उनका पद व कार्यालय का टेलीफोन नम्बर तथा द्वितीय पक्ति मे घर का पता व टेलीफोन नम्बर (यदि हो) भी दिया गया है। सामान्यत: पद का उल्लेख केवल उन व्यक्तियो के लिये ही किया गया है जो गजटेड अथवा सुपरवाइजरी पद ग्रहण किये है। इसी के अनुरूप बाद के अध्यायों मे जहा दूनावासो, दिल्ली प्रशासन, बैंक व बीमा कम्पनियों आदि में काम करने वाले जैनो का उल्लेख है, यही पद्धति अपनाई गई है।

'उद्योग व व्यापार' के अध्याय मे औद्योगिक सस्थानो के अन्तर्गत उन संस्थानों के स्वामियों अथवा लिमिटेड कम्पनियो के डायरेक्टरों के नाम, घर के पते व टेलीफोन नम्बर भी दिये गये हैं। व्यापारिक संस्थानों को मुख्य मुख्य श्रेणियो मे विभाजित कर हिन्दी वर्णमाला के आधार पर दिया गया है। प्रत्येक श्रेणी में व्यापार विशेष के महत्व की दृष्टि से प्रधान क्षेत्रो को प्राथमिकता दी गई है। व्यापारिक सस्थानो के केवल नाम व टेलीफोन नम्बर (यदि हो) प्रथम पक्ति मे तथा कार्यालय का पता व टेलीफोन दूसरी पक्ति मे दिया गया है। व्यवसायों, वैज्ञानिक, साहित्यकार व जैन विद्वानो तथा सार्वजनिक क्षेत्रो में जैन पदाधिकारियो के बारे में सामान्यतः सरकारी कार्यालयो वाली ही व्यवस्था अपनायी गयी है।

अन्त के दो अध्यायो मे क्रमश. 'दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान' तथा 'भारत के जैन तीर्थों' का विवरण है। दर्शनीय स्थानो मे इतर ऐतिहासिक स्थानो के अतिरिक्त ऐतिहासिक व स्थापत्यकला आदि की दृष्टि से प्रमुख माने जाने वाले जैन सास्कृतिक केन्द्रो को भी सम्मिलित किया गया है। जैन तीर्थों मे सभी तीर्थों व प्रमुख अतिशय क्षेत्रों के अतिरिक्त भारत के अन्य महत्वपूर्ण स्थानो का भी वर्णन दिया गया है।

डायरेक्टरी मे सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने मे साम्प्रदायिक भेद को विशेष रूप से गौण रखा गया है। उदाहरण के लिये मन्दिरो व सस्थाओं आदि को दिगम्बर-श्वेताम्बर व अन्य उप-सम्प्रदायो मे विभक्त नही किया है और इन विशेषणो को केवल वहा ही प्रयोग किया गया है जहा अन्य किसी सुविधा के कारण आवश्यकीय समझा है। हमारी सस्कृति एक है, एतदर्थ हम अनेक में भी एक है। हमारे सभी धार्मिक व सास्कृतिक स्थान, चाहे वे किसी सम्प्रदाय विशेष की प्रधानता लेकर हो, समग्र जैन सघ के गौरव के प्रतीक है।

इस डायरेक्टरी की सामग्री एकत्रित करने तथा प्रकाशन आदि की 'व्यवस्था मे व्यवस्थापन व सम्पादन मंडल' के अतिरिक्त अनेक महानुभावों से सहयोग प्राप्त हुआ है। सामग्री के एकत्रित करने मे श्री सुमत प्रसाद (आर्मी हेड क्वाटर्स), श्री वकीलचन्द्र, बी० काम (आनर्स) (अर्थ मंत्रालय), श्री गोकुलप्रसाद एम० ए० (विधि मत्रालय), श्री विलायती राम (अर्थ मत्रालय), श्री प्रेम चन्द्र 'नश्तर' (सिविल एवियेशन), श्री श्रीकृष्ण (पब्लीकेशंस डिवी०), लाला करमचंद, श्री एन० आर० शाह, लाला कुंजलाल ओसवाल, श्री लक्ष्मण सिंह भंसाली, लाला जग्गीमल कपडे वाले, श्री जिनेन्द्र कुमार, कश्मीरी लाल बी० ए०, (राज्य सभा सचिवालय), श्री मनोहर लाल (इंस्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एका०), श्री दर्शनलाल (म्यू० कार्पो०), श्री जगमोहन, श्री सागर चन्द्र व श्री गजेन्द्र कुमार (दिल्ली प्रशासन), श्री नरेन्द्र प्रसाद बी०

ए० (लोक सभा), श्री विजय कुमार व श्री मेहर चन्द्र (शिक्षा मंत्रा०), श्री नेमचन्द्र बी० ए० (अर्थ मंत्रा०), श्री जय कुमार (सू० व प्र० मंत्रा०), श्री प्रद्युम्न कुमार (व० हा० एण्ड स०), श्री गुलाब चन्द (डी०जी०एस० एण्ड डी०), श्री जयकुमार (परि० मंत्रा०), श्री हंस राज (कंट्रो० आफ प्रि०), श्री सुखमाल चन्द बी० ए० (भ्रा० हेड०), श्री हुकुम चन्द्र (जी० पी० ओ०), श्री धर्म किशोर (सी० बी० आर०), श्री महावीर प्रसाद (एक्साइज), श्री एम० के० जैन (एस० टी० सी०), श्री कुंदन लाल एम० ए०, श्री अतरचन्द्र, श्री राजकुमार (सी० पी० ड० डी०) श्री अक्षय कुमार (मेचवेल), श्री देव कुमार, श्री अरिदमन कुमार, श्री होश्यारसिंह, श्री प्रेम सागर (ए० जी०सी० आर०), व श्री सुरेन्द्रबीर सिंह, एकाउटस आफीसर, श्री अजित प्रसाद बिजली वाले आदि ने विशेषरूप से सहयोग प्रदान किया है। श्री माई दयाल जी बी० ए०, बी० टी०, व लाला पन्नालाल जी अग्रवाल किताब वाले ने अनेक प्राचीन लेख, राजकीय पत्रों की प्रतिलिपियां आदि सामग्री उपलब्ध की है।

विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों मे श्री सुखेन्द्र लाल (लोदी कालोनी सभा), ला० भगतराम (दि० जैन परिषद) व श्री रमेश चन्द्र (सा० वि० सभा) आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है।

विज्ञापनों के प्राप्त करने मे लाला जसवत सिंह, लाला प्रेम चन्द्र (जयना वाच कम्पनी), श्री पी० आर० मित्तल, लाला बनारसी दास ओसवाल, लाला खजाचीमल, लाला दौलत सिंह व श्री प्रेमचन्द्र (एम० एस० लक्ष्मी एण्ड कं०) ने अपना अमूल्य समय दिया है। प० परमानन्द शास्त्री ने अपना लेख सग्रह तथा अन्य सामग्री उपलब्ध कर दिल्ली का इतिहास लिखने मे बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है। श्री प्रमोद कुमार बी० एससी० (द्वितीय वर्ष) ने तीर्थ-सम्बन्धी पुस्तकों की निर्देश अनुक्रमणिका बनाकर दी, जिससे मुझे भारत के जैनतीर्थ लिखने मे बड़ी सुगमत[illegible]।

डायरेक्टरी की मुद्रण व्यवस्था का सम्पूर्ण भार श्री मुनीन्द्र कुमार, सहायक सम्पादक, कृषि मंत्रालय, ने सम्भाला और लगभग ४ मास के अथक परिश्रम से इस गुरुतर कार्य को सुन्दर और आकर्षक रूप मे प्रस्तुत किया। इतने व्यस्त उत्तरदायित्व के अतिरिक्त उन्होंने 'दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थानों' का सुन्दर विवरण भी लिखा है। सम्पूर्ण डायरेक्टरी की सामग्री के सुव्यवस्थित व क्रमबद्ध सकलन व सम्पादन मे श्री मुनीन्द्र जी का भाग महत्व-पूर्ण रहा है।

दिल्ली के मंदिरों के विविध चित्रों को उपलब्ध करने के लिये श्री मोतीराम, सहायक फोटो अधिकारी, सूचना मंत्रालय, ने अपना अमूल्य समय लगाया है। इन चित्रों के सयोजन और ब्लाक बनाने का कार्य श्री उग्रसेन दिगम्बर, प्रोपराइटर दिगम्बर आर्ट काटेज, ने बडे ही कलापूर्ण और रुचिकर रूप मे किया है। मुद्रण व्यवस्था की पूरी योजना को निश्चित करने के लिये उन्होंने कई बैठकों में अपना बहुमूल्य समय दिया। बाद मे भी समय समय पर महत्वपूर्ण सुझाव देकर हमारा मार्गदर्शन किया है। इतिहास के आरम्भ होने से पहले लगा हुआ भगवान महावीर व भगवान बाहुबलि का सुन्दर चित्र उन्हीं के द्वारा विज्ञापन के रूप मे प्राप्त हुआ है।

इस कार्य के लिये सभा के सरक्षक साहू श्रेयांस प्रसाद जी, लाला शीतल प्रसाद जी की शुभ-कामनाओं ने हमारा उत्साहवर्धन किया है। लाला राजेन्द्र कुमार जी बैंकर, सभा के उप-प्रधान बा० पीताम्बर दास जी एडवोकेट व श्री बी० बी० कपासी, पत्रकार, ने समय समय पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देकर प्रकाशन को अधिक उपयोगी बनाने मे सहायता दी है।

श्री अजित प्रसाद जी, रिटायर्ड एकाउट्स आफीसर (उत्तर रेलवे), व बा० त्रिलोक चन्द्र जी, असिस्टेंट डाय-रेक्टर रेलवे बोर्ड, ने अनेक महत्वपूर्ण सुझाव देने के अतिरिक्त सामग्री एकत्रित करने और विज्ञापन प्राप्त करने मे भी सहयोग प्रदान किया है। तीर्थों के विवरण को रेलवे लाइन के क्रम से प्रस्तुत करवाने मे बा० त्रिलोक चन्द्र जी ने अपना अमूल्य समय दिया है।

उक्त सभी महानुभावों तथा विज्ञापनदाताओं के, जिन्होने अपने विज्ञापन देकर उदारता का परिचय दिया और डायरेक्टरी के प्रकाशन को सुलभ किया, हम हार्दिक आभारी हैं।

डायरेक्टरी के मुद्रक जयन्ती प्रेस के व्यवस्थापक पार्टनर श्री एम० आर० कुमार और उनके फोरमेन श्री बिहारी लाल व श्री जगदीश जी का आदि से अन्त तक बराबर सहयोग प्राप्त होता रहा। मुझे प्रसन्नता है, कि डायरेक्टरी को अच्छे से अच्छे ढग मे प्रस्तुत करने का उन्होने पूरा प्रयास किया है।

अन्त मे, मैं व्यवस्थापन व सम्पादन मंडल के चेअरमेन तथा सदस्यगण का अत्यन्त ही आभारी हू, जिनके प्रयत्नो से यह कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्य मे हमारे प्रधान श्री शिवदयाल सिंह जी की आरम्भ से ही रुचि रही और उन्होने पग-पग पर हमारा मार्ग-दर्शन किया। जब भी हमने कमज़ोरी अनुभव की, उन्होने हमारा साहस बढाया और अपूर्व प्रेरणा दी। यही नही, सामग्री के सकलन, विज्ञापनो के प्राप्त करने आदि सभी कार्यों मे सक्रिय रूप से सहयोग दिया।

व्यवस्थापन मंडल के चेअरमेन लाला डिप्टीमल जी तो इस सम्पूर्ण योजना के पीछे शक्ति स्रोत रहे है। वे वयोवृद्ध है, किन्तु उनका उत्साह युवको से कहीं अधिक है। शहर के उद्योग व्यापार आदि की जानकारी का एकत्रित करना दुस्तर कार्य था और उससे भी अधिक था प्रकाशन के लिये पाच हज़ार रुपये की धनराशि एकत्रित करना। लाला जी ने लोगो से बारबार कहा, टेलीफोन पर अनेको ही बार स्मरण करवाया और जानकारी प्राप्त करवाई। अपने व्यक्तिगत सम्पर्कों से ही लगभग दो हज़ार के विज्ञापन तो उन्होंने टेलीफोन पर ही सुरक्षित कर दिये और शेष राशि के लिये हमारे साथ चलने मे भी सकोच नही किया। डायरेक्टरी की सामग्री को क्रम से व्यवस्थित रूप देने मे उनका ही प्रमुख हाथ है। लाला जी ने इस दुस्तर कार्य को सम्पन्न करने मे जो युवको सदृश परिश्रम किया वह अद्वितीय है। इस मे कोई अतिशयोक्ति नही कि लाला जी के ही अनवरत् प्रयत्नो का ही परिणाम है कि यह डायरेक्टरी और वह भी इस रूप मे प्रकाश मे आ सकी।

श्री आदीश्वर प्रसाद जी एम० ए० (यू० पी० एस० सी०) का सहयोग तो इतना विस्तृत रहा है कि इस सम्पूर्ण कार्य का कोई भी ऐसा पहलू नही जिस पर उनकी छाप न हो। योजना, सामग्री सकलन, प्रकाशन व्यवस्था, विज्ञापन प्राप्त करने आदि सभी कार्यो मे वह मेरे साथ रहे हैं।

इस कार्य मे भाई टेकचन्द्र जी, मित्र श्री सतीश कुमार व श्री वकीलचंद्र का पूर्ण साहाय्य प्राप्त हुआ है, एतदर्थ मैं उनका हार्दिक आभारी हूँ। इतने विशद क्षेत्र का यह प्रथम प्रयास है। अनेक प्रयत्नो के बावजूद भी बहुत सी कमिया रह गी है। खेद है, कि हम डायरेक्टरी मे उतनी सामग्री नहीं दे सके है जितनी होनी चाहिये थी। हम उन सभी महानुभावो से क्षमा प्रार्थी है जिनके बारे मे इसमें जानकारी उपलब्ध नही की जा सकी है। समाज के सहयोग और सद्भावना से यह डायरेक्टरी प्रकाश मे आ सकी और उसी सहयोग व सद्भावना से आगामी सस्करणो में इसकी अपूर्णता तथा अन्य कमियो को दूर किया जा सकेगा, ऐसा विश्वास है।

आज का युग सहकारिता का युग कहा जाता है। प्रस्तुत प्रयास सहकारिता के उस अनुपम सिद्धांत के महत्व की एक झलक है। यदि इस डायरेक्टरी मे दी गई जानकारी समाज मे सगठन और सहकारिता की भावना का सचार कर सके, तो यह प्रयास सफल होगा।

नयी दिल्ली,
कार्तिक कृष्णा चतुर्दशी
वीर निर्वाण सम्वत् २४८८

चकेश कुमार
मत्री, जैन सभा नयी दिल्ली

श्री १०८ आचार्यरत्न विद्यालंकार
देशभूषण जी महाराज
का
शुभाशीर्वाद

"देहली भारतवर्ष की राजधानी है, यहा से निकले हुए शब्द तमाम भारतवर्ष मे फैलते हैं। अत देहली के जैन समाज का भारत म एक स्थान है। देहली की समाज सर्वदा भारत-मार्ग-दर्शक रही है। यहा की समाज बडी सगठित और उत्साही है, हर कार्य मे उसका बडा सहयोग रहता है। यहा की समाज राष्ट्र उन्नति के लिए कटिबद्ध रही है, देश तथा जाति का प्रेम कूट कूट कर भरा है, धर्म के प्रति बहुत ही श्रद्धालु है जिसकी झलक यहाँ के प्राचीन और अर्वाचीन विशाल जैन मदिरो, जैन विद्यालयो तथा अन्य जैन सस्थाओ से मिलती है।

देहली के जैन मदिर, विद्यालय, जैन सस्थाए, तथा जैन समाज के विषय मे जानकारी प्राप्त करने के लिए यह डायरेक्टरी बहुत ही उपयोगी होगी।

जिन महानुभावो ने इस कार्य मे सहयोग दिया है उन के लिये हमारा बार-बार शुभाशीर्वाद है।"

विश्व धर्म सम्मेलन के प्रेरक
मुनि रत्न श्री सुशील कुमार जी महाराज
का
शुभाशीर्वाद

"दिल्ली जैन डायरेक्टरी का प्रकाशन दिल्ली जैन समाज की सर्वाङ्गीण उन्नति के लिये श्रेष्ठतम प्रयास साबित होगा, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है। दिल्ली जैन सभा समाज की समासिक एकता एव आर्थिक तथा अध्यात्मिक प्रगति के निमित्त जो भगीरथ प्रयास कर रही है उसकी मै सफलता चाहता हूं।

मेरा विश्वास है कि यह पहला प्रगतिक प्रयास है, अत निरन्तर इसकी पूर्णता की ओर ध्यान दिया जाय जिससे अभीष्ट सिद्धि हो सके और सामाजिक सगठन की नीव सबल की जा सके।

हार्दिक धन्यवाद"

दिल्ली जैन डायरेक्टरी

- दिल्ली के इतिहास में जैनों का योग
- मंदिरों व स्थानकों का विवरण
- सामाजिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक केन्द्र
- शिक्षण व पारमार्थिक संस्थाएं
- दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान

—और—

भारत के प्रमुख जैन तीर्थ

★

मुख पृष्ठ (टाइटिल) के चित्रों का परिचय

खण्डेलवाल मंदिर, नयी दिल्ली में स्थापित
भगवान महावीर की मूलनायक प्रतिमा व
महरौली स्थित बड़ी दादाबाड़ी का एक दृश्य

★ ★ ★

प्रकाशक : जैन सभा नयी दिल्ली
जैन निशी मंदिर
लेडी हार्डिंग रोड
नई दिल्ली १

विषय सूची

अतीत की ओर एक दृष्टि

दिल्ली का इतिहास भारत का इतिहास है। प्राचीन कुरू देश की वैभवपूर्ण राजधानी 'इन्द्रप्रस्थ' के नाम से विख्यात होने के समय से लेकर आज तक इस नगर ने अपने उत्थान-पतन के अनेक उतार चढाव देखे है। अतीत की क्रीडाओ, उसके क्रदन एव हास्य की निस्तब्ध साक्षी यह वह रंगभूमि है, जिसके वक्षस्थल पर कितने ही साम्राज्य उदित हुए, पनपे, शैशव से प्रौढत्व को प्राप्त हुए, अपने विस्तार और वैभव से विश्व को चमत्कृत किया, पर अन्त मे अपने-अपने वैभव की सपदा को समेटकर, वे सब काल के दूरगामी क्षितिज मे विलुप्त हो गये। यदि इस नगर को अनेको बार राजधानी बनने का मान प्राप्त हुआ तो अनेको बार ही इसके धरातल पर भीषण रक्तपात व विध्वस के दृश्यो ने भी अपना पूरा अधिकार जमाया। इन सब परिवर्तनो की शृंखला की ओर दृष्टिपात किया जावे तो जैन दर्शन का 'उत्पाद-व्यय-ध्रौव्य' का सिद्धात स्थूलरूप मे घटित होता है।

दिल्ली कब और किसने बसायी, इस पर इतिहासज्ञ एकमत नही है। पाण्डु पुत्र युधिष्ठिर द्वारा बसायी गयी 'इन्द्रपुरी' अथवा 'इन्द्रप्रस्थ' नगरी के कथन का उल्लेख महाभारत तथा बौद्ध जातकों मे मिलता है। यह अनुश्रुति भारत की जनता मे १६ वी शताब्दी मे भी प्रचलित थी जैसा कि अबुल फजल ने अपने प्रसिद्ध ग्रथ 'आइन-ए-अकबरी' मे उल्लेख किया है। कौरवो और पाण्डवो का समय लगभग चार साढे चार हजार वर्ष पूर्व बताया जाता है। यद्यपि यह अनुमान कि वर्तमान दिल्ली का 'पुराना किला' या उसके निकट का 'इन्द्रपत' ग्राम प्राचीन इन्द्रप्रस्थ के खण्डहरो पर ही बसा हुआ है, पाण्डवो का किला तथा महल आदि भी इसी स्थान पर थे और पाण्डवो ने ही इन्द्रप्रस्थ के निकट 'पाणिप्रस्थ', 'स्वर्ण-प्रस्थ' और 'भागप्रस्थ' बसाये थे जो कि आज क्रमश पानीपत, सोनीपत, व बागपत नामो से प्रसिद्ध है, नितात निर्मूल नही प्रतीत होता। इस कथन की पुष्टि के लिये उक्त पौराणिक आधारो के अतिरिक्त ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नही है। प्राचीन जैन ग्रथो, प्राचीन शिलालेखो, और दिल्ली के आस पास बहुत से प्रचलित लोक गीतों मे दिल्ली को 'योगिनीपुर' कहा गया है। पाण्डवो के पश्चात तोमरवशीय राजपूत अनगपाल (प्रथम) के शासनकाल तक इस प्राचीन इन्द्रप्रस्थ नगर का क्या महत्व रहा, वह प्रचलित कथाओ आदि से स्पष्ट नही है। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि इस दौरान मे इन्द्रप्रस्थ ने अपना प्राचीन महत्व खो दिया था।

ऐतिहासिक [1]तथ्यो के आधार पर दिल्ली को सर्व प्रथम सन् ७३६ मे तोमरवशीय राजा अनगपाल द्वारा बसाया जाना कहा जाता है। इसके खडहर आनदपुर (अनंगपुर) के पास आज तक विद्यमान है। इस कथन की पुष्टि दिल्ली के सग्रहालय मे उपलब्ध सन १३२७ के एक शिलालेख मे दिये निम्नलिखित अश से भी होती है

'देशोस्ति हरियानाख्यो पृथिव्यां स्वर्गसन्निभिः।
ढिल्लकाख्या पुरी तत्र तोमरै रस्ति निर्मिता॥

अनगपाल प्रथम के पश्चात दिल्ली मे उसके वशजो ने १२ वी शताब्दी के अर्ध भाग से कुछ अधिक समय तक शासन[2]

१. देखो, जनरल कनिघम की आर्कियोलोजीकल सर्वे आफ इडिया, पृ० १४६

२. देखो, दिल्ली अथवा इन्द्रप्रस्थ, पृ० ६, ओझा जी द्वारा सम्पादित, टाड राजस्थान, पृ० २२७, राजपूताने का इतिहास (प्रथम भाग), पृ० २३४।

किया, इनमे अनगपाल द्वितीय व अनगपाल तृतीय विशेष-रूप से उल्लेखनीय है। अनगपाल द्वितीय का समय जनरल कनिघम ने सन १०५१ निश्चित किया है। उसने अपने शासन-काल मे दिल्ली (मिहिरपुरी प्राचीन महरौली) मे अनेक नवीन निर्माण कर राजधानी को समृद्ध बनाया। कुतुब मीनार के निकट प्राचीन इमारतो के, जिनमे लाल कोट नाम का एक 'दुर्ग', तथा अनगताल नाम का कुंड विशेष प्रसिद्ध है, अवशिष्ट चिह्न अधिकांशरूप से उसके समय के ही माने जाते हैं। इस कारण ही किन्ही इतिहास-कारो ने उसे दिल्ली का समुद्धारक भी कहा है।

अनगपाल तृतीय के बारे मे सन ११३२ मे रचे गये जैन कविवर श्रीधर के 'पार्श्वपुराण' मे विस्तृत उल्लेख[3] मिलता है। इस पुराण की रचना उन्होंने दिल्ली मे ही की थी।

अनगपाल तृतीय के पश्चात तोमरवश के किन किन अन्य अन्य शासको ने और कितने समय दिल्ली पर शासन किया, यह अन्वेषणीय है।

सन ११६६ मे दादा गुरू श्री जिनचन्द्र सूरि के समाधि स्थान पर दादावाडी का निर्माण किया गया जो वर्तमान मे बडी दादावाडी के नाम से प्रसिद्ध है।

तोमर वश के अनतर दिल्ली पर चौहान वश के राज्य का अभ्युदय हुआ। इसी वश के अंतिम शासक पृथ्वीराज चौहान ने ऐतिहासिक काल की प्रथम दिल्ली 'पिथोरागढ' नाम से बसायी। इसके शासन काल मे मुहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किये और सन ११९२ के युद्ध मे गृह कलह के कारण पृथ्वीराज पराजित होकर बन्दी हुआ और कुछ समय पश्चात मारा गया। इस प्रकार भारत मे मुस-लमान राज्य की नीव पडी।

३ हरियाणए देसे असखगाम, गामियणजणि अणवरय काम परचक्क विहट्टणु सिरि सघट्टणु जो सुखइणा परिगणिय। रिउ रुहिरावट्टणु विउलू पवट्टणु ढिल्ली नामेणजि भणिय।

जहिं असिवर तोडिड रिउ कपालु। णारणाहु प्रसिद्ध अरणगवालु णिरुदलवडिढय हम्मीर बीरू। वदियणविद पवियणण चीरु॥ —पार्श्वपुराण

गौरी खानदान के बाद एबक, गुलाम, सैय्यद, तुगलक खिलजी, लोदी, पठान, और मुगल, बादशाहो के शासन काल मे राज्य परिवर्तन के साथ साथ दिल्ली के नाम और बसने के स्थान भी परिवर्तित हुए। उस समय से लेकर सन १९११ तक 'कोशके-सीरी' या किला-ए-अलाई', 'तुग-लकाबाद,' 'जहापनाह', 'फीरोजाबाद', 'पुराना किला', 'शाह-जनाबाद' और अग्रेजो की 'नयी दिल्ली'—इस प्रकार ७ दिल्लिया और बसी[4]।

उक्त ऐतिहासिक गति के विपरीत प्रथम बार अग्रेजो ने अपनी राजधानी (नयी दिल्ली) प्राचीन शाहजहानाबाद के दक्षिण मे बसायी। सम्भवत यह भी उस विशाल साम्राज्यवाद की अपनी साम्राज्य सीमा को ऐतिहासिक गति के विपरीत अनतकाल तक अक्षुण्ड बनाये रखने की नीति का अश होगी।

उपर्युक्त राज्य परिवर्तनो ने दिल्ली के राजनैतिक रग-मच पर समय-समय पर अनेक दृश्य उपस्थित किये। प्रत्येक शासन का समय अपना भिन्न भिन्न प्रकार दौरदौरा रखता था और प्रत्येक दौरे मे दिल्ली की राजनीति मे नाना प्रकार के रग पैदा होते थे। कभी शासन की बागडोर किसी मुह चढे गुलाम और कभी किसी धार्मिक, न्याय प्रिय प्रजारक्ष बादशाह या वजीर के हाथ मे होती थी। कभी किसी बडे योद्धा सिपहसालार या किसी महलो मे रहने वाली समझ-दार या नासमझ बेगम का जोर होता था तो कभी किसी धर्मान्ध की आज्ञाये धार्मिक विद्वेष की धधकती अग्नि में सहस्त्रों को निस्सकोच जीवित जला कर भीषण अट्टहास करती। यदि उस काल की राजनैतिक गतिविधियो की विवेचना की जावे तो यह प्रगट होगा कि दिल्ली के महलों और किलो की चहारदीवारी से राज्य सचालन मे समया-नुसार दो विभिन्न प्रकार के स्रोत फूटते थे जिनसे कि एक ओर तो प्रजापालन के एक बडे मैदान की सिचाई होती थी और दूसरी ओर मृत्यु और विध्वस का आलिगन किया जाता था।

इस कालचक्र की तीव्रगति मे जब जब प्रथम प्रकार के स्रोत का बाहुल्य रहा, तब तब सामाजिक और राज-नैतिक समृद्धि के साथ साथ प्रत्येक संस्कृति पल्लवित हुई।

४ देखो, दिल्ली की कहानी

तोमर और चौहान राज्य में जैन धर्म

उक्त मुसलमान शासन काल से पूर्व तोमर और चौहान वंश दोनों ही क्षत्रिय राजवंशों मे जैन धर्म बराबर फूलता फलता रहा। उस काल में अनेक मंदिरो का निर्माण, प्रतिष्ठा महोत्सव और जैन साहित्य की सृष्टि हुई। तोमर वंशीय अनंगपाल तृतीय का राज्य मंत्री साहू नट्टल अग्रवाल वंशी जैन था जिसने सन ११३२ में तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का भव्य और अत्यन्त कलापूर्ण विशाल मंदिर [५] का निर्माण कराया जिसे तथा अन्य हिन्दू मन्दिरो को ध्वस करके ही कुतुबुद्दीन एबक ने कुतुबमीनार के निकट कुव्वत-उल-इस्लाम मसजिद का निर्माण कराया। इस मस्जिद के वर्तमान अवशिष्ट भग्नावशेषो में स्तम्भो व छतों मे उत्कीर्ण दिगम्बर जैन मूर्तियां, जैन मन्दिरो की शैली पर उत्कीर्ण चित्र व कलायुक्त धर्मचिह्न उस प्राचीन मन्दिर के साक्षी हैं। लोहे की कीली के सामने वाले दालान के दोनो ओर के गुम्बदों में पत्थरों में अंकित भगवान पार्श्वनाथ आदि तीर्थंकरो की मूर्तियां, देवेन्द्र द्वारा भगवान का अभिषेक करते हुए समय का दृश्य, तीर्थंकर के गर्भ मे आने के समय माता को दिखलाई देने वाले १६ स्वप्नो मे 'मीन युगल' का शुभ चिह्न[६] तथा नीचे के दोनो ओर के दालानो मे खभो पर हुई नक्काशी की गुच्छेदार जजीरो से लटकती घंटिया आदि प्राचीन जैन स्थापत्य-कला का दिग्दर्शन कराती हैं।

उक्त राज्यमंत्री साहू नट्टल के अनुरोध पर ही उसी वर्ष कविवर श्रीधरने श्री 'पार्श्वनाथ चरित' नामक काव्य[७] ग्रंथ की भी रचना की थी, जिसमें उनका व उनके द्वारा इस विशाल मन्दिर के निर्माण करवाने का उल्लेख मिलता है।

चौहान वंश के शासनकाल में भी जैन धर्म को पल्लवित होने का यथेष्ट अवसर मिला। इसमे न केवल दिल्ली व अजमेर के चौहानवंशी राजाओ ने योगदान दिया, किन्तु आगरा के पार्श्ववर्ती इलाके रपड़ी, रायवद्दिय और चन्द्रवाड़ के चौहानवशी राजाओं के राज्यकाल मे भी, जिनका राज्य १२ वी से लेकर १५ वी शताब्दी तक रहा है, विशेष प्रभावना हुई। उस समय लमेचू और जैसवाल आदि वशो के अनेक प्रतिष्ठित जैनो को राज्य मंत्री बनने का मान प्राप्त हुआ। इन मत्रियो ने अनेक विशाल मन्दिरो का निर्माण करवाया तथा अनेक साधनो से जिनशासन के महत्व मे वृद्धि की[८]। उस समय की अनेक महत्वपूर्ण साहित्यिक रचनाओ मे जैन कवि लक्ष्मण, धनपाल और धर्मधर द्वारा रचित 'अणुव्रत रत्नप्रदीप' 'बाहुबलि चरित' 'श्रीपाल चरित' व 'नागकुमार चरित' उल्लेखनीय है।

सन ११६९ के बिजौलिया के शिलालेख[९] से प्रकट है कि चौहानवशीय राजा पृथ्वीराज द्वितीय और सोमेश्वर ने 'मोरझरी' और 'खेणा' नाम के गाव दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर (जिसका कथन ऊपर आया है) को दान में दिये थे।

---

५. पश्चाद्बभूव शशिमंडल भासामान,
ख्यात क्षितीश्वर जनादपि लब्धमाना।
सद्दर्शनामृत रसायन पान पुष्ट.,
श्री नट्टलः सुभमनाः सप्नारिद्विष्टुः ॥
कवि श्रीधर रचित 'पार्श्वनाथ चरित' प्रशस्ति

६. येनाराध्य विशुद्ध धीरमतिना देवाधिदेव जिन,
सत्पुण्यं समुपर्जितं निजगुणै संतोषिता बांधव
जैनं चैत्यमकारि सुन्दरतर जैनी प्रतिष्ठा तथा
सश्रीमान विदित सदैव जयतात पृथ्वीतलेनट्टलः।
—पार्श्वनाथ चरित पांचवी संधि।

७. विक्कमणरिंद सुपसिद्ध कालि,
ढिल्ली पट्टणि धणकण विसालि,।
सणवासी एयारह सएहि,
परिवाडिएवरिस परिगएहिं ॥
कहाणट्ठमीहि आगहणमासि,
रविवार समाणिउ सिसिरभासि ॥
—पार्श्वनाथ चरित प्रशस्ति.

८. देखो, जैन गजट दि० १८ जून, १९५९-प० परमानद शास्त्री का लेख 'दिल्ली मे जैन धर्म।'

९. देखो, एपिग्राफिया इण्डिका, जिल्द २६, पृ० १०२, और अनेकांत वर्ष ११ किरण १० में प्रकाशित 'बिजोलिया का शिलालेख' नामक लेख।

मुसलमानी शासनकाल में जैन धर्म

मुहम्मद गौरी के स्वदेश वापिस चले चले जाने के बाद वास्तव मे भारत मे मुसलमानी शासन की सुदृढ नीव कुतुबुद्दीन एबक द्वारा डाली गई। कुतुबुद्दीन इस्लाम का कट्टर अनुयायी था। उसने अपनी धर्मांधता मे अनेको हिन्दू व जैन मन्दिरो को विध्वंस कराया। उपर्युक्त राजा अनग पाल तृतीय के राज्यमंत्री श्री साहू नट्टल द्वारा निर्मित विशाल मन्दिर को भी तोड़कर उसने कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद बनवायी। जनरल कनिंघम को दिल्ली की इस मसजिद की दीवाल पर एक अभिलेख अंकित मिला था कि इस मसजिद के वास्ते सामग्री प्रदान करने के लिये २७ भारतीय मन्दिर नष्ट किये गये[१०]।

उक्त प्रकार के कार्य सामान्यत अधिकांश मुसलमान बादशाहो के शासनकाल मे हुए, किन्तु इस वातावरण में भी जैन साधुओ व श्रावको ने अपने धर्म पर आरूढ रह कर तथा समुचित कर्तव्यो को निभा कर साहस व धैर्य का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सन १२७२ मे, जबकि दिल्ली मे गुलाम वश के ही गयासुद्दीन बलबन का शासन था, आचार्य कुंदकुद के महान आध्यात्मिक ग्रथ 'पचास्तिकाय' की प्रति दिल्ली मे लिखी गई। इसकी एक प्रति जयपुर के तेरापंथी मदिर के शास्त्र भडार मे आज भी सुरक्षित[११] है। बलबन के शासन काल मे ही प्राग्वाट (पोरवाड) कुल के सूर और वीर दो जैन सरदार राज्यमत्री के पद पर नियुक्त किये गये[१२]

दिल्ली के सिहासन पर गुलामवश के बाद खिलजी वश का अभ्युदय हुआ। इस वश मे अलाउद्दीन खिलजी का समय ऐतिहासिक तथा जैन दृष्टि मे भी महत्वपूर्ण रहा है। यद्यपि अलाउद्दीन तीव्र और उग्र प्रवृत्ति का शासक था और उसकी किसी भी धर्म विशेष मे आस्था न थी, किन्तु किसी सयोगवश वह जब भी जैन श्रावक अथवा साधुओं के समागम मे आया, जैन धर्म की विशेषताओं ने उसके हृदय पर अपनी छाप अंकित की, जैसा कि निम्न प्रसंग से प्रकट होता है।

कहा जाता है कि एक बार बादशाह ने अपने एक दो कृपापात्र दरबारियों के कहने पर सभी धर्मों की परीक्षा लेने का विचार किया और इस बात की आज्ञा प्रचलित की कि जो धर्मावलम्बी अपने धर्म की परीक्षा में अनुत्तीर्ण होंगे, उनको इस्लाम अगीकार करना पडेगा। जब जैनों को बुलाया गया तो उन्होने ६ मास का समय मांगा। बादशाह से अनुमति मिलने पर उन्होंने गुरु की खोज में दक्षिण की ओर प्रस्थान किया। दक्षिण मे उन्हे माहवसेन (माधवसेन) मुनिराज के दर्शन हुए। मुनिराज ने निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद पहुचकर दरबार मे वाद-विवाद किया और जैन धर्म की महत्ता पर उपदेश दिया[१३] जिसे सुन कर बादशाह बड़ा प्रभावित हुआ और ३२ शाही फर्मानों द्वारा जैन धर्म की महत्ता के साथ अहिंसा की प्रतिष्ठा और यात्रा आदि की सुविधाओं के साथ जीव हिंसा न करने का उल्लेख किया। वे फर्मान काष्ठासघ माथुर गच्छ पुष्कर-गण के भट्टारक जगत्कीर्ति के शिष्य ललितकीर्ति के पास जो दिल्ली की गद्दी के भट्टारक थे सन १८३१ तक सुरक्षित रहे, उसके बाद वे फर्मान किस स्थान को ले जाये गये, अभी तक अज्ञात है। कहते हैं कि उन फर्मानों की कापियां नागौर और कोल्हापुर के भट्टारकीय भंडारो मे अब भी उपलब्ध है।

उपर्युक्त मुनिराज माधवसेन के पास जाने वाले श्रावकों में तत्कालीन दिल्ली के प्रसिद्ध सेठ पूर्णचन्द्र जी अग्रवाल प्रमुख थे। अलाउद्दीन के दरबार मे उनका बडा आदर था। उन्होंने बादशाह से आज्ञा लेकर गिरनार की यात्रार्थ एक तीर्थ यात्रा सघ[१४] निकाला था। उसी समय एक श्वेताम्बर संघ साहू पेथड के नेतृत्व मे गिरनार यात्रा को पहुचा था।

१०. दी आर्कियालाजीकल रिपोर्टस, जिल्द, १ पृ० १७६.

११. देखो, तेरापंथी मन्दिर जयपुर की जैन ग्रथ सूची मे अकित पक्तिया—'सवत १३२६ चैत्रवदी दशम्या बधवासरे अद्येह योगनीपुरे समस्त राजा वलि सभलंकृत श्री गयासदीन राज्ये अत्र स्थित अग्रोतव परम श्रावक जिन चरण कमल······

१२. देखो, सोमगणिकृत गुरु गुण रत्नाकर मे निम्न पक्तियां —'श्री ग्यास दीनावनि मुनियोगिनौ महर्द्धि को मडणप दुर्गवासिनो। श्री सूरवीरौ कृतिनौ। सुदानिनौ प्राग्वाट मुख्याविहयौ यशस्विनौ ॥१५॥

१३. देखो, जैन सिद्धांत भास्कर भाग१, किरण ४, पृ० १०६.

१४. देखो, जैन हितैषी भाग १५, अक ४, पृ० १३२.

अलाउद्दीन के राज्य मे ठक्कुर फेरू नाम के एक जैन विद्वान शाही खजांची थे। वे रत्न-परीक्षक और टकसाल के कार्य में दक्ष थे। राजकीय कार्य से समय निकाल कर उन्हो ने कई आध्यात्मिक रचनाए भी की। 'युग प्रधान चौपई' नामक रचना सन १२६० मे और 'रत्न परीक्षा', 'द्रव्य धातुत्पत्ति', 'वस्तुसार प्रकरण' व 'जोईसार' ग्रथ सन १३१६ में रचे। इसके अतिरिक्त भी उन्होने कई ग्रंथ संभवत अलाउद्दीन की मृत्यु के बाद अपने विश्रामकाल में लिखे[१५]।

सन १३०६ मे पानीपत निवासी साहुछगे के पुत्र साहु-बीसल की प्रेरणा मे कन्हड के पुत्र गधर्व कवि ने आचार्य पुष्पदत के यशोधर चरित्र मे राजा व कौरू का प्रसग, यशोधर का आश्चर्यजनक विवाह, और उसके भवातर बना कर प्रविष्ट किये थे।[१६]

सन १३७६ मे श्रावक देवराज ने ससघ शत्रुंजय की यात्रा की जिसका उल्लेख तत्कालीन आचार्य जिनप्रभ सूरि ने निम्न पद्य मे किया है.

महि मडलि हुय सघ वइणा,
दिवराय सरिस बहु जत्तजणा।
जिणि ढिल्लिय नयरिहि मज्झिपयं,
देवालउवछिउ जत्तकय ॥३॥

फालिहमणिसमिहर कर विमल,
जस कलसु चडावियउ जेण कुल।
मग्गणजण तोसि य घणवरिसे,
अवयरिउकन्नु दिवराय मिसे ॥४॥

उक्त जैनाचार्य जिनप्रभ सूरि ने अपनी मधुर वाणी व गभीर भाषण शैली से तत्कालीन बादशाह कुतुबुद्दीन मुबारकशाह को बडा ही प्रभावित किया था[१७]।

तुगलक वश मे सर्वप्रथम बादशाह गयासुद्दीन तुगलक सन १३२० मे दिल्ली की गद्दी पर बैठा। इसके ही शासन काल में सन १३२३ मे दिल्ली के श्रीमाल ज्ञातीय सेठ हरू के पुत्र श्रावक रयपति ने तीर्थयात्रा के लिये शाही फर्मान प्राप्त किया था और ५ माह की लम्बी यात्रा के बाद दिल्ली वापिस पहुँचे थे[१८]।

गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र मुहम्मद तुगलक गद्दी पर बैठा। मुहम्मद तुगलक बडा ही विद्वान तथा तर्क, ज्योतिष व गणित मे निपुण था। वह उच्च-कोटि का लेखक व कवि भी था। दक्षिण मे हुम्बच नामक स्थान के 'पद्मावती वस्ति' के शिलालेख मे यह प्रगट होता है कि मुहम्मद तुगलक ने कर्नाटक देशवासी दिगम्बर जैनाचार्य सिंहकीर्ति को सम्मान दिया था। आचार्य जी ने

---

१५. देखो, विशाल भारत अक—पृ० १० पर मुनि कातिसागर द्वारा 'लेख'।

१६. हो पडिय ठक्कुर कणह पुत्त,
उवयारिय बल्लह परम मित्त।
कइ पुप्फयत जसहरचरित्त,
किउ सुट्ठु सद्दलक्खण विचित्त।
पेसहितहि राउलुकउलु अज्जु,
जसहार-विवाहु तहजणिय चोज्जु।
सयलह भव-भमण भवतराइ,
महुवछिउ करहि णिरत गाइ।
ता साहु समीहिउ कियउ सव्वु,
राउलु विवाहु भव-भमण भव्वु।
वक्खाणिउ पुरउ सेहइ जाम,
सतुट्ठउ बीसल साहु ताम।
जोयणिपुर वरि णिवसतु सिट्ठु,
साहुहि घरे सुत्थि यणहु घुट्ठ।
पणसट्ठि सहिय ते रहसमाइ,
णिव विक्कम सवच्छरा गयाइ।
वइसाह पहिलइ पक्खिबीय,
रविवार समत्थिउ मिस्सतीय।
चिरु वत्थु बधिकइ कियउ जजि,
पद्धडियहि बधि सइ रइउ तजि।
गधव्वे कण्हडणदणेण,
आयइ भवाइ किय थिरमणेण।
—'यशोधर चरित' प्रशस्ति, आमेर भण्डार।

१७ राउ महमद साहिजिणि नियगुण जियउ महि मडलि ढिल्लिय पुरि जिनधरमु प्रकट किउ।
तेर पचासियइ पोस सुदि आठमि सणिहवारो भेटिउ असपते महमदो सुगुरू ढीलियनयरे ॥
—जिनप्रभसूरि गीत ऐतिहासिक काव्य सग्रह पृ० ११-१३

१८ देखो, दी कर्णाटक हिस्टोरीकल रिव्यू भा० ४, पृ. ८५

बादशाह के निमन्त्रण[१९] पर दरबार मे जाकर धर्म का बडा ही मारगर्भित विवेचन किया था। आचार्य सिंहकीर्ति जी ने ही उस समय मे हुए वाद-विवाद में इतर विद्वानो को पराजित किया था[२०]।

उक्त जैनाचार्य जिनप्रभु सूरि ने मुहम्मद तुगलक के राज्यकाल में ही अपना 'विविध तीर्थ कल्प' नामक ग्रथ पूर्ण किया था[२१]। उसी समय भट्टारक रत्नकीर्ति के पट्ट पर भ० प्रभाचन्द्र का भारी महोत्सव के साथ पट्टाभिषेक हुआ था, जिसका उल्लेख उनके शिष्य धनपाल ने अपने 'बाहुबलि चरित' मे किया है[२२]। इसी ग्रथ मे भ० प्रभाचन्द्र की मुहम्मद तुगलक द्वारा मान्यता का भी उल्लेख है[२३]।

१९. देखो, कर्णाटक हिस्टोरीकल रिव्यू, भा० ४, पृ० ८५

२० श्री मद्दिल्ली पुरेउ, मुहम्मद सुरित्राणस्य माराकृते निर्जित्याशु सभावनो जिनगुरू बौद्धादि-वादि-व्रजम । श्री भट्टारक सिंह कीर्ति मुनिरा···द्यैकविद्यागुरू बाभात्यस्वपते दिनेशतनयो बगाल देशावृत

हुम्बच वस्ति शिलालेख, जैन लेख स० भा० ३ पृ० ५२१ ॥

उक्त वाद विवाद का उल्लेख दशभक्त्यादि महाशास्त्र मे भी इस प्रकार है

विद्यानन्द स्वामिन सुतूर्य सजात-सिंह कीर्ति यतींद्र । ख्यात श्रीमान पूर्ण चरित्र गात्रो दान स्वर्भू धेनुमन्दार देश ॥ बाभात्यस्वपदे दिनेश तनयो गगाढय देश वृत । श्री मद्दिल्लि पुरे महम्मद सुरित्राणस्य माराकृते । निर्जित्याशु सभावनो जिनगुरु बौद्धादि वादि व्रजम । श्री भट्टारक सिंह कीर्ति मुनिराट नाटचैक विद्या गुरु ॥

—दशभक्त्यादि महाशास्त्र।

२१ नन्दानेक प्रशस्ति शीत गुमिते श्री विभुमोर्वीपते, वर्षे भाद्रपदस्य मासयवरजे सौम्येदशम्या तिथौ। श्री हम्मीर महम्मदे प्रतपति क्षमामडलेखडले, प्रयोज्य परिपूर्णतो ममभजच्छी योगिनीपतने। — विविध तीर्थ कल्प.

२२ तहि भव्वहि सुमहोच्छवु विहियउ,
सिरि रयणकित्ति पट्ट णिहियउ।
—बाहुबलि चरित प्रशस्ति।

२३ 'महमद साहि मणु रजियउ,
विज्जिहि वाइय मणु भजियउ।"
—बाहुबलि चरित प्रशस्ति।

मुद्रण शैली के अभाव मे उस समय श्रावको के अनुरोध पर विद्वानो द्वारा धार्मिक ग्रथों का लिखा जाना और मन्दिरो में विराजमान होना एक विशेष महत्व की बात मानी जाती थी। सन १३३४ मे अग्रवाल वशी साहू महीपाल के पुत्रो ने महाकवि पुष्पदत के उत्तर पुराण की प्रति लिखवाई थी जो आज भी आमेर के शास्त्र भडार मे सुरक्षित[२४] है।

इसी प्रकार, जैन शास्त्रो मे बतलाई गई व्यवस्थानुसार व्रतो की समाप्ति (उद्यापन) पर मन्दिरों मे धर्म ग्रन्थो को भेंट देने का प्रचलन उस समय भी दिल्ली मे था। सन १३४२ मे दिल्ली के 'दरबार चैत्यालय' मे पचमी व्रत के उद्यापन पर काष्ठासघी भट्टारक नयसेन के शिष्य दुर्लभसेन के अध्ययनार्थ अग्रवाल वशी श्रावक सागिया और उनके पुत्रो द्वारा सकल सघ के समक्ष पाच पुस्तके विराजमान करने का उल्लेख[२५] आमेर के शास्त्र भंडार मे उपलब्ध 'क्रिया कलाप सवृत्ति' नामक ग्रथ में मिलता है। इस सम्मुलेख मे यह बात विशेषरूप से ध्यान देने योग्य है कि उस समय दिल्ली मे एक 'दरबार चैत्यालय' नामका प्रसिद्ध मन्दिर था जिसमे काष्टासघ, माथुरगच्छ और पुष्करगण के साधु नयसेन और दुर्लभसेन निवास करते थे। यह चैत्यालय कहा और किस स्थान विशेष पर था, किसके द्वारा बनवाया गया था और इसका क्या हुआ, यह सब अज्ञात सा ही है। किन्तु ऐसा मत है कि सम्भवत यह चैत्यालय पूर्व मे बसी हुई दिल्ली के स्थान पर ही कही होगा।

सन १३५१ मे मुहम्मद तुगलक की मृत्यु के पश्चात उसका चचेरा भाई फीरोजशाह तुगलक दिल्ली की गद्दी पर बैठा। फीरोजशाह स्वभाव का धार्मिक व शान्तिप्रिय था। यद्यपि वह इस्लाम का कट्टर पक्षपाती था, परन्तु तत्कालीन जैन भट्टारक प्रभाचन्द्र[२६] का विशेष सम्मान करता था।

२४ देखो, उत्तर पुराण लिपि प्रशस्ति सग्रह पृ० ९७,

२५ देखो, क्रिया कलाप सटीक प्रशस्ति, प्रशस्ति सग्रह, पृ० ९७.

२६. देखो, ए पन्नालाल दि० जैन सरस्वती भवन ब्यावर मे उपलब्ध 'भगवती आराधना पजिका' और जयपुर तेरापथी मदिर मे उपलब्ध 'वृहद द्रव्य सग्रह' की लिपिप्रशस्तिया।

तुग़लक वंश के अन्तिम बादशाह महमूद तुगलक की सन १४१४ में मृत्यु के साथ ही इस वंश का अन्त हो गया और उसके बाद सैयद वंश का पहला बादशाह खिजर खां बना। इस वंश के बादशाहो ने दिल्ली सिंहासन पर सन १४५० तक राज्य किया। इस वंश के मुबारिकशाह के शासन काल (सन १४२१-२३) मे साहू हेमराज राज[२७]-मंत्री पर पद रहे। इन्होंने एक भव्य चैत्यालय बनवाया, तत्कालीन भट्टारक यशःकीर्ति द्वारा पाण्डव-पुराण की रचना करवाई और हस्तिनापुर के लिये संघ चलाया था[२८]। यशकीर्ति व उनके जेष्ठ भ्राता एवं गुरु गुण कीर्ति दोनों ही अपने समय के बड़े विद्वान व संयमी थे। उन्होंने स्थानों-स्थानों पर भ्रमण कर जनसाधारण के लिये धर्म का उपदेश दिया। तथा अनेक ग्रंथो का जीर्णोद्धार कराया। गुणकीर्ति जी की प्रेरणा से पं० पद्मनाभ नाम के कायस्थ विद्वान ने 'यशोधर चरित' की रचना की। भट्ट० यशकीर्ति जी ने अग्रवाल वंशी साहू दिवड्दा की प्रेरणा से 'हरिवंश पुराण' नाम के ग्रंथ की रचना सन १४४३ मे की[२९]। इस

२७. देखो, पाण्डव पुराण प्रशस्ति—

"तहो णंदणु णंदणु हेमराउ,
जिणधम्मोवरि जसु णिच्च भाउ।
सुरताण मुमारख तणइ रज्जे,
मतितणे थिउ पिय भार कज्जे।"

२८. देखो, पाण्डव पुराण प्रशस्ति—

"जे अरहत देउ मणि भाविउ,
जासु पहुत्त कोविण ताविउ।
जेण करावहु जिण चेयालउ,
पणणहेउ चिररय पक्खालउ।
धयतोरण कलसेहि अलंकिउ,
जसु गुरुत्ति हरि जाणुवि सकिउ।"

विक्कमराय हो ववगय कालइ,
महि इदिय दुसुण्ण अंकालइ।
भादव एयारसि सिय गुरुदिणे,
हुउ परिपुण्णउ उग्गतहि इणे॥

—हरिवंश पुराण-१३ १६

२९. वदान्यो बहुमानश्च सदा प्रीतो जिनार्चने।
परस्त्री विमुखो नित्यं दिउढाख्योम नन्दतात्॥

—हरिवंश पुराण संधि ५-१

ग्रंथ मे २६७ कड़वको के द्वारा जैन धर्मानुकूल महाभारत की कथा को अंकित करते हुऐ भ० नेमिनाथ का जीवन परिचय दिया है।

धर्मपुरा स्थित 'नया मंदिर' मे भट्टारक यशःकीर्ति की प्रेरणा पर कवि बिबुध श्रीधर द्वारा संस्कृत का सन १४२६ में रचित 'भविष्यदत्त कथा' नाम का ग्रंथ उपलब्ध है।

सन १४६१ में सैयद वंश के अंत के पश्चात लोदी वंश के सुलतानों ने दिल्ली पर शासन किया। इस वंश के अंतिम सुलतान इब्राहीम लोदी को सन १५२६ मे पानीपत के प्रथम युद्ध मे परास्त कर बाबर ने भारत मे मुगल वंश की स्थापना की। बाबर के राज्य काल मे सन १५३० में साहू साधारण श्रावक की प्रेरणा से दिल्ली (योगिनीपुर) में इल्लराज के पुत्र महिन्दु (महाचन्द्र) ने भगवान शांतिनाथ का चरित चार हजार तीन सौ श्लोको के प्रमाण का बनाया था[३०]। उस ग्रंथ की एक मात्र उपलब्ध पाडुलिपि धर्मपुरा के नया मन्दिर के शास्त्र भंडार मे आज भी है। इस ग्रंथ से यह भी ज्ञातव्य है कि साहू साधारण ने उस समय एक चैत्यालय का निर्माण कराया था और हस्तिनागपुर की यात्रा के लिये संघ भी चलाया था[३१]।

३०. देखो, शांतिनाथ चरित की निम्न पंक्तियां—

"विक्कम राय हु ववगइ कालइ
रिसि-वसु-सर भूयवि अंकालइ।
कत्तिय पढम-पक्खि पंचमिदिणि,
हुउ परिपुण्णगे कि उग्गतइ इणि॥"

३१. देखो, शांतिनाथ चरित प्रशस्ति—

"जहिं चाउवण्ण एयसुहि वसति,
णिय-णिय किरियाइ विरत्त चित्ति।
तहिं चेयालउ उत्तुंग सहइ,
धय मंडिड मोक्खहों मग्गु वहइ।
जहिं मुणिवर सत्थइ वायरति,
मह-जणण-पुय्य सावयकरति।
तहिं कट्ठसंघ माहुर विगच्छि,
पुक्खरगण मुणिवर चइविलच्छि।
जसमुत्ति विजसकित्तिवि मुणिंदु,
भव्वयण-कमल-वियसण-दिणंदु।
तहु सीसु वि मुणिवरू मलयकित्ति,
अणवरय भमइ नगि जाहकित्ति।
तहु सीसु वि गुण-गण रयण भूरि,
भुवणयलि सिद्ध गुणभद्द-सूरि।
घत्ता-तहुपय-भत्तउ साहु भोयराउ जाणिज्जइ,
गुण वट्ठियइ णिवाणि जोयणिपुर णिवसज्जइ।

उसी समय के साहु तोमड के जयेष्ठ पुत्र नेमिदास जो कि चन्द्रवाड़ के तत्कालीन चौहानवंशी राजा प्रतापरुद्र द्वारा सम्मानित था, ने बहुत प्रकार की धातु स्फटिक और विद्रुम (मूंगा) की अगणित जैन प्रतिमाऐं बनवाई थी और उनकी प्रतिष्ठा भी कराई थीं[32]।

शेरशाह सूरी, जो कि बाबर की मृत्यु के पश्चात उस के पुत्र हुमायूं को सन १५४० मे पूर्णतया परास्त कर दिल्ली के सिंहासन पर बैठा, के शासन काल मे आचार्य पुष्पदत रचित 'आदिपुराण' की एक सचित्र प्रति लिखी गई, जो कि वर्तमान में जयपुर के तेरापंथी मन्दिर के शास्त्र भंडार मे आज भी सुरक्षित है। इस ग्रथ में लगभग ५०० चित्र है जिनमे अधिकाश स्वर्णांकित हैं। इन चित्रो मे मुगलकालीन कला परिलक्षित होती है तथापि दर्शनीय और भावपूर्ण है।

सन १५५५ मे हुमायूं ने पुन: दिल्ली का राज्य प्राप्त किया। सन १५५६ मे उसकी मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र अकबर गद्दी पर बैठा किन्तु उसने आगरा को राजधानी बनाया। भारतीय इतिहास मे मुगल सम्राटो मे अकबर का शासन काल स्वर्णयुग माना जाता है। अकबर की उदार व असाम्प्रदायिक धार्मिक नीति के कारण उसके शासन काल मे प्रत्येक धर्म ने प्रगति की। अकबर की इस धर्म निरपेक्षता की नीति के बारे मे उल्लेख उस समय के जैन विद्वान पाडे राजमल जी ने सन १५७५ मे रचे गये अपने ग्रथ 'श्री जम्बू स्वामी चरित' मे भी किया है[33]।

उक्त ग्रथ मे जैन श्रावक साहू टोडरमल, जो कि अकबर के उच्चाधिकारियो मे से थे और जिन्होंने मथुरा के निकट बने हुऐ ५०० से भी अधिक जीर्ण स्तूपो का उद्धार कराया था तथा नवीन स्तूप भी निर्माण कराये थे, का भी उल्लेख किया है[34]।

अकबर एक कुशल राजनीतिज्ञ व धर्म निरपेक्ष बादशाह होने के साथ-साथ विद्वान प्रेमी भी था। उसके दरबार के नवरत्न इतिहास प्रसिद्ध है। श्वेताम्बरीय जैन तपगच्छ के तत्कालीन विद्वान पद्मसुन्दर उसके ३२ हिन्दू सभासदो के पाच विभागो से प्रथम विभाग मे थे[35]। पद्मसुन्दर जी के के गुरू पद्ममेरू और दादा गुरु आनन्दमेरु दोनो ही विद्वान बाबर व हुमायूं से सम्मानित थे[36]। पद्म सुन्दर जी के स्वर्गवास के पश्चात उनका विशाल जैन इतर साहित्य का भडार भी अकबर के संरक्षण में ही रहा[37]।

उस समय के प्रख्यात श्वेताम्बर जैनाचार्य हरिविजय जी व उनके शिष्य अकबर द्वारा विशेष सम्मान प्राप्त थे। आचार्य हरिविजय जी को उसने प्रथम भेंट पर जो कि सन १५८२ मे हुई, उक्त पद्म सुन्दर जी के भंडार में से एक ग्रंथ भी उपहार स्वरूप दिया था[38]।

अबुलफजल ने इन साधुओ की गणना अकबर के दरबार के उल्लेखनीय विद्वानो मे की है। उसने उन्हे 'खुशफहम' की उपाधि प्रदान की थी[39]।

अकबर के शासन-काल मे ही पद्मसुन्दर जी ने 'भविष्य दत्त चरित', 'रायमल्लाभ्युदय काव्य,' और 'पार्श्वनाथ चरित,' नामक ३ ग्रथो की रचना की थी। भट्टारक विशाल कीर्ति के शिष्य ठाकुर ने भी उसी समय 'महापुराण कालिका' नामक विशाल हिन्दी ग्रथ की रचना की थी जिस में त्रेसठशलाका पुरुषो (२४ तीर्थकर, १२ चक्रवर्ती, ९ नारायण, ९ प्रतिनारायण और ९ बलभद्र) का संक्षिप्त परिचय दिया गया है[40]। कवि परिमल की सन १५४९ की रचना 'श्रीपाल चरित' भी उसी समय की है।

> जे तित्थयर विगोत्तु णिबद्धउ,
> करि पयट्ठ सुहं पुराणु लद्धउ।
> सघाहिउ गयपुरि सजायउ,
> अमर वालु सघह सहु भायउ।
> गग्ग गोतु णिम्मलु गुण मायरू,
> सुयरें मेरुवितेय दिवायरू।"

३२. देखो, कविवर रइधू कृत 'पुराणाश्रव कथा कोष' प्रशस्ति।

३३. देखो राजमल कृत 'जम्बू स्वामी चरित्र' के ९, १० ११ वे पद्य।

३४. देखो राजमल कृत 'जम्बू स्वामी चरित्त' के ७९ से १२२ वें पद्य।

३५. देखो, जैन साहित्य और इतिहास, पृ० ३९५.

३६. देखो, पद्मसुन्दर कृत 'अकबर शाहिशृंगारदर्प' की प्रशस्ति।

३७-३८. देखो, 'सूरीश्वर अने सम्राट' पृ० ११९.

३९. अनेकांत वर्ष १३, किरण ७-८ मे प्रकाशित लेख।

४०. देखो, 'लाटी संहिता' के २३, ६१ व ६२ वे छद।

अकबर ने गुजरात के तत्कालीन महाविद्वान साधु श्री जिनचन्दसूरि की विद्वता के बारे मे सुनकर उन्हे सम्मान के साथ आमंत्रित किया था[४१]। जब तक उन्होंने राजधानी में निवास किया, वह उनका उपदेश नित्य श्रवण किया करता था।

अकबर के पुत्र सलीम (जहागीर) के शासन काल में भी अनेक मूल ग्रथो की रचना हुई और प्रतिलिपि का कार्य हुआ। जहागीर ने भी अपनी राजधानी आगरा ही रखी इसी पर आचार्य श्री जिनचन्द्र सूरि के शिष्य जिनसिह का विशेष प्रभाव पडा था[४२]।

जहांगीर के शासन काल में जैन जगत के सुविख्यात कविवर भगवती दास जो कि मूलत. बूढ़िया ग्राम (जिला अम्बाला) के निवासी थे व दिल्ली के तत्कालीन भट्टारक महेन्द्रसेन के शिष्य थे ने अपनी रचनाये की। भगवतीदास जी जैनागम के अच्छे ज्ञाता सस्कृत व प्राकृत भाषा के विद्वान व आशु कवि थे। उनकी संस्कृत हिन्दी और अपभ्रंश भाषा की अनेक रचनाऐ उपलब्ध हैं।

कारंजा के शास्त्र भंडार मे आपकी ज्योतिष सम्बन्धी 'ज्योतिषसार' नाम की एक संस्कृत रचना भी उपलब्ध है, जिसे उन्होने सन १६३७ में हिसार के वर्धमान चैत्यालय मे बना कर समाप्त किया था[४३]। उनकी कुछ महत्वपूर्ण कृतियां जो कि सन १५६४ से लेकर सन १६४३ तक के समय के बीच मे रची गई थीं अजमेर के भट्टारक हर्षकीर्ति के शास्त्र भंडार के एक गुटके मे लिखी हुई प्राप्त हुई हैं। उन की अन्य रचनाओं मे 'वैद्य विनोद' 'दिल्ली राज दोहावली' 'चूनडी रास' और 'अनेकार्थ नाम माला' उल्लेखनीय है[४४]। 'वैद्य विनोद' की रचना उन्होने सन १६४३ मे अकबराबाद में की थी और जो अब भी कारंजा के ज्ञान भडार मे सुरक्षित है। उन्होंने 'चूनड़ी रास' ग्रंथ की रचना सन १६२३ में जहाँगीर के राज्य काल में की थी, इस ग्रथ की अन्तिम प्रशस्ति मे दिल्ली (योगिनीपुर) के मोती बाजार में स्थित पार्श्वनाथ मन्दिर का उल्लेख विशेष किया गया है[४५]। इस मंदिर का निर्माण कब और किस स्थान पर हुआ तथा बाद में इसके अस्तित्व को क्या हुआ, यह उपर्युक्त सन १४४० से लेकर सन १५३० के बीच मे स्थित कई मन्दिरों, जिनके बारे मे विभिन्न ग्रंथों में उल्लेख मिलता है और जिनका अस्तित्व आज ज्ञात नहीं है, की तरह अन्वेषणीय है।

सन १६२७ मे जहाँगीर की मृत्यु के पश्चात उसके पुत्र शाहजहा सिहासन पर बैठा। उसने पुन. दिल्ली को शाहजहानाबाद के नाम से राजधानी बनाया। उस के शासन काल मे ही एक सैनिक ने छावनी के निकट उर्दू बाजार मे शाही अनुमति लेकर जैन मन्दिर की स्थापना की थी जो उस समय उर्दू मन्दिर और कालातर मे लाल मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। जैसा कि अगले अध्याय मे दिये गये विवरण से प्रगट होगा, मन्दिर की दायी ओर की वेदी प्राचीन मूल वेदी है जिसमे तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सन १४९१ की भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित मूर्ति विराजमान है।

शाहजहा के राज्य काल मे ही दिल्ली दरवाजे के निकट अवस्थित दिगम्बर जैन मन्दिर का निर्माण हुआ[४६]।

---

४१. देखो, सूरिश्वर अने सम्राट, पृ० १४६७-१५५.

४२. इडियन कलचर भा० ४ नं० ३, पृ० ३११-१२.

४३. देखो, भगवतीदास कृत 'ज्योतिसार'।

४४. देखो, अनेकांत वर्ष ११, किरण ४-५.

४५. देखो, भगवतीदास कृत 'चूनडी रास' के ८३ व ८४ वे निम्न पद्य—

"नगर बूढिये बसै भगौती,
जन्मभूमि है आसि भगौती।
अग्रवाल कुल वंसल गोती,
पंडित पद जन निरख भगौती। ८३

जोगनिपुर परि राजे,
राम खोरि नित नौबत बाजे।
प्रतिमा पार्श्वनाथ अघहता,
नगर नर पवर मतिवता।
मोती हट निज भवन विराजै,
प्रतिमा पार्श्वनाथ की साजै।
श्रावक सुगुन सुजात दयाल,
षट् जिय जाम करे प्रतिपाल ।।

४६. देखो, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मोनूमेंटस।

सन १६३५ मे पंडित प्रवर रूपचन्द्र जी ने समवशरण पाठ की रचना की[४७]।

औरंगजेब के समय में क्रूर और कट्टर सम्प्रदायिक नीति का पुनः बोलबाला हुआ। अकबर द्वारा लगाये गये धर्म निरपेक्ष शासन के वृक्ष को समूल जड से उखाड कर फेंक दिया गया। ऐसे शासन मे नवीन मंदिरो, मूर्तियो आदि के निर्माण की बात तो दूर रही, अवस्थित मन्दिरो आदि धार्मिक स्थानो को सुरक्षित रहना भी दुष्कर था।

उस समय की दिल्ली की उल्लेखनीय ग्रथ रचनाओ में आचार्य अरुणमणि का 'अजितपुराण' है जिसकी रचना उन्होंने सन १६५६ मे शाहजहानाबाद मे जयसिंहपुरा के पार्श्वनाथ मन्दिर मे की थी[४८]।

शाहजहानाबाद मे जो बाद को जयसिहपुरा और वर्तमान मे नई दिल्ली के नाम से प्रसिद्ध है, दो प्राचीन मंदिरो का उल्लेख मिलता है एक मन्दिर पार्श्वनाथ का जिसका उल्लेख उक्त अजितपुराण में आया है और जो आज कल खडेलवाल मन्दिर कहा जाता है, यह मन्दिर कब और किसने बनवाया, यह ज्ञात नही हो सका। दूसरे मन्दिर का उल्लेख 'महावीर चैत्यालय' के नाम से मुगल बादशाह मुहम्मदशाह के राज्यकाल का सन १७२४ का उपलब्ध हुआ है। इस मन्दिर के बारे मे ऐसा कहा जाता है कि जयपुर के राजा सवाई जयसिह जब दिल्ली पधारे थे और उन्होने सन १७२४ मे जब रायसीना मे जतर मतर का निर्माण कराया था, उसी समय उनके दीवान रामचन्द्र छाबडा ने 'महावीर चैत्यालय' का निर्माण कराया था। ऐसा भी मत है कि नई दिल्ली की वर्तमान निशिया स्थान मे ही उक्त मन्दिर अवस्थित रहा हो क्योकि उसमें भी शिखर आदि नही था।

सन १७१६ में नौघरे के भव्य व कलापूर्ण श्वेताम्बर मन्दिर का निर्माण हुआ।

औरंगजेब के बाद बहादुरशाह, फर्रुखसियर और मुम्मदशाह दिल्ली की गद्दी पर बैठे। फर्रुखसियर के काल मे सेठ घासी राम खजाची रहे जिन्होंने कूंचा घासीराम बसाया। मुहम्मदशाह के राज्य काल में सन १७३६ मे नादिरशाह के आक्रमण से मुगल साम्राज्य, जिसका अध पतन औरगजेब के समय से ही प्रारभ हो गया था, की नीव खोखली हो गई। मुहम्मद शाह के उत्तराधिकारी नितांत ही निर्बल और अयोग्य थे। शाह आलम द्वितीय ने अग्रेजो को बगाल, बिहार उडीसा की दीवानी का अधिकार दिया। धीरे धीरे अग्रेजों का जो कि भारत मे केवल व्यापार की अनुमति लेकर आये थे, राजनैतिक प्रभुत्व बढ़ता गया और बाद में एक क्षेत्रराज्य स्थापित हुआ। बहादुर शाह द्वितीय मुगल वश का अन्तिम बादशाह था, जिसे सन १८५७ के अग्रेजो के विरुद्ध प्रथम स्वातत्र्य सग्राम मे थोडे समय के लिये सिहासनारूढ किया गया। बाद मे अग्रेजो ने उसे बदी बनाकर रगून भेज दिया जहा उसकी मृत्यु हो गई। इस प्रकार भारत मे मुगल वश की सदैव के लिए इतिश्री हो गई।

मुहम्मदशाह के राज्य काल मे सन १७४६ मे भट्टारक जगत कीर्ति की आम्नाय मे पंडित जैरामदास के शिष्य राम चन्द्र ने 'आदि पुराण' की प्रतिलिपि लिखी जो आज भी पंचायती मन्दिर में विद्यमान है। उसके मुहम्मदशाह के समय मे नादिरशाह द्वारा किये गये आक्रमण व आज्ञा के परिणाम स्वरूप दिल्ली मे फाल्गुन शुक्ल १२ सम्वत् १७९५ का कुविख्यात नर बध तथा लूट आदि का चित्रण उसी दिन पूर्ण हुए 'प्रद्युम्न चरित' की प्रतिलिपि जो वर्तमान मे 'जैन सिद्धात भवन आरा' मे उपलब्ध है, में किया गया है।

मुहम्मदशाह के शासन काल मे शाही खजाची पद पर हिसार निवासी राजा हरसुखराय जी थे। उसके बाद भी अपनी मृत्युपर्यंत, आलमशाह द्वितीय आदि के राज्य में, वह इस पद पर रहे। इनको बादशाह की ओर से राजा की पदवी प्राप्त थी।

४७ श्रीमत साहि जलालदीनविलसद्, वंशाद्रि भास्वन्महा,
नृपदविश व महोदय जहागीरात्मज सज्जय।
व श्री साहिजहा नरेन्द्र महितो मत्या, चकत्तान्वयः
श्रीन्द्रप्रस्थपुर प्रताप विदितो यत्पालनेप्रोद्गत।
—जैन ग्रथ प्रशस्ति स०, पृ० १५६

४८. देखो, अरुणि मणि कृत 'अजित पुराण' की निम्न पक्तिया–
"रस वृषयति चद्रे रुयात संवतसरे (१७१६) स्मिन।
नियमित सितवारे वैजयन्ती दशम्या॥
अजित जिन चरित्र, बोधयात्र बुधाना।
रचित ममल वाग्यि रक्त रक्तेन॥४०॥
मुगले भू भुजा श्रेष्ठ राज्येऽ वरग साहि के।
जहानाबाद नगरे पार्श्वनाथ जिनालये॥४१॥"

कहा जाता है कि मन्दिर की नींव सन १८०० में पड़ी थी और ७ वर्ष पश्चात लगभग ५ लाख की लागत से इसका निर्माण हुआ था[४९]। कुछ लेखकों ने ८ लाख रुपये की लागत का उल्लेख भी किया[५०] है। मन्दिर की मुख्य वेदी, मूलनायक का कमल रूपी सिंहासन तथा वेदी के चारों ओर बने हुए सिंह युगल की कारीगरी अत्यन्त ही आकर्षक है। वेदी तथा उसके चारो ओर बने हुए सिंह युगल मे किया गया पच्चीकारी का काम किन्ही अंशो में ताजमहल से भी अधिक बारीक है। सिंहों की मूछों के बाल अलग-अलग पत्थरों से अंकित करने का कार्य निस्सदेह ही अद्वितीय है। वेदी के चारों ओर दीवारो पर दर्शनीय बहुमूल्य चित्रकारी है। जो खोज के साथ शास्त्रोक्त प्रसंगो को लेकर की गई है।

राजा साहब व उनके सुपुत्र सेठ सुगन चन्द्र जी ने जैसा कि कहा जाता है, विभिन्न स्थानो पर ५७ मन्दिर बनवाये। इन मन्दिरो के निर्माण के अतिरिक्त उन्होंने अपने समय मे जन सामान्य के हित के लिये अनेक कार्य किये, जो सिद्ध करते है कि वे सच्चे अर्थो मे धार्मिक व उदार स्वभाव के व्यक्ति थे[५१]।

वर्तमान वैदवाडा मे स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर की प्रतिष्ठा सन १७४१ मे हुई। मस्जिद खजूर मे अवस्थित पंचायती मन्दिर का निर्माण भी मुहम्मदशाह के समय मे उसके कमसरियट विभाग के पदाधिकारी आज्ञामल ने सन १७४३ में कराया था[५२]।

४९. देखो, आसारेसनादीद, सन १८४७, पृ० ४७-४८ रहनुमाये देहली, पृ०१६६, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मानूमेंटस, भाग १, पृ० १३२.

५०. देखो, देहली दी इम्पीरियल सिटी, पृ० ३५, दिल्ली डायरेक्टरी (सन १६१५) पृ० १०३, पजाब डिस्ट्रिक्ट गजेटियर (१६१२) पृ० ७८.

गजेटियर आफ दिल्ली डिस्ट्रिक्ट (१८८३-८४), पृ० ७८-७६

दिल्ली दिग्दर्शन, पृ० ६, देहली इन टू डेज, पृ०४३ थहर फुल दिल्ली, पृ० ४३.

५१. देखो, 'अनेकान्त,' अंक अप्रैल, सन १६३६.

५२. देखो, लिस्ट आफ मोहम्डन एण्ड हिन्दू मोनूमेंटस।

भट्टारक परम्परा

भगवान महावीर के निर्वाण के बाद लगभग ६०० वर्ष तक जैन सघ[५३] विकासशील था। सघ का साधु वर्ग मुनियोचित चारित्र का पालन कर धर्म के मौलिक सिद्धातों का विकास और प्रसार करने के लिये अपना पूरा समय व्यतीत करता था। जन साधारण से सम्पर्क बना रहे, इस उद्देश्य से वे परिव्रज्या व निरंतर भ्रमण का अवलम्ब करते थे। भगवान के आदर्शों के अनुरूप मठ, मदिर, वाहन आसन आदि वाह्य परिग्रह की उन्हे आवश्यकता न थी।

दूसरी शताब्दी से जैन समाज के इतिहास मे व्यवस्थापन युग शुरू हुआ। इसके आरम्भ मे कुन्दकुद और धरसेन आचार्य ने विशाल जैन शास्त्रो को सूत्रबद्ध करना आरम्भ किया। पाचवी सदी मे श्वेताम्बर सम्प्रदाय ने भी अपने आगम शास्त्रबद्ध किये। अनुश्रुति से चली आई पुराण कथाये इसी समय विमलसूरि, सघदास, कवि परमेश्वर के द्वारा ग्रथबद्ध हुई। तत्व ज्ञान के क्षेत्र मे भी समतभद्र और सिद्धसेन के मौलिक विवेचन को अकलक और हरिभद्र द्वारा इसी युग मे सुव्यवस्थित सम्प्रदाय का रूप प्राप्त हुआ। पल्लव, कदम्ब, गग और राष्ट्रकूट राजाओ के आश्रय इसी युग मे मठ और मदिरों का निर्माण वेग से हुआ तथा आचार्य परम्पराये सार्वदेशीय रूप छोड कर स्थानीय रूप धारण करने लगी।

जैन संघ में प्राचीन समय से मुनि, आर्यिकाओ का साधु वर्ग और श्रावक श्राविकाओ का गृहस्थ वर्ग होता है।

मुसलमानी शासकों के काल की अस्थिर राजनैतिक परिस्थितियो के कारण न केवल जैनो में ही वरन् सभी भारतवासियों में स्वभावत: विकास और व्यवस्था की प्रवृत्तियां पीछे रह गई और आत्म-सरक्षण की प्रवृत्ति को ही प्राधान्य मिलने लगा। किसी युग प्रवर्तक नेता के अभाव से यह सरक्षणात्मक प्रवृत्ति धीरे धीरे व्यापक होती गई और अन्त में उसने विकासशीलता को समाप्त कर दिया। इसी प्रवृत्ति के फलस्वरूप जैन साधुवर्ग मे भट्टारक सम्प्रदाय की उत्पत्ति हुई। भट्टारको के कार्य क्षेत्र में, जिसका वर्णन आगे किया जावेगा, इसी प्रवृत्ति की छाप मिलती है, जो यद्यपि भगवान महावीर तथा उनके बाद के आचार्यों के

५३. देखो, भट्टारक सम्प्रदाय, पृष्ठ १

आदर्श के अनुरूप न था, किन्तु तत्कालीन परिस्थितियों मे जैन सघ के अस्तित्व के लिये आवश्यकीय था। इस प्रकार के नेतृत्व के अभाव मे ही बौद्ध धर्मावलम्बी समाज, जिस की सामार्थ्य जैनो से अपेक्षाकृत अधिक थी भारत से सर्वथा लुप्त हो गई।

जैन सघ के साधुवर्ग से भट्टारक परम्परा पृथक होने के दो आधार भूत कारण थे—पहला वस्त्रधारण और दूसरा मठ और मदिरो का निर्माण और उपयोग। यद्यपि उस समय भी वस्त्र धारण की प्रथा श्वेताम्बर सम्प्रदाय के साधुओं मे थी, किन्तु भट्टारक परम्परा मे किसी न किसी रूप मे दिगम्बरत्व का आदर भाव था। नग्नता के इस आदर के कारण ही यह परम्परा प्राय श्वेताम्बर सम्प्रदाय से पृथक, दिगम्बर साधु वर्ग का अपवाद मार्ग होकर मान्यता प्राप्त करती रही।

उक्त दो प्रथाओ के कारण ही भट्टारको का स्वरूप साधुत्व से अधिक शासकत्व की ओर झुका और अन्त मे यह प्रकट रूप से स्वीकार भी किया गया। वे अपने को राजगुरु कहलाते थे और राजा के समान ही पालकी, छत्र, चमर आदि का उपयोग करते थे। कमण्डल और पीछी आदि मे सोने चादी का उपयोग होने लगा था। इनका पट्टाभिषेक राज्याभिषेक की तरह बडी धूमधाम से होता था। इस राजवैभव की अकाक्षा ही भट्टारक पीठो की वृद्धि का एक प्रमुख कारण रही।

धर्म प्रसार के हेतु भट्टारकों का आवागमन भारत के प्राय सभी भागो मे होता था। किन्तु स्थान-भेद और कही कही कुछ आचरण भेद के कारण विभिन्न परम्पराओ पद्धत्तियो का प्रादुर्भाव हुआ। इनमे अधिकाश परम्पराओ के ऐतिहासिक उल्लेख नौवी शताब्दी से प्राप्त होने हैं। इस लिये यह परम्परा अमुक आचार्य ने अमुक समय स्थापन की, यह कहना असम्भव है। इनकी विभिन्न परम्पराओ के पीठ दक्षिण मे मूडबिडी, श्रवणबेलगोल, कारकल, हुबच, महाराष्ट्र मे मलखेड, कोल्हापुर, विदर्भ मे रिद्धिपुर, बालापुर, रायटेक, अमरावती, आसगाव, एलिचपुर, नागपुर, गुजरात मे सूरत, सोजिला, ईडर, मध्य भारत मे धारा नगरी, ग्वालियर, सोनागिरि, अटेर, नागौर, जयपुर, अजमेर, चित्तौड, भानपुर, और उत्तर भारत मे हिसार, दिल्ली और हस्तिनापुर आदि स्थानो में थे।

भट्टारको के कामों मे मूर्ति व मंत्र प्रतिष्ठा ग्रंथ-लेखन और सरक्षण, विद्याध्ययन हेतु शिष्य परम्परा, जाति सघटन, तीर्थयात्रा और तीर्थ व्यवस्था मत्र-तत्र साधना और चमत्कार तथा कला कौशल्य का संरक्षण उल्लेखनीय हैं।

दिल्ली मे यद्यपि समय समय पर प्राय: सभी पीठो के भट्टारको ने अपना सम्बन्ध जोडा है, पर यहा मुख्य रूप से दो परम्पराओ की पीठ होना ज्ञात होता है। पहली परम्परा मध्यकालीन काष्ठासघ माथुरगच्छ शाखा के आरम्भ करने वाले भट्टारक माधवसेन (माहवसेन) की थी। ये अलाउद्दीन खिलजी के राज्यकाल में (सन १२९५-१३१५) हुए थे और अपनी विद्वत्ता व त्याग द्वारा बादशाह तथा जन साधारण के बडे ही श्रद्धापात्र थे। तत्वज्ञान के अतिरिक्त इन्हें मत्रादि शक्ति की भी सिद्धि थी। इनकी परम्परा मे क्रमश. उद्धव सेन, देव सेन, विमल सेन, धर्म सेन, भाव सेन, सहस्रकीर्ति गुणकीर्ति, यश कीर्ति, मलय कीर्ति, गुणभद्र, भानु कीर्ति, क्षेत्रकीर्ति और कुमार सेन हुए।

भट्टारक गुणभद्र के अम्नाय मे सन १५१८ मे सुलतान इब्राहीम के शासनकाल मे चौधरी टोडरमल जैसवाल ने 'महापुराण' की एक प्रति लिखी[१४]। सन १५३० मे भट्टारक गुणभद्र के एक शिष्य ने 'शातिनाथ चरित्र' लिखा। हुमायू के राज्य काल सन १५३३ में इनके शिष्य धर्मदास के आम्नाय मे 'धनद चरित्र' की एक प्रति लिखी गई[१५]। अन्य भट्टारको द्वारा अथवा उनके समय मे रचित ग्रंथों का उल्लेख ऊपर किया जा चुका है।

दूसरी परम्परा थी बलात्कार-गण के नयसेन दुर्लभसेन आदि की। इस परम्परा की उत्तर शाखा में भट्टारक रत्नकीर्ति हुए। इन्ही के पट्ट पर दिल्ली में सवत् १३१० (सन १२५३) की पौष शुक्ल १५ को भट्टारक प्रभाचन्द्र का अभिषेक किया गया[१६]। भट्ट० प्रभाचन्द्र ब्राह्मण जाति के थे। इन्होंने खंभात, धारा, देवगिरि आदि स्थानों मे विहार किया तथा दिल्ली के तत्कालीन बादशाह मुम्मदशाह को प्रसन्न किया और ७४ वर्ष तक पट्टाधीश रहे। इनके शिष्य ब्रह्म नाथूराम ने सवत् १४१६ (सन १३५९) की

१४. देखो, महापुराण-पुष्पदत (माणिक चन्द्र ग्रथ माला) प्रस्तावना, पृष्ठ १५.

१५. देखो, 'अनेकांत' अक ५, पृष्ठ ५०.

१६. देखो, धनपाल कृत 'बाहुबलि चरित'.

माघ शुक्ल ५ को फीरोजशाह तुगलक के राज्यकाल मे 'आराधना पंजिका' की एक प्रति लिखी थी[५७]।

भ० प्रभाचन्द्र ने बाद में अपने पद पर भट्टा० पद्मनंदि को स्थापित किया। भट्टा० पद्मनंदि के तीन प्रमुख शिष्यो शुभचन्द्र, सकल कीर्ति तथा देवेन्द्र कीर्ति द्वारा क्रमशः तीन भट्टारक परम्परायें जयपुर शाखा, ईडर शाखा तथा सूरत शाखा से शुरू हुई जिनका आगे अनेक प्रशाखाओ मे विस्तार हुआ।

जयपुर शाखा मे भट्टा० शुभचन्द्र के बाद भट्टा० जिनचन्द्र हुए जिनका पट्टाभिषेक सवत् १५०७ (सन १४५०) की ज्येष्ठ कृष्णा ५ को हुआ। ये ६४ वर्ष तक पट्टाधीश रहे। 'सिद्धान्तसार' ग्रथ इन्ही की कृति है। सेठ जीवराज पापडी वाल ने इन्ही के द्वारा मुडासा शहर मे सवत १५४८ (सन १४९१) की वैशाख शुक्ल ३ (अक्षय तृतीया) को हजारो मूर्तियो की प्रतिष्ठा कराई। ये मूर्तिया आज भारत के कोने कोने मे पहुची हैं।

भट्टारक सम्प्रदाय का इतिहास अब तक उपेक्षित सा रहा है, अतएव अन्य स्थानो की भाति दिल्ली की भट्टारक परम्पराओ मे भी बहुत कुछ अन्वेषणीय है। इस सम्प्रदाय की उत्पत्ति, अभ्युदय और कालातर म इसके ह्रास का काल यद्यपि कई अर्थो मे जैन सघ के ही ह्रास का परिचायक है, तथापि इसका इतिहास ऐसी कई विशेषताएं छिपाये है जो आज की परिस्थितियो मे और भविष्य के लिये मार्ग दर्शन कर सकती है।

अंग्रेजी शासन काल और उसके बाद

सन १७०७ में मुगल सम्राट औरगजेब की मृत्यु के १५० वर्ष के दौरान मे दिल्ली की धरती पर हुए राजनैतिक झगड़ों, लूट खसोट और भीषण रक्तपात ने इसे वीरान बना दिया। यदि नादिरशाह ने इसके शरीर को अपनी धन लोलुपता और नृशसता के लम्बे नाखूनो से नोच कर अस्थिपजरवत् किया तो १८५७ के बाद अंग्रेजो द्वारा अपनाई गई प्रतिक्रिया नीति ने इस विशाल नगर को खडहरों मे बदल दिया। उस कला प्रिय शाहजहा की राजधानी शाहजहानाबाद की भव्य इमारते व बडे बडे विशाल प्रासाद गिरा दिये गये। न्याय व सुरक्षा की ओट मे देश प्रेमी नागरिको व उनके मासूम बालको को बदूक का निशाना बनाया गया। अंग्रेजो की इस दमन नीति के अंतिम प्रहार मे दिल्ली प्रथक शासन से हटकर नवीन पजाब प्रात का एक जिला मात्र रह गयी।

किन्तु कालचक्र की गति बदली! ब्रिटेन की महारानी की सन १८५८ की घोषणा के बाद ही नीतिकुशल अंग्रेजो ने भारत मे राजनैतिक स्थिरता लाने का प्रयास किया। सम्पूर्ण भारत मे विशाल साम्राज्य के उन महत्वाकांक्षियो ने एक ओर देश के विभिन्न भागो मे राजे महाराजाओं को अपनी कूटनीति द्वारा अपग और निर्बल कर अपने आधीन किया और दूसरी ओर रेल आदि यातायात के साधनो को उन्नत किया।

सुदृढ केन्द्रित शासन की दृष्टि से दिल्ली के महत्व को भी उन्होने समझा, जिसके फलस्वरूप सन १९११ के दरबार मे जार्ज पचम ने राजधानी को कलकत्ता से हटाकर दिल्ली लाने की घोषणा की।

दिल्ली ने राजधानी के रूप मे स्वतत्र प्रात होकर अपना खोया हुआ प्राचीन महत्व पुन. प्राप्त किया। वाइसरीगल लाज, काउंसिल हाउस (जो वर्तमान मे क्रमश राष्ट्रपति भवन व पार्लियामेंट हाउस के नाम से प्रसिद्ध है) सेक्रेटेरियट ब्लाक, राजे महाराजो के विशाल भवन, कनाट प्लेस का दर्शनीय बाजार आदि का निर्माण कर सन १९३० मे वर्तमान 'नयी दिल्ली' बसायी गई।

दिल्ली की उत्तरोत्तर उन्नति होती गई और इस उन्नति मे जैनो ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। यद्यपि सख्या की दृष्टि से जैन भले ही थोडे हो, किन्तु वे कार्यक्षेत्र मे सदैव ही अग्रणीय रहे। शासन के विभिन्न अगो मे वे बराबर महत्वपूर्ण पदो पर रहे और सामाजिक, शिक्षण, उद्योग व व्यापार तथा राजनैतिक व सार्वजनिक क्षेत्रो मे भी उन्होने पूरा भाग लिया।

दिल्ली राज्य के प्रमुख जैन अधिकारी

जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, दिल्ली में तोमर वंशीय अनगपाल से लेकर मुगलवंश तक बराबर जैन राजमंत्री व शाही खजाची हुए और अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहे। शाहजहानाबाद के बसने के समय से जैनो में मुख्य-

५७. देखो, अनेकात १, पृष्ठ २१३.

तथा दो परिवार शाही खजाची पद पर रहे पहला तो राजा हरसुखराय सुगनचद्र का और दूसरा ला० ईशरीप्रसाद का।

राजा हरसुखराय व सुगन चन्द्र जी के पूर्वज सेठ दीपचन्द्र जी अग्रवाल जैन हिसार के रईस थे। शाहजहानाबाद बसाये जाने के समय शाही निमत्रण पर वे दिल्ली आये। उस समय बादशाह ने उनको दरीबे के सामने ४-५ बीघे जमीन प्रदान की जिस पर उन्होंने अपने १६ पुत्रो के लिये प्रथक-प्रथक महल बनवाये थे। ईस्ट इडिया कम्पनी के शासन तक आपके वशज खजाची रहे[५८]।

बाद मे भी इस परिवार में से लाला गिरधर लाल और लाला पारसदास क्रमश सन १८६३ से १८६६ तक और सन १८७९ से १८८७ तक सरकारी खजाची रहे तथा गवर्नर जनरल व लेफ्टीनेट गवर्नर पजाब के दरबारी थे।

दूसरा परिवार था ला० ईशरी प्रसाद जी व उनके पूर्वजो का। यह परिवार भी अपने समय मे 'खजाची खानदान' के नाम से प्रसिद्ध रहा है। राजा रामसिह व उनके सुपुत्र सेठ सहारनबीर सिह जो सम्राट अकबर के जागीरदार थे और जिन्होंने सहारनपुर नगर बसाया, इनके पूर्वजो मे से थे। लाला ईशरी प्रसाद जी के पिता लाला सालिगराम जी सन १८२५ मे गवर्नमेट ट्रेजरार नियुक्त हुए। साथ ही वह ग्वालियर व अलवर रियासतो के भी खजाची थे। ला० सालिगराम जी की मृत्यु के बाद उनके पुत्र ला० धर्मदास खजाची पद पर रहे। उनके बाद सन १८७७ मे ला० ईशरी प्रसाद ओल्ड दिल्ली डिवीजन के खजाची नियुक्त हुऐ। वह दिल्ली व लदन बैंक लिमिटेड व म्यूनिसिपल कमेटी के भी कोषाध्यक्ष रहे। अपने पिता व भाई की तरह वह भी वाइसरीगल दरबारी, म्यूनिसिपल कमिश्नर और आनरेरी मजिस्ट्रेट रहे[५९]।

सन १८७९ मे उनके भाई श्री अयोध्या प्रसाद जी भी खजाची नियुक्त हुए।

विगत शताब्दी की अतिम बीसवी में दिल्ली ने एक और रत्न उत्पन्न किया वे थे रायबहादुर डा० सर मोती सागर। उन्होने एक साधारण वकील से जीवन प्रारम्भ कर पजाब हाई कोर्ट के न्यायाधीश का पद ग्रहण किया और बुद्धि चातुर्य और नम्र व शात स्वभाव से राजकीय क्षेत्रो मे उन्होने विशिष्ट सम्मान प्राप्त किया।

सर मोती सागर जी के ही समकालीन थे रायबहादुर ला० सुल्तान सिंह जिनका जन्म सन १८७६ मे कुताना तहसील सोर्नीपत के जमीदार व रईस श्री निहाल चन्द्र जी के यहा हुआ था। शैशव काल मे ही पिता की मृत्यु हो जाने से उनका लालन पालन उनके प्रपिता ला० श्योसिहराय द्वारा हुआ। सन १८९८ मे व्यस्क होने पर उन्होंने पैतृक सम्पति की देखभाल सभाली और थोडी ही अवधि मे उसे दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ाया। दिल्ली के तत्कालीन साहूकारो मे आपका अग्रणी स्थान होने से आपके सबल हाथो मे ही दिल्ली, शिमला, मेरठ आदि स्थानो के इम्पीरियल बैंक के मुख्य कार्यालय और समस्त शाखाओं के खजानो की सभाल और सचालन का उत्तरदायित्व था। रायबहादुर सन १९०१ मे दिल्ली म्यूनिसिपैलिटी के सदस्य सन १९०५ मे आनरेरी मजिस्ट्रेट और सन १९१० में पजाब लेजिस्लेटिव काउसिल के सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य हुए। और इन पदो पर कई वर्षो तक रहे[६१]।

ला० ईशरी प्रसाद जी, जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है, के सुपुत्र रायबहादुर ला० पारस दास जी और उन के समकालीन राय साहब ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट अपने समय के उन प्रतिष्ठित व जनप्रिय व्यक्तियो मे से थे जिनकी याद न केवल दिल्ली के जैनियों की, बल्कि इतर समाज की भी अमूल्य निधि है। राय बहादुर ला० पारसदास अपने पूर्वजो की भाति दिल्ली राज्य और म्यूनिसिपलिटी के कोषाध्यक्ष रहे। और कई वर्षों तक आनरेरी मजिस्ट्रेट भी रहे। राय साहब बा० प्यारे लाल जी अपने समय के सर्वोच्च कोटि के एडवोकेट थे और सरकारी क्षेत्रो में उनका विशिष्ट मान था। राजा हरसुखराय जी के प्रपौत्र श्री० पी० डी० राम चन्द्र भी कई वर्षो तक आनरेरी मजिस्ट्रेट रहे।

उपर्युक्त सम्मानीत और राजनैतिक पदो के अतिरिक्त दिल्ली के जैन कई उल्लेखनीय एक्जीक्यूटिव पदो पर

५८. देखो, अनेकान्त, अंक मई, सन १९३४.

५९. देखो, इम्पीरियल कारोनेशन दरबार, दिल्ली १९११ । ७५-३७६

६०-६१. देखो, जैन जागरण के अग्रदूत, पृष्ठ ५४१-४४ व पृष्ठ ५६७-८२.

भी रहे हैं। राय बहादुर ला० नन्द किशोर जी यू० पी० गवर्नमेंट के प्रथम जैन सुपरिंटेंडिग इजीनियर रहे। इसी प्रकार राय बहादुर ला० जगत प्रकाश जी प्रथम भारतीय थे जो डिप्टी आडीटर जनरल आफ इडिया के पद पर नियुक्त हुए। वह बाद मे कश्मीर राज्य सरकार के आर्थिक सलाहकार भी रहे

धार्मिक उत्सव आदि

मुग़ल कालीन अथवा उससे पूर्व के मन्दिरों के अतिरिक्त वर्तमान में उपलब्ध लगभग सभी मन्दिरो अथवा अन्य धार्मिक स्थानों का निर्माण पिछले डेढ या पौने दो सौ वर्षों के अन्तर्गत हुआ। मन्दिरो मे मेहर मन्दिर, सेठ के कूचे का मन्दिर, पद्मावती पुरवाल मन्दिर, चेलपुरी मे श्वेताम्बर मन्दिर, श्री महावीर जैन भवन (चादनी चौक) पहाडी धीरज के दोनो मन्दिर और सेठ सुगन चन्द्र जी द्वारा दिल्ली के विभिन्न स्थानो, जयसिंह पुरा (नई दिल्ली) पटपडगज व शहादरा मे बनवाये गये मन्दिर विशेषरूप से उल्लेखनीय है। यो तो प्राय सभी जैन मन्दिरो की भव्य कलामय कारीगरी दर्शनीय होती है किन्तु जैसा कि अगले अध्याय मे दिये गये वर्णन से ज्ञात होगा, इनमे कई मन्दिरो मे कुछ ऐसी विशेषताए हैं जो कि जैनो के आध्यात्म प्रेम व त्याग को प्रगट करती है।

जैनो के धार्मिक महोत्सवो मे, पर्वो के अतिरिक्त, पच कल्याणक व बिम्ब प्रतिष्ठाये और रथयात्रा उत्सव मुख्य है जिनके अवसर पर न केवल स्थानीय वरन् बाहर से भी विशाल जन समुदाय सम्मिलित होता है। सन १८१० १८३४ व १८६३, मे इस प्रकार के रथोत्सव हुए। उसके बाद धार्मिक विद्वेष के फलस्वरूप कुछ विरोध के कारण यह रथोत्सव रुका रहा। समाज के सतत् प्रयत्नों के बाद लेफ्टिनेंट गवर्नर ने दो मई सन १८७७ को रथोत्सव निकालने की आज्ञा प्रदान की और २० जुलाई सन १८७७ को बडी धूमधाम से रथयात्रा निकाली गई। तभी से यह यात्रा प्रतिवर्ष पोह बदी दूज को निकलती आती है।

जुलाई सन १८७७ के रथयात्रा उत्स के २ वर्ष बाद ही जनवरी २३, सन १८७९ में लाला मेहर चन्द्र जी ने 'मेहर मन्दिर' की प्रतिष्ठा बडी धूमधाम के साथ कराई। उसके बाद जनवरी सन १९२३ मे सकल जैन पचायत, दिल्ली की ओर से पच कल्याणक प्रतिष्ठा हुई जिसमे भारत के प्रत्येक कोने से हजारों की सख्या में जन समुदाय एकत्रित हुआ। उस पुण्य अवसर की अनेक स्मृतिया आज भी गौरव के साथ बखानी जाती है। कहते है, वैसा अभूतपूर्व उत्साह, अतुठी भक्ति और निर्दोष व्यवस्था दिल्ली के अन्य किसी उत्सव मे फिर मे देखने मे नही आई।

धर्मोत्सवो के साथ ही आध्यात्म शासन की प्रभावना के लिये व जन सामान्य मे अहिंसक प्रवृत्ति बनाये रखने के दृष्टिकोण से स्थानीय व्यक्तियों व सस्थाओं द्वारा अनेक रचनात्मक कार्य भी सम्पन्न हुए हैं। सन १९१७ मे आर्य समाजियो द्वारा जैन सिद्धान्तो के विरुद्ध फैलाई गई भ्रान्तियो का निवारण प्रसिद्ध 'दिल्ली शास्त्रार्थ' मे न्याय प्रमाण युक्त व तर्क सगत उत्तर देकर किया गया। सन १९३०-३१ में 'मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी' नामक सस्था के तत्वावधान मे लाला जगन्नाथ जी आदि के सद् प्रयत्नो से काल [illegible] जी के मन्दिर मे होने वाले पशु-बलि को बन्द करवाया गया। उसी वर्ष दिल्ली समाज के महान पुण्योदय से आचार्य शांतिसागर जी महाराज का ससघ पदार्पण हुआ।

देश मे सर्व प्रथम भ० महावीर जयन्ती महोत्सव जैन मित्र मडल द्वारा आरम्भ किया गया।

सन १९३९ मे 'जैन सभा नई दिल्ली' के विरोध पत्र पर 'वाइसरीगल भवन' (वर्तमान राष्ट्रपति भवन) व सेक्रेटेरियट ब्लाको पर होने वाला पक्षी-वध बन्द हुआ।

धार्मिक कार्यों की परम्पराओ मे 'तीर्थ यात्रा सघ' को लेजाना भी महत्वपूर्ण परम्परा रही है। ऐसे समय मे जब कि यातायात के साधन उन्नत और सहज न थे, इस का महत्व विशेष था। प्राचीन काल से ही श्रीसम्पन्न एव सामर्थ्यवान् व्यक्तियो ने इस प्रकार के यात्रासघो को ले जाकर लक्ष्मी का सदुपयोग किया है, इनमे से कुछ का उल्लेख ऊपर किया गया है। सन १८१५ मे सेठ सुगनचद जी ने 'यात्रा सघ' निकाला जो ६ माह के बाद दिल्ली वापिस आया था। सन १९४३-४४ मे चौधरी भुन्नू लाल जी ने भी गिरनार जी के लिये 'यात्रा सघ' निकाले।

६२. देखो, भा० दि० जैन महासभा का ट्रेक्ट 'दिल्ली दिग्दर्शन, पृ०, ५०.

जैन विद्वान लेखक व कवि

विगत डेढ सौ वर्ष के समय मे दिल्ली मे निम्नलिखित प्रमुख जैन विद्वान हुए है। इनमे से कई विद्वानों ने अनेक मौलिक ग्रथो की रचना कर के जैन साहित्य को समृद्ध किया है।

(१) **पांडे शिवचंद्र जी**—पचायती मदिर, मसजिद खजूर के भट्टारक की गद्दी पर बैठे। पाडे जी को धार्मिक ग्रन्थो के अतिरिक्त ज्योतिष, वैद्यक तथा मत्र विद्या का भी अच्छा ज्ञान था। उनकी रचनाओ मे गृहस्थचर्या, धर्मप्रश्नोत्तर श्रावकाचार, ध्यान दर्पण आदि मुख्य है। उन्होने पचायती मन्दिर मे शास्त्रो का सुन्दर सग्रह किया था।

(२) **पडित तुलसीराम जी** (सन १८५९-१६००)—पडित जी जैन सिद्धात के अच्छे ज्ञाता थे। उन्होने जीवन पर्यत मेठ के कूचे के मन्दिर मे नित्य शास्त्र सभा की परिपाटी बनाये रखी जो आज भी चालू है। सन १६१३ मे उन्होने आचार्य पुष्पदत कृत 'आदिपुराण' की भट्टारक सकल कीर्ति जी की सस्कृत टीका पर आधारित पद्यमय हिन्दी रचना की जो कुछ वर्ष पूर्व दिगम्बर जैन पुस्तकालय सूरत मे प्रकाशित की है।

(३) **प गौरीलाल जी**—अपने समय के उच्चकोटि के विद्वानो म से थे। आपकी मौलिक रचनाओ मे जैन तत्त्वार्थ क्रिया कोष मुख्य है। उन्होने रत्नकरड श्रावकाचार, नीति वाक्यामृत रत्नमाला, जिनसहस्त्रनाम, धनजय नाममाला आदि कई ग्रन्थो की भाषा टीका भी की।

पडित जी अपने जीवन पर्यत अनेक शिक्षा सस्थाये स्थापित करवाने मे प्रयत्नशील रहे। उनके सद् प्रयत्नो से ही सन १६०० मे भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की स्थापना हुई।

(४) **बैरिस्टर चम्पतराय जी** (सन १८७५-१६४२)—वे युग पुरुष थे। समृद्ध और वैभव पूर्ण वातावरण मे भी वे त्यागी व साधु थे। वे जैन व इतर दर्शनो के उच्चकोटि के विद्वान ही नही वरन् प्रभावपूर्ण वक्ता और लेखक भी थे। उनकी रचनाओ मे 'Key of Knowledge,' 'Confluence of Opposits', 'Jain Logic,' 'Discourse Divine,' 'House holder's Dharama,' 'Practical Dharma,' 'Sanyasa Dharma', 'Jain Psychology,' 'Faith Knowledge and Conduct,' 'What is Jainism,' 'The Change of Heart,' 'Jain Penance,' 'Jain Culture,' 'Jain Law,' 'आत्म रामायण', 'Rishabh Deva,' 'Where the Shoe Pinches', 'The Gems of Islam', 'Glimpses of a Hidden Science in Original Christian Teachings,' 'Jainism, Christianity and Science' आदि प्रमुख हैं। इनमें अधिकाश पुस्तकों के हिन्दी मे और कुछ के उर्दू मे अनुवाद भी प्रकाशित हो चुके है।

बैरिस्टर साहब ने जीवन पर्यंत देश विदेश भ्रमण कर अध्यात्म शासन का सदेश दिया। उनके सात्विक चारित्र निर्दोष विद्वता और ओजपूर्ण वाणी से प्रभावित आज भी इगलैड, अमरिका, फ्रास, जर्मनी, स्विटजर लड, इटली आदि देशों मे अनेक भक्त है।

(५) **कविवर जगदीशराय जी** (सन १८४५-१६०६)—अपने समय के उच्चकोटि के अध्यात्म कवियो मे से थे। उनको ज्योतिष व रमल का भी अच्छा ज्ञान था। उनके द्वारा रचित कविता संग्रह 'जगदीश विलास' नाम से प्रकाशित हुआ है।

(६) **प जिनेश्वर प्रसाद जी 'माइल'**—उर्दू के माने हुए कवि थे। उनकी रचनाओ मे 'हुस्न अव्वल', 'हुस्न फितरत', 'सुबहसादिक' है। उन्होने कविवर दौलतराम जी के कुछ पदो का भी उर्दू मे अनुवाद किया था। कविताओं के अतिरिक्त उन्होने कुछ नाटक भी लिखे थे।

अन्य जैन विद्वानो मे व्रती हुकम चन्द्र जी, प सागर चन्द्र जी सर्राफ, प० फतेह चन्द्र जी, पं० मनीराम जी, ला० प्रभूदयाल जी तहसीलदार, प० महावीर प्रसाद जी, नूरीमल, प० महबूब सिह जी, प० मक्खन लाल जी आदि उल्लेखनीय है। इनमे कई विद्वानो ने अपने प्रयत्नो से शहर के मन्दिरो मे शैलिया स्थापित की तथा प्रतिदिन शास्त्र सभा की परिपाटी आरम्भ की। प० मक्खन लाल जी जैसे प्रभावक उपदेशक व कवि के श्रवण का सौभाग्य आज भी दिल्ली समाज को प्राप्त है।

महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य

उस समय की दिल्ली जैन समाज की प्रमुख विशेषता थी-कि प्रत्येक व्यक्ति मे जागरूकता का होना। यो तो सम्पूर्ण जैन समाज मे सदैव ही यह

गुण रहा, जैसा कि अनेक विरोधी परिस्थितियों के बावजूद भी उनके आज के अस्तित्व से स्वय सिद्ध है, तथापि उस समय यह विशेष मात्रा मे था। इसका कारण उस समय मे हुए अनेक महान पुरुषो का सद् भाव भी कहा जा सकता है जिनके सुयोग्य नेतृत्व मे समाज ने अपना अस्तित्व ही क़ायम नही रखा बल्कि प्रगति भी की।

समाज के कार्यशील व्यक्तियों के प्रयत्नों से नवीन प्रगतिशील सामाजिक व धार्मिक संस्थाओ, दानी व महानुभावो के द्वारा पारमार्थिक ट्रस्टों आदि की स्थापना हुई, साथ ही साथ दो तीन ठोस और रचनात्मक कार्य भी हुए। प्रमाद और अज्ञानता के कारण विवाहो में जैन पद्धति नही अपनाई जाती थी, उसका प्रचार लाला जगन्नाथ जी ने मिथ्यात्व तिमिरनाशिनी नामक सस्था के तत्वावधान मे प्रारम्भ किया। उनके प्रयत्नों के फलस्वरूप आज हम देखते है कि लगभग सभी स्थानो पर जैन पद्धति से विवाह सम्पन्न होने हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण कार्य था 'जैनो का कोड'। सन १९१८ मे केन्द्रीय व्यवस्थापिका के सामने डा० हरीसिह गौड द्वारा लिखित हिन्दूकोड के कानून के रूप मे स्वीकार किये जाने की सभावना होने लगी थी। उसमे जैन रीति रिवाजो के बारे मे कई भ्रातिपूर्ण बातें थी। इस विषय मे 'जैन मित्र मडल' की ओर से आदोलन किया गया और अनेक पत्र व पत्रिकाओं मे निराधार तथ्यो का उत्तर प्रकाशित करवाया गया। इन प्रयत्नो के फलस्वरूप श्री टी० वी० शेशामरी अय्यर, भूतपूर्व जज मद्रास हाईकोर्ट व श्री कन्नोमल, भू० जज धौलपुर, के लेख प्रकाशित हुए जिनमे डा० गौड के कथन को निराधार बतलाया गया। इस पर डा० गौड ने अपने कोड के द्वितीय सस्करण मे जैनियों द्वारा अपेक्षित सशोधन कर दिये।

इसी सिलसिले में सभी जैन सम्प्रदायों की एक सम्मिलत कमेटी बनी जिसने स्वतन्त्ररूप से 'जैन ला' बनाने का कार्यभार संभाला। अत मे सम्पूर्ण सामग्री द्वारा बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा 'जैन ला' लिखा गया। जो अग्रेजी, हिन्दी तथा उर्दू में प्रकाशित हुआ उसी समय मे रा० ब० जुगमदरलाल जैनी ने भी 'भद्र-बाहु सहिता' पर आधारित 'जैन ला' की रचना की।

सन १९२३ में रायबहादुर डा० सर मोतीसागरजी तथा विभिन्न स्थानीय सस्थाओ के सदप्रयत्नो से दिल्ली प्रदेश भगवान महावीर के जन्म-दिन की छुट्टी स्वीकृत हुई।

सन १९१५ मे जैन मित्र मडल, सन १९२४ मे स्व० ला० गोकलचदजी नाहर के सद्प्रयत्नो से महावीर जैन लायब्रेरी, और सन १९३९ मे जैनसभा की स्थापना हुई जिस के प्रथम प्रधान रा० ला० आदीश्वर लाल बैंकर थे।

शिक्षण संस्थाएं और सांस्कृतिक कार्य

अन्य क्षेत्रो की भाति ज्ञान के प्रसार के क्षेत्र मे भी जैनो का सदैव अग्रणीय भाग रहा है। धार्मिक शिक्षा के लिये पाठशालाओ के अतिरिक्त जैनो ने आधुनिक शिक्षा-प्रणाली पर अनेक अग्रेजी विद्यालयो की स्थापना की। जैन हायर सेकेंड्री स्कूल दरियागज, श्रीमहावीर जैन सहक़न कर्माशियल हायर सेकेंड्री स्कूल कूंचा सेठ, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल कूचा सेठ, श्री हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदरबाजार, श्री लक्ष्मीदेवी जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, पहाडी धीरज, आदि आज स्थानीय शिक्षण सस्थाओ मे प्रमुख स्थान रखते है।

शिक्षा के क्षेत्र मे रायबहादुर डा० सर मोती सागर (न्यायाधीश पजाब हाई कोर्ट), रायबहादुर ला० मुल्तान सिह बैंकर्स, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट, राय साहब ला० आदीश्वर लाल बैंकर, रघुवीर सिह बैंकर लाला शिवदयाल जी, डिस्ट्रिक्ट इसपैक्टर आफ स्कूल्स रायसाहब ला० रतन लाल जी, डिस्ट्रिक्ट इसपैक्टर आफ स्कूल्स, ला० हीरालाल जी, प० महबूब सिह, लाला महावीर प्रसाद ठेकेदार आदि की सेवायें दिल्ली के इतिहास मे चिरस्मरणीय है। दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपतियो की परम्परा मे सर मोतीसागर जी का काल महत्वपूर्ण माना जाता है। उनके द्वारा बनायी गई परम्परायें आगामी पदाधिकारियों के लिए पथ प्रदर्शक रही है।

डा० साहब स्त्री शिक्षा क प्रबल समर्थक ही नही थे, बल्कि उन्होने इस बात का प्रचार भी किया। दरीबे की गली कुजम मे उन्होने सुन्दरनन्नी गर्ल्स स्कूल स्थापित किया। आजकल यह स्कूल कार्पोरेशन क अन्तर्गत है।

राय बहादुर ला० मुल्तान सिह ने सदा ही शिक्षा प्रचार मे तन, मन और धन तीनों से योग दिया। इन्द्रप्रस्थ

गर्ल्ज स्कूल और कालिज जो आजकल न केवल स्थानीय बल्कि भारतवर्ष की उच्चकोटि की संस्थाओं में है, उनके प्रयत्नो से स्थापित हुआ और उनके आजीवन सभापतित्व मे ही पनपा। इसके अतिरिक्त तिबिया कालेज, लेडी हार्डिग मेडीकल कालिज, हिन्दू कालिज आदि की स्थापना के अवसर पर उन्होने वृहत् दान दिया और अपने जीवन पर्यंत उनकी प्रगति मे प्रयत्नशील रहे। उनके सुपुत्र लाला रघुवीर सिंह ने विदेशो के पब्लिक स्कूल्स की स्थापना की प्रणाली पर माडर्न स्कूल की स्थापना की और उसके सवर्धन मे आजीवन लगे रहे। आज यह अपने स्कूल ढग का अद्वितीय विद्यालय है।

रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट ने अपने व्यस्त जीवन मे भी अपने समय की सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओं की प्रगति मे योग दिया।। वे दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य रहे। हिन्दू कालेज के तो वे प्राण थे। उस समय के लगभग सभी प्रमुख विद्यालयो की व्यवस्था से उनका निकट सम्बन्ध रहा। उनके द्वारा विद्यार्थियो की सहायता के लिये सन १९३३ मे स्थापित लाला गिरधारी लाल प्यारे लाल एजुकेशनल फड जिसमे उन्होंने एक वृहत् धनराशि प्रदान की, उनकी असीम उदारता और दानशीलता का द्योतक है।

राय साहब क सुसस्कारों के फलस्वरूप उनके सुपुत्र राय साहब लाला आदीश्वर लाल भी प्रारम्भ से ही शिक्षा प्रचार मे प्रयत्नशील रहे। अपने पिता की भाति वे भी दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्थापिका (सेनेट) के सदस्य और हिन्दू कालिज आदि के प्रमुख व्यवस्थापको में से रहे।

आर्थिक व्यवस्था

इतिहास के अवलोकन से विदित होगा। कि ९ वी या १० वी शताब्दी के अन्त तक जैनो का बहुभाग क्षत्रियो मे से था जो या तो स्वय शासक रहे, अथवा शासन के प्रमुख व्यवस्थापक-पदो, राजमत्री, राज कोषाध्यक्ष, सेनापति, आदि पर रहे। भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक सभी तीर्थकर राजवश मे उत्पन्न हुए, कइयो ने लम्बी अवधि तक राजपद सुशोभित किया और अन्त मे सासारिक भोगो से विरक्त होकर निग्रथ वेष धारण किया और सतत साधना के बाद निर्मल ज्ञान प्राप्त कर जनकल्याण के लिये उपदेश दिया। मौर्य और गुप्त ऐतिहासिक काल के राजाओ मे सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य, महामडलेश्वर श्रेणिक बिम्बसार, कलिगाधिपति राजा मेघवाहन खारवेल आदि प्रसिद्ध राजा जैन धर्मावलम्बी थे। सम्राट अशोक ने भी, जो पहले बौद्ध था, मृत्यु के कुछ समय पहले जैन धर्म धारण किया था।

नौवी दसवी शताब्दी के बाद जैन समाज प्रधानतः वैश्य समाज के एक भाग के रूप मे परिणित होने लगा। इन्होंने हीरे-जवाहरात, सोना, चांदी ज्वेलरी, कपड़ा आदि के व्यापार अपनाये।

अंग्रेजो के शासन काल मे पूर्व मुगलो के समय में दिल्ली भारत के अन्य नगरों की भाति किसी भी उद्योग अथवा व्यापार का केन्द्र न था। उन दिनो नगरो का महत्व या तो राजनैतिक प्रभुत्व या धार्मिक केन्द्र और या नदियो आदि के उन्नत साधन उपलब्ध होने के कारण था। इसीलिये इनमे से किसी भी कारण के अभाव में नगरो का ह्रास होता देखा जाता था।

अठारहवी शताब्दी मे दिल्ली मे अधिकाश जनता का प्रमुख धधा शाही फौज की आवश्यकताओं को पूरी करना था[६३]। अतएव उस समय धनिक जैन परिवार या तो शाही खजाची आदि के उच्च राजकीय पदो पर रहे या हीरे जवाहरात के व्यापार को अपनाये थे। शेष मध्य वर्ग सामान्यत. विविध व्यापारो मे थे।

अंग्रेजी शासन काल मे दिल्ली के व्यापारिक क्षेत्र में जैनो का मुख्य भाग रहा। हीरे जवाहरात, सोने चादी, कागज, कपड़ा और सीमेंट के व्यापारी प्रधानत जैन ही थे। इसके अतिरिक्त साहूकारी और बैंकिंग मे तो जैन सर्वोपरि थे ही। सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईशरी प्रसाद, राय बहादुर लाला सुल्तान सिंह, राय बहादुर लाला पारस दास, राय साहब, बा० प्यारे लाल, राय साहब लाला आदीश्वर लाल अपने समय के प्रमुख बैंकर्स व रईसो मे थे। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, इनमे से सेठ सुगन चन्द्र, लाला ईशरी प्रसाद, राय बहादुर लाला पारस दास गवर्नमेंट ट्रेजरार्स भी रहे। राय साहब बा० प्यारेलाल सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के ट्रेजरार के अतिरिक्त पंजाब नेशनल

६३. देखो, बर्नियर, एफ—ट्रेवल्स इन दी मुगल एम्पायर (१९३४ सस्करण) पृष्ठ २८२,३८४.

बैंक के स्थानीय डायरेक्टर भी थे। उसके बाद उनके सुपुत्र रायसाहब लाला आदीश्वर लाल सेंट्रल बैंक के ट्रेजरार रहे।

राजनीतिक और सार्वजनिक क्षेत्र

देश के स्वधीनता सग्राम मे भी दिल्ली के जैन सदैव अग्रणीय रहे। वर्तमात शताब्दी के आरम्भ मे जब कि राष्ट्रीयता की बात करना भी राज-अपराध माना जाता था, रायबहादुर सुल्तान सिह, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट, लाला हजारीमल जौहरी आदि काग्रेस के प्रमुख कार्यकर्ताओ मे से थे। यद्यपि इन व्यक्तियो के नाम के साथ राज्य की ओर से प्रदान की गई बडी बडी उपाधिया थी, तथापि उनकी राष्ट्रीय भावनाये व राष्ट्र प्रेम किसी भी अन्य नागरिक से कम न था। यदि रायबहादुर लाला सुल्तान सिह की विशाल कोठी मे होने वाली गार्डन पार्टियो मे वायसराय, गवर्नर और चीफ कमिश्नर आते थे, अथवा उनके अतिथि भवन मे ठहरने वाले महाराजा कश्मीर, महाराजा मैसूर, महाराजा जयपुर आदि थे तो महात्मा गाधी, सरदार पटेल, श्रीमती सरोजिनी नायडू आदि राष्ट्रीय नेताओ का, जब भी वे दिल्ली पधारते थे, निवास भी उनके ही यहा होता था। सन १९२१ मे गाधी जी ने जब अपना प्रथम उपवास किया तो वह इन्ही की कोठी मे ठहरे हुए थे।

सन १९१८ मे दिल्ली मे हुए काग्रेस के वार्षिक अधिवेशन मे उक्त तीनों व्यक्ति मुख्य कार्यकर्ताओ मे से थे। रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट अधिवेशन की स्वागत-समिति के उपाध्यक्ष भी चुने गये थे। सन १९२३ मे वे दिल्ली काग्रेस सीट से सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली के सदस्य भी निर्वाचित हुए।

उक्त अधिवेशन से राजधानी मे राष्ट्रीयता की एक अनूठी लहर दौडी। काग्रेस का सम्पर्क जन-सामान्य से बढा। सैकडो की सख्या मे नवयुवक अपने भविष्य की चिन्ता छोड कर स्वातन्त्र्य सग्राम मे कूद पडे।

दिल्ली के जैन युवको मे सर्वप्रथम लाला डिप्टीमल जी सन १९२१ मे काग्रेस के सदस्य बने। उसी वर्ष निर्वाचन आदि के नियम द्वारा काग्रेस को व्यवस्थित रूप भी दिया गया। लाला जी की असाधारण योग्यता, दूर-दर्शिता और कार्य शीलता ने उन्हे शीघ्र ही नेताओ की कतार मे ला खडा किया। काग्रेस मे आने के केवल एक वर्ष बाद ही सन १९२२ मे उनको प्रातीय काग्रेस कमेटी की व्यवस्थापिका के सदस्य और सन १९३१ में कोषाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित किया गया। इस दौरान मे साढे ग्यारह मास तक लगातार दरीबा क्षेत्र से बाहर जाने के लिये भी उन पर प्रतिबन्ध लगा रहा। दिल्ली मे सन १९३२ में हुए काग्रेस के विशेष अधिवेशन मे लाला जी प्रमुख कार्य-कर्ताओं मे से थे। इसी सम्बन्ध मे उन्हे २ मास का कारावास भी मिला।

लाला जी सन १९४६ से १९५२ तक दरीबा काग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सन १९५४ से १९५६ तक दिल्ली नगर काग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर रहे। सन १९५८ से १९६० तक दिल्ली नगर काग्रेस कमेटी के सदस्य व सन १९४९ व सन १९६० मे हुई दिल्ली स्टेट पालीटिकल कान्फ्रेन्सेज की रिसेप्शन कमेटी के चेयरमेन और सन १९४९ से १९५१ तक दिल्ली स्टेट इलेक्शन कमेटी के सदस्य भी रहे। लाला जी की अद्वितीय सगठन-प्रतिभा के कारण सन १९२२ मे लेकर सन १९५४ तक दिल्ली राज्य मे काग्रेस की ओर से लडे गये सभी चुनावों का सचालन उनके ही द्वारा हुआ। लाला जी की गणना आज उन सम्माननीय विशिष्ट वयोवृद्ध व्यक्तियो मे है जिनके निस्पृह त्याग और महान साधना के ऊपर न केवल काग्रेस पार्टी को बल्कि सम्पूर्ण नगर को गौरव का अनुभव होता है।

सन १९३० के सविनय-अवज्ञा आन्दोलन, सन १९४२ की ऐतिहासिक जन-क्रान्ति आदि के सिलसिले मे श्री जैनेन्द्र कुमार, श्री अयोध्या प्रसाद गोयलीय, सेठ आनद-राज सुराणा, लाला नन्हे मल, लाला तनसुखराय मास्टर गिरधारी लाल, लाला उग्रसेन, लाला टीकम चद्र जौहरी, श्री ज्ञान प्रकाश, श्री कमल चद गोधा, श्री गुलाब चद, श्री कपूर चद गोधा, श्री छगन लाल रकयाण, श्री बिमल भाई, श्री अनतराम नानखताई वाले, श्री विरधो चद्र, लाला श्री राम, श्री सुन्दर लाल, श्री मुकंदलाल जौहरी, लाला लक्ष्मी चद्र, श्रीमती चमेली देवी, लाला टीकम चद्र 'लाट', श्रीमती सीता देवी, श्री गिरी लाल, श्री कस्तूर चद्र, श्री बहाल सिंह, श्री मनुभाई शाह (वर्तमान केन्द्रीय उद्योग मत्री), श्री फतह चंद्र, श्री कपूर चद्र, श्री मुन्नालाल

जौहरी, श्री पदम चंद्र, श्री जुगल किशोर तथा अनेक व्यक्तियो ने कई बार लम्बी लम्बी अवधि की जेल यात्रायें की। इन विविध राजनीतिक आदोलनो मे सक्रिय भाग लेने वाली जैन महिलाओ मे श्रीमती सुशीला सुल्तान सिह (धर्मपत्नी राय बहादुर सुल्तान सिंह) का नाम उल्लेखनीय है।

राजनीति के अतिरिक्त म्यूनिसिपल कमेटी, शिक्षण एव अन्य सास्कृतिक सस्थाओ आदि में भी जैनो ने महत्वपूर्ण योगदान किया। सन १८७४ मे लाला बलदेव सिह, सन १८८१ मे लाला हजारी मल जौहरी, सन १६०१ व १६११ मे रायबहादुर सुल्तान सिंह, सन १६११ मे रायसाहब लाला वजीर सिह, सन १६१७ मे रायसाहब बाबू प्यारे लाल एडवोकेट, सन १६२८ व १६४५ मे डा० चम्पत राय जयना, सन १६३१ व १६३७ व १६४५ मे लाला डिप्टीमल, सन १६३४ मे रायसाहब लाला उल्फतराय, सन १६४० मे रायबहादुर लाला आदीश्वर लाल, सन १६४५ मे लाला भीकू राम व श्री राज कुमार, सन १६५१ मे डा० कैलाश चंद्र, सर्वश्री फूल चंद्र व ओम प्रकाश व रायसाहब जोती प्रसाद दिल्ली म्यूनिसिपल कमेटी के सदस्य (म्यूनिसिपल कमिश्नर्स) हुए।

रायसाहब लाला वजीर सिह सन १६१५ मे, रायसाहब बा० प्यारे लाल एडवोकेट सन १६१६ मे और लाला डिप्टीमल सन १६४५ मे वाइस प्रेजीडेट [६४] के पद पर निर्वाचित हुए और लगातार कई वर्षो तक इस पद पर रहे। दिल्ली नगर पालिका के इतिहास मे इन तीनो का कार्यकाल अत्यन्त महत्वपूर्ण रहा है। लाला डिप्टीमल जी सन १६३२ से जब जब निर्वाचित हुए पालिका की व्यवस्थापिका व अर्थ समिति (Executive and Finance Committee) व शिक्षा समिति (Education Committee) के सदस्य रहे। लाला जी ने अपने समय मे सोशल एजूकेशन स्कीम के अन्तर्गत विशाल पैमाने पर साक्षरता आदोलन को उठाया और अनेक स्थानो पर सामाजिक शिक्षा व शारीरिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की। इस प्रकार के केन्द्रो का संचालन उत्तर भारत की नगरपालिकाओ में दिल्ली नगरपालिका की एक विशेषता रही है। इन योजनाओ का महत्व तो केवल इस तथ्य से ही प्रकट है कि इन्हें राष्ट्र-स्तर पर कार्यान्वित करने के लिये केन्द्रीय सरकार ने पचवर्षीय योजनाओं में भी सम्मिलित किया है।

पालिका की ओर से सर्व प्रथम नर्सरी स्कूलो की स्थापना, मिड-डे-मिल्क-स्कीम (Mid-day-milk Scheme) तथा लायब्रेरी आदोलन को उठाने के लिये भी मारवाड़ी लायब्रेरी, महावीर लायब्रेरी आदि नगर की प्राचीन लायब्रेरियो की प्रगति के लिए विशेष अनुदान की व्यवस्था करने का श्रेय लाला जी को ही है। उस समय जब कि राज्य की ओर से एलोपेथी के प्रसार पर ही सारी शक्ति व्यय होती थी, लाला जी ने आयुर्वेदिक, व यूनानी औषधालयो आदि की स्थापना करवायी। नगर पालिका के एन्टीकरपशन डिपार्टमेंट को सुदृढ तथा कार्यकारी बनाने के लिये लालाजी के नेतृत्व मे जो कदम उठाये गये वे चिरस्मरणीय है।

विगत ५० वर्षो के दौरान मे दिल्ली के अन्य विविध सार्वजनिक क्षेत्रो मे हुए रचनात्मक कार्यों मे भी जैनों का छाप रही है। रायबहादुर डा० (सर) मोतीसागर, राय बहादुर सुल्तानसिह, रायसाहब बाबू प्यारेलाल एडवोकेट, बैरिस्टर चम्पतराय, लाला गोकलचन्द नाहर आदि व्यक्तियो ने दिल्ली के विविध क्षेत्रो में जो कार्य किये, उनकी स्मृति न केवल जैन वरन् इतर समाज की भी अमूल्य निधि है। यदि वे लोग जैन धर्म और समाज के कार्यो मे अपना तन, मन और धन लगाते थे तो अन्य समाज के सुकार्यों मे भी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा बाटते थे। रायबहादुर लाला सुल्तानसिह प्राय प्रतिवर्ष रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पद के लिये चुने जाते थे। जब दिल्ली मे अखिल भारतवर्षीय वैष्णव कान्फ्रेंस हुई, जिसके सभापति महाराजा दरभगा थे, तो उस समय रायबहादुर सुल्तान सिह को स्वागताध्यक्ष चुना गया। रायसाहब बा० प्यारे लाल वर्षों तक दिल्ली बार एसोशियेसन के प्रेसीडेंट रहे।

रायबहादुर सुल्तानसिहजी की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी लगातार कई वर्षो तक आल इंडिया वीमेस कान्फ्रेस की प्रेसीडेंट रही है। इन्ही की मूल प्रेरणा से आज सरस्वती

---

६४ सन १६४६ तक सरकार की ओर से चीफ कमिश्नर प्रेजीडेंट के पद पर नियुक्त किया जाता था, जो कि प्राय अंग्रेज होता था।

भवन, जो कि दिल्ली मे महिलाओं की उन्नत और जागृत संस्थाओ मे से है, चल रहा है। दिल्ली की प्रसिद्ध मारवाडी लायब्रेरी लाला डिप्टीमलजी के सहयोग से ही सन १६१५ में स्थापित हुई और बाद मे भी पनपी। स्थापित होने के समय से लगातार ३० वर्षो तक लाला जी ही लायब्रेरी के मैनेजर रहे और इस दौरान मे संस्था ने आशातीत उन्नति की। लालाजी ने सन १६१७ मे दिल्ली मे सबसे पहली समाज-सेवक संस्था 'इन्द्रप्रस्थ सेवक मडल' के नाम से स्थापित की और लगातार २० वर्ष तक मत्री पद पर कठिन श्रम द्वारा उसके कार्य को बढाया। मडल की गणना आज प्रसिद्ध लोक सेवक संस्थाओ मे की जाती है।

उपसंहार

अगस्त १५ सन १६४७ को देश स्वतन्त्र हुआ और जनवरी २६, सन १६५० को नवीन भारतीय सविधान के अनुसार सार्वभौम प्रजातन्त्रात्मक गणतन्त्र की स्थापना हुई।

गणतन्त्र की व्यवस्था नवीन नही और न किसी विदेश की देन है। यह भारतवासियो की पुरानी वसीयत है। लिच्छिव और नवमल्ली जाति के अठारह गण राज्यो का प्रजातन्त्रात्मक शासन इतिहास प्रसिद्ध है। महात्मा बुद्ध और भगवान महावीर ऐसे ही गण-राज्यो के गणाधिपतियो के यहा उत्पन्न हुए थे। गण का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की प्रतिष्ठा तथा व्यवस्था बनाये रखने के लिये उत्तरदायी रहे, उसे कहते है गणतन्त्र।

स्वाधीनता के वरदान के साथ-साथ प्रत्येक देश-वासी के ऊपर भारत को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का भारी उत्तरदायित्व भी आया। देश के विकास और पुनर्निर्माण के महान यज्ञ मे दिल्ली के जैनो का महत्व पूर्ण योगदान है। विगत वर्षो मे हुई दिल्ली की औद्योगिक उन्नति की ओर दृष्टि डाले तो निस्सदेह यह विदित होगा कि राजधानी को देश के अन्य औद्योगिक उन्नत नगरो की लाइन मे खडे करने का मुख्य श्रेय यदि किसी एक समाज को है तो वह जैन समाज ही है। आज देश के विख्यात् उद्योगपति सेठ रतन चन्द्र हीराचन्द्र, साहू शांति प्रसाद, साहू श्रेयास प्रसाद, सेठ कस्तूर भाई लाल भाई के औद्योगिक सस्थानो का मुख्य केन्द्र दिल्ली ही है। बिजली के सामान, साईकिल, हार्डवेअर गुडस, सिलाई की मशीन, घडी घंटो, कागज, केमीकल्स आदि के उद्योगों का नेतृत्व जैनो ने किया है। जापान के विश्वविख्यात् टाय उद्योग की शैली पर अनेक नवीन खिलौनो को भारतीय बाजार मे उपस्थित करने का मान राजा टायज को प्राप्त है। अन्य लघु और कुटीर उद्योगो मे ऊन, होजरी आदि के अधिकाश मिलो का स्वामित्व जैनो के हाथो मे है। इन उद्योगो ने न केवल देश के आयात म कमी की है, वरन् निर्यात के द्वारा विदेशी मुद्रा को अर्जन कर राष्ट्रीय आर्थिक स्थित को सुदृढ बनाने मे सहयोग दिया है। व्यापार के क्षेत्र मे, बैंकिग, ज्वैलरी, कागज, कपडा और सीमेट मे तो जैनो की प्रधानता बहुत समय से है। जनरल और होजरी के वितरण मे, जिसके लिये दिल्ली वर्षो से उत्तर भारत का प्रसिद्ध केन्द्र माना जाता है, लगभग ६० प्रतिशत जैन व्यापारी है।

जब दिल्ली विधान सभा बनी तो उसमे सेठ आनन्द राजा सुराना, लाल शकर लाल व श्री हेमचन्द्र सदस्य निर्वाचित हुए।

जैन धन-सम्पन्न है तो उदार और दानी भी है। अनेक शिक्षण व जन हितकारी सस्थाओ को स्थापित कर राज्य को अशिक्षा आदि की समस्या को हल करने मे रचनात्मक सहयोग प्रदान किया है। दिल्ली जैन समाज मे जहा एक ओर बडे बडे दानी है, तो दूसरी ओर डा० डी० एस० कोठारी जैसे विश्व-विख्यात् वैज्ञानिक तथा शिक्षाविद् और आचार्य जुगल किशोर व जैनेन्द्र कुमार जी जैसे महान विचारक और साहित्यकार भी इसी की देन है।

जैनागम के महान पडित एव तपस्वी विद्यालकार आचार्य देश भूषण जी महाराज व मुनिरत्न सुशील कुमार जी की प्रेरणा व आशीर्वाद से जैनो द्वारा क्रमश सन १६५६ और सन १६५८ मे जैन कला व शिक्षा प्रदर्शनी और जैन सेमिनार तथा विश्व धर्म सम्मेलन दिल्ली के सास्कृतिक जीवन की चिरस्मरणीय ऐतिहासिक स्मृतियो मे से है। दोनो ही आयोजनो में अनेक भारतीय व विदेशी विद्वानो व विचारको ने भाग लिया था। नागरिको के चारित्रिक विकास के लिये आचार्य तुलसी द्वारा सचालित देश व्यापी अणुव्रत आंदोलन का केन्द्र दिल्ली ही ।

यह गौरव की बात है कि दिल्ली प्राचीन काल की भांति आज भी जैनो का प्रमुख केन्द्र है। पिछले सैकड़ो

वर्षों के काल मे समाज ने उन्नति और अवनति दोनो प्रकार के ही दिन देखे हैं। प्रत्येक अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करके भी समाज का अपना अस्तित्व अक्षुण्ड रहा है, इसमे प्रधान कारण उन सार्वभौमिक सिद्धातों का श्रद्धान और अनुकरण है जो न केवल लौकिक वरन् हर एक आत्मा को उत्कृष्ट और पूर्ण उन्नत बनाने की क्षमता रखते हैं।

आज जब कि विश्व मे पारस्परिक विरोध और सघर्ष की भावना बढ रही है, विज्ञान प्रदत्त शक्तियो को निर्माण की अपेक्षा विनाश का साधन बनाया जा रहा है, इन सिद्धान्तो का प्रसार ही नहीं बल्कि व्यवहारिक रूप देने की आवश्यकता है। सह अस्तित्व अथवा 'जियो और जीने दो' का सिद्धात परम धर्म अहिसा का ही प्रतिरूप है। महात्मा गाधी ने न केवल अपने स्वय के जीवन मे वरन् सम्पूर्ण राष्ट्र के जीवन मे इस सिद्धात का महान प्रयोग किया और यह सिद्ध कर दिया कि अहिसा का सिद्धात पूर्ण रूप से व्यवहारिक और प्रकृति अनुरूप है। भारत के लिये यह कम गौरव की बात नही कि गाधी जी के अपनाये हुए मार्ग द्वारा एशिया के अन्य पिछडे देशो ने भी चेतना ग्रहण कर स्वतन्त्रता प्राप्त की। यही नही, आज विश्व की आम जनता का यह विश्वास दृढ हो चला है कि विज्ञान के दुरुपयोगो से मानव जाति को यदि किसी प्रकार बचाया जा सकता है तो वह केवल अहिसा के सिद्धात से ही सभव है।

शाकाहार की प्रवृत्ति यद्यपि उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर है तथापि इस दिशा में कुछ व्यवहारिक प्रयोगो द्वारा जन सामान्य को शिक्षित बनाने की महती आवश्यकता है। हाल ही मे एक विदेशी विद्वान के मतानुसार शाकाहारियो की भोजन सामग्री उत्पन्न करने के लिये जितनी भूमि की आवश्यकता होगी उससे कहीं अधिक मासाहारियो की सामग्री के लिये होगी। जैनो का कर्तव्य है कि इस मत को बल देने के लिये रचनात्मक प्रयोग करें और तुलनात्मक आकडो द्वारा जनता को शिक्षित बनावे।

अहिसा का दूसरा सह सिद्धात 'अपरिग्रहवाद' का है जो किसी भी वस्तु के ऊपर किसी भी व्यक्ति या समाज विशेष का स्वामित्व होना भी मिथ्या बतलाता है। और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छाओ को सीमित करने का पाठ पढाता है। आज के औद्योगिक युग मे जब कि तृष्णा अपना उग्र रूप धारण करती जा रही है और जिसके फलस्वरूप आर्थिक असमानता बढती जा रहीहै, यह सिद्धात ही समाज के सर्वाधिक कल्याण करने मे समर्थ है।

तीर्थंकर धर्म और शाति का ढिंढोरा नही पीटने, वह स्वय अनंत शाति रूप होते है, उनका सर्वाङ्ग ही दिव्य वाणी के रूप मे सम्पूर्ण विश्व का कल्याण मार्ग का उपदेश देकर शाति प्रदान करता है। वे हमारे आदर्श है और हम उनके पथानुगामी हैं। यदि जैन कहलाने वाला प्रत्येक व्यक्ति-और वही क्यो-प्रत्येक धार्मिक व्यक्ति यह व्रत ले तो निश्चय ही सभव है कि थोडे ही समय मे विश्व चर्चा के विषय शस्त्रीकरण और हाइड्रोजन बमो को प्रयोग न होकर, पारस्परिक स्नेह बढाने वाले सम्मेलन और 'ज्ञान के विकास के साधन' आदि होगे।

अपरिग्रहवाद ही तो है गाधी का 'ट्रस्टीशिप सिद्धात' और विनोबा का 'सर्वोदय तीर्थ'। व्यक्ति अपने हित और स्वार्थ को समाज के हित और स्वार्थ मे निहित समझे तो किसी भी सम्पत्ति का व्यक्ति विशेष अपने को स्वामी माने, यह बात अप्राकृतिक है, अन्यायपूर्ण है, अधार्मिक है। समाज के श्रम से उत्पन्न वस्तु समाज का ही कल्याण करे। यह प्राकृतिक मूल सिद्धात अपरिग्रहवाद की जड है,

वस्तुत. विज्ञान की नवीन खोजो के साथ साथ ज्यो ज्यो मानव समाज के ज्ञान का विकास होता जा रहा है (अथवा दूसरे शब्दो मे उसकी अज्ञानता मे न्यूनता आ रही है) त्यो त्यो जैन सिद्धातो की सार्वभौमता और सत्यता प्रकाश मे आ रही है। उदाहरण के लिये आज से ६० वर्ष पूर्व यह सिद्धात की वनस्पति मे मानव प्राणियो की तरह 'जीवन' (आत्मा) है, निर्मूल माना जाता था। किन्तु वर्तमान शताब्दी के आरम्भ मे महान वैज्ञानिक सर जगदीश चन्द्र वसु ने प्रयोगो द्वारा यह सिद्ध कर दिया कि वनस्पति मे भी प्राण है और प्राणी वर्ग की तरह उनमे भी चेतना का सद्भाव है[६५]। आकस्मिक घटनाओ, चोटो, गर्मी सर्दी तथा विष आदि का उन पर भी अन्य प्राणियो की भाति प्रभाव पडता है और वे भी हर्ष विषाद भूख और प्यास का अनुभव करते है। इसी भाति, यह आशा

६५. देखो, वसु जगदीश चन्द्र, रिस्पास इन दा लिविंग एण्ड नान लिविंग।

की जाती है, कि हाल ही में हुए अंतरिक्ष (स्पेस) यात्राओ के अनुसंधानों के फलस्वरूप जैन शास्त्रो मे दी गई लोक रचना के बारे में प्रकाश पड़ेगा।

हमारा सौभाग्य है कि आज दिल्ली मे जैन कहलाने वाले तीनों सम्प्रदायो का सगम बना हुआ है। इस त्रिवेणी का निर्मल जल यदि साम्प्रदायिक व संकुचित भावनाए धोने मे साधन हो तो देश के कोने कोने के जैन यह अमृत पीने को लालायित हो उठेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है। संगठन की शक्ति असीम है। युग की माग है कि हम अपनी बिखरी शक्ति को संचित कर विकासशील प्रवृत्ति को अपनावें और अनादि निधन सिद्धात 'अहिंसा' को विश्व में शांति बनाये रखने के लिये और प्राणीमात्र के कल्याण के लिये विश्व के कोने कोने मे पहुचा दें।

श्री दिगम्बर जैन लाल मदिर, चादनी चौक, स्थापित सन् १६५६ (विशेष विवरण पृष्ठ २६)
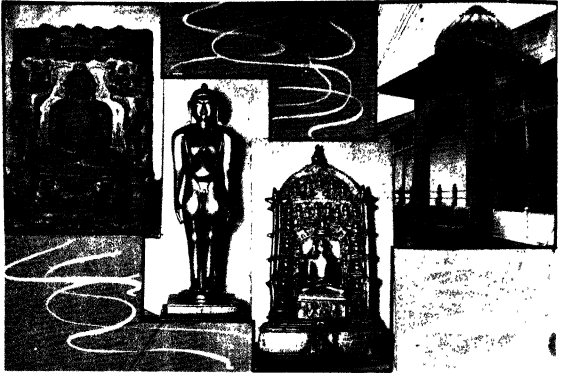
श्री दिगम्बर जैन बडा मदिर कूचा सेठ, स्थापित सन् १८३४ (विशेष विवरण पृष्ठ ३०)
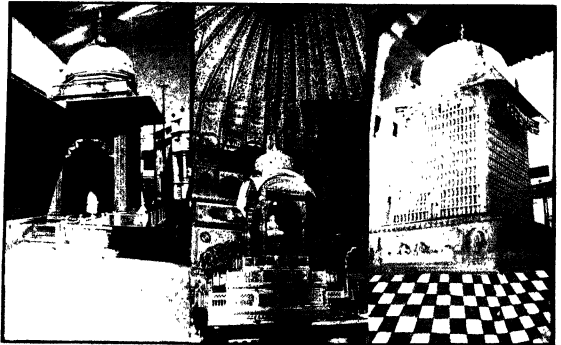
श्री दिगम्बर जैन नया मदिर धर्मपुरा, स्थापित सन् १८०७ (विशेष विवरण पृष्ठ २८)

जैन मन्दिर व स्थानक

१. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ मन्दिर, महरौली—इसे तोमरवंशीय राजा अनंगपाल तृतीय के मंत्री अग्रवालवंशी साहू नट्टल ने सन ११३२ से पूर्व बनवाया था। इसके बारे में कवि श्रीधर ने 'पार्श्वपुराण' में भी उल्लेख किया है। इसी मन्दिर तथा निकटवर्ती अन्य मन्दिरों को ध्वंस करके कुतुबुद्दीन ऐबक ने सन ११९३ में कुव्वतुल इस्लाम मसजिद का निर्माण करवाया था। लोहे की किल्ली (स्तम्भ) के सामने वाले दालान में पत्थरों में खुदी हुई जैन मूर्तियां व अन्य चिन्ह इस मन्दिर के साक्षी हैं। मंदिर के वर्तमान अवशेषों में नक्काशी और पच्चीकारी के काम को देख कर उस काल की जैन स्थापत्य कला का कुछ अनुमान लगाया जा सकता है।

२. बड़ी दादा बाड़ी—यह दादा बाड़ी कुतुब मीनार से लगभग एक मील की दूरी पर, गुड़गांव रोड पर मौजा लद्दासराय में स्थित है।

इसी स्थान पर श्री जिनदत्त सूरि जी के पट्टशिष्य श्री जिनचन्द्र सूरि मणीधारी जी महाराज का अग्निसंस्कार सन ११६६ में हुआ था। उनकी स्मृति में ही इस बाड़ी का निर्माण हुआ, जो कि श्री बड़ी दादा बाड़ी के नाम से विख्यात है।

यहीं श्री बब्बुमल जी भंसाली (ठप्पे वालों) ने श्री सिद्धाचल स्थापना तीर्थ के सुन्दर दिग्दर्शन के प्रयत्न में नवीन निर्माण कराया है, जिसमें तलहटी, बाबू का डेरा, पर्वतीय मार्ग, शत्रुंजय नदी, नौ टूंक, खरतर बसई, दादा की टूंक आदि दर्शनीय हैं।

बाड़ी में यात्रियों के रहने की भी सुन्दर व्यवस्था है।

३. दि० जैन पार्श्व मंदिर, जयसिंह पुरा, नई दिल्ली-यह मंदिर कनाट सर्कस में मद्रास होटल के पीछे की ओर जैन मंदिर मार्ग पर स्थित है। यह 'खंडेलवाल' अथवा 'बड़े मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इस मंदिर का निर्माण कब और किसने कराया, यह निश्चित रूप से ज्ञात नहीं हो सका है। परन्तु विद्वानों का मत है कि यह वही प्राचीन पार्श्वनाथ मंदिर है जहां आचार्य अरुणमणि ने सन १६५९ में 'अजित पुराण' की रचना की थी और जिसकी अन्तिम प्रशस्ति में इस मंदिर का उल्लेख भी किया है। यह भी कहा जाता है कि इसी मंदिर

जी में सांगानेर निवासी कवि खुशाल चन्द जी काला ने स्थानीय धार्मिक महानुभाव श्री गोकुल चन्द जी ज्ञानी के उपदेश से सन १७२३ से लेकर १७४३ तक हरिवंशपुराण आदि अनेक ग्रंथों की रचना की। इन सब उल्लेखों से यह प्रगट होता है कि यह मंदिर निश्चय ही औरंगजेब के समय से पूर्व का निर्मित है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान महावीर स्वामी की है। जो कि लगभग ५०० वर्ष पूर्व भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित की गई है। इसके अतिरिक्त भ० ऋषभदेव, भ० चद्रप्रभु, भ० नेमिनाथ, भ० पार्श्वनाथ आदि तीर्थंकरों की सन १४६१ की प्रतिष्ठित प्रतिमायें विराजमान है। विगत वर्षों में मन्दिर जी में अनेक नवीन निर्माण हो जाने से किन्ही अंशो तक प्राचीन चिन्हों में न्यूनता आ गई है।

४ दि० जैन लाल मंदिर–यह मंदिर लाल किले के लाहौरी दरवाजे के सामने व चांदनी चौक के प्रारम्भ में स्थित है और शहर के स्थानीय जैन मन्दिरों में सबसे प्राचीन मंदिर है। इसका निर्माण शाहजहा के राज्यकाल में सन १६५६ मे हुआ। कहा जाता है कि शाही छावनी इसी निकटवर्ती क्षेत्र में थी और इस मन्दिर का निर्माण भी शाही सेना के जैन पदाधिकारियों के लिये ही हुआ था। यह उर्दू मंदिर या लशकरी मंदिर के नाम से भी प्रसिद्ध था।

जिस स्थान पर इस मन्दिर की नींव पड़ी, ऐसा प्रचलित है कि वही शाही सेना के एक जैन पदाधिकारी ने अपने खेमे में जैन चैत्यालय स्थापित किया था। कालांतर मे शाही स्वीकृति मिलने पर उसी स्थान पर इस मन्दिर का निर्माण हुआ।

इस मन्दिर के सम्बन्ध में यह कथन भी प्रचलित है कि एक बार सम्राट औरगजेब ने मन्दिर जी में बाजे बजाने की मनाई की। शाही आज्ञा के हो जाने पर भी बाजे बजते रहे, परन्तु आश्चर्य की बात कि कोई बजाने वाला दृष्टिगोचर नही होता था। इस पर सम्राट स्वय देखने गये और पूर्ण स्थिति से परिचित होने के बाद उन्होंने अपनी आज्ञा वापिस ले ली।

मदिर जी की मुख्य व प्राचीन वेदी मे भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा सन १४६१ में प्रतिष्ठित भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा मध्य मे विराजमान है। इस प्रतिमा के दायें बाये भी उसी सम्वत की प्रतिष्ठित मूर्तियां विराजमान हैं। सन १६३५ से मंदिर में समय समय पर नवीन निर्माण होता आ रहा है। मन्दिर का विशाल सरस्वती भवन, पीछे की ओर उदासीनाश्रम, यात्रियों के ठहरने के लिये कई कमरे, पक्षियों का चिकित्सालय, जैन साहित्य सदन का भवन, मुख्य द्वार के समक्ष मान-स्तम्भ आदि का निर्माण विगत थोड़े वर्षो मे ही हुआ है। इनसे मंदिर की शोभा व उपयोगिता दोनो में ही अत्याधिक वृद्धि हुई है।

५ दिगम्बर जैन मंदिर, दिल्ली गेट–यह मन्दिर दिल्ली गेट के निकट ही स्थित है। यह मन्दिर भी मुगलकालीन बना

हुआ है। इसमें सबसे प्राचीन मूर्ति सन १७७३ की है। इसके अन्दर के भवन में अलकृत चित्रकारी भी है।

ऐसा कहा जाता है कि लाल किले के पास मन्दिर (लाल मन्दिर) के बन जाने के बाद, समाज में कुछ मतभेद हो गया, जिसके फलस्वरूप कुछ व्यक्तियों द्वारा इस मन्दिर का निर्माण हुआ।

६ दि० जैन मंदिर, मोरी गेट—यह मदिर कब बना और किसने बनवाया यह ठीक ज्ञात नही हो सका है, तथापि इसकी निर्माण शैली से यह निश्चित है कि यह भी मुगलकालीन है।

मन्दिर मे मूलनायक प्रतिमा सन १४६१ की भट्टारक जिनचन्द्र और जीवराज पापड़ीवाल द्वारा प्रतिष्ठित विराजमान है।

७. श्वे० जैन मंदिर, नौघरा—यह मदिर किनारी बाज़ार, मौहल्ला नौघरा मे स्थित है। इस मंदिर का निर्माण शाहजहां के राज्यकाल में हुआ था और यह स्थानीय श्वेताम्बर मदिरों में सबसे प्राचीन है। इस मदिर का पुनर्निर्माण सन १७०६ मे हुआ था।

मुख्य प्रतिमा भ० सुमतिनाथ जी की है। श्री पार्श्वनाथ जी की श्याम पाषाण की बनी चतुर्मुखी प्रतिमा भी अत्यन्त ही मनोहर व मनोज्ञ है। मंदिर के अन्दर के भवन में स्वर्ण चित्रकारी भी है।

८. महावीर दि० जैन मंदिर, वैद्यवाड़ा—यह मंदिर चांदनी चौक अथवा नई सड़क की ओर से जाकर वैद्यवाड़ा मुहल्ला मे स्थित है। इसका निर्माण सन १७४१ में खंडेलवाल दि० जैन पंचायत द्वारा हुआ था।

मदिर में लगभग २००—२५० प्राचीन मूर्तियां है, जिनमें कई स्फटिक पाषाण की भी हैं। मुख्य प्रतिमा सन ११७५ की प्रतिष्ठित है। अन्य मनोज्ञ प्रतिमाये सन १४५७ की व कुछ उसके बाद के समय की प्रतिष्ठित हैं।

मदिर के शास्त्र भंडार मे कई हस्तलिखित ग्रन्थ भी हैं।

६ दि० जैन पंचायती मंदिर—यह मंदिर गली मस्जिद खजूर में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण मुहम्मदशाह द्वितीय के कमसरियट विभाग के सैनिक पदाधिकारी आयामल या आज्ञामल ने सन १७४३ मे कराया था। बाद मे इसे पंचायती घोषित कर दिया गया। यह मदिर भट्टारकों की गद्दी का भी स्थान रहा है और तत्पश्चात 'पाडे जी का मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्ध रहा।

इस मंदिर में मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ जी की है। यह प्रतिमा श्यामवर्ण, ५ फुट ६ इंच ऊंची और ३ फुट ५ इंच चौड़ी है। दायें बायें भ० आदिनाथ और भ० शांतिनाथ की श्वेतवर्ण प्रतिमायें विराजमान, हैं जो कि प्रत्येक ३ फुट ५ इच ऊंची और २ फुट ८॥ इंच चौड़ी हैं। इसके अतिरिक्त कई रत्न-प्रतिमायें भी हैं। इस मंदिर में सवसे प्राचीन मूर्ति सन १३४६ की है। और अन्य १०—१२ मूर्तियां सन १४६१ की हैं।

मंदिर में लगभग ३,००० अप्राप्य हस्तलिखित शास्त्रों का तथा अन्य मुद्रित ग्रन्थों का सुन्दर संग्रह है।

१०. दि० जैन मेहर मंदिर-यह मंदिर मस्जिद खजूर के बाहर स्थित है। इसका निर्माण लाला मेहर चन्द जी ने करवाया था। इस मंदिर में नंदीश्वर द्वीप के ५२ चैत्यालयों की अपूर्व रचना की गयी है जिसकी प्रतिष्ठा २३ जनवरी, सन १७३२ में हुई थी। मंदिर की अन्य वेदियों की प्राचीन प्रतिमायें भी मनोज्ञ व दर्शनीय हैं।

मंदिर के शास्त्र भन्डार में हस्तलिखित व मुद्रित ग्रन्थों का सुन्दर संग्रह है।

११. दि० जैन नया मंदिर, धर्मपुरा– चाँदनी चौक से किनारी बाजार होते हुए धर्मपुरा के मध्य में पहुंचने पर यह मंदिर आता है। यह मंदिर राजा हरसुखराय जी ने जो शाही खंजाची थे, व भरतपुर राजा के दरबारी थे, लगभग आठ लाख रुपए की लागत से बनवाया। इसका बनाना सन १८०० में प्रारम्भ हुआ था और सन १८०७ में इसकी प्रतिष्ठित हुई थी।

मंदिर में मध्य की वेदी पर भ० आदिनाथ की सन १६०७ में प्रतिष्ठत मूर्ति विराजमान है। इसके अतिरिक्त अन्य कई प्रतिमायें स्फटिक, नीलम, मरकत और पाषाण की सन १०५२ की प्रतिष्ठित, विराजमान हैं।

मंदिर की मूलनायक वेदी जयपुर के मकराना संगमरमर की बनी है और उसमें सच्चे बहुमूल्य पाषाण की पच्चीकारी का काम और बेलबूटों का कटाव ऐसा बारीक है कि उसकी तुलना ताजमहल को अद्वितीय कारीगरी से की जा सकती है। जिस कमल पर भगवान की प्रतिमा विराजमान है उसकी लागत दस हजार रुपया तथा वेदी की लागत सवा लाख रुपया बताई जाती है। कमल के नीचे चारों ओर जो सिंहों के जोड़े बने हुए हैं उनकी कारीगरी भी अपूर्व और आश्चर्य जनक है।

मंदिर में पच्चीकारी का अद्भुत काम, दीवालों पर सुनहरी चित्रकारी आदि कई विशेषतायें हैं जिनसे आकर्षित होकर देशी व विदेशी यात्री दर्शनों के लिए आते हैं।

विगत वर्ष सन १९६० में इसी मन्दिर में सहस्र-कूट चैत्यालय की स्थापना भी की गई है।

मंदिर जी के शास्त्र-भंडार में लगभग १,८०० हस्तलिखित ग्रन्थ और अन्य सभी शास्त्रों का सुन्दर संकलन है। यह शोध कार्य करने वाले छात्रों के लिए अत्यन्त उपयोगी होते हैं।

१२. दि० जैन मंदिर, शहादरा– दिल्ली शहर से लगभग ४-५ मील की दूरी पर यमुना नदी के पार शहादरा उपनगर में यह मंदिर, गली मंदिर वाली मे स्थित है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय द्वारा हुआ था।

१३. दि० जैन मंदिर, पटपड़गंज– पटपड़गंज के लिए फौहारे से बस की सुविधा
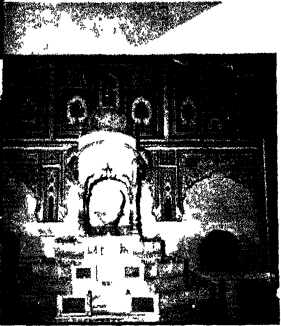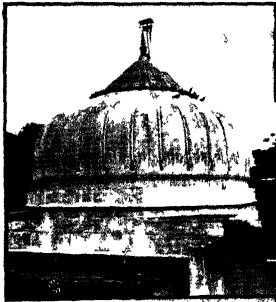
र अग्रव न दिगम्बर जन मन्दिर (जमिन्दुर) नयी दिल्ली स्थापित मत् १८०७ (विशप विवरण पृष्ठ २६)

जन निशा मन्दिर कनाट रम नयी दि ली मुगन वान म स्थापित (वि ाप विवरण पाठ
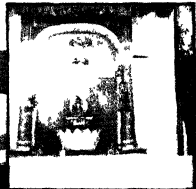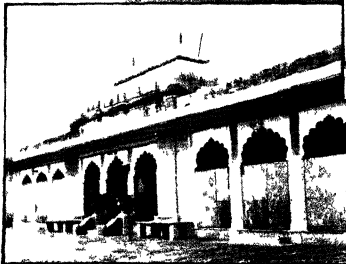
श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मन्दिर मह

भारत मे मुस्लिम राज्य के अन्तर्गत अनगिनत हिन्दू व जैन मदिर ध्वस करके उनके स्थानो पर मस्जिदो का निर्माण किया गया। उसी प्रवृत्ति की प्रतीक गुलाम वश के सस्थापक कुतुबुद्दीन एबक द्वारा निर्मित "कुव्वत-उल-इस्लाम" मस्जिद है जिसके प्राचीन खण्डहरो मे जैन मूर्त्ति और स्थापत्य कला का वैभव बिखरा पडा है। यह मसजिद अपने समय के इसी स्थान पर निर्मित विशाल पार्श्वनाथ जैन मदिर को विध्वस करके बनाई गई थी। मदिर के अवशिष्ट चिह्नो मे हाथी-दरवाजा तथा दो ओर के सभा-गृह अब भी अक्षत से जान पडते है। ऐसा प्रतीत होता है कि कीली के पार्श्वभाग मे शिखर-युक्त पीठिका मे मुख्यवेदी स्थापित थी तथा इसी के केन्द्र मे चारो ओर सभागृह था

ल्ली के अवशिष्ट चिह्न

जिसके स्तम्भो व दीवारो आदि पर तीर्थंकरो की भव्य मूर्त्तिया व तत्कालीन जैन स्थापत्यकलामय दृश्यावलिया एव धार्मिक चिह्न उत्कीर्ण थे। द्वार को छोड कर बाकी तीन ओर के सभागृह मे तीन अतिरिक्त वेदिया की स्थापना का आभास पाया जाता है। यह सम्पूर्ण मदिर एक सरोवर के मध्य मे स्थित था।

महरौली स्थित इस पार्श्वनाथ मदिर का निर्माण तोमर वशी राजा अनगपाल तृतीय के मत्री साह नट्टल ने सन् ११३२ के लगभग करवाया था। इसका वर्णन कवि श्रीधर द्वारा विरचित "पार्श्वपुराण" मे भी पाया जाता है।

मदिर के वर्तमान अवशेषो मे कई स्तम्भ, दालान, कक्ष आदि अभी तक सुरक्षित है। बाई ओर का चित्र मुख्य द्वार म अन्दर के कक्ष का है। इस कक्ष मे बहुत से स्तम्भ अभी तक अच्छी दशा मे है। इन स्तम्भो की रचना और खुदाई का कार्य आबू के जैन मदिरो की शैली पर है। दोनो ओर के कोने के प्राचीन शैली के शिखरयुक्त भव्य गुम्बदो की छता व दीवारो मे तीथकरो की मूर्त्तिया, तीर्थंकर की माता को गर्भावस्था मे दिखलाई देने वाले सोलह स्वप्नो मे से एक–मीनयुगल, भगवान के जन्म के पश्चात इन्द्र द्वारा अभिषेक का दृश्य, आदि उत्कीर्ण है।

मध्य मे ऊपर का चित्र मदिर के दालान मे स्थित मुख्य पीठिका के अवशिष्ट ध्वसो का है। मध्य मे नीचे का चित्र दीवार पर उत्कीर्ण दृश्यावलियो का है इसमे जैन धर्म सम्बन्धी मूर्त्तिया व चिह्न उत्कीर्ण है। दायी ओर का चित्र एक स्तम्भ का है जिस पर बीच मे तीन ओर जैन तीर्थंकरो की पद्मासन मूर्त्तिया उत्कीर्ण है। मदिर के वर्तमान अवशिष्ट चिह्न देख कर यह विश्वास होता है कि जैसे शीघ्रता मे किसी मदिर का नाप पोत कर मस्जिद बना दिया गया हो।

श्री बडी दादा बाडी गुडगाव रोड महरौली, स्थापित सन ११६६ (विशेष विवरण पृष्ठ २५)

श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल बड़ा मंदिर (जैसिहपुरा) नयी दिल्ली, मुगल काल मे स्थापित (विशेष विवरण पृष्ठ २५-२६)।

उपलब्ध है। इस मंदिर का निर्माण राजा हरसुखराय जी ने करवाया था। विगत वर्षों में इस मंदिर में जीर्णोद्धार व अंशतः नवीन निर्माण भी हो गया है।

१४. श्री अग्रवाल दि० जैन मंदिर, जैसिंहपुरा—यह मंदिर खंडेलवाल मंदिर, नई दिल्ली से लगा हुआ है और 'छोटे मन्दिर' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय जी के सुपुत्र राजा सुगन चन्द जी ने कराया था, इसकी प्रतिष्ठा सन १८०७ में हुई थी। कहा जाता है कि इस मन्दिर के निर्माण के लिए १० बीघा जमीन राजा सुगनचद जी को जयपुर राज्य से, राजा जयसिह जी द्वितीय के समय में, उनके दीवान जूथाराम जी के द्वारा प्राप्त हुई थी।

मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा अष्टम तीर्थङ्कर भगवान चन्द्रप्रभु जी की सन १८०४ की प्रतिष्ठित विराजमान है। मदिर के अदर के भवन की स्वर्ण-चित्रकारी प्राचीन भव्य स्थापत्य कला का प्रतीक है जो कि इतनी लम्बी अवधि के पश्चात आज भी मूल रूप मे है। दूसरी वेदा, जो कि मूलत प्राचीन है मे भी मुख्य प्रतिमा भ० चद्रप्रभु की है जिसकी प्रतिष्ठा सन १८६७ मे वाराणसी के शाह खड्गसेन उदयराज लमेंचू ने करायी थी।

मंदिर जी मे लगभग १,००० मुद्रित ग्रन्थों का शास्त्र भंडार भी है।

इस मन्दिर जी के पीछे मुनिराज, त्यागियों तथा यात्रियों के ठहरने की भी व्यवस्था है।

१५. जैन निशी मंदिर, क० प्लेस—यह कनाट प्लेस के निकट लेडी हार्डिंग रोड पर स्थित है तथा निशी अथवा नशिया जी के नाम से भी प्रसिद्ध है।

इसका निर्माण भी मुगलकालीन है। इसके चारों ओर परकोटा है जिसके चारों कोनों पर चार गुम्बज हैं। परकोटे की पश्चिमी दीवाल से लगा हुआ एक गुम्बजरूप मंदिर है जिसके तीन भाग हैं। मध्य भाग में एक पक्की वेदो बनी हुई है जिसमें प्रतिमा जी को विराजमान किया जाता है।

प्राचीन काल मे अग्रवाल दि० जैन मदिर, जैसिंहपुरा से, इस स्थान पर वर्ष मे दो बार, तीन दिन के लिये, मूर्ति लाकर विराजमान की जाती थी तथा पूजन, भजन इत्यादि उत्सव होते थे।

वर्तमान मे इसका प्रबन्ध जैन सभा, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। यहां पर समय समय पर अनेक धार्मिक व सामाजिक उत्सव होते हैं। भगवान् महावीर जयन्ती के अवसर पर अग्रवाल दि० जैन मदिर, जैसिहपुरा से प्रतिमा जी लाकर एक दिन पूर्व विराजमान कर दी जातो है तथा दूसरे दिन पूजन इत्यादि के पश्चात् एक विराट् रथोत्सव का आयोजन किया जाता है।

१६. श्वे० जैन मंदिर, चेलपुरी—यह मन्दिर किनारी बाजार की गली चेलपुरी मे स्थित है। इसका निर्माण भी मुगलकालीन है।

मंदिर जो मे मुख्य प्रतिमा भगवान संभवनाथ जी की है।

१७. दि० जैन बड़ा मंदिर, कूंचा सेठ—यह मन्दिर कूचा सेठ, दरीबा कला में स्थित है। इस मदिर का निर्माण सन १८३४, (सं० १८६१) में हुआ। कहा जाता है कि इस मन्दिर का निर्माण होना सन १८२८ मे प्रारम्भ हुआ था।

मन्दिर मे मूलनायक प्रतिमा श्यामवर्ण की भगवान ऋषभदेव की, मूलवेदी म विराजमान है। इस मूर्ति की प्रतिष्ठा सन ११६४ मे हुई थी। वेदी न० ३ म एक धातु मूर्ति सन ११४३ की पच बालयती तीर्थङ्करों की है, एक धातु मूर्ति तीर्थङ्कर-त्रय, भगवान शांतिनाथ जी भगवान कुंथनाथ जी व भगवान अरहनाथ जी की है। इनके अतिरिक्त अन्य प्रतिमाये सन १३४६ के बाद के काल की प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर मे कई प्रतिमाये स्फटिक की भी है।

मन्दिर के शास्त्र भण्डार मे अन्य मुद्रित ग्रन्थो के अतिरिक्त १,४०० हस्तलिखित ग्रन्थ है।

इस मन्दिर मे पं० इन्द्रराज जी की शैली प्रचलित थी, इस बात का उल्लेख पं० बखतावर लाल जी ने भी किया है।

१८ दि० जैन छोटा मंदिर, कूंचा सेठ—इस मन्दिर का निर्माण सन १८४० मे हुआ। इस बनवाने मे श्रावक श्री इद्रराजजी का विशेष हाथ था। उन्होने काबुल के एक दुर्रानी से सन १४६२ की प्रतिष्ठित पाषाण मूर्ति खरीदी थी। प्रतिमा जी को कुछ दिन अपने घर में स्थापित करने के पश्चात पचो को सौप दी थी। वही मूर्ति इस मदिर मे विराजमान है।

१९. दि० जैन मन्दिर, सतघरा—यह मन्दिर धर्मपुरा के अन्दर सतघरा में स्थित है। इसका निर्माण लगभग ६० वर्ष पूर्व चैत्यालय के रूप में हुआ। कालातर में सन १६३६ मे शिखरबन्द मन्दिर में परिवर्तित किया गया।

मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की है यहा प्रतिदिन महिलाओं की शास्त्र सभा होती है।

२० दि० जैन चैत्यालय, सतघरा, धर्मपुरा—यह चैत्यालय 'मुंशी रिशक लाल चैत्यालय' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

२१. दि० जैन चैत्यालय, बीबी तोखन, किनारी बाजार—यह गली अनार के अन्दर कुए वाली गली, किनारी बाजार मे स्थित है।

२२. श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन उपाश्रय, किनारी बाजार—यहा साधु, साध्वियो के ठहरने और उनके व्यावच्छ का प्रबन्ध है। उपाश्रय मे आबिल खाते का कार्य सम्पन्न होता है और विवाह-पार्टी आदि उत्सवो के लिये बर्तन इत्यादि भी प्राप्त हो सकते हैं।

२३ ला० हजारी मल जौहरी का श्वे० जैन चैत्यालय—यह चैत्यालय किनारी बाजार के छत्ता प्रताप सिंह म स्थित है।

२४. पद्मावती पुरवाल दि० जैन मंदिर—यह मन्दिर मसजिद खजूर के बाहर गली में स्थित है।

इसका निर्माण पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज ने सन १६३१ में किया था।

२५. श्री शांतिनाथ दि. जैन चैत्यालय, वैदवाड़ा—वैदवाड़ा के महावीर मन्दिर से ही सम्बन्धित गली की दूसरी ओर एक चैत्यालय भी है, जिसमे षष्टम तीर्थङ्कर भगवान शान्तिनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

२६ दि० जैन चैत्यालय (गोधाजी) वैदवाड़ा—उक्त मदिर व चैत्यालय से थोडा आगे अन्दर की ओर चलकर ही यह नवीन निर्मित चैत्यालय स्थित है। इसका निर्माण लाला कपूरचंद जौहरी ने कराया। चैत्यालय मे भगवान महावीर स्वामी की स्फटिक की एक मनोज्ञ प्रतिमा है।

२७. दि० जैन चैत्यालय (ला० भोंदूमल जो)—यह चैत्यालय गली पहाड़ के बाहर स्थित है। यह लाला भौदूमल जी द्वारा स्थापित हुआ था।

२८. दि० जैन चैत्यालय (ला० मोरीमल जी)—उक्त चैत्यालय के सामने ही लाला मीरीमल द्वारा स्थापित चैत्यालय है।

२९. दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ चैत्यालय—यह चैत्यालय जो गली खंजाची वाली मे स्थिति है, लाला हजारीमल चैत्यालय के नाम से प्रसिद्ध है, इसे लाला साहब सिह ने सन १७९१ मे बनवाया था।

३०. दि० जैन चैत्यालय, कूंचा सुखानन्द—यह चैत्यालय मुग़लकालीन होने से बहुत प्राचीन है। इसका निर्माण लाला गुलाब राय ने कराया था।

३१ जैन स्थानक, पत्तलवाली गली, मालो वाड़ा—यह स्थानक एक ओसवाल श्रावक द्वारा लगभग ६०, ७० वर्ष पूर्व चढाया गया था। यहा साधु साध्वियो के ठहरने की व्यवस्था है।

३२. दि० जैन मंदिर, मोहल्ला, इमली—यह मदिर बाज़ार सीताराम मे कूचा पातीराम के मोहल्ला इमली मे स्थित है। इसमे मूलनायक प्रतिमा भगवान नमिनाथ की है।

३३ जैन स्थानक, १८०२, चौराखाना—यह स्थान ला० सेटामल जी भसाली ने लगभग ६० वर्ष पूर्व चढ़ाया था। यहाँ सती वगैरह ठहरती हैं।

३४ श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ श्वे. मन्दिर, चोराखाना—यह मन्दिर मालीवाड़ा से चल कर मु० चीराखाना (गली हरदयाल) मे स्थित है। मुख्य प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ जी की है। मन्दिर जी के नीचे एक पोशाल भी है।

३५ महावीर भवन, चांदनी चौक—इस भवन मे जैन मुनिराज आदि ठहरते हैं और नित्य उनके प्रवचन, कथा इत्यादि होते हैं। समय-समय पर अन्य धार्मिक समारोह भी होते हैं।

भवन मे ही श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय स्थित है।

३६. दि० जैन चैत्यालय, जैन बालाश्रम, दरियागंज-एडवर्डपार्क से दरिया

गंजरोड की ओर थोड़ी दूर परजैन बालाश्रम (जो कि पूर्व में जैन अनाथाश्रम प्रसिद्ध था) का भवन है। इसके ऊपर की मजिल में चैत्यालय स्थापित है। चैत्यालय की दो वेदियों में क्रमशः भगवान महावीर की धातु मूर्ति व भगवान पार्श्वनाथ की कृष्ण-पाषाण मूर्ति विराजमान हैं।

३७. हुकुमचंद दि० जैन चैत्यालय, दरियागंज--जैन बालाश्रम (अनाथाश्रम) से थोडा आगे चलकर नं० ७ दरियागंज में यह चैत्यालय स्थित है। इसे ला० हुकुम चन्द गोहाना निवासी ने स्थापित किया था।

३८. अहिंसा मन्दिर दि० जैन चैत्यालय, १ दरियागंज-यह ला० राजकृष्ण जी द्वारा स्थापित किया गया है। इसमे भ० चंद्रप्रभु की श्वेत पाषाण की प्रतिमा विराजमान है।

३९. दि० जैन पंचायती मन्दिर, गली जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज--इस मंदिर का निर्माण सन १८५३ मे हुआ था। मदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ को सन १५९३ में प्रतिष्ठित विराजमान हैं।

४०. श्री महावीर दि० जैन मंदिर गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज--यह मन्दिर 'कांच का मन्दिर' के नाम से प्रसिद्ध है। इस मन्दिर का निर्माण श्रीमती जानकी बाई धर्मपत्नी लाला मक्खन लाल ने सन १९३८ में कराया था। मंदिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की सन १९२३ में प्रतिष्ठित विराजमान है।

४१. दि० जैन चैत्यालय ला० मनोहरलाल जौहरी, गली जैन मन्दिर, पहाड़ी धीरज--इस चैत्यालय का निर्माण लाला मनोहर लाल जी जौहरी ने सन १९३५ मे कराया था। चैत्यालय में मूलनायक प्रतिमा भ० शांतिनाथ स्वामी को विराजमान है।

निर्माता की मंत्रशास्त्र में विशेष रुचि होने के कारण चैत्यालय में मंत्र-ग्रंथों का सुन्दर सग्रह है।

४२. दि० जैन चैत्यालय, डिप्टीगंज, महावीर नगर, सदर बाजार--चैत्यालय को स्थापना सेठ लालचन्द जी बीडी वालों ने सन १८५० में की थी। इस में मूलनायक प्रतिमा भ० चन्द्रप्रभु स्वामी की है।

४३. श्री जैन उपाश्रय, गली नाई वाली, पहाड़ी धीरज--इस स्थानक का निर्माण सदर बाजार स्थानकवासी पंचायत द्वारा ३० वर्ष पूर्व हुआ था। यहाँ साधु साध्वियों के ठहरने की व्यवस्था है।

४४. श्री जैन स्थानक चन्द्रावल रोड (सब्जीमंडी)।

४५. श्री जैन स्थानक, केदार बिल्डिंग, सब्जी मन्डी।

उपरोक्त दोनों स्थानकों का निर्माण ला० रघुनाथ सहाय जी रोहतक वाला ने करवाया था।
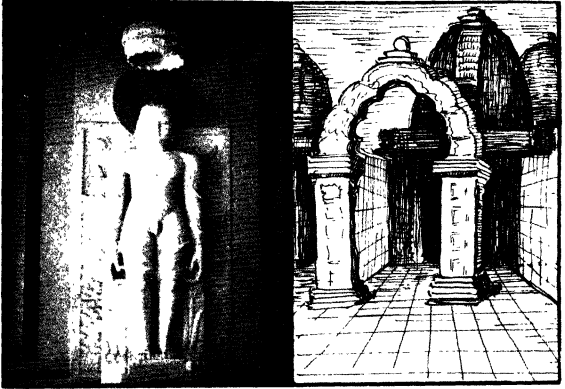
श्री दिगम्बर जैन चैत्यालय, वैदवाड़ा
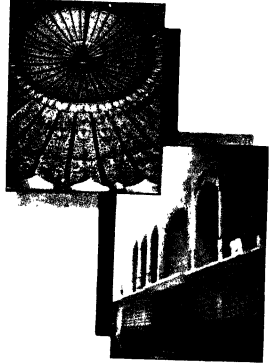
श्री दिगम्बर जैन मंदिर वैदवाड़ा

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, शहादरा

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, गांधी नगर

४६. दि० जैन मंदिर, पहाड़गंज--यह मन्दिर पहाड़गज के मोहल्ला मटोले में स्थित है।

४७. दि० जैन मंदिर, करोल बाग़--यह मदिर करोल बाग मे छप्पर वाले कुए के पास स्थित है।

इस मदिर को प्रतिष्ठा सन १६३५ में हुई थी। मदिर मे मूलनायक प्रतिमा भ० शातिनाथ जी की है।

मंदिर जी के साथ ही जैन विद्या मदिर है जहाँ पर पाँचवी कक्षा तक सहशिक्षा की व्यवस्था है।

४८. दि० जैन मंदिर, ५ सी २६, रोहतक रोड--यह मदिर लिबर्टी सिनेमा से लगभग ५० गज की दूरी पर शहर की ओर सामने गली में स्थित है। मदिर का निर्माण सन १६१२ मे रोहतक रोड पंचायत ने किया।

४६. भ० पार्श्वनाथ दि० जैन चैत्यालय, सब्जी मन्डी--यह चैत्यालय रोशनआरा रोड, सब्जी मन्डी मे वर्फखाने के पास स्थित है। यह लगभग ७० या ८० वर्ष पूर्व निर्मित है। इसमे मूलनायक प्रतिमा भ० पार्श्वनाथ की है। प्राचीन समय मे यहा भट्टारकों की गद्दी भी थी।

५०. दि० जैन मन्दिर, आर्यपुरा सब्जी मन्डी--मदिर मे मूलनायक प्रतिमा भ० आदिनाथ स्वामी की है। मन्दिर मे वाचनालय भी है। ऊपर की मजिल मे एक ओर मुनियों व त्यागियों के ठहरने की व्यवस्था है।

५१. श्वे० जैन मंदिर, २/८२, रूप नगर--इस मन्दिर की स्थापना सन १६६१ में हुई। मन्दिर जी का निर्माण पजाब से आए हुए जैनों की संस्था श्री आत्मानद जैन सभा द्वारा हुआ। मन्दिर जी का उद्घाटन समारोह वर्ष के प्रारम्भ में श्री आनन्द जी कल्याण जी की पेढी के अध्यक्ष द्वारा सम्पन्न हुआ।

मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भ० शातिनाथ स्वामी की है।

५२. दि० जैन चैत्यालय, प्रेम नगर--यह चैत्यालय रोशनआरा एक्सटेंशन एरिया मे बिरला मिल्स के निकट प्रेम नगर मे स्थित है।

५३. दि० जैन चैत्यालय, माडल टाउन--यह चैत्यालय किंग्सवे कैंप के चौराहे से लगभग ४ फर्लाङ्ग की दूरी पर बी ५/१२ माडल टाउन (माल रोड) मे स्थित है।

इस चैत्यालय की स्थापना सन १६५७ मे ला० शिवचरणदास जी द्वारा अपन मकान के ही एक भाग मे हुई। चैत्यालय मे आचार्य श्री १०८ देशभूषण जी महाराज की आज्ञा से, भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की ११ इच ऊंची अष्टधातु की प्रतिमा, बड़ा मंदिर पहाड़ी धीरज से लाकर विराजमान की गई है।

यहां शिखर युक्त मदिर बनाने की योजना भी जैन सभा माडल टाउन के अन्तर्गत चल रही है।

५४. दि० जैन मंदिर, कैलाश नगर--यह मन्दिर दिल्ली शहर से लगभग ३ मील दूर, यमुना के पार, कैलाश नगर मे स्थित है। मन्दिर के भवन का निर्माण-कार्य अब भी चल रहा है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की विराजमान है।

५५. दि० जैन मन्दिर, गांधी नगर--यह मन्दिर यमुना नदी के पार नवीन कालोनी गांधी नगर मे स्थित है। इस मन्दिर जी की स्थापना सन १९५८ में हुई। मन्दिर के भवन इत्यादि का निर्माण अब भी चल रहा है।

मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा, लाल पाषाण की, भ० वासुपूज्य स्वामी की है जो यमुना नदी मे एक ब्राह्मण महानुभाव को प्राप्त हुयी थी और जिसे प्राप्त कर इस मन्दिर जी में स्थापित किया गया है।

मन्दिर जी के ही एक भाग में एक धार्मिक पाठशाला भी है।

५६. छोटो दादा बाड़ी--यह बाड़ी उपनगर (कालोनी) मसजिद मोठ के पास स्थित है।

इस दादा बाड़ी में दादा गुरु श्री कुशल सूरी जी के चरण प्रतिष्ठित हैं। दर्शनार्थ श्री नेमिनाथ जी का मन्दिर हैं। चारों ओर बगीची है व यात्रियों के ठहरने का भी प्रबन्ध हैं।

५७. दिगम्बर जैन चैत्यालय, लोदी कालोनी--यह चैत्यालय लोदी कालोनी में स्थित हैं। यहां भगवान महावीर की धातु प्रतिमा विराजमान है।

५८. दि० जैन चैत्यालय, नेता जी नगर--यह चैत्यालय डी. टी. यू. बस डिपो के पास नेता जी नगर (वेस्ट विनय नगर) में स्थित हैं।

चैत्यालय में भगवान महावीर स्वामी की पाषाण प्रतिमा विराजमान है।

५९. दि० जैन मंदिर, भोगल जंगपुरा--यह मंदिर दिल्ली शहर से लगभग ७ मील की दूरी पर भोगल मे स्थित है।

६० दि० जैन मंदिर, चिराग दिल्ली--यह मंदिर दिल्ली शहर से ८ मील दूर चिराग दिल्ली मे स्थित है। इसका निर्माण लगभग ८-१० वर्ष पूर्व हुआ था।

६१. श्री जैन स्थानक, चिराग दिल्ली--इसका निर्माण स्थानीय पचायत द्वारा लगभग ८-१० वर्ष पूर्व हुआ था।

६२. दिगम्बर जैन चैत्यालय, यूसुफ सराय--इस चैत्यालय की स्थापना लगभग ७-८ वर्ष पूर्व हुई थी। यह चैत्यालय लाला चम्पतराय जी के निवास-गृह के एक भाग में स्थापित है। चैत्यालय मे भ० पार्श्वनाथ स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

स्थानीय समाज द्वारा शिखरयुक्त मदिर बनाने की योजना भी चल रही है।

श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, पहाड़ी धीरज

श्री दिगम्बर जैन महावीर मन्दिर, पहाड़ी धीरज
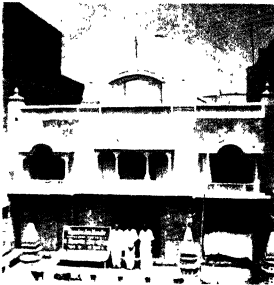
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, रोहतक रोड

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, करोल बाग
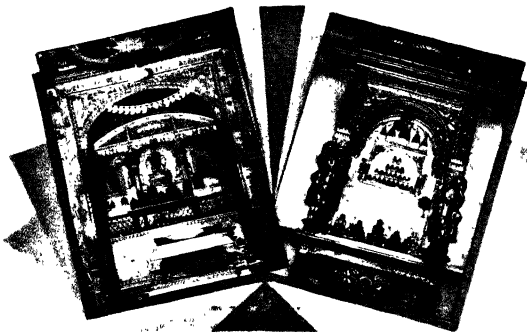
श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर नौघरा, किनारी बाजार मुगल काल में स्थापित (विशेष विवरण—पृष्ठ २७)

श्री महावीर जैन भवन
चांदनी चौक

ग्री श्वेताम्बर जन मन्दिर रूप नगर

स स जैन स न
ज प ज
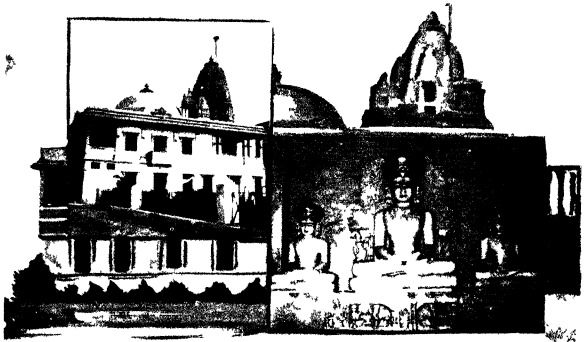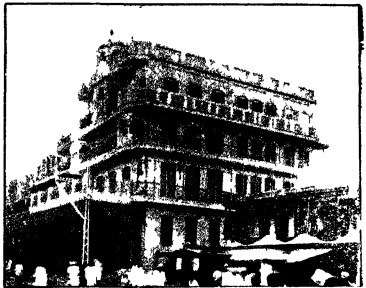
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, दिल्ली गेट
मुगल काल में स्थापित
(विशेष विवरण पृष्ठ २६-२७)

श्री दिगम्बर जैन दादा मन्दिर
कूचा सेठ दरीबा कलां
स्थापना सन १८५०
(विशेष विवरण—पृष्ठ ३०)

६३. दि० जैन मंदिर, नजफगढ़—यह दिल्ली शहर से लगभग १८ मील की दूरी पर जैन मोहल्ला, नजफगढ़ में स्थित है। इसका निर्माण लगभग १५० वर्ष पूर्व हुआ था।

मंदिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भ० महावीर स्वामी की विराजमान है। मंदिर जी के चारों ओर लगभग ५० बीघे की एक बगीची है जिसमे प्राचीन समय से किन्ही मुनिराज के चरण स्थापित हैं।

६४. दि० जैन मंदिर, पालम—यह मंदिर दिल्ली शहर से ९ मील की दूरी पर पालम मे स्थित है। इसका निर्माण लगभग १५० वर्ष पूर्व हुआ था।

६५. दि० जैन चैत्यालय, शांति नगर—यह चैत्यालय दिल्ली शहर से ५ मील की दूरी पर जखीरे (शांति नगर) मे स्थित है।

मंदिरों व स्थानकों के व्यवस्थापक

१. बड़ी दादा बाड़ी—श्री धनपतसिंह भसाली, ५३ रामनगर।

२ श्री दि० जैन पार्श्वनाथ मंदिर, जयसिंह पुरा—लाला कश्मीर चन्द्र (मेसर्स शांतिविजय एण्ड कं०, जौहरी, ५२ जनपथ)।

३. (अ) श्री दि० जैन लाल मंदिर, चांदनी चौक—(१) लाला प्रकाश चन्द्र जौहरी, दरियागंज। (२) श्री रघुवीर सिंह कोठीवाले, कूचा-सुखानन्द, दरीबा।

(ब) उदासीनाश्रम, विश्रामगृह—श्री राजेन्द्र प्रसाद, गली गुलियान।

४. श्री दि० जैन मन्दिर, दिल्ली गेट—लाला धन्नूमल जौहरी, दरीबा कलां।

५. श्री दि० जैन मन्दिर, मोरी गेट—लाला श्री चन्द, बंगला मोरी गेट।

६. श्री श्वे० जैन मन्दिर, नौघरा—लाला मिट्ठूमल राक्याण (मै० खैराती लाल एण्ड सन्स, जौहरी, ६०, जनपथ, नई दिल्ली) १४६, सुन्दर नगर।

७. श्री दि० जैन महावीर मन्दिर, वैदवाड़ा—लाला० देवेन्द्र कुमार, ३६ गोल्फलिंक्स (मे० सिद्धोमल एण्ड सन्स, चावड़ी बाजार)।

८. श्री दि० जैन पचायती मन्दिर, गली मस्जिद खजूर—(१) ला० महेन्द्र प्रसाद, चाहरहट, (२) ला० हरिश्चन्द्र, मस्जिद खजूर।

९. श्री दि० जैन, मेहर मन्दिर—(१) ला० श्रीपाल टाइप वाले, मसजिद खजूर। (२) ला० फूल चन्द कागजी, गली पहाड़ी वाली।

१०. श्री दि० जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा—(१) ला० जुगल किशोर कागजी, दुजना हाउस, चावड़ी बाजार। (२) श्री त्रिलोकचन्द, धर्मपुरा।

११. श्री दि० जैन अग्रवाल मन्दिर, जयसिंह-पुरा—ला० शीलचन्द्र बैकर, ३४ फीरोजशाह रोड।

१२. श्री जैन निशी मन्दिर—श्री चक्रेश कुमार, ३८ सी., बेयर्ड रोड।

१३ श्री श्वे० जैन मन्दिर, चेलपुरी, किनारी बाजार—ला० मिट्ठूमल राक्याण (मै० खैराती लाल एण्ड सन्स, ८०, जनपथ)।

१४. श्री दि० जैन मन्दिर, कूचा सेठ—(१) ला० पूरनमल जौहरी, गली संगतराशान, दरीबा। (२) चौ० विमल प्रसाद, कूचा सेठ।

१५ श्री दि० जैन मन्दिर, कूंचा सेठ, (छोटा मन्दिर) —ला० आदीश्वर प्रसाद बिजली वाले, चाहरहट।

१६ श्री दि० जैन पद्मावती पुरवाल मन्दिर— प० बनवारीलाल स्याद्वादी, गली भूतवाली।

१७ श्री श्वे० जैन स्थानक, पत्तलवाली गली, मालीवाडा —श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट, चादनी चौक।

१८. श्री श्वे० जैन स्थानक, १८०२, चीराखाना—श्री महावीर जैन भवन, बारादरी ट्रस्ट, चादनी चौक।

१९. श्री चितामणी पार्श्वनाथ श्वे० मन्दिर, चीराखाना—ला० रामचन्द भसाली, चौक रायजी, गली पहाड वाली।

२०. श्री महावीर भवन, चादनी चौक—श्री महावीर जैन भवन, बारादरी ट्रस्ट, चादनी चौक।

२१ दि० जैन पचायती मन्दिर, पहाडी धीरज— चौ० सुल्तान सिह, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज।

२२ श्री महावीर दि० जैन मन्दिर, पहाडी धीरज ला० जयनरायन, पहाडी धीरज।

२३. दि० जैन मन्दिर, पहाड गज—लाला श्रीचन्द्र, मटोला पहाडगज।

२४ दि० जैन मन्दिर, करोल बाग—श्री जुगमदर दास, गली नाई वाला, करोल बाग।

२५. दि० जैन मन्दिर, रोहतक रोड—श्री उग्रसेन, ५३ डी, देवनगर।

२६ श्वे० जैन मन्दिर, रूपनगर—ला० इन्द्र प्रकाश (प० ने बैंक, क० गेट) रूप नगर।

२७ दि० जैन मन्दिर, भोगल —ला० सुमेर चन्द्र, सम्मन बाजार, जगपुरा।

२७ दि० जैन मन्दिर, नजफगढ—लाला नेकीराम, नजफगढ।

धर्मशालाएं व शिक्षण संस्थाएं

विश्रामगृह व धर्मशालाएं

१. विश्रामगृह, श्री दि० जैनलाल मन्दिर, चादनीचौक—यहा मुख्यतया मुनिराज व त्यागियों के ठहरने की व्यवस्था है। यदा-कदा बाहर से आये हुए यात्री भी यहा ठहर सकते । यहा का प्रबन्ध श्री राजेन्द्र कुमार, गली गुलियान करते हैं।

२ जैन धर्मशाला, कटडा मशरू, दरीबा—इस धर्मशाला का निर्माण ला० श्रीराम जैन वकील ने सन १९०९ मे करवाया था। वर्तमान में इसका प्रबन्ध श्री जैन बाला आश्रम, दरियागज, की ओर से किया जाता है।

३ जैन धर्मशाला, कूचा बुलाकी बेगम एस्प्लेनेड रोड—यह धर्मशाला परेड के मैदान के सामने कूचा बुलाकी-बेगम म स्थित है। इस धर्मशाला का निर्माण ला० लच्छूमल कागजी ने सन १९२९ मे करवाया था। आजकल इस का प्रबन्ध ला० लच्छूमल ट्रस्ट के द्वारा होता है। धर्मशाला के प्रबधक ट्रस्टी ला० अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट हैं।

४ जैन धर्मशाला, कूचा सेठ, दरीबा—यह स्थानीय अग्रवाल दि० जैन पचायत की धर्मशाला है। सन १९३१ मे श्री १०८ आचार्य नमिसागर परमार्थ औषधालय इसमे स्थित है।

५ दिगम्बर जैन धर्मशाला, नया मन्दिर, धर्मपुरा—यह 'धर्मशाला द्रोपदी देवी' के नाम से भी प्रसिद्ध है। इस का निर्माण सन १९३७ मे श्रीमती द्रोपदी देवी ट्रस्ट द्वारा हुआ था। यह धर्मशाला दि० जैन नया मन्दिर के बिल्कुल निकट है। इसके वर्तमान प्रबंधक ला० कुंदन लाल जी मदावाले, छपरा हैं।

६. दिगम्बर जैन धर्मशाला, पचायती मन्दिर, मसजिद खजूर—यह धर्मशाला पचायती मन्दिर जी के सन्निकट है। आजकल इसके प्रबन्धक ला० सुल्तान सिह जौहरी, छत्ता तनमुख राय नई सडक है।

७ जैन धर्मशाला, चीराखाना—इस में धर्मशाला धर्म० मुन्नालाल सिंघी, मकान न० ३८३ आजकल सती व साध्वियाँ ठहरती है। यहा का प्रबन्ध श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट द्वारा होता है।

८. श्री सुन्दर लाल पारसदास दि० जैन धर्मशाला, वैदवाडा—इस धर्मशाला का निर्माण सन् १९३४ मे ला० सुन्दर लाल जी ने कराया था। धर्मशाला के व्यवस्थापक ला० हरक चन्द जी (मै० रूपचन्द हरक चन्द, कपडे वाले,) कूचा शहशाही, चादनी चौक है।

९ जैन श्वेताम्बर खतरगच्छीय धर्मशाला, वैदवाडा—यह धर्मशाला ला० नवल किशोर खैराती लाल राक्याराम जौहरी ने सन १९२५ मे बनवाई थी। यह लाल धर्मशाला के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसके व्यवस्थापक ला० मिठ्ठ-मल जी राक्याण (फर्म खैराती लाल एण्ड संस जौहरी, ८० जनपथ, है।

१० जैन धर्मशाला, गली भोजपुरा, माली वाडा—नई सडक की ओर से प्रवेश करने पर गली भोजपुरा मे सर्व श्री घमीटामल केशरीचद्र जी बोहरे की धर्मशाला है। यहा मुख्यतया साधु-साध्वियो के लिये ठहरने की व्यवस्था है, परन्तु यात्री भी ठहर सकते है। धर्मशाला की व्यवस्था बोहरा परिवार, गली हीरानद मालीवाडा, द्वारा होती है।

११. जैन धर्मशाला ला० गोकल चद नाहर, नौघरा किनारी बाजार—इस धर्मशाला का निर्माण धर्मपत्नी ला० गोकल चद नाहर ने लगभग १८-२० वर्ष पूर्व करवाया था। धर्मशाला की व्यवस्था एक ट्रस्ट द्वारा होती है जिसके मत्री ला० धर्मचन्द्र नौघरा है।

१२. आत्मवल्लभ जैन धर्मशाला, किनारी बाजार— इसका निर्माण सन १६३६ में श्री टीकम चंद जी ने करवाया था। यहां यात्रियों, साधु, व साध्वियों के ठहरने की व्यवस्था है। यहां की प्रबन्ध श्री विजय सिंह जी पहलावत नौघरा, किनारी बाजार, करते है।

१३. दि० जैन पंचायती धर्मशाला, पहाड़ी धीरज— यह अग्रवाल दि० जैन पंचायत, पहाडी धीरज, की पंचायती धर्मशाला है, जो पहाड़ी धीरज की मुख्य सडक पर ही स्थित हैं। इसी धर्मशाला में जैन संगठन सभा, पहाडी-धीरज का कार्यालय तथा उसके द्वारा संचालित पुस्तकालय व वाचनालय है। इसके वर्तमान व्यवस्थापक ला० राजेन्द्र प्रसाद (फर्म प्यारेलाल जगन्नाथ) सदर बाजार हैं।

१४. ला० मूलचंद मुसद्दीलाल जैन धर्मशाला, सदर-बाजार—

१५. जैन विश्राम गृह, १२ लेडी हार्डिंग रोड—यहा बाहर से आये निरामिष भोजी यात्रियो तथा टूरस्ट लिए सामान्य दरों पर ठहरने की तथा शाकाहारी भोजन की समुचित व्यवस्था है। यहां का प्रबन्ध श्री अ० भ० श्वेताम्बर स्थानकवासी कांफ्रेंस की ओर से होता है।

१६. जैन धर्मशाला, श्री दि० जैन अग्रवाल मन्दिर जैसिंह पुरा—यह धर्मशाला श्री अग्रवाल दि० जैन मन्दिर नई दिल्ली से सम्बन्धित हैं। यहां बाहर से आये हुए त्यागियों तथा यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है।

यहां का प्रबन्ध मन्दिर जी के व्यवस्थापक द्वारा ही होता है।

१७. अहिंसा मन्दिर, १ दरियागंज—अहिंसा मन्दिर का निर्माण ला० राजकृष्ण ने कराया है। यहा दि० जैन चैत्यालय है तथा यात्रियो के ठहरने की व्यवस्था भी है।

१८. से २१. दि० जैन धर्मशालाएं, नजफगढ—यहां पर चार जैन धर्मशालाए है। प्रथम दो धर्मशालाएं श्री दि० जैन मंदिर के दाएं व बाएं स्थित हैं। यहां मुनिराज और त्यागियो के ठहरने की व्यवस्था है। इन दोनो धर्मशालाओ की व्यवस्था श्री अतर सेन जी करते है। अन्य दो धर्मशालाएं नजफगढ़ के मुख्य बाजार में स्थित है। यहां यात्रियों आदि के ठहरने की व्यवस्था है। इन अन्य दोनों धर्मशालाओ की व्यवस्था लाला बनवारी लाल जी करते हैं।

पाठशालायें व विद्यालय

१. श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेण्ड्री स्कूल, १७८-डी, कमला नगर—स्कूल की स्थापना स्थानीय श्वे० स्थानकवासी जैन सभा द्वारा सन् १६५७ मे हुई। स्कूल में लगभग ४५० विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

स्कूल का प्रबन्ध श्री श्वे० स्थानकवासी जैन सभा, कमला नगर की ओर से निम्नलिखित व्यवस्थापिका समिति करती है—

प्रधान—श्री मुन्शी राम (बोम्बे क्लाथ हाउस) अजमल खा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

उपप्रधान, व कोषाध्यक्ष } —श्री मुकन्द लाल (मै० कक्कशाह राधूशाह) चांदनी चौक, दिल्ली।

मत्री—श्री तिलक चन्द, डिफेन्स मिनिस्ट्री।

मैनेजर—श्री अमर नाथ, डिफेन्स मिनिस्ट्री।

सं० मैनेजर—श्री चमन लाल, ३७-एफ कमला नगर दिल्ली।

स्कूल के प्रिंसीपल श्री पिंडीदास, ५-डी, कमला नगर, दिल्ली।

२ श्री महावीर जैन माटेसरी स्कूल, ३५-डी, कमला नगर—स्कूल की स्थापना स्थानीय श्वे० स्थानकवासी जैन सभा द्वारा सन १६५७ मे हुई। स्कूल मे कक्षा ५ तक शिक्षा दी जाती है। वर्तमान मे लगभग ६०० बालक, बालिकाऐ शिक्षा प्राप्त कर रहे है। स्कूल मे धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है।

स्कूल की व्यवस्था—श्री श्वे०स्था० जैन सभा, कमला नगर की ओर से श्री करतार चन्द्र, रूप नगर, दिल्ली करते है।

३. श्री जैन शिक्षा समिति, नई दिल्ली (दक्षिण), युसुफसराय—समिति की स्थापना स्थानीय गर्ल्स स्कूल, जिसकी स्थापना सन १६५४ मे हुई थी, के सचालन के लिए सन १६५७ मे हुई। वर्तमान मे भी उक्त स्कूल का सचालन इस समिति द्वारा हो रहा है।

प्रधान—श्री जगदीश राय, टी/११, ग्रीनपार्क, दिल्ली।

मत्री—श्री सुमत प्रसाद, ए-५५ (जी) लक्ष्मीबाई नगर, नई दिल्ली ।

उप-मत्री—श्री अजीत प्रसाद, गली मदिर वाली, युसुफसराय, नई दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—श्री त्रिलोक चन्द्र, सी-६०१, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली ।

४. जैन गर्ल्स प्राइमरी स्कूल, युसफसराय—स्कूल की स्थापना सन १९५४ मे हुई। स्कूल मे लगभग ४०० छात्रायें शिक्षा प्राप्त कर रही है। छात्राओ को धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है ।

स्कूल के व्यवस्थापक श्री विजय कुमार, सी-५४०, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली तथा मुख्य-ध्यापिका सुश्री प्रसन्न कुमारी, बी-१६७, नेताजी नगर है ।

५ शान्तिसागर दि० जैन कन्या पाठशाला वैदवाड़ा—इस पाठशाला का सचालन स्थानीय खडेलवाल दि० जैन पचायत की ओर से होता है। पाठशाला मे कक्षा ५ तक की शिक्षा की व्यवस्था है। छात्राओ को धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है ।

पाठशाला की व्यवस्था उक्त पचायत की ओर से लाला शिखर चन्द्र, वैदवाडा करते है ।

६ महावीर जैन हायर सेकेण्ड्री स्कूल, नई सडक—स्कूल की स्थापना सन १९३० मे लाला गोकल चन्द्र जी नाहर के सद्प्रयत्नो मे हुई ।

स्कूल मे १०० छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे है। स्कूल का अपना बैंड भी है ।

इसकी प्रबन्धक समिति निम्नलिखित है—

प्रधान (कार्यवाहक)—श्री राम नारायण (रिटा० सेशन्स जज) दरियागज, दिल्ली ।

उप-प्रधान—लाला कुन्ज लाल ओसवाल, सदर बाजार, दिल्ली ।

मत्री—लाला रामनारायण (मै० सनेही राम रामनारायण) नया बाजार, दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—सेठ आनन्द राज सुराना, चादनी चौक, दिल्ली ।

७ श्रीजैन गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल, (फोन ७४६४४) जगपुरा (भोगल)—स्कूल की स्थापना सन १९३५ मे प्राथमिक स्तर पर हुई कालान्तर से सन् १९४८ में मिडिल तथा सन् १९६० मे हायर सेकन्ड्री किया गया। स्कूल मे लगभग ४०० छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहीं हैं ।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका कु० सुशीला जैन हैं ।

प्रधान—ला० अजित प्रसाद, १० एम. एम रोड, नई दिल्ली ।

मत्री—श्री सुमेर चन्द, समन बाजार, जंगपुरा, नई दिल्ली ।

मैनेजर—ला० जिनेश्वर दास, भोगलरोड, जगपुरा' नई दिल्ली ।

कोषाध्यक्ष—लाला राजेन्द्र कुमार, गुरुद्वारा के पास, जगपुरा, नई दिल्ली ।

८ जैन हायर सेकेंड्री स्कूल (फोन-२६१८३), दरियागज—भारतवर्षीय अनाथरक्षक सोसायटी, दिल्ली द्वारा सचालित होता है। यह स्कूल जो कि सन १९१२ मे मुख्य तौर पर जैन अनाथाश्रम के बालको को लौकिक शिक्षा देने के विचार मे प्राथमिक विद्यालय के रूप मे प्रारम्भ हुआ और सन १९१६ में मिडिल तक किया गया, आज सन १९४८ मे स्थानीय हायर सेकेंड्री स्कूलो मे अग्रणीय स्थान रखता है। स्कूल के आर्टस, कामर्स व साइस सभी विभागो मे लगभग १,२०० छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे है। स्कूल का वार्षिक परीक्षाफल सदैव ९० प्रतिशत से अधिक ही रहा है। स्कूल के व्यवस्थापक ला० जैनीलाल जी (डी० ए० जी० आफिस वाले) है। स्कूल का अपना बैंड भी है। प्रधानाध्यापक श्री जुगमदर दास जैन एम० ए० एल० टी है ।

९. जैन विद्या मंदिर, छप्पर वाला कुआ, करोलबाग—इसका उद्घाटन सन १९५४ मे लाला भागमल जी ठेकेदार द्वारा किया गया। जैन विद्या मदिर श्री दि० जैन मदिर करोल बाग मे ही स्थित है। इसकी ओर मे एक सह-शिक्षा प्राइमरी स्कूल चल रहा है ।

१० श्री जैन शिल्प कन्या विद्यालय, बिल्डिग मोहन लाल बजाज, ३८४३, डिप्टीगंज—श्रीमती रिछपाल सिह राणा द्वारा सचालित इस विद्यालय मे जैन अजैन निर्धन स्त्रियो को निशुल्क शिल्प-कार्य सिखाया जाता है ।

११. श्री धर्मप्रकाशिनी जैन पाठशाला, जैन मंदिर, गाधी नगर—दि० जैन मंदिर, गाधी नगर के भवन मे ही पाठशाला स्थित है। यहा स्थानीय बालक व बालिकाओ को नि शुल्क धार्मिक शिक्षा की व्यवस्था है।

१२ १०८ अ० शातिसागर जैन कन्या विद्यालय, सब्जी मडी—विद्यालय की स्थापना सन १९३२ मे केवल धार्मिक पाठशाला के रूप मे हुई। कालातर में सन १९४८ मे प्राइमरी स्टैंडर्ड तक किया गया। इस समय विद्यालय मे लगभग २२० छात्राए शिक्षा प्राप्त कर रही है। विद्यालय दिल्ली शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्य है। यहा पर धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। विद्यालय का मासिक व्यय लगभग १२००) रु० का है। जिसकी पूर्ति समाज सहायता व कार्पोरेशन द्वारा दी गई ग्रांट से होती है।

प्रधान—श्री जम्बू प्रसाद, ४१४० गली जैन मदिर, सब्जी मडी।

उप-प्रधान—बा० पूरनमल, ४१३२, आर्यपुरा, सब्जी मडी।

मंत्री—श्री महावीर प्रसाद, ३७ जैनाबिल्डिग, रोशआरा रोड।

स० मत्री—श्री शांति प्रसाद।

मैनेजर—श्री कश्मीर लाल, ४० एफ, कमला नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री आत्माराम, ४३३८ आर्यपुरा।

१३-१६. श्री जैन शिक्षा बोर्ड, कूचा सेठ—बोर्ड की स्थापना सन १०४६ मे हुई।

वतमान मे इस बोर्ड द्वारा निम्नलिखित सस्थाओ का सचालन हो रहा है।

(क) जैन सस्कृत कामर्शियल हायर सेकड्री स्कूल, कूंचा सेठ।

(ख) जैन गर्ल्स हायर सेकड्री स्कूल, धर्मपुरा।

(ग) जैन प्राइमरी स्कूल, धर्मपुरा।

(घ) जैन बाल सदन, धर्मपुरा।

प्रधान—डा० महावीर प्रसाद (दिल्ली यूनिवर्सिटी)।

उप-प्रधान—

श्री चुन्नीलाल एडवोकेट, दरीबा कलां।
श्री बाबूमल जौहरी।
श्री दरबारी मल साड़ी वाले।
श्री सुमेरचन्द, कोठी वाले।
श्री मुंशीलाल कागजी, मुंशी भवन, आसफअली रोड।

जनरल सेक्रेट्री—कैलाश चन्द्र (जैना वाच क०), ७/३२ दरियागज।

सेक्रेट्री—श्री श्रीमन्दर नाथ।

कोषाध्यक्ष—श्री अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट, दिल्ली।

१७ श्री जैन सस्कृत कामर्शियल हायर सेकेंडरी स्कूल, (फोन-१७३७३) कूचा सेठ—प्राइमरी की स्थापना सन १९२३ मे व सन १९५७ मे सेकड्री की स्थापना हुई इसमे छात्रो की सख्या लगभग ५०० है। विद्यालय अपने निजी भवन मे स्थित है। स्कूल का एक बैड भी है।

विद्यालय के प्रिंसीपल श्री बसतलाल, एम० ए० एल० टी० और मैनेजर श्री रघुवीरसिंह जी कोठी वाले है।

१८ जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, धर्मपुरा (फोन-२८८४४)—इस विद्यालय की स्थापना सन १९०८ मे कन्या पाठशाला के रूप मे हुई, तथा सन १९५३ मे मिडिल और स० १९५६ मे हायर सेकेंड्री किया गया। इसमे लगभग ७०० छात्राए शिक्षा प्राप्त कर रही है। विद्यालय मे गृह-विज्ञान के विषय का भी उचित प्रबन्ध है।

विद्यालय के मैंजर श्री पदमचन्द है।

१९ जैन प्राइमरी स्कूल, धर्मपुरा—इस स्कूल मे लगभग ५०० विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

विद्यालय के मैनेजर श्री छेदीदास है।

१ जैन बाल सदन, धर्मपुरा—इस सदन की स्थापना सन १९५३ मे हुई। इसमे ३ से ५ वर्ष तक के नन्हे-मुन्ने बच्चो की, जबकि वे किसी विद्यालय मे प्रवेश नही पा सकते, सुप्तवृत्तियो को मनोवैज्ञानिक ढग से विकसित करने का प्रयास किया जाता है। सदन मे लगभग १०० बालक व बालिकाए है।

२१ श्री समन्तभद्र संस्कृत विद्यालय, (फोन २६१८३) दरियागंज—विद्यालय, जिसकी स्थापना सन १९५० में हुई, अ० भा० अनाथरक्षक सोसायटी, दिल्ली द्वारा संचालित संस्थाओं में से मुख्य है। विद्यालय द्वारा छात्रों को पंजाब विश्वविद्यालय की प्राज्ञ, विशारद व शास्त्री परीक्षाएं दिलवाई जाती है। धर्मशिक्षा के लिए विद्यालय का अपना एक कोर्स है, जिसे पूर्ण करने के बाद सार्वजनिक रूप में विद्यार्थी को 'सिद्धान्त-रत्न' की उपाधि प्रदान की जाती है।

यह विद्यालय स्व० लाला मुंशीलाल जी कपडे वाले द्वारा बनवाये गये भवन मे स्थित है। इस समय यहा लगभग १५० विद्यार्थी अध्ययन प्राप्त कर रहे है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक पं० लाल बहादुर शास्त्री एम० ए० है।

२२ जैन हैपी स्कूल, जैन निसी मंदिर, लेडी हार्डिंग रोड-स्कूल की स्थापना सन १९५२ में हुई। पब्लिक स्कूलों की प्रणाली पर छोटे बालको की शिक्षा-दीक्षा के लिए यह स्कूल, जैन सभा नई दिल्ली द्वारा, लाला शामलाल ठेकेदार आदि महानुभावों के सद्प्रयन्तो से, सर्वप्रथम सन १९५२ में केवल ३ बालको से प्रारम्भ हुआ। आज कल स्कूल में लगभग ३०० बालक नर्सरी व प्राइमरी सेक्शनो मे शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

स्कूल की व्यवस्था जैन सभा, नई दिल्ली द्वारा निर्वाचित जैन एजूकेशन बोर्ड के द्वारा होती है। बोर्ड के पदाधिकारी निम्नलिखित है

चेयरमैन—लाला शामलाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड।

वाइस चेयरमैन—श्री रामेश्वर दयाल, ७ मार्केट रोड।

मैनेजर—श्री अजित प्रसाद, १—एम एम. रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री नेमचन्द्र, २४ फौच स्क्वेअर।

२३. श्री एम० एम० जैन कन्या पाठशाला, चादनी चौक—इसकी स्थापना सन १९३० मे महासती मोहनदेवी की प्रेरणा से हुई। इस पाठशाला मे प्राथमिक शिक्षा के साथ साथ मुख्यरूप से धार्मिक शिक्षा की भी व्यवस्था है।

पाठशाला की व्यवस्थापिका—कार्यकारिणी मे निम्नलिखित पदाधिकारी है :

प्रधान—श्री भीखालाल गिरधारी लाल सेठ, इयोरेशिया ट्रेडिंग क०, चावडी बाजार।

उप-प्रधान—श्री निहाल चन्द सुराना, घटाघर, सब्जी मंडी।

मंत्री—श्री सत्यपाल सुराना, वैदवाडा।

उपमंत्री—श्री पूरनचन्द नाहर, नौघरा किनारी बाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री लाभचन्द सूजती, सत्ताइसघरा, किनारी बाजार।

२४. श्री दि० जैन महिलाश्रम, १ दरियागज—आश्रम की स्थापना सन १९०५ मे हुई। यह सस्था असहाय बालिकाओ, विधवाओं व परित्यक्ता स्त्रियो को स्वावलम्बी बनाने व उनके जीवन-निर्वाह के साधन जुटाने मे प्रयत्नशील है।

आश्रम मे इस समय ४० छात्राए है। जिनके भोजन, शिक्षण आदि की सभी व्यवस्था की जाती है।

अध्यक्षा—श्रीमती सुशीला सुल्तानसिंह, कश्मीरी गेट।

मंत्राणी—श्रीमती मखमली देवी, १६, दरियागंज।

कोषाध्यक्षा—श्रीमती काता जैमीराम, १६, दरियागज।

सचालिका—ब्र० गुणमाला जी, १ दरियागज।

२५ जैन शिक्षा प्रचारक सोसायटी, हीरालाल जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, सदर बाजार—सोसायटी की स्थापना सन १९०० में हुई।

इस सोसायटी के अन्तर्गत निम्नलिखित सस्थाए है।

(१) श्री हीरालाल जैन हायर सेकेण्ड्री स्कूल, सदर बाजार।

(२) श्री हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल, गली मदिर वाली, पहाड़ी धीरज।

(३) श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन गर्ल्स हायर सेकण्ड्री स्कूल, सदर बाजार।

प्रधान—डा० सी० आर० जैना ११/१९३४ फाउटेन।

उप-प्रधान—राजवैद्य महावीर प्रसाद, ४६०२ पहाडी धीरज।

मंत्री—लाला मदन लाल (गुप्ता पर्फ्यूमर्स), कोर्ट रोड।

कोषाध्यक्ष—लाला नन्हें मल, २५ डिप्टीगंज।

२६. श्री हीरा लाल जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, बारा टूटी, सदर बाजार (फोन-२६४७१)—यह स्कूल दिल्ली का सर्व प्रथम जैन विद्यालय है। यहां आर्टस, साइन्स व कामर्स तीनों विभागों की शिक्षा का प्रबन्ध है।

स्कूल में इस समय लगभग १,००० छात्र अध्ययन कर रहे हैं। स्कूल का अपना बैंड भी है। स्कूल में धर्म-शिक्षा की भी व्यवस्था है।

स्कूल के व्यवस्थापक लाला सुल्तान सिह, (रिटा० एकाउंटस आफीसर) ३७ मोडल बस्ती व प्रिंसीपल श्री मोहन लाल, पहाडी धीरज हैं।

२७. श्री हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज—इस स्कूल मे लगभग ६०० बालक शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

२८. श्रीमती लक्ष्मी देवी गर्ल्स हायर सेकेण्ड्री स्कूल, गली मदिर वाली, पहाड़ी धीरज (फोन-२७६६६)—स्कूल मे छात्राओं की संख्या लगभग १०० है।

स्कूल के व्यवस्थापक लाला प्रकाश चन्द, (राजा टायज) २५, पूसा रोड, व प्रिंसीपल कुमारी कनकमाला, पहाड़ी धीरज है।

२६. श्री जैन श्रमणोपासक हायर सेकण्ड्री स्कूल, रुई की मडी, बारा टूटी, सदर बाजार (फोन-२७६३६)—स्कूल की स्थापना सन १६१६ में प्राइमरी स्टैंडर्ड तक हुई। कालान्तर मे सन १६३७ मे मिडिल, सन १६५० मे हाई स्कूल व सन १६५६ मे हायर सेकेण्ड्री तक किया किया। स्कूल मे कुल छात्र संख्या लगभग ७४५ है।

प्रधान—श्री भीकूराम, गली मंदिर वाली, पहाडी धीरज।

उप-प्रधान—लाला गिरधारी लाल, गली राजा पाती मल।

मैनेजर—लाला निहाल चन्द्र, ६-डिप्टीगंज।

मत्री—श्री दया चन्द्र, गली नई बस्ती, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—श्री अमर नाथ, गली मामन जमादार, पहाडी धीरज।

पुस्तकालय व औषधालय

पुस्तकालय व वाचनालय

१ श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय (फोन-२५१२१, चादनी चौक)—इस पुस्तकालय की स्थापना सन १९२४ मे व्याख्यान-वाचस्पति श्री मदनलाल जी महाराज की प्रेरणा व लाला गोकुल चन्द नाहर के सद्प्रयत्नो द्वारा हुई। यह पुस्तकालय स्थानीय पुस्कालयो मे प्रमुख स्थान रखता है। इसमे लगभग ४०० अनुपलब्ध हस्तलिखित ग्रथ है। इनके अतिरिक्त ६,१०० हिन्दी, सस्कृत व प्राकृत भाषा की, ६,५०० अग्रेजी की, १५०० उर्दू भाषा की तथा ४०० अन्य भाषाओ की पुस्तके है।

पुस्तकालय मे लेजिस्लेटिव असेम्बली डिबेट्स, कास्टीट्यूशन एसेम्बली डिबेट्स, पालियामेट डिबेट्स, गजट आफ इण्डिया तथा हिन्दी, अग्रेजी, प्राकृत व अन्य भाषाओ के कोष भी उपलब्ध है।

प्रधान—श्री निहाल चन्द्र २८१६ चेलपुरी, किनारी बाजार।

उपप्रधान—श्री मोहन लाल कठौतिया, चन्द्रावल रोड, सब्जीमडी।

मंत्री—श्री दुर्गाप्रसाद लोढा, चीराखाना।

सहायक मत्री—श्री ताराचन्द, कटरा शहशाही, चादनी चौक।

कोषाध्यक्ष—श्री कस्तूर चन्द्र, जवाहर नगर।

२. जैन सार्वजनिक पुस्तकालय (पहाडी धीरज)—इस पुस्तकालय की स्थापना जैन सगठन सभा, पहाडी धीरज द्वारा सन १९२४ में हुई। यह पुस्तकालय श्री अग्रवाल दि० जैन पंचायती धर्मशाला, पहाड़ी धीरज में स्थित है। इसमें लगभग ६०० पुस्तकें हैं। यह पुस्तकालय दिल्ली नगर निगम से सहायता प्राप्त (Grant-in-aid) है। पुस्तकालय के अध्यक्ष लाला नन्हेमल, डिप्टीगंज हैं। वर्तमान मे पुस्तकालय का कार्य लाला नेमचन्द (महावीर हेट मेनु० कं०, सदर बाजार) देखते हैं।

३ श्री वर्धमान पब्लिक लायब्रेरी (दि० जैन नया मदिर के सामने, धर्मपुरा)—पुस्तकालय की स्थापना सन १९२८ मे जैन मित्र मडल द्वारा हुई। इसमे लगभग ९,००० पुस्तकें हैं। वाचनालय मे ४५ दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र व पत्रिकाए आती हैं।

सभापति—लाला अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उप-सभापति—लाला जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावडी बाजार।

मत्री—(१) लाला महेन्द्र प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
(२) श्री बिशनचन्द ड्राफट्समैन, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष—श्री त्रिलोकचन्द, १२१६ चाहरहट।

४. श्री जैन पब्लिक लायब्रेरी (उपाश्रय भवन, डिप्टीगज)—पुस्तकालय की स्थापना सन १९३४ मे हुई। इसमे लगभग ३,००० पुस्तकें है। वाचनालय में लगभग ४० दैनिक, साप्ताहिक व मासिक पत्र-पत्रिकाए आती है।

प्रधान—श्री कुंजलाल ओसवाल, सदर बाजार।

महामत्री—श्री रूपचन्द (वीविंग डिपार्टमेट, दिल्ली क्लाथ मिल्स)।

मंत्री—श्री जोगीराम, गली जाटान, पहाड़ी धीरज।

कोषाध्यक्ष-श्री मित्रसेन, क्लाथ मर्चेंट, पहाड़ी धीरज।

५ जैन साहित्य सदन (चादनी चौक)—सदन की स्थापना श्री प्रेमचन्द्र जी (जैना वाच कं०) आदि के सद्प्रयत्नों से सन १९५६ में हुई। सदन के पुस्तकालय मे लगभग ३,००० मुद्रित ग्रथों और १२५ हस्तलिखित पाण्डुलिपियों का संग्रह है।

सदन के वाचनालय में साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक जैन व अजैन पत्र-पत्रिकाएं आती है। सदन की ओर से ३ पुस्तकों का प्रकाशन भी हुआ है। सदन का विक्री विभाग जैन व जैनेतर जनता को जैन साहित्य उपलब्ध कराने का सुगम साधन है।

सदन के व्यवस्थापक श्री प्रेमचन्द्र जी, (जैना वाच क०) ७/३२, दरियागज है।

.६ जैन वाचनालय (४१०६, गली श्री दिगम्बर जैन मंदिर, सब्जीमडी) -वाचनालय की ,स्थापना सन १९५२ मे हुई। इसमे लगभग १,००० धार्मिक तथा अन्य पुस्तके है। वाचनालय मे ४ दैनिक ५ पाक्षिक व मासिक पत्र आते है। पुस्तकालय से लगभग ६० स्त्री-पुरुप प्रतिदिन लाभ लेते है।

प्रधान—सेठ करोड़ी मल, ४२१०, आर्यपुरा, सब्जी मडी।

उप-प्रधान—श्री पूरण मल, उप-प्रधान, ४१३२ आर्यपुरा।

मंत्री —श्री कश्मीरी लाल, ४०-एफ, कमला नगर।

उपमंत्री—श्री आदीश्वर नाथ, ४१६५ आर्यपुरा।

कोषाध्यक्ष—श्री आत्माराम, ४३३८ आर्यपुरा।

७. श्री सुधर्मा जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय (२०४६, किनारी बाजार)—इस पुस्तकालय की स्थापना सन १९५९ मे साध्वी श्री मृगावती जी की प्रेरणा मे हुई।

पुस्तकालय मे सस्कृत, हिन्दी, उर्दू, गुजराती आदि भाषाओ की लगभग १०,००० पुस्तके है। इनमे हस्त-लिखित प्राचीन शास्त्र भी है। वाचनालय मे स्त्री व पुरुषोपयोगी प्रमुख पत्र, पत्रिकाए आते है। इस पुस्तकालय की व्यवस्था श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन मैनेजिग कमेटी द्वारा होती है।

८ श्री पार्श्वनाथ सार्वजनिक पुस्तकालय (सब्जी मडी) – पुस्तकालय मे लगभग ५०० पुस्तके है। वाचनालय मे २० दैनिक, साप्ताहिक व मासिक पत्र पत्रिकाए आती है।

प्रधान —श्री जसवत सिंह, २५-डी, कमला नगर।

मत्री—श्री जयतीलाल मेहता, १०, रोशनआरा रोड।

९. श्री जैन धर्म प्रचार सामग्री भंडार (उपाश्रय भवन, डिप्टीगज)—इस भडार द्वारा धार्मिक उपकरणो के प्रबन्ध तथा पुस्तकों के प्रकाशन व विक्रय का कार्य होता है।

औषधालय व चिकित्सालय

१. श्री आचार्य नमिसागर जी जैन धर्मार्थ औषधालय (कूंचा सेठ)—औषधालय की स्थापना सन १९३२ मे हुई। इससे वर्ष मे लगभग ३०,००० रोगी बिना किसी जाति, वर्ग अथवा सम्प्रदाय भेदभाव के निशुल्क लाभ उठाते है। औषधालय का कार्य प्रधान—चिकित्सक प० कन्हैया लाल वैद्य आयुर्वेदाचार्य और सहायक—चिकित्सक श्री वाचस्पति शास्त्री आयुर्वेदाचार्य की देखरेख मे होता है।

औषधालय का वार्षिक व्यय लगभग ६,००० रुपये का है, जिसमे ५००) रु० की ग्राट दिल्ली म्यूनिसीपल कार्पोरेशन मे प्राप्त होती है और शेष बिक्री विभाग की आय व समाज-सहायता से पूरी होती है।

प्रधान—श्री बसतलाल घटेवाले, चादनी चोक।

उप-प्रधान—श्री रामनाथ कागजी, चावडी बाजार।

मत्री—डा० एस० सी० किशोर, एस्प्लेनेड रोड।

उप-मत्री —श्री मगतराम।

कोषाध्यक्ष—श्री राजेन्द्रप्रसाद, गली गुलियान।

२. श्री सुन्दरलाल दिगम्बर जैन धर्मार्थ औषधालय (वैदवाडा) – औषधालय की स्थापना लगभग २५-३० वर्ष पूर्व श्री सुन्दरलाल जैन चेरीटेबल ट्रस्ट के अन्तर्गत हुई। औषधालय मे नि शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की जाती है।

औषधालय की व्यवस्था निम्नलिखित महानुभावो की समिति द्वारा होती है:

(१) लाला कपूर चन्द जौहरी (फर्म-शान्ति विजय एण्ड क०, जनपथ) १३१६ वैदवाडा।

(२) लाला कश्मीर चन्द, १३१६ वैदवाडा।

(३) श्री देवेन्द्र कुमार (फर्म—सिद्धोमल एण्ड सन्स, कागजी, चावडी बाजार।

(४) श्री रूपचन्द, १२७३ वेदवाडा, ।

(५) श्री हरखचन्द, कपडे वाले, कूचा शहशाही ।

३. श्री १०८ आचार्य शांतिसागर दि० जैन धर्मार्थ औषधालय (४१५० गली जैन मदिर, सब्जी मडी)—औषधालय की स्थापना सन १९४२ मे हुई । औषधालय मे नि.शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रबन्ध है । प्रति माह लगभग, १,१०० रोगी यहा से लाभ उठाते ह ।

प्रधान—श्री लट्टोमल, आर्यपुरा, सब्जीमडी ।

उप-प्रधान—चौ० जम्बू प्रसाद, ४१४० गली जैन मदिर, आर्यपुरा, सब्जीमडी ।

मत्री—श्री पूरनमल, ३१३२, सब्जीमंडी ।

कोषाध्यक्ष—श्री गोकल चन्द, ३३८१, आर्यपुरा, सब्जीमडी, ।

४. पूज्य काशीराम जैन धर्मार्थ औषधालय—यह औषधालय महावीर जैन सघ द्वारा दिल्ली व नई दिल्ली मे निम्नलिखित तीन विभिन्न स्थानो पर संचालित हो रहा है :

१. डिप्टीगज, सदर बाजार, ।

२. मोहनगज, सब्जीमडी, ।

३. ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग ।

उपर्युक्त इन तीनों स्थानो पर निशुल्क होम्योपेथिक चिकित्सा की जाती हे ।

औषधालय के व्यवस्थापक श्री तिलक चन्द, तिराक शूट हाउस, सदर बाजार है ।

५. श्री अग्रवाल जैन धर्मार्थ औषधालय (छत्ता शाह जी, चावडी बाजार)—औषधालय की स्थापना सन १९४० मे लाल शम्भूनाथ जी कागजी द्वारा हुई । यहा होम्योपेथिक चिकित्सा की नि शुल्क व्यवस्था है । प्रतिदिन लगभग १०० रोगी यहा से लाभ उठाते हैं ।

औषधालय की व्यवस्था लाला शम्भूनाथ जी स्वय ही करते है ।

६ सेठ सुन्दरलाल जैन नेत्र चिकित्सालय (डिप्टी गज)—चिकित्सालय की स्थापना सेठ छुन्नामल चेरीटेबल ट्रस्ट के अन्तर्गत सन १९५८ मे हुई । यहा नेत्रो के अतिरिक्त नाक, कान व गले के रोगो के निदान का भी प्रबन्ध है । चिकित्सालय की ओर से समय समय पर विभिन्न स्थानों मे नेत्र-शिविर का भी आयोजन किया गया है, जिसमे मोतियाबिंदु तथा अन्य रोगों की चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध की गई ।

चिकित्सा की व्यवस्था उपर्युक्त ट्रस्ट द्वारा होती है ।

७. श्री लालचन्द जैन धर्मार्थ औषधालय (डिप्टीगज, सदर बाजार)—औषधालय मे नि शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा है । राजवैद्य श्री मामनसिह जी 'प्रेमी' प्रधान चिकित्सक हैं ।

८. मुंशीलाल आयुर्वेदिक औषधालय (मुशी निकेतन, आसफअली रोड)—औषधालय की स्थापना सन १९५६ मे ला० मुशीराम जी कागजी ने की । औषधालय उनके निजी भवन मे ही स्थित है । यहा नि शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा प्रदान की जाती है ।

इसकी व्यवस्था ला० मु शीलाल जी स्वय ही करते है ।

९ जैन औषधालय (छत्ता शाहजी, चावडी बाजार)—ला० अमरसिह धूमीमल कागजी द्वारा सन १९३९ मे स्थापित हुआ ।

१०. ला० रघुबीर सिंह जैन धर्मार्थ औषधालय (जैना बिल्डिग, जी०टी० रोड, शहादरा)—औषधालय की स्थापना ला० रघुवीर सिंह जी (जैना वाच क०) द्वारा सन १९४४ मे हुई । औषधालय मे नि शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा का प्रबन्ध हे । सभी औषधिया यहा उनकी अपनी रसायनशाला मे ही बनती है । निर्धन रोगियो के यहा औषधालय-चिकित्सक नि शुल्क देखने भी जाते हैं । औषधालय से लगभग ४०० रोगी प्रतिदिन लाभ उठाते है ।

यहा की व्यवस्था वर्तमान मे ला० रघुवीर सिह जी जैन धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा होती है ।

११. जिनेन्द्र होम्योपेथिक डिस्पेंन्सरी (५५०९ बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड)—डिस्पेंसरी की स्थापना ला० खजाचीमल (नेहरू होजरी मिल्स) द्वारा सन १९६५ म हुई और उनके अपने स्थान मे ही स्थित हे । यहा होम्योपेथिक चिकित्सा की व्यवस्था है । लगभग १०० रोगी प्रतिदिन लाभ उठाते है ।

यहा का प्रबन्ध ला० खजाचीमल जी की देख रेख मे होता है ।

धार्मिक व पारमार्थिक संस्थाएं

१. श्री भारतवर्षीय अनाथरक्षक जैन सोसायटी (फोन-२६१८३, दरियागज)—सोसायटी की स्थापना सन १६०३ मे जयपुर मे हुई और इसके द्वारा जैन अनाथाश्रम की नीव सन १६०४ मे हिसार (पजाब) मे डाली गई। सन १६११ मे इस सोसायटी व आश्रम को दिल्ली लाया गया।

सोसायटी द्वारा किये जाने वाले कार्यों मे अनाथाश्रम, जैन हायर सेकण्ड्री स्कूल, समतभद्र सस्कृत विद्यालय, संगीत शाला, शिल्प-शिक्षा, जिन-चैत्यालय व सरस्वती भवन, धर्मशाला, त्यागी भवन तथा अतिथि-भवन की व्यवस्था और विधवाओ तथा असमर्थो को मासिक आर्थिक सहायता दिया जाना, आदि उल्लेखनीय है।

सोसायटी के पास लगभग १० लाख रुपये की अचल सम्पत्ति है। सोसायटी के अन्तर्गत कार्यों मे वार्षिक व्यय लगभग २,३५००० रुपए का है जिसकी पूर्ति राज्य की ओर से प्राप्त वार्षिक अनुदान तथा समाज-सहायता द्वारा होती है।

प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिग रोड।

उप-प्रधान—(१) श्री एस. पी. लाल, किचनर रोड।

ज० सेक्रेटरी (१) अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

(२) श्री सुखबीर प्रसाद, एडवोकेट, दरियागंज।

(३) लाला रतनलाल, बिजली वाले।

(४) लाला कश्मीरी लाल, दरियागज।

(५) लाला प्रताप सिंह, मोटर वाले, ७-ए, राजपुर रोड।

जनरल मैनेजर—लाला मुन्शी लाल कागजी, मुन्शी निकेतन, आसफअली रोड।

कार्यालय मंत्री—लाला बिमल प्रसाद, धर्मपुरा।

प्रचार मंत्री—लाला महेन्द्रसेन, दरियागंज।

कोषाध्यक्ष—श्री पदम किशोर, वकील।

२. जैन बालाश्रम (दरियागंज, अनाथाश्रम फोन-२६१८३)—आश्रम की स्थापना भारतवर्षीय अनाथरक्षक जैन सोसायटी, द्वारा सन १६०४ मे हिसार (पंजाब) मे हुई। सन १६११ मे आश्रम दिल्ली लाया गया। आश्रम दरियागज में अपने निजी भवन मे स्थित है।

आश्रम मे लगभग ७५ बालक सरक्षण प्राप्त कर रहे है। आश्रम की ओर से बच्चो के भरण-पोषण तथा आवास के अतिरिक्त समुचित शिक्षा आदि की भी व्यवस्था होती है, जिससे कि वे भविष्य मे सुयोग्य नागरिक बन सकें।

आश्रम के व्यवस्थापक लाला फकीर चन्द जी कपड़े वाले (कटरा मारवाडी, नई सडक) है।

३ श्री गंगादेवी जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (२०७६, गली दरोगा कन्हैयालाल, माली वाडा)—ट्रस्ट द्वारा असहाय विधवाओ तथा बालको आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

ट्रस्ट के मंत्री लाला कपूर चन्द बोथरा, गली दरोगा कन्हैया लाल, माली वाडा, दिल्ली है।

४. श्री दि० जैन मुल्तान गुप्त सहायक फंड (२१ बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना)—फंड द्वारा गुप्त रूप से निर्धन व अनाथ विधवाओ व दु खियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

सर्व श्री पारस दास, अमर नाथ, गुमानी राम, प्रेम चन्द और तोला राम फंड के व्यवस्थापक है।

५. असमर्थ बहन भाई सहायक फंड—फड की स्थापना श्री दि० जैन सत्सग सोसायटी द्वारा सन १६४८ मे हुई। फड की आय दान द्वारा है।

प्रधान—लाला रतन लाल, बिजली वाले, दरियागज।

मंत्री—श्री श्रीपाल, टाइप वाले।

कोषाध्यक्ष—लाला अजीत प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

६ जैन स्कालर शप फंड (प्रधान कार्यालय-४०, ठठेरवाडा, मेरठ सिटी, सचिवालय-३३-एक्स, चित्रगुप्तरोड, दिल्ली)—फड की स्थापना सन १६४४ मे हुई। फड द्वारा छात्रो को अध्ययन के लिए स्कालरशिप के रूप मे आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अब तक फड से लगभग ३०० छात्रो ने लाभ उठाया है।

फड के पास ध्रौव्य-राशि लगभग १५,०००) रुपए की है।

प्रधान—श्री एस. पी जैन।

मत्री—श्री सुरेन्द्र बीरसिह, ३३-एक्स, चित्रगुप्त रोड।

उप-मत्री—(१) श्री आनन्द प्रकाश, एडमिनिस्ट्रेटिव आफीसर, सेंट्रल रिसर्च इस्टीट्यूट, नागपुर।

(२) श्री बी. पी जैन, इन्जीनियर, पी. डब्ल्यू डी, लखनऊ।

(३) श्री कस्तूर चन्द, एकाउटस आफीसर, पान दरीबा, लखनऊ।

(४) श्री डी के जैन, इन्कमटैक्स आफिस, मुजफ्फर नगर।

(५) श्री जय कुमार, ४१४ बादशाही मडी, इलाहबाद।

कोषाध्यक्ष—श्री मगन सिह, मेरठ।

७. श्री बिरधी चन्द जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (४०६३, नया बाजार)—ट्रस्ट के अन्तर्गत एक पुस्तकालय व औषधालय खोलने की योजना है। श्री सुमेर चन्द्र (बिरधी चन्द जैन एण्ड सन्स) आदि अन्य ४ महानुभाव ट्रस्टी है।

८ ठाकुर दास बनारसी दास चैरीटेबल ट्रस्ट (१२२३ चाहरहट—ट्रस्ट की स्थापना लगभग २२ वर्ष पूर्व स्व० लाला महाबीर प्रसाद ठेकेदार व स्व० लाला रतन लाल मादीपुरिया ने की। इसके द्वारा एक होम्योपेथिक चैरीटेबल डिस्पेंसरी, १२२३, चाहरहट का सचालन हो रहा है।

प्रधान—श्री शाम लाल, (महावीर प्रसाद एण्ड सस) ४, टोडरमल रोड।

मत्री—श्री चुन्नीलाल एडवोकेट, दरीबा।

६ श्री महावीर प्रसाद जैन चैरीटेबल ट्रस्ट (१२२३, चाहरहट)—स्व० लाला महावीर प्रसाद, ठेकेदार ने असहाय भाई बहिनो की आर्थिक सहायता व छात्रो के अध्ययन के लिए स्कालरशिप देने के लिए इस ट्रस्ट की स्थापना सन १६५४ मे की।

ट्रस्ट के पास ध्रौव्य राशि ५०,००० रुपए की है।

प्रधान—लाला शाम लाल, ४-टोडरमल रोड।

मत्री—लाला अजीत प्रसाद, १२२३ चाहरहट।

१०, श्री कुन्ज लाल ओसवाल जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (५८०६, सदर बाजार)—ट्रस्ट द्वारा ५३५ वर्ग गज क्षेत्रफल की एक इमारत सदर थाना रोड पर क्रय की की गई है। इस स्थान पर कान्फ्रेंस हाल व धर्मशाला बनवाने की योजन है।

ट्रस्ट की ध्रौव्य राशि १,००,०००) रुपए की है।

११ लाला रघुबीर सिह जैन धर्मार्थ ट्रस्ट (७/३२ दरियागज)—ट्रस्ट की स्थापना लाला रघुवीर सिह जी (जैना वाच क०) ने सन १६५८ मे की। ट्रस्ट की ओर से शहादरा मे एक धर्मार्थ औषधालय सचालित हो रहा है तथा असहाय भाई व बहिनो को आर्थिक सहायता दी जाती है।

१२ श्री छुन्नामल चैरीटेबल ट्रस्ट (सुन्दर भवन, डिप्टीगज)—ट्रस्ट की स्थापना सेठ सुन्दर लाल जी (फर्म-सुन्दर लाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड क०, बीडी वाले) ने अपने पिता स्व० सेठ छुन्नामल जी की स्मृति मे सन १६५२ मे की।

ट्रस्ट ने अब तक मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्य किये है

(१) हिमाचल प्रदेश (शिमला हिल्ज) मे घैणी नामक स्थान पर मिडिल स्कूल की स्थापना।

(२) सन १६५६ मे फ्लू की महामारी के समय दिल्ली, गोदिया (महाराष्ट्र) तथा अन्य स्थानो पर नि:शुल्क औषधि वितरण।

(३) सन १६५४ मे गोदिया (महाराष्ट्र) मे सेठ छुन्नामल आयुर्वेदिक धर्मार्थ औषधालय के नाम से दो आयुर्वेदिक औषधालयो की स्थापना।

(४) सन १९५८ में सेठ सुन्दर लाल जैन नेत्र चिकित्सालय, डिप्टीगज, सदर बाजार, दिल्ली, की स्थापना तथा कई नि:शुल्क नेत्र शिविरों का आयोजन।

ट्रस्ट की प्रबन्ध समिति (गवर्निंग बाडी) के निम्न-लिखित पदाधिकारी हैं :

चेयरमैन—सेठ सुन्दर लाल, सुन्दर भवन, डिप्टीगज।
मंत्री—(१) श्री रिखीराम कालिया, २७डिप्टीगज।
(२) श्री चन्द्र कुमार, ४६३६/४०, सुन्दर भवन, डिप्टीगज।

१३. श्री देशभूषण मुद्रणालय और प्रकाशन ट्रस्ट— इस ट्रस्ट की स्थापना आचार्य श्री १०८ देशभूषण जी महाराज की आज्ञा से सन १९५६ में हुई। ट्रस्ट द्वारा श्री लच्छूमल जी कागजी की धर्मशाला में श्री देशभूषण मुद्रणालय की स्थापना की गई। इस ट्रस्ट की ओर से अनेक जैनोपयोगी पुस्तकों व शास्त्रों का प्रकाशन किया गया। इसके अतिरिक्त 'अमर साहित्य' नाम से एक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया गया। ग्रथराज 'श्री भूवलय' के प्रथम खण्ड के प्रकाशन का कठिन कार्य भी आचार्य श्री के सरक्षण में इसी संस्था के मुद्रणालय में पूरा किया गया।

इस संस्था की निम्नलिखित व्यवस्थापक समिति बनाई गई

१ श्री अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।
२ श्री महताब सिंह जौहरी, दरीबा कला।
३. श्री छुट्टनलाल कागजी, व्यवस्थापक।
४. श्री जयनारायण, पहाड़ी धीरज।
५ श्री मुनीन्द्र कुमार, माडल टाउन, मुद्रण सलाह-कार।

१४ श्री रंगसूरि खरतरगच्छिय जैन पौशाल (कटरा खुशाल राय, चादनी चौक)—पौशाल की व्यवस्था श्री मिट्ठूमल गक्याण करते है।

१५ श्री जानकीदास रामचन्द्र ट्रस्ट—ट्रस्ट की स्थापना स्व० ला० रामचद्र जी द्वारा सन १९५१ मे हुई। ट्रस्ट के पास २ मकान है जिनकी आय से निर्धन विधवाओं आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

ट्रस्ट के प्रबन्धक ट्रस्टी ला० महताब सिंह जौहरी, ३०५ दरीबा कलां हैं।

१६. जैन सहायता फंड (सदर बाजार)—फंड की स्थापना स्थानीय स्थानकवासी समाज द्वारा सन १९५३ मे हुई। फंड से असहाय व निर्धन विधवाओं तथा बालका आदि को आर्थिक सहायता दी जाती है।

सभापति—चौ० सनेहीराम (फर्म—सनेहीराम राम नरायन) नया बाजार।
मत्री—ला० कालूराम (सेट्रल बैंक आफ इंडिया) सदर बाजार।
कोषाध्यक्ष—ला० कुंज लाल ओसवाल, ५८०६, सदर बाजार।

१७. बैरिस्टर चम्पतराय जैन ट्रस्ट (धर्मपुरा)—ट्रस्ट की स्थापना स्व० बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा अपने जीवन काल में ही सन १९४१ मे हुई थी। ट्रस्ट सम्पत्ति लगभग तीन लाख रुपये की है, जो स्टेट बैंक आफ इंडिया ट्रस्टीज एण्ड एक्जीक्यूटिव डिपार्टमेंट, बम्बई में जमा है। ट्रस्ट द्वारा विदेशों मे जैन साहित्य का प्रचार किया जाता है।

ट्रस्ट की कट्रोलिंग अथारिटी के निम्नलिखित सदस्य है :

(१) मास्टर उग्रसेन, काशीपुर, नैनीताल।
(२) श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, करोल बाग।
(३) श्री ज्ञानेन्द्र प्रकाश, १ दरियागज।
(४) श्रीमती एगनेश वेन, ऋषभ लायब्रेरी, लदन तथा
(५) श्रीमती ऐलिजबेथ फ्रेजर, लदन।

१८ राय बहादुर फूल चन्द चेरीटेबल ट्रस्ट (३२, हनुमान रोड)—ट्रस्ट की स्थापना रायबहादुर फूलचन्द जी ने अपने जीवन-काल में ही सन १९४५ मे की। ट्रस्ट द्वारा उच्च शिक्षा, विशेषरूप से टेकनीकल शिक्षा के लिये छात्र वृत्ति दी जाती है।

सभापति—ला० लाल चन्द्र।
मत्री—ला० श्री दयाल, ३२, हनुमान रोड।
कोषाध्यक्ष—ला० उग्रसेन, ३२, हनुमान रोड।
सदस्य ट्रस्टी—(१) श्री अजीत प्रसाद, १ एम० एम० रोड।
(२) श्री प्रताप चन्द्र।
(३) श्री प्रेम चन्द्र।
(४) श्री उल्फतराय, १०५ बेयर्ड रोड।

१९. श्री वर्धमान एजूकेशनल सोसायटी (५८ जनपथ)-सोसायटी की स्थापना सन १९६० मे ला० राजेन्द्र कुमार बैंकर द्वारा हुई। सोसायटी के द्वारा श्री वर्धमान कालेज, बिजनौर, श्री वर्धमान कन्या पाठशाला तथा पशु चिकित्सालय व औषधालय, बहालपुर (जिला बिजनौर) का सचालन हो रहा है।

सोसायटी के ट्रस्टी सर्वश्री राजेन्द्र कुमार, जगत प्रकाश तथा रवि प्रकाश, ११ कीलिंग रोड है। इसके मत्री श्री के० एल० मित्तल हैं।

२०. बीबी तोखन ट्रस्ट—(ट्रस्ट की स्थापना श्रीमती बीबी तोखन धर्मपत्नी ला० नाथूमल गोटेवाले द्वारा सन १९४० में हुई थी। ट्रस्ट की अचल सम्पत्ति की आय से श्रीमती बीबी तोखन द्वारा स्थापित दि० जैन चैत्यालय, गली अनार की व्यवस्था होती है।

इसके प्रबन्धक ट्रस्टी ला० महताब सिंह जौहरी, दरीबा कलां है। इनके अतिरिक्त ला० शाम लाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड व ला० जगाधर मल, अन्य दो ट्रस्टी हैं।

२१. गिरधारी लाल प्यारे लाल एजूकेशनल फंड (३४ फीरोजशाह रोड)—फंड की स्थापना स्व० राय बहादुर ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट द्वारा सन १९३३ मे हुई। फड मे जैन विद्यार्थियो को अध्ययन के लिये स्कालरशिप दिया जाता है। स्कालरशिप के लिये छात्र द्वारा स्वलिखित आवेदन-पत्र विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा स्थानीय जैन समाज के एक दो प्रतिष्ठित व्यक्तियो की सही करवाकर व्यवस्थापक के पास आना चाहिये।

फड की व्यवस्था संस्थापक के पौत्र ला० शील चन्द्र जी बैंकर, ३४ फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली करते है।

२२ श्री राजकृष्ण जैन चेरीटेबल ट्रस्ट (२३, दरियागज—ट्रस्ट की स्थापना ला० राजकृष्ण जी द्वारा सन १९४५ मे हुई। ट्रस्ट के अन्तर्गत छात्रो को स्कालरशिप, अहिसा मन्दिर पुस्तकालय, चैत्यालय, त्यागी आश्रम व धर्मशाला तथा जैन साहित्य प्रकाशन की व्यवस्था होती है।

ट्रस्ट की ध्रौव्य सम्पत्ति १ लाख रुपये की है।

ट्रस्ट के मत्री ला० प्रेम चन्द्र २३, दरियागज है।

२३. ला० प्यारे लाल एडवोकेट चैरिटी फंड (३४ फिरोजशाह रोड)—फड की स्थापना स्व० रायसाहब ला० आदीश्वर लाल जी ने अपने पिता रायबहादुर ला० प्यारे लाल जी एडवोकेट की स्मृति में सन १९४२ मे की। फंड से असहाय व्यक्तियो को आर्थिक सहायता दी जाती है।

फड के व्यवस्थापक ला० शील चन्द्र जी, ३४ फीरोज शाह रोड है।

२४. रायसाहब आदीश्वर लाल मेडीकल रिलीफ फंड (३४, फीरोजशाह रोड)—फंड की स्थापना चालू वर्ष के प्रारम्भ मे ला० शील चन्द्र जी द्वारा हुई। फंड से असहाय व निर्धन रोगियो की समुचित चिकित्सा के लिये आर्थिक सहायता दी जाती है।

फड की व्यवस्था सस्थापक द्वारा स्वय होती है।

२५. ला० मुंशीलाल जैन ट्रस्ट (मुंशी निकेतन, आसफ अली रोड)—ट्रस्ट की स्थापना ला० मुंशीलाल जी कागजी द्वारा सन १९५७ मे हुई। ट्रस्ट के अन्तर्गत धर्मार्थ औषधालय, आसफ अली रोड का सचालन हो रहा है।

२६. श्री महावीर जैन भवन बारादरी ट्रस्ट (महावीर भवन, चादनी चौक, फोन २५१२१)—ट्रस्ट के अन्तर्गत महावीर भवन तथा अन्य सम्बन्धित जायदाद व सस्थाए जिनमे श्री महावीर जैन सार्वजनिक पुस्तकालय, श्री पार्श्वनाथ जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व श्री एस एस जैन कन्या पाठशाला मुख्य है, की व्यवस्था होती है। ट्रस्ट ने विगत वर्षों मे गली हरदयाल मे एक नवीन भवन का निर्माण किया है जिसमे जैन साध्विया बिराजती है और धर्म कार्य होते है। ट्रस्ट की व्यवस्थापक समिति १५ व्यक्तियो की होती है जिनके वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित है·

- प्रधान—श्री कुन्दनलाल पारख, मालीवाडा।
- उप-प्रधान—श्री दीपचन्द चोरडिया, किनारी बाजार।
- प्रधानमंत्री—श्री मुन्नालाल भसाली, गली हरदयाल।
- मत्री—श्री मिश्रीलाल कोचर, कटरा खुशालराय।
- कोषाध्यक्ष—श्री नौरतन चन्द चौरड़िया, गली अनार, किनारी बाजार।

सामाजिक व साहित्यिक संस्थाएं

अखिल भारतीय संस्थाएं

१. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (प्रधान कार्यालय —रग महल, अजमेर, दिल्ली कार्यालय—कटरा मारवाड़ी, नई सडक)—महासभा भारतवर्ष के दिगम्बर जैनो की सबसे प्राचीन सस्था है, इसकी स्थापना सन १८६२ मे चौरासी (मथुरा) के वार्षिक मेले पर प० छेदालाल अलीगढ, प० चुन्नीलाल मुरादाबाद आदि महानुभावो के सदप्रयत्नो से हुई। समस्त दिगम्बर जैन समाज को एक सस्था के अन्तर्गत सगठित करने का प्रथम प्रयास महासभा ने ही किया।

महासभा ने अपने अब तक के कार्यकाल मे निम्न-लिखित विभिन्न दिशाओ मे समाज की सेवा की है :

(अ) सस्कृत महाविद्यालय—इसकी स्थापना सन१८६६ मे मथुरा मे हुई। विद्यालय ने जैन विद्यार्थियो को सस्कृत पढने की सुविधा प्रदान की और इस प्रकार तत्कालीन एक बडी समस्या को हल किया। यह विद्यालय सन १६०५ मे सहारनपुर व बाद मे बनारस के स्याद्वाद महाविद्यालय मे मिला दिया गया। विद्यालय ने अपने समय मे समाज को कई विद्वान दिये।

(ब) जैन गजट—सन १८६६ मे विद्यालय की स्थापना के साथ साथ महासभा के मुख-पत्र के रूप मे 'जैन गजट' मासिक का प्रकाशन आरम्भ हुआ। विगत वर्षो मे काफी समय तक यह पत्र अग्रेजी में भी प्रकाशित होता रहा, परन्तु अब कुछ समय से यह बन्द है। हिन्दी अंक आजकल दिल्ली से प्रकाशित हो रहा है।

(स) शिक्षा विभाग : परीक्षालय—महासभा के इस विभाग को प्रारम्भ करने का श्रेय स्व० पं० गोपालदास जी को है। विभाग ने कई स्थानो पर पाठशालाओं की स्थापना करवाई तथा छात्र व छात्राओ को पारितोषिक भी दिये। वर्तमान मे लगभग ८ हजार परीक्षार्थी प्रतिवर्ष इससे लाभ उठा रहे है।

(द) तीर्थ-क्षेत्र प्रबन्ध विभाग—सन १६०२ में महा-सभा के कुन्डलपुर अधिवेशन मे इस विभाग की स्थापना हुई। इस विभाग के प्रयत्नो से देश के विभिन्न दिगम्बर जैन तीर्थो के स्वत्व की सुरक्षा व उनका नियमित प्रबन्ध, गोमट्टेश्वर महामस्ताभिषेक की स्थायी व्यवस्था आदि कार्य हुए हैं।

सन १६३० के बाद से यह विभाग तीर्थ क्षेत्र कमेटी के रूप में महासभा से प्रथक् होकर कार्य कर रहा है।

(ध) जैन कानून विभाग—इसने जैन शास्त्रो के आधार पर जैन कानून की पुस्तके प्रकाशित की है। यह प्रयत्न स्व० बैरिस्टर चम्पतराय जी व बैरिस्टर जुगमन्दर लाल जी द्वारा हुआ। वर्तमान मे यह विभाग स्वत्वरक्षक विभाग के रूप मे कार्य कर रहा है।

उपरोक्त कार्यो के अतिरिक्त महासभा द्वारा देश मे विभिन्न स्थानो पर उपदेशको द्वारा धर्म-प्रचार, समाज मे फैली हुई बालविवाह इत्यादि कुरितियो का विरोध, जैन धर्म व समाज सम्बन्धी भ्रातिपूर्ण साहित्य का प्रति-कार, राजस्थान विधान सभा मे नग्न-प्रदर्शन विरोधी बिल का उन्मूलन आदि अन्य महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। सन १६५२ मे फलटन मे स्व० आचार्य शान्तिसागर जी महाराज की हीरक-जयन्ती समारोह का आयोजन भी महासभा ने किया। महासभा के वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :

सभापति—सर सेठ भागचन्द जी सोनी, अनूप चौक, अजमेर।

उप-सभापति—(१) रायबहादुर सेठ राजकुमार सिंह जी, इन्द्र भवन, तुकोगज, इन्दौर।
(२) रायबहादुर सेठ हीरालाल जी, कल्याण भवन, तुकोगज, इन्दौर।
(३) रायबहादुर सेठ लालचन्द जी सेठी, विनोद भवन, उज्जैन।
(४) रायबहादुर सेठ प्रद्युम्न कुमार, मित्र भवन, सहारनपुर।
(५) सेठ बाल चन्द पाटनी, निवाई राजस्थान।
(६) सेठ सुन्दर लाल जी ठोल्यां, ठोल्या भवन, मिर्जा इस्माइल रोड, जयपुर।
(७) लाला परमादी लाल पाटनी, कटरा मारवाडी, नई सड़क (व्यवस्थापक-दिल्ली कार्यालय)।
महामंत्री—चौधरी सुमेर मल, रंगमहल, अजमेर।
स० महामंत्री—(१) प० अमोलक चन्द, जवेरी बाग, इन्दौर।
(२) श्री हीरा चन्द बोहरा, (जुहार मल गभीर मल) ४०, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।
कोषाध्यक्ष—राय बहादुर सेठ राजकुमार सिंह जी, इन्द्र भवन, तुकोगज, इन्दौर।

२. अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद—परिषद प्रगतिशील दिगम्बर जैनों की भारतवर्षीय संस्था है। इसकी स्थापना सन १९२३ में पू० ब्र० शीतल प्रसाद जी तथा बैरिस्टर चम्पतराय जी द्वारा दिल्ली के बिम्ब प्रतिष्ठा महोत्सव पर हुई थी।

परिषद द्वारा किये गये कार्यो मे निम्नलिखित मुख्य कार्य हैं :

क. दस्सापूजन अधिकार।
ख. अन्तर्जातीय विवाह।
ग हरिजन मदिर प्रवेश।
घ. विवाह के अवसर पर लेन देन पर प्रतिबन्ध।
च. सामूहिक आदर्श विवाह।

इसके अतिरिक्त परिषद के अन्तर्गत तीन विभाग सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं :

१. परिषद परीक्षा बोर्ड—यह प्रतिवर्ष विभिन्न स्तरों की धार्मिक परीक्षाओ का आयोजन करता है तथा उत्तीर्ण परीक्षार्थियो को प्रमाण-पत्र व पारितोषिक भी प्रदान करता है। इन परीक्षाओ मे प्रतिवर्ष लगभग १७,००० जैन व जैनेतर छात्र व छात्राए भाग लेते हैं।

बोर्ड के मत्री श्री उग्रसेन जी, काशीपुर, नैनीताल है।

(२) परिषद पब्लिशिंग हाउस—यह जैन साहित्य के प्रकाशन की व्यवस्था करता है। यहां से परिषद के अपने प्रकाशनों के अतिरिक्त अन्य जैन सस्थाओ द्वारा प्रकाशित साहित्य भी उपलब्ध होता है।

इसके मत्री श्री विजेन्द्र कुमार जी सर्राफ, २०४ दरीबा कला है।

(३) जैन मैरिज ब्यूरो—इसके द्वारा दिगम्बर जैन समाज में अविवाहित बालक तथा बालिकाओ सम्बन्धी आवश्यक विवरण एकत्रित किया जाता है। यह सूची परिषद के पाक्षिक पत्र 'वीर' मे समय समय पर प्रकाशित होती रहती है। इसके मत्री प्रो० बलवन्त सिह जी डिप्टीगज, सदर बाजार है।

परिषद का मुख-पत्र 'वीर' (पाक्षिक) आजकल दिल्ली से प्रकाशित हो रहा है।

परिषद के वर्तमान पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :
प्रधान—लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कौलिग रोड।
उप-प्रधान—श्री जयभगवान एडवोकेट, पानीपत।
प्रधान मंत्री—श्री अक्षय कुमार, प्रधान सपादक नवभारत टाइम्स १०, दरियागज।
मत्री—(१) श्री भगतराम, ३०२३, बहादुर गढ रोड।
(२) श्री हस कुमार, २७, हैवलाक स्क्वैअर।
कोषाध्यक्ष—लाला नन्हे मल, २५, डिप्टीगंज।

३. अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस (१२, लेडी हार्डिग रोड)—यह कान्फ्रेंस भारत वर्ष के समस्त श्वे० स्थानकवासी जैनो की प्रतिनिधि सस्था है। इसकी स्थापना सन १९०६ मे मोरबी (सौराष्ट्र) में हुई थी।

कान्फ्रेंस द्वारा किये गये कार्यो मे निम्नलिखित मुख्य हैं :

(१) जैन ट्रेनिंग कालेज की रतलाम व बीकानेर-जयपुर मे स्थापना।
(२) बम्बई व पूना मे जैन बोर्डिंग की स्थापना।
(३) पजाब व सिध के निर्वासित भाइयो की आर्थिक सहायता।

(४) अर्धमागधी कोष के ५ भाग, कुछ आगमो के अनुवाद तथा अन्य धार्मिक पाठ्य-पुस्तकों का प्रकाशन।

(५) स्थानकवासी श्रमण-सम्प्रदायो को 'श्री वर्धमान स्था० जैन श्रमण-संघ' के रूप में संगठित करना।

(६) घाटकोपर मे श्राविकाश्रम की स्थापना।

कान्फ्रेंस का मुख पत्र 'जैन प्रकाश' हिन्दी और गुजराती भाषा में विगत ४४ वर्षों से पाक्षिक एवं साप्ताहिक रूप में प्रकाशित हो रहा है।

अध्यक्ष—सेठ अचल सिंह एम० पी०, ८६, नार्थ एवेन्यू, स्थायी नि०—३२ गार्डन रोड, 'अचल भवन', आगरा।

उपाध्यक्ष—(१) श्री सौभाग्यमल, सुजालपुर, मध्य प्रदेश।

(२) श्री चिमन लाल चकूभाईशाह, सालिसिटर, रेखा बिल्डिंग न० २, द्वितीय फ्लोर, रिजरोड, मलाबार हिल, बम्बई।

प्रधानमंत्री—सेठ आनन्दराज सुराना, ४१, सुन्दर नगर।

मंत्री—(१) श्री राम नारायण, (मै० सनेहीराम राम नारायण) नया बाजार।

(२) श्री गिरधारी लाल दामोदर दफ्तरी, द्वारा अ० भा० श्वे० स्था० कान्फ्रेंस, डी. जी. शाह बिल्डिंग, १ पायधूनी, बम्बई—३।

(३) श्री खीम चन्द मगन लाल बोहरा, द्वारा अ० भा० श्वे० स्था० कान्फ्रेंस, डी. जी. शाह बिल्डिंग, १ पायधूनी, बम्बई—३।

(४) श्री शांति लाल वी० सेठ, गली हीरानन्द, मालीवाडा।

४. अखिल भारतीय अणुव्रत समिति (प्रधान कार्यालय १५३२, चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी)—अणुव्रत आंदोलन, आचार्य श्री तुलसी जी द्वारा प्रवर्तित एक नैतिक योजना है जिससे छोटे छोटे व्रतो के माध्यम से जन-जीवन मे नैतिकता जाग्रत हो सके।

समिति सम्पूर्ण भारत मे अणुव्रत-अनुयाइयो को संगठित करने तथा स्थान-स्थान पर शाखाओ व अणुव्रत समितियो की स्थापना करने के लिए प्रयत्नशील है।

आंध्र प्रदेश के प्रमुख सर्वोदय नेता श्री पारख जैन समिति के अध्यक्ष है। दिल्ली मे कार्यालय की व्यवस्था श्री गोपीनाथ जी 'अमन' मोहल्ला टोकरीवालान, तथा सेठ मोहन लाल जी कठोतिया, १५३२, चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी, की देख रेख मे होती है।

समिति की ओर से 'अणुव्रत' नामक पाक्षिक पत्र भी निकलता है। इसके सम्पादक श्री मुद्राराक्षस है।

५. केन्द्रीय अणुव्रत विद्यार्थी परिषद (४०६३ नया बाजार)—परिषद विद्यार्थियो मे नैतिक-विकास के लिए प्रयत्नशील है। इनका कार्य देश-व्यापी अणुव्रत आन्दोलन का एक अंग है। इसके व्यवस्थापक श्री प्रेम चन्द (बिरधी चन्द्र बैजनाथ) चावडी बाजार है।

६. आचार्य श्री तुलसी धवल समारोह समिति (४०६३ नया बाजार)—आचार्य श्री तुलसी जी की सन १९६२ मे मनायी जाने वाली जयन्ती पर आचार्य श्री का व अणुव्रत सम्बन्धी साहित्य प्रकाशित करने की व्यवस्था इस समिति द्वारा हो रही है।

इस दिशा मे अब तक के प्रकाशनो मे 'आषाढ़ भूति', Light of India, पथ के गीत, विश्व शांति व अणुव्रत, आदि मुख्य है।

७. वीर सेवा मंदिर—वीर सेवा मन्दिर की स्थापना आचार्य जुगल किशोर जी मुख्तार 'युगवीर' द्वारा २४ अप्रेल, सन १९३६ को सरसावा मे हुई। यह जैन साहित्य, इतिहास और तत्वविषयक शोध खोज के लिये सुप्रसिद्ध अन्वेषिका संस्था है। 'वीर शासन जयन्ती' जैसे पावन पर्व का उद्धार व अनेक प्राचीन मूल आगम ग्रन्थो का अनुवाद, ऐतिहासिक एव शोध ग्रन्थों का तथा अनेकानेक नवीन जैन साहित्य ग्रंथ, लेख, निबन्ध इत्यादि के प्रकाशन का श्रेय इसी संस्था को प्राप्त है।

संस्था के पास विशाल पुस्तकालय है जिसमे अनेक प्राचीन हस्तलिखित व मुद्रित ग्रन्थ उपलब्ध हैं। इस संस्था के तत्वावधान मे 'अनेकांत' मासिक प्रकाशित होता रहा है

इस संस्था को सुचारु रूप से चलाने के हेतु मुख्तार साहब ने 'वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट' की स्थापना २ मई सन १९५१ मे की। ट्रस्टियों के अतिरिक्त ट्रस्ट के वर्तमान पदाधिकारी निम्न प्रकार है :

अधिष्ठाता —आचार्य जुगल किशोर 'मुख्तार' ।

मन्त्री —पं० दरबारी लाल कोठिया 'न्यायाचार्य' ।

कोषाध्यक्ष,—श्री जुगल किशोर कागजी (धूमीमल जुगल किशोर, चावडी बाजार ।

सन १९५४ मे वीर सेवा मन्दिर के कार्य की देखभाल के लिए वीर सेवा मन्दिर सोसायटी की स्थापना हुई। सोसायटी के अधिष्ठाता मुख्तार साहब स्वय है, तथा बा० छोटेलाल, २९ इन्द्रविश्वास रोड, कलकत्ता, अध्यक्ष। रायसाहब उल्फतराय ७/३३ दरियागज, उपाध्यक्ष। श्री जयभगवान एडवोकेट, पानीपत, मन्त्री। श्री प्रेमचन्द, १८ दरियागंज, स० मन्त्री और श्री नन्हेमल, ७ दरियागज, कोषाध्यक्ष हैं।

वीर सेवा मन्दिर का अपना विशाल भवन २१ दरियागज मे है। इसमे बाहर से आनेवाले विद्वानो के ठहरने की तथा जैन साहित्य व इतिहास के शोध की सुविधा उपलब्ध है।

स्थानीय संस्थाएं

१. जैन सभा नई दिल्ली (जैन निशी मन्दिर, लेडी हार्डिंग रोड)—सभा नई दिल्ली क्षेत्र के सभी सम्प्रदाय वाले जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है।

सभा की स्थापना सन १९३९ में स्व० रायसाहब ला० आदीश्वर लाल, श्री के० वी० जिनराज हेगडे (मैगलोर), सदस्य, भूतपूर्व सेट्रल लेजिस्लेटिव एसेम्बली आदि महानुभावों के सद्प्रयत्नो से हुई। स्व० शातिदास अस्करन, शेरिफ-बम्बई व सदस्य, भूतपूर्व काउसिल आफ स्टेट इसके प्रथम सरक्षक थे।

सभा सभी सम्प्रदाय के जैनों को एक प्लेटफार्म पर लाकर उनमे पारस्परिक स्नेह बढ़ाने और सगठन के सूत्र मे बाधने मे प्रयत्नशील है। इस उद्देश्य से समाज को स्थानीय-स्तर पर सर्व प्रथम सगठित करने का मान इस सस्था को ही प्राप्त है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति मे सभा को स्थानीय समाज के सहयोग के साथ-साथ दिल्ली से बाहर के अनेक ख्याति प्राप्त महानुभावों का भी संरक्षण व वरद हस्त प्राप्त रहा है।

सभा ने अपने शैशवकाल में ही वायसराय की कोठी (वर्तमान मे राष्ट्रपति भवन) व सचिवालय-भवनो (सेक्रेटेरियट बिल्डिंग्स) के ऊपर होने वाले पक्षियों के शिकार को बन्द करवाने में सफलता प्राप्त की। उन दिनों ऐसी प्रथा थी कि प्रतिवर्ष मार्च के महीने मे एक दिन निश्चित हुआ करता था। जबकि शाम को इन भवनो के विभिन्न स्थानो पर विश्राम करने वाले सहस्रों कबूतरो को अपने स्थानो से उडाकर वायसराय व उसके अन्य कर्मचारी उन का शिकार करते थे। सभा ने सन १९३९ मे तत्कालीन वायसराय लार्ड लिनलियगो को विरोध-पत्र (रिप्रजेंटेशन) भेजा, जिसके फलस्वरूप यह पक्षी-वध सदैव के लिये बन्द कर दिया गया।

सभा ने सन १९४१ मे जैन निशी मन्दिर, जो कि सरकार द्वारा सन १९१४ मे नई दिल्ली राजधानी बनाने के सिलसिले में ले लिया गया था, को पुन प्राप्त कर उस का जीर्णोद्धार कराया।

राजकीय कार्यालयो मे काम करने वाले जैनो के लिये वर्ष मे तीन मास (नवम्बर, दिसम्बर व जनवरी) निश्चित समय से आधा घन्टा पूर्व जाने की अनुमति दिलवाने का श्रेय भी सभा को ही है। सभा के सतत् प्रयत्नो के फलस्वरूप सन १९५१ में यह आज्ञा (मिनिस्ट्री आफ होम एफेअर्स आ० मेमोरेंडम न० ३२/५३/५१ –प न दिनाक २९-११-५१) स्थायीरूप से प्रत्येक राजकीय कार्यालय मे लागू हो रही है।

सभा ने समाज मे पारस्परिक प्रेम व सौहार्द की भावना को जाग्रत करने के ध्येय से समय समय पर जैन डायरेक्ट्रीज का प्रकाशन किया है। इस डायरेक्ट्री का सकलन व प्रकाशन भी सभा की ओर से ही हुआ है।

सन १९५२ मे सभा ने एक नर्सरी प्रायमरी स्कूल की स्थापना की। स्कूल 'जैन हैपी स्कूल' के नाम से निशी मन्दिर मे स्थित है। स्कूल मे हैपी प्रणाली के आधार पर नन्हें-मुन्ने बालक, बालिकाओ को शिक्षा-दीक्षा दी जाती है। इस समय स्कूल मे लगभग ३०० छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल ने अपने लघु कार्य काल मे ही अन्य पब्लिक स्कूलो के सदृश स्टैंडर्ड प्राप्त किया है। सभा स्कूल के लिये पृथक भवन के निर्माण के लिये भूमि प्राप्त करने में प्रयत्नशील है।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त, प्रत्येक सामाजिक व धार्मिक समस्याओ के सुलझाने मे सभा का प्रमुख योगदान

रहा है। विगत वर्षों मे, उदाहरणार्थ, सरकार द्वारा भ० महावीर जयंती को छुट्टी स्वीकृत करवाने, जबलपुर जैन समाज पर हुऐ अत्याचारों, रिलीजस ट्रस्ट बिल आदि के सम्बन्ध में सभा ने महत्वपूर्ण योग दिया है।

वार्षिक महावीर जयती महोत्सव आदि धार्मिक व सास्कृतिक उत्सवो के साथ साथ सभा द्वारा समय समय पर दिल्ली में पधारने वाले विद्वानो, नेताओं व अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियो से सम्पर्क स्थापित करने के लिये सामाजिक कार्य क्रमो का आयोजन भी किया जाता है।

प्रधान—श्री शिवदयाल सिंह, ८ टैम्पिल लेन।

उप-प्रधान—श्री पीताम्बर दास, ३७ तुर्कमान रोड।

मत्री—श्री चक्रेश कुमार, ३८ सी, बेअर्ड रोड।

उप-मत्री—(१) सतीश कुमार, ६६ ई राजाबाजार।

(२) श्री कैलाश चन्द्र, २७ क्लाइब स्क्वेअर।

कोषाध्यक्ष—श्री टेक चन्द्र, १२ ई बेअर्ड रोड।

निरीक्षक—श्री जय प्रकाश, २३ अहिल्या बाई रोड।

कार्य कारिणी-सदस्य—(१) श्री त्रिलोक चन्द्र, एफ २ ग्रीनपार्क

(२) श्री उल्फत राय, १०५ बेअर्ड रोड

(३) श्री कपूर चन्द्र, एलनबी रोड।

(४) श्री महेन्द्र कुमार, ३३ ई बेअर्ड लेन।

(५) श्री बी बी कपासी, बी. ५ पडारा रोड।

(६) श्री जय कुमार, बगला साहब लेन।

(७) श्री जम्बू प्रसाद, ४८ डी राजाबाजार।

(८) श्री हस कुमार, २७ हेवलाक स्केवअर।

(९) श्री वकील चन्द्र, ५३ डी राजाबाजार।

२. दिल्ली प्रांतीय भारत जैन महामण्डल—अखिल भारतवर्षीय जैन महामण्डल की दिल्ली प्रातीय शाखा की स्थापना सन १९४० मे हुई।

प्रधान—ला० जसवंत सिह, २५ डी कमला नगर।

उप-प्रधान—(१) सेठ मोहन लाल कठोतिया, चद्रावल रोड।

(२) ला० नन्हेमल, डिप्टीगज।

प्रधान मत्री—श्री भगतराम, २०२३ बहादुरगढ़ रोड।

मंत्री—श्री शांतिलाल बी. सेठ, १०३० गली हीरानन्द मालीवाडा

कोषाध्यक्ष—श्री धनराज सिह भसाली, ५३ रामनगर।

३. अणुव्रत समिति दिल्ली शाखा (४०९३ नया बाजार)—दिल्ली प्रदेश के अणुव्रतियों का सगठन है।

समिति की ओर से राजधानी मे समय-समय पर सार्वजनिक सभाए इत्यादि का आयोजन होता है तथा अणुव्रत सम्बन्धी साहित्य भी प्रकाशित होता है, जिनमे अणुव्रत जीवन दर्शन, प्रेरणादीप, उठो जागो, जागृत इत्यादि पुस्तकें मुख्य है।

अध्यक्ष—श्री गोपीनाथ 'अमन' टोकरीवालान, पुल मिठाई।

उपाध्यक्ष—श्री भगतराय (मै. पारसराम द्वारकादास) कटरा चोबान, चादनी चौक।

मन्त्री—सेठ मोहन लाल कठोतिया, १५३२, चद्रावल रोड, सब्जी मडी।

उप-मन्त्री—श्री सोहनलाल बाफणा, ४०९३ नयाबाजार।

४. जैन मित्र मंडल दिल्ली (कार्यालय-धर्मपुरा नया-मन्दिर जी के सामने)—मित्र मण्डल की स्थापना सन १९१५ मे हुई। सन १९१७ में जैन व आर्य समाज के विद्वानों के मध्य हुए शास्त्रार्थ की आयोजना भी मित्र मडल ने की।

मडल ने जैन-साहित्य प्रचार के लिये अब तक भारतीय व विदेशी विद्वानो द्वारा लिखित लगभग १५० पुस्तकों का प्रकाशन किया है। सन १९२१ की सरकारी जन-गणना मे प्रमुख जैन साहित्यिक सस्था घोषित होने का मान इसी सस्था को प्राप्त है।

सम्पूर्ण देश मे भगवान महावीर जयती महोत्सव को मनाये जाने की धार्मिक प्रथा को सन १९२५ मे प्रथम बार प्रारम्भ करने का श्रेय भी मण्डल को ही प्राप्त है। इसी पुनीत अवसर पर नगर का वार्षिक जुलूस भी सर्व प्रथम मडल द्वारा ही निकालने की व्यवस्था हुई थी।

मडल के द्वारा सन १९२३ मे धर्मपुरा, दिल्ली मे श्री वर्धमान पब्लिक लायब्रेरी की स्थापना हुई जो अब तक सुचारू रूप से कार्य कर रही है।

सभापति—ला० अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उप-सभापति—(१) ला० प्रेमचद (जैना वाच कं०)।

(२) ला० प्रकाशचद जौहरी, दरियागज।

प्रधान मत्री—श्री महताबसिह जौहरी, दरीबा कला।

मंत्री—(१) श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, करोल बाग।
(२) श्री पन्नालाल (तेज अखबार) वकीलपुरा।
मंत्री पुस्तक भडार—श्री विजेन्द्र कुमार सर्राफ, दरीबा कलां।
कोषाध्यक्ष—(१) श्री पूरनमल जैन जौहरी दरीबा कला।
(२) श्री अमृतलाल, वकीलपुरा।

५. श्री जैन विद्वत् परिषद—स्थानीय जैन विद्वानो की संस्था है। परिषद के सदस्य समय समय पर धार्मिक विषयो पर विचार-विमर्श करते है।

परिषद ने हाल ही में दिल्ली में सामूहिक रात्रि भोजन की कुप्रथा को बन्द करवाने के लिए आदोलन छेड़ा था, जिसमें काफी सफलता प्राप्त हुई है।

अध्यक्ष—श्री हीरालाल 'कौशल' शास्त्री, सदर बाजार
उपाध्यक्ष—श्री बनवारी लाल, 'स्याद्वादी', २२००, गली भूतवाली, धर्मपुरा।
मन्त्री—श्री मथुरा दास शास्त्री, समंतभद्र संस्कृत विद्यालय, दरियागज।
उप-मन्त्री—श्री सुमेरचन्द शास्त्री, गली गुलियान।
कार्या० मन्त्री—श्री रिषीचन्द्र, रेवती भवन, २१, दरियागज।

६. अखिल भारतीय महावीर जयन्ती कमेटी (१२ लेडी हार्डिंग रोड)—कमेटी की स्थापना सन १९५३ मे हुई। इस सस्था द्वारा राजधानी मे प्रत्येक वर्ष भगवान महावीर जयन्ती महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—सेठ अचल सिह, एम० पी०, १५० नार्थ एवेन्यू।
उप-प्रधान—(१) श्री राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिंग रोड।
(२) श्री कपूर चन्द्र गोधा, शान्ति विजय एण्ड कं०, ज्वैलर्स, जनपथ।
(३) सेठ मोहनलाल कठौतिया, चन्द्रावल रोड।
(४) श्री जवाहरलाल रावयान, खैराती लाल एण्ड सन्स ज्वैलर्स, कनाट सर्कस।
प्र० मन्त्री—श्री दौलत सिंह, गली लाडेवाली, माली वाडा।
मन्त्री—श्री भगतराम, ३०२३, बहादुर गढ़ रोड।
कोषाध्यक्ष—श्री नन्हेमल, घमंडीलाल नन्हेमल, सदर बाजार।

७. श्री १००८ जम्बूकुमार संघ (३५ डिप्टीगज)—सघ की स्थापना राजवैद्य श्री मामनसिंहजी प्रेमी द्वारा सन १९४५ मे हुई।

सघ कार्य के द्वारा विश्व-शाति सदेश तथा शाकाहार भोजन के प्रचार मे प्रयत्नशील है। अब तक लगभग २,५०० व्यक्तियो को शाकाहारी बनाने मे सफल हुआ है। सघ सन १९५४ मे प्रेमी महाविद्यालय, सोनीपत का सचालन कर रहा है। सघ की ओर से ३५ डी दिलशाद कालोनी एक्सटैंशन, जी० टी० रोड, शहादरा बोर्डर पर भगवान ऋषभदेव जी का समवसरण बनाने की योजना चल रही है। सघ का मुख-पत्र 'ज्ञान' मासिक है।

प्रधान—श्री कैलाश चन्द्र (राजा टायर्ज), डिप्टीगंज।
उप-प्रधान—श्री कर्मवीर सिह, छप्परवाला कुंआ, करोल बाग।
प्रधान मन्त्री—श्री महीपाल सिह, ४४४ देवनगर, करोल बाग।
मन्त्री—श्री रमेश चन्द्र ४४४ ई० देवनगर, करोल बाग।
प्रधान महिला समिति—श्रीमती रतनमाला, २५ पूसा रोड।
मन्त्राणी—श्रीमती शान्ती देवी (लक्ष्मी मोटरकार क०) क्वीज रोड।
कोषाध्यक्ष—श्रीमती मन्नोदेवी, ३५ डिप्टीगज।

८. ब्यूरो आफ जैन इन्फार्मेशन (५८७, सदर बाजार)—इस सस्था की स्थापना १ सितम्बर सन १९५७ को हुई। सस्था का कार्यालय ५८७ सदर बाजार दिल्ली मे स्थापित है।

ब्यूरो की ओर से 'बी० जे० आई समाचार' नाम की एक द्विभाषी (हिन्दी व अग्रेजी) पत्रिका का प्रकाशन हो रहा है। समय समय पर जैन-अजैन पत्रो को समाचार व चित्र आदि भी नि शुल्क भेजे जाते है।

वर्तमान मे इसके निम्नलिखित डायरेक्टर्स है :

१. श्री अतरचन्द, ४६७६, गली उमराव सिह, पहाडी धीरज।

२ श्री मुनीन्द्र कुमार डी० २/६ माडल टाउन, माल रोड।

३. श्री राजेन्द्र कुमार आर्टिस्ट प्रो० राजन आर्ट्स, ५८६, सदर बाजार।

४. श्री सुकमाल चन्द्र २० सी०, बेअर्ड रोड।

६. श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पंचायत (कार्यालय श्री दि० जैन नया मन्दिर, धर्मपुरा)—यह पचायत पहले दिल्ली-हिसार-पानीपत अग्रवाल दिगम्बर पचायत के नाम से प्रसिद्ध थी। पंचायत द्वारा दिल्ली नगर के अग्रवाल दिगम्बर जैन मन्दिरो, ट्रस्टो तथा सस्थाओ आदि की व्यवस्था होती है।

पचायत समाज की स्थायी रीतिया व अन्य रीति-रिवाजो (दस्तूर-उल-अमल) को निश्चित करती है तथा उनके उलघन पर दण्ड की व्यवस्था करती है।

पचायत के अन्तर्गत निम्नलिखित समितिया है

(क) पच-समिति—इसके मुख्य कार्यों मे कार्यकारिणी द्वारा सामाजिक रीति-रिवाज के उलघन पर दोषी ठहराये गये व्यक्तियो की जाच करके निर्णय देना है। वर्तमान पच निम्नलिखित है :

(१) रायसाहब ला० उल्फतराय, ७/३३, दरियागज।

(२) ला० चुन्नीलाल एडवोकेट, कूंचा सेठ।

(३) ला० अजित प्रसाद कोठी वाले धर्मपुरा।

(४) ला० इन्दर सेन (सीमेट मार्केटिंग) ५ ए, दरियागज।

(५) रिक्त।

मत्री—ला० हुकमचन्द, धर्मपुरा।

स० मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र, ३१ चावडी बाजार।

(ख) कार्यकारिणी समिति

सभापति—ला० डिप्टीमल, चादनी चौक।

मत्री—ला० रनजीत सिंह जौहरी, दरीबा कला।

स० मत्री—ला० बिमल प्रसाद, सतघरा, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष—ला० कुन्दनलाल मादीपुरिया, कटरा खुशालराय।

(ग) प्रबन्धकारिणी समिति—इसके अन्तर्गत ३ कमेटियां कार्य करती हैं।

(१) कमेटी मदिरान-धर्मशालाए, उदसीनाश्रम, अस्पताल परिदगान व साहित्य-सदन।

सभापति—ला० जगाधर मल, गली सगतराशान, दरीबा कला।

मत्री—ला० अतर चन्द जौहरी, वैदवाड़ा।

स० मन्त्री—श्री विमल प्रसाद पीतल वाले धर्मपुरा।

(२) रथयात्रा कमेटी—

सभापति—ला० श्योप्रसाद कोठीवाले, कूचा सेठ।

मन्त्री—ला० त्रिलोकचन्द कमीशन एजेण्ट, धर्मपुरा।

(२) जायदाद कमेटी—

सभापति—ला० हरिश्चन्द्र वकील, छत्ता प्रताप सिंह, किनारी बाजार।

मन्त्री—ला० हरिश्चन्द्र पीतल वाले, शीशमहल, पायवालान।

१०. श्री खंडेलवाल दि० जैन पंचायत—पंचायत स्थानीय खडेलवाल दिगम्बर जैनो की धार्मिक व सामाजिक सस्था है। पचायत के द्वारा

(१) श्री दि० जैन मन्दिर, वैदवाड़ा।

(२) श्री दि० जैन मन्दिर, जयसिहपुरा।

(३) श्री शान्तिसागर दि० जैन पाठशाला, वैदवाडा।

(४) श्री शांतिसागर दि० जैन औषधालय। तथा

(५) श्री दि० जैन धर्मशाला, वैदवाडा, की व्यवस्था होती है।

प्रधान—ला० कपूरचन्द्र, १३१६ वैदवाडा।

उप-प्रधान—ला० परसादी लाल पाटनी, मारवाडी कटरा, नई सडक।

मन्त्री—ला० देवेन्द्र कुमार, ३६ गोल्फलिक।

स० मन्त्री—ला० रूपचन्द, १२७३, वैदवाडा।

कोषाध्यक्ष—ला० हज़ारी लाल (मै. हज़ारी लाल शातिलाल) चावड़ी बाजार।

११. श्री पद्मावती दि० जैन पंचायत, (कार्यालय पद्मावती पुरवाल दि० जैन मन्दिर, मसजिद खजूर)—स्थानीय पद्मावती पुरवाल दि० जैनों की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है। श्री पद्मावती पुरवाल दि० जैन मन्दिर की व्यवस्था भी पचायत द्वारा होती है।

प्रधान—पं० लाल बहादुर शास्त्री, समंतभद्र विद्यालय, दरियागंज।

उप-प्रधान—ला० गुलजारी लाल (जैन रेस्टोरेन्ट), दरीबा कलां।

मन्त्री—पं० बनवारीलाल स्याद्वादी, २२०० गली भूत-बाली।

उपमन्त्री—ला० रामचन्द्र निकल वाले, चावडी बाजार।

कोषाध्यक्ष—ला० महावीर प्रसाद सर्राफ, दिल्ली दरवाजा।

१२. श्री जैसवाल जैन सभा—सभा अ० भा० जैसवाल जैन महासभा की दिल्ली शाखा है। सभा का मुख्य कार्य स्थानीय जैसवाल जैनों को सगठित करना तथा उनके लिए पचायत-रूप उत्तरदायित्व की पूर्ति करना है। सभा द्वारा समय समय पर सामाजिक उत्सवों का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्री शिवदयाल सिंह, ८ टैम्पिल लेन।

मत्री—श्री सुरेन्द्र कुमार, ४७/८३ दरियागंज।

उप-मत्री—श्री सुरेश कुमार, ४८६ एम. पी. टी., सरोजिनी नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री राम बहादुर, २१/८४ लोदी कालोनी।

१३. श्री श्वेताम्बर तेरापन्थी सभा (४०६३, नया बाजार)—जैन श्वेताम्बर तेरापन्थी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। सभा द्वारा विगत वर्ष सन १९६० मे तेरापन्थी द्विशताब्दी समारोह का आयोजन टाउन हाल मे किया गया था।

अध्यक्ष—श्री गिरधारी लाल, (विरधी चन्द जैन एण्ड सन्स) चावडी बाजार।

उपाध्यक्ष—(१) श्री मगतराम (परसराम द्वारका दास), कटरा चोबान।

(२) श्री बुधसेन (सिघवी इडस्ट्रीज) १० वैस्ट बैंक साइड, सदर थाना रोड।

मत्री—श्री लाजपत राय (भिक्षा लाल रणजीत सिह) कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली।

उपमत्री—श्री सूरजभान (सूरजभान लक्ष्मी चन्द) पत्ते वाली गली, नया बाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री बाल चन्द, (मै० बिरधी चन्द नोनग राम) चावडी बाजार।

१४. श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (कटरा धूलिया, चादनी चौक)—सघ की स्थापना सन १९५५ मे हुई। सघ द्वारा श्वे० स्थानकवासी साधुओ व साध्वियो के चातुर्मास आदि की व्यवस्था, धार्मिक उपदेशो व प्रवचनो तथा अन्य धार्मिक उत्सवो का आयोजन किया जाता है। सघ की समस्त गतिविधियों का केन्द्र श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महावीर भवन (बारादरी), चादनी चौक है।

प्रधान—लाला राम नारायन (फर्म-सनेहीराम राम नारायन) नया बाजार।

उप-प्रधान—लाला रामलाल सर्राफ, १३६० चादनी चौक।

मत्री—लाला मोहर सिंह (फर्म शादीराम मोहर सिह) कटरा मारवाडी, नई सडक।

उपमत्री—श्री बद्री प्रसाद, ५७ महावत खा रोड।

कोषाध्यक्ष—मा० शाम लाल, ६३ बडशाबूला, चावडी बाजार।

१५. श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन समाज, (V/७३, मोती बाजार, चादनी चौक)—समाज की स्थापना सन १९५६ मे हुई। समाज दिल्ली नगर के प्रगतिशील अग्रवाल दिगम्बर जैनो की पचायत है। चालू वर्ष के प्रारम्भ मे समाज द्वारा भगवान ऋषभ जयन्ती महोत्व मनाया गया।

प्रधान—लाला पारसदास मोटर वाले, डा० मुकर्जी मार्ग।

उप-प्रधान—(१) लाला केशव दास, डेरी वाले, गली लेसवान, चादनी चौक।

(२) लाला त्रिलोक चन्द्र, कपडे वाले, गली लेसवान, चादनी चौक।

(३) लाला प्रताप सिह, मोटर वाले, डा० मुकर्जी मार्ग।

(४) श्री फीरोजी लाल वकील, क्लाथ मार्केट।

प्रधान मत्री—श्री श्रीपाल, २६४४ गली पीपल वाली, धर्मपुरा।

मत्री—(१) श्री खुशी राम, १२६३ वकील पुरा।

(२) श्री अतर सेन, ३६१६ चावड़ी बाजार।

(३) सुदर्शन लाल, २२५७ गली अनार, किनारी बाजार।

(४) श्री दर्शन लाल (म्यूनिसिपल कार्पोरेशन), २०, म्यू० कालोनी, कमला नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री दयाल सिंह कपड़े वाले, १३०१, कटरा धूलिया।

१६. श्री दिल्ली गुजराती जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ (२०५८ किनारी बाजार)—स्थानीय गुजराती श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैनों की प्रमुख सस्था है। बाहर से आये गुजराती सघ आदि की सुविधा की व्यवस्था करना भी सघ के कार्यों मे उल्लेखनीय है।

१७. जैन सभा दरियागंज—दरियागंज क्षेत्र के समस्त जैनो की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है। सभा की ओर से पर्यूषण-पर्व के पश्चात वार्षिक रथयात्रा का आयोजन होता है।

प्रधान—श्री भगत राम, ४८ दरियागज।

उप-प्रधान—श्री प्रेम चन्द्र, आनन्द भवन, १८ दरियागज।

मत्री—श्री बाल कृष्ण सरावगी, ७ दरियागज।

उप-मत्री व कोषाध्यक्ष—श्री आनन्द प्रकाश, ७५ दरियागज।

सभा की ओर से एक बर्तन-भण्डार भी चल रहा है। इसकी व्यवस्था श्री जैनेन्द्र प्रकाश, २१ दरियागज, करते है।

१८. श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन पचायत (पहाडगज)—पचायत की औपचारिक स्थापना तथा रजिस्ट्रेशन सन १६५६ मे हुई। यह पहाडगज व रामनगर क्षेत्र की सामाजिक एव धार्मिक संस्था है।

प्रधान—लाला पृथ्वी सिंह, मटोला।

उप-प्रधान—लाला महावीर प्रसाद, मटोला।

मत्री—लाला श्री चन्द, मटोला।

स० मत्री—लाला शीलचन्द, पहाड गज।

कोषाध्यक्ष—लाला अतर सेन, मंटोला, पहाड गज।

१६. श्री दिगम्बर जैन पंचायत सब्जी मंडी—पंचायत की औपचारिक तौर पर स्थापना सन १६५० मे हुई। यह सब्जी मडी के दिगम्बर जैनों की प्रमुख सामाजिक सस्था है। स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर, सब्जी मन्डी, की व्यवस्था इसी पचायत की देख रेख में होती है।

प्रधान—श्री लट्टोमल, (मै० लट्टोमल नानूराम, ४२०० आर्यपुरा) सब्जी मडी।

उप-प्रधान—श्री महावीर प्रसाद, ३७ जैना बिल्डिंग, रोशनआरा रोड।

मंत्री—चौ० जम्बू प्रसाद, ४११०, गली जैन मन्दिर।

स० मन्त्री—मा० ओम प्रकाश, सब्जी मन्डी।

जनरल भण्डारी—प० उल्फत राय, ४१०८, गली जैन मन्दिर, सब्जी मन्डी।

बर्तन भडारी—लाला बाबूराम, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी।

शास्त्र भडारी—बाबू आत्माराम, ४३३८, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी।

कोषाध्यक्ष—श्री छज्जू मल, (द्वारा मै० लट्टोमल नानूमल) सब्जी मन्डी।

२०. श्री श्वे० स्थानकवासी जैन सभा, (४०-एफ, कमला नगर)—सभा की स्थापना रावल पिंडी से आये हुए श्वे० स्थानकवासी जैनो द्वारा सन १६४७ मे हुई। सभा अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अतिरिक्त कमला नगर कालोनी मे स्थित श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकेण्ड्री स्कूल, श्री महावीर जैन माटेसरी स्कूल, तथा दो स्थानको का सचालन व उनकी व्यवस्था का कार्य कर रही है।

प्रधान—लाला बोधराज, मटके वाली गली, सदर बाजार।

उप-प्रधान—लाला लालचन्द, क्लाथ मार्केट, डा० मुकर्जी मार्ग।

मन्त्री—श्री अमर नाथ (डिफेंस मिनिस्ट्री)।

कोषाध्यक्ष—श्री पिंडीदास, ५-डी, कमला नगर।

२१. श्री दिगम्बर जैन पंचायत रोशनआरा रोड एक्सटेंशन एरिया—रोशनआरा रोड एक्सटेंशन एरिया के दिगम्बर जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है। पचायत स्थानीय चैत्यालय की व्यवस्था भी करती है।

प्रधान—श्री दीवान चन्द, ८८-ए कमला नगर।

उप-प्रधान—श्री तारा चन्द, २६/१६ शक्ति नगर।

मन्त्री—श्री सरूप सिंह, २७/६ कमला नगर।

उप-मन्त्री—श्री मानक चन्द, ७३६०-ए. प्रेम नगर।

भंडारी—श्री अनूप सिंह, २६/७ शक्ति नगर ।

कोषाध्यक्ष—श्री गुणवन्त राय, ६६-इ. कमला नगर।

२२. जैन सभा माडल टाउन (कार्यालय, बी ५/१२ माडल टाउन, माल रोड)—माडल टाउन व निकटवर्त्ती बस्तियो में रहने वाले जैन बन्धुओ के संगठन के उद्देश्य से मार्च सन १६६१ मे इस सभा की स्थापना हुई। माडल टाउन, किंग्ज्वे कैम्प, विजय नगर, रिषभ नगर, रामेश्वर नगर, इन्द्रा नगर, आजादपुर, व मोहन पार्क आदि कालोनियों में रहने वाले जैनी इस सभा के सदस्य है।

सभा की ओर से २ अप्रेल १६६१ को एक विशाल पडाल मे महावीर जयन्ती का उत्सव मनाया गया। जिसमे अन्य धार्मिक कार्यक्रमो के अतिरिक्त एक विशाल मुशायरे का भी आयोजन किया गया। वर्तमान मे सभा की ओर से एक शिखर युक्त मन्दिर बनाने की योजना चल रही है। इस मन्दिर के साथ साथ एक औषधालय व पुस्तकालय के स्थापना की योजना भी है।

सन १६६१-६२ के लिए सभा के निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गये है

प्रधान—श्री मोती राम, फर्नीचर वाले, सी-११/१० माडल टाउन।

उप-प्रधान—श्री दर्शन लाल, म्यु० कारपोरेशन वाले, डी. एम सी, कालोनी।

मन्त्री—श्री मुनीन्द्र कुमार, कृषि मन्त्रालय वाले, डी. २/६ सूरज, सदन माडल टाउन।

उप-मन्त्री—श्री चन्द्रभान, अध्यापक, डी. एम सी कालोनी।

कोषाध्यक्ष—श्री शिवचरण दास, प० ने० बैंक वाले, बी० ५/१२ माडल टाउन।

२३. श्री दिगम्बर जैन पंचायत करोल बाग (दिगम्बर जैन मन्दिर, छप्पर वाला कुंआ, करोल बाग)—इस पचायत की ओर से दिगम्बर जैन मन्दिर छप्पर वाला कुआ, करोल बाग तथा जैन विद्या मन्दिर छप्पर वाला कुआ, करोल बाग का प्रबन्ध होता है।

पचायत की स्थापना सन १६४६ मे हुई।

प्रधान—श्री नेमचन्द्र, बी १३/२८ देवनगर।

उपप्रधान—(१) श्री सतिन्द्रनाथ, २४ नाई वाली गली, करोलबाग।

(२) श्री त्रिलोक चन्द्र, ४४४ ई. देव नगर।

मन्त्री—श्री जुगमदरदास, ६७ नाई वाली गली, करोल बाग।

उपमन्त्री—(१) श्री जुगमदरदास, रहगड़पुरा, करोल बाग।

(२) श्री सुमेरचन्द्र, अब्दुल अजीज रोड, करोल बाग।

कोषाध्यक्ष—श्री विमल प्रसाद, २१ नाई वाली गली, करोल बाग।

भडारी—(१) श्री मूलचन्द्र, अब्दुल अजीज रोड, करोल बाग।

(२) श्री केशरी प्रसाद, जोशी रोड, करोल बाग।

२४. श्री दिगम्बर जैन पंचायत रोहतक रोड—पचायत की स्थापना सन १६५५ मे हुई। पचायत ने स्थापना के समय से तीन वर्ष ही मे एक अस्थाई चैत्यालय का रोहतक रोड मे आयोजन किया। सन १६५६ मे ५ सी. रोहतक रोड मे स्थायी दि० जैन मन्दिर का निर्माण कराया।

सभापति—ला० प्रेम चन्द, (जैना वाच क०)७/३२ दरियागज।

उप-सभापति—(१) ला० दयाचन्द (जैन टूल शाप) २४, रोहतक रोड।

(२) ला० होरी लाल ५ सी/३६, रोहतक रोड।

मत्री—ला० उग्रसेन, ५३-डी देवनगर।

उप-मत्री—श्री बी. सी जैन (दिल्ली क्लाथ मिल्स)

कोषाध्यक्ष—ला० पदम सिह, ४ सी/६ रोहतक रोड।

२५. श्री दिगम्बर जैन पचायत देवनगर—पचायत की स्थापना सन १६५४ मे हुई।

भाद्रपद मास मे देवनगर तथा आस-पास की बस्तियो मे रहने वाले जैन बन्धुओं की सुविधार्थ एक अस्थाई मंदिर का आयोजन प्रति वर्ष इस पचायत द्वारा किया जाता है। पचायत के द्वारा एक स्थाई मन्दिर के निर्माण की योजना चल रही है।

वर्तमान समिति .

१. श्री लाल चन्द-५७५६ देवनगर, करोल बाग।

२. श्री पन्नालाला, शिवनगर, करोल बाग ।
३ श्री उग्रसेन, ५३-डी देव नगर, करोलबाग ।
४. श्री आदीश्वर प्रसाद, १-डी, देव नगर, करोलबाग ।
५. ला० इन्दर सैन, ५० ए० गली न० १, कृष्णनगर ।
६ ला० चेतनलाल, देवनगर बस स्टैंड के पास ।

२६. श्री दि० जैन पंचायत, मोडल बस्ती—मोडल बस्ती क्षेत्र के दि० जैनियो की सामाजिक एव धार्मिक संस्था है ।

पचायत की ओर से पर्यू षण पर्व पर एक अस्थायी चैत्यालय की व्यवस्था की जाती है। स्थायी मन्दिर के निर्माण के लिये भी पचायत प्रयत्नशील है ।

प्रधान—श्री सुलतान सिह, ३७ मोडल बस्ती ।
उप-प्रधान—श्री जोती प्रसाद, १०२ ए, मोडल बस्ती ।
मंत्री—श्री दया दीपक प्रकाश, २७, मोडल बस्ती ।
उप मन्त्री—श्री राम भज, मंडी अनाज, मोडल बस्ती ।
कोषाध्यक्ष—श्री खूब चन्द्र, १०५ मोडल बस्ती ।

२७. श्री दिगम्बर जैन बिरादरी—बिरादरी की स्थापना सन १९४० में हुई । यह नई दिल्ली के दिगम्बर जैनो की पचायत है ।

बिरादरी द्वारा भगवान् महावीर जयती के अवसर पर स्थानीय वार्षिक रथयात्रा का आयोजन, श्रुत पचमी पर्व, पर्यू पण पर्व तथा अन्य धार्मिक पर्वो पर सामूहिक पूजन, शास्त्र प्रवचन, कीर्तन, भजन आदि की व्यवस्था तथा जैन साहित्य के प्रचार व शास्त्र-स्वाध्याय की प्रवृत्ति को बढाने के लिये शास्त्र- भण्डार मे उपयुक्त साहित्य का संचय कर उसका प्रबन्ध किया जाता है ।

प्रधान—ला० राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिग रोड ।
उप-प्रधान—ला० माम चन्द ठेकेदार, ६५ जैन मन्दिर राड ।
मत्री—श्री बलवीर चन्द्र, ३६ वाई. चित्रगुप्त रोड ।
उप-मत्री—श्री वकील चद्र, ५३ ई. राजाबाजार ।
कोषाध्यक्ष—श्री राजाराम, ३८ सी बेयर्ड रोड ।

२८. जैन सभा लोदी कालोनी—लोदी कालोनी व अन्य निकट के क्षेत्रों के जैनो की सामाजिक एव धार्मिक सस्था है । सभा के कार्यों मे चैत्यालय की स्थापना व वार्षिक महावीर जयती महोत्सव मुख्य है ।

प्रधान—श्री शुभचन्द्र, ८/II८०६, लोदी कालोनी ।
उप-प्रधान—श्री प्रेमचन्द्र, २३/१७०, लोदी कालोनी ।
मन्त्री—श्री कामता प्रसाद, सी-२/११०, लोदी कालोनी
सं० मन्त्री—श्री सतीश चन्द्र, सी-२/११०, लोदी कालोनी ।
(२) श्री सुखानन्द कुमार, १०/२३७, लोदी कालोनी ।
कोषाध्यक्ष—श्री रामरक्षपाल, १७/६१८, लोदी कालोनी ।

२९. जैन सभा जंगपुरा, भोगल—यह जगपुरा (भोगल) उप नगर के जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है । सभा की स्थापना लगभग १० वर्ष पूर्व हुई थी ।

सभा द्वारा स्थानीय दि० जैन चैत्यालय, जैन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल, व औषधालय की व्यवस्था होती है ।

प्रधान—ला० फतेह चन्द, सेंट्रल रोड, जगपुरा ।
मत्री—श्री सुमेर चन्द्र, समन बाजार, जगपुरा ।
कोषाध्यक्ष—ला० सुलतान सिह, भोगल रोड, जगपुरा ।

३०. जैन सभा (दक्षिण)—इस सभा की स्थापना सन १९५४ मे हुई । यह सफदरजग हवाई अड्डे के दक्षिण पश्चिम नवीन गवर्नमेंट कालोनीज आदि क्षेत्रो मे रहने वाले जैनो की धार्मिक एवं सामाजिक सस्था है । सभा द्वारा भ० महावीर जयंती महोत्सव, पर्यू षण-पर्व तथा भ० महावीर निर्वाण महोत्सव आदि का आयोजन किया जाता है । पर्यु षण पर्व पर एक चैत्यालय भी स्थापित किया जाता है । इसके अतिरिक्त समय समय पर धार्मिक प्रवचन व सामाजिक उत्सव का आयोजन भी होता है । विगत कुछ माह से नेताजी नगर मे एक नियमित चैत्यालय की स्थापना की गई है जहा जैन साहित्य का सकलन भी है ।

प्रधान—श्री सुमेर चन्द्र, डी-II/२८९ विनय मार्ग ।
उप-प्रधान—श्री अजीत प्रसाद बी-९२ (ई० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर ।
उप-प्रधान—श्री मेहर चद्र, डी जी. १०४२ सरोजिनी नगर ।
महा मत्री- श्री रमेशचद्र, बी-४९ लक्ष्मीबाई नगर ।
उप-मत्री—श्री सुरेन्द्र कुमार, ई. पी टी ११० सरोजिनी नगर ।
कोषाध्यक्ष—श्री जगत प्रसाद, डी-७७ लक्ष्मीबाई नगर ।
क्षेत्र १—मंत्री—श्री त्रिलोकचंद्र, सी-६०१ सरोजिनी नगर ।

" —उपमंत्री—श्री शांति प्रसाद, एक्स. २२७ सरोजिनी नगर।

क्षेत्र २—मंत्री—श्री वीरेन्द्र कुमार, जी-६२२ सरोजिनी नगर।

" —उपमंत्री – श्री प्रकाश चन्द्र, एच-१०० सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ३—मंत्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद, के-७७ सरोजिनी नगर।

" उपमंत्री—श्री कैलाश चन्द्र, ई टी.टी ११० सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ४—मंत्री—श्री नमेश्वर दास, बी. डी १०४२ सरोजिनी नगर।

" उपमंत्री—श्री कैलाश चन्द्र, जी आई सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ५—मंत्री—श्री निरंजन दास, जी आई सरोजिनी नगर।

क्षेत्र ६—मंत्री—श्री सोहनलाल, ए-१०५ लक्ष्मीबाई नगर।

" उपमंत्री—श्री बूटा सिंह, बी-६६ लक्ष्मीबाई नगर।

क्षेत्र ७—मंत्री—श्री नंद लाल, युसफसराय।

३१. जैन सभा मोती बाग—सभा की स्थापना सन १६५६ मे हुई। यह सम्पूर्ण मोती बाग क्षेत्र के जैनो की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री प्रकाश चन्द्र, बी-११६ मोती बाग I।

उप-प्रधान—श्री रतन लाल, बी ७ दक्षिण मोती बाग।

मंत्री तथा कोषाध्यक्ष—श्री सुमत प्रसाद, ए-३०१ मोती बाग I।

३२. जैन समाज शहादरा—यह समाज शहादरा के दिगम्बर जैनो की पचायत है। इसकी स्थापना लगभग १५ वर्ष पूर्व हुई। अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यो के अतिरिक्त स्थानीय दि० जैन मन्दिर जी, दि० जैन धर्मशाला व मिडिल स्कूल की व्यवस्था करती है।

प्रधान—ला० नन्द किशोर, फर्श बाजार, शहादरा।

उप-प्रधान—ला० लक्ष्मी चन्द्र, गली मदिर वाली शहादरा।

मन्त्री—ला० भब्बूमल, टेली० एक्सचेंज के सामने, जी० टी० रोड, शहादरा।

स० मन्त्री व कोषाध्यक्ष—ला० रमेश चन्द्र, बूरा मंडी शहादरा।

३३. जैन सभा चिराग दिल्ली—यह चिराग दिल्ली क्षेत्र के दिगम्बर जैनो की धार्मिक एव समाजिक संस्था है। सभा द्वारा स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर की व्यवस्था होती है तथा वार्षिक पर्यूषण पर्व के पश्चात जलयात्रा महोत्सव व अन्य धार्मिक समारोह किये जाते हैं।

३४. श्री अग्रवाल दि० जैन पंचायत नजफगढ़—पचायत स्थानीय दिगम्बर जैनो की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। यह स्थानीय मन्दिर जी, धर्मशालाओ तथा बगीची के साथ अन्य सम्बन्धित जमीन व जायदाद आदि का प्रबन्ध करती है।

अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर प्रति वर्ष रथयात्रा व जलयात्रा महोत्सव भी पचायत द्वारा आयोजित किया जाता है।

प्रधान—ला० पन्नालाल, तेज अखबार वाले।

उप-प्रधान—ला० भगवानदास, (मैं० भगवानदास धर्मवीर, क्लाथ मर्चेंट), नजफगढ।

मन्त्री—ला० जयती प्रसाद, नजफगढ।

कोषाध्यक्ष—श्री अतर सेन, नजफगढ।

पचायत की ओर से मन्दिर कमेटी निम्नलिखित पदाधिकारियों की है

प्रधान—ला० नत्थमल, इंजीनियर, नजफगढ।

मन्त्री—ला० दरबारीलाल, टिम्बर मर्चेंट, नजफगढ।

३५. जैन सभा मिंटो रोड—सभा की स्थापना सन १६५१ मे हुई। यह सभा मिंटो रोड तथा उसके निकट के क्षेत्रो मे रहने वाले जैनो की सामाजिक व धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री फतेह चन्द, ५७, मीरदर्द रोड।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री प्रेमसागर, ७६ रनजीतसिंह रोड।

३६. जैन बन्धु (श्रीनिवासपुरी)—यह श्रीनिवासपुरी उपनगर के जैनों की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है।

प्रधान—श्री कीर्तिचन्द्र, जी ३३४, श्री निवासपुरी।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री शीतल प्रसाद, जी. ३२६, श्रीनिवासपुरी।

३७. श्री आत्मानन्द जैन सभा (२/८२, रूपनगर)—इस सभा, की स्थापना सन १६४८ मे हुई। यह रूपनगर

क्षेत्र के श्वेताम्बर-मूर्तिपूजक जैनो की सामाजिक व धार्मिक संस्था है। सभा के द्वारा जैन मन्दिर, रूपनगर का निर्माण व प्रतिष्ठा हुई है। साधु व साध्वियो के लिये एक उपाश्रय का निर्माण करवाने में भी यह सभा प्रयत्नशील है।

प्रधान—ला० सुन्दरलाल, ४० यू० ए० बगलो रोड, जवाहर नगर।

उप-प्रधान—ला० खैरातीशाह गली मन्दिर वाली, २/८० रूपनगर।

मन्त्री—ला० इन्द्र प्रकाश, पंजाब नेशनल बैंक, कश्मीरी गेट।

स० मन्त्री—ला० अमीचन्द्र, २/८० रूपनगर।

कोषाध्यक्ष—ला० रामलाल (फर्म-मनोहर लाल रामलाल) रूपनगर।

३८. श्री पार्श्वनाथ युवक मण्डल (जैन धर्मशाला, पहाडी धीरज)—मण्डल की स्थापना सन १९४० मे हुई।

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित उप-सस्थाए कार्य कर रही है :

(१) श्री शिवदयाल जैन फ्री नाइट स्कूल, पहाडी धीरज।

(२) बर्तन भडार समिति, पहाडी धीरज।

(३) टी० बी० निवारण समिति।

(४) जन-सम्पर्क समिति, व

(५) सिलाई-मशीन वितरण समिति।

इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण धार्मिक एव सामाजिक अवसरो पर सामूहिक आयोजन भी होते है।

प्रधान-हेमचन्द्र (एक्स-एम० एल० ए०) ४६९०, गली उमराव वाली, पहाडी धीरज।

उप-प्रधान—(१) श्री सुल्तान सिंह, ४१७८, गली अहीरन, पहाडी धीरज।

(२) मामचन्द्र, ४५९४, गली नत्थन सिह, पहाडी धीरज।

मन्त्री—श्री करमचन्द्र, ७१२१ मडीघास, प० धीरज।

उप-मन्त्री—श्री दयादीपक प्रकाश, २७-ए, मोडल बस्ती।

कोषाध्यक्ष—श्री फीरोजी लाल, प्रेम भवन, पहाडी धीरज।

३९. श्री जैन संगठन सभा (पहाडी धीरज, सदर बाजार)—सभा की स्थापना सन १९२३ मे हुई। यह पहाडी धीरज व सदर के जैनो की प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक सस्था है। सभा के कार्यों मे निम्नलिखित विशेषरूप से उल्लेखनीय है :

(१) जैन सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय—

पुस्तकालय में अग्रेजी, हिन्दी व उर्दू की लगभग १०,००० पुस्तके है, वाचनालय मे लगभग ५० दैनिक, साप्ताहिक इत्यादि, पत्र पत्रिकाए आते है। इस विभाग के मन्त्री श्री सूरजभान गुप्ता घडी वाले व अजित प्रसाद, पहाडी धीरज, वाले है।

(२) जैन धार्मिक ग्रन्थ भण्डार—

भण्डार मे लगभग २००० ग्रन्थो का सग्रह है। स्वाध्याय के लिये ग्रन्थ नि शुल्क दिये जाते है भडार की ओर से ४ साप्ताहिक तथा १० मासिक पत्र भी मगाये जाते है।

भडार-मन्त्री श्री महावीर प्रसाद हैं।

(३) जैन मैरिज ब्यूरो—

शादी योग्य युवक व कन्याओ का ब्योरा उपलब्ध करना व विवाहो मे सादगी इत्यादि को प्रोत्साहन देना मुख्य कार्य है। इसके मन्त्री बलवन्त सिह, वाइस-प्रिसिपल, हीरालाल जैन हायर सेकेंड्री स्कूल, सदर बाजार है।

(४) प्रकाशन विभाग—

धार्मिक विषयो पर ट्रेक्ट प्रकाशित किये जाते है। इस विभाग के मन्त्री श्री एन० आर० शाह, पहाडी धीरज है।

प्रधान—श्री नन्हेमल २५, डिप्टीगज।

उप-प्रधान—श्री नेमचन्द्र (हैट वाले)।

मन्त्री—डा० फूल चन्द, पहाडी धीरज।

उपमन्त्री—श्री भगतराम, ३०२३ बहादुरगढ़ रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री करम चन्द्र, पहाडी धीरज।

४०. आत्मानन्द जैन सभा (प्रेम भवन, किनारा बाजार)—सभा के सदस्यो की कीर्तन मण्डली ख्यातिप्राप्त है।

प्रधान—श्री खैराती लाल, रबर का कारखाना, शहादरा।

मन्त्री—श्री इन्द्र प्रकाश, पजाब नेशनल बैंक कश्मीरी गेट।

४१. श्री आत्मवल्लभ प्रेम भवन (मैनेजिंग कमेटी, २०४६, किनारी बाजार)—इस कमेटी की स्थापना सन १६५५ में हुई। यह कमेटी बाहर से आये हुए श्वेताम्बर मूर्तिपूजक साधुओ व साध्वियों के ठहरने इत्यादि की व्यवस्था करती है। इसके अतिरिक्त इसके द्वारा एक सार्वजनिक पुस्तकालय व वाचनालय भी चलाया जा रहा है।

प्रधान—श्री नानक चन्द, जैना होज़री वर्क्स, कुतुब रोड।

उप-प्रधान—श्री रतनलाल दूगड, शीशमहल, कटरा खुशालराय।

मन्त्री—श्री अक्षय कुमार, १८०३, चीरा खाना, माली वाडा।

उप-मन्त्री—श्री प्रताप चन्द, कटरा खुशालराय।

कोषाध्यक्ष—श्री विजय सिंह, नौघरा, किनारी बाजार।

४२. जैन तरुण समाज (चीराखाना)—समाज की स्थापना लगभग ३० वर्ष पूर्व सर्वश्री दौलतसिंह जी, कमला प्रसाद जी व राजेन्द्र कुमार जी के सदप्रयत्नो से हुई। समाज द्वारा असहायो को आर्थिक सहायता की व्यवस्था की जाती है तथा शादी के अवसर पर पाणि-ग्रहण सस्कार सम्बन्धी उपकरण उपलब्ध किये जाते है।

प्रधान—श्री रोशनलाल (मै० मोहनलाल रोशनलाल, सर्राफ) चादनी चौक।

उप-प्रधान—श्री नौरतन चन्द, गली अनार, किनारी बाजार।

मन्त्री—श्री दौलतसिंह, १००४, गली लाड़े वाली माली वाडा।

उप-मन्त्री—श्री अक्षयकुमार, चीराखाना।

कोषाध्यक्ष—श्री ज्ञानचन्द सूजन्ती, सत्ताइसघरा, किनारी बाजार।

४३. जैन विद्यार्थी मण्डल (जैन भवन, मकान न० ४८६४, २४ दरियागज)—मण्डल की स्थापना सन १६३५ मे हुई।

मण्डल की ओर से प्रतिमास एक पत्रिका 'ज्ञान ज्योति सरकुलर' के नाम से प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त मण्डल धर्मार्थ होम्योपैथिक औषधालय का भी संचालन होता है। मण्डल के मन्त्री डा० हरनारायण दास जी है।

४४. जैन विद्यार्थी सभा (जैन साहित्य सदन, चांदनी-चौक)—सभा की स्थापना स्थानीय विद्यार्थी नवयुवको द्वारा सन १६६० मे हुई। सभा जैन विद्यार्थियो की साहित्यिक सस्था

प्रधान—श्री गोकुल प्रसाद, २१ दरियागज

मत्री—श्री नेमी चन्द्र, दि० जैन लाल मन्दिर, चादनी चौक।

४५. जैन प्रेम सभा (चाहरहट)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते है, तथा एक दूसरे के सुख-दुख मे सम्मिलित होते है।

सभा का एक बर्तन भडार है जिससे शादी विवाह के लिये बर्तन उपलब्ध होते है।

प्रधान—ला० राम लाल, ४ टोडरमल रोड।

उप-प्रधान—(१) ला० सुशीलाल कागजी, मुंशी निकेतन, आसफ अली रोड।

(२) ला० प्रकाश चन्द्र जौहरी, दरियागज।

मत्री—ला० कुन्दन लाल मादीपुरिया, कटरा खुशालराय।

स० मन्त्री—ला० पवन कुमार कोठी वाले दरीबा-कला।

कोषाध्यक्ष—ला० जुगल किशोर कागजी, दुखाना हाउस, चावडी बाजार।

४६. जैन सत्संग सोसाइटी (गली गुलियान)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते है तथा एक दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होते है।

प्रधान—ला० रतन लाल बिजली वाले, दरियागज।

मत्री—श्री बिमल प्रसाद, सतघरा, धर्मपुरा।

४७. जैन वीर सभा (गली गुलियां, चाहरहट)—सभा के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढाते है तथा एक दूसरे के सुख-दुख मे सम्मिलित होते है।

सभा के बर्तन भण्डार से शादी विवाह के लिये बर्तन भी उपलब्ध होते हैं।

प्रधान—ला० फकीर चन्द, ११ दरियागज।

उप-प्रधान—ला० चेतनदास, कूंचा आलम चन्द किनारी बाजार।

मन्त्री—ला० छगनलाल, द्वारा चिरंजीलाल छगनलाल कटरा अशर्फी।

उप-मन्त्री—ला० अतर चन्द, वकीलपुरा।

कोषाध्यक्ष—ला० सुमेर चन्द, दिल्ली वनस्पति सिंडीकेट, छ.घरा।

भंडारी—ला० अमृतलाल, वकीलपुरा।

कोठारी—ला० रघुबीर सिंह, धर्मपुरा।

४८. जैन सेवा समिति (कूंचा बुलाकी बेगम)—समिति के सदस्य प्रतिदिन एकत्रित होकर विचार-विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते हैं तथा एक दूसरे के सुख दुख में सम्मिलित होते है।

प्रधान—ला० अजित प्रसाद, (मै० मनोहर लाल अजित प्रसाद) कपडे वाले।

उप-प्रधान—(१) श्री जैनी लाल, धर्मपुरा।
(२) श्री विशम्भर सहाय सर्राफ, ७ दरियागंज।

मन्त्री—(१) श्री अजीत प्रसाद पीतल वाले, धर्मपुरा।
(२) श्री धन्नामल, कूंचा बुलाकी बेगम।

कोषाध्यक्ष—(१) श्री हुकुम चन्द्र सर्राफ, कूंचा बुलाकी बेगम।
(२) श्री नरेन्द्र कुमार सर्राफ, २५४० धर्मपुरा।

भडारी—(१) श्री बसंत लाल, कार्यालय सेवा समिति।
(२) श्री अमृत लाल वकीलपुरा।

४९. दिगम्बर जैन महिला समाज (सतघरा धर्मपुरा)—समाज जैन महिलाओ मे जाग्रति उत्पन्न करने तथा उनको उन्नत बनाने मे प्रयत्नशील है। समाज सतघरे के दिगम्बर जैन मन्दिर की व्यवस्था करती है तथा प्रतिदिन शास्त्र सभा करती है। समाज एक महिला पाठशाला का संचालन भी कर रही है जिसमे धार्मिक शिक्षा तथा हिन्दी परीक्षाओ का प्रबन्ध है। समाज की ओर से वार्षिक भ० महावीर जयंती महोत्सव तथा समय समय पर सार्वजनिक सभा आदि का आयोजन होता है।

अध्यक्षा—श्रीमती सुशीला सुलतान सिंह, कश्मीरी गेट।

मंत्राणी—श्रीमती सूरजदेवी, वकीलपुरा।

आदर्श समाज—समाज के सदस्य समय समय पर एकत्रित होकर विचार विमर्श व मनोरंजन आदि द्वारा पारस्परिक स्नेह बढ़ाते है।

प्रधान—श्री नेम चन्द्र मित्तल, कूंचा बुलाकी बेगम।

उप-प्रधान—श्री सुलतान सिंह, १६ दरियागंज।

मन्त्री—श्री सनत कुमार, कूंचा सेठ।

कोषाध्यक्ष—श्री काशीराम, कूंचा उस्ताद हीरा बाजार गुलियान।

संघपति—श्री शील चन्द्र, मित्र भवन ११ दरियागज।

५१. श्री जैन खतरगच्छीय संघ (जैन पौशाल, कटरा खुशाल राय)—यह स्थानीय श्वेताम्बर मूर्ति पूजक खत्तरगच्छीय जैनो की धार्मिक सस्था है। सघ वर्तमान मे छोटी दादा वाड़ी मसजिद मोठ की व्यवस्था कर रहा है।

प्रधान—ला० अमीर चन्द राक्याण, नौघरा, किनारी बाजार।

उप-प्रधान—ला० छोगमल, चीराखाना, गली कायस्थान।

मन्त्री—श्री दौलत सिंह, १०३४ गली लाड़े वाली माली वाड़ा।

उपमन्त्री—ला० मोती चन्द, गली किशनदत्त, माली वाड़ा।

कोषाध्यक्ष—ला० इंदर चन्द भंसाली, कटरा रोशन-उद-दौला, किनारी बाजार।

५२. श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर पूजा समिति (चीराखाना)—उपर्युक्त मन्दिर की व्यवस्था तथा अन्य धार्मिक समारोहों का आयोजन यही सस्था करती है।

प्रधान—श्री सिताब चन्द, चीराखाना।

मन्त्री—श्री अक्षय कुमार, १८०३ चीराखाना।

कोषाध्यक्ष—श्री मोती चन्द, गली किशनदत्त माली-वाडा।

५३. जैन समाज दिल्ली—भगवान महावीर जयंती के अवसर पर शहर मे प्रति वर्ष निकलने वाले जुलूस का आयोजन कई वर्षों से समाज द्वारा हो रहा है।

प्रधान—ला० नन्हेमल, २५ डिप्टीगंज।

उप-प्रधान—(१) ला० महताब सिंह, दरीबा कला।
(२) ला० जवाहर लाल राक्याण, १४५ सुन्दर नगर।

प्रधानमंत्री—श्री जसवत सिंह २५ डी कमला नगर।

मन्त्री—श्री नानक चन्द, डिप्टीगंज।

कोषाध्यक्ष—श्री पूरनमल ज्वैलर, दरीबा कला।

जुलूस सचालक, (१) श्री आदीश्वर प्रसाद, १ डी करौल बाग।

(२) श्री अरिदमन कुमार, ५१ डी थाम्सन रोड।

(३) ला० श्रीपाल (बाबा ग्लास क०)।

(४) श्री भगतराम, बहादुरगढ रोड।

(५) श्री ए० डी० रामलाल, सदर बाजार।

५४ श्री महावीर जैन सघ (सदर बाजार)—सघ की स्थापना सन १९५६ मे हुई। यह स्थानीय स्थानकवासी जैनो की, जिनमे कि अधिकाश पश्चिमी पजाब से आये हुऐ है, एक प्रमुख सामाजिक एव धार्मिक सस्था है। सघ की ओर से तीन धर्मार्थ औषधालयो (डिप्टीगंज, सोहनगज व ईस्ट पार्क रोड) का सचालन हो रहा है।

प्रधान—श्री कुजलाल ओसवाल ५८०६ सदर बाजार।

उप-प्रधान—श्री रामलाल (के० डी० रामलाल एण्ड क०) सदर बाजार।

मत्री—श्री कैलाश चन्द्र (स्टेट बैंक आफ इडिया)।

उप-मत्री—श्री तलक चन्द (बमन फार्मास्टिस्स) बस्ती हरफ नसिह सदर थाना रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री लोक नाथ (जैन सोप मिल्स) लाहोरी गट।

भण्डारी—श्री शादी लाल (जैन ट्रेडिंग क०) गली डाकखाना सदर बजार।

५५ जैन युवक परिषद (गली जैन मन्दिर सब्जीमडी)—परिषद की स्थापना सन १९५१ मे हुई। यह सब्जी मडी क्षेत्र की सामाजिक सस्था है। इस वर्ष भ० महावीर जयती का आयोजन परिषद ने किया था।

सरक्षक—श्री जसवंत सिंह २५ डी कमला नगर।

प्रधान—डा० विमल कुमार, ५-प्रेम भवन, पजाबी मोहल्ला, सब्जी मन्डी।

उप-प्रधान—श्री कश्मीरी लाल ४० एफ कमलानगर।

मन्त्री—श्री श्रीपाल, ४१३७ गली जैन मन्दिर, सब्जी-मण्डी।

उप-मन्त्री—श्री आदीश्वर नाथ, ४१९५ आयपुरा, सब्जी मण्डी।

कोषाध्यक्ष—श्री शांति प्रसाद, आर्यपुरा सब्जी मण्डी।

५६ जैन युवक सघ (३५ डी कमला नगर, फोन २४५०९)—सघ कमला नगर क्षत्र के युवको का सामाजिक व सास्कृतिक सगठन है। भ० महावीर जयती के अवसर पर शहर मे निकलने वाले वार्षिक जुलूस मे झाकियो आदि की व्यवस्था करने मे सघ महत्वपूर्ण भाग लेता है।

प्रधान—श्री नाथूराम गली मटके वाली, सदर बाजार।

उप-प्रधान—श्री तेजाशाह (मै० तेजशाह एण्ड सन्स) सदर बाजार।

मन्त्री—श्री धनदेव, जैन श्रमनोपासक स्कूल, रुई की मडी, सदर बाजार।

कोषाध्यक्ष—श्री महावीर प्रसाद, गली मटके वाली, सदर बाजार।

५७ जैन सभा (४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी-मण्डी)—सब्जी मण्डी के जैनो की सामाजिक व धार्मिक सस्था है।

प्रबन्ध समिति

प्रधान—श्री जुगन्दर दास जैन ४२३२ गली जैन मदिर वाली, सब्जी मडी।

उप-प्रधान—श्री गजेन्द्र कुमार जैन, ४२२४ आर्यपुरा सब्जी मडी।

" —डा० गोकुल चन्द, आयपुरा सब्जी मडी।

मन्त्री—श्री गजेन्द्र कुमार ४१३२ गली जैन मन्दिर वाली सब्जी मडी।

सयुक्त मन्त्री—श्री नेमदास, ४१३७ आर्यपुरा सब्जी मडी।

कोषाध्यक्ष—श्री धर्मदास ४१०० आर्यपुरा स० मडी।

५८ दिगम्बर जैन मदिर प्रबन्धक सोसायटी (मटोला पहाडगज)—सोसायटी स्थानीय दिगम्बर जैन मन्दिर का प्रबन्ध करती है।

प्रधान—लाला पृथ्वी सिंह मटोला।

उप-प्रधान—लाला निरन्जन दास मटोला।

मन्त्री—लाला श्रीचन्द, मटोला।

स० मन्त्री—लाला शील चन्द्र, पहाडगज।

कोषाध्यक्ष—श्री अतर सेन, मटोला, पहाडगज।

५९ सोसायटी फ़ार दी प्रोटेक्शन एण्ड मैनेजमेंट ग्राफ़ ग्रग्रवाल जैन टैम्पिलस एण्ड धर्मशालाज़ (जयसिहपुरा, नई दिल्ली)—सोसायटी द्वारा श्री ग्रग्रवाल दि० जैन मन्दिर, जयसिह पुरा तथा इससे सम्बन्धित जायदाद की व्यवस्था की जाती है।

सभापति—लाला शाम लाल ठेकेदार, ४ टोडरमल रोड।

उप-सभापति—लाला लाल चन्द, ५७५६ देवनगर।

मन्त्री—लाला शील चन्द, ३३ फीरोज़शाह रोड।

६०. **जैन यंगमेन एसोसिएशन** (नई दिल्ली)—एसोसिएशन की स्थापना सन १६३५ मे हुई। एसोसिएशन के सदस्य समय समय पर एकत्रित होकर विचार-विमर्श व खान-पान करते है।

प्रधान—श्री ज्योती प्रसाद, १०२-ए. मोडल बस्ती।

उप-प्रधान—श्री मोहन लाल काला, ४६ काकानगर।

मन्त्री—श्री हस कुमार, २७ हैवलोक स्क्वेग्रर।

उपमन्त्री—श्री जुगमन्दर दास, ४६ सी, इर्विन रोड।

कोषाध्यक्ष—श्री जय प्रकाश, २३ ग्रहिल्यावाई रोड।

६१. **जैन मिलन** (नई दिल्ली)—मिलन की स्थापना विगत वर्ष सन १६६० मे हुई। मिलन के सदस्य लगभग प्रति मास कास्टीट्यूशन क्लब मे एकत्रित होकर खान-पान व विचार-विमर्श करते हैं।

सर्वश्री बी. बी. कपासी, बी-५, पंडारा रोड व दौलत सिंह, गली लाडे वाली, मालीवाडा इसके संयोजक हैं।

६२. **जैन फ्रेंडस** (नई दिल्ली)—नई दिल्ली के जैनों को प्रगतिशील सस्था है। इसके सदस्य समय-समय पर एकत्रित होकर खान-पान तथा विचार-विमर्श करते हैं।

प्रधान—श्री ग्रादीश्वर प्रसाद, १-डी. देवनगर, करोल बाग।

मन्त्री व कोषाध्यक्ष—श्री मित्रसेन, ६३-ई. राजा बाजार।

६३. **महावीर युवक मण्डल** (श्री जैन मन्दिर छप्पर वाला कु ग्रा, करोल बाग)—मण्डल की स्थापना सन १६५७ में हुई। मण्डल युवकों के चारित्रिक व बौद्धिक विकास के लिये प्रयत्नशील है।

मण्डल के द्वारा समय समय पर भजन, कीर्तन नृत्य तथा ड्रामे ग्रादि का ग्रायोजन किया जाता है।

प्रधान—श्रीमती शकुंतला देवी, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग।

उप-प्रधान—श्री सुमेरचन्द, १८५५, गली नाई वाली नं० ४७, करोल बाग़।

कार्याध्यक्ष—श्री महेन्द्र कुमार, नाई वाली गली न० १, करोल बाग़।

मन्त्री—श्री कैलाश चन्द्र, गली ग्रहीरन, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—श्री बृजलाल, नाई वाली गली नं० २१, करोल बाग़।

६४. **श्री दि० जैन मन्दिर प्रबन्धकारिणी कमेटी** (गांधी नगर)—कमेटी की स्थापना सन १६५८ मे हुई। यह स्थानीय दि० जैन मन्दिर की व्यवस्था करती है।

प्रधान—श्री लक्ष्मीचन्द्र, ग्रा० मजिस्ट्रेट, शहादरा भवन, गली मन्दिर वाली, शहादरा।

उप-प्रधान—श्री मामचन्द्र सर्राफ गाधी नगर।

मन्त्री—(१) श्री हरिश्चन्द्र, गांधी नगर।
(२) डा० बी एस. जैन, गाधी नगर।

उप-मन्त्री—श्री शाति प्रसाद, गाधी नगर।

कोषाध्यक्ष व मैनेजर—श्री प्रकाश चन्द, गांधी नगर।

भण्डारी—श्री धन कुमार, गांधी नगर।

६५. **जैन युवक निर्माण समिति** (१५०९ कूंचा सेठ)—समिति दिल्ली शहर के जैन नवयुवकों की सांस्कृतिक संस्था है।

समिति के सदस्य धार्मिक उत्सवों पर सगीत ग्रादि के कार्यक्रम तथा शिक्षाप्रद झाकियां प्रस्तुत करते हैं। इनका एक स्वयंसेवक दल भी हैं।

प्रधान—श्री सुरेशचन्द्र २२११, कूंचा ग्रालम चन्द्र, किनारी बाजार।

उप-प्रधान—श्री सुरेशचन्द्र १३२३, गली गुलियान।

सचिव—श्री सुमत प्रसाद, १२६२, वैदवाड़ा।

उप-सचिव—श्री महेंद्र कुमार, २५६६ गली पीपल वाली।

कोषाध्यक्ष—ला० श्रीपाल, २५८४ गली पीपल वाली।

६६. श्री ग्रन्थराज भूवलय प्रकाशन समिति (जैन मित्र मण्डल कार्यालय, धर्मपुरा, दरीबा)—ग्रंथराज श्री भूवलय को प्रकाशन करने के लिए सन १९५७ में इस समिति की स्थापना की गई। आचार्य कुमुदेन्दु द्वारा रचित अंकमय शास्त्र 'श्री भुवलव' के अनुवाद और प्रकाशन का कार्य इस समिति द्वारा किया जा रहा है। श्री भूवलय का अनुसधान तथा अनुवाद आजकल श्री १०८ आचार्य देशभूषण जी महाराज द्वारा हो रहा है। इस प्रकाशन समिति मे निम्नलिखित व्यक्ति हैं :

संस्थापक—दिगम्बर जैनाचार्य श्री १०८ आचार्य देशभूषण जी महाराज।

संरक्षक—स्वार्थ सिद्धि संघ, बैंगलौर।

सभापति—श्री अजित प्रसाद ठेकेदार, चाहरहट।

उपसभापति—(१) श्री मनोहरलाल जौहरी।

(२) श्री मुन्शीलाल कागजी, चावडी बाजार।

मन्त्री—(१) श्री महताब सिह जौहरी, दरीबा।

(२) श्री आदीश्वर प्रसाद, करोल बाग।

(३) श्री पन्नालाल (तेज अखबार)।

कोषाध्यक्ष—श्री नेमचन्द जौहरी।

प्रकाशन प्रबन्धक—(१) श्री मुनीन्द्र कुमार, डी २/६ माडल टाउन, माल रोड।

(२) ला० छुट्टन लाल कागजी, चावडी बाजार।

(३) श्री रघुबर दयाल, बिजली वाले।

६७. जैन सस्ती ग्रथ माला (नया मन्दिर, धर्मपुरा)—इस सस्था की स्थापना सन १९५१ मे पूज्य १०५ क्षुल्लक श्री चिदानन्द जी महाराज ने "वीर सेवा मन्दिर सस्ती ग्रन्थ माला" के नाम से की। इस ग्रथ माला की ओर से अब तक अनेक उपयोगी ग्रथ तथा पुस्तिकाए प्रकाशित की जा चुकी है।

प्रधान—लाला हुकमचन्द, धर्मपुरा।

मन्त्री—मुन्शी सुमेर चन्द, गली पीपल वाली कूंचा सेठ।

कोषाध्यक्ष—लाला जुगल किशोर कागजी, दुजाना हाउस, चावडी बाजार।

भण्डारी—लाला शीतल प्रसाद, गली पीपल वाली।

६८. अहिंसा प्रचार शास्त्र सभा (जैन अनाथाश्रम, दरियागंज)—सभा जैन अनाथाश्रम में स्थित मन्दिर मे नित्य शास्त्र सभा और अन्य अवसरों पर धार्मिक-प्रवचनो का आयोजन करती है। सभा के मंत्री श्री देव कुमार, २१, दरियागंज है।

६९. अहिंसा एकेडमी, (२१/१७ दरियागज)—एकेडमी की स्थापना श्री गोकुल प्रसाद जी डाबर द्वारा सन १९५५ में हुई। एकेडमी द्वारा जैन साहित्य और इतिहास के कई अनुसंधानकर्ताओ को अपेक्षित सहायता प्रदान की गई है। इसके कार्य-सचालन मे पडित परमानन्द शास्त्री व पडित हीरालाल 'कौशल' आदि प्रमुख सहयोगी है।

७० श्री जैन पार्श्व समिति (जैन पौशाल, कटरा खुशालराय)—नवयुवकों मे सगठन, सेवा व स्वाध्याय की भावना उन्नत करने के लिए यह सस्था प्रयत्न करती है। समिति द्वारा पचमी महोत्सव कार्तिक सुदी पचमी को प्रति वर्ष सार्वजनिक रूप से मनाया जाता है।

प्रधान —श्री राजेन्द्र कुमार, माली वाडा।

मन्त्री—श्री चन्द्रेश कुमार, गली नौघरा, किनारी बाजार।

७१ जैन स्पोर्टस क्लब, (परेड ग्राउड)—यह क्लब श्री दिगम्बर जैन, लाल मन्दिर जी के सन्निकट है। इसकी स्थापना सन १९३२ में हुई। यह दिल्ली के जैनो की एक मात्र स्पोर्टस (खेलो) की संस्था है। यह दिल्ली जिला क्रिकेट-एसोसियेशन से सम्बन्धित है तथा समय समय पर टूर्नामिंटस मे भी भाग लेता है।

क्लब की सदस्यता लगभग १४० व्यक्तियो की है, जिसमें इतर लोग भी है।

प्रधान— लाला राजेन्द्र कुमार, ११ कीलिग रोड।

उप-प्रधान— डा० सी० आर० जैना, डेंटिस्ट, फुव्वारा, चादनी चौक।

महामन्त्री—लाला हरीचन्द्र (आइवरी पैलेस के ऊपर) १०७४, शीशमहल।

गेम्स-मन्त्री—श्री मदन मोहन लाल, कूचा सेठ।

स० मन्त्री—श्री प्रकाश चन्द्र, धर्मपुरा।

कोषाध्यक्ष - लाला इन्दर सेन, ५-ए. दरियागज।

७२. जैन ड्रेमेटिक क्लब (पहाडी धीरज)—क्लब की स्थापना सन १६४३ मे हुई। क्लब के द्वारा दिल्ली नगर व निकटवर्त्ती क्षेत्रों में सती मनोरमा, सती अजना, मेवाड गौरव, दानवीर भामाशाह, समाज की वेदी पर, बहूरानी आदि धार्मिक व सामाजिक नाटको का प्रदर्शन किया जाता रहा है। क्लब के पास अपनी नाटक सम्बन्धी सभी सामग्री मौजूद है।

प्रधान—लाला नन्हें मल, २५ डिप्टीगज।

उप-प्रधान—(१) लाला नेम चन्द (हिन्द ट्रेडिंग कम्पनी) गली बरना, सदर बाजार।

(२) श्री महावीर प्रसाद, गली मदिर वाली, पहाडी धीरज।

डायरेक्टर—(१) श्री दया दीपक प्रकाश, २७-ए. मोडल बस्ती।

(२) श्री फूल चन्द्र आजाद, डिप्टीगंज।

मत्री—श्री विशेशर नाथ, गली नत्थन सिह, पहाडी धीरज।

उप-मंत्री—डा० फूल चन्द्र, पहाडी धीरज।

स्टेज इचार्ज—श्री अजीत प्रसाद, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज।

कोषाध्यक्ष—प्रो० बलवन्त सिह, डिप्टीगज।

७३. जैन मन्दिर सभा, दिल्ली कैंट (छावनी)—सभा की स्थापना सन १६५७ में हुई।

सभा दिल्ली छावनी क्षेत्र के जैनो की धार्मिक सस्था है। इसके द्वारा पर्यूषण पर्व मे अस्थायी चैत्यालय की व्यवस्था होती है।

सभा इस क्षेत्र मे स्थायी जैन मन्दिर के निर्माण के लिये प्रयत्नशील है।

प्रधान—ला० वजीरा लाल ठेकेदार, सदर बाजार दिल्ली कैंट।

उप प्रधान—श्री चम्पालाल ठेकेदार, मोरम नगर दिल्ली कैंट।

जनरल सेक्रेट्री—श्री दयाराम, सदर बाजार, दिल्ली कैंट।

कोषाध्यक्ष—श्री हरीचन्द्र, सदर बाजार, दिल्ली कैंट।

७४. अखिल विश्व जैन मिशन दिल्ली शाखा (१३१४ गली गुलियान, दरीबा)—अखिल विश्व जैन मिशन की स्थापना बाबू कामता प्रसाद, अलीगंज, एटा, बाबू अजित प्रसाद एडवोकेट, लखनऊ, व प० सुमेर चन्द 'शास्त्री', दिल्ली आदि के सदप्रयत्नो से हुई। इसका प्रथम अधिवेशन पूज्य १०५ क्षुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी के तत्वाधान मे महावीर नगर, डिप्टीगज, दिल्ली मे हुआ। दिल्ली शाखा के द्वारा समय समय पर विदेशी विद्वानो को जैन साहित्य आदि भिजवाने का कार्य किया जाता है।

इसके सयोजक प० सुमेर चन्द 'शास्त्री', १६१४ गली गुलियान है।

७५. जैन पुरातत्व समिति—पजाब नेशनल बैंक बिल्डिग, पार्लियामेंट स्ट्रीट-समिति की स्थापना दिल्ली मे अक्तूबर सन १६५६ मे जैन कन्वेशन के फलस्वरूप हुई। समिति ने मध्य प्रदेश मे स्थित सभी प्राचीन जैन तीर्थ स्थानों की सुरक्षा तथा जीर्णोद्धार का भार लिया है। समिति के कार्य सचालन के लिये साहू शांती प्रसाद जी ने २॥ लाख रुपये को राशि प्रदान की है।

प्रधान—सेठ भाग चन्द्र सोनी, अजमेर

उप प्रधान—(१) साहू शाती प्रसाद, ११ क्लाइव रो कलकत्ता ६, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली।

(२) ला० राजेन्द्र कुमार' ११ कैनिग रोड, नई दिल्ली।

मत्री—डा० एस सी किशोर, ५४१ एस्प्लेनेड रोड, दिल्ली।

नाट्य भारती (हिन्दी-सस्कृत के रगमच की विकासोन्मुखी सस्था)—इस संस्था की स्थापना १५ जुलाई १६६१ को हुई। सस्था की ओर से हिन्दी-सस्कृत के रगमच के विकास के लिए सुसगठित प्रयत्न आरम्भ किया गया है।

वर्तमान मे इसके निम्नलिखित डायरेक्टर्स है।

(१) श्री मुनीन्द्र कुमार डी २/६ माडल टाउन मालरोड दिल्ली-६

(२) श्री नरेन्द्र पाल नरेश, ६६५/११७ शांति भवन, कैलाश नगर, दिल्ली-३१.

(३) श्री सुखमाल चन्द, ११ दरियागज, दिल्ली-६.

(४) श्री चेतन स्वरूप, 'सुमन', २१ मुदगल भवन, दरियागज, दिल्ली-६.

७७. वेजीटेरियन क्लब (११६ सुन्दर नगर, फोन-७५२०३)—क्लब की स्थापना सन १६५८ मे हुई। क्लब द्वारा शाकाहार के प्रचार के लिये समय समय पर जनसभाओ का आयोजन किया जाता है जिनमे देश विदेश के सम्माननीय शाकाहारियो के भाषण कराये जाते है।

क्लब के सदस्य परस्पर प्रति मास 'सोशल गेदरिंग' अथवा 'पिकनिक' के रूप में मिलते है तथा शाकाहार के प्रचार के लिये परस्पर विचार-विमर्श करते है।

प्रधान—श्री वी एच डालमिया, ४ सिंदिया हाउस।

उप-प्रधान—श्री ब्रज मोहन रायजादा

डिलाइट सिनेमा, आसफअली रोड।

मत्री—श्री निहाल चन्द्र रायजादा

५८ जनपथ।

उप-मत्राणी—श्रीमती प्रीति जिदल

११६ सुन्दर नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री एन. डी. कपूर

२ ए शकर मार्केट।

७८. अहिंसक पार्टी (१/६ जिदल हाउस, आसफअली रोड, फोन २२६४०५)—पार्टी की स्थापना सन १६५७ मे हुई।पार्टी अहिसा प्रचार मे प्रयत्नशील है। विगत वर्षो मे पार्टी द्वारा खाद्य सामग्री, औषधि-निर्माण तथा मनोरजन के लिये किये जाने वाले पशु तथा पक्षीवध का भी विरोध किया गया है।

श्री अमृत लाल जिदल, ११५ सुन्दर नगर, पार्टी के कन्वीनर तथा मत्री है।

७९. इण्डियन वेजीटेरियन कांग्रेस (१/६ जिदल हाउस, आसफ अली रोड, फोन-२२६४०५)-काग्रेस शाकाहार प्रचार के लिए प्रयत्नशील है।

प्रधान—सरदार मोहन सिंह, ६ फ्रैंच कालोनी।

उप प्रधान—श्री आनन्द राज सुराना

१३६० चादनी चौक।

मत्री—श्री अमृत लाल जिदल

११६ सुन्दर नगर।

कोषाध्यक्ष—श्री हसराज गुप्ता

२० बाराखम्बा रोड।

८०. दिल्ली जैन हू-इज-हू कम्पाइलेशन समिति (डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड, दिल्ली ६)--समिति दिल्ली के दिवगत और वर्तमान प्रमुख जैनो के जीवन वृत्त (Life Sketches) के सकलन व प्रकाशन के लिये प्रयत्नशील है।

संपादक मंडल

चेअरमेन—ला० डिप्टीमल जैन

१४५८ चादनी चौक।

सदस्यगण—(१) श्री पन्ना लाल

चर्खेवालान, गली कन्हैया लाल अत्तार।

(२) श्री माई दयाल

४५६६ डिप्टीगज।

(३) श्री आदीश्वर प्रसाद

१-डी. करोल बाग।

(४) श्री मुनीन्द्र कुमार

डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड।

(५) श्री चक्रेश कुमार

२८ सी बेयर्ड रोड।

८१. श्री दिगम्बर जैन रथयात्रा प्रबंधक कमेटी (गदा नाला, मोरी गेट)—कमेटी द्वारा दिगम्बर जैन मन्दिर गदा नाला, मोरी गेट से सम्बन्धित वार्षिक रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है।

प्रधान—श्री अमर सिह, मोरी गेट।

उप प्रधान—ला० पारसदास मोटर वाले

डा० मुकर्जी मार्ग।

मत्री—श्री केशोदास

मोरी गेट।

कोषाध्यक्ष—श्री महताब सिह

औषधालय व चिकित्सालय

(पृष्ठ ४५ से आगे पढिये)

१२. श्री महावीर जैन परमार्थिक औषधालय (४ टोडरमल रोड, फोन-४०६५६—औषधालय की स्थापना लाला शामलाल जी ठेकेदार द्वारा सन १६५३ मे हुई। इस मे आयुर्वेदिक चिकित्सा नि शुल्क दी जाती है। लगभग ३० व्यक्ति प्रतिदिन लाभ उठाते हैं।

औषधालय सस्थापक के अपने निजी भवन मे स्थित है और वे स्वय इसकी व्यवस्था करते है।

१३ महावीर जैन औषधालय (माली वाडा, फोन-२२०६०७)—औषधालय की स्थापना सन १६३६ मे यती रामपाल जी तथा अन्य महानुभावों के सद्प्रयत्नो द्वारा हुई। औषधालय मे आयुर्वेदिक, एलोपेथिक, सर्जरी, होम्यो-पैथिक, दन्त-चिकित्सा, नेत्र-चिकित्सा आदि सभी प्रकार की चिकित्सा की नि शुल्क व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त बीमार पीडित पक्षियो को सहायता पहुचाने का भी प्रबन्ध है। बच्चो को दुग्ध-वितरण भी होता है। औषधालय की ओर से फर्स्ट-एड कोर्स की कक्षायें भी लगायी जाती हैं। औषधालय से लगभग एक लाख रोगी प्रति वर्ष लाभ उठाते है। यहा से शादी, विवाह आदि सामाजिक अवसरो के लिए नि शुल्क क्राकरी भी उपलब्ध की जाती है।

प्रधान—लाला अमीरचन्द राक्याण, नौघरा, किनारी बाजार।

उप-प्रधान— श्री सिताब चन्द जौहरी, चीराखाना। श्री मुर्लीधर सिहानिया, (तुलसीराम जग्गीमल) क्लाथ मार्केट, चादनी चौक।

मत्री—श्री दौलत सिह, गली लाडे वाली, माली वाडा।

१४. जैन औषधालय (जगपुरा, भोगल)—औषधालय मे नि शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा है। लगभग २०० रोगी प्रतिदिन लाभ उठाते है। चिकित्सक श्री राजेन्द्र कुमार जैन वैद्य, गुरुद्वारा के पास, जगपुरा, नई दिल्ली है। यहा के व्यय की पूर्ति मुख्यतया एक ट्रस्ट द्वारा होती है, शेष व्यवस्था आदि स्थानीय जैन सभा करती है।

१५ परिन्दों का हस्पताल (श्री दि० जैन लाल मदिर)—हस्पताल की स्थापना सन १६०३ मे स्थानीय दि० जैन समाज द्वारा हुई।

यह हस्पताल पक्षियो की विधिवत् चिकित्सा के लिए अपनी तरह की एशिया में ही नही वरन् सभवत विश्व में एक ही सस्था है। यहा प्रति वर्ष लगभग ८,००० या ६,००० पक्षी चिकित्सा के लिए प्रवेश होते हैं जिनमे ६० प्रतिशत स्वस्थ होकर उड़ा दिये जाते है, इस प्रकार विगत १० वर्षों में लगभग ८०,००० पक्षियो की प्राण रक्षा हुई है।

जैन पत्र व पत्रिकाएं

धार्मिक पत्र व पत्रिकाएं

१. जैन गजट—साप्ताहिक

यह भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा का मुख पत्र है। एक प्रति का मूल्य चार आना व वार्षिक शुल्क छः रुपया है।

सम्पादक—पं० अजित कुमार शास्त्री, अभय प्रेस, किदार हाता, पहाडी धीरज।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री देवकुमार जैन, १६६६ मारवाडी कटरा, नई सडक।

२. जैन प्रकाश—साप्ताहिक

यह अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ्रेंस का मुख पत्र है। इसका वार्षिक मूल्य सात रुपया है।

सम्पादक—श्री शान्ति लाल वनमाली सेठ।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री आनन्द राज सुराना, ९२ लेडी हार्डिंग रोड।

३. वीर—पाक्षिक

यह अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य १४ नये पैसे व वार्षिक शुल्क चार रुपया है।

सम्पादक—(१) पं० बनवारी लाल स्याद्वादी।
(२) पं० परमेष्ठीदास।
(३) प० शील चन्द।

मुद्रक व प्रकाशक—डा० एस० सी किशोर, 'वीर' कार्यालय, दरीबा कलां।

४. अणुव्रत—पाक्षिक

यह अखिल भारतीय अणुव्रत समिति का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य चार आना व वार्षिक शुल्क छः रुपया है।

सम्पादक—श्री मुद्रा राक्षस, १५३२ चन्द्रावल रोड, सब्जी मडी।

५. बी० जे० आई० समाचार—पाक्षिक

यह जैन सूचना ब्यूरो, ५८७ सदर बाजार, दिल्ली का मुखपत्र है जो अंग्रेजी और हिन्दी दोनो भाषाओ मे एक साथ छपता है। एक प्रति का मूल्य पाच नया पैसा व वार्षिक शुल्क एक रुपया है।

सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार, डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री अतर चन्द, ५८७ सदर बाजार।

६. शान्ति सन्देश—पाक्षिक

इस पत्र का एक प्रति का मूल्य चार आना व वार्षिक शुल्क पाच रुपया है।

सम्पादक—श्री आनन्द दास वैद्य।

सहायक—(१) राजकुमार।
(२) पं० लच्छूराम जी शास्त्री।

मुद्रक व प्रकाशक—वैद्य आनन्द दास, धर्मपुरा।

७. सन्मति संदेश—मासिक

इस पत्र की स्थापना श्री सहजानन्द जी वर्णी ने की। पत्र का वार्षिक मूल्य पाँच रुपया है।

सम्पादक व प्रकाशक—श्री प्रकाश 'हितैषी' शास्त्री, ५३५ गाधी नगर।

८. अमर साहित्य—मासिक

इस पत्र की स्थापना १०८ दिगम्बर जैनाचार्य श्री देशभूषण जी महाराज ने की। एक प्रति का मूल्य आठ आना व वार्षिक शुल्क साढ़े छ. रुपया है।

सम्पादक मंडल

अवैतनिक प्रधान सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड।

सह सम्पादक—कविमन, 'नरेश', कैलाश नगर।

उप सम्पादक—श्री चन्द।

प्रचार अधिकारी—श्री रघुवर दयाल।

चित्र और कला—राजन आर्टस, सदर बाजार।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री छुट्टनलाल कागजी, श्री देशभूषण मुद्रणालय, एस्प्लेनेड रोड।

९. अनेकांत—मासिक

वीर सेवा मंदिर, दरियागंज, दिल्ली का मुखपत्र। एक प्रति का मूल्य आठ आना व वार्षिक शुल्क छः रुपया है।

सम्पादक—बा० जुगल किशोर मुख्तार।

मुद्रक व प्रकाशक—पं० परमानन्द शास्त्री, १ दरियागंज, दिल्ली।

१० जैन गजट (अंग्रेजी)—मासिक

भगवान महावीर के विश्व धर्म का प्रचारक पत्र। इसका वार्षिक शुल्क छः रुपया है।

प्रधान सम्पादक—श्री फूल चन्द्र 'अनेकान्ती'।

अवैतनिक सम्पादक—श्री मुनीन्द्र कुमार।

सह-सम्पादक—श्री सुकुमाल चंद।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री फूलचन्द्र 'अनेकान्ती', १७०५ मोहन भवन, चांदनी चौक।

११. ज्ञान—मासिक

यह श्री १००८ जम्बू कुमार संघ का मुखपत्र है। एक प्रति का मूल्य बीस नये पैसे व वार्षिक मूल्य दो रुपया है।

अवैतनिक सम्पादक—श्री अविनाश चन्द्र।

मुद्रक व प्रकाशक—श्री मामन सिंह 'प्रेमी', ३५ डिप्टी गंज।

१२. जैन प्रचारक—मासिक

यह अखिल भारतवर्षीय अनाथ रक्षक जैन सोसायटी, दरियागंज का मुखपत्र है।

सम्पादक—(१) श्री लालबहादुर शास्त्री।
(२) श्री चन्द्र मौलि शास्त्री।

मुद्रक व प्रकाशक }—श्री रघुवीर सिंह, कोठी वाले ।

१३. ज्ञान ज्योति सरकुलर—मासिक

यह जैन विद्यार्थी मंडल, दिल्ली का मुखपत्र है। इसका वार्षिक सदस्यता शुल्क दो रुपये है।

सम्पादक व प्रकाशक }—डाक्टर हरनारायण दास जैन भवन, नं० २४ दरियागंज ।

विविध विषयक पत्र व पत्रिकाएं

१४. नवभारत टाइम्ज—दैनिक

१० दरियागंज, दिल्ली-७

सम्पादक—श्री अक्षय कुमार

१५. सेवाग्राम—साप्ताहिक

१-दरियागंज, दिल्ली-७

सम्पादक—श्री ज्ञानेन्द्र प्रसाद ।

१६ करेंट इण्डियन इनकमटैक्स—मासिक

२६४६ बल्लीमारान, दिल्ली

सम्पादक—श्री कुलवन्त राय

१७. लव—मासिक

२६५३ रोशन पुरा, नई सड़क, दिल्ली ।

सम्पादक—श्री एम० पी० जैन

१८. रूप बानी—मासिक

३०६ दरीबा कलां, दिल्ली

सम्पादक—श्री अजीत प्रसाद

१९. सेल्स मैन—मासिक

२३-डी. कमला नगर, दिल्ली

सम्पादक—श्री जी० सी० जैन

२०. वेजीटेरियन इण्डिया—मासिक

जिंदल भवन, १/६ बी आसफ अली रोड, नई दिल्ली

सम्पादक—श्री अमृत लाल जिंदल

२१. वर्ल्ड इन्फार्मो—मासिक

८७७ जोशी पथ, नई दिल्ली-५

सम्पादक—श्री जिया लाल

२२ वर्धमान—मासिक

२३५५ तेली वाड़ा, दिल्ली

सम्पादक—श्री दीप चन्द

२३. शोला-ओ-शबनम—उर्दू मासिक

दरीबा कलां, दिल्ली-६

सम्पादक—श्री विमल प्रसाद

२४. गुलजार जैन गजट—उर्दू-हिन्दी मासिक

८६ दरीबा नुक्कड़, चांदनी चौक

सम्पादक—श्री मंगल देव शास्त्री

२५. अहिंसा पथ—त्रैमासिक

१२-लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली

सम्पादक—श्री शान्तिलाल वी. सेठ

भारतीय संसद व केन्द्रीय सरकार

भारतीय संसद

मनुभाई शाह उद्योग मंत्री
१२, तुगलक रोड ३३६०३
कार्यालय-१५८ उद्योग भवन ३२०६२

ससद सदस्य - राज्य सभा

राजपत सिंह दूगड
१६२-डी-साउथ एवेन्यू ३३७१२
रतनलाल किशोरीलाल मालवीया
१२६-साउथ एवेन्यू ३१६६१

ससद सदस्य - लोक सभा

सेठ अचल सिंह
८७ नार्थ एवेन्यू ३३०५३
अजित प्रसाद
५ रफी मार्ग ४०८१२
मूल चंद्र
१५४, नार्थ एवेन्यू ३४३२६
एम० के० जिनचंद्रन
२१३, नार्थ एवेन्यू ३४६७८
नेमी चंद्र कासलीवाल
६८, नार्थ एवेन्यू ३३२३१
भवानजी ए० खीमजी
३, फिरोजशाह मार्ग ४७३७३
कृष्ण चन्द्र
२४, डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग ४४४०८
बलवतराय गोपालजी मेहता
५, कर्ज़न लेन ४३७८३
जसवतराय मेहता
१३, जनपथ ४८५६०
सुमत प्रसाद
४५, साउथ एवेन्यू ३४६१६

राज्य सभा सचिवालय

महेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३२१३४
३३-ई बेग्रर्ड रोड
कश्मीरी लाल, सेक्शन आफीसर ३१३८१
४०-एफ, कमला नगर
सुमत प्रसाद ३२३४८
ए-३०१, मोती बाग
श्रीपाल ३६६८१
१६८-डी, कमला नगर
प्रेम सागर ३६६८१
४३५७, गली भैंगे वाली, नई सडक
इक्षा पूरण ३१३६८
जी-२३८, नेताजी नगर

लोक सभा सचिवालय

विनय कुमार ३१२४७
बी-१६७, नेताजी नगर
चक्रेश कुमार ३१८६७
३८ सी-बेग्रर्ड रोड
रूप चन्द्र ३१८७३
१७८०, चीराखाना, चांदनी चौक
मानिक चन्द्र ३२५२८
१३११, वैद वाडा
नरेन्द्र प्रसाद ३४३८५
७, त्रिलोक भवन, दरियागंज

इन्दर सेन ३१६६२
१५०७, कूचा सेठ

बंसी लाल ४०५६०
४३, मिंटो रोड

ज्योती प्रसाद ३२२५१
२१-सी, रामनगर

अजित प्रसाद ३६६६६
१२८६ गली नाई वाला न० ८ करोलबाग

जवाहर लाल ३१६६२
२५०३, धर्मपुरा

भगवान दास ३३३०६
, २५२६, धर्मपुरा

प्रकाश चन्द्र ३३०३६
बी-१३/६८ देव नगर

ओम प्रकाश ३३०६०
५७ मीर दर्द मार्ग

जितेन्द्र कुमार ११८६७
४०५, गली राजनकला, काश्मीरी गेट

महाराज सिंह ३२५२८
२०७१, नाई वाली गली ३८ करोलबाग

चन्द्र भान ३१३३६
गली मंदिर वाली, शांति नगर

प्रेजीडेंट्स प्रेस, राष्ट्रपति भवन

इन्द्र सेन,
३६ हेस्टिंग्स स्क्वेअर

प्राइम मिनिस्टर्स सेक्रेटेरियट

प्यारे लाल ३२२६७
२५०३, धर्मपुरा

केन्द्रीय सचिवालय (डिपार्टमेंट आफ एटोमिक एनर्जी)

सुभाष चन्द्र ३१७७३
वाई ३२० सरोजिनी नगर

उद्योग व व्यापार मंत्रालय
(कामर्स एण्ड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री)

मनुभाई शाह, उद्योग मंत्री
१२, तुगलक रोड ३३६०३
कार्यालय-१५८ उद्योग भवन ३२०६२

कम्पनी ला एडमिनिस्ट्रेशन (रिजर्व बैंक बिल्डिंग)

सज्जन मल दूगड, अकाउन्ट्स आफीसर ३६६१६
२४ भरतराम रोड, दरयागंज २६६८०

ओम प्रकाश,
४०-ए/१, यू० ए० ब्लाक, जवाहर नगर

चीफ कंट्रोलर, इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स, उद्योग भवन

सुशील कुमार
१०३४-गली हीगनद मालीवाडा

जगदीश प्रसाद
सी-३१६ सरोजिनी नगर

आशाराम
२७१०-चौक रायजी

वीरसेन
वाई-३२० सरोजिनी नगर

मदन लाल
सी-४१८, सरोजिनी नगर

डि० चीफ कंट्रोलर, इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स
जनपथ बैरेक्स

कैलाश चन्द्र ४३३४०
ए-११ नेताजी नगर (ई टाइप)

जुगेन्द्र कुमार ४३३३६
डी ७ प्रेस लेन

स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन आफ इण्डिया लि०, मथुरा रोड

मोहनलाल काला, ज्वा० फा० एडवाइज़र ४३६७६
४६ (डी II), काका नगर ३६५६५

नेम चन्द, डिप्टी डिवी मैनेजर ४२४६३
५६/१४ वे एक्स० एरिया रोहतक रोड

सतोष कुमार ४६४५४
फैज बाजार (प० ने० बैंक के ऊपर) ३५०६१

जी सी जैन ४६४५४
२६३-ई देवनगर

ए सी. जैन ४२७२३/१४
११-दरियागंज

पी सी जैन ४३६७१
२५६६, श्रवण गली नेली वाडा

सुरेश चन्द ४२६३१
 ४६ किशन नगर, युसुफ सराय
एस पी. जैन ४२६३१
 १४/७-रेलवे कालोनी, सेवानगर

डेवलपमेंट विंग, उद्योग भवन

सी जे शाह, डेवलपमेट आफीसर ३२८६५
 ७३, पडारा रोड ४५२११
जुगमदरदास ३४३५१/३६
 १०१६/१६, लोदी कालोनी
चेतनलाल
 जी-१४४, नौरोजी नगर
आर. एल जैन
 बी-७०, नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव
मोती लाल
 १२/१५८, देवनगर

इकोनोमिक एडवाइजर, भारत सरकार

पी. सी. जैन ३३२८३
 ३८४-ई-देवनगर
जे. एस जैन ३३२८३
 ३४-गौतम नगर
बी. के जैन ३३२८३
 ३७-एफ, कमला नगर

इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकांउनटेंट्स

मनोहर लाल ४५६६१

आल इंडिया हैंडीकाफ्टस बोर्ड, ताज बॅरेक्स, जनपथ

लक्ष्मी चन्द्र, मेम्बर सेक्रेटरी ४४६०८
 ४३ गोल्फ लिंक ७५१७६

सामुदायिक विकास और सहकार मंत्रालय (कम्यूनिटी डेवलपमेंट एण्ड कोआपरेशन मिनिस्ट्री)

डिपार्टमेंट आफ कम्यूनिटी डेवलपमेंट

ए. सा जैन
 १३ मिलि० कैम्प
एस. के. जैन
 २१ बी/१ रोहतक रोड
एस. आर जैन
 २६४५, रोशन वाडा, नई सड़क
एन. सी. जैन
 २६५१ गली अनार
ए. सी. जैन
 ८८ ए. कमला नगर

डिपार्टमेंट आफ कोआपरेशन

महेन्द्र सेन, पार्लीयामेट असिस्टेंट ३५१२८
 ३० थामसन रोड ४४६१२

प्रतिरक्षा मंत्रालय (डिफेंस मिनिस्ट्री)

साउथ ब्लाक

कपूर चन्द, डिप्टी सेक्रेट्री ३२४२५
 ३, एलनबी रोड ४०६६२
सतीश चन्द, टेक. आफीसर ३२३३८
 ए-१२८ पडारा रोड
पदम कुमार, सेक्शन आफीसर ३१४१०
 एम-२१५ विनयनगर
काशी प्रसाद, रिसर्च आफीसर ३२४२८
 २८, पटौदी हाउस, केनिंग लेन
कुलवतराय गोयल, स्टाफ आफीसर ३२४०८
 २ पार्क लेन
सुखेन्द्र लाल, सुपरिटेडेट ३३००७
 बी-१८/३५० लोदी कालोनी
कुल भूषण ३६६२७
 एच ५०६, सरोजनी नगर
प्रभुदयाल गुप्ता, स्टाफ आफीसर ३१३४४
 ३४ सी. इरविन रोड
जैन प्रकाश ३३५३६
 ३४ सी. इरविन रोड
आर. सी. जैन, सेक्शन आफीसर ३२६३८
 ३०-ई, करोल बाग़
अजित प्रसाद ३२१६३
 चिराग़ दिल्ली
कालीराम ३२५८१
 एफ-२८१, लक्ष्मीबाई नगर

लालचन्द ३९७१७
जगपुरा, भोगल
वीरेन्द्र विजय
डी-१३६ सरोजिनी नगर
अमृत लाल
ई. मफ-६२१ सरोजिनी नगर
अमर चन्द
सी-१६८, (ई० टा०) लक्ष्मीबाई नगर
नन्दलाल
एफ-२७६ (सी) लक्ष्मीबाई नगर
जयदेव, सुपरिनटेंडेंट ३२२८६
३६ डिप्टी गज
नारग राम, जू० साई० आफीसर ३१०४०
ए-२४७ पडारा रोड
श्रीमती आइरीन, जू० माई० आफीसर ३१०४०
ए-२४७ पडारा रोड

चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव आफीसर, सी-११ हटमेंटस
डिफेंस हेड क्वार्टर्स

रामेश्वर दयाल एडमिनिस्ट्रटिव आफीसर ३१०१६
७ मार्केट रोड
प्रेमचन्द, आफीसर सुप० २३५२६
ए२३/१७० लोदी कालोनी

डिफेंस साइंस लेबोरेट्री, मेटकाफ हाउस

शीतल प्रसाद २६१५७/६
६१ शान्ति नगर (के. गनशपुरा)
धनपतराय, टेक्नीकल लाइब्रेरियन २६१५७
ए २१/१२८ लोदी कालोनी

एअर हैडक्वार्टर्स

होशियार सिंह, स्टा० आफीसर ३०१३१/३२५
१५ फायर ब्रिगेड लेन
पदम सेन, स्टा० आफीसर ३०१३१
जाफी स्कैयर
ज्ञान चन्द, सुपरिनटेंडेंट, ३०१३१/२५३
बी-४/११ लोदी रोड
किशन दयाल, सुपरिनटेंडेंट ३०१३१/२३१
३३ मोडल बस्ती
जे डी जैन, सुपरिनटेंडेंट
५ सी-५०, रोहतक रोड
शांत बीर प्रसाद, सुपरिनटेंडेंट
४७ दरियागज
एस पी जैन
७/३३ दरियागज
हुकम चन्द
६३-ई बैरन रोड
मुकुट बिहारी लाल
ए/३६ (जी टा) लक्ष्मीबाई नगर
नेमचन्द ३०१३१/३६
बी-१६/४०३ लोदी रोड
रतन लाल
बी-१२/२३७ लोदी रोड
शिखर चन्द
बी-१३/६८ देवनगर
डी सी जैन
४४०१ जटान मोहल्ला, पहाडी धीरज
एच सी जैन
१२११ चाहरहट
त्रिलोक चन्द
३३६६ बूडावाली, गदा नाला, मोरी गेट
पुरुषोत्तम दास
५३/६६ रामजस रोड, करोल बाग
पी के सिंघल
सी-११ मोती बाग
कांति चन्द
६८१ भोजपुरा, माली वाडा
चम्पतराय
१२ युसुफ सराय
मदन लाल
एफ-१५२ (जी० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर
रूपचन्द
ई-४५ अहाता किदारा
जे. सी जैन
एफ-२११ मोती बाग

डायरेक्टरेट आफ रेडियो इंजीनियरिंग

आर. वी जैन, स्क्वैड्रन कमाडर (डि.डा.) ३०१३१/१६३
१८/३८ शक्ति नगर

नेवल हेडक्वार्टर्स

विशम्भर दयाल, आफीसर सुप० ३२४६३
४१, रणजीतसिह रोड

नेमचन्द
एफ-२२४, बी. १३/२८, डबल स्टोरी देवनगर

मित्र सेन ३५६६७
६६-ई राजा बाजार

रतन लाल
३२३-ई. देवनगर

कस्तूर चन्द
एफ-२२४ एडरूज गंज

बी डी. जैन
चिराग दिल्ली

ओ जी जैन
देवनगर

त्रिलोक चन्द
ए-१३८, सरोजिनी नगर

इ दर सेन
३-असारी रोड, दरियागज

आर्मी हेडक्वार्टर्स

वीरेन्द्र सिह, ब्रिगेडियर ३१५१३
रायबहादुर सुल्तान सिंह बि. काश्मीरी गेट

रामचन्द्र, आ० सुपरवाइजर, ३१३४२
१३ पार्क लेन

शीतल प्रसाद, पी. ए. टू डी. एस डी. ३१५१३
३ नूरजहां रोड

धर्मसिंह
करोल बाग

प्रेमराज ३१५३८
२२८/१ बाग मुरीद खां, किशन गंज

प्रद्युम्न कुमार ३१४१८
ए-१०७ नेताजी नगर

जंगबहादुर सिह, स्टाफ आफीसर ३५७६१
२३ नार्थ आफ सफदरजंग

ओम प्रकाश, आफी० सुप०, ३१०२३
२ टोडरमल लेन

रविचन्द, आफीसर सुप० ३१२५३
सी ३७ राजेन्द्र नगर

नरेश चन्द, पी. ए. टू डी. डब्लू ई. ३१५५२
२२ हेग स्क्वेअर.

जगदीश प्रसाद, प्रा. से टू एड. जन ३१५०३
सी १०३ लक्ष्मीबाई नगर

हसराज ३१५०६
बी-१६/४१०, लोदीरोड

धन्नामल ३२३०८६
३७६ कूचा बुलाकीबेगम

विमल प्रसाद ३२३६६
एच-४३६ विनयनगर

सुमत प्रसाद ३३१०८
४३ डी राजा बाजार

रघबीर दयाल ३५२२०
२५२२ नाईवाडा गली, बढशाबुला, चावडी बाजार

माया चन्द
आई-२२० सरोजिनी नगर

कुलवतराय
३६/२० शक्ति नगर

सुखमाल चन्द्र, आफीसर सुपरवाइजर ३२२३५
२० सी., बेअर्ड रोड

पारसदास ३६६३८
११७-ए पडारा रोड ४४५३४

जगत प्रसाद ३१६०५
डी. ७७ सरोजिनी नगर

हरी सिंह
२६१६ सत्ताइस घरा, किनारी बाजार

किशोरी लाल
बी. १६ (ई. टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

अजित प्रसाद
१२/६५ रोहतक रोड

कैलाश चन्द
३७३४, गली मामन जमादार, पहाड़ी धीरज

आदीश्वर नाथ ३१६०५
४१९५ आर्यपुरा, सब्जीमंडी

संतलाल, आफीसर सुपरवाइजर ३२२६३
३६ थामसन रोड

जगदीश चन्द ३१८६३/३१९३९
७६/७ दरियागज

महावीर प्रसाद, स्टाफ केप्टन ३२५६६
३०/५३ वे. एक्स एरिया रामजस रोड ५५४८२

महेश चन्द, मेजर ३२४८८
बी २/किंग एडवर्ड रोड होस्टल

यशबीर प्रसाद, सुप० ३५९२०
७ दरियागज

आनन्द सिंह, सुप० ३५०२०
४ डिप्टी गज, सदर बाजार

नवल सिह ३३५२५
२१-गली नाई वाला, करोल बाग

पदम प्रसाद ३३५२५
कटरा लक्षीराम दलाल, नई सडक

अजीत प्रसाद ३१२६५
बी. ९२ लक्ष्मीबाई नगर

कै. पी. जैन
९०९. केदार बिल्डिंग, सब्जीमंडी ३२२६३

दीप चन्द
सी. ५५ (ई. टाइप) मोती बाग-१

एस. एल. जैन

बेनी प्रसाद गोपाल
एफ. १२० नौरोजी नगर

ईश्वर दयाल, स्टाफ आफीसर ३२४७२
५/५५ डब्लू. ई..ए. करोलबाग

उग्रसेन, स्टाफ आफीसर ३०१३१/३१
१० ए/२३ शक्ति नगर

हंस कुमार, स्टाफ आफीसर ३१२५५
२७ हेवलाक स्क्वेअर

रमेश चन्द
बी. ४९ (ई. टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

जे. पी. जैन
सदर बाजार, मेरठ कैंट

अनूप सिंह
डी. २२० मोती बाग

एन. एन. जैन

सुखनन्द कुमार, सुप० ३४१८३
बी. १०/१६७ लोदी कालोनी

अरहदास ३४०५६

मिश्रीलाल
बी१०/१७१, लोदी कालोनी

रविचन्द कुमार
२१२ ई. करोल बाग

करोडी मल
देव नगर

माम चन्द
१४ एम. एम. रोड

शीतल प्रसाद
७१० कबूल नगर, शहादरा

विमल प्रसाद ३२३९६
एच. ४३६ सरोजिनी नगर

रेशम सिंह ३२३९६
४५८३, बाडा हिन्दूराव २३२१९

जवाहर लाल
सी. १६० (ई. टाइप) मोती बाग़

जयन्ती प्रसाद
४४८५ गली राजा पाटनीमल, पहाड़ी धीरज

रामनिवास
४१०६ गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज

वीरेन्द्र कुमार
२७०० छत्ता प्रतापसिंह, किनारी बाजार

ए. पी. जैन
जी-१९१ साउथ विनय नगर

जे. के. जैन
४०, मोतिया खान

शिक्षा मंत्रालय (एजूकेशन मिनिस्ट्री)

अभिमन्यु कुमार, अंडर सेक्रेट्री ३२४४३
४-सी., तालकटोरा लेन म० ३३४७१

शीतल प्रसाद, अंडर सेक्रेट्री ३४६६०
२२-डी. करोल बाग़

महेन्द्र प्रसाद, अ० एजू० आफीसर ३६४१५
२०४, काका नगर

ज्ञान चन्द, अ० डायरेक्टर

राजमल, अ० एजू. आफीसर
एक्स-२५४ सरोजिनी नगर

बिशम्भर दयाल, से० आफीसर ३३६७१
बी. २२४, नेताजी नगर

राजाराम, से० आफीसर
३८ सी. बेअर्ड रोड

पी के. जैन

श्रीमती एस. के. जैन
४८ नाई वाली गली करोलबाग ५५४१६

विजय कुमार ३१६७६
सी. ५४०, सरोजिनी नगर

कपूर चन्द
१८/एफ, अतुलग्रोव

महेन्द्र कुमार, लायब्रेरियन (हिं० ला०)
डी. १५५, सरोजिनी नगर

इन्दर सेन
बीडी ८११, सरोजिनी नगर

मेहर चन्द ३३६७१/२७
३३८. थानसिह नगर, आनन्द पर्वत

नरेन्द्र कुमार ३३६७१/२१
जी १४०, सरोजिनी नगर

मूल चन्द ३२८०५
एफ. १२६ (जी टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

पद्मसेन ३३६७१/२१
३६८१, गली जमादार, पहाडी धीरज

बलबीर सिंह ३३६७१/२६
२६६६. गली चक्की वाली. मोरी गेट

रोशन लाल ३३६७१/५४
१३३/५-रेलवे क्वा०

नेम चन्द ३३६७१/५७
ए. ५६, लक्ष्मीबाई नगर

भोपालदास ३३६७१/५२
४२०-२१, कूंचा बुलाकी बेगम

श्रीमती सन्तोष

निर्मल कुमार

डाल चन्द

यूनीवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन

डा० डी. एस कोठारी, चेअरमेन ३२७६८
५ यूनीवर्सिटी रोड २४३३३

तारा चद
एफ-३५० (जी०) लक्ष्मीबाई नगर

परराष्ट्र मंत्रालय
(एक्सटर्नल एफैअर्स मिनिस्ट्री)

एन० पी० जैन, अडर सेक्रेट्री
डी I/२० चाणक्यपुरी

सुमेर चन्द
जी-१२२, सरोजिनी नगर

ब्रजेन्द्र कुमार
एम पी टी ४८६ सरोजिनी नगर

कीर्ति चन्द
आई-३०० मेडीकल एन्क्लेव

सुरेन्द्र नाथ
आर. डी जैन

अर्थ मंत्रालय (फाइनेंस मिनिस्ट्री)

डिपार्टमेंट आफ़ एक्सपेंडीचर

वलायती राम, मैनेजर-कोआपरेटिव स्टोर्स ३५७२७
४५०-ई, करोलबाग,

बलवीर चंद ३६१६३
३६ वाई०, चित्रगुप्त रोड

ज्ञान चद ३१४८३
पालम

प्रेमचन्द
एफ-५३ नौरोजी नगर

डिपार्टमेंट ग्राफ़ इकोनोमिक एफेअर्स

वाई टी शाह, डिप्टी सेक्रेटरी ३५०६३—४२६६३
कोमल चन्द सोधिया, ग्रडर सेक्रेट्री ३२८३६
बी-३१, पडारा रोड
बी-डी-जैन, सेक्शन ग्राफीसर
वकील चन्द ३५७४१
५३-ई, राजा बाजार
जे० एल० जैन ३२६१६
८-डिप्टीगज
सत्य प्रकाश ३५७४१
डी-२१७, मोती बाग
दीप चन्द ३२७०६
ए-२८३, किदवई नगर
बिमल कुमार ३४६४५
४६-सी, इर्विन रोड, ४७६१०
सागर चन्द ३१५७३
पो० ग्रा० बहादुर गढ (रोहतक)

डिपार्टमेंट ग्राफ़ रेवेन्यू

एच०ए० शाह, डिप्टी सेक्रेट्री
नेमी चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४०७०५
३६-मोडल बस्ती
बद्री दास, सेक्शन ग्राफीसर ४०६२०
जी-१२२, सरोजिनी नगर
लक्ष्मी चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४१६८७
३२-एक्स, चित्रगुप्त रोड
नेम चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४२५४८
२४-फौच स्केग्रर
एस० एन० जैन
६०-ग्राराम बाग प्लेस
दीवान चन्द ४०६७७
४५८२-जगन्नाथ भवन, डिप्टी गंज
लाल चन्द
२२-गनेशी दास बिल्डिंग, गाधीनगर ३१४७६
पदम सिंह ३२६८०
४१२०-ग्रार्यपुरा, सब्जीमडी

ज्ञान चन्द
श्रीपाल ४२५४८
२५८४, गली पीपल वाली, धर्मपुरा
श्रीमती ऊषा ३२२८४
६-तुगलक प्लेस

इंडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन ग्राफ़ इंडिया
रिज़र्व बैंक बिल्डिंग

सुल्तान सिंह ३५३८१
ए-७०८ सरोजिनी नगर
गनपतराय
६६ एफ-कमला नगर

डायरेक्टोरेट ग्राफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस

जगदीश प्रसाद ४०५५७
६६५/२२६-सी, जैन मुहल्ला, कैलाश नगर

फाईनेन्स डिफेंस

प्रेम चन्द
एक्स वाई-३६, सरोजनी नगर

सेंट्रल एक्साइज़

रामेश्वर दास
डी-१०६ सरोजिनी नगर

सेंट्रल एक्साइज़ एण्ड लैंड कस्टम्स कलैक्ट्रेट

एम० पी० जैन
१६३-ग्राचार्य निकेतन, पटपड गंज

सेंट्रल बोर्ड ग्राफ़ रेवेन्यू

पदम सिंह
ग्रार्यपुरा, सब्जीमडी

इन्कमटैक्स ग्राफिस

जी० ऐस० सिंघवी, इन्कमटैक्स ग्राफीसर
मथुरा रोड
डी० के० जैन ४६११६
७/३८ डा० सचदेव लेन, दरियागंज २७६०८
ग्रभय कुमार ४६११६
ग्राई-२५५, सरोजिनी नगर
ग्रार० सी० जैन
७/१६ दरियागंज

मुमत प्रसाद, इन्कमटैक्स आफीसर ४२६६०
ए-५५ (जी) लक्ष्मी बाई नगर

बैजनाथ ४६१६४
५५/१ राजेन्द्र नगर

नरेन्द्र सिंह
II A/६८ लेंसर्स रोड, दी माल

जसवंतराय
रामतेल भवन, ७/२० दरियागंज

कैलाश चन्द ४००८४
२६/७ शक्ति नगर

मुरारी लाल ४७४८१
४५८२ डिप्टीगंज

बसंत कुमार
३६/२० शक्ति नगर

मामचन्द ४६७६८
२० आराम बाग रोड

मत प्रकाश ४०६८५
जी १६२-साउथ विनय नगर

कुंथु सागर ४३२७४
३००५, कूचा नील कठ

शिखर चन्द ४३२७४
२७६८ गलीरूप, सब्जीमंडी

राम कुमार ४३२७४
३६६४ गली अहीरान पहाडी धीरज

सुरेन्द्र कुमार २८८५५
२५ फैज बाजार, दरियागंज

अजीत सिंह ४७०४६
२५-डी कमला नगर

प्रेम चन्द ४७०४६
ए २२२ किदवई नगर

डायरेक्टोरेट आफ़ इंसपेक्शन

एस. पी. जैन, डायरेक्टर ४३७८५
सी-II/६६, मोती बाग ३३४०७

डायरेक्टोरेट आफ़ इंसपेक्शन (इन्वेस्टीगेशन)

प्रेम चन्द
ए-३२२ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

कृषि एवं खाद्य मंत्रालय
(फूड एण्ड एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री)

फूड डिपार्टमेंट, कृषि भवन

महाबीर प्रसाद, सेक्शन आफीसर ३५३११/६५
४०६२, गली मन्दिर, पहाडी धीरज

जगदीश राय, सेक्शन आफीसर ३५३११/६६
ग्रीन पार्क

कैलाश चंद ३५३११/६६
२७ क्लाइव स्क्वेअर

शातिसागर ३५३११/६
४३ भोगलरोड, जंगपुरा ७४६४४

चक्रेश्वर कुमार
३१ डिप्टीगंज

प्रकाश चन्द
१२३-ए, नेताजी नगर

रूपलाल ३५३११/६६
ई-१४३ ई. विनय नगर

मित्रसेन
एफ-१६५, मोती बाग (II)

पदम चन्द
८३-स्कूलर रोड ३५३११/२२.

शिवसहाय
नई अनाज मंडी, मोडल बस्ती

एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट, कृषि भवन

अतर चंद, अण्डर सेक्रेट्री ३६५८१
२६८१-कूंचानीलकठ २४०४६

जगत किशोर, डि० इरींगेशन एडवाइजर ३४४६३
५४६, एस्प्लेनेड रोड

सतीश कुमार ३३७४१/२२
६६-ई. राजा बाजार

चत्तर सिंह ३३७४१/६६
एफ-५०२, नेताजी नगर

अजीत प्रसाद
२६८१-कूंचा नीलकंठ, दरियागंज

जगन्नाथ ३६५८२
सी-सी ८१/एस ई, लक्ष्मीबाई नगर

अमीन चंद्र
१४४० फय्याज गंज, बहादुरगढ़ रोड, सदर बाजार
धन कुमार
बी. डी. ६०५, सरोजिनी नगर
नरेन्द्र कुमार ३३७४१/२२
५५५६, बस्ती हरफूल सिंह
हेम चन्द्र
४०३५ गली अहीरन, पहाडी धीरज
शिव कुमार
२१/१८४ लोदी कालोनी
जम्बू प्रसाद
गली अहीरन, पहाड़ी धीरज

डायरेक्टोरेट श्राफ़ इकोनोमिक्स एंड स्टेटिसटिक्स
कृषि भवन

सुन्दर सिह
२७२०, छत्ता प्रताप सिह, किनारी बाजार
नेम चन्द्र
१- अंसारी रोड, दरियागज
कुलभूषण लाल
एफ-१७१ (जी० टा०) लक्ष्मीबाई नगर
चित्तरजन दास
७/७ दरियागज
सुरेश चन्द्र
२३१०, धर्मपुरा
सुदर्शन लाल
जमालपुरा (सोनीपत)
महिपाल
१३०४, गुली गुलियान, दरीबा

शुगर एंड वनस्पति डायरेक्टोरेट, जामनगर हाउस

के० पी० जैन, चौ० डायरेक्टर ४४०४१
२७९३, गली पीपल महादेव २३७३६
एन एस. जैन, मैनेजर-दो. सुगर फैक्ट्री
विमल प्रसाद ४५९४३
मिटो रोड
ओम प्रकाश
लोदी रोड

सुरेश चन्द
१२२८-वकीलपुरा
सुल्तान सिह ४६०६५
२१६५ मसजिद खजूर
सुख दयाल
एम-४८१, सरोजिनी नगर

डायरेक्टोरेट श्राफ एक्सटेंनशन, कृषि भवन

नेम चन्द, सेक्शन आफीसर ३५९४३
२३/६, बी रोहतक रोड ५२ २२
कैलाश चद्र ३३८४१
१०७ सम्मन बाजार, जगपुरा
मगतराय
एफ. ९३, मोती बाग (२)
हेम चन्द्र ३३८४१
२९७२ गली लक्षी वाली, गदा नाला

इंडियन काउंसिल श्राफ़ एग्रीकल्चरल रिसर्च
कृषि भवन

मुनीन्द्र कुमार, अ० एडीटर ३०१९१/५६,
डी.-२/९, माडल टाउन, माल गेड
यू० एस०जैन, सैक्शन आफीसर ३०१९१/१२
१ नाई वाला, १२८६, करोल बाग
आशाराम
डी जी-१०२६, सरोजिनी नगर
एम० पी० जैन ३०१९१/५८
भगवती निवास, एच-१० ग्रीन पार्क
श्रीपाल ३०१९१/६२
४० राजा फाउड्री
बुधसेन
जी-१४४ नौरोजी नगर

इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूसा रोड

के० बी० लाल, रिसर्च स्कालर
४६, हेस्टिंग्स स्क्वेअर

स्वास्थ्य मंत्रालय (हेल्थ मिनिस्ट्री)

मोती चन्द, अंडर सेक्रेट्री ३१५८७
२४ फैज बाजार

प्रकाश चन्द ३४५०२
२३२७-धर्मपुरा
रामेश्वर नाथ ३४५०२
५-डी. कमला नगर

आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ़ मेडीकल साइन्सेज

डा० मानक चंद नौलखा
ई-१०० (ई० टा०)

डायरेक्टोरेट जनरल, हैल्थ सर्विसेज

राम बहादुर, सेक्शन आफीसर ३६३१६
ए-२१/८४ लोदी कालोनी
सुर्जन दास ३३४५२
सैक्शन आफिसर, ६-तुग़लक प्लेस
कीर्ति चन्द्र ४८३६७
डी-३३४, श्री निवास पुरी
त्रिलोक चन्द्र ३५६६५
४४४-ई, देवनगर
पी० सी० जैन ४८३६७
१४७-ई, तिमारपुर
महेन्द्र स्वरूप
२२-डी० रोबर्टस स्क्वेअर
भीम सेन मित्तल
२०७६-दरीबा खुर्द, चादनी चौक
एस० के० जैन
सुमेर चन्द्र ३२८४७
ए-सी (जी टाइप) लक्ष्मीबाई नगर
एम० सी० जैन ३६७६७
६७३-भोजपुरा स्ट्रीट, मालीवाडा
ज्ञान चन्द
१२६-ई० करोल बाग
पी० सी० जैन
७१ मेमवती गली, शहादरा
रमेश चन्द
१७८२-दरीबा कला
भाग चन्द

सी० एच० एस० डिस्पेंसरीज
चित्रगुप्त रोड, पहाड़ गंज

डा० एस० के० जैन ४७०४४
५३२१, सदर थाना रोड

विलिंगटन अस्पताल

डा० भीमसेन, स्टाफ सर्जन (आई) ४३४६१
१५, महादेव रोड ४८१३४
डा० आर० एस० कोठारी, जू० स्टाफ सर्जन (मेडी०)
सी० एम० जैन

सफदरजंग अस्पताल

डा० के० सी० कासलीवाल (आ० स्पे०)
डी/१, लक्ष्मीबाई नगर

फेमिली प्लानिंग सेंटर डाइज स्क्वेअर, गोल मार्केट

डा० (श्रीमती) तारामणि ४३२२८
ए-७ पडारा रोड ४३२२३

गृहमंत्रालय (होम मिनिस्ट्री)

शिव दयाल सिंह, सैक्शन आफिसर ३४०८६
८ टेम्पिल लैन
जे० डी० जैन
४२६८, आर्यपुरा, सब्जी मन्डी
शेखर चन्द ३१०११/४३
५८११, ब्लाक नं० ४, देवनगर
बी० एल० जैन
४४१५, मो० जाटान, पहाडी धीरज
एम० पी० जैन
६/६६८७, देवनगर
श्रीपाल जैन ३५५७३
४१३७, गली जैन मन्दिर, सब्जी मडी
एन० के० जैन ४२०००
डिप्टीगज
के० आर० जैन ३४१०२
बी-११/१८४, देवनगर
त्रिलोक चन्द ४२०००
सी-६०१ सरोजिनी नगर
रघुबीर प्रसाद ४२०००
बी. डी. ६८१, सरोजिनी नगर
राम चन्द ४२०००
बी-५३२, सरोजिनी नगर
कैलाश चन्द
जी. आई ८८५, सरोजिनी नगर

बद्री प्रसाद
जी-२२ नौरोजी नगर

इंटैलीजेंस ब्यूरो

मदन लाल
ए-३४६, नार्थ ग्राफ मेडीकल एनक्लेव

स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट

रमेश चन्द
एच. पी. टी. ८६, सरोजिनी नगर

रजिस्ट्रार जनरल ग्राफ इंडिया

शीतल प्रसाद, डि० रजि० जनरल ४७१९८
३३, शान नगर ७२८५१
ग्रनिरूद्ध कुमार ४०७०२
१०३-डी, कमला नगर
गजेलाल ४०७०२
एफ-२०२, वेस्ट विनय नगर

सेकेटेरियट ट्रेनिंग स्कूल

जय प्रकाश, इंस्ट्रक्टर ४४१८६
२३ ग्रहिल्याबाई रोड

सूचना ग्रौर प्रसारण मंत्रालय (इन्फोर्मेशन एण्ड ब्राडकास्टिंग मिनिस्ट्री) नार्थ ब्लाक

जुगमन्दर दास, ग्रंडर सेक्रेट्री ३२५५७
४६-सी. इर्विन रोड ४७६१०
मदन मोहन लाल, कैम्पेन ग्राफीसर ३४४७८
ए-२७ डी. II फ्लैट, मोती बाग ३३९६०
जय कुमार, सेक्शन ग्राफिसर ३६७६८
१-बी, राउज लेन
मनमोहनबीर सिंह, सेक्शन ग्राफीसर ३६८६०
३३-एक्स, चित्रगुप्त रोड
प्रेम चन्द ३५०७६
डी-४०२, मोती बाग–१
बिमल प्रसाद ३५०७६
सी-४६१, नेताजी नगर
प्रेमचन्द ३३७२९
४५६-मटोला, पहाड़ गंज

एडवर्टाईजिंग एन्ड विजुग्रल पब्लिसिटी डायरेक्टोरेट, कर्जन रोड

सुरेन्द्रबीर सिंह, ग्रकाउट्स ग्राफीसर ४६५२४
३३-एक्स, चित्रगुप्त रोड
कल्याण चन्द ४६४७६
ए-२/७३ लेसर्स रोड, दीमाल
त्रिलोकचन्द फोटोग्राफर ४४३७३
३३-मोडल बस्ती
सुरेन्द्र कुमार
२१८३, मसजिद खजूर, धर्मपुरा
जितेन्द्र कुमार ४६४७६
५/६१ देव नगर

पब्लीकेशन्स डिविजन, ग्रोल्ड सेक्रेटेरियट

महेन्द्र सेन, बिजनस मैनेजर २९९२८
मनोरंजन भवन, ११-दरियागंज २९३३८
श्री कृष्ण २९९७५
४५३७/XIV पहाडी धीरज
सुरेन्द्र कुमार २९९७५
४०/१९ शक्ति नगर
तारा चन्द, फोटोग्राफर ३०१०१/३६६
१/१९२६ मद्रास रोड, काश्मीरी गेट
सागर चन्द २८४३२
४१/II ए, लेसर्स रोड, तिमारपुर
ग्रोम प्रकाश
एस० पी० जैन २९९७५
१४-यू० बी०, जवाहर नगर
राज कुमार २९९३६
१७०२, कूचा जाटमल, दरीबा
मुरारी लाल
४५६७, गली नथ्थन सिंह, पहाडी धीरज २९९७२
सत कुमार
१७०२, कूंचा जाटमल, दरीबा २९९३६

प्रेस इन्फोर्मेशन ब्यूरो, ग्राकाशवाणी भवन

शिवनाथ मित्तल, ग्र०प्रि० इन्फा० ग्राफिसर ४५२८७
ए-१४२ नेताजी नगर ७२५२९

रतन लाल, एकाउन्टेंट
त्रिभुवन प्रसाद
मनमोहन दास
नेम चन्द

इन्टेग्रेटेड फोटो यूनिट आकाशवाणी भवन

मोतीराम, ग्र० फोटो ग्राफीसर २६६१०
गली कन्हैयालाल अत्तार, चरखेवालान
तारा चन्द्र, फोटोग्राफर ४४३७३

ग्राफ इन्डिया रेडियो, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रोशन लाल, ग्र० डायरेक्टर ३०१०१/२२४
१३, डी० करोल बाग
बी० एम० जैन
८-ई, कमला नगर ३०१०१/३८४
शांति प्रसाद ३०१०१/३७१
जी १-६०२, सरोजिनी नगर
एम० एल० जैन ५०५५६
कूचा घासीराम, चादनी चौक
धर्मेन्द्र कुमार ३३६६४
एच-५, मोती बाग-२
मदन कुमार स्टाफ ग्राटिस्ट ३५२११/१६७
सी-४६० वेस्ट विनय नगर
सतीश चन्द्र, स्टाफ ग्राटिस्ट
१३६-ए० किदवई नगर
जैन कुमार, स्टाफ ग्राटिस्ट
१७/२१-दरियागज
प्रकाश चन्द्र, स्टाफ ग्राटिस्ट
नाई वाडा
नरेश कुमार, स्टाफ ग्राटिस्ट
कूंचा बुलाकी बेगम
एस० सी० जैन, स्टाफ ग्राटिस्ट
सेन्ट्रल इन्डिया प्रेस क्लाथ मार्केट
महावीर प्रसाद, हेड क्लर्क
एच-१००, सरोजिनी नगर
भगतराम ३५११/१८८
बाई-३२७, सरोजिनी नगर
एम० के० जैन ३०१०१/३१०
२५६६ गली पीपल वाली, धर्मपुरा

कामता प्रसाद
सी० II/११२ लोदी कालोनी

हाई पावर ट्रांसमीटर, डा० खामपुर

जे० पी० जैन, हैड क्लर्क २५७०४

इर्रीगेशन एण्ड पावर मिनिस्ट्री, नार्थ ब्लाक

जगदीश शरण, डिप्टी सेक्रेट्री ३२७३१
सी-२/१२० मोती बाग ३६४२६
मोहन लाल ३२६६६
सी-६०१, सरोजिनी नगर
एस० पी० एस० जैन ३२६६६
४५५१, ग्रार्यपुरा, सब्जी मंडी
धर्मदास, स्पे० कमिश्नर फार केनाल वाटर्स ४८१८६
२४, विलिंगडन क्रेसेंट ७५३१६

सेंट्रल वाटर एण्ड पावर कमीशन, जामनगर हाउस

राजेन्द्र कुमार, डिप्टी डायरेक्टर ४२०६८
सी-४३, (फर्स्ट फ्लोर) जंगपुरा
प्रेम सागर, ग्रसिस्टेंट डायरेक्टर ४२२५१
१३, महादेव रोड
प्रीतम चन्द ४४६६५
ए-२६३, मोती बाग (१)
मनभावन सिंह ४४६६५
ई-१, करोल बाग, न्यू रोहतक रोड
बिमल कुमार ७२६६५
बी-२३३ मोती बाग (साउथ)
बलराज
१५४०/२८ नाई वाला, करोल बाग

सेन्ट्रल बोर्ड ग्राफ इर्रीगेशन एण्ड पावर

पदम प्रसाद
जी-३६, नेता जी नगर

कृष्णा-गोदावरी कमीशन

धर्मदास, स[illegible] ४८१८६
२४, विलिंगडन क्रेसेन्ट ७५३१६

लेबर एण्ड एमप्लायमेंट मिनिस्ट्री

बलवन्तराय, सेक्शन ग्राफीसर ३५०४३
बी-१७/६०० लोदी कालोनी

शंकर स्वरूप, सेक्शन आफीसर २७३३०
बी-१७/६१६ लोदी कालोनी
जितेन्द्र कुमार
सी-४३७ सरोजिनी नगर
शाम स्वरूप ३५१०३
बी-१४/८७४ लोदी रोड
कैलाश चन्द ३१४६२
बी. डी-६३६ सरोजिनी नगर
भजन लाल
आई-३०५, सरोजिनी नगर

एम्लाइज एस्टेट इन्स्योरेन्स कार्पोरेशन, न्यू देहली एरिया

डा० एस० के० जैन ५२६४६

सेन्ट्रल प्रोवीडेंट फंड कमिश्नर्स आफिस

सुमत प्रसाद
एफ-४८१ नेता जी नगर

डायरेक्टोरेट जनरल आफ रिसेटलमेंट एण्ड एम्पलायमेंट तालकटोरा बैरेक्स

प्रेम कुमार ३४३११/४२
डी-१/८ लोदी कालोनी

विधि मंत्रालय (ला मिनिस्ट्री)

गोकुल प्रसाद ३६३१६
२१-दरियागज
शंकर लाल
सनत कुमार ३६६३६
२३१० धर्मपुरा
शरद कुमार
टी-६० ना० रे० का० फूसकीसराय, तीसहजारी

इलेक्शन कमीशन, १ औरंगजेब रोड

सतीश चन्द ७३५०३
एफ-८४, सरोजिनी नगर
सुरेश चन्द ७३५२३
कूंचा नीलकठ, दरियागंज
रामस्वरूप, पी. ए. टू. ज्वा. सेक्रेट्री ३२६७३
सी-४६ (ई टा०) लक्ष्मीबाई नगर
राज कुमार
पी. सी. जैन
नरेन्द्र कुमार
श्याम लाल
३३८-१६ सुमति सदन, गनेशपुरा, विनय नगर

रेलवे मिनिस्ट्री (रेलवे बोर्ड) रेल भवन

त्रिलोक चन्द, अ० डायरेक्टर ३५८२४
ऐफ-२, ग्रीन पार्क
प्रताप बहादुर, अ० डायरेक्टर ४५५१४
३, कोटला रोड ४३८२१
कैलाश चन्द सेक्शन आफीसर ३५८४७
बी-६/६८२, लोदी कालोनी
शुभ चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३०४७२
बी-११/८०६ लोदी कालोनी
द्वारका प्रसाद ५५४१३
१८४६/४८ नाई वाला गली, कराल बाग
कामता प्रसाद ४८६१५
डी जी-१०५२, सरोजनी नगर
एम. पी. जैन ३४६३६
२१८/६ जोशी रोड, करौल बाग
ऋषभ दास ३२५८५
सी-II/३२ लादी कालोनी
जय कुमार ४७५०४
बी-१४/८७४, लोदी कालोनी
सुमेर चन्द
४५६५ गली नथ्थन सिंह, पहाडी धीरज
गुण पाल ३११६२
जी-४४३ नौरोजी नगर,
सोम प्रकाश ३५३६१
२६६५/४४ बीदनपुरा, करोल बाग
जय कुमार
११ फाच स्क्वेअर

रीहेबिलीटेशन मिनिस्ट्री, जैसलमेर हाउस

राम चन्द्र, वैल्यूएशन आफीसर ४५२०५
ए २५८ पडारा रोड ४३६३७
दौलत सिंह, अ० से० आफीसर ४०२४१
गली लाडे वाली, मालीवाड़ा २६२१८
सुमत प्रसाद सुपरिटेंडेंट
गली अनार कुरावाली,

मदन लाल
ई एफ ६५४, सरोजिनी नगर
महाबीर प्रसाद
जयचद
१४४७-फैज गज, बहादुर गढ़ रोड
देवेन्द्र कुमार
३१६२-बारवाला चौक
प्रेम चन्द
एफ-१७६ मोती बाग-२
शिखर चद
शिवनगर, करोल बाग
प्रेम चन्द
मोहन लाल
नवीन चन्द
जी-१६६ नौरोजी नगर

रीजनल सेटलमेट कमिश्नर, जामनगर हाउस

स्वरूप चन्द अ से० आफीसर
१५३४ कूचा सेठ
आर० के० जैन
दिलबाग राय
जी-२६५ नौरोजी नगर
आर० डी० जैन

साइंटिफिक एण्ड कल्चरल एफैअर्स मिनिस्ट्री

मदन मोहन, अडर सेक्रेटरी
एच० ६५ साउथ एक्सटेंशन
एन. के जैन
कस्तूर चन्द
डी जी-६८४ सरोजिनी नगर
रवेल चन्द्र ३६५४२
२३२६-टडा फाटक, सदर बाजार
जय कुमार ३६५७८
एक्स, ३३२-सरोजिनी नगर
जिया लाल
६२-ए, रानी बाग, शकूर बस्ती

आर्क्योलोजी डिपार्टमेंट, जनपथ

शीतल प्रसाद, सर्वेयर इस्ट्रक्टर
८-रामनगर
हुक्म चन्द
४८ बैरन रोड
प्रेम किशोर, जू लायब्रेरियन
जी-६ मोती बाग (२)
ललित कुमार
क्वा ३४/ब्ला ४ गव कालोनी, कटोल रोड, नागपुर
सुशील कुमार

नेशनल म्यूजियम

पी सी जैन
एफ ३५३ नेताजी नगर
ओमप्रकाश
डी ६६ (ई टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

काउंसिल आफ साइंटीफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च रफ़ी मार्ग

डा० डी० एस० कोठारी, सदस्य-गवर्निंग बाडी ३२७६८
चेअरमेन-एरोनोटीकल रिसर्च कमेटी
५, यूनीवर्सिटी रोड २४३३३
आनन्द प्रकाश, एडमिनि० आफीसर
(से० प ए इ रिसर्च इस्टीट्यूट, नागपुर)
अनन्तवीर प्रसाद
६ बी तिबिया कालेज क्वा०, करोल बाग
पदम चन्द ३३०५६
६०/६१ नयागज, गाजियाबाद
नेम चन्द
मोती बाडा

सगीत नाटक अकादमी, ४-ए मथुरा रोड, जगपुरा

अमोलक चन्द्र ७३६५८
५६४, गली जैन मदिर, शहादरा

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा एण्ड एशियन थियेटर इस्टीट्यूट, १५ ए. कैलाश कालोनी

नेमिचन्द्र, अ० डायरेक्टर ७३७३२
३ एफ जगपुर एक्स. ७२६२५

स्टील, माइंस एण्ड फ्यूल मिनस्ट्री, उद्योग भवन

डिपार्टमेंट-आइरन एण्ड स्टील

निर्मल कुमार, लायब्रेरियन ३४२४१/२४
१४२१-कूं० उस्ताद हीरा, गुलिया

टेक चन्द, कैशियर ३४२४१/२५
१२-ई, बेग्रर्ड लेन

हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड

अन्तलाल, ग्राफीसर ग्रान स्पे० ड्यूटी (रॉची)
२०५, जोर बाग ७४७६

माइंस एण्ड फ्यूल डिपार्टमेंट

मनभावन लाल ३२६६६
ए. १४७ (ई टाइप) लक्ष्मी बाई नगर

विमल कुमार ३१६६६
बी. १५/२६५, लोदी कालोनी

ट्रांसपोर्ट एण्ड कम्यूनिकेशंस मिनिस्ट्री

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट-ट्रांसपोर्ट विंग, नार्थ ब्लाक

एम. डी. जैन ३२६१३
५७-डी, कमला नगर

. सी. जैन ३२६१३
५०-मी इर्विन रोड

दौलत राम ३२६१३
द्वारा ला० दनतराम जिनलाल, वे० पटेल नगर

एम मी. जैन
दु० न० २३६० शादीपुर ३२६१३

एस. के. जैन
एफ. ३६६ लक्ष्मीबाई नगर ३२६१३

ट्रांसपोर्ट डिपा०/रोड विंग, जाम नगर हाउस

फतेह चन्द, अंडर सेक्रेट्री ४८७४७
६४२ जैन भवन, अर्जुन नगर

जय कुमार, सेक्शन ग्राफीसर ४००१६
१४-डी राजा बाजार

रतन चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ४००१६
२७९६ किनारी बाजार

ग्रानन्द स्वरूप, ग्रं० इंजीनियर ४००१६
एफ-१३८ नौरोजी नगर

महेश कुमार
१४-डी. राजा बाजार

सुखनन्द कुमार
१४-डी. राजा बाजार

गौतम कुमार
४४-डी कमला नगर

कम्यूनीकेशंस एण्ड सि० एवियेशन डिपा०

सुमेर चन्द, अंडर सेक्रेट्री ३२१११
डी. II/२४६ डिप्लो० एन्क्लेव

रनबीर सिंह, सेक्शन ग्राफीसर ३१२३४
एच-६५ सरोजिनी नगर

के. पी जैन
३७३६ जमादार गली, पहाडी धीरज ३३६७३

लाइट हाउसेज विभाग

राजेन्द्र प्रसाद ३२६८६
बी. १७/६०४, लोदी कालोनी

सिविल एवियेशन, डिपार्टमेंट

प्रेम चन्द, सेक्शन ग्राफीसर ७४२३६
ए ११५, नेताजी नगर

देवराज ३५२७१/१२०
बी ६०, सरोजिनी नगर

प्रकाश चन्द ३५२७१/५६
धर्मपुरा

कंट्रोलर ग्राफ एरोड्रोम

बी० एन० जैन
ई. एफ ६५४ सरोजिनी नगर

सफदरजंग एरोड्रोम

जगदीश चन्द
सी. १६६ (ई टाइप), लक्ष्मीबाई नगर

डायरेक्टर जनरल, पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ पा० स्ट्रीट

सुमेर चन्द, डि० डा० जनरल ३४१७१ ३०१५१/२८०
डी. १/१८६ चानक्यपुरी ३३४४०

शीतल प्रसाद, एकाउन्टेंट ३०१५१/४१५
जी-३२६, श्री निवासपुरी

मुन्नी लाल ३०१५१/४०४
 १८/३४० लोदी कालोनी
प्रकाश चन्द ३०१५१/२५५
 बी-११६ मोती बाग (१)
शांति प्रकाश ३०१५१/४४२
 एक्स-३४५ सरोजिनी नगर
चेन लाल ३०१५१/२६७
 जी-४३३ श्री निवासपुरी
ज्योति प्रसाद ३०१५१/३०६
 ई०-१२६ लक्ष्मीबाई नगर
सुगन चन्द
 जी-१६६ नौरोजी नगर

कार्यालय, डायरेक्टर, पोस्टल सर्विसेज

पी. एण्ड टी. डा० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

रोशन लाल, हेड क्लर्क ३०१५१/३५५
 एल. पी टी. ३४०, सरोजिनी नगर
प्यारे लाल ३०१५१/३५५
 १६ टेली० टेक० व० मे० क्वार्टर्स, अतुलग्रोव
रानी देवी ३०१५१/३६०
 ५/५७८१, देवनगर
प्रकाश चन्द ३०१५१/३६०
 एच ६५, सरोजिनी नगर
भगवान स्वरूप
 एम पी. टी ४८६, सरोजिनी नगर

दिल्ली जी० पी० ओ०, कश्मीरी गेट

ब्रजभूषण लाल
छोटे लाल
हुकुम चन्द, टा० इन्सपेक्टर २६३४४
 १७/२/१६, अतुलग्रोव चेम्बरीज
कपूर चन्द
केशव चन्द
ओम प्रकाश

नई दिल्ली जी० पी० ओ०

भगवान स्वरूप
मगत राम
ज्ञानचन्द

पोस्ट आफिस—सिविल लाइन्स

बिशन दास

पोस्ट आफिस—करोल बाग

खूब चन्द्र, सुपरवाइज़र

इन्टर, नेशनल टेलीग्राफ आफिस

जीवन दीप बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

सुरेन्द्र सिंह
 १३५ गली हवाई पहाड गंज
जयचन्द
 ई० पी० टी० १३३, सरोजिनी नगर
ब्रज लाल
 ई० पी० टी० १३३, सरोजिनी नगर

सेंट्रल टेलीग्राफ आफिस

कैलाश चन्द
 ई० पी० टी० ११०, सरोजिनी नगर

दिल्ली टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, ईस्टर्न कोर्ट

बाबू राम ४५६५१/३६
 ७०२० गली टाँकी वाली, पहाडी धीरज
ओ० पी० जैन ४५६६१/५३
 १६७ अनारकली सा० एक्सटेंशन, गांधी नगर
देवेन्द्र प्रसाद ४८४६०
 एच० पी० टी० ८६, सरोजिनी नगर
रोशन लाल
 ८५, बेअर्ड रोड

तीसहजारी एक्सचेंज

सुमत प्रसाद
 मसजिद खजूर

देहली टेलीफोंस

केशर दास, इलेक० सुप० (फोन) ७३६२७
 एम० पी० टी ४८३, सरोजिनी नगर
सत्यपाल, इंजीनियरिंग सुपरवाइज़र (फोन) ४८६५३
 टी १८ एफ, अतुलग्रोव ४५५५३
उत्तम चद्र, इंजीनियरिंग सुपरवाइज़र (फोन) ७३४०१
 १२८५, फैजगंज, बहादुरगढ़ रोड २८६००

वर्क्स, हाउसिंग एण्ड सप्लाई मिनिस्ट्री

हरी शंकर, अण्डर सेक्रेट्री ३१५५०
 ए-२७७, पंडारा रोड
प्रद्युम्न कुमार, सेक्शन आफीसर ३११२५/२३६
 १७-कार्नवालिस स्क्वैअर

अजीत प्रसाद, सेक्शन आफिसर ३११२५/२२४
३७३६ गली जमादार, पहाड़ी धीरज
जवाहर लाल ३११२५/२४६
१३३-टैमोर रोड
प्रेम चन्द ३११२५/२३६
४१७८ मो० अहीरन, पहाड़ी धीरज
प्रेमचन्द गोयल ३११२५/२३८
ए-२२३, मोती बाग-१
सुरेन्द्र कुमार ४११२५/२०५
ई० पी० टी० ११०, सरोजिनी नगर
तारसीम कुमार ३११२५/२०५
२/३७ रूप नगर
खुशदिल प्रसाद
बी० १६४ नेताजी नगर

चीफ कंट्रोलर आफ प्रिंटिंग एण्ड स्टेशनरी

हंसराज, अ० कन्ट्रोलर (प्रि०) ४२२६१
४६-सी, माता सुन्दरी रोड
ओम प्रकाश ४२२६१/१६
एफ-३० नौरोजी नगर
रघुबीर प्रसाद ४२२६१/२४
डी० जी० ६७०, सरोजिनी नगर
पी. सी. जैन ४२२६१/३१
२२५२ सतघरा, धर्मपुरा

डायरेक्टोरेट जनरल-सप्लाइज एण्ड डिसपोजल्स

पुरुषोत्तम दास, आफी० आन स्पे० ड्यूटी (एका०) ४००२६
१३, महादेव रोड
के० सी० जैन, सेक्शन आफीसर ४६०५६
III/२६४४ नया बाजार
पारस दास, सेक्शन आफीसर ४३६२८
६५/१५-रोहतक रोड
वीरेश्वर प्रसाद
१-एम० एम० रोड
बद्री प्रसाद
५७-महाबतखां रोड
जवाहर लाल ४०६२५
१६-गनेश प्लेस, रीडिंग रोड
महेन्द्र सैन ४२४६७
१३०-ई० देवनगर
एम० पी० जैन ४०६६१
बी-११/१८६ देवनगर
उग्रसेन मित्तल
२१-दरिया गज
मिश्री लाल ४०६२५
सी-२३-ई० विनय नगर
नेम चन्द ४६०५६
डा० सचदेव लेन, ७/१ दरिया गंज
प्रेमनाथ ४४७४०
१५ बी/२८७ लोदी कालोनी
प्रमोद कुमार
ए-६०५ सरोजिनी नगर
रामलक्षपाल सिह ४०६२५
बी. १७/६१८ लोदी कालोनी
देवेन्द्र कुमार ४३८३१
२०२३ गली कायस्थान, बहादुरगढ़ रोड
जिनराज सिह ४३८६७
३६१-ईस्ट विनय नगर
कैलाश चन्द्र
सी-२४८ सरोजिनी नगर
निरजन लाल ४०३६२
डी जी. ६२५, सरोजिनी नगर
नेमी चन्द ४५७३३
बी० ६/७०४, लोदी रोड
नेमी चन्द २३२०१/१६७
८४ गज्जू कटरा, बाडा-सदर
तारा चन्द ४२१८६
४०-एफ, कमला नगर
भारत सिह ४३३१०
रघुनाथ भवन, ११ दरिया गज
चन्द्रभान ४०६६१
डी-३८१, मोती बाग
गुलाब चन्द ४६३७४
जी-३६, श्रीनिवास पुरी
जसवन्त सिंह ४५७३३
६२, बेअर्ड रोड (बेक साइड)
जय कुमार ४२४६७
६६८८-बी०, न्यू रोहतक रोड

राजेन्द्र प्रसाद ४३७३७
४०२ कूंचा बुलाकी बेगम, दरीबां कला
राम चन्द्र ४३८९२
२२६१ गली अनार, कूंचा जल्ला
शिखर चन्द्र ४३३३५
३७३६ गली जमादार, पहाडी धीरज
सुरेश कुमार ४६३४७
एम. पी. टी. ४८९, सरोजिनी नगर
एन० एल० जैन ४८१२९
२७ डिप्टीगज
मोतीराम ४३८९२
३१७ प्रकाश गली, तेलीवाडा सदर
परमेश्वरी दास
डी. जी. ८५७ सरोजिनी नगर
मनोहर लाल ४२५३८
२५४३, धर्मपुरा

नेशनल बिल्डिंग आरगेनाइजेशन ११-ए, जनपथ

सी. एम. पालविया, जौइन्ट डायरेक्टर ४५२५७
१२ लेडी हार्डिंग रोड
रिजक राम जैना ४२५२२
६०२, बैरन रोड

डायरेक्टरेट आफ एस्टेटस एस्टेट आफिस

बर्ड रोड

राम कुंवर, सेक्शन आफिसर ३१२३७
३०२०, गली चूड़ियान, म० खजूर
फतेह चन्द, एकउण्टेण्ट
५७, मीर दर्द रोड
टेक चन्द
जी-१२८ सरोजिनी नगर
शिवचरन लाल
एफ-२०४ (जी.) लक्ष्मीबाई नगर
एम० एस० जैन
ए-२७६ नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव
बलवन्त सिंह
ए-३४७ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

गवर्नमेंट आफ इण्डिया प्रेस

प्रेमचन्द, अ० मैनेजर-प्रि०
धर्मपुरा
सीता राम
एफ-१५३ नेताजी नगर

लैंड एण्ड डेवलपमेंट आफिस, सिंधिया हाउस

(फोन-४७८२६, ४८१२८)

कर्तार चन्द्र, एकाउटेन्ट
३/१३, रूप नगर
रोशन लाल
जे-४१, वेस्ट पटेल नगर
पी० सी० जैन
४१७८, मोहल्ला अहीरन, पहाडी धीरज
अतर चन्द्र
कूंचा सेठ
अजीत प्रसाद
सी ३०८, किदवई नगर
प्रीतम सिंह
१२/६, यूसुफ सराय

सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट

कैलाश चन्द्र, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (बि०) ३११८३
५/७२ वे० एक्स० एरिया, करोल बाग ५२४२६
कन्हैयालाल, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (इले०) ३४४८१
गली नाई वाली, करोल बाग
अजीत प्रसाद, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (बि०) ७२९२४
३१/१०, ईस्ट पटेल नगर ५२४९८
देवेन्द्र कुमार, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर (बि०)
जोगेन्द्र प्रसाद, अ० सर्वेअर आफ वर्क्स
१३/१९ वेस्ट पटेल नगर
एस० एल० जैन, अ० इन्जीनियर
रघुनाथ सहाय, अ० इन्जीनियर
मोती बाग़
शिखर चन्द्र, लेबर आफीसर ३२३४०
५ ए-दरिया गज
महेन्द्र कुमार, डिवी० एकाउटेन्ट
एल-१७६, सरोजिनी नगर

चन्द्र किरण, सेक्शन आफीसर (पार्लि० हाउस) ३२४८२
२४/६५ इवेटसन रोड चेम्बरीज
जय कुमार, सेक्शन आफीसर ३१६८३
रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३३५५७
सुरेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३१६४७
१६ बी/१४, देव नगर
रमेश चन्द्र, सेक्शन आफीसर ३२५६७
नरेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ३२५१०
आई-३०६, सरोजिनी नगर
एम० पी० जैन, सेक्शन आफीसर ३२५१०
पी० एल० जैन, सेक्शन आफीसर
सुखमाल चन्द्र, सेक्शन आफीसर
हिम्मत लाल मेहता, सेक्शन आफीसर ४२६४२
सी-II/२, लोदी कालोनी
महेन्द्र कुमार, सेक्शन आफीसर ४०१११/८८
१५/२८८, लोदी कालोनी
सम्पतराम, सेक्शन आफीसर (इलेक्ट्रिकल) ४०७४६
५६६/३३, गली जैन मंदिर, गाधी नगर
दीन दयाल, हेड क्लर्क २६४६८
निर्मल प्रसाद (पी० एण्ड टी०) ३०१५१/२४४
४/४३ लोदी कालोनी
राज कुमार, ड्राफ्टसमेन ४०१११/८८
११, फौच स्क्वेअर
जीवन राम, (जी ब्लाक)
सुलेक चन्द्र, (जी ब्लाक) ३१६८३
एन० पी० जैन, (अजमेरी गेट)
दीन दयाल, (सेकड सर्किल) ३६३४०
महेन्द्रपाल ४०१११/७२
मोती लाल ४०१११/६७
२५१३, नाई वाड़ा
पी० सी० जैन ४८६२७
जगदीश प्रसाद ३१३०४
छोटे लाल
माखन लाल
एफ-६०५ नेताजी नगर
आर सी. जैन
एफ-६०५ नेताजी नगर

मोती लाल
ई-६६ (जी० टा०) लक्ष्मीबाई नगर
दर्शन लाल
आई-२७७ मेडीकल एन्कलेव

अशोक होटल

जसवंत राय, एकाउण्टेण्ट
जी १६७, लक्ष्मीबाई नगर

प्लैनिंग कमीशन, योजना भवन

कपिल देव, रिसर्च आफीसर ३४३२५
१०२ ए, मोडल बस्ती २३२३३
शाति लाल कोठारी, स्पे० अ० टू मिनिस्टर
६१, कास्टीट्यूशन हाउस ४६०६७
मंगल चन्द, इको० इनवेस्टीगेटर ३५२४१/२१५
१२ लेडी हार्डिंग रोड
राजकुमार, स्टे. टू डिप्टी मिनिस्टर ३१०३२
१६१७, गली माता वाली, किनारी बाजार
पदम सैन ३५२४१/२७
ए-३८, मोती बाग-१
सुदर्शन कुमार ३४२२४
१४/८७४, लोदी कालोनी
राजेन्द्र कुमार
१२ बी/१५८, डबल स्टो० क्वा० देव नगर

प्रोग्राम इवेल्यूऐशन आर्गेनाइजेशन, योजना भवन

जगत नारायन, अंडर सेक्रैट्री ३६२२०
१४-फोच स्क्वेअर ४४१५६
जगदीश मित्र जिदल
१३ गोडोदिया होस्टल, आनन्द पर्वत, करोल बाग
सतबीर सिंह
४, नूरजहा रोड
जयबीर सिंह
३ टेगोर लेन

स्टेटिस्टिक्स ए ड सर्वे डिवीजन

क्यू० सी० जैन
XII/६६४७ इस्लाम चन्द, लायब्रेरी रोड

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन

धौलपुर हाउस

आदीश्वर प्रसाद, सेक्शन आफीसर, ४०१६३/४०
१-डी, देवनगर, करोल बाग ५४६१८

नरेन्द्र सेन, सेक्शन ग्राफीसर ४०१६१/१०
 १०ए/२३, शक्ति नगर

महीपाल ४०१६१/५६
 ४४४ ई, देवनगर

सोहनलाल ४०१६१/८४
 ए. १०५ (ई. टाइप), लक्ष्मीबाई नगर

रघुबीर सिह ४०१६१/८१
 ५६ कूंचा सुखानन्द, चांदनी चौक

बूटासिह ४२८३१
 बी. ६१, लक्ष्मीबाई नगर

महेन्द्र पाल ४०१६१
 कूंचा सेठ

सुमत प्रसाद ४०१६१
 बी. डी. १०४०, सरोजिनी नगर

महताब सिह ४०१६१
 बी. ६२, लक्ष्मीबाई नगर

सेन्ट्रल सोशल वेलफेग्रर बोर्ड

जीवन दीप बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

राकेश जैन, सम्पादक 'समाज कल्याण' ४५७६७
 गली न० २, नाई वाला, करोल बाग

मेहर चन्द, सुपरिनटेंडेंट ४७६५७
 डी. जी. १०४२, सरोजिनी नगर

राजेन्द्र कुमार ४७६५८
 १४ फौच स्क्वेग्रर ४४१५६

रिजर्व बैंक ग्राफ इंडिया

पार्लियामेंट स्ट्रीट

भानु कुमार, बैंकिग ग्राफीसर ३५३०१/२६
 एल. ८६, सरोजिनी नगर ७४००७

निहाल चन्द, ग्रसि० करेंसी ग्राफीसर ३५३०१
 के ५, सरोजिनी नगर

नरेन्द्र कुमार, सुपरिनटेंडेंट ३५३०१/२७
 ३५७४ गली बोरिया वाली, सब्जीमंडी

सोहनलाल, सुपरिनटेंडेंट
 के० २२ सरोजिनी नगर

ग्रोमप्रकाश, सुपरिनटेंडेंट
 के. ६६ सरोजिनी नगर

राजेन्द्र कुमार ३५३०१/डी. बी. ग्रो.
 ७१२१, मंडी घास, मो० जाटान, पहाडी धीरज

राजेन्द्र प्रसाद ३५३०१/डी. बी. ग्रा.
 के ६०, सरोजिनी नगर ७४००७

महेन्द्र कुमार
 ८ एच, पी एण्ड टी० क्वा., सिविल लाइंस

सोमनाथ
 एल. १२, सरोजिनी नगर

सरदार मल
 के ११०, सरोजिनी नगर

सुमत प्रकाश
 जे ३१, सरोजिनी नगर

प्रेमचन्द
 ७१०६, गली पहाड वाली, पहाडी धीरज

ग्रोमप्रकाश
 १२६५, वकीलपुरा

सागर चन्द
 निर्मल बिल्डिंग, बस्ती हफूरल सिंह

किशोर चन्द
 १८२ कटरा मशरू, दरीबा

हुकुम चन्द
 गली गुलिया, धर्मपुरा

शाती लाल
 छप्पर वाला कुग्रा, करोल बाग

रमेशचन्द
 रेगडपुरा, करोल बाग

शिवधन
 ३, एलनबी रोड

पवन कुमार
 के १२०, सरोजिनी नगर

किशन लाल
 के १३८, सरोजिनी नगर

प्रकाश चन्द
 एफ २४८, नेताजी नगर

जैन दास
 जे २०, सरोजिनी नगर

ग्रतर चन्द
 जे १२, सरोजनी नगर

प्रेमचन्द गर्ग
जे १७, सरोजिनी नगर
त्रिभुवन नाथ
एल ८०, सरोजिनी नगर
राजेन्द्र प्रसाद
गोपाल दास
एल १, सरोजनी नगर

नई दिल्ली ट्रेजरी

रिजर्व बैंक बिल्डिंग

नेमदास
४१३७ आर्यपुरा सब्जी मंडी
धर्मेन्द्र कुमार
एफ. ३९६ (जी), लक्ष्मीबाई नगर
केवल राम
चन्द्रभान ३५७४६
सी. १७६ नार्थ आफ मेडीकल एनक्लेव

कार्यालय, कन्ट्रोलर एण्ड आडीटर जनरल आफ इंडिया

मथुरा रोड

पी. सी. दोसी, सुपरिंटेंडेंट
१ सी/११, रोहतक रोड
प्रेमचन्द ४३४७१/६
११४-ए, नेताजी नगर
के. के. जैन ४३४७१/१०
११७७/६ रोहतासनगर, देहली शहादरा
शांतिपाल ४३४७१/आई
II आई/८८, लाजपत नगर
ओमप्रकाश ४३४७१/३१
१४१-सी, वे. विनयनगर
पी. एल. जैन ४३४७१/१०
४३११ गली भेरो वाली, नई सडक

कार्यालय-अकाउन्टेंट जनरल, सेन्ट्रल रेवेन्यूज

मथुरा रोड

डी० के० जैन, अ० एकाउण्टेंट जनरल ४२३४१
जम्बू प्रसाद, अ० एकाउण्टस आफीसर ४२३४१
४८ डी, राजा बाजार ४४५१८

प्रेमसागर, सुपरिंटेंडेंट ४२३४१
१४१, टैगोर रोड
आर. एल. जैन, सुपरिंटेंडेंट
नेमिनाथ
६३४२, दरवाजा न० १/७ ब्लाक, देवनगर ४२३४१
मोती लाल
६३, चावडी बाजार ४२३४१
रमेश चन्द ४२३४१
३७२६ गली बरना, पहाडी धीरज
ए. पी. जैन
१४८१, नाई वाडा, कराल बाग
एस. सी. जैन
८०, मार्केट रोड
जानकी दास
१४१ सी, टैगोर रोड
एस. एल. जैन
८/३ सी. राना प्रताप बाग, सब्जी मंडी
इंदर सेन
१५ एक्स, चित्रगुप्त रोड
डी. सी. जैन
१४७१ पंजाबी मोहल्ला, सब्जी मंडी
एच. सी. जैन
३६६७ गली जमादार, पहाडी धीरज
एम. एल. जैन
१६/६८३१, अमरीकगंज
डब्ल्यू. सी जैन
जी-१५, श्री निवास पुरी
उत्तम चन्द मित्तल
सी. II/७, लोदी कालोनी ४२३४१/४
रोशनलाल
के, २५१, सरोजिनी नगर
उग्रसेन
५३-डी, देवनगर
एम. के. जैन
किराना बाजार, गाजियाबाद
महावीर
६, आरामबाग लेन

एन. के. जैन
६२७ मोहल्ला चौधरियान, सोनीपत
वीरेश्वर कुमार ४३२४१
बी १६/१०१६, लोदी कालोनी
जे. डी. जैन
आर. पी. जैन
२६३६, छत्ता प्रतापसिंह, किनारी बाजार
पी. एस. जैन
१६ डी, करोल बाग
सुरेश चन्द
६५-ई, कमला नगर
कुल भूषण
२५-डी, कमला नगर
एच. डी. जैन
सी २६६, किदवई नगर
एम. एल जैन

सी. डी. एकाउन्टेन्ट जनरल (पी. एण्ड टी.)

ओल्ड सेक्रेटेरियट

अरिदमन कुमार, एस ए एस. सुपरिन्टेडेट ४१७१
५१ थोमसन रोड
किशन चन्द, एस. ए. एस
सागर चन्द, एस. ए. एस.
श्री मदर दास, एस. ए. एस.
करन सिह, एस. ए. एस
अजीत प्रसाद
हरीसिंह
सुमत प्रसाद
नेकी राम, अ० सुपरिनटेंडेट
बिशभर सिह
जुगमदर दास (II), सुपरवाइजर
४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी
पूरनमल, सुपरवाइजर
फिरोजी लाल, सुपरवाइजर
प्रद्युम्न कुमार, सुपरवाइजर
४०६६/४१०२ आर्यपुरा, सब्जी मंडी,
मेहर चन्द, सुपरवाइजर
रिखबदास सुपरवाइजर
सतघरा धर्मपुरा
शीतलप्रसाद. (II) सुपरवाइजर
काली चरण, सुपरवाइजर
सुमत प्रसाद
महावीर प्रसाद
रामलाल
धनपत राय
सुमत प्रसाद (II)
मुरारी लाल
राम भज
चम्पा लाल
राम लाल (II)
नेमी चन्द
भूप सिह
लक्ष्मी चन्द्र
रूप चन्द्र
सागर चन्द ( )
लक्ष्मी नारायन
रोशन लाल
विमल प्रसाद
कपूर चन्द
पदम चन्द,
अगर सेन
नेम चन्द
४१३२ आर्यपुरा, सब्जी मडी
भोपाल सिह
सोम प्रकाश
राज कुमार
बदल सेन
जैनेश चन्द्र गर्ग
प्रेम चन्द
सुगन चन्द
हुक्म चंद
अजीत प्रकाश
रघुबर दयाल

सागर चन्द (III)
रामदास
दीवान चन्द
प्रेम चन्द्र
सूरजभान
सुखवीर सिंह
सुमत प्रसाद
ज्ञान चन्द्र
पदम प्रकाश
विनय चन्द्र
सुखमाल सिंह
ओम प्रकाश (I)
कैलाश चन्द्र
नरेश चन्द्र
पदम प्रसाद
निर्मल कुमार
जय प्रकाश
सतीश कुमार
सुरेन्द्र कुमार
नेम चंद्र
सुमन प्रसाद
कीर्ति प्रसाद
हीरा लाल

डायरेक्टोरेट आफ आडिट, फूड, रिहेबिलीटेशन सप्लाई, कामर्स, स्टील एण्ड माइन्स

अकबर रोड

महेन्द्र कुमार
जी-६२२, सरोजिनी नगर

लक्ष्मी चद
डी जी १०५ सरोजिनी नगर

डायरेक्टोरेट आफ कमर्शियल आडिट

ब्लाक नं० १, डा० राजेन्द्र प्रसाद मार्ग

एल. सी. जैन, अ० आडिट आफीसर ४७२४८

अजीत कुमार
एम-२१५, सरोजिनी नगर

रूप चन्द
डी जी ८८६, सरोजिनी नगर

उत्तर (नार्दन) रेलवे

दिल्ली, रेलवे स्टेशन

एम. पी. जैन, स्टेशन सुपरिनटेंडेंट २४८२५
१७-ए., डा० श्याम प्रसाद मु० मार्ग २५४१३

ईश्वर प्रसाद, टि० कलक्टर २४८२५
१७-ए, डा० मुकर्जी मार्ग

नरेश चन्द, टि० कलक्टर
मोती नगर

नेमचन्द
२१८८, धर्मपुरा

अनिल कुमार
२१८८, धर्मपुरा

विनोद कुमार
२१८८, धर्मपुरा

विद्याप्रकाश
२१८८, धर्मपुरा

ज्ञानचन्द

पी. के. जैन

सुलेक चन्द
२६४, कृष्णा नगर

अनूप चन्द

मित्रसेन
२२३६, गली अनार, किनारी बाजार

धर्मचन्द

नरेन्द्र कुमार २८४५८
१०७ छीपी वाडा, मेरठ

प्रकाश चन्द

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन

राजेन्द्र कुमार, टि० कलक्टर ४४७७८
६६६०, मुल्तानी ढाढा, पहाड़ गंज

नानक चन्द ४४७७८
२३६७, छत्ता शाहजी, चावड़ी बाजार

महेश चन्द ४५६७१/२६५
१२१६ चाहरहट

हेड क्वार्टर्स ग्राफिस, बड़ौदा हाउस (४६४२१)

अजीत प्रसाद एका० ग्राफीसर (रिटा०)
 १, एम एम रोड
अमर चन्द्र, वी विजीलेंस इन्सपेक्टर
भगवान स्वरूप, हेड क्लर्क
 टी. ५८ जी सराय फूस, रेलवे क्वार्टर्स
बाम्मल, हेड क्लर्क
 १६/२३, रेलवे कालोनी, किशनगज
उदयबीर प्रसाद
 २१३३, मसजिद खजूर
नानक चन्द्र
 टी ४८ ए दिल्ली क्लाथ मिल के सामने
विजय सेन
 पहाड़ी धीरज

सिक्यूरिटी ब्रांच, बड़ौदा हाउस

महावीर प्रसाद
 १७७७, मोहनगज, सब्जी मंडी
फूल चन्द्र
 रेलवे क्वार्टर्स, सराय फूस तीसहजारी

ग्रापरेटिंग ब्रांच, बड़ौदा हाउस

एस पी लाल, चीफ ग्राप सुपरिन्टेंडेंट ८४५०६०/४६८२१
 बड़ौदा हाउस ४५६७१
मूल चन्द्र
 २५२१, नाई वाडा बडशाबुला, चावडी बाजार
नरेश चन्द्र
 १३६-डी. कमला नगर
महावीर प्रसाद
 टी ५१ ए, दिल्ली क्लाथ मिल के सामने

कर्माशियल ब्रांच, कश्मीरी गेट

जय प्रकाश
 १२६३, वकील पुरा
सुमेर चन्द्र
 हलालपुर (रोहतक)
जय चन्द्र
 गली जैन मन्दिर, शहादरा
महेन्द्र कुमार
 गली जैनी, समाना (पटियाला)
राज कुमार

इन्जीनियरिंग ब्रांच, बड़ौदा हाउस

पी० डी० जैन, एक्जीक्यूटिव इन्जीनियर
रघुनाथ सहाय ड्राफ्ट्समैन
 XIV टे ६६६४, पहाड़ी धीरज
जगन्नाथ
 ई-१३, अन्धा मुगल सब्जी मंडी
रिखबदास
 ६५/१२, रेलवे क्वार्टर्स, सब्जी मंडी
किशन चन्द्र
 सी-६५, जैन नगर, मेरठ
राज कुमार
 ६७८१, अमरीकराय गंज, न्यु रोहतक रोड
जनेश्वर दास
 १२१/२१, रेलवे क्वार्टर्स, दिल्ली-किशनगज

मेकेनिकल ब्रांच, बड़ौदा हाउस

के० डी० टोक, हैड क्लर्क
 एल/६५ ए, रे० क्वार्टर्स, सराय फूस, तीस हजारा
महावीर प्रसाद
 २३५१, धर्मपुरा

स्टोर्स ब्रांच, बड़ौदा हाउस

राम कुमार
 २७३४, सीताराम बाजार
मगल सेन
 बी-२३, जैन नगर, रेलवे रोड, मेरठ
हकमत राय
 बी-२३, जैन नगर, मेरठ
बाबू लाल
 ८६६, मद्रासी कैम्प, ग्राई एन ए कालोनी
सूरजपाल सिंह
 २५१३, नाई वाडा, चावडी बाजार
धन्नाकल
 १५५६, गली नाई वाली, करोल बाग

स्टेटिस्टीकल ब्रांच, बड़ौदा हाउस

जे० के० जैन

१७७ मोहल्ला गगाराम, शहादरा

सुमत प्रसाद

म० न० ६१४, कूचा वाली एन, सीताराम बाजार

सिगनल एण्ड टेली कमयुनिकेशन ब्रांच, बड़ौदा हाउस

श्रीपाल

४२६३, सब्जी मंडी

एकाउंटस ब्रांच, बड़ौदा हाउस

करम चन्द्र

१३/२, दिल्ली-किशनगंज रेलवे कालोनी

निहाल चन्द्र

४५३६, पहाड़ी धीरज

कैलाश चन्द

३६०५, पहाडी धीरज

बिमल प्रसाद

२१, गली नाई वाला, करोल बाग

हेम चन्द्र

रली गली, पुरानी मंडी, सोनीपत

इन्द्रसेन

१/११, सेवा नगर

मदन लाल

२/१५, रेलवे कालोनी, सब्जी मंडी

आर० एल० जैन, सुपरिंटेंडेंट ४६८८१

सराय रोहिल्ला

आडिट ब्रांच, बड़ौदा हाउस

बी. पी लाल, ओसवाल

१७०३, सोहनगंज, सब्जी मंडी

कार्यालय-डिवीजनल सुपरिटेंडेंट

शंकरलाल, हेड क्लर्क (रिटा०)

१७ जी, मीरदर्द रोड

कवल सिंह

२१, नाई वाला, करोलबाग

ओंकार सिंह

२११३, सतघरा, किनारी बाजार

हरीचन्द

पालम

लक्ष्मण दास

शहादरा, दिल्ली

सन्तोष कुमार

सोनीपत

मनोहर लाल

पालम

लालचन्द्र

नरेला मंडी

बिमल प्रसाद

५१२, छत्ता हीग, छोटा बाजार, शहादरा

महावीर प्रसाद

४४६३ गलीमल, पहाडी धीरज

नवल किशोर

पालम

अभिनन्दन कुमार

२४८२ गली पीपलवाली, धर्मपुरा

चन्द्रसेन

३ दरियागंज

ट्रैफिक एकाउंट स आफिस, दिल्ली-किशनगंज

पदम प्रसाद सुपरिन्टेन्डेन्ट

१८, दरियागंज

लक्ष्मी चद्र

क्वा० न० २३६ जैन निमारपुर

ज्ञान चद्र

सुभाष चौक बहादुर गढ

राम रतन

८३५३ आर्य नगर, पहाड़गंज

कवर सेन

मंडी घी पहाडगंज

राम प्रकाश

रेलवे क्वा० ११८/१६ दिल्ली-किशनगंज

मुन्नालाल

२१ दरियागंज

विशाल चद

निमारपुर

एन० सी० जैन
    २३५१ धर्मपुरा.
निरंजन लाल
    पत्तावाली गली, फर्श बाजार शाहदरा
रामनरायन
    रे० क्वा० १६०/१२ दिल्ली-किशनगंज
सुमन प्रसाद
    न्यू गेट, गाजियाबाद
चेतन स्वरूप
    आर्य नगर गाजियाबाद
किशन चंद
    चांदनी चौक
महाबीर प्रसाद
    १०२/१ रेलवे क्वा०, दिल्ली-किशनगंज
एच० सी० जैन
के० आर० जैन
    मोहल्ला केशरी, शाहदरा
बनारसी दास
    ४४११ नई सड़क
प्रेम शंकर
    लड्डू घाटी, पहाड़ गंज

नार्दन रेलवे दिल्ली डिवीजन

मनोहर लाल
    पालम, कंट
हरिश्चन्द्र
    पालम, कैंट
लक्ष्मणदास
    गली मन्दिर वाली शाहदरा
सन्तोष कुमार
    देवीवाड़ा, सोनीपत

डिवीजनल एकाउंट्स आफिस

नवल किशोर
    पालम, कंट
रूपचन्द्र
    गनौर (रोहतक)

पश्चिम (वेस्टर्न) रेलवे

ट्रैफिक एकाउंटस आफिस, दिल्ली-किशनगंज

लक्ष्मी चन्द
    गली जैन मन्दिर, शहादरा
नन्दपाल
    गली जैन मन्दिर, शहादरा
भगवत स्वरूप
    रे० क्वा० ३७/११ दिल्ली-किशनगंज
एन० के० जैन
    ५ सी/५०, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग
जगदीश प्रसाद
    पटौदी रोड, जि० गुड़गांव
आनन्द स्वरूप
    गज्जू कटरा, शहादरा
महावीर प्रसाद

कार्यालय पे एण्ड एकाउण्टस आफिसर्स

अकबर रोड हटमैटस

देव कुमार अ० पे० एका० आफीसर ४४३११/२६
    ४६८४ दरियागंज
फिरोजी लाल गोयल, एकाउन्टेन्ट ४४३११
गनेशी लाल एकाउन्टेन्ट
    ए- २३/११७ लोदी कालोनी
पी० पी० जैन अ० सुपरिन्टेंडेंट
आनन्द कुमार
जिनेन्द्र प्रसाद
रामनी प्रसाद
    बी-३०७ सरोजिनी नगर
राजेन्द्र कुमार
शिखर चन्द
विमल चन्द
एम० एम० डी० जैन
वीरेन्द्र कुमार गोयल
    जी-६२२ सरोजिन नगर
आदीश्वर प्रसाद
दयाचन्द

दर्शन सिंह
नेम चन्द

फूड एण्ड एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री

जे. पी जैन
१३ डी, स्कूल लेन
जनेश्वर दास
३७ सी, तुर्कमान रोड
ए० एस० जैन
हरिश्चन्द्र
जे पी जैन
विशाल मोहन

रिहेबिलीटेशन मिनिस्ट्री

कैलाश चन्द
आई-३५० सरोजिनी नगर

कन्ट्रोलर ग्राफ डिफेन्स एकाउण्टस

बी एन. जैन डि. एटर्नी, जन—डिफ. एकाउंट्स
(ग्रान डेप्यूटेशन)
पदम कुमार
एक्स ३४५ सरोजिनी नगर

गवर्नमेंट ग्राफ इंडिया ग्रण्डरटेकिंग्स

रिजर्व बैंक ग्राफ इण्डिया

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
ग्रहमदाबाद
लोकल बोर्ड (वेस्टर्न एरिया)
कस्तूरभाई लालभाई, सदस्य
मथुरादास मगनदास पारख, सदस्य
लोकल बोर्ड (नोर्दन एरिया)
साहू जगदीश प्रसाद, सदस्य

इंडस्ट्रियल फाइनेंस कार्पोरेशन ग्राफ इण्डिया
रिजर्व बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

के० पी० जैन, सदस्य, शुगर एडवाइजरी कमेटी	४४०४१
२७६३, गली पीपल महादेव, [illegible]	[illegible]

रिहेबिलीटेशन फाइनेंस एडमिनिस्ट्रेशन

ग्रमोलक चन्द्र, सदस्य (उ० प्र०)

इंडस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन ग्राफ इंडिया लि०, १६३ बैकबे रिक्लेमेशन, बम्बई-१

कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर
ग्रहमदाबाद

नेशनल इण्डियन डेवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन

मनुभाई शाह, वाइस-चेग्ररमैन	३३०९१
१२ तुगलक रोड	१३६०३
शान्तिप्रसाद (साहू), डायरेक्टर	३३५६१
६ सरदार पटेल मार्ग	३४४०२
कस्तूरभाई लालभाई, डायरेक्टर	
ग्रहमदाबाद	

इण्डिया ग्रायल कम्पनी लिमिटेड

ग्रमोलक चन्द्र, डायरेक्टर

हिंदुस्तान इन्सेक्टीसाइड्स लि०, नजफगढ़ रोड

बी० ग्रार० भटारी, सेक्रेट्री व एड० ग्राफीसर	४८२०१
१६ बी/२८, देवनगर	५५८६३

नेशनल स्माल इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि०
रानी झांसी रोड

मूलचन्द्र (ससद सदस्य), डायरेक्टर	
१५४, नार्थ एवेन्यू	३४३२६

हिन्दुस्तान केमीकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
(हैड ग्राफिस नया नगल, होशियारपुर)
शाखा--१५७/४८ चाणक्यपुरी

ब्रजभान, डायरेक्टर

साहित्य ग्रकादमी
(नेशनल एकादमी ग्राफ लेटर्स)
हिन्दी एडवाइजरी बोर्ड

जैनेन्द्र कुमार, सदस्य	२४६५६
७/३६, दरियागज	२४१०६
यशपाल, सदस्य	४०५०४
७, दरियागंज	३२६२६

दूतावास, दिल्ली प्रशासन, आदि

दूतावास

यूनाइटेड स्टेट्स आफ सोवियत रिपब्लिक्स

चाणक्यपुरी

प्रेम कुमार
  क्वा० न० ५८, ब्लाक न० २, जगपुरा

यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका

चाणक्यपुरी

छोटेलाल
  १४०-देवनगर

कैलाशचन्द्र
  ३० चावड़ी बाजार

धर्मप्रकाश
  क्वा० १११-ए/१६ न्यू डबलस्टोरी, लाजपत नगर

मगतराय

प्रकाशचन्द्र
  ४७ बगला रोड

राजेन्द्र प्रसाद
  २४/५ शक्तिनगर

सुमेरचन्द्र
  २२८३ गली पहाड़ वाली, धर्मपुरा

एस० के० जैन
  १५०३ कूचा सेठ, दरीबा कला

वी० सी० जैन
  III/I-1 लाजपत नगर

श्रीमती सरला जैन प्रकाश
  दीवान हाल

यूनाइटेड स्टेट्स इन्फार्मेशन सर्विस

सुश्री हीरा कपासी, जू० लायब्रेरियन
  बी० ५, [illegible] रोड

दिल्ली प्रशासन

जज व मजिस्ट्रेट

चेतन दास, एडी० सेशन जज (पंजाब)	२८३६५
१७३७ मगल बिल्डिग, चांदनी चौक	
विनोद कुमार, सब-जज	
कान्ता जैशीराम (श्रीमती) मजिस्ट्रेट	२६५६६
१६ दरियागज	
लक्ष्मी चन्द, आ० मजिस्ट्रेट	४२५२१
गली मन्दिर वाली, शहादरा	७३२०१/२०७
कैलाश चन्द (डा०), आ० मजिस्ट्रेट	२६३०१
किदार बिल्डिग, ट्राम टर्मीनस, सब्जी मडी	२७७८६

दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन, सेक्रेटरियट

ओल्ड सेक्रेटेरियट भवन

विनोद कुमार, असिस्टेंट कलक्टर (कस्टम्स)	
पहाड़ी धीरज	
सागरचन्द्र, सुपरिटेंडेंट	२४१८१/१६
V/२६६ ओल्ड पुलिस पोस्ट के पास, शहादरा	
मेहर चद, इस्पेक्टर (लोकल आफिसेज)	२६६८०
कश्मीरी गेट	
कैलाश चन्द	२४१८१/२६
१५०३ कूचा सेठ, दरीबा कला	
सागर चन्द	२६६८०
४६४६/२१, दरियागज	
दीप चन्द	२६६७१
क्वा० न० ७, चौ. क स्टाफ क्वार्टर्स	
महावीर प्रसाद	२६१४४
६६८८-डी, भगवान मदिर, सराय रोहेला	
मगल सेन	२६६४४
१३-बी. क. स्टाफ क्वार्टर्स, अपर बेला रोड	

महेन्द्र प्रसाद　　२६६४४
　२४४३, धर्मपुरा
मगतराम　　२६६४४
　२३४४' धर्मपुरा

डायरेक्ट्रेट आफ फूड एण्ड सिविल सप्लाइज
तीस हजारी कोर्टस बिल्डिंग

बाल किशन गोयल, इंसपेक्टर
　८७०-ईस्टपार्क रोड, करोल बाग
जगमोहन लाल　　२४१८०
　७/३२ दरियागंज　　२६२८३
रमेश चन्द
　२३३५ धर्मपुरा
उल्फतराय
　३८-ई कमला नगर

दिल्ली स्टेट मोटर ट्रांसपोर्ट कंट्रोलर्स आफिस
राजपुर रोड

निष्कलंक जिंदल, रोड सेफ्टी इंसपेक्टर
　आफीसर्स होस्टल, तीस हजारी कोर्टस बिल्डिंग
रनजीत सिंह
　तिमार पुर
अजीत सिंह
　करोल बाग
छबील दास
　६ शाम भवन, दरियागंज
मदन लाल
　६ शाम भवन, दरियागंज

दिल्ली ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग, सिंदिया हाउस

हम चंद्र, लेबर वेलफेयर आफीसर
आर. पी. जैन, अ० इंचार्ज
रामकिशोर, अ० इंचार्ज
नरेन्द्र नाथ, एकाउंटेंट
　दरियागंज
सतीश कुमार
　३१३० मार्डन स्ट्रीट, जगत सिनेमा के पास
महेन्द्र कुमार
　पहाड़ी धीरज
विजेन्द्र कुमार
　दरियागंज
एन० के० जैन

बस कंडक्टर्स

दया चंद्र
विमल प्रसाद
गोपीराम
जितेन्द्र कुमार
नानूराम
पी. एल. जैन

कार्यालय- सेल्स टेक्स, एक्साइज, एंटरटेनमेंट टेक्स व रजिस्ट्रेशन कमिश्नर, २ बैटरी लेन, सरस्वती हाउस, कनाट प्लेस

उलफतराय जैन, अ० सेक्शन आफीसर
　६ भार्गव लेन
जितेन्द्र कुमार, अ० सेक्शन आफीसर
　१०० गज्ज कटरा, शाहदरा
शाम लाल
　४५४७-४८ पहाड़ी धीरज
देव कुमार
　६६८८-डी न्यू रोहतक रोड
सुखमाल चन्द
　१०८६-गली राजा उग्रसेन, बाजार सीताराम
नेम चन्द
　सी-१८२ नार्थ आफ मेडीकल एन्क्लेव
कैलाश चन्द
　१२/६५ रोहतक रोड
शिवराज सिंह, स० इंसपेक्टर (एक्साइज)
　१/१६ रूप नगर
सागर चन्द
　८८० ईस्ट पार्क रोड
महावीर प्रसाद
　२५०३ धर्मपुरा
प्रेम चन्द
　६५ गनेशपुरा, शान्ति नगर
गजेन्द्र कुमार
　४१३२ गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी　　२८६४८

रवीन्द्र नाथ
 ६८८ गली भोजपुरा, माली वाडा
उग्रसेन
 ३६८१ गली जमादार
निर्मल कुमार
 ३७०४ गली जमादार
के० के० जैन
 ३,१६७ कूचा तारा चन्द, दरियागंज

इंडस्ट्रीज एण्ड लेबर डायरेक्टोरेट

१-राजपुर रोड

विमल प्रसाद, सुपरिटेंडेंट २३५६८
 ४२११ आर्यपुरा
राज कृषि २३४८८
 XIII/४५० पहाडी धीरज
बी पी जैन २२४६८
 मंडीवाली गली, पहाडी धीरज
मगनराम २५५१७
 ५२ आर के केमी व , नजफगढ रोड ५८३३६

पब्लिक रिलेशन्स डायरेक्टोरेट (फोन-२३४८१/२८६१३)
ब्लाक नं० ६, ओल्ड सेक्रेटेरियट

कमल कुमार
 ६६८८/स न्यू रोहतक रोड, सराय रोहेला

एम्पलायमेंट एण्ड ट्रेनिंग डायरेक्टोरेट

ई. ब्लाक कनाटप्लेस

सतेन्द्र कुमार
 २६/२३, जैन भवन, शक्ति नगर

इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीच्यूट पूसा रोड

मसन लाल, इंस्ट्रक्टर

एम्पालायमेंट एक्सचेंज

टी० सी० जैन
पी० सी० जैन

फिशरीज डिपार्टमेंट

लक्ष्मण दास
 ४१३७ आर्यपुरा, सब्जी मण्डी

दिल्ली स्टेट प्रेस आफिस, ओल्ड सेक्रेटेरियट

बलवन्त राय २६२६५
 ४६५६ गली मोहर सिंह, पहाडी धीरज
अजीत प्रसाद २६६५
 ८३४ मटोला, पहाडगंज

एजूकेशन डायरेक्टोरेट, ओल्ड सेक्रेटेरियट

हेम चन्द २३००१
 १२, लोदी रोड (मन मार्केट)

बोर्ड आफ हायर सेकण्डरी एजूकेशन

ओल्ड सेक्रेटेरियट

रवीन्द्र कुमार २५२५१
 १२-डी कमला नगर
अजीत प्रसाद २५२५१
 फैज बाजार, दरियागंज

डिप्टी कमिश्नर्स आफिस

तीस हजारी कोर्टस बिल्डिंग

पूरन मल
 २३४, कूचा मीरआशिक, चावडी बाजार
शिखर चन्द
 चिराग दिल्ली
सुरेन्द्र सिंह
 तिमारपुर
जगन्नाथ
 सब्जी मंडी
सागर चन्द
 गुड मंडी, पहाडगंज
धर्मपाल
 बाग कडे खां
बाल किशन
शान्ति प्रसाद
 आर्यपुरा, सब्जी मंडी
माखन लाल
कमल किशोर
लाजपतराय

दिल्ली ट्रेजरी

तारा चन्द

मदन लाल

कोआपरेटिव सोसायटीज़ डिपार्टमेंट

दीप चन्द्र, सब इन्सपेक्टर २६५१८
मौडल बस्ती

दिल्ली नगर निगम (म्युनिसिपल कार्पोरेशन)

टाउन हाल, चांदनी चौक

सदस्य नगर निगम (म्युनिसिपल काउंसिलरस)

भीकू राम २५६६६
पहाडी धीरज २७३२७

श्रोम प्रकाश
गली बहूजी, पहाडी धीरज

रतन लाल
८२६, मटोला, पहाडगज ४६७७०

कार्यालय जनरल विंग

ए० पी० जैन, एक्जी० इजीनियर (२४१५१ २४१५६/१७
७, दरियागज २४६०२

माम चन्द्र, विजीलेस ग्राफीसर २५१५१/४७
XIV/४५६४, गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

दर्शन लाल, सुपरिन्टेडेंट (विजि०) २४६५१/४७
२०, म्यू० कालोनी, ई ब्ला०, कमला नगर

ग्रमर सेन, सुपरिन्टेडेंट (इले०)
३६१६, चावडी बाजार

सुमत प्रसाद, पी० ए० टू चीफ एकाउटेंट २३२२०
ए-१६, राना प्रताप बाग

त्रिलोक चन्द्र, सुपरिन्टेडेंट (क्रीमेशन ग्राउडस)
शहादरा

जिनेन्द्र प्रसाद, जनरल एटार्नी (तीस हजारी)
१२६६, वकीलपुरा

सागर चन्द्र, हेड क्लर्क
४६४१, गली मोहर सिंह, पहाडी धीरज

सतीश चन्द्र, हेड कैशियर
३२ म्यू० कालोनी, बगलो रोड, कमला नगर

हरीश चन्द्र २४१५१/४७
६ म्युनिसिपल कालोनी, कमला नगर

शाम लाल
सब्जी मंडी

जवाहर लाल (क्यू० ट्रेजरी)
३२०, गली कुंजसवाली, दरीबा

शीतल प्रसाद २४१५१/५०
१०१६, नजफगढ

हुकुम चन्द २४१५१/५०

सुमत प्रकाश
४६८३, शिव नगर, करोल बाग

सतिन्द्र कुमार
१०/६०४ लोदी कालोनी

राम कुमार
५२, रीडिंग लेन

श्री पाल
१०००, रीडिंग लेन

सुरेन्द्र कुमार
२४६४, नाई वाडा, चावडी बाजार

शिखर चन्द
पहाडगज

नन्द किशोर, जनरल एटार्नी २४१५१/१०
६ म्यू० कालोनी, कमला नगर

नरेश चन्द्र, इन्सपेक्टर
२२४८, गली अनार

जयपाल, इन्सपेक्टर

हेमचन्द्र
४६८, बडा बाजार, शहादरा

मानक चन्द्र २४१५१/३८
५३५८, लड्डूघाटी, पहाडगज ४०५५३

विमल चन्द २४१५१/३८
१६६५, नौघरा, किनारी बाजार

पवन कुमार
३०-डी, कमला नगर

ग्रोम प्रकाश
३८७३, गली मंदिर वाली, पहाडी धीरज

वीरसेन
४५३०, पहाडी धीरज

दर्शन लाल २४१५१/२६
१०६, म्यू० कालोनी, आज़ादपुर

महेन्द्र प्रसाद २४१५१/२६
    ११२, म्यू० कालोनी, आजादपुर
सुरेन्द्र कुमार २४१५१/२६
भीम सिंह २४१५१/२६
विजेन्द्र पाल २४१५१/२६
प्रेम चन्द्र, सेक्शन ग्राफीसर (सिटी जोन)
    थामसन रोड
ग्रहमिद्र कुमार
    ६४७, मालीवाडा, नई सडक
जे० के० जैन
    क्वाटर न० १६, ब्लाक ११०, सराय रो ला
प्रह्लाद सिंह
    ४५-ई. कमला नगर

कार्यालय-ओल्ड हिन्दू कालेज बिल्डिंग, कश्मीरी गेट

महेन्द्र कुमार, हेड क्लर्क (लायसेंसिग डिपार्टमेंट)
    ३ म्यू० कालोनी, बंगलो रोड, जवाहर नगर
जयचन्द, रेट कलक्टर (लायसेंसिग डिपार्टमेंट)
राम चन्द्र (एजू० डिपार्टमेंट)
    १३६५, बदवाडा
चेतन लाल (एजू० डिपार्टमेंट)
कमर सेन (एजू० डिपार्टमेंट)
    गली पहाड वाली, पहाडी धीरज
सुख चरन (टर्मीनल टैक्स)
    नजफगढ
कान्ति प्रसाद (टर्मीनल टैक्स)
जैन प्रकाश (टर्मीनल टैक्स)
हरी चन्द्र (टर्मीनल टैक्स)
    गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज

कार्यालय—तिबिया कालेज बिल्डिंग, करोल बाग

निर्मल कुमार, ग्र० म्यू० प्रासीक्यूटर (प्रासी० ब्रांच)
मुल्तान
बैज नाथ
    म्यू० कालोनी, ब्लाक ई. कमला नगर
देवी दयाल
    ४५ ई०, कमला नगर

कार्यालय-वेस्ट ज़ोन, राजोरी गार्डन

एम० के० राय, ज़ोनल ग्राफीसर ५१५६३
सन्तोष कुमार, सेक्शन ग्राफीसर (इन्जीनियरिंग)
जयपाल, सेक्शन ग्राफीसर (बिल्डिंग)
नेम चन्द्र
    म्यू० कालोनी, ग्राज़ादपुर
ग्रभिनन्दन कुमार
    डी० जी० ६५०, सरोजिनी नगर

कार्यालय—सिविल लाइन्स ज़ोन, १६ राजपुर रोड

फल चन्द्र २५५२५
    २१/१७ (४६५७) दरियागंज
प्रताप चन्द्र २५५२५
    पी-५५, डी. एल. एफ. कालोनी, रिंग रोड
नरेश चन्द्र २४६०७
    ५२३४, ग्रशोक भवन, कोलहापुर रोड
सुखबीर
    छोटा बाजार, दिल्ली शहादरा

कार्यालय-नई दिल्ली ज़ोन, ७ सिंधिया हाउस

ग्रोम प्रकाश, सेक्शन ग्राफीसर ४७७१५
    चिराग दिल्ली
वकील चन्द्र

कार्यालय-साउथ दिल्ली ज़ोन, ग्रीन पार्क

रमेश चन्द्र, सेक्शन ग्राफीसर ७२६२१
    ई-५, ग्रीन पार्क
महीपाल, सेक्शन ग्राफीसर
    ११३, सरोजिनी नगर
जनेश्वर दास
    डी. जी. ६५० सरोजिनी नगर

वाटर सप्लाई एण्ड सीवेज डिस्पोज़ल ग्रंडरटेकिंग
टाउन हाल, चांदनी चौक

मल्लिनाथ, डिप्टी चीफ इन्जीनियर २४१५१/१४
    X1/४२३६ ए दरियागंज २५१३६

रमेश चन्द्र २४१५१/१४
१८४१, चीराखाना, मालीवाड़ा

दिल्ली इलेक्ट्रिक सप्लाई अंडरटेकिंग

राजेन्द्र कुमार २३५४८
७/२६, दरियागंज

मोहन लाल २३५४८
६६, मोडल बस्ती

मेहर चन्द
. २३६७, छत्ता शाह जी

बाबू लाल
७२, मोडल बस्ती

इकबाल सिह
. XIV/४५८६ गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज

जय चन्द
३७२३, गली जैन मदिर, पहाड़ी धीरज

विद्या सागर
४४६४, जुगल किशोर कोठी, गली जतन, प० धीरज

मुन्नालाल
७०४२, घास मंडी, पहाड़ी धीरज

हरिश्च चन्द्र
१६२६, बवींज रोड

महेन्द्र कुमार
१२०२, बड़ा बाज़ार, कश्मीरी गेट

नव निहाल सिंह
६३, मुक्तराम निवास, चावड़ी बाज़ार

श्रोम प्रकाश
१०, रीडिंग रोड

रविन्द्र कुमार
५६५, मटोला

प्रेम चन्द
१७०८, फिल्म कालोनी

मदन लाल
१३६, कटरा मशरू, दरीबा

महेन्द्र कुमार
१०००, रीडिंग रोड

सतीश चन्द्र
२१, दरियागज

बाबू राम
जैन मदिर, गाधी नगर

सुभाष चन्द्र
एच-५०६, सरोजिनी नगर

देवेन्द्र कुमार
५१, रेगढ़पुरा, करोल बाग

हेम चन्द
१२७२, वकीलपुरा, दरीबा

फूल चन्द
७/२६ दरियागज

नई दिल्ली म्युनिसिपल कमेटी

चिरजी लाल, सुपरिटेडेट (रेट्स)

भगवत स्वरूप, सुपरिटेडेट (ग्राडिट)

सुखबीर सिह गोयल, ग्र० इले० इन्जीनियर ४७७५८
८५, मिन्टो रोड ४७५७१

पदम सेन, शिफ्ट इन्चार्ज

वकील चन्द

मुन्नी लाल

प्रकाश चन्द

सुमेर चन्द

नेम चन्द

सुमत प्रसाद

दया नन्द

रोशन लाल

एम० एल० जैन
२०८७/६ बी०, प्रेम नगर, नजफगढ रोड

निर्मल कुमार

मुन्शीलाल
एच-५३/५८ कर्बला, लोदी रोड

बैंक व बीमा कम्पनियां

इलाहाबाद बैंक लिमिटेड
(चांदनी चौक शाखा-फोन २८६६२)

तिलक चन्द
(सिंदिया हाउस, नई दिल्ली शाखा-फोन ४८२६८)
एस० एम० जैन

बैंक आफ बड़ौदा लिमिटेड

(दिल्ली शाखा-कूंचा गौरी शकर-फोन २४६७७)

कंवर सेन

सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया लिमिटेड

शीलचन्द्र, ट्रेजरार (दिल्ली-अम्बाला ग्रुप) २५०८६
कार्यालय—३३, चादनी चौक २६८३६
निवास—३४, फीरोजशाह रोड ४८०८१
(अशोक होटल शाखा-फोन ३०१११)
राजेन्द्र कुमार, एकाउटेंट
४२२२, आर्यपुरा, सब्जीमडी
(चादनी चौक शाखा-फोन २३३३१ व २६८३६)
बालमुकुन्द
चीफ कैशियर, ५६५, पहाड गज
इन्द्रसेन
गली कटरा, शहादरा
शाति प्रसाद
२०८८, किनारी बाजार
मोहन सिंह
एफ. ८/११, माडल टाउन
राजनरायन
२२६१, गली मनार
सनत कुमार
गंदा नाला, मोरी गेट
प्यारे लाल
१२१४, कूंचा सेठ
दरबारी लाल
छीपीवाडा
प्रेमचन्द
गली पहाड वाली
ओमप्रकाश
सतधरा, धर्मपुरा
मित्रसेन
४६६४, डिप्टीगंज
बिमल प्रकाश
२५२६, धर्मपुरा
हीरालाल
२१६४, धर्मपुरा
बालचन्द
१४६८, गली झटके वाली, कूचा सेठ
रूप किशोर
२५६८, कूचा सेठ
कामता प्रसाद गोयल
चादनी चौक
जुगमंदर दास
२२६२, गली पहाड़ वाली धर्मपुरा
सुमत प्रसाद
२२५३, गली पहाड़ वाली, धर्मपुरा
विलायती राम
१२६६, वकीलपुरा
श्री महेन्द्र
शहादरा
महेन्द्र कुमार
१३६, पहाड़ गंज

दीपचन्द
नाई वाडा, करोल बाग़
प्रेमचन्द
१५०१, कूंचा सेठ
सलेक चन्द
३७७५, गली मदिर, पहाड़ी धीरज
महेन्द्र कुमार,
४५१६, गली नत्थन सिंह, पहाडी धारज
सुरेश कुमार
गली मन्दिर वाली, शहादरा
पुष्पचन्द २३३३१/३
३६५ मटोला, पहाडगज ४२०१३
पद्मचन्द
६४ ई०, कमला नगर
बालेश्वर प्रसाद
४६२१, पहाड़ी धीरज
जयन्ती प्रसाद
४२० जोगी वाड़ा
ज्ञानचन्द
सब्जी मडी

(जनपथ शाखा-फोन ४८२७५)

राजेन्द्र कुमार, जूनियर आफीसर
४२२४, आर्यपुरा, सब्जीमडी
जोती प्रसाद, खजाची
६४४, सब्जीमडी
सन्तलाल
६४४, मालीवाड़ा
महावीर प्रसाद
२३१७, धर्मपुरा
अभिनन्दन कुमार
६६ गली जैन मन्दिर, शहादरा
हुकुमचन्द
आर्य नगर, गाज़ियाबाद
नानक चन्द
२३३, कूंचा मीरासी
महेन्द्र कुमार
१२६६/६७, वकीलपुरा

(नया बाजार शाखा-फोन २७३०५)

विजय कुमार
१०४, मोडल बस्ती

(पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा-फा. ४७५४६)

इन्द्र नारायण
कातिलाल
जिनेन्द्र कुमार

दिल्ली स्टेट सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड
खारी बावली

दीपचन्द, मैनेजर २५४८६

गाडोदिया बैंक लिमिटेड
बैंक स्ट्रीट, करोल बाग़

प्रेमचन्द्र, मैनेजर ५३३१६
गली नाई वाली, करोल बाग़

नेशनल एण्ड ग्रिंडलेज बैंक लि०
(कनाट प्लेस शाखा-फान ४५६०१)

रघुबीर सिंह
४७/४७१५ रेगड़पुरा, करोलबाग
महावीर प्रसाद
२३१६, धर्मपुरा
हरिश्चन्द्र
२१६७, मसजिद खजूर
शांति प्रमाद
५३/६६ रामजस राड
काली चरन
७५७५/२ तेल मिल रोड, रामनगर
त्रिभुवन प्रकाश
५२३६ बारह टूटी, सदर बाजार

(चांदनी चौक शाखा-फोन-२५२४२)

शांति प्रसाद, डि० चीफ कैशियर २५०३५/२५२४२
२२९३, धर्मपुरा २८०८३
ओम प्रकाश
४२१६, आर्यपुरा, सब्ज़ी मडी
उल्फतराय
कूचा चाहरहट

जगदीश राय
२५६३, गली नीम वाली, धर्मपुरा
लाल चन्द
३०२३, बहादुरगढ़ रोड
घनश्याम दास
६७, माडल टाउन
(लायडस ब्राच, पार्लियामेंट स्ट्रीट-फोन ४५३८३)
धूमसिंह
६५३, गली, शामलाल, मटिया महल, जामा मसजिद
दमन कुमार
२०८६, कटरा खुशाल राय
लाल चन्द
१५/६, वेस्ट पटेल नगर
मदन लाल
४७१६, डिप्टीगज
मलेक चन्द
४६६४/२१ ए. दरियागंज

ओरंटियल बैंक आफ कामर्स लिमिटेड

(कनाट सर्कस—फोन ४५८२४)

मन्त लाल, हेड कैशियर
नरेश चन्द, अ० कैशियर
२५३४, चावडी बाजार
आनन्द कुमार, अ० कशियर
४६५३, गली मोहर सिह, पहाडी धीरज
कैलाश चन्द
२५०६, धर्मपुरा
(चादनी चौक शाखा —फोन २४७१०)
फीरोजी लाल, हैड कैशियर
कैलाश चंद, अ० कैशियर
निर्मल कुमार, अ० कैशियर
सलेक चंद, अ० कैशियर
सुमत प्रसाद, अ० कैशियर
(चावडी बाजार शाखा-फोन, २६४५३)
सागर चन्द, हैड कैशियर
सुरेन्द्र कुमार, अ० कशियर
आदीश्वर प्रसाद, अ० केशियर
(दरियागंज शाखा-फोन २०८६७)
अजीत कुमार, हैड कैशियर
(करोल बाग शाखा-फोन ५१६४७)
राजेन्द्र कुमार, हैड कैशियर
श्री कृष्णदास, अ० कैशियर
मनोहर लाल सोहन लाल
(नया बाजार शाखा-फोन २७६०३)
पदम चद, हैड कैशियर
प्रेम चद, अ० कैशियर
(सदर बाजार शाखा-फोन २०८१५)
मनोहर डाल, हैड कैशियर
सुरेश चद, अ० कैशियर
(सब्जी मडी शाखा-फोन २०८४३)
भीम सेन, हैड कैशियर
पदम चद, अ० कशियर
धनपाल अ० कैशियर

पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड

सेठ सुन्दर लाल, ट्रेजरर
४६३६, डिप्टी गज २७०५८
(सेंट्रल आफिस, पालियामेट स्ट्रीट-४३५७१)
जे० डी० जैन
४१४ छितकी गेट, चावडी बाजार
पी० सी० जैन
१०७४ माली वाडा
माम चन्द
४ ए./३ ए अंसारी रोड
जगदीश प्रसाद
२७/१४ शक्तिनगर
महेन्द्र कुमार
२६४ राम नगर स्ट्रीट, गाधीनगर
के० सी० जैन
४१३८ आर्यपुरा, सब्जी मडी
पदम सेन
द्वारा ताराचन्द धर्मदास कागजी, चावडी बाजार
मदन प्रकाश
२२०७ मसजिद खजूर, गली भूत वाली

जिनेन्द्र कुमार
२७/१४ शक्ति नगर
सेवाराम
गली अनार, दरीबा कला
जगदीश प्रसाद
२७/१४ शक्तिनगर
(आसफ अली रोड शाखा-फोन-२७२३३)
बनारसी दास
सुमत प्रसाद
(चांदनी चौक शाखा-फोन २५०७५)
आदीश्वर प्रसाद, कैशियर इचार्ज २५०७५
प्रकाश भवन, गली माता वाली, तेली वाडा २६६६८
आनन्द कुमार, कैशियर
१/२६६ छोटा बाजार कश्मीरी गेट
शीतल प्रसाद, कैशियर
जोशी रोड, करोल बाग
जितेन्द्र प्रकाश कैशियर
२५३२ धर्मपुरा
कन्हैया लाल, कैशियर
गली बरना, सदर बाजार
अमर नाथ, कैशियर
धर्मपुरा
शिवचरन दास
बी ५/१२ माडल टाउन २६३०५
सुलेख चद
गली पनिहारी, तेलीवाडा
(चावडी बाजार शाखा-फोन २६४३७)
लक्ष्मी चद
धर्म चद
भगवान दास
(सिविल लाइन्स शाखा-फोन २७३३६)
सुमत प्रसाद
(दरियागंज शाखा-फोन २८६४३)
आनन्द कुमार, मैनेजर
२५ नेताजी सुभाष मार्ग २०१८८
हंसराज
दयाराम
कैलाश चंद
नानक चंद
(फाउटेन शाखा – फोन २४७६६)
ऋषभ सेन
२१०० गली भूतवाली, मसजिद खजूर
खुशीराम
अतर सेन
नेम चद
(गुरुद्वारा रोड शाखा-फोन ५११२०)
जय भगवान, हैड कैशियर
१०३५ मानकपुरा
प्रेम चद
१२४१ नाई गली न० १, करोल बाग
लाजपत राय
६१ शाति नगर, जैन मन्दिर के सामने
शीतल प्रसाद
४६२१, पहाडी धीरज
(कश्मीरी गेट शाखा—फोन २४६६३)
लाल चन्द, हैड कैशियर
नरेन्द्र कुमार
इदर प्रकाश
(खारी बावली शाखा-फोन २३०५१)
सुमत प्रसाद
(मिटो रोड शाखा-फोन ४७१५६)
हसन लाल
१२५१ गज मीर खा
गुलाब चद
डिलाइट सिनेमा के पीछे
विमल प्रसाद
१६/६७६ जोशी रोड, करोल बाग
जुगमदर दास
३५६२, गली नं० १०/११ रेगडपुरा, करोल बाग
पारस दास
३६/२ हनुमान रोड
सुरेन्द्र कुमार
पहाड़ी धीरज

(नया बाजार शाखा-फोन २५७००)

किशन चन्द्र
३५६० मो० जटवाडा, दरियागज

(पहाडगंज शाखा-फोन ४३६६१)

नानक चन्द
महेन्द्र प्रसाद
कंवर सेन
भगतराम

(पार्लियामेंट स्ट्रीट-फोन ४५४४६)

राम चंद
४४६४ आर्यपुरा, सब्जी मडी

(पटेल नगर शाखा-फोन ५१२६०)

ईश्वर सिह

(रीगल बिल्डिग शाखा-फोन ४७८७७)

सरूप चद, हैड कैशियर
४२२६ गली बरना, बारा टूटी
प्रेम चन्द
१४७-१४८ ई कमला नगर
शाती स्वरूप
३३२१ कूंचा कश्गरी, सीताराम बाजार
वीरेन्द्र कुमार
३६ भोगल, जगपुरा
अमर नाथ
धर्मपुरा
जुगमदर दास
वीरेन्द्र कुमार

(सदर बाजार शाखा-फोन २६४८६)

प्रभास चन्द्र, मैनेजर
चद्र सेन, हेड कैशियर
गदा नाला, मोरीगेट जैन मदिर के पास
शाति प्रसाद
जैन मंदिर के पास, वैदवाड़ा
भीमसेन
शील चंद
श्री चंद
जय चन्द
सागर चन्द
जिनेश्वर दास
सुमत प्रसाद

(सब्जी मंडी शाखा-फोन २५३५६)

महावीर प्रसाद, हैड कैशियर
हेम चन्द
ज्ञान चन्द
रोशन लाल
अक्षय लाल

(सब्जी मडी, क्लाक टावर शाखा-फोन २५३७०)

जिनेश्वर दास, सुपरवाइजर २५३७०
जगदीश चद
हेम चद
बिशन लाल
शिब नारायन गुप्ता
४२४७ गली बहूजी, पहाडी धीरज

स्टेट बैंक आफ बीकानेर, २०८ चांदनी चौक

अजीत प्रसाद, कैशियर २७२५६
१२६३ वकीलपुरा

स्टेट बैंक आफ इंडिया

(लोकल हैड आफिस, पार्लियामेट स्ट्रीट-फोन ४३५२१)

एन० के० जैन, स्टा० असिस्टैंट
के० सी० जैन
१०८७२, झडावाला रोड, नबीकरीम
अं० आर जैन
२८८, कूचा सजोगी राम, नया बांस
ऐ० पी० जैन
१८ हैवलोक स्क्वेअर
जे० के० जैन
३५/१ सिविल लाइन्स, ओल्ड सेक्रेटेरियट
डी० के० जैन
२/२ बेअर्ड रोड
नगीन चन्द
मार्फत जैन पेंट हाउस, सदर बाजार

श्री पाल
३/४३ रूप नगर
राजेन्द्र प्रसाद
३०१३ मसजिद खजूर, किनारी बाजार

यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया लिमिटेड

(दिल्ली शाखा-फोन २३११३)

जुगल किशोर
पहाड़ी धीरज

(कनाट सर्कस शाखा-फोन ४२५५३)

हेम चन्द्र, हैड कैशियर ४३५५३
७०५०, गली टकी वाली, पहाड़ी धीरज
सीताराम गोयल ४२५५३
१४३६, फैजगज, बहादुरगढ रोड

(चादनी चौक शाखा-फोन २५४३६)

प्रेम प्रकाश
८२, ए. नया बाजार
सुरेश चद
महेश चन्द्र
रतन प्रकाश
रमेशदास
हेम चद्र
बाल मुकद

यूनाइटेड कमर्शियल बैंक लिमिटेड

(चादनी चौक शाखा-फोन २४३११)

प्रेम चन्द्र, कैशियर २४३११
पटपडगंज, (जैन मदिर के पास)
तारा चन्द्र २४३११
दर्शन भवन, राम नगर

(पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा-फोन ४४३५१)

रवीन्द्र कुमार
जैन मन्दिर गली, सब्जी मंडी

(कनाट प्लेस शाखा-फोन ४२०१४)

सुमेर चन्द
आर्यपुरा, सब्जी मडी

बीमा कम्पनियां

लाइफ इंश्योरेंस कार्पोरेशन आफ इन्डिया (जोनल आफिस)
लक्ष्मी इंश्योरेंस बिल्डिंग, आसफ अली रोड

नेम चन्द्र, अ० सी० आफीसर २६६०१
मुकीमपुरा, सब्जी मंडी
राधे श्याम २६५०१/१७
१३, पार्क लेन
सुलेख चन्द्र २६६०१/७
३६६८, गली जमादार वाली, पहाड़ी धीरज
तसम कुमार २३७६३
७८४८ नई बस्ती, बाडा हिंदूराव
कदम गोपाल २३७६३
१३५८ गुलिया, दरीबा कला
प्रकाश चन्द २६०६१/७
२१६५ धर्मपुरा, २८४८६
नरेन्द्र कुमार २६६०१/१०
७/३६३, फराश बाजार
आई. एच. ओ. नेशनल
ई २८ कनाट प्लेस
सी. एम. शाह, आफीसर इ चार्ज ४७८८३

डिवीजनल आफिस, इंडस्ट्रियल एण्ड प्र ० बिल्डिंग

आसफअली रोड

पी. के. जैन, जूनि० आफीसर २६६०७
वीरेन्द्र कुमार

न्यू एशियाटिक बेस आफिस, एच. ब्लाक, कनाट सर्कस

निहाल चन्द, सुप० ४७४५८
१३१२, वैदवाडा
महेन्द्र कुमार, फील्ड आफीसर
३०२० गली चूड़ीवालान, मस्जिद खजूर
ए० सी० जैन
४४६१, गली राजा पाटनमल
एस० सी० जैन
८१, मोडल बस्ती, शीदीपुरा
सतोष चन्द
५३५२, च० निवास, लड्डूघाटी, पहाड़गज

मागे राम
३३४६, गदा नाला, मोरी गेट
राम प्रसाद
५६-डी, फौच स्क्वेग्रर
ग्रोम प्रकाश
४५०८, दाई वाड़ा, नई सड़क
सत प्रकाश ४७४५८
मु० झरसा, जि० गुड़गाव

ब्रांच ग्राफिस नं० ६-सनलाइट बिल्डिंग, ग्रासफग्रली रोड

हरिश्चन्द्र, मैनेजर २८८६३
६, पूसा रोड ४५६१६
(यूनिट ११८—कनाट सर्कस)
नेकी चन्द, फील्ड ग्राफीसर

रूबी जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, दरियागंज

चुन्नी लाल, ब्राच मैनेजर २३५३३
२३, दरियागज
जगत प्रसाद
७, दरियागज
नरेन्द्र प्रकाश
३०१, दरीबा कला
किशन लाल
४४६३, गली नानूराम, ग्रार्यपुरा

यूनीवर्सल फायर एण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी, दरियागंज

देवेन्द्र कुमार २५३२६
४६१४, पहाड़ी धीरज
मदन लाल
२६, सी. राम नगर, पहाड़गंज

न्यू ग्रेट इन्श्योरेंस कं० ग्राफ इण्डिया लिमिटेड
१६-ए. ग्रासफ ग्रली रोड

ग्रार० सी० जैन, डिवीजनल मैनेजर २३८७५
गुरुबक्स भवन, चूना मंडी ४६४१७

न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, कनाट प्लेस

त्रिलोक चन्द
धर्मपुरा

न्यू एशियाटिक इन्श्योरेंस कं० लिमिटेड, कनाट सर्कस

ग्रार० सी० जैन, इन्चार्ज नार्दर्न डिवीजन ४३६५४

समाचार-पत्र व निजी व्यापारिक संस्थान

समाचार-पत्र

इंडियन एक्सप्रेस, एक्सप्रेस बिल्डिंग, मथुरा रोड
(फोन ४५१३१)

एच० सी० जैन
२०६८, किनारी बाजार
ए० पी० जैन
दरियागज

नव भारत टाइम्स, १० दरियागंज
(फोन २८१६१)

अक्षय कुमार, प्रधान सम्पादक — २८१६१
१, अमारी रोड, दरियागज — २४६६०
आनन्द स्वरूप, स्पे० करस्पोंडेंट — २८१६१
२३, दरियागज
पारस दास, सब-एडीटर — २८१६१
जैन भवन, जगत सिनेमा के पास
हरिश्चन्द्र, सब-एडीटर
५, दरियागज
रमेश चद, चीफ सब-एडीटर (मैगजीन)
५, दरियागज
श्री किशोर
मसजिद खजूर, धर्मपुरा
सुशील कुमार, सब-एडीटर (स्पोर्टस)
६, दरियागज
विनोद कुमार
खुरानिया भवन, २३, दरियागज
शाती स्वरूप
मुद्गल भवन, २३, दरियागज
नरेन्द्र पाल 'नरेश' — २८१६१/३८
६६५/११७ शांति भवन, कैलाश नगर

प्रकाश चन्द
बी. १३/६८ देवनगर

दी डेली तेज (प्रा०) लिमिटेड, नया बाजार
(फोन २४२४८)

पन्नालाल, प्रिंटर एण्ड पब्लिशर — २६२४१
१२२८, वकीलपुरा
आशाराम, सं० सम्पादक — २४२४८
गली पीपल वाली, धर्मपुरा
रघुवीर सिंह, रिप्रजेंटेटिव — २६२४१
२८, रोहतक रोड — ५२२३४
शिव प्रसाद, एजेंसी इचार्ज — २६२४१
पहाडगज-तेल की मडी
सुमत प्रसाद 'शौक', सहसम्पादक — २४२४८
दरीबा कला
विनोद कुमार — २४२४८
१२२८, वकीलपुरा

टाइम्स आफ इंडिया, १० दरियागंज
(फोन २८१६१)

सम्पादकीय विभाग

जय प्रकाश, सब-एडीटर
मदन मोहन, सब-एडीटर
गिरी लाल, स्पेशल करसपोंडेंट
७/२३ दरियागज — ८६०६१
वीरेन्द्र किशोर
५ एसप्लेनेड रोड
सतीश चंद, जू० एक्जी० आफीसर
विमल प्रसाद

विज्ञापन विभाग

रमेश चंद, बिजनेस मैनेजर
सुमत प्रकाश, एस्टेट इचार्ज
४३८२/४ दरियागंज

प्यारे लाल
जय प्रकाश
फूल चंद
विमल प्रसाद
ब्रज लाल
शांति नाथ
सुमत प्रकाश
भगवत् स्वरूप

नफेन (एशिया) लिमिटेड
आई. ई. एल. एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग

चेतन स्वरूप ३४१८७
मुद्गल भवन, २३ दरियागज २०८८४

निजी व्यापारिक संस्थान

एजेंटस एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, २९, नेताजी सुभाष मार्ग

देशराज, ब्रांच मैनेजर
४ कृष्णा मार्केट, पहाड़गंज ४०७८१

अशोका मार्केटिंग लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

मगत राम, कार्माशियल मैनेजर ४३५६१
४८, दरियागज २५५८७
आर. के. जैन
२४५, जोशी रोड, करोल बाग़
छुन्नूमल
१२, लेडी हार्डिंग रोड
मुन्नालाल
ऋषभ निवास, जैन मन्दिर के पास, पालम
सुमत चंद
८१ डी, कमला नगर, सब्जी मंडी
सुरेश चंद
पालम

ब्लंडेल एण्ड इम्रोमाइट पेंटस लिमिटेड
जिंदल हाउस, आसफ अली रोड

त्रिलोक चंद्र, सीनियर सेल्स रिप्रजेंटेटिव २६६३८
आर-५३०, न्यू राजेन्द्र नगर
शीतल प्रसाद २६६३८
१२२३, चाहरहट १५५६४

बर्मा शैल, स्टेटसमैन बिल्डिंग, कनाट सर्कस

राम चन्द्र, ब्राच अफ़ि० ४००५१
५ ए/२ दरियागज
प्रेम चन्द
पूरन चंद
महेन्द्र कुमार
आर. के० जैन
दीवान चद
एन. सी. जैन
फतेह चद
ए एस. जैन
एस. एल. जैन
सोम नाथ
अजित प्रसाद

काल्टेक्स (इंडिया) लिमिटेड, थापर हाउस

दया दीपक प्रकाश
२७ ए. मोडल बस्ती
सुरेन्द्र कुमार
२ एफ ग्रीन पार्क
चेतन लाल
ए. सी. जैन
एम. एस. जैन
चमन लाल
नरेन्द्र कुमार
सागर चद
एस. सी. पालीवाल

सेंट्रल ला इंस्टीच्यूट, हार्डिंग ब्रिज

श्रीमदर नाथ, ला रिसर्च आफीसर
५-ए./२०-२१ दरियागज

सीमेंट मार्केटिंग कम्पनी आफ इंडिया लिमिटेड
जीवन दीप बिल्डिंग

इन्द्र सेन ४४२६१
५८ डा० सेन कालोनी, अंसारी रोड, दरियागज
अजीत प्रसाद
२४ गली नाई वाली, करोलबाग
अशोक कुमार
पी० ए० प्रेस के ऊपर, दरीबा कलां

डी० सी० एम० केमीकल वर्क्स, नजफगढ़ रोड

सुरेश चद
 ६ बी आराम बाग पेलेस ४५२६८
ओंकार चद
 ४४८४ गली राजा पातीमल, पहाडी धीरज
बीर सेन
 एफ-४३७ करमपुरा, इंडस्ट्रियल एरिया नजफगढ रोड
राम स्वरूप
 बी-५, स्वतन्त्र भारत लि० कालोनी
किदार नाथ
 ए-२०, स्वतंत्र भारत मिल कालोनी
शीतल प्रसाद
बी० सी० जैन
 १४ साउथ पटेल नगर
बलवतराय
 ए-२, स्वतंत्र भारत मिल कालोनी
रविश चद्र
 ३ सी ३३ रोहतक रोड
जगदीश चद्र
 २० मालिक बिल्डिग, मडी पहाडगज
सुमेर चंद
 हेम चंद
कोमल प्रसाद
 ३७/ए. कमला नगर
मांगेराम

डालमियां सीमेंट भारत लिमिटेड, सिंदिया हाउस

करम चद, एडवोकेट, लीगल एडवाइजर ४०१२१
 ३५७५ फैज बाजार २०५६१
संतलाल, एड०-कम-ला आफीसर ४०१२१/१६
 ४३८३ तुलसीदास लेन, ४ दरियागंज
भीम सेन, सेक्रेटरी, शुगर फेक्टरी, रामपुर
 कूंचा बुलाकी बेगम, चादनी चौक
सुभाष चंद
जगदीश चंद

दिल्ली क्लाथ एण्ड जनरल मिल्स कं लिमिटेड
बाड़ा हिंदूराव, प्रधान कार्यालय

कपूर चंद
 १४२/१६ गनेशपुर
सुन्दर पाल १४२/१६ गनेशपुर
अनत प्रकाश, हेड डिजाइनर
 ४४६४ आर्यपुरा
 (रूट्रल मार्केटिंग आर्गेनाइजेशन)
निर्मल कुमार
 ४१०६ गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
जे० के० जैन
 ५ सी./३१ रोहतक रोड
एन० डी० जैन
 ४६४६ शोरा कोठी, पहाड़ गज
बी० बी० जैन
 दरियागज
वीर सागर
 ६०५६ सुखनन्द भवन, शीदीपुरा
जे० पी० जैन
 ८७-८८, लाइन न० ६, ब्लाक बी, सत्यवती पार्क
महावीर प्रसाद
 शक्ति नगर
दरयाव सिह
 १४२/१६ गनेशपुरा
फूल चद
 ११५-११६ डी० सी० एम क्वा०, किशनगज
कैलाश चंद
 ३६६७, गली मामन जमादार, पहाडी धीरज
छोटूराम
 मोती नगर
सुरेन्द्र कुमार
 ३८७३, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
किशन लाल
 २३५ सरस्वती पार्क, डी सी एम क्वा०, किशनगज
एस० पी० जैन
 १११८ छत्ता मदन गोपाल, चादनी चौक
ज्ञान चद
 गली जाटान, पहाड़ी धीरज
सोहनपाल
 पालम, कैंट
लक्ष्मी नारायन
 जी २६० लाइन नं० ६, डी.सी.एम. क्वा०, किशनगंज

धर्मसिंह
२२६३ गली अनार, किनारी बाजार
बी० सी० जैन
११३-११४, डी. सी. एम. क्वा० किशनगंज

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, रोशनआरा रोड

पी० चन्द्रा, जनरल मैनेजर २५२७५
दिल्ली फ्लोर मिल्स
सुरेन्द्र कुमार, सेल्स मैनेजर
५८ जनपथ
नरेन्द्र कुमार
लक्ष्मी बाजार, कश्मीर मार्केट
सुनहरी लाल
४८०५, गली मिश्रा, रोशनआरा रोड
राम प्रसाद
२७६१ गली रामरूप, सब्जीमंडी
सुन्दर लाल
४५६७ गली नत्थन सिंह, पहाडी धीरज

दिल्ली गैरेज लिमिटेड, कनाट प्लेस

बी० एस० जैन ४४४०५

दिल्ली लैंड एण्ड फाइनेंस (प्राइवेट) लिमिटेड
एफ-कनाट प्लेस

रामकिशन, सेक्रेट्री ४५०८६
६ एफ, माडल टाउन २६१४४

डा० युधवीर सिंह होम्योपैथिक सेल्स डिपो, चांदनी चौक

डा० गोकल चन्द, सेल्स मैनेजर
आर्यपुरा, सब्जीमंडी

इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड, कनाट् प्लेस

ए० जैन, (फोरन डी०) ४६६१६

गोवन ब्रदर्स रामपुर (प्राइवेट) लिमिटेड
४ सिंधिया हाउस

भीमसेन, सेक्रेट्री ४२७३०
३६३, कूचा बुलाकी बेगम २५४०६

हिमको इण्डिया (प्राइवेट) लिमिटेड

प्रफुल्ल चन्द्र
डी० जी० ८८० सरोजिनी नगर

हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड, इण्डियन एक्सप्रेस बिल्डिंग
मथुरा रोड

अविनाश चन्द
४१६५ आर्यपुरा, सब्जी मंडी

हाउसिंग एण्ड जनरल फाइनेंस लिमिटेड
१० अलीपुर रोड

आर बी० जैन, (रिप्रेजेंटेटिव) २५२०८
१० अलीपुर रोड
सुमत प्रसाद
कटरा मशरू, दरीबा

इण्डियन एअरलाइंस कार्पोरेशन, कनाट प्लेस

उमराव सिंह
सी-४६१ नेताजी नगर
नरेश कुमार
देवनगर

आई० एस० एम० ए० (वेस्ट यू० पी ब्रांच)
४ सिंदिया हाउस

बी० पी० जैन, ब्रांच सेक्रेट्री ४०१२१
६६ मोडल बस्ती २७१६८

इंडियन ला इस्टीच्यूट
सुप्रीम कोर्ट बिल्डिंग मथुरा रोड

हेमचन्द्र, लायब्रेरियन ४४२२६

इण्डियन प्रोजेक्टस कंसल्टेटिव सर्विस
१६ बाबर रोड

बी० पी० जैन डायरेक्टर ४८८५०
१६ बाबर रोड

जयपुर उद्योग लिमिटेड
पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

एम० पी० जैन, असि० पर्चेज आफीसर ४३५६१
२३ दरियागज
पी० सी० धारीवाल ४३५६१
गली बनिहारी, तेली वाडा
भगत राम
२०२३ बहादुर गढ़ रोड २८६४८

खादी ग्रामोद्योग भवन, रीगल बिल्डिंग

नन्द किशोर
३५६७ कूंचा लालबानी, दरियागंज
सतीश कुमार
ओम प्रकाश
हज़ारीलाल
कूचा कशगरी, सीताराम बाजार
भगवानदास
३४७६, कूंचा लालबानी, दरियागज

मशीनवेल इण्डस्ट्रीज, ३ डबल स्टोरी मार्केट
न्यू राजेन्द्र नगर

अशोक कुमार ५६४५४
४५५ मटोला ३२०१३

मास्टर साठे एण्ड कोठारी, कनाट सर्कस

सुल्तान सिंह ४७४८६
१६, दरियागज २७३४६

मेचवेल्स इलेक्ट्रीकल्स (इण्डिया) लिमिटेड
४/११ आसफअली रोड

कुम्भकरण अमलूजा, सेल्स एक० आफीसर २७८७१
कठोतिया भवन, चन्द्रावल रोड २७८७२
शुभ कुमार, सेल्स एका० असिस्टेंट
दान बाजार, क्लाथ मार्केट
अक्षय कुमार, सेल्स एका० असिस्टेंट
१८०३ चीराखाना, वैदवाड़ा

मेट्रोपोलीटन बुक कं० (प्राइवेट) लिमिटेड
१ नेताजी सुभाष मार्ग

नन्द किशोर, एकाउटेंट २५७७१

नेशनल फिजीकल लेबोरेटरी, हिलसाइड रोड

डा० एस० सी० जैन, असिस्टेंट डायरेक्टर ५२०४१

नेशनल रिसर्च डेवलपमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया
मंडी हाउस, लिटन रोड

एम० एम० शाह, असिस्टेंट कैमीकल इंजीनीयर ४२६८२

ओवरसीज कम्यूनीकेशन सर्विस
एन० आइ० सी० बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

आर० के० जैन ५२८४६

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, रोशनआरा रोड

राजेन्द्रा आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज

यशेश्वर नाथ, मैनेजर २५२६४
३३६५, गली नत्थन सिंह, पहाड़ी धीरज
राजकुमार
४२६६ गली बहू जी, पहाड़ी धीरज
शीतल प्रसाद
म० छोटेलाल सिंहसभा रोड, घंटाघर, सब्जी मंडी

फोटोफोन इक्विपमेंट्स प्रा० लिमिटेड

डिलाइट बिल्डिंग, आसफअली रोड

एन. कुमार जैन, मैनेजर २०५७४
१६४, गोल्फ लिंक्स ७५३८३

राजवैद्य शीतल प्रसाद एण्ड सन्स

चांदनी चौक

रूप कुमार, मैनेजर
२७१४ चौक रामजी

रोडवेज एण्ड जनरल फाइनेंस (प्रा०) लिमिटेड

४/२ ज्वाल मैंसन, आसफ अली रोड

एम० एल० जैन, मैनेजिंग डायरेक्टर २८२७८
२/७२, रूप नगर २५०८१

स्टैंडर्ड वेकुअम आयल कम्पनी, पार्लियामेंट स्ट्रीट

सुरेन्द्र कुमार, एका० असिस्टेंट
३४७५ फैज बाजार
महेन्द्र कुमार, सेक्शन सुपरिटेंडेंट
महेन्द्र दास
प्रद्युम्न कुमार
पी० सी० जैन
सुखमाल चन्द

साहू सीमेंट सर्विस, पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड बिल्डिंग

पार्लियामेंट स्ट्रीट

आ० सी० पारिख, डि० चीफ इंजीनियर ४३५६१

साहू जैन (प्राइवेट) लिमिटेड

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

डा० एम० सी० किशोर, असि० लिएजन आफीसर ४३५६१
५४१, एस्प्लेनेडरोड
आर० एम० जैन एकाउटेंट
१ अंसारी रोड, दरियागंज
आर० के० जैन
१/१४५, जैन बिल्डिंग, शाहादरा

स्वतन्त्र भारत मिल्स, नजफगढ़ रोड

चतर सेन ५३१६३
नजफगढ रोड

बृजलाल मणिलाल एण्ड कं०, लाहोरी गेट

अनन्तराम, जनरल मैनेजर २६२६६
२३, दरियागंज २६१६०

इण्डियन स्टैंडर्डस इंस्टीट्यूट

मानक भवन ६, मथुरा रोड

वी. सी. जैन, ए. अ. डायरेक्टर ४५०११
यू. एस. जैन, टेक० असिस्टेंट ४५०११
१६ एन, किदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी

उद्योग व व्यापार

औद्योगिक व मैनुफेक्चरिंग संस्थान

साहू जैन लिमिटेड

रजि० कार्यालय—११ क्लाइव रोड कलकत्ता।
दिल्ली कार्यालय—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, ५ पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। ४३५६१
चेअरमेन—शांती प्रसाद जैन
६ सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली ३४४०२
मैनेजिंग डायरेक्टर—अशोक कुमार जैन
फायनेंशल डायरेक्टर—शीतल प्रसाद जैन
डायरेक्टर—ए० पी० जैन

दी जयपुर उद्योग लिमिटेड

सीमेंट वर्कस—सवाई माधोपुर, जयपुर (राजस्थान)
प्रधान कार्यालय—पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। ४३५६१
चेअरमेन—शांती प्रसाद जैन
६ सरदार पटेल मार्ग ३४४०२

अशोका मार्केटिंग लिमिटेड

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट
नई दिल्ली ४३५६१

साहू सीमेंट सर्विस

पंजाब नेशनल बैंक बिल्डिंग, ५ पालियामेंट स्ट्रीट
नई दिल्ली ४३५६१

दिल्ली फ्लोर मिल्स कम्पनी लिमिटेड

मिल्स—रोशनआरा रोड, दिल्ली २५२७५
प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ, नई दिल्ली ४५८२८
डायरेक्टर्स—(१) राजेन्द्र कुमार जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६
(२) शीलचन्द्र जैन ४८०८१
३४ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली

राजेन्द्रा आइस एण्ड कोल्ड स्टोरेज

रोशनआरा रोड, दिल्ली २५२६२

आर० जी० गोयन एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ रोड ४५८२८
नई दिल्ली ४५८२९
शाखाएं—(१) १५-ए. हार्नीमेन सर्किल
फोर्ट, बम्बई… २५५०४२
(२) बहावलपुर (उत्तर प्रदेश) … ५६
(३) बिजनौर (उत्तर प्रदेश) …. ११
डायरेक्टर्स—(१) जगत प्रकाश जैन
१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१६८७
बम्बई २४१४८७
(२) रवि प्रकाश जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६
(३) शशि प्रकाश जैन
१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१६८७
बम्बई २४१४८७
(४) केप्टन ओ० प्रसाद
सिकंदरा रोड, नई दिल्ली ४८६४२

इण्डियन हार्डवेअर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

फैक्ट्री—फरीदाबाद, (पूर्वी पंजाब)
प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ, नई दिल्ली ४५८२८
शाखा—१५-ए. हार्नीमेन, सर्किल २५५०४१
फोर्ट, बम्बई २५५०४२
डायरेक्टर्स—(१) राजेन्द्र कुमार जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६
(२) जगत प्रकाश जैन
१६ फिरदुआस, मेरीन ड्राइव २४१६८७
बम्बई २४१४८७

(३) रवि प्रकाश जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६

वर्कस डायरेक्टर—क्रांति प्रकाश जैन

जैन फार्म्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

प्रधान कार्यालय—५८ जनपथ
नई दिल्ली ४५८२९

फार्म्स कार्यालय—बिजनौर ११

डायरेक्टर्स—(१) किशोरी लाल जैन रईस
बिजनौर (उत्तर प्रदेश) ११
(२) क्रांति प्रकाश जैन
११ कीलिंग रोड, नई दिल्ली ४७६५६
(३) केप्टन ओ० प्रसाद
सिकंदरा रोड, नई दिल्ली

कैसल्स लिमिटेड

(मैनेजिंग एजेंटस टू मेचवेल्स इलेक्ट्रीकल्स इंडिया लिमिटेड)

कार्यालय—ट्राम टर्मीनस, सब्जी मंडी, दिल्ली २४१११

चेअरमेन—सेठ मोहनलाल कठोतिया
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली २४११२

मेचवेल इलेक्ट्रीकल्स (इण्डिया) लिमिटेड

फैक्ट्री—पूना

कार्यालय—१५६ रामजस बिल्डिंग ४/११
आसफअली रोड, दिल्ली २७८११

मैनेजिंग डायरेक्टर—मोहन लाल कठोतिया
कठोतिया भवन, चन्द्रावल रोड
सब्जी मंडी, दिल्ली २४११२

वालचन्द नगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड

चेअरमेन—गुलाब चन्द हीरा चन्द

डायरेक्टर—लालचन्द हीरा चन्द

दिल्ली कार्यालय—६/३ ए. नेशनल ४६५७८
इन्श्योरेंस बिल्डिंग (ग्रा० फ्लोर);
पार्लियामेंट स्ट्रीट।

हिन्दुस्तान कंसट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड

डायरेक्टर—(१) लाल चन्द हीरा चन्द
(२) रतन चन्द हीरा चन्द ५१३०५
बी-१ पूसा रोड, करोल बाग

प्रीमियर ऑटोमोबाइल्स लिमिटेड

चेअरमेन—लालचन्द हीरा चन्द

दिल्ली कार्यालय—बाम्बे म्युचुअल बिल्डिंग ४०६०५
१० पार्लियामेंट स्ट्रीट ४४५५५

जैना टाइम इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड

टाइमपीस फैक्ट्री—जी० टी० रोड, साहिबाबाद
(उत्तर प्रदेश) फोन- (८५)२२५०

प्रधान कार्यालय—७/३२, दरियागंज, दिल्ली २५५६७

महावीर एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

फैक्ट्री—('मसार' मिउइम मशीन)—जी० टी० रोड
दिल्ली-शहादरा २००७१/१३२

कार्यालय—११ दरियागंज, दिल्ली २४६६३

डायरेक्टर्स—(१) बिमल प्रसाद जैन
११ दरियागंज, दिल्ली २४५६३
(२) निर्मल प्रसाद जैन
४८-डी राजा बाजार
नई दिल्ली ४४५८३
(३) कामल प्रसाद जैन
११ दरियागंज, दिल्ली २४६६३

चन्द्रा इलेक्ट्रीकल इण्डस्ट्रीज

फैक्ट्री—(सुपरइनेमिल्ड कापर वायर)—७/१८
नजफगढ़ रोड, दिल्ली २५०८६
कार्यालय—३३ चांदनी चौक, दिल्ली २६८३६
शील चन्द्र जैन, नरेश चन्द्र जैन — ३४ फीरोजशाह रोड, नई दिल्ली ४८०८१

हिन्दुस्तान इंडस्ट्रियल वर्क्स

फैक्ट्री—एम/४ इडस्ट्रियल एरिया, पानीपत
कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७
टी० पी० जैन
६ रोहतक रोड ५५६४७

पर्ल इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन

फैक्ट्री व प्रधान कार्यालय —३५, इडस्ट्रियल एरिया चंडीगढ़ (पंजाब) १००१
दिल्ली कार्यालय—६ रोहतक रोड ५५६४७
मैने० पार्टनर—ए० के० जैन

जयभारत हार्डवेयर कम्पनी

फैक्ट्री (हार्डवेयर्स)—इंडस्ट्रियल एरिया
पानीपत (पंजाब) ३७
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड
नई दिल्ली ५५६४७
पार्टनर—श्रीमती शकुंतला देवी, जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५८६५

हरयाना प्रोग्रेसिव इंडस्ट्रियल वर्क्स

फैक्ट्री (रिबिटस)—०/३४, इंडस्ट्रियल एरिया
पानीपत (पंजाब)
कार्यालय—रोहतक रोड
नई दिल्ली ५५८६५
मैने० पार्टनर—अतर सेन जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५८६५

हिन्दुस्तान वायर प्रोडक्टस

फैक्ट्री (बाइफरकेटिड रिबिटस)—लारेंस रोड
रोहतक रोड ५१४४४
कार्यालय—६ रोहतक रोड ५५६४७
पार्टनर्स—(१) बलदेव दास जैन
६ रोहतक रोड ५५६४७
(२) सागर चन्द्र जैन
८७० ईस्ट पार्क रोड ५२५७६

नेशनल स्टील मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री (हार्डवेयर्स)—बहादुरगढ़ (पूर्वी पंजाब)
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली
मैने० पार्टनर—एस० पी० जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७

साउंड स्प्रेयर्स (इण्डिया)

फैक्ट्री—जी० टी० रोड, दिल्ली शहादरा

हिन्दुस्तान इंजीनियरिंग वर्क्स

फैक्ट्री (साइकिल एक्से०)—बहादुरगढ (रोहतक)
प्रधान कार्यालय—६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७
मैने० पार्टनर—एम० के० जैन
६ रोहतक रोड, नई दिल्ली ५५६४७

अशोका साइकिल इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (साइकिल एक्से०)—२३२८ इडस्ट्रियल एस्टेट ग्वालियर (म० प्र०)
कार्यालय—४८६७ क्लाथ मार्केट, फतहपुरी
पार्टनर—श्रीमती शातीदेवी जैन
२८ रोहतक रोड २५४६३

हिन्दुस्तान साइकिल एक्सेसरीज़ मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय—लारेंस रोड, रोहतक रोड ५४२५४
सेल्स आफिस—४३६ एस्प्लेनेड रोड २०३१२
ए० एस० जैन } ६ रोहतक रोड
एस० पी० जैन } नई दिल्ली ५५६४७
ए०डी० मित्तल, ८७० ईस्ट पार्क रोड, नई दिल्ली ५२५७६

महावीर स्टील रौलिंग मिल्स

जी० टी० रोड, दिल्ली-शहादरा २००७१-४०

हिन्द स्टील कम्पनी

फैक्ट्री व } —४२१ जी० टी० रोड
कार्यालय } दिल्ली-शहादरा २००७१/१७४

ओलम्पस आप्टीकल इंडस्ट्रीज मेनुफेक्चरिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड

फैक्ट्री (माइक्रोस्कोप व कैमरा)—मेन बाजार, मेहरौली ७२५४३
कार्यालय—१ कीलिंग रोड ४८८६०
डिप्टीमल जैन
२८ रोहतक रोड ५३२६२

जैन आप्टीकल इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री—जी० टी० रोड, दिल्ली शहादरा
कार्यालय—बल्लीमारान, चादनी चौक

जयहिन्द ट्रेडिंग कार्पोरेशन

फैक्ट्री (बिजली स्विच)—घटेवाला बाजार गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
कार्यालय—५१८६ सदर बाजार, दिल्ली २६०६२
धर्मेन्द्र कुमार जैन
२८ रोहतक रोड ५२२३४

रतन चन्द्र रिखबदास जैन

फैक्ट्री (कॉपर सल्फेट) } —कच्चा बाग
व कार्यालय } चादनी चौक २४६३१
पार्टनर—रिखबदास जैन
४/५४ एच० रूपनगर २३४६७

दिल्ली बोर्ड मिल्स

फैक्ट्री (मिल बार्ड)—६ एस०, इडस्ट्रियल एरिया फरीदाबाद ६४
कार्यालय—चावडी बाजार, दिल्ली २६६४०

क्वालिटी वाटर प्रूफ मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री (वाटर प्रूफ तथा वेक्स पेपर)—फरीदाबाद (पंजाब)
कार्यालय—चावडी बाजार, दिल्ली

स्वतंत्र भारत पेपर मिल्स लिमिटेड

फैक्ट्री (पेपर बोर्ड)—नाहर नगर, पिलखुआ, (उत्तर प्रदेश)
कार्यालय—२८ चावडी बाजार
डायरेक्टर्स—(१) अजित प्रसाद जैन } ५/७ देशबन्धु
(२) धर्म प्रकाश जैन } गुप्ता रोड, नई
(३) वीरेन्द्र कुमार जैन } दिल्ली ४४७५६

राजा टायज कम्पनी

फैक्ट्री—८२७३, शीदीपुरा, (अनाज मंडी के अन्दर) २६०५६
प्रधान कार्यालय—३३, डिप्टी गंज २६३२६
सदर बाजार, दिल्ली २६३२३
शाखाएं—(१) बी. १०३, बगरी मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, ७१ केनिंग स्ट्रीट, कलकत्ता-१ ४७५२८३ ३४६६३१
(२) ६१-६३, सारंग स्ट्रीट, बम्बई-३
(३) १०३ बी, नारायना मुदाली स्ट्रीट, मद्रास २१६१०

कैलाश चन्द्र जैन
आर० सी० जैन —२५ पूसा रोड, नई दिल्ली ५२३१३
आर० के० जैन

साहू स्मेल्टिंग एण्ड रिफाइनिंग कार्पोरेशन प्रा० लिमिटेड

फैक्ट्री (नान फेरस मेटल्स) व प्रधान कार्यालय— मेरठ, उत्तर प्रदेश
व दिल्ली कार्यालय— ३०, चावडी बाजार
डायरेक्टर—सुल्तान सिंह जैन, मेरठ

जैन ग्लास वर्क्स

फैक्ट्री—हिरनगौ (उत्तर प्रदेश)
दिल्ली कार्यालय—५४५, एस्प्लेनेड रोड
छदामीलाल जैन
फीरोज़ाबाद (उत्तर प्रदेश)

बिशंभर दास एंड सन्स (प्राइवेट) लिमिटेड

फैक्ट्री (बटन आदि)—११ ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, दिल्ली ७२८११
कार्यालय—५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३
चेअरमेन—आदीश्वर प्रसाद जैन
५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३
मैनेजिंग डायरेक्टर—पी० डी० जैन
५४ दरियागंज, दिल्ली २५२६३
वर्क्स-इंचार्ज—सुरेन्द्र कुमार जैन ७२८११

जे० एम० सी० इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (लेथ मशीन)—नजफगढ़ रोड, दिल्ली ५४२५६

कार्यालय—१६४६/३ डा० मुकर्जी मार्ग, दिल्ली २५६६६

भीखूराम जैन २७३२७

गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज सदर बाजार दिल्ली

सुन्दरलाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी फैक्ट्री (बीड़ी)

कार्यालय—३११ बाराटूटी, सदर बाजार २६६७०

सेठ सुन्दर लाल २७०५८

४६३६ डिप्टीगज

होजरी सामान के निर्माता

नेहरू होजरी मिल्स २०५२३

बस्ती हर्फूल सिह, सदर थाना रोड

खजाची मल जैन २०५२३

बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड

जैनीको होजरी मिल्स २४१०२

५६३३ कुतुब रोड

नानक चद्र जैन ४७०६६

५६, रामनगर

अग्रवाल जैन होजरी फैक्ट्री

प्लाट न० ६, मोडल बस्ती

काल्टेक्स होजरी

७८४६ नई बस्ती, बाडा हिन्दूराव, अहाता किदारा

कैलाश होजरी वर्क्स

५७७७ ईस्ट पार्क रोड, मोडल बस्ती

ओम प्रकाश जैन होजरी फैक्ट्री

१०६१६ मानकपुरा, करोल बाग

ओलम्पिक होजरी फैक्ट्री

गली मटके वाली, सदर बाजार

रय डाड केडिल एण्ड होजरी वर्क्स

गली बहूजी, म० नं० ४३६१/१ पहाडी धीरज

शिखर होजरी फैक्ट्री

गली बहूजी, म० नं० ४३६१/१ पहाड़ी धीरज

सुशील होजरी मिल्स

१०६४४/५ मानकपुरा, मोडल बस्ती

सुधीर होजरी फैक्ट्री

३०६४, बहादुरगढ़ रोड

गोयल होजरी फैक्ट्री

१०८ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

ऊषा होजरी फैक्ट्री

११३ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

सिघवी इन्डस्ट्रीज

१० वैस्ट, बस्ती हर्फूल सिह, सदर थाना रोड

इन्द्रा होजरी मिल्स

बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड २४१०२

जैन होजरी मिल्स कम्पनी

बस्ती हर्फूलसिह, सदर थाना रोड

सूत गोला निर्माता

ओसवाल थ्रेड बाल फैक्ट्री २३५७१

गली छापाखाना, सदर बाजार

बनारसीदास ओसवाल

सदर बाजार

लक्ष्मी थ्रेड फैक्ट्री

कटरा मिट्ठनलाल, सदर बाजार

इन्डियन सूत गोला फैक्ट्री
३९१३ गली बरना, सदर बाजार

डी. के. जैन सूत गोला फैक्ट्री
२१ एन. बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड

मंगलदास विशम्भर लाल जैन
३५ एन. बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड

एस. डी. मित्तल मैनुफेक्चरिंग कम्पनी २८७२०
६५५ गली न० ११, सदर बाजार

पी. आर. मित्तल ५१०४८
करोल बाग, नई दिल्ली

रतनचन्द हरजसराय (प्लास्टिक्स) प्रा० लिमिटेड

फैक्ट्री—इन्डस्ट्रियल प्लाट न० ५४ फरीदाबाद टाउनशिप १०२
कार्यालय—५४, इन्डस्ट्रियल एरिया २२५
वर्क्स मैनेजर—बी० एन० जैन }
प्रोड० मैनेजर—आर. बी. जैन } १७५

न्यू राजधानी फ्लोर मिल्स

मिल्स (दाल) ६५४६ कुतुब रोड ४६६६८
सुन्दरलाल
४०८६ गली मंदिर वाली, पहाड़ी धीरज २९१७८

राजवैद्य शीतलप्रसाद एण्ड संस

रसायनशाला—जी. टी. रोड दिल्ली-शाहदरा २३२०१-५२
कार्यालय—चांदनी चौक, दिल्ली २३५२६
राजवैद्य महावीर प्रसाद जैन }
वैद्य शांती प्रसाद जैन } पहाड़ी धीरज, दिल्ली

ड्रग डील कार्पोरेशन

फैक्ट्री (फार्मा०टेब०)—बाग फूलचन्द रोहतक रोड ५४२६८
कार्यालय—१४९६, भगवती भवन, स्टेट बैंक के पीछे चादनी चौक २४०७३

जनरल ट्रेडस एजेंसी

फैक्ट्री—क्लिनीकल गुडस व लेब० इक्युपमेंटस १७ नजफगढ रोड ५१६६५
कार्यालय—गली पाइवालान जामा मसजिद के पास २६२५४
मैनेजिंग डायरेक्टर-मोती लाल जैन २६१५४

हिन्द ट्रेडिंग एण्ड मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } गली बरना सदर बाजार २८५०४
पार्टनर्स—(१) नेम चन्द्र
(२) महेन्द्र कुमार } ६ पार्क एरिया करोल बाग ५२८६३
(३) सुमेर चद्र जैन, डिप्टीगज

महावीर हैट मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } गली डाकखाने वाली मंडीपान, सदर बाजार दिल्ली २८५०५

जैनसन इन्डस्ट्रीज

फैक्ट्री (ट्राइसिकल, स्टील ट्यूब व कैन्डयूट पाइप)—अट्टा मंदिर, अलवर (राजस्थान)
प्रधान कार्यालय—१२१६ चाहरहट, दिल्ली
गिरीलाल
१२१६, चाहरहट, दिल्ली
त्रिलोकचन्द्र
गली कुएं वाली, गली अनार, दिल्ली
जगदीश प्रसाद
२५५३ सतधरा, धर्मपुरा, दिल्ली
सतेन्द्र सिंह
छोटा छीपीवाडा, दिल्ली

दिल्ली प्राम एण्ड ट्राइसिकिल मेनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री—११८५ चाहरहट, दिल्ली
प्रधान कार्यालय—१२१७ चाहरहट, दिल्ली
शाखायें—(१) ३/१ मैंगो लेन, कलकत्ता
(२) इतवारी बाज़ार, नागपुर
मैनेजिंग डायरेक्टर—मदन लाल जैन

वाटरलू प्रोडक्टस

फैक्ट्री (पोलिश व सीमेंट के रंग) जी टी. रोड दिल्ली-शाहदरा
कार्यालय—४० जी. बी. रोड, दिल्ली २३३२६
पद्मकुमार जैन ३ दरियागंज, अंसारी रोड, दिल्ली

जैन टेक्सटाइल वीविंग एण्ड डाइंग फैक्ट्री

शीदीपुरा ५५६८४

हेम चन्द्र जैन } ४६६० पहाडीधीरज

पवन कुमार } दिल्ली २६५७३

प्रकाश वीविंग एण्ड डाइंग फैक्ट्री

फैक्ट्री—शीदीपुरा ५५६१६

ओमप्रकाश जैन

१, दरयागज २४५००

हुकम चन्द जैन वेयर मेन्युफेक्चरिंग हाउस

फैक्ट्री (सिल्वर वेयर्स) —३०१, दरीबा कला

कार्यालय—१७०७, दरीबा कला २०५५६

पार्टनर्स—(१) बहादुर सिह जैन } दरीबा

(२) दरयाव सिह जैन } कला

धूमीमल जुगल किशोर

फैक्टरी (स्टेशनरी मैनुफ०) } दुजाना हाउस, चावडी

व कार्यालय } बाजार दिल्ली २६१०५

जुगल किशोर जैन, दुजाना हाउस, चावडी बाजार, दिल्ली

इम्पीरियल प्लेइंग कार्डस मैनुफैक्चुरिंग कम्पनी

फैक्टरी—गली मिट्ठन लाल, पहाडी धीरज

कार्यालय—सदर बाजार, दिल्ली २७७७०

नेमी चन्द्र मित्तल, कूंचा बुलाकी बेगम, एस्प्लेनेड रोड

ओसवाल प्लेइंग कार्ड फैक्ट्री

बस्ती हर्फूल सिह

गेम्स इंडस्ट्रीज एण्ड टायलैंड (इण्डिया)

कार्यालय—२४१३ चावडी बाजार

एनके रबर मिल्स

फैक्ट्री व कार्यालय—२/३५६ जी. टी. रोड

दिल्ली-शहादरा २००७१/१८४

खैराती लाल जैन

२/३५६ जी टी. रोड, दिल्ली-शहादरा

माया इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री (टायज)

कार्यालय—५७५६/५ दे० गुप्ता रोड, देवनगर ५३७६७

के. के. बब्बी इंडस्ट्रीज

कार्यालय—८ सदर थाना रोड २६००५

मदन किशोर जैन

न्यू एरा प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री व } ५०६ हवेली हैदर कुली

कार्यालय } चादनी चौक

शान्ति स्वरूप जैन २०१८७

अमेरिकन रबर मिल्स कम्पनी

फैक्ट्री—जी० टी० रोड,

दिल्ली शहादरा २३२०१/४५

इंटरनेशनल प्रोडक्टस

फैक्टरी व कार्यालय—गली छापाखाना, मडी पान

सदर बाजार २८५०५

अमर भारत इंडस्ट्रीज लिमिटेड

४५५ मटोला, पहाडगज ४२०१३

मैनेजिग डायरेक्टर—श्री चन्द्र जैन

४५५ मटोला, पहाडगज ४२०१३

दिल्ली कैलेन्डर मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

फैक्ट्री व कार्यालय } १५३०, नई सडक २५८०८

लक्ष्मण दास १५३० नई सड़क

सर्वोदय प्रकाशन

मेनु०—माटेसरी ट्रेनिंग इक्विपमेंटस

प्रधान कार्यालय—सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)

दिल्ली कार्यालय—चावडी बाजार दिल्ली २५२७८

पार्टनर्स—(१) मगल किरन जैन

मो० चौधरियान, सहारनपुर (उ० प्र०)

(२) कोमल प्रसाद जैन

११ दरियागज, दिल्ली २४६६३

एम. जे. इंजीनियरिंग वर्क्स

फैक्ट्री (वाटर टैक्स, पाइप ग्रादि) कार्यालय व } बगीची तनसुखराय ग्रजमेरी गेट, दिल्ली

शाम लाल जैन

४ टोडरमल रोड, नई दिल्ली ४५६५५

ग्रजित प्रसाद जैन
महेन्द्र प्रमाद जैन } १२२३ चाहरहट, दिल्ली २५५६४

जय कुमार जैन

५-ए. दरियागंज, दिल्ली

प्रमोद प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

फैक्ट्री—
कार्यालय— } पहाडी धीरज, दिल्ली

प्रमोद चद्र जैन

१ डी. करोल बाग

सुरेश प्लास्टिक्स वर्क्स

४१०७ ग्रार्यपुरा. सब्जी मडी

बिशंभर दास जैन एण्ड कम्पनी

फैक्ट्री (नेटिंग वायर ग्रादि) व कार्यालय—चावडी बाजार, दिल्ली २०८८७

जवाहर लाल जैन एण्ड कम्पनी

फैक्ट्री (वायर नेटिंग्स) व कार्यालय } ३५८० चावडी बाजार २८०३३

मनोहरलाल त्रिलोक चद्र जैन

फैक्ट्री (लोहे की जाली) व कार्यालय } —ग्रानन्द पर्वत रोहतक रोड

भारत तार उद्योग

फैक्ट्री—जी टी० रोड

दिल्ली-शहादरग

रतन चन्द्र रिखबदास

फैक्ट्री—छोटा बाजार

दिल्ली शहादरा २३२०१/३४

कार्यालय—४२२, भोलानगर

दिल्ली शहादरा २३२०१/१६१

लक्ष्मण सिंह जरीवाला

(इलेक्ट्रिक व रेडियो केबिल तथा तार)

फैक्ट्री व कार्यालय— } २०८८ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार

शाखा—२४६, बाला जी का रास्ता, रामगंज, जयपुर (राजस्थान)

लक्ष्मण सिंह भसाली

कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार, दिल्ली

कानूजी माठूमल एण्ड सन्स

फैक्ट्री (बिजली व रेडियो केबल तथा तार)

व कार्यालय—चौक राय जी, रोशनपुरा, दिल्ली

व्यापारिक संस्थान

अनाज के व्यापारी व आड़ती

नया बाजार

सनेही राम राम नरायन २४४२७
सौनाथराय राम धारी
कुंजी लाल कुन्दन लाल २७०३१
सन्त लाल कश्मीरी लाल
पूरन मल उग्र सेन २३२३६
गुलाब चन्द हंस राज
बाबू मल रमेश चन्द
बिशनदास नवल चद
लक्ष्मी नारायन सुन्दर लाल २६१८६
पूरन चन्द
चतर सेन
लखमी चद
केसरी चन्द मोहन लाल
रतन ट्रेडिंग क०
जुगमधर दास धन कुमार
सोनीमल बद्री प्रसाद
लाखोमल राम नाथ

चावड़ी बाजार

मुकुट लाल पदम चन्द
पन्ना लाल हीरालाल
नंद किशोर
शीतल प्रसाद
राम रछिपाल अजीत प्रसाद, रघुगंज
बिशम्बर दयाल मगल सेन, रघुगंज

पहाड़ गंज

धनीराम रघुवीर सिंह
मुलतानी टांढा
गोरधन दास
मुलतानी टांढा
पन्नालाल शिखर चन्द
मुलतानी टाढा

नजफगढ़ व अन्य

मेहर चन्द रतन लाल
ज्वाला प्रसाद बनवारी लाल
उलफत राय मदन लाल
हरप्रसाद जैन
डिल्लोमल मेहर चन्द्र
फकीर चन्द ताराचन्द
दीप चन्द जिनेश्वर दास
भोगल रोड, जगपुरा

एअर कंडीशनिंग व रेफ्रीजरेशन इंजीनियर

आर० सी० ड्राट एण्ड क० ४७४४४
एम ब्लाक, कनाट सर्कस
न्यू इण्डिया मोटर्स (प्रा०) लि० ४५१०८
कनाट सर्कस (सिंदिया हाउस)
वीर रेफ्रीजरेटर्स इण्डिया २३००५
ए ३/१५ आसफ अली रोड
वीर रेफ्रीजरेटर एण्ड एअर कडीशनिंग कम्पनी
तिमारपुर २७३२३

कपड़े के व्यापारी व आड़ती

चांदनी चौक (मेन)

हजारी लाल एण्ड ब्रादर्स
मुसद्दी लाल मलखान सिंह
बी० आर० जैन क्लाथ स्टोर

कटरा लछू सिंह, चांदनी चौक

कन्हैया लाल त्रिलोक चन्द्र २०४१३
पवनकुमार शरतकुमार
जगन्नी मल पवन कुमार
छगन लाल धन कुमार
सुंडूमल चादनमल
मुसद्दी लाल रतन लाल
श्रीमदर दास मोतीलाल
उल्फत राय धर्म दास

विलास राय रोशन लाल
हरद्वारी मल विशन स्वरूप
ईश्वर दास प्रेम चन्द्र
रतन लाल श्रीपाल

कच्चा बाग, कटरा शहंशाही, चांदनी चौक

रतन लाल जग्गी मल　२४६१७
नेम चन्द जैन
अग्रवाल स्टोर　२७३१८
बुद्धामल हरिदमन लाल
रोशन लाल हरत चन्द्र
जम्बू प्रसाद डिप्टी मल
उग्र सेन सुशील कुमार
उग्र सेन रघुनाथ सहाय
कन्हैया लाल राज कुमार
मिट्ठन लाल तारा चन्द
सोहन लाल बाल चन्द
दुली चन्द पवन कुमार
जवाहर लाल शिव कुमार
बैज नाथ जैन
सुमेर चन्द्र जैन
बद्री प्रसाद राजेन्द्र कुमार
सूरज मल फूल चन्द्र
पदम चन्द तारा चन्द
बंशीधर रतन लाल
राकेश कुमार
गंगाराम शंकर लाल
जगन्नाथ लक्ष्मन
शम्बूनाथ कल्याण चन्द्र
मूल चन्द्र रतन लाल
शिव लाल गुलाब चन्द
विमल प्रसाद जैन
हेम राज स्वेरम दास
दर्शन लाल ब्रज मोहन
उधमी राम कुन्दन लाल
प्रभू दयाल हर चन्द्र
माखन लाल तारा चन्द्र
वेद प्रकाश महादेव प्रसाद

गली लेहसवान, चांदनी चौक

पन्नालाल जैन एण्ड क०　२३४०१
धूमसिह अमोलक सिह
प्रकाश चन्द कैलाश चन्द्र
मुमत प्रसाद राम प्रकाश
बद्री प्रसाद दुली चन्द्र
भाग मल वीर मल
रहतू मल सुरेन्द्र कुमार
दरोगा मल शेर सिंह
रघुवीर सिंह सुरेश चन्द्र
जम्बू प्रसाद गम्भीर सिंह
कश्मीरी लाल रहतूमल
शान्ती प्रसाद नरेन्द्र कुमार
राम नाथ भान सिह
सुमन्दरा लाल श्याम लाल
कन्हैया लाल महावीर प्रसाद
ठडीराम जन
उत्तम चन्द्र देवेन्द्र कुमार
विश्वभर महाय जगजीत मिह
मुकन्दी लाल मांगेराम
शिव प्रसाद हर प्रसाद
रिसाल मिह गुलाब सिह
प्रकाश चन्द्र धन कुमार
जैनी ब्रादर्स

कटरा धूलिया, चांदनी चौक

नरायन दास दयाल सिह
लिसपाल जैन
भगत सिंह जैन
दयाचन्द जैन
बद्री दास विजय कुमार
रघुवीर सिह अमोलक चन्द्र
धूम सिंह जैन
गोपीमल जगदीश प्रसाद
शिव प्रसाद कवल किशोर
उमराव सिंह जैन
शिखर चन्द्र लक्ष्मी चन्द्र
वीर सेन जिनेन्द्र कुमार

धनपाल सुकौशल कुमार
देशराज किरोडी मल
धनपाल सुरेश चन्द्र
ईमान राय चिरजीलाल
शिखर चन्द्र जैन
रूप चन्द जैन
सुलतान सिंह राजेन्द्र कुमार
ज्योती प्रसाद
मगाराम गुज्जनमल
निरजन सिंह जैन
कालूराम महावीर प्रसाद
किरनसिंह महेन्द्र कुमार
गिरी लाल कान्ता प्रसाद
श्रीचन्द्र त्रिलोक चन्द्र

कटरा नवाब साहब, चांदनी चौक

भोजराज सोम प्रकाश
गोविन्द प्रसाद सुमत प्रसाद
सूरजभान सुरेन्द्र कुमार

नया कटरा, चादनी चौक

रोशन लाल दुग्गण एण्ड क०
नियादर मल अमर नाथ २८०४७
गोविन्द प्रसाद नन्नूलाल जैन

नया मारवाड़ी कटरा

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द्र २७६०८
धनपत राय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल सजीव कुमार
जैन सिल्क स्टोर

कटरा सत्यनारायण, चांदनी चौक

श्रीपाल सुरेन्द्र पाल
धन कुमार नेम चन्द्र
सन्त लाल निर्मल कुमार
भोपाल सिह
बासमल पलटू मल
जगदीश प्रसाद आदीश कुमार
नवल सिह चन्दन लाल
आत्माराम बाबूराम

उल्फतराय धर्मपाल सिंह
अनोखे लाल
त्रिलोक चन्द जय चन्द्र
खजाची मल माम चन्द
काशीराम विजय कुमार
चेतनदास सुरेश चन्द
रोशन लाल रूप चन्द्र
दर्शन लाल मूल चन्द्र
चेतन दास रमेश चन्द्र
दया चन्द जय चन्द्र
जैन कटपीस स्टोर
पेशीराम माखन लाल
सूरज भान जैन
मिट्ठन लाल सुशील कुमार
जम्बू प्रसाद जैन
गोपीराम तारा चन्द्र
लखमी चन्द्र नेम चन्द्र
सतीश चन्द्र भूषण कुमार
नेम चन्द्र जयपाल सिंह

कटरा चौबान, चांदनी चौक

परस राम द्वारका दास
रतन लाल जग्गी मल जैन २४६१७
मुन्नी लाल मोती लाल

कटरा अशर्फी

जगन्नाथ जैन
मोहन लाल जैन
गनपत राय विजय कुमार
किशन गोपाल कौशल कुमार
गुरजी मल मेहर चन्द्र
श्रीराम केशरी चन्द्र
रतनलाल जग्गी मल २४६१७
रतन लाल राजेन्द्र कुमार
पी. पी जैन एण्ड कम्पनी, दरीबा
जैन वस्त्र भंडार
बिल्लीमारान, चांदनी चौक
कन्हैया लाल हरिश्चन्द्र
मोती कटरा, नई सड़क

कटरा छतरी, नई सड़क

उल्फत राय कैलाश चन्द्र
सामल दास राज कुमार
धनसिह राय संत नारायण
चन्दन लाल महावीर प्रसाद
बाल मुकन्द जुगमदर लाल

कटरा राठी, नई सड़क

चुन्नी लाल रूप चन्द्र
मदनलाल देवेन्द्र कुमार

नई सड़क

दरबारी मल जैन एण्ड क० २६१११
बैंगलोर साडी सैंटर १६१११
जैन साडी निकेतन
प्रभूदयाल, कटपीस वाले
जैन क्लाथ हाउस
धनपाल जैन
आभेराम जैन
माता दीन जैन
जगन्नाथ जैन
जंगली मल अनूपसिह

माली वाडा, चांदनी चौक

अनराज नरायन दास २४७६३
मुसद्दी लाल फूल चन्द्र
निहाल चन्द्र फकीर चन्द्र
विलास राय रोशन लाल
मिट्ठन लाल जैन

नया मारवाड़ी कटरा, नई सड़क

सतीश चन्द्र सुरेश चन्द
धनपतराय नरेन्द्र कुमार
सुन्दर लाल सजीव कुमार
जैन सिल्क स्टोर

पुराना मारवाड़ी कटरा, नई सड़क

फकीर चन्द्र विमल प्रसाद
मिक्की मल अजीत प्रसाद
इगन चंद्र सत लाल
शादी राम मोहर सिह
प्रीतम लाल अतर चन्द
छोटे लाल
जैन क्लाथ स्टोर
फकीर चन्द ओम प्रकाश
राधेलाल रमेश चन्द्र
चन्द्र भान महावीर प्रसाद
जगजीत सिह जैन
मिट्ठन लाल नेमचद्र
नेम चन्द मदन लाल
कन्हैया लाल ज्वाला प्रसाद
उग्रसेन दीपक कुमार
मगल सेन आदीश्वर कुमार

डा० मुकर्जी मार्ग, बाग दीवार

रणजीत सिह अमर नाथ, महावीर बाजार
अतर सेन नरेन्द्र कुमार, लक्ष्मी बाजार
कन्हैया शाह रोहनी शाह, लक्ष्मी बाजार
जौहरीमल दयाचन्द, गनेश बाजार

दाऊ बाजार, बाग दीवार

चीनूभाई नगीनदास शाह
कान्ती लाल एण्ड कम्पनी

सदर बाजार

शम्भू दयाल महावीर प्रसाद
अनूपसिह विमल प्रसाद
प्यारे लाल जगन्नाथ २६२३५
राजधानी मिल्क भडार २६२३५
बल देवसहाय न्यादर मल
केदार नाथ राम चन्द
हेमन राय राजेलाल
केदार नाथ अतर चन्द
किरपाराम शकर दास
गिरधारी लाल नेम चन्द
प्यारे लाल जैन बहादुर
सागर चन्द फूल चन्द
सांवल दास सागर चन्द
चुन्नी लाल शाती प्रसाद
कल्लू मल हुकुम चन्द

गोबिन्द प्रसाद सुमत प्रकाश
ज्वाला प्रसाद लखमी चन्द
मान सिंह
उमराव सिंह फकीर चद
किशन लाल अशोक कुमार

पहाडी धीरज

उलफत राय विजय कुमार
४७१६ पहाडी धीरज
मगल सेन पदम कुमार
४१४१ पहाडी धीरज
जोरामल
इन्दर सेन लक्ष्मण दास
४३२२ पहाडी धीरज
महावीर प्रसाद
४५०२ पहाडी धीरज
सितारराय ज्ञान चन्द
४५०४ पहाडी धीरज
पूरन चन्द
४५०२ पहाडी धीरज
जाया राम रमेश चन्द
घसीटाराम रमेश चन्द सुखपाल सिंह
वीरेन्द्र कुमार
विमल प्रसाद
नत्थमल मित्र सेन
रतन लाल
मनोहर लाल
हजारी लाल
इन्द्र प्रसव
बाल मुकद
४६१६ पहाडी धीरज
कुन्दन लाल मानक चन्द
४६१८ पहाडी धीरज
मदन ब्रादस
४४६२ पहाडी धीरज
विमल प्रसाद
३८६२ पहाडी धीरज

बलदेव जैन
३८१२ पहाडी धीरज
चेतराम तारा चन्द
४७३६ पहाडी धीरज
मोती लाल
४७३७ पहाडी धीरज
शीतल प्रसाद रवीन्द्र कुमार
४७४१ पहाडी धीरज
केवल राम शीतल प्रसाद
४७४६ पहाडी धीरज
सागर चन्द्र
४८०० पहाडी धीरज
मोहन लाल ओम प्रकाश
४७६६ पहाडी धीरज
पन्नालाल
३७३६ पहाडी धीरज
रतन लाल श्री मदर
३६१६ पहाडी धीरज
बैजनाथ सुरेश चन्द्र
४१४७ पहाडी धीरज
बाबूराम नाल्ली प्रसाद
४१०६ पहाडी धीरज
प्यार लाल जैन
सौदागर मगल सेन
राजस्थान क्लाथ हाउस
निराला क्लाथ हाउस
सूरजभान कन्हैया लाल
फैन्सी क्लाथ हाउस
नेम चन्द हीरा लाल
चित्रा साडी हाउस
बाबूराम
आर्यपुरा
रगीलाल किशन चन्द्र
मुशी लाल मोहन लाल
चावडी बाजार

पहाड़ गंज

किशोरी लाल खडेलवाल

जगन्नाथ पल्लीवाल

नन्हेंमल, कटपीस वाले

ग्यारसीमल गुलाब चन्द

भोलाराम

करौल बाग

बोम्बे सिल्क स्टोर	५१८३०
गंजाराम बिल्डिग, अजमल खा रोड,	
चीप सिल्क स्टोर	५१६६५
२४१३-१४ अजमल खा रोड	
जैन नोवेल्टीज	५५०२२
अजमल खा रोड	
बोम्बे क्लाथ हाउस	५५०४१
२४६२ अजमल खा रोड	
इण्डिया सिल्क्स	
८ बीदनपुरा	
जैन क्लाथ हाउस	
२६२६ बैंक स्ट्रीट	

नई दिल्ली

अर्जुन लाल उल्फत राय	४७३१८
१०५ बेअर्ड रोड	
निराला एण्ड कम्पनी	
८५ बेअर्ड रोड	
ग्रीनवेज़	४३६६२
२० ई. कनाट प्लेस	
जैनसस	
६ ई कनाट प्लेस	४७३८६
सिल्को	
११ ई कनाट प्लेम	४२५२१
जैन साडी स्टोर्स	
जनपथ	
चीप जैनी	
१८ एफ कनाट प्लेस	

जंगपुरा (भोगल) व अन्य स्थान

महावीर क्लाथ स्टोर
भोगल रोड

शाम लाल मेहर चन्द
भोगल रोड

रामूमल शाली प्रसाद
गाधीनगर

सलेक चन्द्र जैन
कृष्णा मार्केट, गाधीनगर

प्रेम चन्द जैन
नजफगढ

अतर सेन जैन
नजफगढ

जोती प्रसाद जैन
नफजगढ

घीसा मल
नजफगढ

कागज व स्टेशनरी के व्यापारी

चावड़ी बाजार

बिरधी चन्द बैज नाथ	२६८८२
बिरधी चद जैन एण्ड सस	२६४४०
बिरधी चन्द जैन एण्ड सस	२७८१८
मिट्ठनलाल जैन एण्ड सस	२३७५३
नेमचन्द्र नरेन्द्र कुमार	२०८५३
रूपचन्द एड सस	२५६६७
सिद्धोमल एण्ड सस	२६४४२
मुशीलाल एण्ड सस	२६६४०
सागर चन्द जैन एण्ड सस	
मोतीलाल जैन	
रतन लाल जैन	
नन्नूमल एण्ड सस	२५७३६
हजारी लाल शाती लाल	२४४८२
गिरधारीलाल पवन कुमार	
नन्द राम सूरजमल	२३८४१
मुशीलाल, प्रकाश चन्द	
ओम प्रकाश जेतिदर कुमार	
धर्मदास तारा चन्द	
सोहनलाल नेमचन्द	
डाल चन्द पृथी सिह	२०२७६

नेमचन्द एण्ड सस
इंडिया पेपर प्रोडक्ट
न्यू इंडिया जनरल ट्रेड्स एजेन्सी २४४५७
जगदीश राय नरेन्द्र कुमार
फूलचन्द वेद प्रकाश
गोकल चन्द जगन्नाथ नाहर २६५३५
धूमीमल विशाल चन्द
धूमीमल जुगल किशोर २६१०५
दुजाना हाउस
धूमीमल धर्मदास
३७१० चावडी बाजार २६८२०
अजीत पेपर कम्पनी
चर्खेवालान
सिघल पेपर मार्ट
मोडर्न पेपर मार्ट
धनेश पेपर मार्ट
महावीर पेपर मार्ट
भगवत प्रसाद एण्ड सस २६५८१
शिम्भो नाथ एण्ड सस
खडेलवाल पेपर मार्ट
सुमत प्रसाद एण्ड संस २४२२५
छुट्टनलाल विजेन्द्र कुमार
गिरधारी लाल पदम कुमार जैन २६४२३
सुमत प्रसाद अनिल कुमार
सुमन लाल उग्गर सेन
गुलशन राय बीर सेन
श्रीपाल एण्ड कम्पनी २०७३०
शेरसिह किरपाराम
मूलचन्द होशियार सिह
पी० आर० जैन स्टेशनरी मार्ट
जनरल पेपर कम्पनी
अशोक पेपर मार्ट
प्रकाश पेपर मार्केट
सतीश ब्रदर्श
प्रकाश पेपर मार्केट
ललित प्रसाद एण्ड ब्रदर्स
यूनीक स्टेशनरी डिपो २८५३३

जगली मल प्यारे लाल
भिक्खी लाल जैन
मोती लाल जैन एण्ड सस
अमर सिह धूमीमल
राजेन्द्र कुमार एण्ड कम्पनी
दयाल पेपर मार्ट
दिनेश पेपर मार्ट
बाबूराम किरन चन्द
टीकाराम मेठन लाल
सेट्रल पेपर एजेन्सी
मोडर्न कापी मार्ट
मु शीराम मनोहर लाल २७१५३
दारोगामल जैन
छीपीवाडा खुर्द, चावडी बाजार
जैन पेपर मार्ट
छीपावाडा खुर्द चावडी बाजार

सदर बाजार

राम प्रसाद जगन्नाथ जैन २६४४६
कटरा नबीबक्स
जोती प्रसाद महावीर प्रसाद
बाराटूटी
नीकाराम सीनथ लाल
गुलशन राय जैन एण्ड सस
शिखर चद पद्म प्रसाद
प्रकाश चद जैन एण्ड सस २५६४६
हुकम चन्द शिखर चद जैन
भोलाराम रंगूलाल २६४५६
टेक चन्द बेलीराम
५६६३, गली मटके वाली, सदर बाजार
जुगिंदर लाल जैन एण्ड कम्पनी २८२४३
कटरा मिट्ठन लाल
मोती राम पदम चन्द
बाडा हिन्दूराव

पहाड़ी धीरज

गिरनारीमल ताराचन्द
लघुराम जैन एण्ड सस
विशम्भर सहाय श्यामलाल

श्रीपाल धनपाल
हेमचन्द ग्रजित प्रसाद
विद्या सागर सुमन प्रसाद
नत्थूराम सतीश चन्द
किरन चन्द बाबू राम
महेन्द्रा पब्लिशिंग हाउस
प्रेम कत्याल
हीरा स्टेशनरी मार्ट
हिन्दुस्तान पेपर मार्ट
    ८, नारायन मार्केट

खारी बावली और विविध

बिरधी चन्द नौनगराम
बिरधी चन्द गिरधारी लाल २४३०३
नत्थूमल जैनीलाल
    गाडोदिया मार्केट खारी बावली
सेन ब्रदर्स
    बाजार गुलियान
मगल सेन तरलोक चन्द
    दरीबा कला
निर्मल दास राजाराम
    दरीबा कला
बिरधी चन्द जैन एण्ड सन्स २७८१८
    ४३ बाग दीवार, चादनी चौक
अजमेरी गेट पेपर मार्ट
    ग्रासफ ग्रली रोड
बाबूराम एण्ड कम्पनी
    गली लुहारान, अजमेरी गेट
राज पेपर मार्ट
    २६६७ देशबन्धु गुप्ता रोड
घूमीमल रामचन्द ४७४३३
    ८-ए. ब्लाक कनाट प्लेस

किराना के व्यापारी व ग्राड़ती

मीरीमल ग्रशोक कुमार २४१७८
    गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
मूल चन्द्र महावीर प्रसाद
    गाडोदिया मार्केट, खारी बावली

पूरनमल ग्रोम नारायण
    गाडोदिया मार्केट, खारी बावली
श्रीपाल प्रद्युम्न कुमार २३६८२
    कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
फूल चन्द्र जैन
    कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
सूरज भान सुलतान चन्द्र
    कटरा ईश्वर भवन, खारी बावली
नन्हे मल ग्रमीर चन्द्र
    तिलक बाजार, खारी बावली
शिवलाल नानक चन्द्र, जैन २०५२६
    कटरा तम्बाकू, खारी बावली
श्याम लाल श्रीपाल
    कटरा तम्बाकू, खारी बावली
हुण्डीलाल श्याम बिहारी लाल २६६८३
    खारी बावली
राम प्रसाद बिशन स्वरूप
    खारी बावली
बख्तावर मल तारा चन्द्र
    खारी बावली
केशरी चन्द्र श्रीचन्द्र
    खारी बावली
सुन्दर लाल देवेन्द्र कुमार
    खारी बावली
घेवर चन्द्र राम ग्रवतार
    खारी बावली
मूल चन्द नेम चन्द
    नया बास
वकील चन्द
    नया बास
राजेन्द्र कुमार जैन
    सदर बाजार
प्रेम चन्द सुरेश चद
    सदर बाजार
शिखर चद गुप्ती प्रासाद
    सदर बाजार

मगन सेन दीप चद
आर्यपुरा, सब्जी मडी

पन्ना लाल प्रेमचन्द
आर्यपुरा सब्जी मडी

सी० एम० उग्गर सेन
आर्यपुरा, सब्जी मंडी

शोभा प्रसाद फतेह चद
६७ पच कुइया रोड

मोती लाल निहाल चद
६६ पचकुइया रोड

दीवान चंद महेश चद
छटूटी, पहाड गज

धन्ना लाल भौरी लाल
छटूटी चौक, पहाड गंज

उग्गर सेन हेमचन्द
पहाड गंज

माखन लाल श्रीपाल
तेल मडी, पहाड गज

ग्यारसी मल गुलाब चद
गली घोसियान, मटोला पहाड गज

सन्तलाल फतेह चन्द
सेट्रल रोड, जगपुरा

केमिस्ट व ड्रगिस्ट

गेंदा मल हेमराज २७६५१
११ रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट

गेंदामल विलायतीराम ४६१८४
८१० कनाट सर्कस

मायाशाह विलायती राम एण्ड सस ४३६५७
म्यू० मार्केट, इर्विन रोड

एम० एस० लक्ष्मी एण्ड संस २३६२३
१४४६ चांदनी चौक

एसोशियेटिड एजेंसीज २८२६५
भागीरथ पेलेस

मेडीसन ट्रेडर्स
चादनी चौक

के० संस
चादनी चौक

रेडीक्योरा एण्ड कम्पनी २४८७६
फतेपुरी

कुमार ब्रदर्स २४०७३
भागीरथ पेलेस, चादनी चौक

ड्रगडील कार्पोरेशन '२४०७३
१४६६ भगवती भवन, स्टेट बैंक के पीछे

जैना फार्मेसी २८२८८
जोगीवाडा, नई सडक

जमनादास एण्ड कम्पनी
भागीरथ पेलेस, चादनी चौक

जैन फार्मेसी २६३०८
पहाडी धीरज, सदर बाजार

होम्यो मेडीकल हाल २६५६६
पहाडी धीरज, सदर बाजार

हीरालाल प्रेम चद्र २८२८०
पहाडी धीरज, सदर बाजार

रनजीत फार्मेसी
पहाडी धीरज, सदर बाजार

सुगन चद्र ज्योति प्रसाद
पहाडी धीरज, सदर बाजार

जैना फार्मा (प्रा०) लिमिटेड ५५६७६
२६, नजफगढ रोड

घड़ी व घंटों के व्यापारी

जैना वाच कम्पनी २६६५०
सदर बाजार

स्टैंडर्ड वाच हाउस
७१ गफ्फार मार्केट

कोलीजियेट वाच हाउस
६० गफ्फार मार्केट

घी व चीनी तथा खांड के व्यापारी

घी के व्यापारी

बेनीराम बंशीधर २६१४३
प्रेम निवास ६१५०/२३ दरियागज

चीनी तथा खांड के व्यापारी

सरदारी मल, कुन्दन लाल २५७२६
नया बास, खारी बावली
जिनेश्वर दास एण्ड संज
भोगल रोड, जंगपुरा

ज्वैलर्स

शांति विजय एण्ड कम्पनी ४२६१६
५२, जनपथ
शाखा—इम्पीरियल होटल, जनपथ ४५२२८
खैराती लाल एण्ड संस ४३७६४
८० जनपथ
इंडियन आर्टस पैलेस ४३८६३
१६-ई. कनाट प्लेस
मनोहर लाल एण्ड सस ४०६६०
कनाट सर्कस
सुमति दास एण्ड ब्रदर्स
रीगल बिल्डिग
शीतल दास एण्ड सस
६ एफ. कनाट प्लेस
जे. सी. पारिख एण्ड क० ४७३५५
६ एफ. कनाट प्लेस
मनोहर लाल बुज्जन मल
जनपथ होटल, जनपथ
टी. कृष्ण चन्द्र
२२, सुन्दर नगर
हीरालाल जैन ४४८६७
३०/३२ बाबर लेन
पिंडी जैन ज्वैलर्स ५३०४६
२३६६ गुरुद्वारा रोड
पापूलर जैन ज्वैलर्स ५२०८७
बैंक स्ट्रीट, करोल बाग

दरीबा चांदनी चौक

महबूब सिंह जैन एण्ड सस २०५५६
महताब सिंह जैन एण्ड सस २६३६६
पूरन मल नन्नूमल २५३७५
मीरीमल नेम चन्द्र २४८५६
जगाधर मल धन्नूमल २८६२४
बेलीराम तारा चन्द २७७२६
राम स्वरूप जैन २६२८७
रनजीत सिंह जैन २५६०८
मुसद्दी लाल एण्ड सस
बसत राम हुकुम चन्द्र
धूम सिह नाहर सिह
शिब्बामल रघुवीर सिंह
जम्बू प्रसाद जैन सर्राफ
मीरीमल सुल्तान सिंह
रतनलाल अजित प्रसाद
तारा चन्द्र माम चन्द्र
दलीप सिंह प्रकाश चन्द्र
मुसद्दी लाल एण्ड सस
मुन्नीलाल जैन
७५, गली सुखानन्द (दरीबा)
प्रकाश चन्द्र शील चन्द्र २५४३५
चादनी चौक
हुकुम चन्द्र उल्फतराय जैन २५६६५
चादनी चौक
जैन ज्वैलर्स २०८८१
१८३३ चादनी चौक
महताब राय महावीर प्रसाद २४७१५
चादनी चौक
जगन्नाथ हेम चन्द्र २८६७२
१४२१ चांदनी चौक
खुशाल सिंह जैन
१८२३ चादनी चौक
लाल चन्द्र रतन लाल
चादनी चौक
धन्नूमल किशन चन्द्र
चादनी चौक
हुकुम चन्द्र जगाधर मल
चादनी चौक
मोहन लाल रोशन लाल
चादनी चौक

धन्नूमल जैंदयाल सिंह
चादनी चौक
जैन आभूषण भडार
कूंचा महाजनी, चादनी चौक
महावीर आभूषण भडार
कूचा महाजनी, चादनी चौक
मदनलाल विनोद कुमार
कच्चा बाग, चादनी चौक
रतनचन्द्र ऋषभदास
कच्चा बाग, चादनी चौक
मुरारी लाल कवर किशन
कच्चा बाग, चादनी चौक
प्रताप सिह जसवत राय
कटरा सत्यनारायन, चादनी चौक
उमराव सिह कुन्दन लाल २०५१६
१६७६ किनारी बाजार
काशीनाथ जगन्नाथ
किनारी बाजार
हरी चद्र माल
२२१४ किनारी बाजार
सुरेन्द्र कुमार बोथरा
२८६५ किनारी बाजार
भैरून प्रमाद सोहन लाल
२००१ नौघरा, किनारी बाजार
प्यारे लाल दलेल सिह
२००६ नौघरा, किनारी बाजार
अजीत प्रमाद जैन
२६४२ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार
चुन्नी लाल दूगड
१६६८ कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार
बुज्जन लाल बाबूराम
धर्मपुरा
जोरा मल जैन
धर्मपुरा
बहादुर सिह मूसल
१४०५ माली बाड़ा
सुल्तान सिह जैन
माली वाडा
खूब चन्द्र इन्दर चन्द्र
१३८५ माली वाड़ा
सांवल दास छोटे लाल
राजिन्द्र निवास, ४५६ मालीवाडा
कुन्दन लाल पारख
६४४ माली वाड़ा
जगली मल फतेह सिह
६३८ माली वाड़ा
रतन लाल तातेड
१०४० माली वाड़ा
सुल्तान सिह आदीश्वर लाल
११६१ माली वाडा
छगन लाल मगन लाल
१०५२ गली हीरानन्द, माली वाडा
पूरन चन्द रतन लाल
१०४२ गली हीरानन्द, माली वाडा
जीवन लाल बौहरा
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाडा
हेमचन्द्र जैन
१०४२ गली हीरानन्द मालो वाडा
खेम चन्द्र पारख
१०५२ गली हीरानन्द, माली वाड़ा
इन्दर चन्द बोथरा
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाडा
मनमोहन जैन
१०४५ गली हीरानन्द, माली वाडा
डिप्टी मल सूजती
६३२ गली पत्तल वाली, माली वाडा
गन्नोमल होश्यार मल
गली किशनदत्त, माली वाड़ा
धन्नामल जैन
१८१६ छत्ता मदन गोपाल, माली वाडा
नानक चन्द्र टोंग्या
११२७ छत्ता मदन गोपाल, माली वाड़ा

जमुना दास सुराना
गली छीपियान, माली वाड़ा
जीवन लाल बोयरा
१४५४ गली छीपियान, माली वाडा
चांदमल संखवाल उमराव सिंह
१४४४ गली छीपियान, माली वाड़ा
हजारी लाल
गली लाडे वाली, माली वाड़ा
नानक चन्द कस्तूर चन्द
गली भोजपुरा, माली वाड़ा
पन्ना लाल छजलानी
६७६ गली भोजपुरा, माली वाड़ा
अतर चन्द्र जैन
१२६६ वैदवाड़ा
श्रीचन्द जैन
१३७१ वैदवाडा
सूरज लाल जैन
वैदवाडा
पन्नालाल एण्ड संस
१३११ वैदवाडा
पन्नालाल तातेड
वैदवाडा
लल्लूमल विजय सिंह
१२६८ वैदवाडा
बल्लोमल जग्गोमल
वैदवाडा
मुन्नालाल जैन
१८१८ चीराखाना, वैदवाड़ा
हजारी लाल राक्याण
१८६३ चीराखाना, वैदवाड़ा
बब्बूमल लोढा
गली हरदयाल, चीराखाना, वैदवाडा
मांगीलाल रिखब चन्द
चीराखाना, वैदवाडा
मुन्नालाल दलेलमल
गली हरदयाल, चीराखाना, वैदवाड़ा

कपूर चन्द बोथरा
४१४४ नई सडक
नरेन्द्र कुमार लूनिया
गली भैरो वाली, नई सड़क
बाबूमल एण्ड कम्पनी २५१३०
५ कश्मीरी गेट
रामगोपाल हजारी लाल
सदर बाजार
खजाची मल उग्रसेन
सदर बाजार
श्रीराम अजित प्रसाद
सदर बाजार
पारस दास डिप्टी मल
सदर बाजार
सुमत प्रसाद एण्ड सन्स
सदर बाजार
शीतल प्रसाद पदम प्रसाद
सदर बाजार
ओसवाल ज्वैलर्स २८८५७
४६ बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड
रामनारायन जोती प्रसाद
आर्य पुरा, सब्जी मंडी
प्यारे लाल मान सिंह
आर्य पुरा, सब्जी मंडी

जरी गोटा आदि के व्यापारी

किनारी बाजार

निहालचन्द ज्योती प्रसाद
सुल्तानसिंह
विशम्भरनाथ हरीचन्द
जैन जरी पेलेस
छगनलाल जयकिशनदास
मानक चन्द
दीप चन्द पदम चन्द
जैन गोटा स्टोर
बाबूराम धन्नूमल
रमन चन्द
गिरनारी लाल

कुलवन्त राय
मुंशीलाल पूरनचन्द
सूरजभान
ज्योती प्रसाद
फूलचन्द
कल्यान दास
गोपालदास 'भगत'
रघुनाथ सहाय जयचन्द राय
चादनी चौक
प्यारेलाल अमीरचन्द २०३८२
२१८ फतेपुरी

बेल वाले

मुंशी लाल अजीत प्रसाद २८४६४
६६५ चादनी चौक
लक्ष्मणसिंह जरी वाला
२०८८ कटरा खुशाल राय
कानू जी माठूमल एण्ड संस
चौक राय जी, रोशनपुरा

इम्ब्रोइड्री ट्रेसर्स

कुंजलाल जैन
बिल्ली मारान, चादनो चौक
सुदर्शन लाल जैन
नई सडक
राजेन्द्र प्रसाद जैन
नई सडक
निर्मल इम्ब्रोइडरी वर्क्स ५२३६६
७६ गफ्फार मार्केट, अजमल खा रोड
किंग इम्ब्रोइडर्स
३० गफ्फार मार्केट, अजमल खा रोड

जायदाद एजेंट्स

कालोनाइजेशन लिमिटेड २३५३७
२३ दरियागंज
फूल चन्द २३७७७
जवाहर नगर
नेमी चन्द २७६११
५३-डी कमला नगर
शिखर चन्द ७२६७७
के १२० हौज खास
हरीचन्द जैन एण्ड संस २४८७८
६४६४ कटरा बरयान
इंदर सेन ५४८२८
५०६० कृष्ण नगर, करोल बाग
भागमल जैन ५३३११
२ गुरुद्वारा रोड, करोल बाग
त्रिलोक चन्द
२२६३ धर्मपुरा
महेन्द्र जैन ७३८११
डी-१ ग्रीन पार्क
महेन्द्र कुमार
५, दरियागंज
त्रियालाल जैन
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार
मुल्तान सिंह जैन
चावड़ी बाजार
धनराज जैना २३७११
२३ दरियागज
परताप एण्ड कम्पनी
१७ फैज बाजार
त्रिलोक चन्द्र जैन
७ दरियागज
हेम चन्द्र जैन
७ दरियागज
अतर चन्द्र जैन
मसजिद खजूर
एम. एस दास जैन ७४१८१
न्यू देहली साउथ एक्सटेंशन
जैन बन्धु
माडल टाउन

टेलर्स और ड्राई क्लीनर्स

बेस्टवेज टेलर्स २६४३५
चादनी चौक
चीप जैनी
कनाट प्लेस
ओसवाल टेलर्स ५५५७०
६ बीदनपुरा, करोल बाग

मदन लाल जैन
जैन मंदिर अहाता, नई दिल्ली
जैन टेलर्स
३८६ दीवान हाल रोड
एंबिलप्स ड्राई क्लीनिग कम्पनी ४५८४७
५६ जी. कनाट प्लेस
नावेल्टी ड्राई क्लीनर्स ५१२७८
८८० ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग

प्रकाशक व पुस्तक-विक्रेता

बेनेट कोलमेन एण्ड कम्पनी लिमिटेड २८१६१
१०, दरियागज
चेअरमेन-शाती प्रसाद जैन ३४४०२
६ सरदार पटेल मार्ग
धूमीमल धर्मदास २६८२०
३७१०, चूड़ीवालान, चावडी बाजार
सर्वोदय प्रकाशन २५२७८
चावडी बाजार
पन्नालाल अग्रवाल
गली कन्हैया लाल, चर्खेवालान
ला लिटरेचर हाउस २७५०८
२६४६ बल्लीमारान, चांदनी चौक
कम्पनी ला आफिस २०५१७
कूचा ब्रजनाथ, चादनी चौक
दिल्ली कलैडर मैनुफेक्चरिंग कम्पनी २५८०८
१५३० नई सडक
साहित्य ज्ञान मन्दिर
नई सडक
मुंशीराम मनोहर लाल २७१५३
पी. बी ११६५ नई सडक
सेंट्रल बुक डिपो
नई सड़क
पूर्वोदय प्रकाशन २४६५६
ऋषि भवन, ८ नेताजी मार्ग
मेट्रोपोलीटिन बुक क० (प्रा०) लिमिटेड २५७७१
१ नेता जी मार्ग
मोती लाल बनारसीदास २७६५५
४० बंगलो रोड, जवाहर नगर

हिन्दुस्तान बुक एजेंसी २०२०१
१७ यू-बी जवाहर नगर
जे० एम० जैना एण्ड ब्रदर्स २५०६४
मोरी गेट
'टूडे एण्ड टू मारो' बुक एजेंसी ५३६८७
२२-बी/५. देशबन्धु गुप्ता रोड
जयना बुक डिपो ५३३६७
छप्परवाला कुआ, करोल बाग
जैन बुक डिपो
लिबर्टी सिनेमा के पास, रोहतक रोड
जैन बुक एजेंसी ४०६२६
सी ६ प्रेम हाउस, कनाट प्लेस
प्रेम बुक स्टाल
आपोजिट जी ई सी , ई ब्लाक कनाट प्लेस
यंगमेन बुक डिपो
लेडी हार्डिंग रोड
अमीर सिह जैन एण्ड सन्स
डी-२/६ माडल टाउन, माल रोड
वीर जनरल स्टोर
भोगल रोड, जगपुरा
जैन पुस्तक भंडार
गाधी नगर

फर्नीचर के व्यापारी

जैन फर्नीचर हाउस २०८७५
बडा बाजार, कश्मीरी गेट
दया चन्द मगन चन्द्र
६७ पच कुइया रोड
गोयल फर्नीचर हाउस
३८१६ तीस हजारी, सराय फूस

बर्तन व क्राकरी के व्यापारी

धातु के बर्तन तथा अन्य सामान

घमंडी लाल नन्हेमल २६७६२
बारा टूटी, सदर बाजार
टिन्डूराम जय नरायण
बारा टूटी, सदर बाजार

PLEASE NOTE CHANGE OF ADDRESS 666 CHURIWALAN, NEAR CHAORI BAZAR, DELHI.
Invitation
You are cordially invited to visit our plant in operation (The largest of its kind) for Block making, Colour Printing, Job Printing Copper Plate, Wedding & Greeting Cards Printing Die Stamping Ruling, Paper Cutting and Binding etc
Dhoomi Mal Jugal Kishore
Manufacturing Stationers & Printers
Near Chaori Bazar,
SHOW ROOM 666, CHURIWALAN DELHI
1st Floor above Tayal Brothers
Grams : WEDDINCARD
Phone : 229105
PROPRIETORS OF RAMA PRINTING WORKS (ESTABLISHED 1931)

य नारायण देवेन्द्र कुमार	
बारा टूटी, सदर बाजार	
ऋषभ कुमार जिनेन्द्र कुमार	२२६५७८
७ डिप्टी गज, सदर बाजार	
पी० सी० गिरधारी लाल जैन	२२६०४०
६ डिप्टीगज, सदर बाजार	
मुसद्दी लाल निर्मल कुमार	२२६२६७
डिप्टीगज, सदर बाजार	
महावीर मेटल वर्क्स	२२६८८५
४७७ बर्तन मार्केट, सदर बाजार	
चन्दूलाल मोहनलाल	२२६४४६
४२७ कटरा नबी बक्स, सदर बाजार	
महावीर मेटल वर्क्स	
कटरा नबीबक्स, सदर बाजार	
राम रखामल मदन लाल जैन	२२६८०२
सदर बाजार	
दयाराम शिखर चन्द	२२६२१२
४२१७ सदर बाजार	
दयाराम प्रेम सागर	
सदर बाजार	
बलदेव सहाय एण्ड सन्स	
सदर बाजार	
सावल सिंह नवीन कुमार	
सदर बाजार	
प्रद्युम्न कुमार विनय कुमार	
सदर बाजार	
सावलदास मीरी मल जैन	
सदर बाजार	
भारत मेटल वर्क्स	
सदर बाजार	
कश्मीरी लाल सुशील कुमार	
सदर बाजार	
जुगमन्दर दास फल चन्द्र	
सदर बाजार	
ब्रज किशोर नन्द किशोर	
सदर बाजार	
जैन बर्तन स्टोर	
सदर बाजार	
कश्मीरी लाल स.बल सिंह	
सदर बाजार	
पहाड़ीमल सागर चन्द	
चावड़ी बाजार	
जिया लाल सुमेर चन्द	
चावडी बाजार	
सुमेर चन्द सुभाष चन्द	
चावडी बाजार	
श्रीचन्द	
दरीबा	
जैन बर्तन स्टोर	
लाजपतराय मार्केट, चादनी चौक	
कल्याण चन्द्र अग्रवाल	
लाजपतराय मार्केट, चादनी चौक	
जय कुमार ब्रादर	
लाजपतराय मार्केट, चादनी चौक	
रूपीमल मुंशीलाल	
मटोला, पहाडगंज	
रूपीमल खजाची	
मटोला, पहाडगंज	

क्राकरी

आर० एस० मुलखराज एण्ड सन्स	२२६४५१
क्राकरी मार्केट, सदर बाजार	
पिंडी ट्रेडर्स	
११७ क्राकरी मार्केट, सदर बाजार	

बिल्डिंग कांट्रेक्टर्स व सेनीटरी इंजीनियर्स

महावीर प्रसाद एण्ड सन्स	२२६७३५
चावडी बाजार	
अतर चन्द्र जैन	
मसजिद खजूर	
जैन एण्ड सन्स	
मसजिद खजूर	
चुन्नी लाल जैन	
पीपल वाली गली, धर्मपुरा	
जैन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (एलाह०)	२२४६६३
११ दरियागंज	
साम चन्द्र जैन	४४८१३
६५ जैन मन्दिर रोड (नई दिल्ली)	
एस० के० अग्रवाल	४४८१३
६५ जैन मन्दिर रोड (नई दिल्ली)	

नरेन्द्र कुमार जैन
२२ फीरोजशाह रोड

पन्ना लाल सुमत प्रसाद
देव नगर

भाग मल जैन ५३३११
२ गुरुद्वारा रोड

मगन चन्द्र जैन
लड्डू घाटी, पहाड़गंज

मदन लाल जैन
शीदीपुरा

राय एण्ड जैन २२३२३३
१०२ ए. मोडल बस्ती

एन. के. जैन एण्ड कं०
VIII/४५५ छाटा बाजार, शहादरा

बिल्डिग, सेनीटरी व लोहे के सामान के व्यापारी

बिल्डिग मेटीरियल

बिल्डवेल स्टोर्स २२६७०६
सदीक बिल्डिग, जी. बी. रोड

महाबीर प्रसाद एण्ड सस २२६७३५
चावडी बाजार
शाखा—जी बी. रोड २२६४०७
सीमेट डिपो-गाधीनगर

दिल्ली सीमेट स्टाकिस्ट कम्पनी २२६४०२
VII/५२३३ जी बी. रोड

—सेल्स डिपो—

माडल टाउन	मसजिद मोठ
सराय भरोला	कालका जी कालोनी
नरेला	बदरपुर
राजा गार्डन	जगपुरा
(नजफगढ़ रोड)	भोगल
बिजवासन	
मेहपालपुर	कनाट प्लेस
देवली (खानपुर)	चावडी बाजार
मेहरोली	चितली कबर
यूसुफ सराय	कश्मीरी गेट

बस्ती हर्फूलसिंह

पदम सिंह जैन एण्ड कम्पनी २२६६०६
४१ जी. बी. रोड

भारत मारबल हाउस २२६६०६
४१ जी. बी. रोड

नेशनल सीमेट एण्ड लाइम स्टोर्स २२६४३३
४० जी. बी. रोड

पंच कुमार एण्ड कम्पनी २२३३२६
४० जी बी. रोड

दिल्ली बिल्डर स्टोर्स २२६६५७
जी. बी. रोड

महाबीर प्रसाद जैन एण्ड कम्पनी
जी. बी. रोड

बिल्लोमल जैन
जी. बी. रोड

भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
चावडी बाजार

शामलाल जैन एण्ड संस २२६७३५
चावडी बाजार

इडियन एजेसीज कार्पोरेशन २२३८०६
१४५७ चादनी चौक

इडस्ट्रियल मिनरल्स
बल्लीमारान, चादनी चौक

जैन कैमीकल वर्क्स
कटरा, बरयान

सुखानन्द शकर लाल
तिलक बाजार

जैन फाइन कलर एण्ड जनरल इडस्ट्रीज
बेला रोड

जैन ब्रदर्स
हौज काजी

जैन पैंट हाउस २२६४७४
बारा टूटी, सदरबाजार

विपुल ट्रेडिग कम्पनी
सदर बाजार

न्यु इडिया सेनीटरी वर्क्स
३७५८ गली बरना, सदर बाजार

हिन्द ट्रेडिग कम्पनी
गली बरना, सदर बाजार

दिल्ली सीमेट ट्रेडिग कार्पोरेशन ७४५५४
३६ जंगपुरा रोड, भोगल

चिम्मन पेंट एण्ड हार्डवेयर स्टोर्स ७३२३६
७८ सम्मन बाजार, जगपुरा

वाटरलू प्रोडक्स कं०
जी. टी. रोड, शहादरा

कल्यान सिंह मानिक लाल
छोटा बाजार, शहादरा

बनवारी लाल महेन्द्र प्रसाद
नजफगढ

सुन्दर लाल जैन २२६८१६
लाहोरी गेट

ओम प्रकाश जैन
बारा टूटी, सदर बाजार

लोहे का सामान

महाबीर प्रसाद एण्ड सन्स २२६७३५
चावडी बाजार

बिशम्भर दास जैन एण्ड कम्पनी २२०८८७
चावडी बाजार

रोशन लाल जैन एण्ड कम्पनी २२६५८५
चावडी बाजार

स्टील एण्ड मेटल स्टोर २२६५८५
चावडी बाजार

जवाहर लाल जैन एण्ड कम्पनी २२८०३३
३५८० चावडी बाजार

हीरालाल जैन एण्ड कम्पनी
चावडी बाजार

मित्तल वायर एण्ड नेटिंग वर्क्स
चावडी बाजार

मित्तल ब्रदर्स
चावडी बाजार

जैन ट्रेडर्स
चावडी बाजार

मनोहर लाल त्रिलोक चन्द
चावडी बाजार

हरियाना वायर नेटिंग स्टोर्स
चावड़ी बाजार

प्रेम ब्रदर्स
कूंचा दयाराम चावडी बाजार

बी० एस० जैन
गली चूडीवालान, चावडी बाजार

बनारसी दास जैन
चावडी बाजार

रघुवीर दास जैन
चावडी बाजार

जगदीश प्रसाद जैन
चावडी बाजार

भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
चावडी बाजार

फूल चन्द सुमेर चन्द्र
चावडी बाजार

भोगी लाल पोसा
चावड़ी बाजार

सेनीटरी वेअर्स

महाबीर प्रसाद एण्ड सस २२६७३५
चावड़ी बाजार

भारत आइरन वर्क्स २२७३३४
चावड़ी बाजार

जैन एण्ड संस
मसजिद खजूर

हिन्द ट्रेडिग एण्ड मैनुफैक्चुरिंग कं० २२८५०४
गली बरना, सदर बाजार

एम. जे. इजीनियरिंग वर्क्स
बगीची तनसुख राय, अजमेरी गेट

हिन्दुस्तान इजनियरिंग कम्पनी
६७६ सदर बाजार

सुरेन्द्रा एण्ड कम्पनी
गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज

संतलाल जैन
छ टूटी, पहाड़गज

गोयल ट्रेडिंग कं०
कुंदन भवन, ३ दरियागंज

कन्नालाल सुमत प्रसाद
नजफगढ़

जैन ब्रदर्स
हौज़ काजी
पी० शाह एण्ड कम्पनी
हौज़काजी
नेशनल हार्डवेयर सिंडीकेट २२७५६१
हौज़ काजी
इंडस्ट्रियल मिनरल्स
३०४३ बल्लीमारान, चादनी चौक
जैनेन्द्रा हार्डवेयर कम्पनी
३०४६ बल्लीमारान, चांदनी चौक
बी० एस० जैन
गली चूड़ीवालान
रतन लाल नानक चद जैन
सदर बाजार
जैन हार्डवेयर स्टोर ५४६८४
२७६० अजमल खां रोड

पेंटस

शामलाल जैन एण्ड सस ५६७३५
चावडी बाजार
वाटरलू प्रोडक्टस कम्पनी
दिल्ली-शहादरा
जैन पेंट हाउस २२६४७४
बारा टूटी, सदर बाजार
जन कैमीकल वकर्स
कटरा बरयान

टिम्बर व बान-रस्सा

सीताराम फिरोजीलाल जैन (प्रा०) लिमिटेड २२५६६२
कटरा बरयान
हरीचद जैन एण्ड सस २२४८७८
६४६४ कटरा बरयान
मोतीराम जैन एण्ड सस
१०६१ लाल कुआ

सदर (कबाड़ी) बाजार

दुर्गा प्रमाद चिरन्जीलाल
दुर्गा प्रसाद मित्तर सैन
गुल्शन राय पदम सैन
नेमचन्द मोती लाल
दुर्गा प्रसाद लाहौरीमल
उदमीराम मदनलाल
गोरखी मल धनपत राय
रतनलाल बलबीर सिंह
जुगमन्दर दास प्रेमचन्द
रूपचन्द राजकुमार
फतेहचद दीवानचन्द
फतेहचन्द वजीर चन्द
बालमुकुन्द उग्रसैन
मुसद्दीलाल फूलचन्द
महावीर प्रसाद श्रीराम
हंसराज धनपाल
सुखलाल हुकमचन्द
गगादास चोखराज
पन्नालाल सुमत प्रकाश
कश्मीरी लाल ओमप्रकाश
सम्मन लाल लखपतराय
भगवान दास आदीश्वर कुमार
जगदीश प्रसाद राजेलाल
नेमचन्द वकील चन्द
तारा चन्द त्रिलोक चन्द
चोखराज रमेशचद
जनता टिम्बर स्टोर्स
करम चन्द सुभाष चन्द
श्रीपाल वकील चन्द
कानाशा तेजाशा
तिलक चन्द
जानकी लाल राजमल
मोहनलाल महेशचन्द
चिरन्जीलाल मान सिंह
सूरजभान खेम चन्द्र
आर्यपुरा
वर्मा एण्ड जैन
देश बन्धु गुप्ता रोड

बिजली के सामान के व्यापारी व इंजीनियर

कर्मशियल इलेक्ट्रीक वर्क्स २२५४६१
चादनी चौक

दाम एण्ड कम्पनी २२६५०३
गुरुद्वारा के नीचे, चादनी चौक

जैन इलेक्ट्रिक स्टोर्स २२५४६७
१८७३ महालक्ष्मी मार्केट, चादनी चौक

एस एम. इलेक्ट्रिक ककम्पनी २२८७६५
१५१० कूचा उस्ताद हीरा, गुलिया

महावीर जैन इलेक्ट्रीकल्स
चादनी चौक

यूनाइटेड इलेक्ट्रिक एण्ड रेडियो कम्पनी
चादनी चौक

यूनीवर्सल ट्रेडिंग कम्पनी
कूंचा बुलाकी बेगम, चादनी चौक

सुप्रीम इलेक्ट्रिक कम्पनी
१७५१ भागीरथ पैलेस

बी. आई. इलेक्ट्रिक कम्पनी
भागीरथ पैलेस

एम. लाल एण्ड कम्पनी
भागीरथ पैलेस

एस बी इलेक्ट्रिक कम्पनी २२७४२१
भागीरथ पैलेस

नवीन एजेंसीज
भागीरथ पैलेस

श्री गनेश इलेक्ट्रिक कम्पनी
भागीरथ पैलेस

जैन ट्रेडिंग कम्पनी
भागीरथ पैलेस

इलेक्ट्रिक एम्पोरियम
भागीरथ पैलेस

रेडियो स्पेयर्स २२८२८७
भागीरथ पैलेस

फोनिक्स रेडियोज २२७३२६
भागीरथ पैलेस

दरीबा कलां

डायमंड इलेक्ट्रिक कम्पनी

इलेक्ट्रिक इम्पोरियम

बमल इलेक्ट्रिक स्टोर्स

वीर इलेक्ट्रोनिक्स

जैन इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स

ए. के. जैन डिस्ट्रीब्यूटर्स

इंडियन मैनुफेक्चरिंग कम्पनी

मिट्ठन लाला एण्ड सन्स

विविध

जैन कार्पोरेशन
चावडी बाजार

जैन रेडियोज
२४ दरियागंज, भरतराम रोड

महावीर इलेक्ट्रिक कम्पनी
चादनी चौक

जनरल इलेक्ट्रिक ट्रेडिंग कम्पनी
चादनी चौक

जैन रेडियो एण्ड इलेक्ट्रिक कम्पनी २२६६६७
बारा टूटी, सदर बाजार

जैन इलेक्ट्रिक एण्ड पाइप फिटिंग वर्क्स ५४६३०
२० राजेन्द्र नगर मार्केट

बैंक व पूंजी संस्थाएं

बैंकर्स

साहू शांती प्रसाद ३४४०२
६, सरदार पटेल मार्ग

अशोक कुमार जैन ३४४०२
(डायरेक्टर-पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड)
६ सरदार पटेल मार्ग

शीतल प्रसाद जैन ३४४०२
(डायरेक्टर-पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड)
६ सरदार पटेल मार्ग

राजेन्द्र कुमार जैन ४७६५६
११ कीलिंग रोड

नील चन्द्र जैन
ट्रेजरार—सेंट्रल बैंक आफ इंडिया लिमिटेड
(दिल्ली व अम्बाला ग्रुप)

कार्यालय—३३ चांदनी चौक २२५०८६,२२६८३६
निवास—३४, फीरोजशाह रोड ४८०८१

सुन्दर लाल जैन
ट्रेजरार—पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड
कार्यालय—३११, बारा टूटी, सदर बाजार २२६६७०
निवास—सुन्दर भवन, डिप्टीगंज २२७०५८

जैन कोओपरेटिव बैंक लिमिटेड
६ बेरन रोड (वेस्ट) नई दिल्ली
प्रेसीडेंट—जोती प्रसाद जैन २२३२३३
१०२ ए. मोडल बस्ती
वाइस-प्रेसीडेंट—(१) हस कुमार जैन ३१२५५
२७ हेवलाक स्क्वेअर
(२) मामचन्द्र जैन २०१५१
पहाड़ी धीरज
मन्त्री—दर्शन लाल जैन २०१५१
(म्यू० कार्पोरेशन वाले)
सहायक मंत्री—(१) रिजकराम जैन
१०२ बेरन रोड
(२) दुलीचन्द्र जैन
एफ. १०७ मोती बाग
कोषाध्यक्ष—खुशीराम जैन
१२६३ वकील पुरा

फाइनेंसर्स

रोडवेज एण्ड जनरल फाइनेंस (प्राइवेट) लिमिटेड
४/२ ज्वाला मेसन, आसफअली रोड २२८२७८
मैनेजिंग डायरेक्टर—मदन लाल जैन २२५०८१

एक्सप्रेस फाइनेंसर्स (प्रा०) लिमिटेड ४८१६३
८६,गोल मार्केट

मदन गोपाल जैन २२७८३३
४७५० फाटक रशीद खा, जोगी वाड़ा

कुंदनलाल मादीपुरिया
कटरा खुशालराय, किनारी बाजार

जौहरी मल जैन
दरियागंज

मनोहर लाल जैन
२३ दरियागंज

हरिश्चन्द्र जैन
२ दरियागंज

रतन लाल विजय चन्द्र मादीपुरिये
कटरा खुशाल राय

हरीचन्द प्रीतम वाले
शीश महल, जामा कसजिद

जैनीमल जैन
मंटोला, पहाड़ गज

सम्मन लाल अनूप सिंह
सम्मन बाजार, जगपुरा

सम्मन लाल सरूप सिंह
सम्मन बाजार, जगपुरा

यगमेन बेनीफिट चिटफंड (प्रा०) लिमिटेड ४४११२
पहाड़गंज
मैनेजिंग डायरेक्टर्स—(१) पी० सी० जैन
(२) एफ० सी० जैन
(३) एस० सी० जैन

मिष्ठान-विक्रेता तथा होटल व रेस्टोरेंट

मिष्ठान-विक्रेता

मोहनलाल माली राम घटेवाला २२३०८२
चादनी चौक

महादेव प्रसाद कन्हैयालाल घटेवाला २२७७४६
फाउटेन

महावीर रेस्टोरेंट (जलेबी वाले)
दरीबा कलां

रतन सेन जैन
चादनी चौक

जैन स्वीट हाउस
चादनी चौक

मामन मल मेहर चद्र
घी मंडी, पहाडगज

जैन बिस्कुट फैक्ट्री
गली हलवाई, पहाडगंज

कपूर चन्द्र जैन
मंटोला, पहाड़गंज

रतन सेन जैन
तिलक बाजार

झीगराम प्रेम चन्द्र
आर्यपुरा, सब्जी मंडी
छोटेलाल जैन
आर्यपुरा, सब्जी मंडी
जैन स्वीट रेस्टोरेंट
युसफ सराय
जैन स्वीट भंडार ३६५३२
सदर बाजार, दिल्ली कैंट
जैन स्वीटस
एफ. १४/१६ माडल टाउन
राम चन्द्र तोताराम
नजफगढ
पृथ्वी चन्द्र जैन
नजफगढ
मदन लाल जैन
गाधी नगर
विशम्बर दयाल जैन
छोटा बाजार, शहादरा

होटल व रेस्टोरेंट

रगमहल २८३४६
३७३१ नेता जी सुभाष मार्ग
शाकाहार २३५३७
अमारी रोड, दरियागज
स्योरिटी लाल
बाग दिवार

मुद्रक और छपाई की मशीन व सामान आदि के व्यापारी

मुद्रक (प्रिंटर्स)

धूमीमल रामचन्द्र ४७४३३
८ ए. ब्लाक, कनाट प्लेस
धूमीमल धर्मदास २२६८२०
३७१०, चावड़ी बाजार
रामा प्रिंटिंग वर्क्स २२६१०५
दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार
जैनेन्द्र प्रेस २२६६००
चावडी बाजार
नागेश आर्ट प्रेस
गढैया चूड़ीवालान, चावड़ी बाजार
धूमीमल विशाल चन्द्र २२६१८६
चावडी बाजार
दिगम्बर आर्ट काटेज २२३५२४
धर्मपुरा
नया हिन्दुस्तान प्रेस २२४४६५
महालक्ष्मी मार्केट के सामने, चांदनी चौक
हरयाना प्रिंटिंग प्रेस २२०४६४
२६६५ बारादरी शेर अफगन खान, बल्लीमारान
जैना प्रिंटिंग प्रेस
गली खजाचिन, चादनी चौक
नूतन आर्ट २२८३६५
१७३८ मंगल बिल्डिग, स्टेट बैंक के पीछे,
चादनी चौक
इडिया प्रेस २२८७७८
एस्प्लेनेड रोड
रूपवाणी प्रिंटिंग प्रेस
दरीबा कलां
धनी चन्द्र जैन
नया बाजार
नेशनल प्रिंटिग वर्क्स २२८१६१
१० दरियागज
इंन्द्रा प्रिंटिग प्रेस
दयानन्द रोड, दरियागंज
विद्या चित्र प्रकाशन २२६७८७
१ दरियागज
दिगम्बर प्रिंटिंग वर्क्स
तुर्कमान गेट
सुरेन्द्रा प्रिंटर्स (प्रा०) लिमिटेड २२७०५८
डिप्टीगज, सदर बाजार
राजहस प्रेस २२६५८६
गली रुई मंडी, सदर बाजार
हीरा आर्ट प्रेस २२७७७०
५५३, सदर बाजार

महावीरा प्रिंटिंग प्रेस　　२२००६२
　बारा टूटी, सदर बाजार
अभय प्रिंटिंग प्रेस
　अहाता किदारा, पहाडी धीरज
पेरेडाइज़ प्रेस
　गली टकी वाली, अहाता किदारा, पहाडी धीरज
नेम फाइन आर्ट प्रेस
　मंडी घास, पहाडी धीरज
राणा प्रिंटिंग प्रेस
　३८४३, गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
वीर फाइन आर्ट प्रेस
　गली बरना खुर्द, सदर बाजार
प्रवीन आर्ट प्रेस
　बहादुर गढ रोड
जाब प्रिंटिंग प्रेस
　बस्ती हर्फल सिंह, सदर थाना रोड
ओसवाल प्रिंटिंग प्रेस
　बस्ती हर्फल सिंह, सदर थाना रोड
नरेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
　२० मोडल बस्ती
अमीर सिंह जैन एण्ड सन्स
　डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड
जैनेन्द्र प्रेस
　४० यू० ए० बंगलो रोड, जवाहर नगर

ब्लाक मेकर्स

दिगम्बर आर्ट काटेज　　२२३५२४
　धर्मपुरा
धूमीमल धर्मदास　　२२६१०५
　दुजाना हाउस, चावडी बाजार
एक्सप्रेस ब्लाक वर्क्स
　चावडी बाजार
नूतन आर्ट　　२२८३६५
　१७३८ मगत बिल्डिंग, स्टेट बैंक के पीछे, चा० चौक
राजहंस प्रेस
　गली रुई मंडी, सदर बाजार
नेशनल प्रिंटिंग वर्क्स　　२२८१६१
　१०, दरियागंज

राजन आर्टस
　५८६ सदर बाजार

प्रिंटिंग मशीनरी व मेटीरियल

जे० महावीर एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड　　२२४२५४
　नेता जी सुभाष मार्ग　　२२०८७१
इंडोयोरोपा ट्रेडिंग कम्पनी　　२२४३०७
　१३६० चांदनी चौक
इण्डोनेशिया ट्रेडिंग कम्पनी　　२२६२४४
　चावडी बाजार

मोटरकार तथा पुर्जों के व्यापारी व इंजीनियर

न्यू इंडिया मोटर्स (प्रा०) लिमिटेड　　४८३६०
　सिंदिया हाउस　　४७७२७
　वर्कशाप—१२ कनाट सर्कस　　४५१०८
जैन मोटर कार कम्पनी
　१६४६/३ डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग　　२२३७२०
　फैक्ट्री—नजफगड रोड　　५४०५८
पेट्रोल पम्प व सर्विस स्टे० —रोहतक रोड　　५३२३५
जी० एस० जैन मोटर कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड　　२२३६८५
　डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन ट्रेक्टर्ज एण्ड स्पेयर्ज (प्रा०) लिमिटेड　　२२६६५३
　डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
मूलचन्द्र श्रीपाल जैन　　२२६६५३
　डा० मुकर्जी मार्ग
लक्ष्मी मोटर कम्पनी एण्ड वर्कशाप　　३५६५४
　डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन ब्रदर्ज
　डा० एस० पी० मुकर्जी मार्ग
जैन आटोमोबाइल्स　　२२०८००
　कश्मीरी गेट
भारत सेल्स कार्पोरेशन
　हेमिल्टन रोड
इंटरनेशनल एजेंसीज　　२२७७५६
जंगपुरा मोटर स्टोर्स　　७३१३०
　सब्जी बाजार जंगपुरा

लकड़ी व कोयले के व्यापारी

दुलीचन्द बिमल प्रसाद ५३०६३
२७/७ न्यू रोहतक रोड
कुन्दनलाल मदनलाल जैन ४८३६७
मीर दर्द रोड
सूरजभान कैलाश चन्द्र
आनन्द पर्वत
सुलेख चन्द्र जैन
दरीबा कला
डी० एस० जैन
चावडी बाजार
मुसद्दी लाल सुरेन्द्र कुमार जैन
चावडी बाजार
धन पाल एण्ड सम
सरकुलर रोड, शहादरा

वनस्पति आयल तथा तेल व साबुन के व्यापारी

वनस्पति आयल

चम्पालाल प्रेमचन्द्र २२६६२३
नया बास, जामा मसजिद के पास
रामलाल मनोहर लाल
नया बास
राम गोपाल जयदयाल
नया बास
धर्मचन्द्र लद्धामल
खारी बावली
प्रेम आयल कम्पनी
खारी बावली
लखूमल रामनाथ जैन २२७७४६
नया बाजार
सुखानन्द जैन २२३५१६
२६५१ गली रघुनन्दन नया बाजार
जैन आइल ट्रेडर्स
नया बाजार
मगत राम जैन
नया बाजार
किशन लाल जैन
नया बाजार
सुखदेव एण्ड कम्पनी
सदर थाना रोड
बंशीधर शिखर चन्द्र
छः टूटी चौक, पहाड गंज
रामचन्द्र सूरजभान २२००७१/११६
छोटा बाजार, शहादरा
गोपीनाथ बाजार, दिल्ली कैंट

तेल साबुन

धर्म चन्द्र लद्धामल
खारी बावली
कबूल चन्द शिव प्रसाद
पहाडगंज, मेन बाजार
गोयल सोप मिल्स
राम नगर, पहाडगंज
जैन कोहोदरी मिल्स
राम नगर, पहाड गंज

स्पोर्टस गुड्स व खिलौनों के व्यापारी

एतके रबर मिल्स
जी. टी. रोड, शहादरा
गेम्स इण्डस्ट्रीज़ एण्ड टायलैंड (इंडिया)
२४१३ चावडी बाजार
फैडरल स्पोर्टस २२४२०२
१० एस्प्लेनेड रोड
जयना स्पोर्टस एण्ड शू कम्पनी ३६२३०

साइकिलों के व्यापारी

एन. किशोर २२४८७३
४८२ एस्प्लेनेड रोड
फेड्रल स्पोर्टस २२५५६६
१० एस्प्लेनेड रोड
नवल किशोर एण्ड सस २२०७४६
एस्प्लेनेड रोड
अमर सिंह प्यारे लाल
एस्प्लेनेड रोड

डी० कुमार एण्ड कम्पनी २२५४२६
१४७७ दीवान हाल रोड

फूल चन्द एण्ड सस
१४१५/१ मोती टाकीज के पीछे

हिन्दुस्तान साइकिल एक्सेसरीज मेनु० कं० २२०३१२
लारेंस रोड

जैन साइकिल वर्क्स
६६६६/३ न्यू रोहतक रोड

हीरोइक साइकिल मार्ट
लेडी हार्डिंग रोड

न्यू देहली मोटर साइकिल हाउस
लेडी हार्डिंग रोड

सिगरेट, बीड़ी व तम्बाकू के व्यापारी

सुन्दर लाल सुरेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी २२६६७०
३११ बारा टूटी, सदर बाजार

हेम चद जैन एण्ड सस २२०३८८
२०६ नया बास

गोपीराम महावीर प्रसाद
नया बांस

मागेराम मूल चन्द
नया बांस

मागेराम नानक चन्द
नया बास

मूल चन्द मानक चन्द
नया बांस

प्यारे लाल ओम प्रकाश
नया बास

प्रेम चन्द प्रकाश चन्द
नया बास

महावीर प्रसाद पदम प्रसाद
नया बांस

कश्मीरी लाल रघुवीर सिंह
नया बास

जैन ब्रादर्स
नया बास

भोलानाथ निरंजन लाल
नया बास

सिनेमा व फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स

जुपीटर फिल्म्स २२००६६
चादनी चौक

दिल्ली फिल्म कार्पोरेशन (प्रा०) लि० २२४५३०
महालक्ष्मी मार्केट, चांदनी चौक

हिन्द पिक्चर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स २२८६३६
चादनी चौक

जयना फिल्म्स २२५७१४
फिल्म्स कालोनी, चादनी चौक

कानपुर फिल्म्स २२५७१४
चादनी चौक

अशोक पिक्चर्स २२०३१६
चादनी चौक

विजयश्री (प्रा०) लि० ४३६१८
लिबर्टी सिनेमा, रोहतक रोड

सत्यजीत पिक्चर्स
चादनी चौक

यूनाइटेड फिल्म कार्पोरेशन २२०३३४
चादनी चौक

मजुल चित्र २२७६१४
चादनी चौक २२४७१३

लक्ष्मी पैलेस २२००७१/१४३
गाधीनगर

गोलचा प्रापर्टीज लि० २२४४७०
प्रो० गोलचा सिनेमा दरियागज

हिन्दुस्तान पिक्चर्स २२५७१४
चादनी चौक (प्रा० न्यू केपीटल सिनेमा, रायबरेली)

मिनर्वा टाकीज
कश्मीरी गेट

होजरी व जनरल मर्चेन्टस

होजरी

सदर बाजार (मेन)

भोलाराम ऋषभदास २२०८१३
भोलाराम रघूलाल
पंजाब जनरल स्टोर्स
फ्रेंड पेन स्टोर्स २२६८८५
पन्नालाल विलायती राम ओसवाल २२५८८६
के. सी. मदनलाल एण्ड कम्पनी
नत्थमल लालूमल
दुलीचन्द रतन चन्द
कस्तूरचन्द परजन कुमार
जैन पैन कम्पनी २२६५५६
जैन पैन स्टोर्स
जैन ट्रक हाउस
पूरनचन्द एण्ड सस २२६१८५
कुतब रोड
नरेश एण्ड कम्पनी २२७५३८
२३४७ तेलीवाडा चौक
कुंजलाल शीतल प्रसाद २२६४६०
तिलक चद राजेन्द्रकुमार
परजन ब्रदर्स
विलायती राम एण्ड कम्पनी
रतनचद हरजसराय

गली मटके वाली, सदर बाजार

वीर ट्रेडिंग कम्पनी २२८६४४
तेजाशाह एण्ड सस २२५६८१
जे० नाहर एण्ड कम्पनी २२०७५४
स्वस्तिक पोलिशज (इण्डिया) प्रा० लिमिटेड २२८६४४

देशराज बसन्तराम २२०८३४
बोम्बे ट्रेडिंग कम्पनी २२७१८४
बी. आर. निरजनदास
बसतराम त्रिलोकनाथ
हीरालाल गगाराम
प्रकाश बीड्स
पी. वी. ब्रदर्स, मोती वाले
अमरनाथ जैन
गुलाब मल लहूमल
महावीर ब्रदर्स
खैरातीलाल एण्ड सस

गांधी मार्केट, सदर बाजार

मोती ब्रदर्स २८०८६
गाधी मार्केट
अशोक बटन स्टोर
५७७४ गाधी मार्केट
आशाराम प्यारेलाल
गाधी मार्केट
धूमन चन्द मामन चन्द
गाधी मार्केट
जुगमन्दर दास राजेन्द्रकुमार
गाधी मार्केट
श्री निवास जैन एण्ड सस
गाधी मार्केट
देहली टावल एण्ड जनरल स्टोर
गाधी मार्केट
खैराती लाल जैन एण्ड सस
५५१० गांधी मार्केट
जैन बटन स्टोर
५५११ गाधी मार्केट

सीताराम जैन
५५५१ गाधी मार्केट
जैन ब्रदर्स
५५६४ गाधी मार्केट
सरदारी लाल प्रकाश चन्द
५६७१ गाधी मार्केट
पदम ब्रादर्स
५७४६ गाधी मार्केट
जगदीश ब्रादर्स
गाधी मार्केट
ताराचन्द जैन
गांधी मार्केट
रामगोपाल जैन एण्ड ब्रदर्स
गाधी मार्केट
नौलखा स्टोर्स
५३०५ गाधी मार्केट
महावीर ब्रदर्स
५६०३ गाधी मार्केट
[illegible]नलाल जैन एण्ड सस
५४७४ गाधी मार्केट
शांति जैन जनरल स्टोर
५५२६ गाधी मार्केट
अर्जनदास जैन एण्ड सस
५४७६ गाधी मार्केट
[illegible] बैगिल स्टोर्स
५७५ गाधी मार्केट

स्वदेशी मार्केट, सदर बाजार

नरपतिराय खैराती लाल २२६८५६
३४ स्वदेशी मार्केट
अमरचन्द विलायती राम २२७५३८
स्वदेशी मार्केट
बी. के. जैन एण्ड सस
४० स्वदेशी मार्केट
श्री आदीश्वर जामनगर बटन स्टोर
३४ एच. स्वदेशी मार्केट
हिन्दुस्तानी ब्रदर्स
स्वदेशी मार्केट
मामचन्द जैन एण्ड संस
स्वदेशी मार्केट
हजारी शाह रूपलाल
३२ ए. स्वदेशी मार्केट
आर. एस. फकीर चन्द जैन एण्ड संस
३२ ए. स्वदेशी मार्केट
हरदयालमल प्यारेलाल
३२ स्वदेशी मार्केट
जगदीश ब्रदर्स
स्वदेशी मार्केट
रूपचन्द हजारी लाल
स्वदेशी मार्केट
कुन्दनलाल सुरेन्द्रपाल
स्वदेशी मार्केट
महावीर जैन स्टोर
५६ स्वदेशी मार्केट
धर्मचन्द्र जैन
१५ स्वदेशी मार्केट
प्रकाशचन्द जैन एण्ड सस
८८ स्वदेशी मार्केट
जैन फैंसी शाप
१२ स्वदेशी मार्केट

लाहौर शाप
 ६ स्वदेशी मार्केट
जैन शृंगार हाउस
 स्वदेशी मार्केट
श्यामलाल जैन एण्ड सस
 ६० ए. स्वदेशी मार्केट
जगदीश प्रसाद जैन
 ६० स्वदेशी मार्केट
जैन बैंगिल स्टोर्स
 १६ ए. स्वदेशी मार्केट

गली छापाखाना, सदर बाजार

विजय प्लास्टिक स्टोर
 गली छापाखाना, सदर बाजार
गोल्डन प्लास्टिक
 गली छापाखाना, सदर बाजार

नारायन मार्केट, सदर बाजार

ज्ञान चन्द नवीन कुमार
 १५ नारायन मार्केट
पूरन होजरी
 ६१ नारायन मार्केट
जैन ट्रेडिंग कम्पनी
 १४/३५८ गली डाकखाना

खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

दीवान चन्द रोशन लाल
 ४३ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
पी. एल. जैन एण्ड सस
 ११४ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
आर. के. ट्रेडिंग कार्पोरेशन
 ११५ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार
जैन ब्रदर्स
 २ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

बर्तन मार्केट, सदर बाजार

डी. एम. जिनेन्द्र प्रसाद जैन
 ५०४ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
धर्मचन्द बनारसीदास
 ४६६ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
एफ. सी. ओसवाल
 ४७६ बर्तन मार्केट, सदर बाजार
प्यारालाल राजकुमार
 ४६० बर्तन मार्केट, सदर बाजार

कटरा नबीबक्स, सदर बाजार

इन्द्रमोहन लाल एण्ड कम्पनी — २२६३३७
 कटरा नबीबक्स, सदर बाजार
आर. सी. जैन होजरी
 कटरा नबीबक्स, सदर बाजार
हरद्वारीलाल फूलचन्द
 ४२६ कटरा नबीबक्स, सदर बाजार
चन्दूलाल हर किशोर
 कटरा नबीबक्स, सदर बाजार
जैन एण्ड कम्पनी
 ५०७ कटरा नबीबक्स, सदर बाजार

झाकरी मार्केट, सदर बाजार आदि

गादीलाल जैन एण्ड कम्पनी — २२०११६
 ७६ झाकरी मार्केट, सदर बाजार
आर. एस. मुल्कराज एण्ड कम्पनी — २२६४५१
 झाकरी मार्केट, सदर बाजार
निक्कूराम जैन
 ५६५८ प्रताप मार्केट, सदर बाजार
डी. डी. सेठ ब्रदर्स
 कृष्णा मार्केट, सदर बाजार
बाबू दी फैंसी हट्टी
 २१ अमृत मार्केट, सदर बाजार
सरदारी लाल जैन एण्ड सस
 २८ अमृत मार्केट, सदर बाजार
भारत ब्रश इन्डस्ट्रीज
 रूई की मंडी, सदर बाजार
नानक चन्द दीवान चन्द — २२६०२३
 १३६ जवाहर मार्केट, सदर बाजार
आर. एस. मुल्कराज एण्ड सस
 २२४ जवाहर मार्केट, सदर बाजार

खजान्चीमल एण्ड कम्पनी
सदर थाना रोड
जैन रबर इन्डस्ट्रीज
१५/५७४०, नबी करीम
गेदामल विलायतीराम ४७१७४
८/१० जी कनाट सर्कस
गेंदामल हेमराज ४७६५१
११ रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट
रमेश ब्रदर्स ५३७६१
देशबधु गुप्ता रोड, देवनगर
जैन जनरल स्टोर
८३ गफ्फार मार्केट
देवराज जैन
५४, गफ्फार मार्केट
ब्यूटी जनरल स्टोर
७१, गफ्फार मार्केट
न्यू पिंडी जनरल स्टोर
६ सेठी बिल्डिंग
रावलपिंडी जनरल स्टोर
२८१४ अजमल खा रोड
जैन ब्रदर्स
२६२५ बैंक स्ट्रीट, कम्पनी बाग
जैन स्टोर्स
२४-बी/६ देशबन्धु गुप्ता रोड, देवनगर
एस के जैन डिस्ट्रीब्यूटर्स २२३५००
१७४८ भागीरथ पैलेस
मुंशीलाल अजीतप्रसाद २२८४६४
६६५ चादनी चौक
राधा फैंसी स्टोर्स
मोती बाजार के पास, चांदनी चौक
जोती प्रसाद जैन (खिलौने वाले)
चादनी चौक
काशीराम जैन (टोपी वाले)
चादनी चौक (कटरा भगी)
महावीर प्रसाद प्रेम चन्द
दरीबा कला
शील चन्द जैन
मेन बाजार, पहाड़गज
गोरधन दास जैन
मेन बाजार, पहाड गज
वीर प्लास्टिक स्टोर
आर्यपुरा सब्जी मडी
सुरेश कुमार जैन
आर्यपुरा सब्जी मडी
शिवलाल दरबारी लाल
नजफगढ
रामयत जोती प्रसाद
नजफगढ
बहन प्लास्टिक वर्क्स
६२६/३ गली मुकर्जी, गाधीनगर

निटिंग वूल

के डी. राम लाल एण्ड कम्पनी २२६५८१
सदर बाजार (मेन)
जैन वूल कम्पनी
सदर बाजार (मेन)
बनारसी दास हरबस लाल २२८८६६
गली छापाखाना सदर बाजार
ए० डी० राजकुमार एण्ड कम्पनी
४६८८/८६ मडी रुई, सदर बाजार
जैन वूल कम्पनी
५७३२ गांधी मार्केट
वैशाखी शाह दौलत राम २२०१२७
१७ ए, स्वदेशी मार्केट सदर बाजार
सुखचैन लाल जैन
गली पुराना डाकखाना, सदर बाजार
जैन वूल शाप ५२७२६
१६/२८७२ अजमल खां रोड
जैन वूल हाउस ५५५४६
२४ रोहतक रोड, करोल बाग

विजय वूल स्टोर
२५८६ अजमल खा रोड
ग्रीन वेज ४३६६२
२० ई कनाट प्लेस
जैन वूल स्टोर
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी
जैन एण्ड कम्पनी
चन्द्रावल रोड, सब्जी मंडी
जैन वूल शाप
कमला नगर, सब्जी मंडी

सूत व धागा

बनारसी दास प्रेम चन्द २२३५७१
गली छापाखाना सदर बाजार
एस. डी. मित्तल मैनु. कम्पनी २२८७२०
६५५ गली न० ११ सदर बाजार
कुंज लाल शीतल प्रसाद २२६४६०
सदर बाजार
पन्ना लाल विलायती राम २२५८७६
सदर बाजार
तिलक थ्रेड हाउस २२६४०५
सदर बाजार
तारा चन्द रतन चन्द २२६५६०
३८ स्वदेशी मार्केट
महेन्द्र कुमार जैन एण्ड कम्पनी
गली छापाखाना, सदर
जैन स्वीग कम्पनी
प्रताप मार्केट, सदर बाजार
नेशनल सिल्क कम्पनी
१७ अमृत मार्केट, सदर बाजार
बी. एल. अमृत लाल
२० अमृत मार्केट, सदर बाजार
मुल्तान एण्ड कम्पनी
बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड
जैन मैनुफेक्चरिंग कम्पनी
कटरा मिट्ठन लाल, सदर बाजार

जैन कम्पनी
गली बजाजान, सदर बाजार
कुडयामल बनारसी दास
काठ बाजार, कुतब रोड
लाहौरीमल मीर सिंह
सदर बाजार
लक्ष्मी थ्रेड एजेंसी
कटरा मिट्ठन लाल, सदर बाजार
मगल दास विशम्बर दास
३५ बस्ती हर्फूल सिंह, सदर थाना रोड

अन्य व्यापारी

आर्ट गैलरीज

कुमार गैलरी ७५८७५
११ सुन्दर नगर मार्केट
इण्डियन आर्टस पैलेस
शोरूम-१६ ई. कनाट प्लेस ४३८६३
वर्कशाप—सूरज निवास, १३०४ गली वैदवाडा २२४४११

इमीटेशन ज्वेलरी

रमेश जनरल स्टोर्स
५५३८ गाधी मार्केट, सदर बाजार
सावल दास मीरीमल
५५११ गाधी मार्केट, सदर बाजार
दीप ब्रदर्स
५३१२/२ गाधी मार्केट, सदर बाजार

कमर्शियल इंस्टीच्यूटस

वीर नाइट कालेज २२०६०४
डिप्टीगज
भारत कालेज आफ कामर्स २२८७०४
२१ डिप्टीगज

इन्जीनियरिंग वर्क्स

कुमार इजीनियरिंग वर्क्स ४०७८६
५३ राम नगर
रावयाण इंजीनियरिंग वर्क्स
कश्मीरी गेट

जैन इजीनियरिंग वर्क्स
सदर थाना रोड
हाई स्पीड टाइपिंग इंस्टीच्यूट
२१ दरियागज

क्लिनीकल गुडस व लैब० इक्विपमैंटस

जनरल ट्रेडस एजेंसीज २२६२५४
पायवालान, जामा मसजिद के पास
एस० के० जैन, डिस्ट्रीब्यूटर्स २२७५००
१७४८ भागीरथ पैलेस
राष्ट्रीय दीप साइंटिफिक कार्पोरेशन ५५१६१
जैन भवन, छप्पर वाला कुआ, करोल बाग

चश्मे व फाउन्टेनपेन आदि

जैन आप्टीकल इडस्ट्रीज
चश्मा बिल्डिंग, बल्लीमारान, चादनी चौक
महावीर आप्टीकल कम्पनी
बल्लीमारान, चादनी चौक
सौराष्ट्र आप्टीकल कम्पनी
बल्लीमारान, चादनी चौक
जैन पैन कम्पनी २२६५५६
३७७ सदर बाजार

जिल्द बनाने वाले

जैन बुक बाइंडिंग हाउस
किनारी बाजार
ब्राइट
गुलिया
जैन कार्ड बोर्ड एण्ड बाइडिंग वर्क्स
गली पायवालान

ट्रांसपोर्ट व टूरिस्ट सर्विस

नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट कम्पनी २२६८१६
लाहोरी गेट
हरिश्चन्द्र जैन
कटरा बरयाम
जनता ट्रेवल एण्ड टूरिस्ट एजेंसी २२०५१७
कूचा ब्रजनाथ, चादनी चौक
आल इण्डिया चन्द्र कीर्ति यात्रा संघ २२८०८३
२२६३ धर्मपुरा

श्री जैन वर्धमान यात्रा संघ　　२२६७१३
　　१२४४ चाहरहट

डेरी

एम. पी. जैन डेरी　　२२४१८६
(केशोदास महावीर प्रसाद) बाग दीवार, फतेहपुरी

अहिंसा डेरी
　　बाग दीवार, फतेहपुरी

पोपूलर डेरी
(अजित प्रसाद जैन) लक्ष्मी बाई नगर

डिपार्टमेंटल स्टोर

जैनसंस　　४७३८६
　　ई. कनाट प्लेस

सिल्को　　४२५२१
　　११ ई. कनाट प्लेस

पान, सुपाड़ी के व्यापारी

मंगल चन्द्र टीकम चन्द्र जैन
　　३६ गोल मार्केट

सछीददी लाल पुनीतराय जैन
　　३ लेडी हार्डिंग रोड

प्रभू दयाल रतन लाल जैन
　　लेडी हार्डिंग रोड

छोटे लाल नत्थी लाल जैन
　　जनपथ

शीतल प्रसाद जैन
　　मटोला, रोड

जैन पान शाप
　　चांदनी चौक

ज्ञान चन्द्र जैन
　　चादनी चौक

प्रावीजन स्टोर्स

जवाहर मल
　　२७-बी./५ न्यू रोहतक रोड

मुंशी लाल छोटे लाल
　　६६६२/१ न्यू रोहतक रोड

रामेश्वर दास केवल स्वरूप
　　६६६६/४ न्यू रोहतक रोड

पोकर मल सुरेश कुमार
　　६६६६/२ न्यू रोहतक रोड

रघुनाथ जैन
　　६६६६/१ न्यू रोहतक रोड

कालीराम लाल चन्द
　　६६६८/न्यू रोहतक रोड

सुरजनमल नद लाल
　　६६६८/ई. न्यू रोहतक रोड

भगवान सरूप जैन
　　६६६८ न्यू रोहतक रोड

छतर सेन महावीर प्रसाद
　　६६६८/सी. न्यू रोहतक रोड

रविदत्त मागेराम
　　६६६८/बी. १ न्यू रोहतक रोड

लक्ष्मी प्रोवीजन स्टोर्स
　　१-सी/१० न्यू रोहतक रोड

निहाल सुगर स्टोर
　　१८३८/४८ नाई वाला, अब्दुल अज़ीज रोड

जैन प्रोवीजन स्टोर
१२३ भगत सिंह मार्केट
महावीर प्रोवीजन स्टोर
राम द्वारा रोड
चिरजी लाल मुक्खन लाल
पहाडगज
रोशन लाल
गुडगावा रोड, पहाडगज
नेम चन्द्र दीवान चन्द
लड्डू घाटी, पहाडगंज
छुट्टन लाल प्रमोद कुमार
नया बांस
जैन प्रोवीजन स्टोर्स
सदर बाजार
चम्पत राय
युसुफ सराय
भोगी लाल
युसुफ सराय
मलेक चन्द्र
युसुफ सराय
शिखर चन्द्र
युसुफ सराय
जैन ब्रदर्स
एफ १४/२० माडल टाउन

फ्लोर एण्ड दाल मिल्स

दीप चन्द (जैन फ्लोर मिल्स)
गोल मार्केट
माम चन्द (श्री जी फ्लोर मिल्स)
गोल मार्केट
रतन लाल (सदस्य म्यू० कार्पो०)
रामद्वार रोड
न्यू राजधानी फ्लोर मिल्ज ४६६६८
६५४६ कुतब रोड

फल व शाक

लट्टोमल नानूराम जैन २२६७४४
४२०० आर्यपुरा

बाम्बे फ्रूट शाप
बाग दीवार, चादनी चौक
बनवारी लाल मुरारी लाल
नजफगढ़
भगवान दास जैन
नजफगढ
रामचन्द्र श्रीपाल
नजफगढ़
धूमीमल रमेश चन्द्र
बूरा मडी, शहादरा
गोपाल राय संतोष कुमार
बूरा मडी, शहादरा

भूसा व चारा

गिरीलाल त्रिलोक चन्द्र जैन
१२१६ चाहरहट

यात्रा संघ

आल इण्डिया चन्द्रकीर्ति यात्रा संघ २२८०८३
आनन्द दास जैन, २२९३ धर्मपुरा

श्री जैन वर्धमान यात्रा सघ २२९७१३
१२४४ चाहूरहट

रंग व केमीकल

सुखानंद शकरलाल जैन एण्ड कं० (प्रा०) लि० २२५३६४
फाटक हबस खां

महावीर कलर कम्पनी
कटरा तम्बाकू, खारी बावली

अशोक केमीकल कम्पनी
तिलक बाजार

जैना फाइन कलर एण्ड जनरल वर्क्स
कूंचा सेठ, किनारी बाजार

सिलाई व कढ़ाई की मशीन के व्यापारी

महावीर एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट कम्पनी (प्रा०) लि०
११ दरियागंज २२४९६३

दुली चन्द जैन
नई सड़क

सुगंधित तेल व इत्र

गुप्ता एण्ड कम्पनी २२७९६२
गली नया डाकखाना, सदर बाजार

इन्द्रराज सिंह श्री चन्द्र ४००१३
मंटोला, पहाड़गज

इन्द्रराज सिह ओमप्रकाश
मटोला पहाड़गज

स्टाक, शेअर व फाइनेंस ब्रोकर्स

दिल्ली स्टाक एक्सचेंज एसोशियेसन लि०
५ एक्सचेज बिल्डिंग, आसफ अली रोड
(फोन २२५१९०,२२७१७१)

किशन चन्द्र जैन एण्ड कम्पनी २२५७३१
बुलियन डिपा० १२६० चादनी चौक

स्टाक व शेअर डिपा०-५ स्टाक
एक्सचेज बिल्डिग २२५१९०
आसफ अली रोड २२७१७१

मुसद्दी लाल जैन
५ स्टाक एक्सचेज बिल्डिग
आसफ अली रोड २२७५५४

प्रेम चन्द्र गनेश नारायण

हरिश्चन्द्र जैन

कुवर सेन जैन

पंजाब एक्सचेंज लि० कटरा बरयान
(फोन २२३२३०,२२५८७९, २२४७५१)

जसवंत सिंह जैन २२३८११
२५ डी. कमला नगर
केदार बिल्डिग, चन्द्रावल रोड २२९५५७

अन्य

कुंजलाल शीतल बी० ए०
८७ खुर्शीद मार्केट, सदर बाजार

दाताराम जैन
२७ क्लाइव स्क्वेअर

हाउस बिल्डिग सोसाइटी

श्री ऋषभ जैन कोआपरेटिव
हाउस बिल्डिग सोसायटी लिमिटेड
१४७० रग महल, मुकर्जी माग

प्रधान—ला० पारस दास, मोटर वाले २२९९५३
१४७० रग महल, मुकर्जी मार्ग

उप प्रधान—(१) ला० प्रकाश चन्द्र
कटरा लेसवान, चाँदनी चौक
(२) श्री दर्शन लाल
(म्यू० कार्पोरेशन)

मत्री—(१) श्री अजित प्रसाद
वकील पुरा

उप-मत्री—(१) श्री नन्द किशोर
(म्यू० कार्पोरेशन)
(२) श्री हज़ारे लाल गुप्ता
१४७० रगमहल, मुकर्जी मार्ग

कोषाध्यक्ष—ला० महावीर प्रसाद
(नावल्टी सिनेमा के पीछे) मुकर्जी मार्ग

विविध

मोहनलाल रोशनलाल जैन १२५६ चादनी चौक	२२८४११
मनजीत चित्रा चांदनी चौक	२२७६१४
विक्ट्री ग्रामोफोन कंपनी भागीरथ पैलेस	
रामेश्वरदास नवल किशोर कूंचा नटवा	
धनपाल कुमार सुकोशल कुमार कटरा धूलिया, चांदनी चौक	
सन्त लाल निर्मल कुमार कटरा सत्यनारायण, चादनी चौक	
अमृतलाल विनोद कुमार धर्मपुरा	
सूरजमल सुमेरचन्द्र कूंचा शहशाही	२२४७७२
अमृत लाल सी. शाह कटरा खुशाल राय, महाराजालाल बिल्डिंग	२२३९६०
कांतिलाल आर पारिख २९५८ कटरा खुशाल राय	२२९६९६
कन्नूजी माठूमल एण्ड सस २७२७ चौक रायजी, नई सडक	२२७८७७
चन्द्रा एण्ड सस नई सड़क	२२८२७६
दयाचन्द जयचन्द जैन ११३६ चाहरट	२२९७३८
जैन बोतल सप्लाई कम्पनी गुलियान	
चिमनलाल एम. शाह फाटक हबस खान	२२५९८८
छोगामल जैन फाटक हबस खा	
हीरालाल कपूरचन्द जैन १३१६ वैदवाडा	२२०६१२
हरीचन्द जैन एण्ड संस ६४६४ कटरा बरयान	२२४८७८
बनारसी दास मोहन लाल कोरोनेशन होटल, फतेपुरी	२२८७४६
बनारसीदास रतनचन्द कोरोनेशन होटल, फतेपुरी	२२४४६२
पी. सी. जैन एण्ड कम्पनी ४१८ हवेली हैदरकुली	२२९४६७
अभयकुमार जैन, मजुल चित्र चादनी चौक	२२७६१४
ए. के. जे. (प्रा०) लिमिटेड ६१० छोटा छीपीवाडा, चावडी बाजार	२२६६५५
धर्मदास ताराचन्द जैन चावडी बाजार	२२३५७६
श्री पाल एण्ड कम्पनी चावडी बाजार	२२०७३०
गिरधारीलाल पदमकुमार जैन चावड़ी बाजार	२२९४२३
आनन्द एण्ड कम्पनी चावड़ी बाजार	
विजय पाल भारत भूषण चावड़ी बाजार	
केपीटल सेनीटरी स्टोर्स गली बजरंग वाली, चावडी बाजार	
सूरजभान लखमीचन्द जैन रामकिशनदास भवन, गली पत्ते वाली, नया बाजार	
मंसाराम सुन्दर लाल नया बाजार	२२६८१६
देवीदयाल बृजलाल नया बाजार	
लिवस्टोक सेल्स कार्पोरेशन १६ अंसारी रोड	२२६५६६
रुलियाराम जैन एण्ड सस ४६६३ असारी रोड	२२०३४६
वी. जे. सेठ एण्ड कम्पनी ५ ए./२४ दरियागंज	
रायलैंडस एजेंसीज ५ ए./२४ दरियागंज	

नाम व पता	टेलीफोन
इंटरनेशनल एजेंसीज कश्मीरी गेट (बस स्टेंड के पास)	२२७७५६
वैष्णवदास चुरजीलाल जैन सदर बाजार	२२६६५६
राम प्रसाद जगन्नाथ जैन कटरा नबी बक्स, सदर बाजार	२२६४४६
हंसराज सुखचैन लाल ओसवाल ४८६ बर्तन मार्केट, सदर बाजार	२२६७७१
रूपचन्द्र एण्ड कम्पनी ५४४६ गाधी मार्केट, सदर बाजार	
अमरचन्द विलायती राम जैन सदर बाजार	२२७५३८
ताराचन्द्र रतनचन्द्र ३८ स्वदेशी मार्केट, सदर बाजार	२२६५६७
एस. आर. बनारसीदास जैन ५६३ गली बजाजान, सदर बाजार	२२६७७६
तिलकचन्द राजेन्द्र कुमार जैन १३ सदर बाजार	२२६४६४
त्रिलोक चन्द जैन एण्ड कम्पनी सदर बाजार	२२६७७८
माडर्न ट्रेडिंग कार्पोरेशन ५१८६ सदर बाजार	२२६०६२
पवन कुमार एण्ड ब्रदर्स ५१८६ सदर बाजार	२२६०६२
कबूलसिंह एण्ड ब्रदर्स ५१८६ सदर बाजार	२२६०६२
आजाद म्यूजीकल स्टोर्स सदर बाजार	
एम. एल. राजकुमार जैन रुई मण्डी, सदर बाजार	
सुरेश इन्डस्ट्रीज ३३ डिप्टीगंज, सदर बाजार	२२६३२६
राजा मेकेनीकल कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड ३३ डिप्टीगंज, सदर बाजार	२२६३२६
बनारसी दास कश्मीरी लाल १६१ गली रुई, तेलीवाड़ा	२२८१५६
मोजीराम पारसदास ३१६२ गली खारे कुए वाली, पहाड़ी धीरज	
सुखदेव एण्ड कम्पनी ११ सदर थाना रोड	२२७०७६
जैन ग्लेजिंग वर्क्स सदर थाना रोड	
सोहनलाल डुंगरमल सुराना ३/४ बस्ती हरफूल सिंह	
धनराज भगतराम पयालू ६ सदर थाना रोड	
मंगलदास विशम्भर लाल बस्ती हरफूल सिंह	
दिल्ली एल्यूमिनियम कार्पोरेशन ५ वेस्ट सदर थाना रोड	२२८११४
मेटल इमीटेशन वर्क्स १२/३२८७ आर्यपुरा	
स्यालकोट स्केल वर्क्स ईदगाह रोड	
शोरीलाल कश्मीरी लाल लोहामंडी मोतियाखान	४७५०३
ज्ञानीराम दर्शन कुमार जैन १०३३२ मोतिया खान	४७६१४
रामेश्वरदास पवन कुमार १०३२१ मोतिया खान	४४०६२
गंगा एजेंसीज (प्रा०) लिमिटेड ३७ प्रेम हाउस, कनाट प्लेस	
नन्दलाल जैन जैन मंदिर अहाता, राजा बाजार	
जीतमल जैन जैन मंदिर अहाता, राजा बाजार	
जयचन्द्र जैन ५ ओल्ड मिल रोड	
कक्कूशाह उत्तमचन्द्र २३६३, हरध्यानसिंह रोड	५५६३६
रोशनलाल जैन एण्ड ब्रदर्स ब्लाक ५५, क्वा० नं० २, ओल्ड राजेन्द्रनगर	५५४६१

दीवानचन्द्र एण्ड ब्रदर्स ५२१६६
१८ ई. पार्क एरिया

एसोशियेटिड एजेंसीज ५४००७
५ सी /६ रोहतक रोड

नारी उद्योग ५११२२
६ पूसा रोड

चन्द्रा मेटल वर्क्स ५५५७६
६२ नजफगढ़ रोड

बालकिशन दास एण्ड सस
७३७६ प्रेम नगर

न्यू स्टाइल
१६ मेन मार्केट, लोदी रोड

पंखेवाला ७४६७१
१२ मेन मार्केट, लोदी रोड

लक्ष्मीचन्द जैन एण्ड कम्पनी ७४६७१
१२ लोदी रोड मार्केट

रामस्वरूप राजकुमार जैन
४ अलीगंज, लोदी रोड

न्यू ईस्टर्न स्टोर्स ७३८७१
७ मेन मार्केट, लोदी रोड

अजित प्रसाद एण्ड कम्पनी ५५२०६
नजफगढ रोड

धनपाल सिंह जैन एण्ड संस २२००७१/१३५
सर्कुलर रोड, दिल्ली शहादरा

हिन्दुस्तान अमेरिकन कार्पोरेशन २२००७१/१७८
५३ डी. दिलशाद गार्डन

झब्बूमल जैन २२००७१/१८६
टेलीफोन एक्स. के सामने, जी. टी. रोड, शाहदरा

जुगल किशोर जैन २२००७१/२६१
६/१७१ फराश बाजार, दिल्ली शहादरा

कल्याणसिंह जैन २२००७१/५१
छोटा बाजार, दिल्ली-शहादरा

शंकर लाल जैन २२००७१/१४६
१/४३६, जी. टी. रोड, शहादरा

एन. के. जैन एण्ड कपनी २२००७१/१२१
VIII/४६५ छोटा बाजार, शहादरा

लैंड एण्ड बिल्डिंग कार्पोरेशन
दिल्ली-शहादरा

सुमत प्रसाद प्रोती राम
गाजियाबाद ८५-२०२४

मित्तल इमीटेशन वर्क्स
दिल्ली-शहादरा

कल्याण सिंह मानक लाल जैन २२३२०१/५१
दिल्ली-शहादरा

एन० के० एण्ड कम्पनी २२३२०१/२१
दिल्ली-शहादरा

खजाची मल जय कुमार जैन
दिल्ली-शहादरा

झब्बू मल श्योसिंह राम जैन
दिल्ली-शहादरा

धनपाल आदीश कुमार जैन
बड़ा बाजार, दिल्ली-शहादरा

दुलीचन्द्र जैन
बडा बाजार, दिल्ली-शहादरा

हेम चन्द्र चन्दराम जैन
जज्जू कटरा, दिल्ली-शहादरा

खेम चन्द्र रघुवीर सिंह जैन
बडा ब जार, दिल्ली-शहादरा

कश्मीरी लाल जगन्नाथ जैन
छोटा बाजार, दिल्ली-शहादरा

धूमी मल रमेश चन्द्र जैन
मडो, दिल्ली-शहादरा

हरी चन्द्र जैन
बडा बाजार, दिल्ली-शहादरा

ईश्वरी प्रसाद महेन्द्र कुमार जैन
छोटा बाजार, दिल्ली-शहादरा

बाबू लाल जैन एण्ड ब्रादर्स २२३२०१/११६
दिल्ली-शहादरा

केदार नाथ जैन ठेकेदार
दिल्ली-शहादरा

बाबू राम एण्ड सस
गली पुराना डाकखाना, दिल्ली-शहादरा

ज्ञान चन्द्र लखमी चन्द्र जैन
अनाज मडी, दिल्ली-शहादरा

जैन स्टेशनरी मार्ट
निकट बाबू राम स्कूल, शहादरा

हिन्द स्टील कम्पनी
दिलशाद गार्डन, शहादरा

राज बहादुर जैन
शहादरा

व्यवसाय

मेडीकल प्रेक्टीशनर्स

वैद्य व हकीम

राजवैद्य महावीर प्रसाद जैन
चिकित्सालय—राजवैद्य शीतल प्रसाद एण्ड सस
१३३१ चादनी चौक — २२३५२६
निवास—पहाडी धीरज, सदर बाजार

वैद्यराज मामनसिह 'प्रेमी'
चिकित्सालय—सेठ लालचन्द्र धर्मार्थ औषधालय
डिप्टीगज
निवास—३६ डिप्टीगज, सदर बाजार

वैद्य शुगनचन्द्र (पानीपत वाले)
डिप्टीगज के सामने, पहाडी धीरज

वैद्य भगवत प्रसाद
पहाडी धीरज

हकीम हीरालाल जैन
चिकित्सालय—बाबूलाल हीरालाल जैन
बारा टूटी, सदर बाजार — २२८२८०

वैद्य कन्हैयालाल जैन
चिकित्सालय—श्री नमिसागर जैन धर्मार्थ औषधालय
कूचा सेठ — २२००४७
निवास—धर्मपुरा

हकीम श्रीराम जैन
चिकित्सालय—छोटेलाल श्रीराम जैन
बाजार गुलियान — २२८७४०

हकीम हुलास राय जैन
चिकित्सालय—जयना फार्मेसी
जोगी वाड़ा, नई सडक

वैद्य भरतसेन जैन
चिकित्सालय—बाजार गुलियान
निवास—कूचा सुखानन्द, दरीबा कलां

एलोपैथिक चिकित्सक

डा० के. एल. जैन, चिल्ड्रन फिजीशियन
क्लिनिक—(१) १ डाक्टर्स लेन — ४८१३८
(२) ४७-डी. कमला नगर — २२६०७४
(३) १०५ बी. डिफेंस कालोनी — ७४१४६
निवास—१२ स्कूल लेन — ४८११३

डा० बी. एस. जैन, स्टाफ सर्जन
(ओपथैलमोलोजी) विलिंगडन हास्पिटल — ४३४६१
निवास—६ बी. टेलीग्राफ लेन — ४८१३४

डा० आर. एस. कोठारी
जूनि० स्टाफ सर्जन (फिजीशियन)
विलिंगडन हास्पिटल — ४३४६१
निवास—१० बैरन रोड — ४७३४५

डा० चन्द्र मोहन जैन
विलिंगडन हास्पिटल — ४३४६१
निवास—पहाडी धीरज — २२६५६६

डा० हेमचन्द्र जैन
रिटायर्ड सर्जन, नार्दन रेलवे डिस्पेंसरी
११/३ पंचकुइया रोड

डा० कृष्ण मोहन जैन
क्लिनिक—१०५ बी. डिफेंस कालोनी — ७४१४६
निवास—१२ स्कूल लेन — ४८११३

डा० के. पी. जैन
५ रफी मार्ग — ४०८१२

डा० ज्ञान चन्द्र
४४ बाबर रोड — ४०१३४

डा० एन. एस. जैन
अवैतनिक नेत्र सर्जन, इर्विन हास्पिटल
क्लिनिक—(१) कूंचा महाजनी, चांदनी चौक — २२४३२३
(२) डी. २६ कनाट प्लेस — ४२८८६
निवास—३० रोहतक रोड — ५१७३३

डा० सुशीला जैन
२१२१/५१ नाई वाली गली, करोल बाग ५५६६७

डा० (श्रीमती) ग्रादर्श जैन
१२ स्कूल लेन ४८११३

डा० (श्रीमती) तारामणि जैन
लेडी ग्रसि० सर्जन—सी. एच. एस.
डिस्पेंसरी १ डाइज स्क्वेअर, गोल मार्केट ४३२२८
निवास —ए. ७ पडारा रोड ४३२२३

डा० (श्रीमती) मोहिनी जैन
क्लिनिक—प्लाजा सिनेमा के सामने ४५२०८
कनाट सर्कस
निवास—५ हेली रोड ४३६८२

डा० एस. पी. जैन
सर्जन—इविन हास्पिटल
प्राध्यापक—मौलाना ग्राजाद मेडीकल कालेज

डा० सुमत प्रसाद जैन
फिजियोथेरापिस्ट, डा० सेन नर्सिंग होम ४४६१३
निवास—१०० दरियागंज २२६३६८

डा० एस. सी. किशोर
५४१ एस्प्लेनेड रोड २२४५४३

डा० ताराचन्द्र पारख
१०२२ मालीवाड़ा २२६६६५

डा० शामलाल जैन
१३३७/X चितली कबर २२६३८६

डा० जी. बी. जैन
ग्रवैतनिक फिजीशियन—तीरथ शाह हास्पिटल
क्लिनिक—हेमराज जैन हस्पताल २२६६७३
बारादूटी, सदर बाजार
निवास—हेमराज जैन नर्सिंग होम २२६६२६
पहाड़ी धीरज

डा० तुलसीदास जैन
५१६७ सदर बाजार २२७६६७

डा० कन्हैया लाल
सदर बाजार २२६३०८

डा० ग्रार. बी. जैन २२६५६६
हिस्टीगंज

डा० के सी जैन*
टी. बी. व चिल्ड्रन स्पेशलिस्ट
(ग्रानरेरी मजिस्ट्रेट)
क्लिनिक—कुतुब रोड २२६३०१
निवास—केदार बिल्डिंग, सब्जी मण्डी २२७७८६

डा० ब्रजलाल जैन
पहाड़ी धीरज

डा० बी. डी. जैन
पहाडी धीरज

डा० महवीर प्रसाद जैन
पहाडी धीरज

डा० कल्पना जैन
क्लिनिक—२७/३ शक्तिनगर २२७८६८
निवास—२७४ ए. मलकागंज

डा० ग्रार. एन. जैन
११० डी कमला नगर २२६०४६

डा० गोपाल दास जैन
५५२१ सदर थाना रोड २२७२७६

डा० एस. के जैन
ग्रसि० सर्जन, सी एच. एस. डिस्पेंसरी
पहाड गंज ३/४ चित्रगुप्त रोड
निवास —५३२१ सदर थाना रोड

डा० बी. एस. जैन
गाधी नगर

दन्त चिकित्सक (डेंटिस्ट)

डा० सी. ग्रार. जयना
क्लिनिक—फाउटेन, चांदनी चौक २२५२७३

डा० पी. सी. जयना
क्लिनिक—फाउटेन, चादनी चौक २२५२७३
निवास—१६ टोडरमल लेन ४०४८८

होम्योपेथिक चिकित्सक

डा० फूलचन्द्र जैन
क्लिनिक—जैन फार्मेसी २२६३०८
पहाडी धीरज, सदर बाजार
निवास—पहाडी धीरज, सदर बाजार

डा० सुन्दर लाल जैन
बारादूटी सदर बाजार २२६३०६

डा० आर. बी. जैन
१० भाटिया भवन हाथीखाना २२६५६६
डा० नन्द किशोर जैन
७ दरियागंज २२६३७०

एडवोकेट व वकील

चुन्नीलाल जैन एडवोकेट २२४५१७
कूचा सेठ, दरीबा कलां
पीताम्बर दास जैन, एडवोकेट
इन्कमटैक्स कंसल्टैंट
कार्यालय—२६७ दरीबा कला २२५६५५
निवास—३७ तुर्कमान रोड
मनोहर लाल जैन, एडवोकेट
२१५ दरीबा कला
चन्दूलाल 'अख्तर,' एडवोकेट
२२० दरीबा कलां
निहाल चन्द्र, एडवोकेट २२७६८७
७२७ दरीबा कलां
भगवान दास जैन, एडवोकेट
दरीबा कलां
सुखबीर प्रसाद, एडवोकेट
दरीबा कला
अजीत प्रसाद जैन, एडवोकेट २२४५१७
दरीबा कलां
भीम सेन जैन एडवोकेट
दरीबा कला
बालक राम जैन, एडवोकेट २२०५१७
कूचा ब्रजनाथ, चांदनी चौक
फीरोजी लाल जैन, एडवोकेट २२५३२८
क्लाथ मार्केट, चांदनी चौक
शांति किशोर एण्ड कम्पनी, इन्कमटैक्स प्रेक्टीशनर
४८१ एस्प्लेनेड रोड २६२३२
जिनेन्द्र पाल, वकील
फोर्टव्यू होटल, चांदनी चौक
कपूर चन्द्र जैन, वकील
१६६६ कटरा मारवाड़ी, नई सड़क

हीरालाल जैन, एडवोकेट
VI ३६३७ चावडी बाजार
गुलाब चन्द्र जैन, वकील
मंजीत मेंसन, जी. बी. रोड
ज्ञानेश्वर दास जैन, एडवोकेट २२५५०८
२६४६ बल्लीमारान, चांदनी चौक २२७५०८
परमेश्वर दास जैन, एडवोकेट
२६४६ बल्लीमारान चांदनी चौक
लाल चन्द्र जैन, एडवोकेट
बाजार सीताराम
देवेन्द्र कुमार जैन, वकील २२७६४६
क्लाथ मार्केट, चांदनी चौक
अमर चन्द्र जैन, एडवोकेट २२७४८८
XIII/४५१७ सदर बाजार
इद्रसेन जैन, वकील
कू० पातीराम, सीताराम बाजार
मोतीलाल जैन, वकील
२६ सी. रामनगर
प्रेम नाथ जैन, एडवोकेट
१ वेस्ट, सदर थाना रोड
जग्गी लाल जैन, एडवोकेट
बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड
शिखर चन्द्र, वकील
सदर बाजार
जैन दास जैन, एडवोकेट २२६५७८
७ डिप्टीगंज
दयाल चन्द्र, वकील
सदर थाना रोड
मुरारी लाल जैन, एडवोकेट
गली जैन मन्दिर, सब्जी मंडी
एम० के० जैन, इन्कमटैक्स प्रेक्टीशनर २२७६८३
५ डिप्टीगंज
बसंत कुमार जैन, वकील
१२ डिप्टीगंज
विनोद कुमार जैन, वकील
पहाड़ी धीरज

कैलाश चन्द्र जैन, वकील
पहाड़ी धीरज

बनारसीदास जैन, वकील
१४/४२२५ पहाड़ी धीरज

के० सी० जैन, इन्कमटैक्स प्रैक्टीशनर २२५६७०
१०२ डी. कमला नगर

किशोरी लाल जैन, वकील
१४६ ई. तिमारपुर

आदीश्वर दास जैन, वकील
३५ मोडल बस्ती

मदनलाल जैन, वकील
३६ मोडल बस्ती

चन्द्र भान जैन, एडवोकेट ५२५७६
८७० ईस्ट पार्क रोड, करोल बाग

शुभचन्द्र जैन, एडवोकेट ४७८५७
७ जनपथ लेन

ईश्वर चन्द्र जैन, वकील
कृष्णा निकेतन, दिल्ली गेट

के० सी० जैन, एडवोकेट २२५०६१
नेताजी सुभाष मार्ग

प्राध्यापक व अध्यापक

दिल्ली विश्वविद्यालय

ओल्ड वाइसरीगल लाज (फोन २२८१२१)

डा० बी० डी० जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी. (लन्दन)
डी. आई. सी.
प्राध्यापक—आर्गेनिक केमिस्ट्री २२८६६४

डा० एम. पी. जैन
बी. ए. (आनर्स), एल. एल एम.
जे. एस. डी.
रीडर—ला डिपार्टमेंट २२८१२१

डा० एस. के. राज भंडारी
एम. काम., पी. एच. डी.
एल. एल. बी.
रीडर—बिजनेस मैनेजमेंट

श्री त्रिभुवन नाथ जैन
बी. काम. एम. बी. ए.
रीडर— बिजनेस मैनेजमेंट

डा० बी. जिनानंद
एम. ए, पी. एच. डी.
रीडर—संस्कृत व पाली २२८६६१
बुद्धिस्ट स्टडीज

श्रीमती मोनीक क० जैन
एम. ए, डिप० रशियन
लेक्चरार—रशियन

डा० ए. सी. जैन
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
ए. आर. आई. सी.
लेक्चरार—कैमिस्ट्री २२८६६४

डा० धर्मवीर जैन
एम. एस सी., पी. एच. डी.
लेक्चरार—कैमिस्ट्री २२८६६४

श्री मंगल चन्द्र जैन कागजी
बी एम सी., एल. एल. एम.
लेक्चरार—ला डिपार्टमेंट २२६४८३

डा० एस के. जैन
एम. ए. डाक्टरेट (पेरिस)
लेक्चरार—पोलीटिकल साइंस

कालेजों में रिकग्नाइज्ड टीचर

(आर्टस फैकल्टी)

रामजस कालेज (फोन २३७०६)

एम. पी. जैन, एम. ए.
के आर जैन, एम. ए.

देश बन्धु कालेज (फोन ७२५६५)

जे. के. जैन, एम. ए.
(फिलोसोफी व साइकोलोजी)

लेडी श्रीराम कालेज फार वीमैन

डा० शारदा जैन, एम, ए., एल. एल. बी.
पी. एच. डी.
वाइस-प्रिंसीपल
१ दरियागंज

(मैथमेटिक्स)

हिन्दू कालेज (फोन २४३४५)

डा० पी. सी. जैन, एम. ए., पी. एच. डी,

डा० बी. एस. जैन, एम. ए.

श्री ज्योती लाल जैन, एम. ए.

देश बन्धु कालेज (फोन ७२५६५)

डा० एस. के. जैन

बी. ए. (आनर्स), एम. ए.

(संस्कृत)

दिल्ली कालेज (फोन २२६८०२)

डा० बी. के. जैन, एम. ए., पी. एच. डी.

(हिन्दी)

दिल्ली कालेज (फोन २२६८०२)

डा० विमल कुमार जैन, एम. ए पी. एच. डी.
डा० बी. के. जैन, एम. ए.

लेडी श्रीराम कालेज (फोन ७२८५०)

श्रीमती निर्मला जैन एम. ए.

अध्यक्ष हिन्दी विभाग
कूचा बुलाकी बेगम, एस्प्लेनेड रोड

(कैमिस्ट्री)

हिन्दू कालेज (फोन २२४३४५)

श्री बंशीलाल जैन, बी. एस. सी.

(बोटेनी)

रामजस कालेज (फोन २२३७०६)

एम० पी० जैन, एम. एस. सी.

(नर्सिंग)

कालेज आफ नर्सिंग

जसवंत सिंह रोड (फोन ४०५२५)

श्रीमती पी० जैन, एम. एस. बी. एस. सी. (आनर्स) नर्सिंग

(कामर्स)

दिल्ली पोलीटेकनीक (फोन २४८७०)

एम० एम० जैन, एम. काम.
एफ. आर. ई. एस. (लन्दन
ए. आई. आई. बी.

(सोशल वर्क)

दिल्ली स्कूल आफ सोसल वर्क (फोन २३६६१)

एस० सी० जैन, एम. ए.

(इकानोमिक्स)

इन्द्रप्रस्थ कालेज फार वीमेन (फोन २६२४३)

कु० मालती जैन, एम. ए.

(मेडीकल साइंसेज)

मौलाना आजाद मेडीकल कालेज (फोन ४८६१६)

डा० एस. पी. जैन
एम बी. बी. एस.

बल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्यूट (फोन २३८४६)

डा० एन. एस. जैन
बी एस. सी., एम. बी. बी. ए.
डी. ओ. एम. एए, (लंदन)

डा० एस. के. जैन
एम. बी. बी. एस., डी. टी. डी.

दिल्ली स्कूल आफ सोशल वर्क

८ यूनीवर्सिटी रोड (फोन २३६६१)

एस० सी० जैन, एम. ए.

हिन्दू कालेज

इम्पीरियल एवेन्यू (फोन २४३४५)

डा० पी० सी० जैन
एम. ए, पी. एच. डी. (मैथमे०)

डा० बी० एस० जैन
एम. ए. (मैथ०)

ज्योती लाल जैन
एम. ए. (मैथ०)

डा० बी० के० जैन
एम. ए., पी. एच. डी. (संस्कृत)

बशी लाल जैन
बी एस सी (कैमिस्ट्री)
दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट (फोन २६८०२)

डा० विमल कुमार जैन
एम ए पी एच डी (हिन्दी)

बी० के० जैन
(एम ए (हिन्दी)
रामजस कालेज यूनीवर्सिटी एन्क्लेव (फोन २३७०६)
पी जैन एम ए (इग०)
आर जैन एम ए (इग०)
पी जैन एम एस सी (बाटेनी)

इन्द्रप्रस्थ कालेज फार वीमेन
अलीपुर रोड (फोन २२६८५३)
मालती जैन एम ए (इको०)

दिल्ली पोलीटेकनीक
कश्मीरी गेट (फोन २२४८७०)

एम् एम जैन
एम काम ए आई आई बी (बम्बई)
एफ आर ई एस (लन्दन)
सीनियर लेक्चरार— इन्डस्ट्रियल साइकोलोजी व कामर्स
१८ दरियागज

सी डी शाह
बी एससी (आनर्स) बी एससी (टेक०)
लेक्चरर
६७ यू बी जवाहर नगर

धमदास जैन एम एस सी (मेथ०) एल टी
सीनियर टीचर टेकनीकल हायर सेकन्ड्री स्कूल
१/१६२६ मदरसा रोड कश्मीरी गेट
कार्यालय—(फोन २२७७४७)

श्र का न उग्र जी डी आर्ट (बम्बई)
अ० लेक्चरार आर्ट २२४८०७
डिपार्टमेन्ट आफ फाइन आर्ट
४/६२ राजेन्द्र नगर

महावीर प्रसाद जैन
३०२० मसजिद खजूर

खेमचन्द्र जैन
रेवाडी कटरा सब्जीमण्डी

कालेज आफ नर्सिग
जसवंतसिंह रोड (फोन ४०५२५)

श्रीमती पी चन्द्रा एम एस
बी एस सी (नर्सिंग)

मौलाना आजाद मेडीकल कालेज
मथुरा रोड (फोन ४५२६२ ४८६१६ ४२२३१)

डा० एस पी जैन
एम बी बी एस

आल इण्डिया इन्स्टीट्यूट आफ मेडीकल साइंसेज
अमागी नगर (फोन ७२६६०)

डा० मानकचन्द्र नौलखा
ई १०० (ई० टाइप) लक्ष्मीबाई नगर

लेडी श्रीराम कालेज फार वीमेन
कालका जी रोड (फोन ७२८५०)

डा० शारदा जैन
एम ए एल एल बी पी एच डी
(फिलासफी व साइकोलजी)
वाइस प्रिंसीपल दरियागज

श्रीमती निर्मला जैन एम ए (हिन्दी)
कूचा बुलाकी बगम एस्प्लेनेड रोड

देशबन्धु कालेज
कालका जी (फोन ७२५६५)
जे के जैन एम ए (इग०)
एम के जैन बी ए (आनर्स) एम ए (मेथ०)

होशियार सिंह कालेज
४४ बीदन पुरा (फोन ५४७८७)
ओ पी जैन प्रिंसीपल ५४७८७

वाई डब्ल्यू सी ए (सेक्रेटेरियल) स्कूल

अशोक रोड (फोन ४८१५३)

प्यारेलाल लेक्चरार जैन कालेज ४८१५३
६ रामा पार्क ओल्ड रोहतक रोड

गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकंड्री स्कूल
राम नगर नई दिल्ली

कु० सतोष कुमारी
देव नगर

मलकागंज सब्जी मंडी

कु० किरन
दरीबा कला

झील कुरजा

श्रीमती काती रानी
धमपुरा

कालका जी

श्रीमती शीला जैन
कालका जी

गवर्नमेंट हायर सेकन्ड्री स्कूल (बायज)
किग्सवे कैम्प

एम पी जैन सहायक अध्यापक
ओ० के जैन सहायक अध्यापक

शक्ति नगर

दशराज जैन सहायक अध्यापक

मोरी गेट

एम एस जैन सहायक अध्यापक

बाड़ा हिन्दूराव

आर के जैन सहायक अध्यापक

सब्जी मण्डी (द्वितीय शिफ्ट)

आर डी जैन सहायक अध्यापक
हुकमचन्द्र जैन सहायक अध्यापक

गवर्नमेंट हायर सेकन्ड्री स्कूल (बायज)
तिलक नगर (न० १)

देशराज जैन हेड क्लर्क

कुतुब रोड (द्वितीय शिफ्ट)

कुन्दनलाल जैन एम ए एल टी
७/३४ दरियागंज

मोती बाग

जयकुमार जैन सहायक अध्यापक
एच १०० सरोजिनी नगर

नेताजी नगर

सुशील कुमार जैन सहायक अध्यापक
जी १०० नौरोजी नगर

लोधी रोड न० १

एम एल जैन सहायक अध्यापक

कृष्ण नगर

एस पी जैन सहायक अध्यापक

मालवीय नगर

गुलाबचन्द्र जैन सहायक अध्यापक
एफ ६८ लक्ष्मीबाई नगर

जगपुरा

एम के जैन सहायक अध्यापक

लाजपत नगर (फोन ७२३३७)

खेमचन्द जैन बी ए प्रभाकर
ए २०/३ लोदी कालोनी

शाहाबाद मोहम्मदपुर

एन सी जैन सहायक अध्यापक

शकूरपुर

जुगल किशोर जैन सहायक अध्यापक

अन्धा मुगल

पी बी जैन सहायक अध्यापक

मोती नगर

भीमसिंह जैन सहायक अध्यापक

नजफगढ़

सरनकुमार जैन सहायक अध्यापक

अन्य

बी जैन
एम पी जैन
ऋषभदास जैन
पी सी जैन
प्रेमचन्द्र जैन
महेन्द्र सेन जैन

कैलाश चन्द्र जैन
महेन्द्र सेन जैन
राजकुमार जैन
आर. के. जैन
महावीर प्रसाद जैन
देवेन्द्रकुमार जैन
सुभाषचन्द्र जैन
रामेश्वर दयाल जैन
माखनलाल जैन
सु० विद्या जैन
शातीसागर जैन
एच. सी. जैन
सरलकुमार जैन
ज्ञानप्रकाश जैन
आर. के. जैन
एम के. जैन
जे. के. जैन

बी. आर. गवर्नमेंट हायर सेकेंड्री स्कूल

दिल्ली-शहादरा

बाबू लाल जैन, लायब्रेरियन

जैन हायर सेकेंड्री स्कूल

दरियागज (फोन-२२६१८३)

जुगमदर दास एम ए., बी. टी., प्रिंसीपल
गली छापाखाना, नेताजी सुभाष मार्ग
जयती प्रसाद एम ए. एल टी
५/ए. दरिया गज
राम दास एम. ए बी टी
अनत राम बी ए बी. टी
८० जी पी० टैलीग्राफ क्वाटर्स
सुरेन्द्र कुमार बी ए एल. टी
४७८३ दरियागज
इन्द्र सेन
त्रिलोक भवन, ७ दरियागज
नरेश चन्द बी. ए. बी. टी.
७/३३ दरियागज

प्रभू दयाल
१२६५ वकीलपुरा
हुकुम चन्द
सुमेर बिल्डिंग, २१ दरियागज
कपूर चन्द
४२ सी. तिमारपुर
प्रेम चन्द
४२ सी. तिमारपुर
चन्द्र प्रकाश
३६५७ गली अहीरन, पहाडी धीरज
सजवन्न राय
जैन अनाथाश्रम, दरियागज
पी० एन० जैन
७/३३ दरियागज
श्री चन्द
११३२ गली सनोरा वाली
खुश दिल प्रसाद
११३२ गली समोसा

जैन संस्कृत कमर्शियल हायर सेकेंड्री स्कूल

कूचा सेठ (फोन-२२७३७३)

बसत लाल एम ए, बी. टी. प्रभाकर, प्रिंसीपल
१५५० कूंचा सेठ
नाभि नदन एम. ए, लेक्चरार
धन प्रकाश एम. ए, बी टी.
हरिहर नाथ एम. ए, एल. टी, लेक्चरार
श्री कृष्ण लाल एम. ए.
सुमेर चन्द शास्त्री
सुरेन्द्र कुमार बी. ए.
ओम चन्द
शीतल प्रसाद

जैन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल

धर्मपुरा, दिल्ली

कुमारी उर्मिला जैन बी. ए., बी. टी.
श्री धन पाल जैन बी. काम
श्रीमती मैना देवी जैन जे. वी.

श्रीमती जमुना देवी जैन जे. बी
श्रीमती कस्तूरी बाई जैन जे. बी.
श्रीमती शान्ति देवी जैन साहित्य रत्न जे. टी. सी.
श्रीमती राजमती देवी

महावीर जैन हायर सेकेंड्री स्कूल

नई सडक

मथुरा दास
शाम लाल
कैलाश चन्द
जय प्रकाश
जैन प्रकाश
हरिश चन्द्र
धन कुमार
ओम प्रकाश
दया चन्द्र

कार्यालय— केशोराम लायब्रेरियन, सिकन्दर पाल

जैन श्रमणोपासक हायर सेकेंड्री स्कूल

मंडी रूई, सदर बाजार

धनदेव कुमार जैन
जिनेन्द्र कुमार जैन
शादीलाल जैन
जुगल किशोर जैन

कार्यालय— बी. सेन, बेनी प्रसाद

हीरालाल जैन हायर सेकेन्ड्री स्कूल

सदर बाजार (फोन २२२६७१)

मोहन लाल जैन, एम ए बी. टी, प्रिंसिपल
नकाश भवन, गली नत्थनसिंह, पहाडी धीरज
बलवत सिह जैन एम. ए बी. टी., वाइस प्रिंसीपल
४ डिप्टीगज
शिवचन्द्र जैन, एम. ए. बी. टी., लेक्चरार
१२६५ बकीलपुरा
जे० बी० जैन, एम ए. बी. टी, लेक्चरार
१३६२ बाजार गुलियान
मोती जैन, एम. ए. बी. टी, स० अध्यापक
१६ जयना बिल्डिंग, रोशनआरा रोड
अजीत प्रसाद जैन, बी. ए बी. टी., स० अध्यापक
२३२८ बहादुर गढ रोड
डी० एस० गोयल, सहायक अध्यापक
२२ ए. डिप्टीगंज
हीरालाल 'कौशल' हिन्दी व धर्म शिक्षक
३७४६ गली जमादार, पहाडी धीरज
शिखर चन्द्र जैन बी. ए बी. टी, सहायक अध्यापक
११ डिप्टीगंज
ज्वाला प्रसाद, एस, वी. अध्यापक
२२५७ गली अनार
ओम प्रकाश
२४ ओंकार नगर
सागर चन्द्र
२५८१ गला पीपल धर्मपुरा
श्री कृष्ण
४५४४ डिप्टीगज
जानकी प्रसाद
५०२५ गली जैसीराम, पहाड़ी धीरज
जय कुमार
गली बरना, पहाडी धीरज

लक्ष्मी देवी गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल

पहाडी धीरज

कु० कनक माला जैन, एम. ए. बी टी. प्रिंसीपल
४४६६ गली जाटान, पहाडी धीरज
कु० सुशील जैन, बी. ए. बी. टी.
४३१६ गली बहू जी, पहाडी धीरज
कु० शकुन्तला जैन, एम ए बी टी
३८४७ गली मन्दिर वाली, पहाडी धीरज
कु० कस्तूरी देवी जैन
४६७३ अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज
श्रीमती शर्बती देवी जैन
३८४८ गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
श्रीमती माला देवी जैन
१६७५ नई सड़क

श्रीमती शकुंतला जैन
शिव भवन, बी. ५/१२ माडल टाउन

कु० मगनमाला जैन
३०२३ गली कायस्थान, बहादुर गढ़ रोड

जगदीश चन्द्र
४७५४ ग्रहाता किदारा, पहाडी धीरज

सूरजमल
४१७६ मोहल्ला ग्रहीरन, पहाडी धीरज

श्री महावीर जैन माडर्न हायर सेकैन्ड्री स्कूल
१७८ डी, कमला नगर, दिल्ली

पिंडी दास, प्रिंसीपल २२४५०६
५-डी. कमला नगर

हुकुम चद

दोवान चन्द

स्वीश चन्द्र

शाम लाल

कु० चाद बाला

श्रीपाल

श्री जैन गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
जंगपुरा (भोगल), नई दिल्ली

श्रीमती सुशील जैन, प्रधानाध्यापिका

श्रीमती राजरानी जैन
जंगपुरा

कु० सरला जैन
दिल्ली

म्यूनीसिपल गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
गोल मार्केट (फोन ४२०६०)

कु० शाता जैन, स० ग्रध्यापिका
६ महादेव रोड

कार्माशय हायर सेकेन्ड्री स्कूल
दरियागज

गुलजारी लाल जैन, एम. काम.
७ दरियागज

रामजस हायर सेकेन्ड्री स्कूल (न० १)
दरियागंज

मन्नूलाल ग्यानार्थी, भाषा टीचर २२४६४०
२१ दरियागज

महेन्द्र प्रसाद जैन २२४६४०
२३३ गली जैन मन्दिर, दिल्ली-शहादरा

रामजस हायर सेकेन्ड्री स्कूल (नं० ५)
करोल बाग़

केशव चन्द्र जैन, बी. एस.सी., बी. टी. ५२८१५
साइंस टीचर
४६६७/४६ रेगढपुरा, करोल बाग़

जे० डी० 'पथिक' बी. ए (ग्र०), बी. टी. ५२८१५
मेथेमेटिक्स व इगलिश टीचर
१८१ गवर्नमेंट क्वा०, करोल बाग

रघुवीर सिह जैन, बी ए. बी. टी ५२८१५
मेथेमेटिक्स टीचर
देवीराम पार्क, गनेशपुरा

ग्रार. के. एन. एल. एम गर्ल्स हायर सेकेन्ड्री स्कूल
करोल बाग

कु० सावित्री देवी जैन, प्रभाकर ५२८५४
लैग्वेज टीचर

विद्या भवन गर्ल्स हायर सेकेंड्री स्कूल
न्यू राजेन्द्र नगर

श्रीमती कस्तूरी देवी जैन, एम. ए बी टी
२१ दरियागज

रामजस हायर सेकेंड्री स्कूल (नं० ४)
चित्रगुप्त रोड

जय कुमार जैन, बी. एस सी , बी एड. ४३३००
साइस ग्रध्यापक
२७ गोल्डन पार्क, रामपुरा

रामजस हायर सेकेंड्री स्कूल (नं० २)
ग्रानन्द पर्वत

प्रकाश ग्रानन्द जैन, लायब्रेरियन
२८/१४, भोलानाथ नगर, दिल्ली-शहादरा

ग्रार. बी. हायर सेकेंड्री स्कूल
रीडिंग रोड-(फोन ४८१६४)

सुरेन्द्र लाल जैन, सहायक ग्रध्यापक
बी १८/३५० लोदी कालोनी

म्युनिसिपल कार्पोरेशन गर्ल्स मिडिल स्कूल

जामा मसजिद (१)

वी० के० जैन, सहायक अध्यापिका

अनारकली बिल्डिंग, पुल बंगश

श्रीमती संतोष जैन

सहायक अध्यापिका

बी. डी. यू. सी रामजस मिडिल स्कूल

बल्लीमारान, चादनी चौक

पी एस जैन, एम ए, बी. एड.

मुख्याध्यापक

१११४, कूचा उस्ताद हीरा, दरीबा

इदर सेन जैन, बी. ए., बी टी इगलिश टीचर

७०५० पहाड़ी धीरज

शील चन्द्र जैन, एफ ए, स० अध्यापक

२१ दरियागज

रामजस ए वी मिडिल स्कूल

चवडी बाजार

नाहर सिह जैन, बी. एस.सी, बी एड २२८६५७

साइस टीचर

म्यू० कार्पोरेशन सी. बेसिक स्कूल गर्ल्स

चिराग दिल्ली

लाजपत नगर

श्रीमती मौलश्री जैन

सहायक अध्यापिका

कंझा वाला

श्रीमती मगन माला जैन

स० अध्यापिका

सु० दुलारी जैन, एम ए., बी. एड

स० अध्यापिका

म्यूनिसिपल कार्पोरेशन सीनियर बेसिक स्कूल (बायज)

शादीपुर

प्रकाश चन्द्र जैन, हैड मास्टर

चाहरहट (निकट जामा मसजिद)

रामपुर

के कुमार जैन

असिस्टेंट टीचर

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन जूनियर बेसिक स्कूल (बायज)

डल्लूपुर

ज्ञानचन्द्र जैन

असिस्टेंट टीचर

जैन हेपी स्कूल

लेडी हार्डिग रोड, नई दिल्ली

श्रीमती सावित्री जैन

११, फौच स्क्वेअर

श्रीमती कमला जैन

हीरालाल जैन प्राइमरी स्कूल

सदर बाजार

चन्द्रपाल

२८७८ चैलपुरी, किनारी बाजार

शकर लाल

१६/८३ मोती बाग, सराय रोहिला

रामधन

२१ नार्थ, बस्ती हर्फूलसिह, सदर बाजार

जुगमदर दास

गली नत्थन सिह, पहाडी धीरज

श्री महावीर जैन मांटेसरी स्कूल

३५-डी. कमला नगर, दिल्ली (फोन-२२४५०६)

श्रीमती प्रकाश

जैन प्राइमरी स्कूल

दिल्ली-शाहदरा

ज्योती प्रसाद जैन, मुख्याध्यापक

गली पन्ना वाली, फर्श बाजार

रामधारी जैन, सहायक अध्यापक

पूर्णभद्र जैन, सहायक अध्यापक

जय किशन जैन, सहायक अध्यापक

शिखरचन्द्र जैन

एम बी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल

बाबर रोड

कपूर चन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

एम. बी. बायज हाई स्कूल

रीडिंग रोड

बल्देव सिह जैन, सहायक अध्यापक

एम. बी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल

जोर बाग

श्रीमती जय देवी जैन, बी. ए., सहायक अध्यापिका
ए. २०/३ लोदी रोड

एम. बी. बायज प्राइमरी स्कूल

मोदी रोड (नं० १)

सुगनचन्द्र जैन, असिस्टेट टीचर

एम. बी. कोएजूकेशन प्राइमरी स्कूल

विनय नगर (III)

कु० किरनमाला जैन, सहायक अध्यापिका

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल (गर्ल्स)

जगपुरा एक्सटैंशन

सु० सरला कुमारी जैन, प्रभाकर
सहायक अध्यापिका

पहाड गंज (मंडी घी)

श्रीमती तारावती जैन, सहायक अध्यापक

दरीबा कलां (II)

श्रीमती राजरानी जैन, प्रभाकर
असिस्टेट टीचरेस

कूंचा घासीराम

श्रीमती शान्तीदेवी जैन
असिस्टेट टीचरेस

बल्लीमारान (II)

सु० धन्नो जैन
असिस्टेट टीचरेस

रंग महल (१)

कु० कुसुम लता जैन, बी.ए., प्रभाकर
असिस्टैंट टीचरेस

नबी करीम (II)

सु० ऊषा जैन
असिस्टैंट टीचरेस

बाड़ा हिन्दूराव (१)

सु० उर्मिला जैन
असिस्टेट टीचरेस

शक्ति नगर

सु० कलावती जैन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचरेस

मोडल बस्ती (१)

श्रीमती मोहनी माला जैन
सहायक अध्यापिका

गवर्नमेंट क्वार्टर्स (१)

सु० शकुन्तला जैन
असिस्टैंट टीचरेस

जी. टी रोड (१)

सु० मनोरमा देवी जैन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचरेस

कालका जी (१)

सु० कमलादेवी जैन
असिस्टेट टीचरेस

किलोकरी कालोनी

श्रीमती कान्ता जैन
असिस्टेट टीचरेस

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल

दरियागज (१)

बीर सेन जैन, एफ ए
असिस्टेट टीचर

ईदगाह रोड

खेमचन्द्र जैन, सहायक अध्यापक

तुर्कमान रोड (II)

आर. एस जैन
असिस्टेट टीचर

घमडीलाल जैन
असिस्टेंट टीचर

मंटोला (पहाड़गंज १)

अमीर चन्द्र जैन
असिस्टेट टीचर

बगीची तमसुखराय, अजमेरी गेट

सियाराम जैन
असिस्टेट टीचर

नया दरीबा

बनवारी लाल जैन
असिस्टेंट टीचर

किनारी बाजार

शेखर चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

बाजार सीताराम (१)

धनकुमार जैन
असिस्टेंट टीचर

मोहल्ला बासान (१)

डालचन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

डा० एस. पी. मुकर्जी मार्ग

विक्रम सेन जैन
असिस्टेंट टीचर

म्यूनीसिपल कार्पोरेशन प्राइमरी स्कूल
लाल दरवाजा (२)

राधेश्याम, बी ए बी टी
असिस्टेंट टीचर

लेंसर्स रोड

महावीर प्रसाद जैन
असिस्टेंट टीचर

मोरी गेट

नानक चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

नार्दन रेलवे कालोनी

सुखमाल सिंह
असिस्टेंट टीचर

बस्ती रेगड़पुरा

श्रीराम, बी. ए बी. टी.
असिस्टेंट टीचर

ओल्ड राजेन्द्र नगर १

विजय सेन जैन
असिस्टेंट टीचर

तिलक नगर

ओम प्रकाश जैन, एफ. ए. सी. टी.
असिस्टेंट टीचर

मोडल बस्ती १

पवन कुमार जैन
असिस्टेंट टीचर

हेम चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

मोडल बस्ती २

शाम लाल जैन
असिस्टेंट टीचर

डिप्टीगंज (१)

वीर सेन जैन
असिस्टेंट टीचर

डिप्टीगंज (२)

कृष्ण लाल जैन

बाड़ा हिन्दू राव (१)

ओम प्रकाश जैन

ईदगाह रोड (१)

दौलतराम जैन
असिस्टेंट टीचर

काबुली गेट (२)

सुमत प्रसाद जैन
असिस्टेंट टीचर

सब्जी मण्डी (१)

मूल चन्द्र, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचर

वीर सेन, प्रभाकर
असिस्टेंट टीचर

रोशन आरा रोड (२)

शेखर चन्द्र
असिस्टेंट टीचर

निकल्सन रोड (II)

बिलास चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

डाल चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

नवाब गंज (प्रथम शिफ्ट)

शेखर चन्द्र जैन
असिस्टेंट टीचर

बी. सराय रोहेला

बीर सेन जैन
असिस्टट टीचर

गनेशपुरा

जसवन्त राय जैन
असिस्टैंट टीचर

पत्रकार (जर्नलिस्ट)

अक्षय कुमार
प्रधान सम्पादक, 'नवभारत टाइम्स' २२८१६१
३३-३४, नेता जी सुभाष मार्ग २२४१६०

जैनेन्द्र कुमार
७/३६ दरियागज

डा० इन्द्र चन्द्र शास्त्री
१०/१७ शक्ति नगर

यशपाल
सम्पादक 'जीवन साहित्य'
७/८ दरियागज

ज्ञानेन्द्र प्रकाश
सम्पादक 'सेवा ग्राम',
१ दरियागज

बी. बी. कपासी
एक्रेडिटिड करसपोंडेट
(इकानामिक न्यूज एण्ड वियूज सर्विस)
बी. ५ पडारा रोड

प० अजीत कुमार शास्त्री
सम्पादक 'जैन गजट'
अभय प्रेस, अहाता किदारा, पहाडी धीरज

मुनीन्द्र कुमार
स० सम्पादक 'खेती' (आई.सी ए.आर) ३०१६१/७
२/६ माडल टाउन, माल रोड

राकेश जैन
सम्पादक 'समाज कल्याण'
२ गली नाई वाली, करोल बाग

शातिलाल वी. सेठ
सम्पादक 'जैन प्रकाश'
मान्नी वाड़ा

गिरी लाल जैन
स्पेशल करसपोडेट, 'टाइम्स आफ इण्डिया' २८१६१
७/२३ दरियागज २२६०६१

आनन्द स्वरूप
(नवभारत टाइम्स) २२८१६१
२३ दरियागंज २२८१६४

ज्ञान चन्द्र
सेंट्रल हिन्दी डायरेक्टोरेट

प्रकाश चन्द्र 'शास्त्री'
सम्पादक 'सन्मति सदेश'
५३५ गाधी नगर

अमृत लाल जिंदल
११५ सुन्दर नगर

गोकुल प्रसाद
२१ दरियागज

बनवारी लाल 'स्याद्वादी'
सम्पादक 'वीर'
२२०० गली भूतवाली, धर्मपुरा

नरेन्द्र जैन करोसपोडेट (लिक)
५/ए दरियागज

प्रकाश चन्द्र (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
नाई वाडा

पारस दास (नवभारत टाइम्स) २२८१६१
जैन भवन, उर्दू बाजार

रमेश चन्द्र 'प्रेम'
(नवभारत टाइम्स)
४८/दरियागज २२८१६१

सुशील कुमार २२८१६१
(नवभारत टाइम्स)
६, दरियागज

देव कुमार
१ दरियागज

नरेन्द्र पाल नरेश २२८१६१/३८
(नवभारत टाइम्स)
६६५/११७ शाति भवन, कैलाश नगर

चार्टर्ड एकाउंटेंट

आनन्द कुमार (मेघ आनन्द एण्ड कम्पनी)
५ डिप्टीगज
जितेन्द्र कुमार (जे० एम० बेहल एण्ड कम्पनी)
१०० गज्जू कटरा, दिल्ली-शाहदरा
एन० सी० जैन (एन० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
४२७ एस्प्लेनेड रोड
पदम कुमार
२५७५ फैज बाजार
सुरेन्द्र कुमार
फैज बाजार (अशोक प्रेस के ऊपर)
त्रिलोक चन्द्र (टी० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
१३७६ चादनी चौक
सत्यवादी कपूर चन्द्र
१०२ डी कमला नगर
बी० सी० जैन
६ डिप्टीगज, सदर बाजार
डी० सी० जैन (डी० सी० जैन एण्ड कम्पनी)
१३५७ वैदवाडा
एन० के० जैन
३८४० गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज
एन० एस० जैन (एस० एस० कोठारी एण्ड कम्पनी)
३७७८ नेताजी मार्ग
जिनेन्द्र कुमार, अ० अ० आफीसर (आई० ए० सी०)
१८ बी. अजमेरी गेट एक्सटैंशन
मेघ कुमार
६ रोहतक रोड
सज्जन मल दूगड, अका० आफीसर ३६६१६
(एकम्प० ला० ड०)
२४ भरतराम रोड, दरियागंज २२६६८०
एम० आर० भडारी
सेक्रेट्री हिन्दुस्तान इंसेक्टीसाइडज़ लि०
नजफगढ़ रोड

फोटो ग्राफर

मोतीराम जैन २२६६१०
अ-नि० फोटो आफीसर (इ० एण्ड ब्रा० मिनिस्ट्री)
गली कन्हैया लाल अत्तार, बर्खेवालान
प्रेम चन्द्र जैन
गली कन्हैया लाल अत्तार, बर्खेवालान
तारा चन्द्र जैन
(पब्लीकेशन डिवीजन)
त्रिलोक चन्द्र जैन
डायरेक्टोरेट आफ एड० एण्ड विजुअल पब्लिसिटी
शान्ति प्रसाद जैन
जैन स्टुडियो
६ बी, कनाट प्लेस
विजय फोटो स्टूडियो
चादनी चौक
लालचन्द
दरीबा कला
जैनको फोटोन्यूज पब्लिशर्स
धर्मपुरा
कपूरचन्द्र जैन
धर्मपुरा
अतर चन्द्र जैन
धर्मपुरा
प्रकाशचन्द्र
धर्मपुरा
जैना फोटो सर्विस
२२५० गली अनार, किनारी बाजार
हरिश्चन्द्र जैन
२२४४ गली अनार, किनारी बाजार
पदम सेन जैन
आर्यपुरा, सब्जी मण्डी
बी. दयाल एण्ड संस
II १३५ सदर बाजार, दिल्ली कैंट

लायब्रेरियन

निर्मल कुमार जैन
जूनि० लायब्रेरियन, पी. आई. बी.
प्रेमकुमार जैन
जूनि० लायब्रेरियन
सेंट्रल आर्कोलोजीकल लायब्रेरी
सलेक चन्द्र

जैन गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, जंगपुरा
टी. सी. जैन
जैन हायर सेके० स्कूल, दरियागंज
महेन्द्र कुमार
सैन्ट्रल एजूकेशनल लायब्रेरी
केशोराम
म० जैन हायर सेके० स्कूल, नई सड़क
एस. पी. जैन
जैन लायब्रेरी, पहाडी धीरज
बखतावर लाल
वर्धमान लायब्रेरी, धर्मपुरा
बाबू लाल
बी. ग्रार. गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, शाहदरा

नर्स

श्रीमती के. सी. जैन
विलिंगडन हास्पिटल
डा० तारा जैन
डा० प्रेम जैन
श्रीमती जमनादेवी, श्री कांशीराम जैन धर्मार्थ ग्रौषधालय, सदर बाजार, डिप्टीगंज

इन्श्योरेंस एजेन्टस

गुलाब चन्द २२३०००
१७४६ हरदयाल स्ट्रीट, मालीवाड़ा
सी. एल. जैन २२३५३३
२१ नेताजी सुभाष मार्ग
एच. सी. जैन २२८८६३
ब्रा० मैनेजर (लाइफ इन्श्यो० कार्पोरेशन)
सुभाष बिल्डिग, ग्रासफ ग्रली रोड
ग्रार. सी. जैन ४३६५४
इन्चार्ज, न्यू एशिया० कनाट सर्कस
रतन चन्द ५५०३६
लाइफ इश्योरेंस एक्सपर्ट, ५६/१५ वे० एक्स. एरिया
रोहतक रोड
ग्रोम प्रकाश
पहाडी धीरज

वैज्ञानिक, साहित्यकार व विद्वान

वैज्ञानिक

डा० डी. एस. कोठारी

एम. एससी. (इलाहाबाद) ३२७६८
पी. एच. डी (केम्ब्रिज), एफ. एन. आई. २२८६६३
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

प्राध्यापक (फिजिक्स)—(१) इलाहबाद विश्वविद्यालय (१९२८-३४) (२) दिल्ली विश्वविद्यालय अध्यक्ष—फिजिक्स विभाग (१९३४-६१)

डीन फैकल्टी आफ साइंस—दिल्ली विश्वविद्यालय

साइटिफिक एडवाइजर–मिनिस्टर आफ डिफेंस (१९४८-६१)

चेअरमेन—रिसर्च एण्ड डेवलपमेट कमेटी मिनिस्ट्री आफ डिफेंस (सन १९४८ से)

सदस्य (गवनिंग बाडी)—काउंसिल आफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च

चेअरमेन—एअरोनोटीकल रिसर्च कमेटी (सी. एस. आई आर.)

मनोनीत जनरल प्रेसीडेंट—इन्डियन साइंस कांग्रेस (भावी जुबली सेशन—१९६३)

चेअरमेन—यूनिवर्सिटी ग्रांटस कमीशन, रफी मार्ग (सन १९६१ से)

शोध विषय—थियोरी आफ फ्रेगमेंटेशन आफ स्टेलर बाडीज़

लेखक—न्यूक्लियर एक्सप्लोजंस एण्ड देयर इफैक्टस पब्लीकेशंस डिवीजन—भारत सरकार द्वारा प्रकाशित प्रथम संस्करण—१९५३—द्वितीय संस्करण १९५८ जर्मन व जापानी में अनुवादित।

लेख, निबन्ध आदि—(१) थर्मोडायनेमिक व इलेक्ट्रिकल प्रापर्टीज आफ डीजेनेरेट मैटर

(२) थियरी आफ व्हाइट स्वार्फ्स

(३) प्रेशर इओनाइजेशन

(४) स्टेटिस्टीकल मेकेनिज्म्स व पार्टीशन थियोरी आफ नम्बर्स का सम्बन्ध

साहित्यकार

१ आचार्य जुगल किशोर मुख्तार 'युगवीर'

इतिहासकार व रिसर्च स्कालर

कार्यालय व निवास } वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज

स्वरचित ग्रन्थ—'मेरी भावना', 'अध्यात्म रहस्य', 'जैन ग्रन्थ प्रशस्ति संग्रह', 'युगवीर भारती', 'समंतभद्र विचार दीपिका', 'परिग्रह का प्रायश्चित', 'महावीर का सर्वोदय तीर्थ', 'सेवा धर्म', 'अनेकान्त रस लहरी', 'विवाह सम्मुदेश्य', 'जैनाचार्यों का शासन-भेद', 'ग्रन्थ-परीक्षा ४ भाग माला', पूजाधिकार मीमासा', 'विवाहक्षेत्र प्रकाश', 'हम दुःखी क्यो', 'उपासना तत्व', 'जैन साहित्य और इतिहास पर विशद प्रकाश।

अनुवादित और सम्पादित ग्रन्थ—पुरातन जैन वाक्य सूची', 'स्वयम्भूस्तोत्रम', 'स्तुति-विद्या', 'अध्यात्म कमल मार्तण्ड', की प्रस्तावना 'युक्त्यनुशासन', 'सत्साधु-स्मरण मंगलपाठ', 'अनित्य-भावना', 'उमास्वामी श्रावकाचार-परीक्षा', 'समाधितंत्र व इष्टोपदेश', 'कर्म-प्रकृति' (प्राकृत), 'समीचीन धर्मशास्त्र' आदि।

लेख व निबन्ध—१ श्री कुन्दकुन्द और यतिवृषभ में पूर्ववर्ती कौन ?, २ सेवा-धर्म-दिग्दर्शन, ३ भगवती आराधना की दूसरी प्राचीन टीका-टिप्पणियां, ४ ऊंच गोत्र का

व्यवहार कहाँ ?, ५ आर्य और म्लेच्छ, ६ सकाम-धर्म-साधन, ७ 'गोत्र-सम्बन्धी विचार' पर सम्पादकीय नोट, ८ गोत्रकर्म पर शास्त्री जी का उत्तर लेख, ९ अन्तरद्वीपज मनुष्य, १० श्री पूज्यपाद और उनकी रचानायें, ११ हेमचन्द्राचार्य-जैन-ज्ञानमंदिर, १२ योनिप्राभृत और जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला, १३ स्वामी पात्रकेसरी और विद्यानन्द (परिशिष्ट), १४ 'जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला' पर सम्पादकीय नोट, १५, जगत्सुन्दरी प्रयोगमाला की पूर्णता, १६ तत्त्वार्थाधिगमसूत्र की एक सटिप्पण प्रति, १७ धवलादि-श्रुत-परिचय, १८ जैन लक्षणावली, १९ 'तत्त्वार्थभाष्य और अकलंक' पर सम्पादकीय विचारणा, २० होली का त्यौहार, २१ प्रभाचन्द्र का तत्त्वार्थ सूत्र, २२ प्रो. जगदीशचन्द्र और उनकी समीक्षा, २२ चित्रमय जैनी नीति, २४-२६ समन्तभद्रविचारमाला—(क) स्व-पर-वैरी कौन ? (ख) वीतराग की पूजा क्यो ? (ग) पुण्य-पाप-व्यवस्था, २७ 'सिद्ध प्राभृत' पर सम्पादकीय नोट, २८ भक्तियोग-रहस्य, २९ कवि राजमल्ल और राजा भारमल्ल, ३० वीरनिर्वाण-संवत् की समालोचना पर विचार, ३१ परिग्रह का प्रायश्चित, ३२ महत्व की प्रश्नोत्तरी, ३३ श्वेताम्बर तत्त्वार्थ सूत्र और उसके भाष्य की जाँच, ३४ अनेकान्त के मुख पृष्ठ का चित्र, ३५ 'सर्वार्थसिद्धि' पर समन्तभद्र का प्रभाव, ३६ समन्तभद्र का एक और परिचय-पद्य, ३७ अनेकान्त-रस-लहरी, ३८ वीर-शासन की उत्पत्ति का समय और स्थान ३९ स्वामी समन्तभद्र धर्मशास्त्री, तार्किक और योगी तीनो थे, ४० समीचीन-धर्मशास्त्र और उसका हिन्दी भाष्य, ४१ ऐतिहासिक घटनाओं का एक सग्रह, ४२ गोम्मटसार और नेमिचन्द, ४३ मूलाचार और कार्तिकेयानुप्रेक्षा, ४४ भट्टारकीय मनोवृत्ति का एक नमूना, ४५ 'वानर महाद्वीप' पर सम्पादकीय नोट, ४६ जीवस्वरूप-जिज्ञासा (प्रश्नावली), ४७ श्रीअकलंकदेव और विद्यानन्द की राजवार्तिकादि कृतियो पर पं० सुखलाल जी के गवेषणपूर्ण विचार, ४८ पं० महेन्द्रकुमार की का लेख, ४९ गदर से पूर्व की लिखी हुई ५३ वर्ष की 'जंत्री खास', ५० रद्दी में प्राप्त हस्त-लिखित जैन-अजैन ग्रन्थ, ५१ ऐलक-पद-कल्पना (सशोधित और परिवर्धित संस्करण), ५२ रत्नकरण्ड के कर्तृत्व-विषय में मेरा विचार और निर्णय, ५३ सन्मतिसूत्र और सिद्धसेन ५४ समवसरण मे शूद्रों का प्रवेश, ५५ जैन कॉलोनी और मेरा विचार-पत्र, ५६ सन्मति-विद्याविनोद, ५७ अष्टसहस्री की एक प्रशस्ति, ५८ 'जैनागम और यज्ञोपवीत' पर सम्पादकीय विचारणा, ५९ एक प्राचीन ताम्रशासन, ६० गलती और गलतफहमी, ६१ विपुलाचल पर वीर-शासन-जयन्ती का अपूर्व दृश्य, ६२ कलकत्ता में वीर-शासन का सफल महोत्सव, ६३ सस्कृत 'कर्मप्रकृति', ६४ भारत की स्वतन्त्रता, उसका झडा और कर्तव्य, ६५ वीर-तीर्थावतार, ६६ श्रीवीर का सर्वोदय-तीर्थ, ६७ वीर-शासन के कुछ मूल सूत्र आदि ।

२. श्री जैनेन्द्र कुमार

उपन्यासकार, कहानीकार, व निबन्धकार

निवास, ७/३६ दरियागंज २२४१०६

कार्यालय—८ ऋषि भवन फैज बाजार २२४९५६

उपन्यास—सुखदा, विवर्त, व्यतीत, आदि ।

निबन्ध—काम, प्रेम और परिवार, प्रस्तुत प्रश्न, पूर्वोदय, साहित्य का श्रेय और प्रेय, मन्थन, सोच-विचार, आदि ।

कहानियां—(प्रथम भाग) फासी, 'जय सन्धि' 'स्पर्द्धा' 'निर्मय' तथा अन्य क्रान्तिकारी कहानिया (द्वितीय भाग) 'पाजेब' 'आत्म शिक्षण' 'तमाशा आदि। (तृतीय भाग) 'तत्सत' 'देवी-देवता' 'लाल सरोवर' तथा अन्य दार्शनिक सत्यों की प्रतीकात्मक कहानिया। (चतुर्थ भाग) 'परदेशी' 'नादिरा' 'एक रात' 'उर्वशी आदि । (छटा भाग) 'चलित चित्त' 'कःपन्था' 'साधु की हट' आदि ।

अनुवाद—'पाप और प्रकाश' 'टाल्सटाय के प्रसिद्ध नाटक 'दी पावर आफ़ डार्कनेस' का अनुवाद ।

३. आचार्य चंद्र शेखर शास्त्री

इतिहासकार, उपन्यासकार मंत्र शास्त्री व रिसर्च स्कालर

भूतपूर्व—सम्पादक 'नवभारत टाइम्स'

भूतपूर्व—अध्यक्ष 'जैन दर्शन विभाग' बनारस हिन्दू विश्व विद्यालय ।

४५६६, बाजार पहाडगंज, नई दिल्ली-६

उपन्यास—'श्रेणिक बिम्बसार' आदि ।

इतिहास - 'भारतीय आतंकवाद का इतिहास आदि ।

४, डा इन्द्र चन्द्र शास्त्री एम० ए० पी० एच० डी०

शास्त्राचार्य वेदात वारिधि, न्यायतीर्थ लेखक, वक्ता व पत्रकार

अध्यक्ष—संस्कृति विभाग, इंस्टीच्यूट आफ पोस्ट ग्रेजुऐट स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय

निवास—१०/१७ शक्ति नगर २९६१२

स्व रचनाएंलेख व निबंध—Jain theory of knowledge' 'भारतीय संस्कृति की दो धाराएँ, 'काटों के राही' (कहानी संग्रह) 'श्री जैन सिद्धान्त बोल-सग्रह' (७ भाग) आदि।

लेख व निबंध—Jainism and the way to spiritual realisation, Panch Shila 'Jain Scripturs, (2 papers). Jain theory of knowledge' 'Lord Mahavira a great democrat. 'Authority as a of knowledge. Jainism and democracy आदि।

सम्पादन कार्य—'श्रमण मासिक (१६४६-५४), जैन प्रकाश' (१६४२-५३) व 'भारतीय सस्कृति (१६५५-५७)

५. पं० दरबारी लाल कोठिया, एम ए. न्यायाचार्य

कार्यालय व निवास } वीर सेवा मन्दिर, २१, दरियागज

लेख व निबन्ध—१ परीक्षामुख और उसका उद्‌गम, २ वीर शासन और उसका महत्व, ३ समन्तभद्र और दिग्नाग मे पूर्ववर्ती कौन ? ४ तत्त्वार्थसूत्र का मगलाचरण (दो लेख), ५ भगवान् महावीर और उनका अहिंसा सिद्धांत ६ क्या निर्युक्तिकार भद्रबाहु और स्वामी समन्तभद्र एक है ? क्या रत्नकरण्डश्रावकाचार स्वामी समन्तभद्र की कृति नहीं है ? ८ नागार्जुन और समन्तभद्र, ९ साहित्य परिचय और समालोचन १० आचार्य अनन्तवीर्य और उनकी सिद्धि-विनिश्चय टीका, ११ आचार्य विद्यानन्द का समय और स्वामी वीरसेन, १२ आचार्य माणिक्यनन्दि के समय पर अभिनव प्रकाश. १३ आचार्य विद्यानन्द के समय पर नवीन प्रकाश, १४ क्या भाद्रबाहु स्वामी और निर्युक्तिकार एक हैं ? १५ गुणचन्द्र मुनि कौन हैं ? १६ गजपन्थ क्षेत्र का अति प्राचीन उल्लेख, १७ क्या वर्तना का अर्थ गलत है ? १८ कौन सा कुंडलगिरि सिद्धक्षेत्र है, १९ रत्नकरण्ड और आप्तमीमांसा का एक कर्तत्व प्रमाण सिद्ध है, २० रत्नकरण्ड-टीका और प्रभाचन्द्र का समय, २१ वीरसेन स्वामी के स्वर्गारोहण समय पर एक दृष्टि, २२ 'संजद' पद के सम्बन्ध में अकलंकदेव का महत्वपूर्ण अभिमत, २३ वादीभ सिह सूर की एक अधूरी अपूर्व कृति, २४ समन्तभद्र भाष्य २५ सजयबेलट्ठि पुत्र और स्याद्वाद, आदि।

६. पं० परमानन्द शास्त्री

लेखक व रिसर्च स्कालर

कार्यालय—जैन साहित्य सदन दि० जैन लाल मंदिर चांदनी चौक

निवास—दरियागंज सेवा ग्राम के ऊपर

लेख व निबन्ध—१ अपराजितसूरि और विजयोदया, २ प्रमाणनयतत्त्वालोकालकार की आधार भूमि, ३ भगवती आराधना और शिवकोटि, ४ मूलाचार संग्रहग्रथ है, ५ श्रावण-कृष्ण-प्रतिपदा की स्मरणीय तिथि, ६ शिक्षा का महत्व, ७ अतिप्राचीन प्राकृत पंचसग्रह, ८ गोम्मटसार संग्रह ग्रंथ है, ९ अहिंसातत्त्व, १० श्वेताम्बर कर्मसाहित्य और दिगम्बर पंचसंग्रह, ११ अर्थ प्रकाशिका और प० सदासुख जी, १२ गोम्मटसार-कर्मकाण्ड की त्रुटिपूर्ति, १३ सिद्धसेन के सामने सर्वार्थसिद्धि और राजवार्तिक, १४ गोम्मटसार-कर्मकाण्ड की त्रुतिपूर्ति के विचार पर प्रकाश १५ कर्मबन्ध और मोक्ष, १६ तत्त्वार्थसूत्र के बीजो की खोज, १७ त्रिलोकप्रज्ञप्ति में उपलब्ध ऋषभदेवचरित्र, १८ बनारसी नाममाला, १९ श्वेताम्बरों में भी भगवान् महावीर के अविवाहित होने की मान्यता, २० वरागचरित दिगंबर है श्वेताम्बर ? २१ अपभ्रंश भाषा का शातिनाथ-चरित्र, २२ अपभ्रंश भाषा के प्रसिद्ध कवि रइधू, २३ कविवर भगवतीदास और उनकी रचनायें, २४ पउमचरिय का अन्तःपरीक्षण, २५ बाबा भागीरथ जी वर्णी, २६ समर्थन, २७ मुद्रित श्लोकवार्तिक की त्रुटि-पूर्ति, २८ जयपुर मे एक महीना, २९ धनपाल नाम के चार विद्वान, ३० भगवतीदास नाम के चार विद्वान, ३१ शिवभूति, शिवार्य और शिवकुमार, ३२ सुलोचनाचरित और देवसेन, ३३ श्रीचन्द्र नाम के तीन विद्वान, ३४ अतिशय क्षेत्र चन्द्रवाड़, ३५ अमृतचन्द्रसूरि का समय, ३६ दिल्ली और दिल्ली की राजावली, ३७ अपभ्रंश भाषा का जैन कथासाहित्य, ३८

कविवर लक्ष्मण और जिनदत्तचरित्र, ३९ धर्मरत्नाकर और जयसेन नाम के आचार्य, ४० भगवान् महावीर, ४१ महाकवि सिंह और प्रद्युम्नचरित, ४२ श्रीधर या विबुध-श्रीधर नाम के विद्वान, ४३ चतुर्थ वाग्भट और उनकी कृतियां, ४४ ब्रह्म श्रुतसागर का समय और साहित्य, ४५ अपभ्रंश भाषा के दो महाकाव्य और नयनन्दी, ४६ ग्वालियर-किले का इतिहास, ४७ पं० दौलतराम और उनकी रचनाएं, ४८ प० सदासुखदास जी, ४९ आचार्यकल्प प० टोडरमल्लजी, ५० पाडे रूपचन्दजी और उनका साहित्य, ५१ महाकवि रइधू, ५२ यशोधरचरित्र के कर्त्ता पद्मनाभ कायस्थ, ५३ सोलहवी शताब्दी के दो अपभ्रंश काव्य, ५४ भगवान महावीर और उनका सर्वोदय तीर्थ, ५५ कविवर पं० दौलतराम, ५६ आमेरभंडार का प्रशस्तिसग्रह, ५७ कविवर द्यानतराय, ५८ कविवर भगवतीदास प्रथम और उनकी रचनाएं, ५९ अपभ्रंश भाषा का पासचरित और कविवर देवचन्द, ६० आचार्य कुन्दकुन्द, ६१ बुन्देलखण्ड के कविवर देवीदास, ६२ ब्रह्म जिनदास, ६३ कविवर बुधजन और उनकी रचनाए, ६४ हेमराज गोदीका और प्रवचनसार का पद्यानुवाद, ६५ बिजोलिया के शिलालेख, ६६ साहित्य-परिचय और समालोचन, ६७ श्री पार्श्वनाथ मंदिर व कुव्वतुल इस्लाम मस्जिद, ६८ अध्यात्मतरंगिणी टीका, ६९ अपभ्रंश भाषा के कुछ अप्रकाशित ग्रथ, ७० आकिंचन्य धर्म, ७१ उत्तम क्षमा, ७२ उत्तम तप, ७३ कविवर भूधर दास और उनकी विचारधारा, ७४ कुछ नई खोजे ७५ गोम्मट सार जीवकाण्ड का हिन्दी पद्यानुवाद, ७६ जैन साहित्य का दोष पूर्ण विहगवलोकन, ७७ मूलाचार संग्रह ग्रंथ न होकर आचारांग के रूप मे मौलिक ग्रथ है, ७८ हमारी तीर्थ यात्रा के सस्करण (९ लेख), ७९ साहित्य परिचय और समालोचन (५ लेख), ८० अतिशय क्षेत्र खुजराहो, ८१ अपभ्रंश भाषा का जम्बू स्वामी चारित्र और महा कवि वीर, ८२ अपभ्रंश भाषा का पार्श्वनाथ चरित्र, ८३ अहिंसा तत्त्व, ८४ क्या ग्रथ-सूचियो आदि पर से जैन साहित्य के इतिहास कानिर्माण सम्भव है, ८५ कोल्हापुर के पार्श्वनाथ मन्दिर का शिलालेख, ८६ चन्द्रगुप्त मौर्य और विशाखाचार्य, ८७ दिल्ली और उसके पांच नाम, ८८ दीवान अमरचन्द, ८९ दीवान रामचन्द छावड़ा, ९० धारा और धारा के जैन विद्वान, ९१ नागकुमार चरित्र और कवि धर्मधर, ९२ पं० जयचन्द और उनकी साहित्य सेवा ९३ प० दीपचन्द जी शाह और उनकी रचनाए, ९४ घोषहरास और भ० ज्ञान भूषण, ९५ बागड़ प्रान्त के दो दिगम्बर जैन मन्दिर, ९६ भगवान महावीर, ९७ भट्टारक युतकीर्ति और उनकी रचना, ९८ महा पुराण कालिका और कवि ठाकुर, ९९ गाजियाबाद के जैन शास्त्र भंडार में उल्लेखनीय ग्रथ, १०० विश्व की अशाति को दूर करने का उपाय, १०१ श्रम संस्कृति तैयारी, १०२ श्रीधवल ग्रथो के दर्शनो का अपूर्व आनन्द भोजन, १०३ वीर शासन जयन्तीमहोत्सव, १०४ साहित्य परिचय और सम्मेलन (४ लेख) १०५ हस्तिनागपुर का बडा जैन मन्दिर, १०६ हिन्दी भाषा के कुछ ग्रथो की नई खोज, १०७ हुबड या हुँबडवश और उसके महत्वपूर्ण कार्य, १०८ कवि ठकुरसी और उनकी रचनाए, १०९ कविवर भगवतीदास, ११० कसाया पाहुड और गुणधराचार्य १११ क्या भ० वर्धमान धर्म के प्रवर्तक थे, ११२ धारा और धारा के जैन विद्वान, द्वितीय लेख, ११३ प० भागचन्द जी, ११४ पार्श्वनाथ वस्ति का शिलालेख, ११५ महा कवि स्वयभू और उनका तुलसीदास जी की रामायण पर प्रभाव, ११६ महावीर के विवाह के सम्बन्ध मे श्वेताम्बरो की दो मान्यताए, ११७ रूपक काव्य परम्परा ११८ वीर शासन जयन्ती का महत्व, ११९ श्री बाबा लालमन दास जी और उनकी तपश्चार्य की महत्ता १२० सम्पादकीय नोट, १२१ साहित्य परिचय और सम्मेलन (दो लेख), १२२ हिन्दी का अप्रकाशित जैन साहित्य, १२३ जैन साहित्य मे आगरा, १२४ ज्ञान भूषण नामके दो विद्वान, १२५ भ० यशकीर्ति, १२६ अर्हद् महानद, १२७ दिल्ली का इतिहास ।

अनुवादित व सम्पादित—(१) समाधित भाषा और इष्टोपदेश (२) एकीभाव स्तोत्र (३) अध्यात्म कमल मार्तण्ड (४) मोक्ष मार्ग प्रकाश (५) सुख की एक झलक (६) श्रावक धर्म संग्रह (७) जैन साहित्य शिक्षा सग्रह (८) प्रशस्ति सग्रह की प्रस्तावना (९) 'अनेकान्त' का प्रकाशन तथा सम्पादन ।

७. श्री ऋषभ चरण जैन

उपन्यासकार व कहानीकार

धर्मपुरा, किनारी बाजार

उपन्यास—१ मन्दिर दीप, २. तपोभूमि, ३. हिज हाइनेस, ४. हर हाइनेस, ५ चम्पाकली, ६ बुर्दाफरोश, ७. मयखाना, ८ तीन इक्के, ६ पैसे का साथी १०. वेश्या पुत्र, ११. मास्टर साहब, १२, रहस्यमयी, १३. भाई, १४ भाग्य, १५ गदर, १६ सत्याग्रह, १७ कंठहार, १८ राज कुमार भोज।

कहानी संग्रह—१६ नर्क धाम, २० चादनी रात २१. बिखरे मोती, २२. हडताल।

अनूदित—२६ वह कौन थी, २४ कैदी, २५. षडयन्त्र कारी, २६. महापाप, २७ देवदूत, २८. अफीम का अड्डा २६ दीप शिखा।

८ श्री अक्षय कुमार जैन एम. ए.

लेखक, कहानीकार व पत्रकार

प्रधान सम्पादक, नवभारत टाइम्स २२८१६१

१०, दरियागंज

निवास—३३-३४ नेताजी सुभाष मार्ग २२४६६०

उपन्यास व कहानियां आदि—'परित्यक्ता' (१६३६) 'युग पुरुष राम' (१६५४ उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा पुरस्कृत) 'साहसी मसार' (१६५५), ईरान की कहानिया (१६५७) 'दूसरी दुनिया (१६५६), 'ब्रिटेन मे चार सप्ताह'(१६६१) कुरु प्रदेश की कहानिया (१६६६) आदि।

६. श्री यशपाल जैन, एम. ए., एल एल. बी

निबन्धकार, कहानीकार, व पत्रकार

निवास ७/८ दरियागज २२६३२६

कार्यालय—सस्ता साहित्य मंडल ४०५०५

कनाट सर्कस

कहानी संग्रह—'नव प्रसून' 'मैं मरूगा नही' 'निराश्रिता' धारावाहिक उपन्यास, आदि।

लेख, व निबन्ध तथा अन्य पुस्तकें—'जय अमरनाथ' 'उत्तरा खड के पथ पर' आदि। 'तीर्थंकर महावीर' 'कोणार्क' 'जगन्नाथपुरी' 'अमरनाथ' 'अजन्ता एलोरा, 'गोमुख' आदि।

अनुवाद—स्टीफन ज्विग के 'विराट' नामक उपन्यास का अनुवाद।

सम्पादन कार्य (१)—'प्रेमी अभिनन्दन ग्रंथ' 'श्री जवाहर लाल नेहरू की कुछ पुरानी चिट्ठिया' लूई फिशर की 'गाधी की कहानी' 'एलन कैम्पबेल जानसन की 'भारत विभाजन की कहानी' तथा सस्ता साहित्य मंडल द्वारा प्रकाशित 'समाज विकास माला' की पुस्तकें आदि।

'जीवन-सुधा' मासिक व 'मधुकर' पाक्षिक आदि के भूतपूर्व सम्पादक। सस्ता साहित्य मंडल की पत्रिका 'जीवन साहित्य' के वर्तमान सम्पादक।

१०. श्री माई दयाल जैन, बी०ए०

कार्यालय व निवास } ४५६६ डिप्टी गज सदर बाजार

स्व-रचनाएं—'सदाचार, 'शिष्टाचार और स्वास्थ्य', 'हमारा विधान' 'स्वतन्त्र देश के नागरिक' 'अशोक चक्र' 'सरकार कैसे चलती है' 'बाहुबली और नेमिनाथ' आदि।

अनुवाद कार्य—'प्रभावशाली जीवन' 'टूटे हुऐ पर' 'अगुआ और बन्दुशे फूल', 'यात्री'

११. डा० बिमल कुमार जैन एम. ए., पी. एच. डी.

निबन्ध व पुस्तकादि—'सूफीमत और' हिन्दी साहित्य (पी. एच. डी का प्रबन्ध) 'तुलसीदास और उनका साहित्य' 'हिन्दी साहित्य रत्नाकर', 'हिन्दी के अर्वाचीन रत्न',।

सम्पादित ग्रन्थ—श्री रतनचन्द जी महाराज का जीवन चरित्र, रश्मि का सूर विशेषाक।

कवि व शायर

श्रीमती दिनेश नन्दिनी
३, सिकन्दरा रोड
श्री विजय चन्द्र जैन
दरियागंज
श्री चन्दूलाल 'अख्तर'
२२० दरीबा कलां
श्री अनूपचन्द्र 'आफताब' पानीपती
सी-१ माडल टाउन
श्री शेरसिंह 'नाज़'
पहाड़ी धीरज, सदर बाजार
श्री दिगम्बर प्रसाद 'गौहर'
दरीबा कलां
श्री सुमत प्रसाद 'शौक़'
सहा० सम्पादक—दैनिक 'तेज' २२४२४८
२२० दरीबा कलां
श्री सुलेख चन्द्र 'क़ाबिल'
२७८ गली पनिहारी, तेलीवाड़ा
श्री प्रेमचन्द्र 'तस्कीन'
३३४७ गली अमरसिंह, मोरीगेट
जुगमंधरदास 'युगेश'
कूंचा सेठ
हीरालाल 'कौशल'
सदर बाजार
दलीपसिंह 'कागजी'
भाई वाड़ा
पं० मक्खनलाल
७धरा, धर्मपुरा
कु० त्रिशला जैन
(इंद्रा होजरी मिल्स)
बस्ती हर्फूलसिंह, सदर थाना रोड

लेखक, निबन्धकार व कहानीकार आदि

श्री पन्नालाल अग्रवाल
गली कन्हैयालाल अत्तार, बल्लीमारान, चावड़ी बाजार
पं० बनवारीलाल स्याद्वादी
२२०० गली भूत वाली, धर्मपुरा
श्री मुनीन्द्र कुमार, सहायक सम्पादक 'खेती' ३०१९१/७
डी. २/९ माडल टाउन, माल रोड
श्री राकेश जैन, सम्पादक 'समाज कल्याण' ४५७९७
गली नाई वाली नं० २, करोल बाग
डा० महावीर प्रसाद जैन
शौकी रतनलाल जैना
३८ गली नाई वाली, करोल बाग
श्री नेमी चन्द्र जैन
श्री शान्ती भाई वी. सेठ २२४३०७
१३९० चांदनी चौक
श्री छोटेलाल जैन
श्री नरेन्द्र गोयल
करोसपोंडेट, इन्डियन एक्सप्रेस
श्री [illegible]ब चन्द्र
१३५ मोडल बस्ती

पंडित व विद्वान

आचार्य जुगल किशोर मुख्तार
वीर सेवा मन्दिर, २१, दरियागंज
पं० दरबारी लाल कोठिया न्यायाचार्य
वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज
पं लाल बहादुर शास्त्री
समंतभद्र संस्कृत विद्यालय, दरियागंज
पं० प्रकाश चन्द्र 'हितैषी' शास्त्री
५३५ गाधी नगर
पं चन्द्र मोलि शास्त्री
जैन बाल आश्रम, दरियागंज
ब्र० गुणमाला जी
जैन महिलाश्रम, १, दरियागंज
पं शिखर चन्द्र
वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज
श्री प्रेम चन्द्र
७/३२ दरियागंज
पं० राजकृष्ण जैन
२३ दरियागंज

पं० मथुरा दास शास्त्री
दरियागज

पं० मुन्नालाल
दरियागज

पं० बाबू लाल
जैन बाल आश्रम, दरियागज

प कुंदन लाल
दरियागज

पं० सुरेश चन्द्र
जैन बाल आश्रम, दरियागज

पं० परमानन्द शास्त्री
जैन साहित्य सदन, चादनी चौक

प० मक्खन लाल महोपदेशक
छ.घरा, धर्मपुरा

प० बनवारी लाल स्याद्वादी
२२०० गली भूतवाली, धर्मपुरा

ज्ञान चन्द्र धर्मालंकार
दरियागज

प० सुमेर चन्द्र शास्त्री
१३१४ गली गुलियान

प० फूल चन्द 'अनोकाती
१७०५ मोहन भवन, चादनी चौक

श्री शाति भाई वी. सेठ
१३६० चादनी चौक

प० दलीप सिंह कागजी
धर्मपुरा

श्री पन्नालाल जैनी
चर्खेवालान, चावडी बाजार

श्री जुगल किशोर कागजी
दुजाना हाउस, चावडी बाजार

पं० मामन सिह 'प्रेमी'
३६ डिप्टीगंज

श्री माई दयाल जैन
४५६६ डिप्टीगज

प० हीरालाल 'कौशल'
सदर बाजार

प० अजित कुमार शास्त्री
अहाता किदारा, पहाड़ी धीरज

डा० इद्र चन्द्र शास्त्री
१०/१७ शक्ति नगर २२६६३२

श्री मुनीन्द्र कुमार ३०१६१/७
डी. २/६ माडल टाउन, माल रोड

प० सुखमाल चन्द्र
२० सी बेअर्ड रोड

प० रतन लाल
३८ सी. बेअर्ड रोड

श्री जय कुमार
१ बी बंगला साहब मार्ग

प० खेम चंद्र
ए २०/३ लोदी रोड

प० शकर लाल
रोहतक रोड

प० सुखानन्द
रोहतक रोड

पं० जनेश्वर दास
छत्ता हिंगामल, दिल्ली-शाहदरा

सार्वजनिक क्षेत्रों में जैन पदाधिकारी

रिसर्च एण्ड डवलपमेंट कमेटी, डिफेंस मिनिस्ट्री

चेअरमेन—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

नेशनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव काउंसिल
नई दिल्ली

सदस्य—श्रीमती लीलावती मुंशी
भारतीय विद्या भवन चौपाटी रोड
बम्बई।

जोनल रेलवे यूजर्स कंसलटेटिव कमेटी
(नार्दन रेलवे—नई दिल्ली)

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन
निवास—चांदनी चौक
मारवाड़ी लायब्रेरी के ऊपर २२३८०६
कार्यालय—बिल्डवेल स्टोर्स, जी. बी. रोड २२६७०६

पेसेन्जर इमेनिटीज कमेटी

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

टाइम टेबल कमेटी

चेअरमेन—श्री एस पी. लाल ४५०६०
चीफ आपरेटिंग सुपरिन्टेंडेन्ट
बड़ोदा हाउस ४५६७१
सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

डिवीजनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी
(दिल्ली डिवीजन—नई दिल्ली)

सदस्य—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

काउंसिल आफ साइंटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च
रफी मार्ग

सदस्य (गवर्निंग बाडी)—डा० डी.एस. कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

एयरोनोटीकल रिसर्च कमेटी
(सी एस. आई. आर)

चेअरमेन—डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
५ यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

इण्डियन कोआपरेटिव यूनियन लिमिटेड
जनपथ

जनरल सेक्रेटरी—श्री एल सी. जैन ४४६०८
४३ गोल्फ लिंक्स ७५१७०

पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ एडवाइजरी कमेटी
(दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन)

सदस्य—श्री पी आर. मित्तल
६५५ सदर बाजार २२८७२०

गवर्नमेंट आफ इण्डिया पेनल आफ वाचेज, क्लाक्स एण्ड टाइम पीसेज

सदस्य—श्री के सी जैन २२६६६०
७/३२ दरियागज २२६२८३

बुक सेलेक्शन कमेटी
(एजूकेशन डायरेक्टोरेट—दिल्ली प्रशासन)

चेअरमेन—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

सीमेंट एडवाइजरी कमेटी
(दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन)

सदस्य—(१) श्री डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

(२) श्री हेमचन्द्र जैन ५५६८४
पहाडी धीरज २२६५७३
(३) श्री मंगतराम जैन ४३५६१
(अशोका मार्केटिंग लिमिटेड)
४८ दरियागंज २२५५८७

यूनाइटेड चेम्बर आफ ट्रेड एसोसिएशंस

संयुक्त मंत्री—पी. आर मित्तल २२८७२०
६५५ सदर बाजार
डेलीगेट—(१) डिप्टीमल जैन
(दिल्ली बिल्डिंग मेटीरियल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
मारवाड़ी लायब्रेरी के ऊपर २२३८०६, २२६७०६
चादनी चौक
(२) बसत लाल घटे वाले २२३०८२
(दिल्ली स्वीटमीट मर्चेन्टस एसोसियेशन)
चांदनी चौक
(३) किशन चन्द्र जैन
(आल दिल्ली सर्राफा एसोसियेशन)
(४) राम नारायन जैन २२४७२७
(दिल्ली ग्रेन मर्चेन्टस एसोसियेशन)
नया बाजार
(५) उत्तमचन्द्र जैन २२७७४६
(६) खैरती लाल जैन
(दिल्ली आयल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
नया बाजार
(७) गिरधारी लाल जैन
(दिल्ली स्टेशनर्स एसोसियेशन)
चावडी बाजार २२६४२३
(८) ला० नन्हेमल जैन २२६४७८
(मेटल मर्चेन्टस एसोसियेशन)
बाराटूटी, सदर बाजार २२६७६२
(६) श्री इन्द्र चन्द जैन
(श्री महालक्ष्मी बुलियन एक्सचेज लिमिटेड)
(१०) श्री आर. डी. जैन ४७८५७
(साइंस एपेरेटस डीलर्स एसोसियेशन)
जैन भवन, छप्पर वाला कुआं, करोलबाग ५५१६१
(११) श्री देवेन्द्र कुमार ओसवाल
(व्योपार एसोसियेशन)
सदर बाजार २२६४६०

दिल्ली हिन्दुस्तानी मर्केंटाइल एसोसियेशन

चांदनी चौक २२४७८७
व्यवस्थापिका सदस्य—(१) श्री अमरनाथ जैन
(न्यादरमल अमरनाथ जैन)
कटरा नया, चांदनी चौक २२८०४७
(२) श्री हेमचन्द्र जैन
(छज्जूमल हेमचन्द्र)
कटरा लाल, चादनी चौक २२६७८४

दिल्ली चेम्बर आफ कामर्स

देशबन्धु गुप्ता रोड, पहाडगज
सदस्य व व्यवस्थापिका } ला० राजेन्द्रकुमार जैन ४५८२८
११ कौलिग रोड ४७६५६

आल इंडिया ग्लास मेनुफेक्चरर्स फेडरेशन

गोविंद मेशन, कनाट सर्कस
प्रधान—सी. एल जैन
फीरोजाबाद (उ० प्र०)
दिल्ली कार्यालय—५४१ एस्प्लेनेड रोड २२४५४३

इंडियन सुगर मिल्स एसोसियेशन

बैनर्जी बिल्डिंग, आसफ अली रोड
ब्राच सेक्रेट्री—श्री बी. पी. जैन २२०४४६
६६ मोडल बस्ती २२७१६८

आल दिल्ली सर्राफा एसोशियेसन

प्रधान—श्री किशनचन्द्र जैन
मन्त्री—ला० महताब सिंह जैन २२८४२८
१७३४ दरीबा कला २२६३६६

दिल्ली बिल्डिंग मेटीरियल मर्चेन्टस एसोशियेसन

प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२३८०६
जी बी. रोड २२६७०६
कोषाध्यक्ष—श्री बिल्लोमल जैन
जी. बी. रोड

फैक्ट्री ओनर्स एसोसियेशन

प्रधान—श्री भीखूराम जैन २२७३२७
१५४६/३ एस पी. मुकर्जी मार्ग ५४२५६

दिल्ली फैक्ट्री ओनर्स फेडरेशन

सदस्य व्यवस्थापिका } श्री रविप्रकाश जैन ४५८२८
११ कौलिंग रोड ४७६५५

दिल्ली आयरन एण्ड हार्डवेयर मर्चेंटस एसोसियेशन

व्यवस्थापिका
सदस्य—ला० शाम लाल जैन ४०६५६
(मै० महावीर प्रसाद एण्ड संस)
चावड़ी बाजार २२६७३५

दिल्ली मोटर ट्रेडर्स एसोसियेशन

पी. बी. १०६८ कश्मीरी गेट
कोषाध्यक्ष—श्री एम एस जैन
(लक्ष्मी मोटर कं०)
डा० मुकर्जी मार्ग २२५६५४

दिल्ली ग्रेन मर्चेंटस एसोसियेशन

मंत्री—श्री राम नरायन जैन २२४७२७
नया बाजार

दिल्ली स्वीटमीट मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० बसन्तलाल घटेवाला
चांदनी चौक २२३२०८

दिल्ली थ्रेड बाल मेनुफेक्चरर्स ऐसोसियेशन

सदर बाजार
प्रधान मंत्री—श्री पी. आर मित्तल
६५५, सदर बाजार २२८७२०

दिल्ली आयल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—श्री उत्तम चन्द्र जैन
नया बाजार २२७७४६
मंत्री—श्री खैराती लाल जैन
नया बाजार

मेटल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० नन्हेमल जैन २६४७८
बाराटूटी, सदर बाजार २६७६२

दिल्ली इलेक्ट्रीकल ट्रेडर्स एसोसियेशन

प्रधान मन्त्री—श्री अजीत प्रसाद जैन
(सुप्रीम इलेक्ट्रिकल क०)
इलेक्ट्रीकल मार्केट,स्टैट बैंक के पीछे, चांदनी चौक

फेडरेशन आफ सदर बाजार ट्रेड एसोसियेशन

प्रधान मन्त्री—श्री पी. आर. मित्तल
६५५ सदर बाजार २२८७२०

फ्रूटस एण्ड वेजीटेबल मर्चेंटस एसोसियेशन

प्रधान—ला० लट्टोमल जैन
(लट्टोमल नानूराम जैन)
४२०० आर्यपुरा, सब्जी मण्डी २२६७४४

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसियेशन

२६-ए. न्यू सेन्ट्रल मार्केट, कनाट सर्कस
प्रधान—श्री जुगल किशोर जैन
दुजाना हाउस, चावड़ी बाजार २२६१०५

दिल्ली वाच डीलर्स सिंडीकेट

पी. बी. १७५१, नई दिल्ली
जनरल सैक्रेटरी—श्री कैलाशचन्द्र जैन
(जयना वाच कम्पनी)
७/३२ दरियागंज २२६२८३

स्माल स्केल इन्डस्ट्रीज एसोसियेशन

३३ डिप्टीगज
जनरल सेक्रेट्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन ५२३१३
३३ डिप्टीगज २२६३२६

दिल्ली स्टाक एक्सचेंज

डायरेक्टर—श्री प्रेमचन्द्र जैन
३२ हनुमान रोड

दिल्ली विश्वविद्यालय

(सदस्य-कोर्ट)

डा० डी. एस कोठारी ३२७६८
एम एस सी, पी एच. डी, एफ. एन. आई.
५ यूनीवर्सिटी मार्ग २२४३३३
डा० बी डी. जैन
एम.एस सी., पी एच.डी (लंदन) डी आई.सी. (लदन)
प्राध्यापक (कैमिस्ट्री)—दिल्ली यूनिवर्सिटी
श्री बशीलाल जैन
बी. एस सी, लेक्चरार—हिन्दू कालेज

सदस्य-एकेडेमिक काउंसिल

डा० डी. एस. कोठारी ३२७६८
एम. एस. सी., पी. एच. डी., एफ. एन. आई
५, यूनिवर्सिटी मार्ग २२४३३३

डा० एम. पी. जैन
बी. ए. (ग्रानर्स) एल. एल. एम., जे. एम. डी.
रीडर—ला फैकल्टी, दिल्ली विश्वविद्यालय

सदस्य—साइंस फेकल्टी

डा० डी. एस. कोठारी ३२७९८
(एक्स ग्राफीसिग्रो)
एम.एस.सी., पी एच.डी., एफ.एन.ग्राई. २२४३३३
५ यूनिर्वासिटी मार्ग

डा० बी. डी. जैन
(एक्स ग्रोफीसिग्रो)
एम.एस.सी, पी एच.डी. (लदन) डी ग्राई सी (लन्दन)
प्राध्यापक (कैमिस्ट्री)—दिल्ली विश्व विद्यालय

सदस्य-बोर्ड ग्राफ रिसर्च स्टडीज फार साइसेज

डा० डी. एस. कोठारी ३२७९८
एम एस. सी., पी. एच. डी.
एफ. एन. ग्राई. (फिजिक्स) २२४३३३

सदस्य—लायब्रेरी कमेटी

डा० डी एस. कोठारी ३२७९८
एम. एस. सी, पी. एच डी.
एफ. एन ग्राई. २२४३३३

साइंस कोर्सेज एडमिशन कमेटी

डा० डी. एस. कोठारी ३२७९८
एम. एस. सी, पी. एच. डी., एफ. एन. ग्राई.

ला कोर्सेज एडमिशन कमेटी

डा० एम बी. जैन
बी. ए. (ग्रानर्स) एल. एल एम.
जे. एस. डी.

कोर्सेज व स्टडीज कमेटी

साइंस फैकल्टी (फिजिक्स)

डा० डी. एस कोठारी ३२७९८
एच.एस.सी., पी.एच डी., एफ. एन. ग्राई. २२४३३३
एक्स ग्राफीसिग्रो चेग्ररमेन

साइंस फैकल्टी—कैमिस्ट्री

सदस्य—डा० बी. डी. जैन
एम. एस. सी, पी. एच. डी., डी. ग्राई. सी.

नर्सिग

सदस्य—श्रीमती पी. जैन
बी एस. सी. (ग्रानर्स)
एम. एस सी. (यू. एस. ग्रो)
कालेज ग्राफ नर्सिग, नई दिल्ली

एस्ट्रोनोमी व एस्ट्रोफिजिक्स

डा० डी. एस. कोठारी ३२७९८
एम. एस. सी., पी. एच. डी, एफ. एन. ग्राई.
५ यूनिर्वासिटी मार्ग २२४३३३

हिस्ट्री ग्राफ साइंस व साइंटिफिक मेथड

डा० डी एस. कोठारी ३२७९८
एम. एस. सी., पी. एच. डी.
एफ. एन. ग्राई. २२४३३३

डा० बी डी. जैन
एम. एस. सी., पी, एच. डी., डी. ग्राई. सी.

इण्डियन फिजीकल सोसायटी

प्रेसीडेंट—डा० डी. एस. कोठारी ३२७९८
५ यूनिर्वासिटी मार्ग २२४३३३

इण्डियन साइंस कांग्रेस

(फिजिक्स सेक्शन)

प्रेसीडेट—डा० डी. एस. कोठारी ३२७८८
५ यूनिर्वासिटी मार्ग २२४३३३

नेशनल इन्स्टीच्यूट ग्राफ साइंसेज आफ इण्डिया

मथुरा रोड

एडीटर ग्राफ पब्लीकेशन्स—
डा० डी. एस कोठारी २३१५१९
५ यूनिर्वासिटी मार्ग २२४३३३

साहित्य ऐकेडमी

सदस्य गवनिंग बोडी—श्री जैनेन्द्र कुमार
७/३६ दरियागंज २२४१०६

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
दिल्ली

जनरल सेक्रेट्री—श्री अक्षयकुमार जैन २२४६६०
३३-३४ नेता जी सुभाष मार्ग
व्यवस्थापिका समिति सदस्य (१) श्री भगतराम जैन २४६६०
२०२३ बहादुरगढ़ रोड
(२) श्री जसवतसिंह जैन २२३८११
२५-डी कमलानगर
(३) श्री श्रीपाल जैन
सेंट्रल हिंदी डायरेक्टोरेट

दिल्ली लायब्रेरी एसोसियेशन

उप-प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चांदनी चौक २२३८०६

रिसर्च कमेटी—हिन्दी विभाग—दिल्ली विश्वविद्यालय

जनरल सेक्रेट्री—डा० बिमलकुमार जैन २२६८०२
प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

हिन्दी प्रचार समिति, दिल्ली

प्रेसीडेंट—डा० बिमलकुमार २२६८०२
प्राध्यापक, दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन

आर्यपुरा, सोहनगंज मंडल

प्रधान—डा० बिमलकुमार २२६८०२
दिल्ली कालेज, अजमेरी गेट

प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन
दरियागंज मण्डल

प्रधान—श्री अक्षयकुमार जैन २२८१६१
३३-३४ नेता जी सुभाष मार्ग २२६४६०

कोषाध्यक्ष—श्री प्रकाशचन्द्र २२४५३५
सदस्य व्यवस्थापिका समिति श्री गोकुलप्रसाद जैन ३६३१६
२१, दरियागंज

इंटरनेशनल एकेडमी आफ इंडियन कल्चर

जे-२२ हौज़ खास एन्क्लेव
प्रधान—श्री आर० के० जैन ४५८२८
११ कीलिंग रोड ४७६५६

यूनाइटेड स्कूल्स आर्गेनाइजेशन आफ इंडिया

१७१५ आर्य समाज रोड
जनरल सेक्रेट्री—श्री जियालाल जैन २१५३४०
आर्य समाज रोड ५२६४४

दी इंटरनेशनल कल्चरल फोरम

२६५३ रोशनपुरा, नई सडक
सेक्रेट्री जनरल श्री एस पी जैन 'नसीम'
२६५३ रोशनपुरा, नई सडक २२३७१६

रोटेरी क्लब आफ इन्डिया

२०/१ आसफअली रोड, दिल्ली शाखा
कोषाध्यक्ष—श्री जवाहर लाल राकयाज ४८४३२
१४५ सुन्दर नगर ७५४६४

इंडियन वेजीटेरियन कांग्रेस
दिल्ली शाखा (फोन-२६४०५)

वाइस प्रेसीडेंट सेठ आनन्द राज सुराणा
१३६८ चादनी चौक
उप मंत्री—(१) श्री निहाल चन्द राकयाण
(२) श्री अमृतलाल जिंदल
८१५ सुन्दर नगर

दिल्ली नेचरोपोथिक सोसायटी

उप प्रधान—ला० डिप्टीमल जैन २२६७०६
चादनी चौक २२४८०६

इंडियन रेड क्रास सोसायटी

दिल्ली स्टेट ब्रांच
सदस्य व्यवस्थापिका—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

इंडियन रेडक्रास सोसायटी

दिल्ली-शहादरा शाखा
प्रधान—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
शारदा भवन, गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

टी. बी. आफ्टर केयर कमेटी

सदस्य— व्यवस्थापिका } श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१ गली जैन मन्दिर

दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

भारतीय महिला एजूकेशनल सोसायटी

मैनेजिंग डायरेक्टर—श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१
शारदा भवन, गली जैन मन्दिर
दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

श्री फीरोज गांधी मेमोरियल कमेटी

कन्वीनर—श्री बलबीर चन्द जैन ३६३१६
३६५ चित्रगुप्त रोड

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी

अजमेरी गेट

सदस्य—श्री सुमेर चन्द्र
निकल्सन रोड २२५८१६

डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी

दिल्ली नगर

सदस्य (व्यवस्थापिका समिति)-ला० डिप्टीमल जैन २६७०६
चादनी चौक २२३८०६

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सदस्य दिल्ली म्यू० कार्पोरेशन } श्री भीखूराम जैन २५६६६ पहाड़ी धीरज २७३२७

डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी

नई दिल्ली

व्यवस्थापिका
सदस्य—ला० उल्फत राय जैन
१०५ बेग्रर्ड रोड ४७३१८

इलेक्टोरल कालेज राज्य सभा

सदस्य—श्री उल्फत राय जैन
१०५ बेग्रर्ड रोड ४७३१८

मंडल कांग्रेस कमेटी

दरीबा

सेक्रेट्री—श्री भाग चन्द्र जैन
देव नागरी विद्यालय, किनारी बाजार

मंडल कांग्रेस कमेटी

विनय नगर

सेक्रेट्री—श्री अजित प्रसाद जैन
एफ १६७ (सी. टाइप) लक्ष्मीबाई नगर
युसुफसराय

मंडल कांग्रेस कमेटी

दिल्ली छावनी

उप प्रधान—ला० चम्पालाल जैन

भारतीय जनसंघ

अजमेरी गेट

उप प्रधान—श्री किशन लाल

राम नगर दरीबा पान मंडल

उप प्रधान—श्री धर्मचन्द्र जैन

पहाड़गंज मंडल

उप प्रधान—श्री सूरज भान जैन, प्रतिनिधि
श्री रतन लाल म्यू० कांउसिलर

चांदनी चौक मंडल

मंत्री—श्री शीतल प्रसाद जैन

बल्लीमारान मंडल

उप प्रधान—श्री सुन्दर लाल

डिप्टीगंज मंडल

उप प्रधान—श्री मानक चन्द्र जैन
स० मंत्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन
कोषाध्यक्ष—जी हुकुम चन्द्र जैन
प्रदेश प्रतिनिधि—श्री ओम प्रकाश, म्यू कांउसिलर

माली वाड़ा मंडल

मंत्री—श्री जम्बू प्रसाद जैन

कमला नगर मंडल

सदस्य

व्यवस्थापिका—श्री योगेन्द्र कुमार जैन

नजफगढ़ मंडल

मंत्री—श्री ज्योती प्रसाद

दिल्ली-शाहादरा

कोषाध्यक्ष—श्री सूरजभान

भारतीय जनसंघ समिति, माडल टाउन

उप प्रधान—श्री अमीर सिंह जैन

डी. २/६ माडल टाउन

आल इण्डिया डिप्रेस्ड क्लासेज यूथ लीग

१३ शंकर मार्केट

आफिस सेक्रेट्री—श्री बलबीर चन्द्र जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

हिन्द स्वीपर्स सेवक समाज

१६६ नार्थ एवेन्यू

सोशल सेक्रेट्री—श्री बलबीर चन्द्र जैन २२६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

बाल्मीक सेवक समाज

१७ नार्थ एवेन्यू

जनरल सेक्रेट्री—श्री बलबीर चन्द्र जैन ३६३१६

३६५ चित्रगुप्त रोड

सेंट्रल सेक्रेटेरियट असिस्टेंट्स ग्रेड एसोसियेशन

कोषाध्यक्ष, उप-प्रधान—श्री आर० आर० जैना

१०२ बैरन रोड

जनरल सेक्रेट्री—श्री कैलाश चन्द्र जैन

२७ क्लाइव स्क्वेअर

डिपार्टमेंटल स्टाफ क्लब, आर्मी हेड क्वार्टर्स

चेअरमेन—श्री हंस कुमार जैन ३१२५५

२७ हेवलाक स्क्वेअर

डी. ए. जी. (पी. एण्ड टी.) स्टाफ क्लब ओल्ड सेक्रेटेरियट

प्रेसीडेंट—श्री अरिदमन कुमार जैन

५१ थामसन रोड

स्वतन्त्र कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड

(किलोकरी गांव) रिंग रोड

सेक्रेट्री—गुलाब चन्द्र जैन ७३८५६

दिलशाद ट्रस्ट

सेक्रेट्री—श्री लक्ष्मीचन्द जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मंदिर

दिल्ली-शहादरा २३२०१/२०७

चेम्सफोर्ड क्लब

रायसीना रोड

सदस्य व्यवस्थापिका समिति — श्री रवि प्रकाश जैन ४५८२८

११ कौलिंग रोड ४७६५६

दरियागंज एसोशियेसन

प्रधान—श्री नाहरसिंह जैन

४० नताजी सुभाष मार्ग २७५६१

शाहदरा यूथ फेस्टीवल कमेटी

प्रधान—श्री लक्ष्मीचन्द जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मंदिर

दिल्ली-शहादरा २२३२०१/२०७

श्री रामलीला कमेटी

दिल्ली-शहादरा

वाइस प्रेसीडेंट—श्री हरीचन्द्र जैन

दिल्ली-शहादरा

आर्य कन्या मिडिल स्कूल

शहादरा

सदस्य (एक्जीक्यूटिव)—

श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ४२५२१

शारदा भवन, गली जैन मन्दिर

दिल्ली शहादरा २२३२०१/२०७

दिल्ली के १०१ दर्शनीय स्थान

१ लाल किला—यह दिल्ली के दर्शनीय स्थानो मे सबसे प्रमुख है। इसका निर्माण सम्राट शाहजहा ने सन् १६३८ मे आरम्भ किया था और १० वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद सन् १६४८ मे पूर्ण हुआ। उस काल के अनुसार इसकी लागत का अनुमान एक करोड रुपया लगाया जाता है। किले की चहार दीवारी लगभग १½ मील लम्बी है। अन्दर से किले की लम्बाई ३,००० फुट और चौडाई १,८०० फुट तक है। किले की दीवार नदी की ओर ६० फुट तथा शहर की ओर ११० फुट तक ऊंची है। किले मे जाने के लिए दो मुख्य द्वार है। इनमे से चादनी चौक की ओर वाले द्वार को 'लाहौरी गेट' और जामा मसजिद वाले द्वार को 'दिल्ली गेट' कहते है।

लाल किले के पुराने नाम "किला-ए-मुबारक', 'किला-ए-शहजहानबाद' व 'किला-ए-मुल्ला' आदि भी है। किले के अन्दर वर्तमान दर्शनीय स्थानो मे से 'नौबतखाना,' 'दीवान-ए-आम' 'दीवान-ए-खास', और 'रंगमहल' प्रमुख है।

दर्शको को किले के अन्दर जाने के लिए लाहौरी गेट से टिकट खरीदना पड़ता है। किले के अन्दर प्रवेश करने के बाद सबसे पहले 'छत्ता चौक' आता है। यह एक विशाल छत के नीचे बना एक दोमंजिला बाजार है। इस बाजार में दोनों ओर ३२-३२ दुकानो की कतारें है।

छत्ता चौक से आगे बढ़ने पर एक चौकोर मैदान के अन्त में एक विशाल द्वार दिखायी देता है। इस द्वार के ऊपर बारहदरी बनी है जहां मुगल काल मे दिन मे पाच पांच बार नौबत बजा करती थी। इस भवन को 'नौबत खाना' या 'नक्कार खाना' कहते है। वर्तमान में इसमे 'भारतीय युद्ध स्मारक पुरातत्वालय' स्थापित है।

नक्कार खाने से निकलते ही 'दीवान-ए-आम' का विशाल कक्ष दिखाई पडता है। यह कक्ष सामने की ओर तीन तरफ से खुला है। कक्ष की छत को सहारा देने के लिए सामने की ओर ६ महराब है और उनके पीछे चौडाई मे ३-३ महराबो की कतार है। पीछे की दीवार के मध्य में संगमरमर की परछत्ती बनी है जिसे 'नशीमन-ए-जिल-ए-इलाही' कहा जाता है। इस परछत्ती के साथ बने छज्जे पर राजा के बैठने का स्थान रहता था।

दीवान-ए-खास के पास एक अन्य भवन है जिसे 'मुमताज महल' कहा जाता है। किसी समय यह भवन शाही हरम का एक भाग था। अग्रेजी काल मे बहुत दिनो तक इसको सैनिक कारागार रखा गया। वर्तमान मे इस भवन मे 'पुरातत्व म्यूजियम' स्थापित है। जिसमे प्राचीन अभिलेखो, सिक्कों, चित्रों आदि का अमूल्य सग्रह है।

शाही हरम का दूसरा प्रमुख भवन 'रग महल' है। यह प्रमुख बेगम का निवास गृह हुआ करता था। भवन की पूर्वी दीवार में पाच खिड़कियां हैं। जहा से बेगमें हाथियों का युद्ध देख सकती थी। भवन के मध्य मे संगमरमर की एक नहर बनी है जिसमे स्थान स्थान पर फुहारे बने है। इस नहर का उद्गम एक विशाल फुहारे से है। जिस पर फूल पत्तियों की अनोखी कारीगरी की गयी है। इस नहर को 'नहर-ए-बहिश्त' कहा जाता है।

'दीवान-ए-खास' तीन कमरो का एक समूह है। मध्य के कमरे से मिला एक बुर्ज है जिसे 'मुसम्मन बुर्ज' कहा जाता है। इस बुर्ज पर खड़े होकर राजा अपनी प्रजा को दर्शन दिया करते थे। यह सारा भवन सफेद संगमरमर का बना हुआ है। मध्य के कमरे का आकार ४८' × २७'
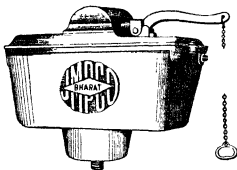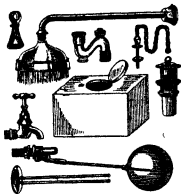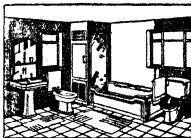
फुट है और इसकी छत पर सोने चांदी का काम बना है। इसी भवन में इतिहास प्रसिद्ध 'म्यूर सिंहासन' या 'तख्त-ए-ताउस' रखा रहता था। जिसकी लागत का अनुमान ६ करोड़ रुपया था। सन् १७३६ मे नादिरशाह इस सिंहासन को लूटकर ईरान ले गया।

'दीवान-ए-खास' के उत्तर मे शाही स्नानघर 'हम्माम' बना है। इस हम्माम मे नहाने के लिए ठंडे व गर्म पानी था प्रबन्ध रहता था। गुलाब जल से सिंचित एक फुहारे का भी प्रबन्ध है। कहा जाता है कि इस हम्माम को एक बार गर्म करने के लिए १२५ मन लकड़ी की आवश्यकता होती थी।

शाहजहा ने अपने काल में किले मे कोई मस्जिद नही बनवाई थी। परन्तु औरंगजेब ने १६ लाख रुपये की लागत से 'मोती मस्जिद' का निर्माण करवाया। यह मस्जिद सफेद और भूरी धारी वाले संगमरमर के मेल से बनी है।

इनके अतिरिक्त किले मे 'हीरा महल', 'हयात बख्श उद्यान','सावन-भादो','जफर महल' आदि दर्शनीय है। किले के नीचे बना 'फासी घर' अब दर्शको के लिए बन्द कर दिया गया है।

२ **लाल मन्दिर**—लाल किले के लाहौरी दरवाजे के सामने ही श्री दिगम्बर जैन लाल मन्दिर है। इस मदिर का निर्माण भी शाहजहा के काल मे हुआ था। मन्दिर के अन्दर सन् १८४१ मे भट्टारक जिनचन्द्र द्वारा प्रतिष्ठित भगवान पार्श्वनाथ की मूर्ति दर्शनीय है। मन्दिर के समक्ष एक मान-स्तम्भ का नवीन निर्माण हुआ है।

३ **पक्षियों का चिकित्सालय**—यह सस्था विश्व मे अपने प्रकार की एक ही सस्था है। इसके विशाल दो-मजिला भवन में ऊपर की मजिल मे बीमार पक्षियो के निवास के लिए कई भागो मे बटा एक विशाल कक्ष है। कुशल चिकित्सकों द्वारा यहा रोगी व घायल पक्षियों का इलाज किया जाता है।

४. **जैन साहित्य सदन**—लाल मन्दिर के बाहरी भाग मे यह विशाल पुस्तकालय स्थापित है। यहां पर जैन धर्म व तत्सम्बन्धी पुस्तको का संकलन किया जा रहा है। इस समय तक लगभग ७,००० अर्वाचीन व प्राचीन पुस्तकें एवं हस्तलिखित शास्त्रादि सग्रहीत किये जा चुके हैं। यहां पर रिसर्च करने वालों के लिए अध्ययन की विशेष सुविधा है।

५. **आपा गंगाधर का शिवालय**—यह लाल मंदिर के निकट ही स्थापित है। यह 'गौरीशंकर' के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसका निर्माण मुगल काल में हुआ था। मदिर के सामने के भाग में हाल ही में एक विशाल सभा भवन का निर्माण हुआ है।

६. **जामा मस्जिद**—यह देश की सबसे विशाल मस्जिद है। इसका निर्माण शाहजहा ने कराया था। यह मस्जिद लाल पत्थर व संगमरमर के मेल से बनायी गयी है। मस्जिद के अंदर का चौक ३२५ फुट आकार का है। मीनारो की ऊचाई १३० फुट है। मस्जिद के मुख्य भवन की लम्बाई २०१ फुट व चौडाई १२० फुट है। कहा जाता है कि इस मस्जिद मे पैगम्बर मुहम्मद के अवशेष सुरक्षित रखे गये है जिससे इसकी पवित्रता बढ़ गई है।

७ **जैन मंदिर, सेठ का कूंचा**—यह मन्दिर सन् १८३४ मे बना था। मन्दिर के अन्दर मुख्यवेदी के चारो ओर दीवारो पर कुशल चित्रकारों द्वारा अकित धार्मिक दृश्यावलिया दर्शनीय हैं। मूलनायक प्रतिमा भगवान ऋषभदेव की सन् ११६४ की प्रतिष्ठित है। मन्दिर के शास्त्र भंडार में लगभग १,४०० हस्तलिखित ग्रथ हैं।

८. **नया मंदिर, धर्मपुरा**—इस मन्दिर का निर्माण सन १८०० मे राजा हरसुखराय ने कराया था जो कि बादशाह शाहआलम द्वितीय के खजाची थे। उस काल मे इसकी लागत का अनुमान आठ लाख रुपए था। मन्दिर की मुख्य वेदी पर सन् १८०७ मे प्रतिष्ठित भगवान आदिनाथ की भव्य मूर्ति विराजमान है। इस मदिर मे स्फटिक, मरकत व नीलम आदि की प्रतिमाये दर्शनीय है। मूल वेदी की पच्चीकारी का काम ताजमहल की पच्चीकारी से भी सुन्दर कहा जाता है।

९. **पंचायती मंदिर**—यह मन्दिर धर्मपुरा से आगे गली मजिसद खजूर मे स्थित है। इसका निर्माण सन् १७४३ मे मुहम्मदशाह द्वितीय के सैनिक पदाधिकारी आयामल ने कराया था। इस मन्दिर में भगवान पार्श्वनाथ की श्यामवर्ण पाषाण से निर्मित ५ फुट ६ इंच ऊंची

प्रतिमा दर्शनीय है। इस मन्दिर में अनेक रत्न प्रतिमायें भी विराजमान हैं।

१०. मेहर मन्दिर—यह मंदिर मस्जिद खजूर के बाहर स्थित है। इसमे नंदीश्वर द्वीप के ५२ चैत्यालयो की अपूर्व रचना दर्शनीय है।

११. पद्मावती पुरवाल मन्दिर—यह मेहर मंदिर के पास ही स्थित है। इसका निर्माण सन् १९३६ मे पद्मावती पुरवाल दिगम्बर जैन समाज ने किया।

१२. नौघरा मन्दिर—यह मन्दिर किनारी बाजार के मुहल्ला नौघरा में स्थित है। इसका निर्माण शाहजहा के राज्यकाल मे हुआ। मन्दिर मे भगवान पार्श्वनाथ की श्याम पाषाण से निर्मित चतुर्मुखी प्रतिमा दर्शनीय है। मन्दिर के भवन मे स्वर्ण चित्रकारी भी है।

१३. वैद्यवाडा मंदिर—यह मंदिर नई सडक से आगे वैद्यवाडा मुहल्ले मे स्थित है। इस मंदिर मे स्फटिक आदि बहुमूल्य पाषाणो से निर्मित २००-२५० प्राचीन मूर्तिया दर्शनीय है। मन्दिर के शास्त्र भंडार मे अनेक हस्तलिखित ग्रथ भी है।

१४. दरीबा कलां—यह जामा मस्जिद और चादनी चौक को मिलाने वाली मुख्य सडक है। दोनो ओर सुन्दर दुकाने है जिनमे अधिकतर जौहरी व सर्राफ व्यापारी होने के कारण यह दिल्ली का सर्व प्रमुख सर्राफा बाजार समझा जाता है।

१५. शीशगंज गुरुद्वारा—दरीबा कला से चादनी चौक मे पहुचने पर यह बाए हाथ पर कोतवाली के साथ ही स्थित है। औरंगजेब के समय सन् १६२५ में इसी स्थान पर नवे गुरू श्री तेग बहादुर का बलिदान हुआ था। वर्तमान भवन का निर्माण प्रथम महायुद्ध के अन्त मे हुआ था।

१६. फौहारा—यह चादनी चौक मे कोतवाली के सामने स्थित है। १८५७ के स्वातन्त्र्य सग्राम के समय इस स्थान पर कुछ पेड़ो का समूह था जिन पर रस्सिया डालकर देशभक्तो को फासिया दी गयी थी। बाद मे कटु स्मृति को भुलाने के लिए उन पेड़ों को काटकर उस स्थान पर एक विशाल और सुन्दर फ़ुहारे का निर्माण किया। आज कल यह स्थान आवागवन का एक प्रमुख स्थान है। यहा से दिल्ली के हर भाग के लिए दिल्ली परिवहन की बस प्राप्य हो सकती है।

१७. मारवाड़ी पुस्तकालय—इस पुस्तकालय की स्थापना सन् १९१५ मे हुई थी। यह क्रांतिकारियों की योजनाओं का एक प्रमुख स्थान रहा है। इस पुस्तकालय में आजादी के इतिहास से सबधित पुस्तको का एक विशाल सग्रह था जो दमन काल मे नष्ट कर दिया गया। आजकल यह दिल्ली के सर्वप्रमुख पुस्तकालयों मे से एक है।

१८. सुनहरी मस्जिद—यह रोशन-उद्-दौला की सुनहरी मस्जिद के नाम से प्रसिद्ध है और मारवाड़ी पुस्तकालय के सामने स्थित है। इस मस्जिद के गुम्बदो पर सुनहरा पानी चढा होने के कारण ही इसका नाम 'सुनहरी मस्जिद' पडा। कहा जाता है कि इसी मस्जिद मे नादिरशाह ने अपनी तलवार उठाकर दिल्ली में कत्ले आम की घोषणा की थी और यही से शहर के विनाश का दृश्य देखा था।

१९. चांदनी चौक—यह पुरानी दिल्ली का सर्व प्रमुख बाजार है। यह लाल किले के लाहौरी गेट के सामने लाल मन्दिर से आरम्भ होकर एक मील तक फतहपुरी मस्जिद के सामने जाकर समाप्त होता है। किसी जमाने मे इस बाजार के बीचोबीच एक पक्की नहर बनी थी जो अब पाट दी गयी है। दिल्ली की समस्त पुरानी फर्मों के मुख्य कार्यालय अधिकतर इसी बाजार मे स्थित हैं। इसी बाजार मे किसी समय पुराना घटाघर स्थित था जो सन् १९५१ मे गिर गया।

२०. महावीर भवन—यह दिल्ली के श्वेताम्बर जैनों की कार्य विधि का एक प्रमुख केन्द्र है। इसी भवन मे महावीर जैन पुस्तकालय स्थापित है जिसमें जैन धर्म व तत्सम्बन्धी पुस्तको का अमूल्य संकलन है। यहा पर जैन मुनियों व साध्वियों के ठहरने आदि की बहुत सुन्दर व्यवस्था है।

२१. टाउन हाल—यह चादनी चौक के मध्य में बना एक दो मंजिला भवन है। पुरानी दिल्ली की अधिकांश सांस्कृतिक कार्रवाइया इसी भवन के विशाल 'दरबार हाल' में सम्पन्न होती हैं। आजकल यहा दिल्ली नगर निगम का मुख्य कार्यालय स्थापित है।

२२. **फतहपुरी मसजिद**—यह मस्जिद चांदनी चौक के अन्त में बाजार फतहपुरी के मध्य में स्थापित है। इसका निर्माण शाहजहां की एक पत्नी 'फतहपुरी बेगम' ने करवाया था। मस्जिद का प्रांगाढ बहुत विशाल है।

२३ **बेगम बाग या गांधी पार्क (क्वींस गार्डन)**—यह बाग दिल्ली के प्राचीन विशाल बागों मे से एक है और दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने फतहपुरी से आरम्भ होकर फुहारे तक जाता है। इसका निर्माण शाहजहाँ की पुत्री और औरगजेब की बहन जहानआरा बेगम ने कराया था। किसी समय मे इस बाग मे यात्रियो के ठहरने के लिए एक विशाल सराय थी। अब इस बाग के मध्य मे नवीन निर्माण किया गया है और महात्मा गाधी की एक मूर्ति स्थापित की गयी है।। इस बाग के फतहपुरी वाले भाग में प्रदर्शनियो का स्थान है और फुहारे वाले भाग मे एक विशाल मैदान है जहां सभा आदि होती है।

२४ **दिल्ली पब्लिक पुस्तकालय**—इस पुस्तकालय की स्थापना हाल ही मे हुई है तदापि सरकारी और विदेशी सहायता के कारण यह दिल्ली का सर्व प्रमुख पुस्तकालय एव वाचनालय बन गया है। यहा पर सास्कृतिक कार्यक्रमो मे रुचि रखने वालो के लिए एक रगशाला भी है।

२५ **हार्डिग पुस्तकालय**—यह विशाल पुस्तकालय गाधी पार्क के फुहारे वाले भाग मे बना है। यहा एक विशाल वाचनालय के अतिरिक्त अनुसधान कार्य करने वालो के लिए पढने के स्थान का विशेष प्रबन्ध है। भवन के सामने एक विशाल अशोक स्तम्भ का निर्माण किया जा रहा है।

२६. **सलीमगढ़**—लाल किले के उत्तरी सिरे पर इस किले के खडहर अब भी दिखाई देते है। यह किला शेरशाह सूरी के पुत्र सलीमशाह ने १६ वी शताब्दी के मध्य मे हुमायूं के आक्रमण से सुरक्षा के लिए बनवाया था। जहागीर ने अपने राज्यकाल मे इस किले के साथ एक पुल भी बनवाया जिस पर आजकल रेल की लाइन है।

२७. **दिल्ली पालीटेकनिक**—यह कश्मीरी गेट के पास एक प्राचीन भवन में स्थित है। यहां पर दिल्ली के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न कला कौशल के अध्ययन का प्रबन्ध है

२८. **सेंट जेम्स चर्च**—यह गिरजाघर काफी प्राचीन है। कहा जाता है कि 'जेम्स स्किनर' नामक एक अंग्रेज कर्नल ने युद्ध मे शोचनीय रूप से घायल होने पर यह प्रण किया कि यदि उसकी जान बच गयी तो वह एक गिरजाघर बनवायेगा। अच्छा हो जाने पर कर्नल और उसके सम्बन्धियो द्वारा प्रदत्त धन से इस गिरजे का निर्माण हुआ।

२६. **कश्मीरी द्वार**—दिल्ली के प्राचीन ६ द्वारो मे से बाकी बचे दो द्वारों में से यह भी एक है। इसके दोनो ओर बनी प्राचीर भी अभी तक वर्तमान है। उचित देखभाल के अभाव मे आजकल इस द्वार की स्थिति जर्जर हो गयी है। सन् १८५७ मे इस द्वार पर कब्जा करने के लिए तोपो ने इस पर भीषण गोली वर्षा की थी।

३०. **कुदसिया बाग**—यह बाग कश्मीरी द्वार के बाहर स्थित है। इसका निर्माण मुहम्मद शाह रगीले की पत्नी 'कुदसिया बेगम' ने सन् १७४८ में कराया था।

३१. **पुराना सचिवालय**—नयी दिल्ली बनने से पहले यह सरकार का मुख्य कार्यालय था। यह दिल्ली के प्राचीन भव्य भवनो में से एक है। आजकल यहा केन्द्रीय सरकार के कुछ कार्यालय स्थापित है

३२. **जीतगढ़ टावर**—यह मीनार दिल्ली विश्वविद्यालय के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। इसका निर्माण अग्रेजों ने सन् १८५७ के क्रान्ति के दमन के उपरान्त कराया था। यह लाल पत्थर की बनी तिमजिला मीनार है जिसमें ऊपर तक जाने के लिए पत्थर की चक्करदार सीढ़िया बनी हैं।

३३. **दिल्ली विश्वविद्यालय**—इस विश्वविद्यालय की गणना दिल्ली के प्रमुख विश्वविद्यालयों मे की जाती है। इस के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों के भवन एक ही क्षेत्र में बने हैं। यहां पर विभिन्न विषयों की शिक्षा का प्रबन्ध है।

३४. **जैन मन्दिर रूपनगर**—यह मन्दिर सन् १६६१ में बन कर कर तैयार हुआ। इसका निर्माण पजाब से आए हुए जैनों की संस्था श्री 'आत्मानन्द जैन सभा' द्वारा हुआ। मन्दिर का विशाल एवं कलात्मक भवन दर्शनीय है।

३५. **कारोनेशन पिलर**—यह दिल्ली विश्वविद्यालय से आगे चलकर, रेडियो कालोनी की सडक के अन्तिम छोर

पर स्थित है। यह वह स्थान है जहां पर किसी समय दरबार लगाया गया था। उसी के स्मृति स्वरूप इस पत्थर के विशाल स्तम्भ का निर्माण किया गया। इसके चारो ओर ऊचे बांध पर बबूल का वन लगाया गया है।

३६. बादली की सराय—ग्रांड ट्रक रोड से करनाल की ओर से आते हुए आजादपुर और इन्द्रानगर के बीच सराय भरौला मे इस विशाल सराय के खडहर दिखायी पडते हैं। किसी समय यह व्यापार का एक प्रमुख केन्द्र थी।

३७. शालीमार बाग—माडल टाउन से आगे करनाल रोड पर इस विशाल बाग के भग्नावशेष स्थित है। ३०० वर्ष पूव शाहजहा की पत्नी 'बेगम अकबराबादी' ने इसका निर्माण कराया। पुराने ग्रन्थो मे इस विशाल बाग की सुन्दरता का विवरण पाया जाता है। इसका निर्माण कश्मीर के बागो के अनुरूप हुआ था। अब भी विशाल बारहदरी के चिह्न दिखाई देते हैं।

३८ त्रिपोलिया द्वार—शालीमार बाग से जी. टी रोड पर आते हुए राना प्रताप बाग के सामने तीन प्राचीन द्वारो का समूह स्थित है। इन द्वारों का निर्माण सन १७२८-२९ मे एक मुगल सरदार 'नजीर महालदार खा' ने कराया था। किसी समय इन द्वारों के आगे एक विशाल प्राचीन बाजार था।

३९ रूपराम टावर—वह टावर सब्जी मण्डी के बाजार मे स्थित है और इसका निर्माण एक स्थानीय व्यवसायी ने कराया था। इस टावर मे चारों ओर विशाल घडिया लगी है।

४० रोशनआरा बाग—इसका निर्माण शाहजहां की पुत्री 'रोशनआरा बेगम' ने कराया था। बाग के सुन्दर द्वार के भग्नावशेष अब भी स्थित हैं। अन्दर की विशाल बारहदरी अभी अच्छी हालत में हैं। आजकल इस बाग के मध्य में कई लाख रुपयों की लागत से एक जापानी तरीके का बाग बनाया जा रहा है।

४१. दिल्ली मिल्क कालोनी—इसका निर्माण ईस्ट पटेल नगर के पास एक विशाल क्षेत्र में किया गया है। यह भारत की दूसरी सब से विशाल डेरी है और यहां से नगर को दूध व तत्सम्बन्धी पदार्थ शुद्ध रूप में उपलब्ध किये जाते हैं।

४२ भारतीय कृषि अनुसंधान शाला—यह पूसा मे एक विशाल क्षेत्र मे स्थित है। यहां पर कृषि सम्बन्धी समस्याओं को सुलझाने के लिए खोज कार्य होता है।

४३. राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एन. पी. एल)—यह पूसा के पास पहाडी पर स्थित है। यहां राष्ट्रीय भौतिक गवेषणा का कार्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।

४४. बुद्ध जयन्ती पार्क—यह ईस्ट पटेल नगर के पास पहाडी पर बनाया जा रहा है। यहां पर सुन्दर उद्यानो के अतिरिक्त नहर व जलाशय आदि भी बनाये जा रहे है।

४५. तालकटोरा बाग—यह शंकर रोड से बिरला मन्दिर जाने वाले मार्ग पर स्थित है। यहा पर अनेक सास्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन होता है। बाग अब भी सुन्दर स्थिति मे है।

४६ लक्ष्मीनारायण मन्दिर—पहाडी से नीचे उतर कर यह मन्दिर स्थित है। इसका निर्माण प्रसिद्ध उद्योगपति श्री बिरला ने कराया है। मन्दिर के साथ गीता भवन, व्यायाम शाला, बौद्ध मन्दिर व उद्यान आदि दर्शनीय है।

४७. हरिजन बस्ती प्रार्थना स्थल—यह स्थान हरिजन बस्ती के मध्य मे स्थित है। यहां महात्मा गाधी की प्रार्थना सभा हुआ करती थी।

४८. राष्ट्रपति भवन—अग्रेजी जमाने मे यहा वायसराय का निवास था। आजकल यहां भारत के राष्ट्रपति के रहने के साथ साथ विशेष विदेशी आभ्यागतो के निवास की भी व्यवस्था है।

४९. मुगल उद्यान—यह प्रसिद्ध उद्यान राष्ट्रपति भवन के एक भाग मे स्थित है। यहा पर देशी-विदेशी सहस्रों प्रकार के फूल व वृक्ष उगाये गये हैं। वर्ष में कई बार निश्चित अवधियों के लिए यह दर्शकों के लिए खोला जाता है।

५०. संसद भवन—यहां का विशाल गोलाकार भवन वास्तव में दिल्ली का प्रतीक बन गया है। मध्य के विशाल कक्ष में राज्य सभा व लोक सभा के सदस्यों के बैठने के लिए अर्ध गोलाकार रूप में मेज कुर्सियां लगी है। कक्ष के चारों ओर के भवनों में विभिन्न कार्यालय हैं।

५१. संसद पुस्तकालय—यह दिल्ली के सर्व प्रमुख पुस्तकालयों में से एक है। यहां पर कानून व न्याय की पुस्तकों का विशाल संकलन है।

५२. नेशनल म्युजियम आफ इंडिया—यह राष्ट्रपति भवन के एक भाग मे स्थित है। यहां अनेक अलभ्य वस्तुओं का दुर्लभ संकलन है। यह प्रात १० से ५ तक खुला रहता है।

५३. विजय चौक—राष्ट्रपति भवन के सामने यह एक विशाल चौक है जिसमें दोनो ओर सुन्दर लाल पत्थर के फुहारे बने हैं। यहा से इंडिया गेट तक एक चौड़ा राजपथ है जिसके दोनो ओर केन्द्रीय सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के भवन स्थित हैं जिनमें रेल भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन, वायुसेना भवन, विज्ञान भवन आदि बनकर तैयार हो चुके हैं।

५४. आकाश वाणी—यह ससद भवन के सामने पार्लियामेंट मार्ग पर स्थित है। इसका तिकोना भवन अनोखा बना है। यहां से देश के समस्त रेडियो केन्द्रों का सचालन होता है।

५५. रिजर्व बैंक आफ इंडिया—यह आकाशवाणी के सामने स्थित एक विशाल भवन है। यह बैंक के अतिरिक्त अनेक पूंजी सम्बन्धी सरकारी कार्यालय स्थित है।

५६. जंतर मंतर—रिजर्व से आगे एक सुन्दर पार्क मे यह विभिन्न आकार प्रकार की इमारतो का समूह है। इसका निर्माण जयपुर के प्रसिद्ध राजा जयसिंह द्वितीय ने कराया था। यह पर नक्षत्र सम्बन्धी खोज की जाती थी। भारत में राजा जयसिंह ने विज्ञान की खोज के लिए इस प्रकार की चार वेधशालाओ का निर्माण कराया था।

५७. नयी दिल्ली टाउन हाल—यह जंतर मंतर के सामने स्थित है। यहा पर नयी दिल्ली नगर सभा के विभिन्न कार्यालय स्थित हैं।

५८. कनाट प्लेस—यह नयी दिल्ली का विश्व प्रसिद्ध बाजार है। यहा पर एक विशाल गोलाकार रूप मे दो

मंजिला भवन बने हुए हैं। अन्दर के भाग को कनाट प्लेस कहते हैं जिसके मध्य में एक सुन्दर गोल पार्क बना है। बाहर के भाग में एक और बाजार बना है जिसे कनाट सर्कस कहते हैं।

५६. हनुमान मन्दिर—यह दिल्ली के प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिरों मे से एक है। यहा मगल के दिन दूर दूर से दर्शनार्थी आते हैं। इस मन्दिर के पास वाली सड़क को हनुमान रोड कहते हैं।

६०. निशिया जी—यह नयी दिल्ली के जैनियो की सास्कृतिक गतिविधियो का प्रमुख केन्द्र है और जैन मंदिर मार्ग पर स्थित है। यहा पर विशाल परकोटा है जिसके चारों ओर गुम्बज बने हैं। मध्य के एक ओर जैन मन्दिर स्थित है।

६१ खंडेलवाल जैन मन्दिर—यह जयसिंहपुरा जैन मदिर के नाम से भी विख्यात है। यहा पर ५०० वर्षों से भी प्राचीन जैन मूर्तिया स्थ पित हैं।

६२. अग्रवाल जैन मन्दिर—यह उपर्युक्त मन्दिर के पास ही स्थित है और छोटे मन्दिर के नाम से विख्यात है। इसका निर्माण राजा हरसुखराय के पुत्र राजा सुगनचन्द्र ने सन् १८०७ में कराया था। मन्दिर में मूलनायक प्रतिमा भ० चन्दा प्रभु जी की विराजमान है। मन्दिर जी के शास्त्र भडार मे लगभग १,००० ग्रंथों का अनमोल संग्रह है।

६३. नेशनल आर्काइव्ज—यह अब 'सेंट्रल एशियन एटीक्यूटीज म्युजियम' कहलाता है और जनपथ पर स्थित है। यहां पर सर 'आरेल स्टीन' द्वारा मध्य एशिया से प्राप्त पुरातत्वो का संग्रह दर्शनीय है।

६४. आर्केलाजीकल सर्वे आफ इण्डिया—यह जनपथ पर इडिया गेट के दूसरी ओर स्थित है। यहा पर १६४६ से भारतीय पुरातत्व की वस्तुओ का दुर्लभ सग्रह एकत्रित किया जा रहा है। यहा एक विशाल पुस्तकालय और राष्ट्रीय अभिलेखागार भी है।

६५. विज्ञान भवन—यह भवन नयी दिल्ली में होने वाली अन्तर्राष्ट्रीय कार्यविधियों का केन्द्र है। यहा का विशाल हाल दर्शनीय है।

६६. चाणक्यपुरी—इस नयी बस्ती में समस्त प्रमुख दूतावासो ने अपने अपने दर्शनीय भवन बनाये हैं।

६७. अशोक होटल—यह चाणक्यपुरी के पास ही स्थित है। यह भारत का सबसे विशाल होटल कहा जाता है और भारत भ्रमण के लिए आने वाले विदेशी पर्यटको के लिए इसका निर्माण किया गया है।

६८. घुड़दौड़ का मैदान—यह किसी समय नयी दिल्ली का एक प्रमुख केन्द्र था। अब भी यहा पर कभी कभी घुड़दौड होती रहती है।

६९ सफदरजंग का मकबरा—यह मदरसा के नाम से प्रसिद्ध है। यह मकबरा एक विशाल परकोटे के अंदर स्थित है। मकबरे का विशाल भवन कई मंजिल ऊचा है और चारो ओर नहरें बनी हैं।

७०. हवाई अड्डा—यह मकबरे के साथ ही बना है और दिल्ली के असैनिक उड्डयन का प्रमुख केन्द्र है। दिल्ली फ्लाइग क्लब भी यहीं स्थित है।

७१. आल इण्डिया मेडिकल इन्स्टीच्यूट—यह दिल्ली मे बनने वाली सर्व प्रमुख चिकित्सक सस्था है और फैक्टरी रोड के पास रिंग रोड पर स्थित है। यहा असाध्य रोगो की चिकित्सा सम्बन्धी खोज की जाती है।

७२. मोठ की मस्जिद—यह कुतुब जाने वाले मार्ग पर स्थित एक सुन्दर मस्जिद है। कहा जाता है कि एक बार नमाज पढते समय सिकन्दर लोदी को एक मोठ का दाना पडा मिला। उसने वह अपने मन्त्री को दे दिया मन्त्री ने उसको बोकर मोठ उगायी और उसके बीज को बोकर कई साल बाद काफी रुपया इकट्ठा करके इस मस्जिद का निर्माण कराया।

७३. होज खास—इस विशाल तालाब का निर्माण अलाउद्दीन ने ७० एकड़ भूमि पर कराया था। इस विशाल जलाशय को बनाने का उद्देश्य पास की बस्ती के लिए जल उपलब्ध करना था। कहा जाता है १३९८ मे तैमूर ने दिल्ली ध्वस के पश्चात् यहां विश्राम किया था। फिरोज-शाह तुगलक ने इस ताल की मरम्मत करायी और यहा एक मदरसा भी बनवाया।

७४ फिरोज शाह का मकबरा—यह हौज खास के दक्षिणी दिशा मे स्थित है। यह भवन कला का एक सुन्दर नमूना है और अभी तक अच्छी दशा में है।

७५. कुतुब मीनार—यह २३८ फुट ऊची पांच मजिला मीनार है। कहा जाता है कि इसका निर्माण पृथ्वीराज चौहान के काल मे हुआ और इसे 'यमुना स्तम्भ' कहते थे। वर्तमान काल में मुगल शासकों ने इसमे इतने परिवर्तन किए कि अब इसमें हिन्दू स्थापत्य कला के चिन्ह दृष्टिगोचर भी नही होते।

७६ अलाई मीनार—कुतुब से उत्तर मे ५०० फुट दूर इस अधबनी मीनार का खडहर है। कहा जाता है कि अलाउद्दीन खिलजी इस मीनार को कुतुब मीनार से भी भव्य बनाना चाहता था। इसी मीनार को देखकर यह प्रतीत होता है कि वास्तव मे कुतुब मीनार का निर्माण हिन्दू काल मे हुआ था। क्योकि यदि कुतुबुद्दीन एक मीनार बनवा सकता था तो उमसे अधिक समर्थ अला-उद्दीन मीनार क्यो न बनवा सका ?

७७. पार्श्वनाथ मंदिर—यह वह स्थान है जिसको आजकल 'कुव्वत-उल-इस्लाम' मस्जिद कहते है। मदिर की दीवारो की पच्चीकारी और जैन मूर्तियो के चिन्ह अब भी शेष हैं। इस मन्दिर का निर्माण तोमरवशी राजा अनगपाल तृतीय के मन्त्री अग्रवाल वशी साहू नट्टल ने सन् ११३२ से पूर्व करवाया था।

७८. लोह स्तम्भ—यह प्राचीन भारत की कला का प्रतीक ठोस लोहे का १६ इच आयत का २४ फुट ऊचा स्तम्भ है। इस पर अकित लेख से पता चलता है कि इसका निर्माण चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने चौथी शताब्दी में कराया। यह लोहा रासायनिक प्रक्रियाओं द्वारा इतना शुद्ध किया गया है कि इस पर ओषजनीकरण का कुछ प्रभाव नहीं होता।

७९. अल्तमश का मकबरा—यह सन् १२११-१२३६ में बना और पार्श्वनाथ मन्दिर के पीछे स्थित है। इस मकबरे की दीवारों पर कुरान अंकित हैं। यह भारत का सबसे प्राचीन मकबरा है।

८०. **अलाई दरवाजा**—यह कुतुब मीनार से ४० फुट की दूरी पर स्थित लाल पत्थर का सुरुचि पूर्ण द्वार है इसका निर्माण १३१० मे अलाउद्दीन ने कराया। यह पठान वश द्वारा निर्मित अन्तिम इमारत है।

८१. **भूल भुलैया**—यह स्थान कुतुब के पास महरौली गाव में है। यह वास्तव में अकबर के सौतेले भाई आदम खा का मकबरा है। किन्तु अनेक टेढे-मेढ़े मार्गों के कारण 'भूल भुलैया' कहलाता है।

८२. **सूरज कुंड**—यह स्थान कुतुब-बदरपुर मार्ग पर स्थित है और दिल्ली के हिन्दू साम्राज्य का प्रतीक है। यह कुंड एक ऊंचे टीले पर स्थित है। किसी समय इसके किनारे सूर्य देवता का एक विशाल मन्दिर स्थित था। कहा जाता है कि तोमर वश से पहले वास्तविक दिल्ली यही स्थित थी।

८३. **किला राय पिथौरा**—इसे 'लाल कोट' भी कहते है। यह किला मूल रूप से राजा अनग पाल ने बनवाया था। सन १४५०-१४६० के मध्य मे चौहानो ने तोमरवश को हरा कर दिल्ली पर अपना अधिकार कर लिया। पृथ्वी-राज चौहान ने किले का नव निर्माण किया। प्राचीन दिल्ली का शहर इसी किले के पास बसा हुआ था। इस किले के खडहर तुगलकाबाद मे लगभग ३ मील दूर है।

८४. **विजय मडल**—यह मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा बनवाए गए शहर 'जहानपनाह' के अवशेषो मे स्थित एक विशाल पत्थर की मीनार है। मीनार की ऊपरी मजिल पर एक कमरा था जिसकी छत अब गिर गयी है। यह स्थान शायद फौजो का निरीक्षण करने के लिए बनाया गया था। बेगमपुर की प्रसिद्ध मस्जिद भी पास मे ही स्थित है।

८५. **दादा बाड़ी**—यहां दादा गुरू श्री मणीधारी जी के चरण अकित है। अभी हाल मे यहा पर अनेक सुन्दर दृश्यो का अकन किया गया है। जिनमे नन्दिद्वीप आदि की झाकी दर्शनीय है।

८६. **जोगमाया**—जोगमाया का प्रसिद्ध मन्दिर कुतुब और दादावाड़ी के पास ही स्थित है। अपनी मानता के कारण दूर-दूर से दर्शनार्थी इस मन्दिर मे जोगमाया के दर्शनों के लिए आते रहते है।

८७. **ओखला**—कुतुब से वापस आने पर एक मार्ग ओखला जलागार की ओर जाता है। यह स्थान दिल्ली का प्रसिद्धि मनोरजन का स्थान है। यहां जमुना नदी पर बांध बनाकर एक नहर निकाली गयी है। पानी के किनारे-किनारे बैठने के लिए सुन्दर स्थान बने हैं।

८८ **जामिया मिलिया**—ओखला वापस लौटते समय भारत मे इस्लामी शिक्षा का यह प्रमुख केन्द्र दाईं ओर पड़ता है। यह विश्व विद्यालय नई तालीम सम्बन्धी अपने प्रयोगो और राष्ट्रीय प्रवृत्तियों के लिए प्रसिद्ध हैं।

८९. **निजामउद्दीन**—हजरत निजामउद्दीन औलिया भारत के एक प्रसिद्ध सूफी सन्त थे। उनकी दारगाह का निर्माण सन १२९६-१३१६ के मध्य मे अलाउद्दीन खिलजी के काल मे हुआ था।

९० **हुमायूं का मकबरा**—यह मथुरा रोड पर पुराना किला के पास स्थित है। मकबरे के चारों ओर एक सुन्दर उद्यान है जिसे 'चार बाग' कहते है। इसी मकबरे के पास नाई का मकबरा और 'नीली छतरी' आदि दर्शनीय हैं। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की विधवा पत्नी 'हाजी बेगम' ने फ़ारस के एक कारीगर 'मिरजा ग्यास' से करवाया था। यह सन १५६४ मे बनना आरम्भ होकर १५६९ में पूरा हुआ और इस पर लगभग १५ लाख रुपए खर्च हुए।

९१. **पुराना किला**—यह मथुरा रोड पर स्थित है इसे कौरव-पाण्डवो का किला भी कहते हैं। इतिहास के अनुसार इस किले का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया था। किले की दीवारे ६० फुट ऊची एवम ५० फुट मोटी बनी है। किले का घेरा लगभग २ मील का है। किले के अन्दर 'कुहाना मस्जिद' व 'शेर मडल' देखने योग्य है।

९२. **चिड़िया घर**—यह पुराने किले के पास ही एक विशाल क्षेत्र पर बडे सुव्यविस्थत ढंग से बनाया गया है। इसका निर्माण प्रसिद्ध जरमन विशेषज्ञ 'होगनवेक' की देख रेख में हुआ है। यहां पर अनेक प्रकार के पशु-पक्षी लाकर रखे गये हैं।

९३. **प्रदर्शनी मैदान**—मथुरा रोड पर स्थित यह मैदान दिल्ली मे होने वाली समस्त विशाल प्रदर्शनियों का केन्द्र हैं। बहुत से दूतावासों ने यहां पर अपने सुन्दर कक्ष निर्माण करा लिए है।

९४. **उच्चतम न्यायालय**—इसका पत्थर का बना विशाल भवन प्रदर्शनी मैदान के ठीक सामने है। यहां पर उच्चतम न्यायालय के जजों की अदालत है।

९५. कोटला फीरोजशाह—यह स्थान दिल्ली गेट के पास मथुरा रोड पर स्थित है। यह किला लगभग ६०० वर्ष पुराना है। यहा पर किले के अन्दर 'अशोक स्तम्भ' दर्शनीय है। यह स्तम्भ नीचे के भाग मे १० फुट १० इंच आयत का और ४२ फुट ७ इंच ऊंचा है।

९६. बाल भवन—यह कोटला के पास स्थित है। यहां बच्चो के लिए विशेष खेलों का प्रबन्ध है। यहां की सबसे प्रमुख वस्तु बच्चों की रेलगाड़ी है जो लोहे की पटरी पर चलती है।

९७. इण्डिया गेट—यह नई दिल्ली का केन्द्र स्थल है। विशाल पत्थर के द्वार के दोनों ओर पत्थर के फुहारे और नहरें है। रात मे इन फुहारो की रंग बिरगी रोशनी दर्शनीय है।

९८. नेशनल स्टेडियम आदि—दिल्ली मे खेलों के तीन प्रसिद्ध स्थान है। इनमें इडिया गेट के सामने बना नेशनल स्टेडियम सबसे बड़ा क्रीडागार है और राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओ का स्थान है। दूसरा विलिंगटन पवेलियन क्रिकेट मैचों का स्थान दिल्ली गेट के पास है। तीसरा फुटबाल स्टेडियम भी दिल्ली गेट के पास स्थित है। यहां समय समय पर खेल प्रतियोगिताएं होती रहती हैं।

९९. खूनी दरवाजा—यह दरवाजा दिल्ली गेट और कोटला फिरोजशाह के मध्य स्थित है। कहा जाता है कि शेरशाह के समय मे दिल्ली नगर का मुख द्वार था। इस दरवाजे को 'खूनी दरवाजा' कहते हैं क्योकि १८५७ के विप्लव में मेजर हडसन ने तीन राजकुमारो को इसी स्थान पर गोली से उड़ा दिया था।

१००. दरियागज की जैन संस्थायें— दरियागंज में 'जैन बाल आश्रम' और 'समंतभद्र विद्यालय' दो अति प्राचीन जैन शिक्षण सस्थाए हैं। इनके अतिरिक्त 'वीर सेवा मंदिर' व 'अहिंसा मन्दिर' दो साहित्यिक सस्थाए हैं। वीर सेवा मन्दिर मे जैन विषयो पर अनुसधान की पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। यहा से उच्चकोटि के धार्मिक ग्रन्थो का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

१०१. राजघाट—यहां पर ३१ जनवरी १९४८ को महात्मा गाधी का दाह संस्कार किया गया था। उसी स्थान पर सुन्दर एवम् शान्त वातावरण में एक विशाल समाधि स्थल का निर्माण किया जा रहा है।

भारत के प्रमुख जैन तीर्थ

उत्तर भारत

१. कैलाश (सिद्धक्षेत्र)—यह क्षेत्र तिब्बत में अवस्थित है। यहां के लिए उत्तर रेलवे के ऋषिकेश स्टेशन से बस द्वारा जोशीमठ जाकर वहा से पैदल यात्रा करते हुए 'नीती' की घाटी को पार करके जाते हैं। इसके अतिरिक्त भी अन्य कई मार्ग है। 'मानसरोवर' से लगभग २० मील की दूरी पर यह पर्वत है। यहा से युग प्रवर्तक तीर्थकर भगवान ऋषभदेव ६०० मुनिराजों के साथ मोक्ष पधारे थे।

२. बद्रीनाथ पुरी—यह प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र जोशीमठ से २० मील आगे पैदल मार्ग पर स्थित है। यहा पर मुख्य मन्दिर मे पार्श्वनाथ स्वामी की श्याम पाषाण से निर्मित एक खण्डित मूर्ति पद्मासन मुद्रा मे स्थापित है। अब भी इस मूर्ति के दो दर्शन कराये जाते है, एक सजाकर श्रृङ्गार रूप मे और दूसरे नग्न रूप में जो कि श्वेताम्बर व दिगम्बर मान्यता के प्रतीक है।

३. पौड़ी-श्रीनगर—यह स्थान ऋषिकेश-जोशीमठ बस मार्ग पर अलकनन्दा नदी के किनारे पर स्थित है। यह नगर किसी समय गढवाल प्रदेश का सबसे समृद्ध नगर था और यहां के राजाओं की राजधानी था। यहा पर नदी के किनारे एक रमणीक और विशाल क्षेत्र में विशाल शिखर युक्त दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। यहा भगवान आदिनाथ की एक मूर्ति जैन सम्वत् १ की अर्थात् २५०० वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। इस मन्दिर को टेहरी गढवाल के राजाओं की ओर से सहायता मिलती थी। जब गोरखों ने गढ़वाल विजय किया उसके बाद भी मन्दिर को सहायता मिलती रही। सन् १८२४ में जब यह प्रदेश अंग्रेजो के कब्जे में आया तो उन्होंने २० वर्ष की सहायता इकट्ठी देकर आगे को बन्द कर दी। वर्तमान में यह समस्त गढ़वाल प्रदेश में स्थित एकमात्र बचा हुआ जैन मन्दिर है।

४. दिल्ली—यह ऐतिहासिक नगर व भारत की राजधानी उत्तर, मध्य व पश्चिम रेलवे लाइनो का जंक्शन स्टेशन है। यह प्राचीन काल से जैन सस्कृति का केन्द्र रहा है, और आज भी है जैसा कि इस डायरेक्टरी के पिछले पृष्ठो से प्रगट है।

५. हस्तिनापुर (अतिशय क्षेत्र)—मेरठ शहर से २२ मील की दूरी पर यह अतिशय क्षेत्र स्थित है। इसी पुण्य भूमि पर राजा श्रेयास ने वर्तमान युग के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को इक्षुरस का आहार देकर दान प्रथा चलाई थी। कालातर मे यहा भ० शातिनाथ, कुंथुनाथ और अरहनाथ तीन तीर्थ करों के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक हुए थे और मल्लिनाथ भगवान का समवशरण आया था।

यहां एक श्वेताम्बर तथा एक दिगम्बर जैन मन्दिर है। दिगम्बर मन्दिर दिल्ली के स्व० राजा हरसुखराय जी का बनवाया हुआ है। उपर्युक्त तीनों भगवानों की नशियां भी हैं जिनमें चरण-चिन्ह विद्यमान हैं।

यहां राजा हरसुखराय जी की धर्मशाला भी है। प्रतिवर्ष कार्तिक अष्टानिका पर्व पर यहां मेला होता है।

इस क्षेत्र के निकट ही भसूमा नामक ग्राम मे भी दर्शनीय और प्राचीन मूर्तियां हैं।

६ असुम्भा—उक्त हस्तिनापुर क्षेत्र से लगभग ४ मील दूर यह स्थान है। यहाँ एक मन्दिर है जो जीर्ण अवस्था में है। मन्दिर जी में एक चौथे काल की मनोज्ञ खड्गासन प्रतिमा विराजमान है।

७. अहिच्छत्र (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की अलीगढ़-बरेली लाइन पर 'खेता-बहोड़ा खेड़ा' स्टेशन से तीन मील कच्चे मार्ग पर राम नगर गांव से पूर्व में लगभग २ फर्लांग

की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यह भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की तपोभूमि है। यहां ही उन्होंने कमठ के जीव व्यंतरदेव कृत घोर उपसर्गों पर विजय प्राप्त कर केवल ज्ञान प्राप्त किया था।

यहा के प्राचीन राजा जैन धर्मावलम्बी थे। राजा वसुपाल ने यहां एक सुन्दर जैन मन्दिर निर्माण कराया था जिसमें भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की लेपदार प्रतिमा विराजमान की थी। आचार्य पात्रकेशरी ने यही पर जैन धर्म की दीक्षा ली थी। जैन धर्मानुयायी प्रसिद्ध गंगवश राजाओं के पूर्वज संभवतः यही पर राज्य करते थे।

यहा प्राचीन पाच वेदियों वाला एक विशाल दिगम्बर मन्दिर है जिनमें मूल वेदी किंवदंती के अनुसार देवकृत है। ग्राम मे भी एक मन्दिर दर्शनीय है जिसमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है।

८. अयोध्या जी (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की लखनऊ-मुगलसराय लाइन पर यह क्षेत्र सरयू नदी के किनारे अवस्थित है। युग के आदि तीर्थ प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव, द्वितीय तीर्थंकर श्री अजितनाथ, चौथे श्री अभिनन्दन नाथ, पाचवे श्री सुमतिनाथ और चौदहवें श्री अनन्त नाथ जी की यह जन्म नगरी है।

यहां पाच मन्दिर हैं जो कि सन् १७२४ मे नवाब शुजाउद्दौला के शासनकाल के बने हुए हैं। प्राचीन मन्दिर शाहबुद्दीन के राज्यकाल में विध्वंस किये जा चुके हैं। वर्तमान पाच मन्दिरो में आदिनाथ जी का स्वर्गद्वार के पास, अजितनाथ जी का इटावा तालाब के पास, अभिनन्दन नाथ जी का नवाबी सराय मे, अनन्तनाथ जी का गोलाघाट नाला के तट पर और सुमतिनाथ जी का मदिर रामकोट मे है।

यहा पर १०८ आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज के प्रयत्न से भगवान आदिनाथ की एक ही पत्थर से बनी सफेद सगमरमर की ३२ फुट ऊंची मूर्ति की स्थापना की जा रही है।

६. वाराणसी—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय-हावड़ा लाइन पर प्रसिद्ध जक्शन है। पूर्वी रेलवे पर मुगलसराय जक्शन से लगभग ३ मील दूरी पर अवस्थित है।

यह नगर प्राचीन काल मे काशी देश की राजधानी रहा है। वैदिक व श्रमण सस्कृति दोनो का ही प्राचीन केन्द्र है। सातवें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ व तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की जन्म नगरी भी यही है। भगवान सुपार्श्वनाथ जी के जन्म स्थान गगा के तट पर भदेनी मे दो दिगम्बर जैन मन्दिर है, निकट ही स्व० मुनि गणेश प्रसाद वर्णी द्वारा स्थापित प्रसिद्ध स्याद्वाद महाविद्यालय है। महाकवि वृन्दावन लाल ने यही रहकर अपनी काव्य रचना की थी। भगवान पार्श्वनाथ जी के जन्म स्थान भेलूपुर मे अत्यन्त कलापूर्ण जैन मन्दिर है। मुख्य सड़क पर ही खड्गसेन उदयराज लमेंचू का विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है, जिसमें कई प्राचीन प्रतिमाओं के अतिरिक्त धरणेन्द्र-पद्मावती की बड़ी मनोज्ञ प्रतिमा है। इस मन्दिर के पीछे एक विशाल श्वेताम्बर मन्दिर है जिसकी एक वेदी मे ५ दिगम्बर प्रतिमायें भी विराजमान है।

नगर में कई श्वेताम्बर व दिगम्बर मन्दिर है। दिगम्बर मन्दिरों मे मैदागिन मन्दिर, ठठेरी बाजार का पचायती मन्दिर तथा भाट के मुहल्ले मे श्री धर्मचन्द्र जौहरी व गोविन्दपुरा मे सूरजमल जी के चैत्यालय प्रमुख है। जौहरी जी के चैत्यालय मे श्री पार्श्वनाथ स्वामी की हीरे की प्रतिमा और सूरजमल जी के चैत्यालय में स्फटिक की अति मनोज्ञ प्रतिमाये है।

ठठेरी बाजार में मस्जिद के निकट, बालू जी के फर्स पर व नये घाट के पास श्वेताम्बर मन्दिर दर्शनीय हैं।

यहां पर ही श्वेताम्बर समाज का श्री धर्मविजय सूरी द्वारा स्थापित यशोविजय विद्यालय है।

१०. चंद्रपुरी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त वाराणसी नगर से लगभग १४ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा अष्टम तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी का गर्भ, जन्म व तप कल्याणक हुआ था था। गगा तट पर विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला है।

११. सिंहपुरी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त वाराणसी शहर से लगभग ५ मील तथा सारनाथ स्टेशन से १ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयास नाथ का गर्भ, जन्म, तप व कल्याणक हुआ था। यहा विशाल धर्मशाला तथा दिगम्बर मन्दिर है। मन्दिर जी मे मूलनायक प्रतिमा भगवान श्रेयासनाथ की विराजमान है। निकट ही खुदाई में जैन व बौद्ध मूर्तियां निकली हैं। वे सरकारी अजायबघर में रखी गई हैं।

१२. मथुरा–मध्य रेलवे की दिल्ली-आगरा छावनी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर यह प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यहा नगर मे ४ मन्दिर तथा कई चैत्यालय अवस्थित है।

१३. चौरासी (सिद्धक्षेत्र)–मथुरा से पश्चिम में लगभग १।। मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यह अन्तिम केवली श्री जम्बू स्वामी आदि ५०० मुनिराजों की निर्वाण भूमि है। उन मुनिराजों के स्मारक रूप यहां ५०० स्तूप बने हुए थे जिन्हें सम्राट अकबर के समय मे साहू होडल जी ने फिर बनवाया था। समय व्यतीत हो जाने पर वह सब नष्ट हो गये। यही पर भगवान पार्श्वनाथ के समय का स्तूप बना हुआ था। इस क्षेत्र के सम्बन्ध मे श्री सोमदेव प्रसाद ने अपने 'यशस्तिलकयाम्' मे लिखा है।

१४. कम्पिला जी (अतिशय क्षेत्र)–उत्तर-पश्चिम रेलवे की आगरा फोर्ट-फतेहगढ लाइन पर कायमगंज स्टेशन से लगभग ६ मील दूरी पर यह क्षेत्र स्थित है। ऐसा मत है कि यह स्थान ही प्राचीन काम्पिल्य है जहा भगवान विमलनाथ स्वामी के गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक हुए थे। यही सती द्रोपदी का स्वयंबर रचा गया था और यही हरिषेण चक्रवर्ती ने जैन रथ निकलवा कर धर्म प्रभावना की थी। भगवान महावीर का समवशरण भी यहा आया था।

यहा एक श्वेताम्बर व एक प्राचीन विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमे भगवान विमलनाथ स्वामी की तीन मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान है। यहा खंडित प्रतिमायें भी बहुत है जिनसे प्रकट होता है कि यहा पहले और भी मन्दिर थे। मन्दिर जी में विमलनाथ स्वामी के चरण चिन्ह भी है।

१५. बटेश्वर-शौरीपुर (अतिशय क्षेत्र)–उत्तर रेलवे की आगरा-कानपुर लाइन पर शिकोहाबाद जंक्शन स्टेशन से लगभग १३ मील दूरी पर यह क्षेत्र स्थित है। बटेश्वर मे एक विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर यहा के भट्टारकों का बनवाया हुआ है। जिसकी नीव यमुना नदी मे है और जिसमें भगवान अजितनाथ स्वामी की विशालकाय प्रतिमा विराजमान है। कहते हैं कि यहीं से अन्तःकृत केवली धन्य मोक्ष पधारे थे। श्री जगतभूषण आदि भट्टारकों का पट्ट भी यहां रहा है।

बटेश्वर से एक मील चलकर शौरीपुर क्षेत्र अवस्थित है। यह प्राचीन काल में यादव वंशी राजा शूरसेन की राजधानी रही है। यहां भगवान नेमिनाथ का जन्म हुआ था। यहा कई प्राचीन दिगम्बर मन्दिर है। छत्री में भगवान नेमिनाथ की चरण पादुकायें है। दालान में एक प्रतिमा मूंगा जैसे रंग वाले पाषाण की श्री नेमिनाथ की अतिशय युक्त है। इसी क्षेत्र में सन् १९५४ में आगरा निवासी स्व० सेठ सुमेरचन्द बरोल्या ने नवीन मन्दिर का निर्माण करवा कर पचकल्याणक प्रतिष्ठा की थी।

१६. श्रावस्ती (अतिशय क्षेत्र)–पूर्वोत्तर रेलवे की गोरखपुर-गोंडा लाइन पर स्थित बलरामपुर स्टेशन से १२ मील पश्चिम सहेठ-महेठ ग्राम ही प्राचीन श्रावस्ती है। यह प्राचीन समय मे कोशल देश की राजधानी थी। ग्राम मे एक टीला है। यहा तीसरे तीर्थंकर भगवान सम्भवनाथ जी का जन्म हुआ था। यहा प्राचीन मन्दिर भी है।

१७. फीरोजाबाद (अतिशय क्षेत्र)–उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय लाइन पर टूंडला जंक्शन से लगभग १५ मील पूर्व की ओर स्थित है। प्राचीन काल मे यह चदवार का ही भाग था जहां पर, कहा जाता है, कि ५१ बिम्बप्रतिष्ठायें हुई थी।

यहां २२ जैन मन्दिर हैं जिनमे सबसे विशाल व प्रमुख श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मन्दिर है। इस मन्दिर मे चतुर्थ काल की एक स्फटिक मणि की लगभग १।। फुट ऊंची अति मनोज्ञ प्रतिमा सातिशय विराजमान है। इस प्रतिमा जी को एक लमेंचू श्रावक ने यमुना नदी से, जब कि वह पूरे वेग पर थी, स्वप्न मे बतलाये गये, फूल माला चिन्ह के अनुसार पहचान कर निकाला था। ऐसा कहा जाता है कि नदी तट से यह प्रतिमा जिस रथ में विराजमान की गई थी, वह रथ स्वसंचालित होकर इसी मंदिर पर आकर रुका था। वर्तमान में यह मन्दिर जो कि एक लमेंचू श्रावक ने ही बनवाया था, इन्ही भगवान चन्द्रप्रभु स्वामी के नाम से प्रसिद्ध है। इस मूर्ति के अतिशय के बारे में अनेक किंवदन्तियां प्रचलित हैं, किन्तु इतना अवश्य है कि इतनी मनोज्ञ और स्फटिक मणि की इस ऊंचाई की प्रतिमा अन्यत्र देखने में नही आती। इस प्रतिमा के दर्शन के लिए न केवल भारत के कोने कोने से बल्कि विदेशों से भी यात्री आया करते हैं।

नगर के अन्य मन्दिरों में कई प्राचीन हैं और उनकी कारीगरी दर्शनीय है। हाल ही में एक नवीन मन्दिर व विशाल मानस्तम्भ सेठ छदामीलाल जी ने अपने ही द्वारा बसायी जैन कालोनी में बनवाया है। इसमे सगमरमर की कारीगरी शिल्प की दृष्टि से भव्य व सुन्दर है।

यहां से निकट टापे नामक ग्राम, महाकवि तुलसीदास व हिन्दी के सर्व प्रमुख आत्मचरित लेखक व महान अध्यात्म कवि बनारसीदास जी के समकालीन कविवर ब्रह्मगुलाल जी की जन्म नगरी है।

१८. लखनऊ—यह ऐतिहासिक व उत्तरप्रदेश राज्य का प्रमुख नगर उत्तर रेलवे की लखनऊ फैजाबाद लाइन पर स्थित है। यहा अनेक प्राचीन श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मन्दिर हैं।

१९. आगरा—यह उत्तर रेलवे पर प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगर है। यहा कई प्राचीन जैन मन्दिर है। जामा मसजिद के निकट भगवान शीतलनाथ जी का विशेष महत्वपूर्ण मन्दिर है जिसमे भगवान शीतलनाथ जी की लगभग ४ फुट ऊची श्याम वर्ण पाषाण की सातिशय अति मनोज्ञ दिगम्बर प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर के अन्य हिस्सो मे श्वेताम्बर प्रतिमायें विराजमान हैं।

२०. इलाहाबाद (प्रयाग)—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मुख्य लाइन पर यह प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यहां पाच मन्दिर है जिनमें कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

२१. फफोसा (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मेन लाइन पर भरवारी स्टेशन से २४ मील दूरी पर यमुना नदी के किनारे यह अवस्थित है। इसके पास ही प्रभाक्षेत्र नाम से फफोसा पर्वत है जिस पर एक मन्दिर है उसमे तीन चतुर्थकालीन प्रतिमाये विराजमान है। ऐसा कहा जाता है कि यही पर पद्म प्रभु भगवान ने तप करके केवलज्ञान प्राप्त किया था। मन्दिर के आगे चट्टान में उत्कीर्ण प्रतिमाये हैं।

२२. कौशाम्बी-कोसम—उत्तर रेलवे की दिल्ली-मुगलसराय मुख्य लाइन पर भरवारी स्टेशन फफोसा से २८ मील की दूरी पर गढ़वाल नामक गांव है। यहा के मन्दिर में पद्मप्रभु स्वामी की २ प्रतिमायें श्वेतवर्ण चतुर्मुख विराजमान हैं। एक जोडी चरण पादुकायें भी हैं। यहां के निकट ही कुशाबा नामक गांव है जिसका प्राचीन नाम कौशाम्बी है। यहा से पद्मप्रभु भगवान के गर्भ और जन्म कल्याणक हुए थे।

यह राजा उदयन की राजधानी थी। यहां की खुदाई मे अनेक प्राचीन जैन मूर्तियां प्राप्त हुई हैं।

२३. सहारनपुर—उत्तर रेलवे की दिल्ली-अम्बाला मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध जंक्शन स्टेशन है। यह नगर दिल्ली के प्रसिद्ध खजाची श्री सहारनबीर सिंह ने बसाया था। यहां अनेक प्राचीन दर्शनीय जैन मन्दिर है।

२४. बड़ागांव—यह शहादरा-सहारनपुर लाइट रेलवे पर खेखडा स्टेशन से ३ मील की दूरी पर अवस्थित है। सन १९२२ मे यहां के अत्यंत प्राचीन जीर्ण मन्दिर के विध्वंस्थ टीले की खुदाई मे भ० पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति प्राप्त हुई थी, तदनतर उसी स्थान पर मन्दिर बनवाकर मूर्ति को विराजमान किया है।

२५. कहावगांव (अतिशय क्षेत्र)—उत्तर-पूर्वी रेलवे की लखनऊ-गोरखपुर लाइन पर गोरखपुर स्टेशन से आग्नेय कोठा मे ४२ मील पर है। यहां प्राचीन कीर्ति-स्तंभ २४ फुट ऊचा व लाल मन्दिर बना है। यहा निकट कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

२६ रत्नपुरी—उत्तर रेलवे पर फैजाबाद जक्शन स्टेशन से निकट ही यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा पन्द्रहवें तीर्थ कर भगवान धर्मनाथ जी का जन्म स्थान है। यहा एक पर प्राचीन भी मन्दिर है।

२७. किष्किधापुर—गोरखपुर से निकट ही खुखदो ग्राम है। यही प्राचीन किष्किधापुर अथवा काकदी नगर है। यहा नौवे तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान के गर्भ व जन्म कल्याणक हुऐ हैं। यहां के मन्दिर मे उन्ही की प्राचीन मूलनायक प्रतिमा है।

२८. कुकुम ग्राम—गोरखपुर से ४६ मील दूर कहाऊ ग्राम ही 'कुमकुम ग्राम' है। यहां प्राचीन जैन मन्दिरो के भग्नावशेष हैं। उत्तर में एक मानस्तंभ भी है।

२९. इटावा—यह ऐतिहासिक नगर उत्तर रेलवे पर आगरा व कानपुर के बीच में अवस्थित है। कहा जाता है कि ७वी शताब्दी के आरम्भ मे यह प्रदेश हर्षवर्धन के राज्य मे था, कालातर मे चौहान वश के शासन मे यहां की विशेष

प्रगति हुई। राजा पृथ्वीराज चौहान के वंशज राजा सुमेर सिंह ने (जो बाद में राजा सुमेरशाह कहलाये) इस प्रदेश को मेवों से छीन कर अपनी राजधानी बनाया और जमुना नदी के किनारे एक किले का निर्माण कराया जो ध्वसावस्था में अब भी टिक्सी के मन्दिर के पास अवस्थित है।

नगर के आस-पास के बहुत से पुराने टीले जिन पर प्राचीन काल में प्रसिद्ध नगर और किले स्थित थे अब भी वर्तमान हैं, इनमें कुदरकोट, मुज्ज, चकरनगर, और असई खेड़ा अधिक प्रसिद्ध हैं। इनके खडहरो मे विगत वर्षों मे कई प्राचीन जैन मूर्तिया तथा अन्य सामग्री प्राप्त हुई है।

यहां ६ शिखर युक्त दिगम्बर जैन मन्दिर, १ चैत्यालय तथा नगर से लगभग १½ मील की दूरी पर प्राचीन नशिया जी हैं। नशिया जी श्री १०८ विमलसागर जी मुनिराज का समाधि-स्थान है, यहा उनके चरण स्थापित है। तथा जिन मन्दिर भी हैं। जिसमें कई मूर्तिया सहस्र वर्ष से भी पूर्व की है। नशियां जी को खोज निकालने का श्रेय स्व० पू० ब्र० शीतल प्रसाद जी को है जिन्होने लगभग ३५ वर्ष पूर्व अपने चातुर्मास्य काल मे यहा के बारे मे खोज करके पुनरुद्धार किया।

यहा के मन्दिर मे पसारी टोला का मन्दिर प्राचीन है जिसमें प्राचीन साहित्य भंडार है। स्थापत्य कला की दृष्टि से लालपुरा का श्री पार्श्वनाथ मन्दिर महत्वपूर्ण है। मदिर जी के नीचे विशाल धर्मशाला है। इस मन्दिर व धर्मशाला का निर्माण कलकत्ता निवासी स्व० बाबू मुन्नालाल जी ने जो कि मूलतः इटावा के निकट हतकात के निवासी थे, लगभग ४५ वर्ष पूर्व सम्वत् २४४१ में कराया था।

हतकांत चम्बल नदी के तट पर बसे होने के कारण ११ वीं सदी से लेकर १६ वीं सदी तक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा। प्रांत के तत्कालीन कुशल जैन व्यापारियो ने हतकांत को अपने व्यापार-केन्द्र बनाने के साथ ही यहां लगातार ५२ बिम्ब प्रतिष्ठायें भी कराई। जब रेलो के यातायात के कारण नदियों के साधन का महत्व घटा तो हतकांत ने अपना व्यापारिक महत्व को खो दिया और धीरे धीरे यहां की जनसख्या भी कम होती गई। जैनों का निवास न रहने से मन्दिर जी में पूजा प्रक्षालन की व्यवस्था बन्द हो गई। इस समस्या का हल बा० मुन्नालाल जी ने इटावा में नवीन मन्दिर का निर्माण कर के किया। हतकात से मूर्तियों का बहुभाग इस मन्दिर जी में लाया गया तथा कुछ अन्यत्र भी ले जाई गई। ऐसा भी अनुमान है कि हतकांत के जीर्ण मन्दिर में अनेक गुप्त भौंहरे हैं जिनमे सैकडो मूर्तियां विराजमान हैं।

हतकांत से लाई गई सभी मूर्तियां पाषाण की हैं और ५०० वर्ष पूर्व की हैं। मन्दिर जी की तीनो वेदियों में यह मूर्तिमां विराजमान है। मध्य वेदी म मूल नायक श्याम वर्ण पाषाण की ६½ फुट ऊची मनोज्ञ प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की स्थापित है जो ८०० वर्ष प्राचीन है।

मन्दिर जी के निर्माण और हतकांत से मूर्तियो को लाने में बा० मुन्नालाल जी को अपने अनुज स्व० ला० तोताराम जी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। विगत वर्षों में मन्दिर जी व धर्मशाला मे बा० मुन्नालाल जी के उत्तरधिकारी बा० सोहन लाल जी द्वारा नवीन निर्माण भी हुए हैं। मन्दिर जी के शास्त्र भंडार में अनेक प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथ है। धर्मशाला व मन्दिर के व्यवस्थापक ला० मधुवन दास जी हैं।

३०. करहल—यह कस्बा उपर्युक्त इटावा नगर से लगभग १६ मील की दूरी पर इटावा-मैनपुरी बस रूट पर स्थित है।

यहां ४ शिखर युक्त विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर तथा २ चैत्यालय है, इनमे 'मन्दिर सिघइयान' विशेष प्राचीन है। मन्दिर जी मे मूल नायक प्रतिमा भगवान चद्रप्रभू की श्वेत पाषाण की लगभग ५०० वर्ष प्राचीन है। तथा अनेक हस्तलिखित शास्त्रो का भडार है।

इसी कस्बे को वर्तमान शताब्दी के आरम्भ काल मे सुविख्यात प० मिही लाल जी व पडित भादो लाल जी जैसे प्रकांड विद्वानो के जन्म स्थान होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

यहां से निकट मैनपुरी, सिरसागंज, जसवतनगर आदि स्थानो मे भी दर्शनीय मन्दिर

३१. देवबंद—उत्तर रेलवे की दिल्ली-सहारनपुर लाइन पर मुजफ्फर नगर से १४ मील पर देवबद स्टेशन है। यहां १ प्राचीन दर्शनीय मन्दिर है।

३२. त्रिलोकपुर—पूर्वोत्तर रेलवे के बिंदौरा स्टेशन से ३ मील दूरी पर यह स्थान है। यहां एक प्राचीन मन्दिर है जिसमें मूलनायक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ स्वामी की है।

३३. ओसियां—उत्तर रेलवे की जोधपुर-पोकराम लाइन पर ओसियां स्टेशन है। स्टेशन से आध मील की दूरी पर यह ग्राम है। इस स्थान के प्राचीन नाम अकेश, उरकेश, नवनेरी तथा मेलनुरयत्तन हैं। यह ओसवाल जैनों की उत्पति का स्थान कहा जाता है। यहां कई विशाल जैन मन्दिर हैं जिसमें महावीर स्वामी का मन्दिर मुख्य है। इस प्राचीन मन्दिर का तोरण अति भव्य है। स्तंभों पर तीर्थं-करो की प्रतिमायें उत्कीर्ण है।

३४. नाकोड़ा पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—यह स्थान लूनी पुनाकाव लाइन पर बालोतरा स्टेशन से लगभग ६ मील चल कर पर्वतों में स्थित है। ग्यारहवीं शताब्दी में नकोड़ा नामक छोटे से गांव में भूमि खोदते समय तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की मनोहर प्रतिमा प्राप्त हुई थी और उसे मन्दिर बनवाकर स्थापित किया गया था। अब यहा एक विशाल घेरे मे तीन भव्य जैन मन्दिर है और चार भूमिगृह हैं। बाजोतरा स्टेशन व क्षेत्र में जैन भी धर्म-शालाएँ है।

३५. घंघाड़ी-गांगाड़ी—उत्तर रेलवे की बीकानेर जोधपुर लाइन के आसरनाडा स्टेशन से घघाड़ी तीर्थ को मार्ग जाता है। यहा सम्राट अशोक के पौत्र सम्प्रति का बनवाया हुआ पद्मप्रभु जिनालय है। १७ वी शताब्दी में यहां कई धातु-मयी जैन प्रतिमायें थी जिन पर सम्प्रति आदि के लेख होने का उल्लेख महाकवि श्री समय सुन्दर ने किया है। परन्तु व प्रतिमायें अब प्राप्य नहीं। १० वी शताब्दी की मूर्तिया अब भी प्राप्त हैं।

३६. जैसलमेर—उत्तर रेलवे की जोधपुर-पोकरण लाइन पर पोकरण स्टेशन से जैसलमेर के लिये बस सर्विस है। यहा के किले मे ८ भव्य व कलापूर्ण मन्दिर है, उनके तोर-णादि एव शिखर की कारीगरी बहुत ही भव्य है। दो मन्दिरो के बीच एक तलघर मे सुप्रसिद्ध प्राचीन ताड़पत्रीय जैन साहित्य भडार है। यहां सभी मन्दिर १५ वी अथवा १६ वी शताब्दी के है।

नगर में अनेक मन्दिर, देवासर, दादावाड़िया तथा उपाश्रय हैं।

जैसलमेर से लाद्रवा (लोद्रवपुर) जो पहले रियासत की राजधानी थी, १० मील पर है। यहां भगवान पार्श्वनाथ जी का एक सुन्दर मन्दिर है। इसी प्रकार जैसलमेर से ३ मील की दूरी पर 'अमर सागर' में अनेक कलापूर्ण जैन मन्दिर है।

पूर्वी-भारत

३७. पारसनाथ ईशरी—पूर्वी रेलवे की ग्रांड कार्ड हावड़ा मुगलसराय मुख्य लाइन पर प्रख्यात पारसनाथ स्टेशन है। यहा एक सुन्दर मन्दिर तथा उदासीनाश्रम है।

महान तपोनिधि, न्यायाचार्य पूज्य मुनि गणेश प्रसाद जी वर्णी का समाधि स्थान है:

३८. श्री सम्मेद शिखर जी (सिद्ध क्षेत्र)—उक्त पारस-नाथ स्टेशन से १४ मील तथा गिरीडीह स्टेशन से १८ मील पर यह तीर्थराज अवस्थित है। इसी पर्वतराज से द्वितीय तीर्थंकर अजित नाथ आदि बीस तीर्थंकर तथा अन्य करोड़ो मुनिवर मोक्ष पधारे है, अतएव यह महान, महा-पवित्र तथा अत्यन्त प्राचीन सिद्ध क्षेत्र है। ऐसा कथन है कि इस सिद्धाचल पर देवेश ने स्वय आकर विभिन्न तीर्थं-करो की पुण्य निर्वाण भूमियो पर सुन्दर शिखरे चरण चिह्न सहित निर्माण करवाई थी। इनके जीर्ण हो जाने पर सम्राट श्रेणिक ने जीर्णोद्धार कराया। इस प्रकार समय समय पर इन स्मारको का जीर्णोद्धार होता आ रहा है।

इस महापवित्र पर्वत की यात्रा मार्ग मे कुल १८ मील—६ मील चढना, ६ मील उतरना, ६ मील यात्रा—क है। तलहटी से ३ मील चढने पर गंधर्व नाला है जहा विश्रामगृह बने हुए हैं। वहा से १ मील और चढने पर सीता नाला है। इस स्थान से बायी ओर चल कर गौतम स्वामी, व कुथनाथ जी की टोकें है। इन से पूर्व की ओर के मार्ग मे क्रमश. अरनाथ, मल्लिनाथ जी, श्रेयासनाथ, पुष्पदत, पद्म प्रभु जी, मुनिसुव्रत नाथ जी, तथा चन्द्रप्रभु भगवान की टोकें हैं। यहां से दक्षिण की ओर चलने पर शीतल नाथ जी, अनंत नाथ जी, संभवनाथ जी, अभिनदन-नाथ जी की टोके है। यहा से लौटते समय कुछ उतार पर जल मन्दिर हैं। यहां से अन्य तीर्थंकरो की टोंको पर जाना होता है। सब से ऊंची टोक पार्श्वनाथ स्वामी की है, जहा अति मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इसके अतिरिक्त अन्य सभी टोंकों मे केवल चरण चिह्न हैं।

पर्वत की तलहटी (उपत्यका) में मधुवन नामक मनोरम स्थान हैं। यहां तीन बडी-बड़ी कोठिया बनी हुई हैं। पर्वत की ओर की बीस पंथी कोठी मे विशाल धर्मशाला तथा दिगम्बर मन्दिर है। मन्दिर जी मे ६ वेदियां है। इस के अतिरिक्त भी कई मन्दिर हैं। दूसरी कोठी श्वेताम्बरियों की है जिसमें सैकड़ों विशाल मन्दिर हैं। तीसरी कोठी तेरह पथी दिगम्बर जैनो की है जिसमें विशाल धर्मशाला तथा १० वेदी युक्त अत्यन्त प्राचीन मन्दिर है। आदि मन्दिर के पीछे १ और मन्दिर है। जिसमें तीन वेदिया हैं, मध्य मे पार्श्वनाथ स्वामी की ७ फुट ऊची पद्मासन प्रतिमा अति मनोज्ञ है। इस मन्दिर में चौबीस प्रतिमाये, सहस्त्र कूट चैत्यालय तथा महावीर स्वामी की ६ फीट ऊंची कायोत्सर्ग प्रतिमा शिल्प की दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है।

तेरापंथी कोठी में ही कलकत्ता निवासी सेठ सोहन लाल जी लमेचू (मुन्ना लाल द्वारका दास घी वाले) द्वारा बनवाया गया विशाल कलापूर्ण मन्दिर है। मन्दिर जी मे अष्टम तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु की सवा पाच फीट ऊची श्वेतपाषाण की अति मनोज्ञ मूर्ति विराजमान है। मन्दिर जी मे सगमरमर की दर्शनीय कारीगरी है। इसके चारों ओर परकोटा भी है। मन्दिर जी के निकट ही एक विशाल मान स्तभ है।

३६. कलकत्ता—यह औद्योगिक नगर पूर्वी और उत्तर रेलवेपर स्यालदाह व हावडा जकशन स्टेशनो से निकट स्थित है।

यहा अनेक विशाल मन्दिर हैं जिनमे बेलगछिया का दिगम्बर मन्दिर व रायबद्री दास जी का श्वेताम्बर मन्दिर विशेषरूप से दर्शनीय है।

४०. कटगोला—यह क्षेत्र पूर्वी रेलवे पर स्थित है। यहाँ एक प्राचीन श्वेताम्बर मन्दिर दर्शनीय है।

४१. गया—पूर्वी रेलवे की हावड़ा मुगलसराय मुख्य लाइन पर गया जक्शन स्टेशन है। यहा से २ मील की दूरी पर २ जैन मन्दिर है जिनमें कई प्राचीन प्रतिमायें हैं।

लगभग ३८ मील दूरी पर कुलुहापहाड हैं। जिसकी चढाई २ मील के लगभग है। पहाड पर ४ मील के घेरे मे अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं। यहां अनेक प्रतिमायें खंडित अवस्था मे हैं और प्राचीन मन्दिरों के भग्नावशेष भी हैं। ऐसा मत हो कि यह क्षेत्र ही भगवान शीतल नाथ की तपो भूमि है और यहीं से उन्होंने केवल ज्ञान प्राप्त किया था।

४२. राजगृह-पंचपहाड़ी (अतिशय क्षेत्र)—पूर्वी रेलवे पर बख्तियारपुर जकशन स्टेशन से ३३ मील दूर यह ऐतिहासिक क्षेत्र अवस्थित है।

यह नगर भगवान महावीर के समय मे अत्यन्त समुन्नत व विशाल था। सम्राट श्रेणिक बिम्बसार ने इस नगर को अपनी राजधानी बनाया था। यहा से निकट विपुलाचल पर्वत पर भगवान महावीर का समवशरण आया था और सम्राट श्रेणिक उनकी बन्दना को गये थे। सम्राट श्रेणिक बिम्बसार द्वारा यहा निर्माण करवाये मन्दिरो व उनमें प्रतिष्ठित मूर्तियो और कीर्तियो के उपलब्ध अवशेषों मे यह ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट है।

भगवान महावीर से पूर्व बीसवे तीर्थंकर श्री मुनिसुव्रत नाथ का गर्भ, जन्म, तप और ज्ञान कल्याणक इसी पुण्य भूमि पर हुए थे। मुनिराज धनदत्तादि और भगवान महावीर के कई गणधर इसी स्थान से मोक्ष गये। यहां नील गुफा मे पूतिगधा छुल्लिका ने समाधि मरण किया था।

यहां से निकट पांच पर्वत है। प्रथम विपुलाचल पर्वत पर चार मन्दिर और दो चरणपादुकाएें है। भगवान मुनि सुव्रत नाथ के चार कल्याणकों का स्मारक एव मन्दिर है। द्वितीय रत्नगिरि पर्वत है जिस पर एक प्राचीन मदिर और मुनिसुव्रतनाथादि तीर्थंकरो के चरण चिह्न है। इसी प्रकार उदयगिरि पर २ मदिर और चरण चिह्न, श्रमणगिरि पर २ मंदिर और एक चरण चिह्न, तथा अन्तिम वैभासगिरि पर पांच मन्दिर है। इन मदिरो की कारीगरी दर्शनीय है। यहां से एक मील दूर गणधर स्वामी के चरण चिह्न हैं।

तलहटी में २ दिगम्बर तथा एक श्वेताम्बर मन्दिर है और कई मनोहर जल कुंड है।

४३. बाराबर गुफायें—राजगृह से लगभग १३ मील की पर बाराबर व नागार्जुन पहाड़िया स्थित है। प्रथम पहाड़ी पर ४ और दूसरी पर ३ गुफाओ में प्राचीन स्थापत्य कला दर्शनीय हैं। यहां अनेक शिलालेख ईसा से ३ शताब्दी पूर्व के हैं जिनसे इस स्थान का प्राचीन जैन वैभव प्रगट होता है।

४४ पटना (सिद्धि क्षेत्र)–पूर्वी रेलवे पर यह प्रमुख नगर जंक्शन स्टेशन है। यहा से सुदर्शन सेठ मोक्ष गये हैं। स्टेशन के पास एक टेकरी पर उनकी चरणपदुकाएें बनी हैं। यहा पांच विशाल मन्दिर व चैत्यालय है।

४५. खंडगिरि-उदयगिरि–दक्षिण पूर्वी रेलवे की हावडा वाल्टेयर लाइन पर भुवनेश्वर स्टेशन से पांच मील की दूरी पर पश्चिम की ओर खड गिरि व उदय गिरि नामक दो पहाडियां है।

उदयगिरि पहाड़ी का प्राचीन नाम कुमारी पर्वत है। इस पर्वत पर भगवान महावीर का समवशरण आया था। यहाँ से ५०० मुनिवर मोक्ष गये थे। यह ११० फीट ऊची है इसके कटिस्थान में पत्थरों को काट कर कई गुफायें व मन्दिर बनाये गये हैं। गुफाओं में अनकापुरी, जयविजय, रानीनूद, गनेश गुफा, स्वर्ग गुफा, मध्य गुफा, व पाताल गुफा विशेष महत्वपूर्ण है रानीनूद गुफा में अनेक अन्तर गुफाये हैं। हाथी गुफा मे कलिंग सम्राट खारवेल का शिला लेख है। खारवेल कलिंग देश के चक्रवती राजा थे और जैन धर्मवलम्बी थे। खारवेल द्वारा उदयगिरि पर अनेक जिन मदिर व स्तंभ निर्माण कराये गये थे।

खडगिरि पर्वत १३३ फुट ऊंचा है। सीढ़ियो के सामने ही खडगिरि गुफा है। जिसके ऊपर नीचे ५ गुफायें बनी हैं, अनंत गुफा में १½ हाथ की कायोत्सर्ग जिन प्रतिमा विराजमान है। यहा 'आकाश गंगा' नामक जल कुंड है। इस पर्वत पर भी अनेक गुफायें हैं। जिनमें राजा इन्द्र केशरी की गुफा, आदि नाथ गुफा, बारहभुजी गुफा विशेष प्रसिद्ध है। इनमे अनेक प्राचीन दिगम्बर मूर्तियां हैं जो अति मनोज्ञ और प्राचीन शिल्पकला की अमूल्य कृति हैं।

४६. गुणावा (सिद्धक्षेत्र)–यह क्षेत्र पूर्वी रेलवे की गया-क्यूल लाइन पर नवादा स्टेशन से लगभग १॥ मील की दूरी पर अवस्थित है। ऐसा प्रसिद्ध है कि यह वही पुनीत स्थान है जहां से भगवान महावीर के गणधर श्री गौतम स्वामी मोक्ष पधारे थे।

यहां तालाब के बीच में विशाल और कलापूर्ण मंदिर है। मन्दिर मे तीर्थंकरों के चरण भी हैं। यात्रियो के वास्ते यहां जैन धर्मशाला भी है।

४७ नालंदा–यह बौद्ध कालीन प्रसिद्ध शिक्षण-केन्द्र बिहार लाइट रेलवे पर राजगिरिकुंड स्टेशन से लगभग ८ मील पूर्व ही आता है। पटना या बख्तियारपुर से मोटर-बसे भी यहा के के लिए आती है।

नालदा स्टेशन से लगभग १ मील दूर बड़गांवा ग्राम है जिसके पास ही नालदा के भग्नावशेष हैं। कुछ लोग इसे कुण्डिनपुर कहते हैं।

इस स्थान पर भगवान महावीर का समवशरण आया था। यहा की खुदाई से पता चला है कि यह महा-नगर कई बार बना और कई बार ध्वस्त हुआ। यहां के आर्कियोलोजीकल सर्वेक्षण के फलस्वरूप एक सम्पूर्ण नगर जिसमे विद्यालय आदि तथा बौद्ध व जैन मन्दिरों की मूर्तिया प्राप्त हुई है।

यहा के जैन मन्दिर मे भगवान महावीर की अति मनोज्ञ प्राचीन मूर्ति है।

४८ पावापुरी (सिद्धिक्षेत्र)–बख्तियारपुर बिहार लाइट रेलवे पर बिहार शरीफ स्टेशन से लगभग ९ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा से चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर ७२ मुनियो के साथ निर्वाण पधारे थे उस विशेष स्थान पर ही महापद्म नामक रमणीक सरोवर है जिसके मध्य मे एक विशाल मन्दिर है। इसे जल मदिर भी कहते है। इसमे भगवान महावीर स्वामी, गौतम स्वामी और सुधर्मास्वामी के चरण चिन्ह है। निकट ही दिगम्बर जैन धर्मशाला मे एक दुमजिला मदिर है जिसमें ऊपर नीचे ६ वेदी हैं। पावापुरी ग्राम मे एक श्वेताम्बर मदिर भी है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम अपापापुर (पुण्य भूमि) था।

४९. भागलपुर–यह नगर पूर्वी रेलवे की हावड़ा-क्यूल मेन लाइन पर स्थित है। यहा जैन धर्मशाला के निकट ही विशाल जैन मदिर है जिसमे ४ वेदिया है। इन वेदियों की भव्य कला दर्शनीय है।

५०. नाथनगर–पूर्वी रेलवे की हावड़ा-क्यूल मेन लाइन पर स्थित है। यह भागलपुर से लगभग ४ मील की दूरी पर स्थित है।

रेलवे स्टेशन से निकट ही एक तेरापंथी तथा एक बीसपंथी धर्मशाला व मंदिर हैं। तेरापंथी मंदिर मे पांच

वेदियां हैं, इसमें बारहवे तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी की गेहुआं वर्ण की अत्यन्त मनोहर मूलनायक प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर जी के सामने एक स्तूप भी है।

५१ चम्पापुर (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त नाथनगर से लगभग २ मील दूरी पर गगा नदी के तट पर यह अतिशय क्षेत्र स्थित है। इस नगर मे बारहवे तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी के पाचों कल्याणक (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान व मोक्ष कल्याण) हुए थे और यही मुनि धर्म घोष ने समाधिमरण किया था। प्रख्यात हरिवश की स्थापना भी इसी नगर मे हुई थी।

गगा नदी के एक नाले (जो चम्पा नाला नाम से प्रसिद्ध है) के निकट एक विशाल श्वेताम्बर धर्मशाला तथा दुमंजिला जैन मन्दिर है, जिसमे नीचे चार वेदियो मे श्वेताम्बर प्रतिमाये तथा दूसरी मजिल मे दिगम्बर जैन प्रतिमा व चरण है।

मध्य—भारत

५२ मोरेना—मध्य रेलवे की झासी-आगरा वाली पूर्वोत्तर मुख्य लाइन पर यह नगर स्थित है। यहा दो विशाल मदिर है जिनमे १४ वी व १५ वी शताब्दी की प्राचीन प्रतिमाये विराजमान है। यहा पर स्व० प० गोपालदास जी बरैया की स्मृति मे श्री गोपाल जैन सिद्धान्त विद्यालय चल रहा है।

५३ ग्वालियर—यह ऐतिहासिक नगर मध्य रेलवे की झासी-आगरा कैंट वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित है। इसको कच्छवाहा राजा सूरसेन ने सन् २७५ मे बसाया था। उस समय कदाचित् यह गोपगिरि अथवा गोपदुर्ग के नाम से भी प्रसिद्ध था। यहा के राजाओ के शासनकाल मे सदैव ही जैन धर्मानुयाइयो की बाहुल्यता रही तथा कई राजाओ के स्वयं जैन धर्मानुयायी होने के कारण जैन धर्म को राज-सरक्षण भी प्राप्त हुआ।

नगर मे १५ विशाल मदिर है, इनमे चम्पाबाग तथा पंचायती मन्दिरो में स्वर्ण-चित्रकारी दर्शनीय है। पुरानी बस्ती में भी १२ मन्दिर हैं।

नगर के बाहर लगभग २ मील की दूरी पर ग्वालियर का प्रसिद्ध किला है। किले में पहुंचने के पूर्व लगभग २ फर्लांग के फासले पर एक पर्वत है जिसमें बड़ी बड़ी गुफाये बनी है। इन गुफाओं मे बड़ी बड़ी विशाल जैन मूर्तियां पहाड़ों को काटकर बनाई गई हैं। यहा अधिकांश मूर्तिया श्री आदिनाथ स्वामी की हैं। एक प्रतिमा भगवान नेमिनाथ स्वामी की ३० फुट ऊची है और भगवान आदिनाथ स्वामी की इससे भी विशाल है। लोकोक्ति है कि इन प्रतिमाओ की तैयारी मे लगभग ३३ वर्ष लगे थे। निश्चय ही किले के भग्नावशेष व जैन मूर्तिया यह प्रकट करती है कि इस क्षेत्र मे जैनो का महत्व सदैव रहा है।

५४. पनिहारा (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त ग्वालियर नगरसे लगभग १५ मील की दूरी पर पनिहार (पन्नीहार) ग्राम है। ग्राम से थोडी दूर चलकर वशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है, जिसमे एक भोहरे मे १४४ प्राचीन प्रतिमाये है। इस मन्दिर से एक मील चलकर पहाड़ पर एक और मन्दिर है जिसमे २४ फुट ऊंची ३ प्रतिमाये अति मनोज्ञ हैं।

५५. भिंड—ग्वालियर से ३० मील दूरी पर यह प्रमुख नगर है। यहां कई प्राचीन मन्दिर है जिनमे परेड व बस्ती के मन्दिर प्रमुख हैं। यहां नशिया जी भी है।

५६. सोनागिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की आगरा कैंट-झासी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर सोनागिरि स्टेशन है। स्टेशन से लगभग ३ मील की दूरी पर सोनागिरि पर्वत है। यहां से नग अनगकुमार आदि साढ़े पाच करोड मुनि मोक्ष गये है।

यह प्राचीन ऐतिहासिक क्षेत्र है। इसका प्राचीन नाम श्रमणाचल अथवा श्रमणगिरि है। यहां श्रमण भिक्षुओ का निवास होने से इसे श्रमणगिरि प्रख्यात किया गया। श्रमणगिरि का अपभ्रंश ही सोनागिरि है।

पर्वत पर ७७ शिखरयुक्त मन्दिर हैं जिनमे प्राचीन विशाल व अति मनोहर प्रतिमाये विराजमान है। पर्वत पर भगवान चन्द्रप्रभु जी का मन्दिर प्राचीन शैली का है। मन्दिर मे मूलनायक चन्द्रप्रभु स्वामी की १२ फुट ऊची कायोत्सर्ग आसन मे उत्कीर्ण अति मनोज्ञ व सातिशय प्रतिमा है। मन्दिर मे उभय पार्श्वो मे भगवान पार्श्वनाथ व भगवान शीतलनाथ की विशाल मूर्तिया है। मन्दिर के बाहर प्रांगण में विशाल एवं मनोहर मानस्तम्भ है तथा
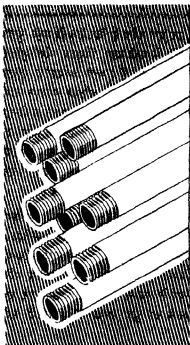
G.I.
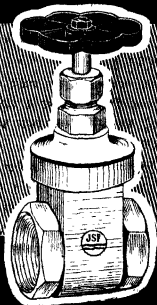
बायीं ओर बाहुबलि स्वामी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। मन्दिर मे गर्भगृह के दो लेखो से प्रगट है कि इस मन्दिर को सन् २७८ में श्री श्रवणसेन कनकसेन ने बनवाया था। पर्वत पर दो चमत्कारिक स्थान है। प्रथम तो नारियल कुंड जो एक शिला में नारियल के आकार का कटा हुआ है और द्वितीय बजनी शिला जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है।

पर्वत के नीचे १८ मन्दिर व अनेक धर्मशालाये है। पर्वत की परिक्रमा पक्की बनी हुई है। पर्वत पर जाने के लिए सीढिया बनी है तथा मन्दिरों पर भी संख्या पड़ी है जिससे वन्दना मे सुगमता होती है।

५७ कुरिगवां (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे पर स्थित झासी जक्शन स्टेशन से ३ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा एक मठ जमीन से निकला है, उसमे एक भोहरा है। इस भोहरे मे १४ वी शताब्दी की कई प्राचीन मूर्तिया है।

५८. ललितपुर—मध्य रेलवे की इटारसी-झासी नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर यह ऐतिहासिक नगर है। यहा एक कोट के अन्दर पाच विशाल मन्दिर है।

५९. सैरोन (अतिशय क्षेत्र)—ललितपुर से १० मील दूर यह ग्राम है। यहा के ६ मन्दिर लगभग १,००० वर्ष प्राचीन है। एक मन्दिर मे भगवान शान्तिनाथ स्वामी की २० फीट ऊची प्रतिमा विराजमान है। यहा खुदाई मे अनेको जैन प्रतिमायें निकली है।

६० चंदेरी—उपर्युक्त ललितपुर नगर से यह स्थान लगभग २० मील की दूरी पर अवस्थित है। यहा तीन प्राचीन मन्दिर है। एक मन्दिर मे अलग अलग चौबीस तीर्थंकरो की अतिशययुक्त प्रतिमायें विराजमान हैं। इन प्रतिमाओ की विशेषता यह है कि जिस तीर्थंकर के शरीर का जो वर्ण था वही वर्ण उन प्रतिमा जी का है। ऐसी प्रतिमायें अन्यत्र नही मिलती। इस चौबीसी को सन १८३६ मे सवाई चौधरी फौजदार हिरदे शाह मरदनसिह के कामदार सवाईसिंह जी ने निर्माण करवाया था।

६१. खन्दार जी—उक्त चंदेरी क्षेत्र से एक मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां पहाड़ी की गुफाओ में पत्थर काट कर मूर्तियां बनायी गई हैं जो तेरहवीं से सत्रहवीं शताब्दी के अन्तर्गत हैं। एक प्रतिमा २५ फीट ऊची है। यहा की सभी प्रतिमायें पुरातत्व व कला की दृष्टि से विशेष महत्व रखती हैं।

यहा भट्टारक कमलकीर्ति तथा पद्मकीर्ति के स्मारक सन् १६६० और १६८० के है।

६२ बूढ़ी चंदेरी—उपर्युक्त चन्देरी से ९ मील की दूरी पर यह स्थान है। यहा प्राचीन कलापूर्ण मूर्तिया सैकडो की सख्या मे यत्र तत्र बिखरी पड़ी हैं। शिल्प कला की दृष्टि से यहा के मन्दिर व मूर्तिया अद्वितीय है। प्रत्येक मन्दिर की छत केवल एक पत्थर की है। किसी किसी शिला का परिमाण २०० मन से भी अधिक है'

६३ थूबोन जी—चदेरी से ९ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसका प्राचीन नाम 'तपोवन' है। यहा २५ दिगम्बर मन्दिर है जिसमे सबसे प्राचीन पाडाशाह द्वारा निर्मित काला मन्दिर है जो १६ वी शताब्दी का है।

६४ गुरीलागिरि—यह स्थान चदेरी से ८ मील पूर्वोत्तर है। यहां प्राचीन जैन मन्दिरों के भग्नावशेष है। अनेकों खडित प्रतिमायें इस स्थान के प्राचीन जैन वैभव को बतलाती है।

६५ पंचराई (अतिशय क्षेत्र)—चदेरी से ३८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के २८ मन्दिरो मे लगभग १,००० प्रतिमायें है जिनमे लगभग ५०० अखडित है। इन मन्दिरो में एक मन्दिर पाडाशाह द्वारा ग्यारहवी शताब्दी का निर्मित भगवान शान्तिनाथ स्वामी का है।

६६ टीकमगढ़—मध्य रेलवे की इटारसी-झासी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर ललितपुर स्टेशन से लगभग ३४ मील की दूरी पर यह अवस्थित है। यह नगर पूर्व मे टीकमगढ़ रियासत की राजधानी भी रहा है। यहा लगभग १९ विशाल जैन मंदिर है।

६७ पपौरा जी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त टीकमगढ नगर से लगभग ३ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसके चारों ओर कोट बना है। कोट मे प्राचीन विशाल ८० दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। इनमे एक मन्दिर में सात गज ऊंची प्राचीन प्रतिमा है और भोंहरे के मन्दिर में चतुर्थकाल की सातिशय प्रतिमायें हैं। भोंहरे का मंदिर
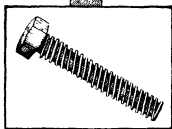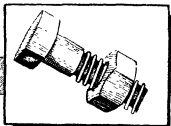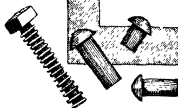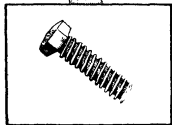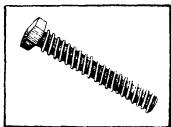
सबसे प्राचीन है जो सन् ११४५ में प्रसिद्ध चंदेलवंशीय राजा मदन वर्मनदेव के समय का बना हुआ है।

६८. आहार जी (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त टीकमगढ नगर से पूर्व की ओर लगभग १२ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां के विषय में ऐसा प्रसिद्ध है कि प्राचीन समय में एक पाणाशाह नामक धनवान जैन व्यापारी थे, उनको नित्य जिनेन्द्र-दर्शन करके ही भोजन करने की प्रतिज्ञा थी। एक दिन उनको व्यापार सम्बन्धी यात्रा में उस तालाब के निकट ठहरना पडा जहा आज आहार जी के मन्दिर है। उस स्थान पर कोई मन्दिर न होने से दर्शन न हुए और उन्होने उपवास करने का निश्चय किया, किन्तु तभी एक मुनिराज का शुभागमन हुआ और उन्होने साक्षात गुरु के दर्शन कर उन्हे आहार दिया और तत्पश्चात स्वयं भोजन ग्रहण किया। इस अतिशयपूर्ण स्मृति को सुरक्षित व स्थान की पवित्रता बनाये रखने के लिए उन्होने वहा जैन मन्दिर निर्माण कराना निश्चित किया। सयोग से वह जो रागा व्यापार के लिए लाये थे, वह भी चादी हो गया। पाणाशाह जी ने उस सम्पूर्ण द्रव्य से यह मन्दिर निर्माण कराये। तभी से यह क्षेत्र अहार जी के नाम से प्रसिद्ध है। इस कथानक के अतिरिक्त यहा से प्राप्त दूसरी शताब्दी के शिलालेखो से भी प्रमाण मिलते है कि पाणाशाह जी ने इस पुरातन तीर्थ का जीर्णोद्धार कर प्रसिद्धि की थी।

वर्तमान मे यहा चार मन्दिर अवशेष है मुख्य मन्दिर मे १८ फीट ऊची भगवान शान्तिनाथ जी की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इस प्रतिमा की प्रतिष्ठा सन ११८० मे गृहपति वश के सेठ जाहड के भाइयो ने कराई थी। यहा और भी अधिक प्राचीन प्रतिमाये व शिलालेख है जो इस तीर्थ के महत्व को स्थापित करती है।

६९. जबलपुर—मध्य रेलवे की इटारसी-जबलपुर वाली मुख्य लाइन पर प्रमुख जक्शन स्टेशन है। यहा लगभग ५० विशाल मन्दिर है। धुंआधार नामक स्थान के निकट भेड़ाघाट में मढिया जी नाम का मन्दिर विशेष प्रसिद्ध है जिसमें चतुर्थकालीन २ मेरु हैं। पहले मेरु में ६२ और दूसरे मे २४ मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

७०. पाटन—जबलपुर से तीन मील की दूरी पर पाटन ग्राम है। यहा कई प्रसिद्ध श्वेताम्बर मन्दिर है जिनमे कई प्राचीन प्रतिमायें है। मन्दिरों की कारीगरी दर्शनीय है।

७१. बाहुरी बंद—जबलपुर से २१ मील की दूरी पर यह ग्राम स्थित है। यहां प्राचीन मन्दिरो के भग्नावशेष यत्र तत्र बिखरे पड़े है। एक मन्दिर मे १२ फुट ऊचा भगवान शातिनाथ स्वामी की सन् १०४३ की प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है।

७२. अजयगढ़ (अतिशय क्षेत्र)—नगर मे एक मन्दिर है। आबादी के निकट एक पर्वत पर किला है जिसके द्वार से पार होते ही दीवालस्थ २ शिलाओ मे उत्कीर्ण पद्मासन ५० दिगम्बर मूर्तिया है। इसके पास ही २ कुण्ड और एक तालाब है। तालाब की दीवार में भी प्राचीन प्रतिमाय है। यहा एक मानस्तम्भ भी है।

७३ बीना जी (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे के बीना-कटनी सेक्शन पर सागर स्टेशन से देवरी नामक स्थान है। देवरी से ४ मील की दूरी पर बीना जी अवस्थित है। यहा तीन विशाल व कलापूर्ण दिगम्बर जैन मन्दिर है, इनने एक प्रतिमा भगवान शान्तिनाथ जी की १४ फुट की तथा एक प्रतिमा वर्द्धमान स्वामी की १२ फुट की खड्गासन विराजमान है। एक भोहरे मे बहुत सी प्राचीन प्रतिमायें है।

७४. देवगढ (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र सेंट्रल रेलवे की इटारसी-झांसी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित जाखलौन स्टेशन से ८ मील की दूरी पर है। ग्राम का मुख्य आबादी से थोडी दूर चलकर एक पहाड है जिस पर प्राचीन किले के खडहर इतस्तत पडे है। किले के अन्दर असंख्य जैन मूर्तिया खडित अवस्था मे है। यहा ४५ प्राचीन जैन मन्दिर है जो कि लाखो रुपयो की लागत के है। लोकोक्ति के अनुसार इन मन्दिरो को श्री पाणाशाह व उनके अन्य दो भाई सर्व श्री देवपत व खेवपत ने बनवाया था, परन्तु कुछ मन्दिर उनके काल से भी अधिक प्राचीन है। मन्दिर व जैन मूर्तियो के अतिरिक्त लगभग २०० शिलालेख सं० ६१९ से १८७६ तक के हैं, इनमे १५७ ऐतिहासिक लेख है। मन्दिरो के मध्य मे १ बड़ा मन्दिर है, जिसमे एक गुफा मे खड्गासन १५ गज ऊंची

NATIONAL ELECTRICALS

SERVE YOU WELL

DISTRIBUTORS:-

MODERN TRADE CORPORATION

5189/90 SADAR BAZAR, DELHI.6.

भगवान चन्द्रप्रभु की मूर्ति विराजमान है। यहां ८ मानस्तम्भ है। भगवान शान्तिनाथ जी की विशालकाय प्रतिमा भी दर्शनीय है। यहां की एक गुफा सिद्ध-गुफा नाम से प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र की मूर्तियां, मन्दिर आदि सभी प्राचीन जैन स्थापत्य-कला की प्रतीक है। यह स्थान उत्तर भारत की 'जैन-बद्री' से भी प्रसिद्ध है। ग्राम में नदी के निकट ही धर्मशाला है।

७५. चांदपुर (अतिशय क्षेत्र)—उक्त देवगढ़ क्षेत्र से ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा २ प्राचीन मन्दिर है। एक मन्दिर में भगवान शान्तिनाथ की १४ गज ऊंची प्रतिमा विराजमान है, उसके उभय पार्श्वों मे दो-दो प्रतिमायें सात सात गज ऊची हैं।

७६. कुरगमा (अतिशय क्षेत्र)-मध्य रेलवे की बीना-झांसी लाइन पर जाखलौन स्टेशन से ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है।

७७. चांदपुर-चंदावर—मध्य रेलवे की बीना-झांसी लाइन पर जाखलौन स्टेशन से ५ मील दूर यह स्थान है। यहा के मन्दिर मे भगवान शान्तिनाथ स्वामी की प्रतिमा विशेष प्राचीन है।

७८ द्रोणगिरि (सिद्धक्षेत्र)—सेंट्रल रेलवे की बीना-कटनी लाइन पर सागर स्टेशन से लगभग २० मील की दूरी पर अवस्थित है। यह क्षेत्र श्री गुरुदत्तादि मुनिराजों की निर्वाण-भूमि है।

इस पहाडी पर २६ प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर हैं जिनमें ६० प्रतिमायें विराजमान है। पहाडी के दोनों ओर चंद्राक्षा और श्यामरी नामक नदिया बहती हैं। निकट ही एक गुफा है तथा एक चबूतरे पर चरण भी है।

पर्वत के निकट ही सेंदपा नामक ग्राम है। पर्वत की तलहटी में २ धर्मशालायें तथा एक मन्दिर है जिसमे मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ स्वामी की सम्वत् १५४९ की विराजमान है।

७९. नैनागिरि (रेशिंदेगिरि सिद्धक्षेत्र)—यह सिद्धक्षेत्र मध्य रेलवे की बीना-कटनी शाखा लाइन पर स्थित सागर स्टेशन से ३० मील की दूरी पर है। आबादी में ७ दिगम्बर जैन मन्दिर हैं। इनके निकट ही रेशिंदेगिरि पर्वत है जिस पर २५ भव्य जिनालय हैं। यहां पर भगवान पार्श्वनाथ का समवशरण आया था और इसी पुण्य भूमि से वरदत्तादि पाच मुनिराज मोक्ष पधारे थे। पर्वत के मन्दिरों मे सबसे प्राचीन मंदिर १७ वीं शताब्दी का है।

पर्वत के निकट ही एक तालाब है और उसके बीच में एक जैन मन्दिर है। यहा प्रति वर्ष कार्तिकी अष्टानिका के अन्त में मेला होता है।

८०. सिद्धवरकूट (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की अजमेर खडवा लाइन पर सनावद स्टेशन से ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र नर्मदा नदी के निकट अवस्थित है। यहा से दो चक्रवर्ती, दस कामदेव आदि ३½ करोड मुनि मोक्ष गये है।

क्षेत्र के चारो ओर कोट खिचा हुआ है। कोट के अन्दर आठ दिगम्बर मन्दिर है जिनमे अति मनोज्ञ प्रतिमायें हैं। एक मन्दिर पास ही जगल में भी है।

८१. कुण्डलपुर (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की बीना-कटनी लाइन पर दमोह स्टेशन से २० मील की दूरी पर ईशानकोण में यह क्षेत्र अवस्थित है। ग्राम के निकट ही एक कुण्डलाकार पर्वत है। इस पर्वत और तलहटी में कुल ५९ मन्दिर हैं। पर्वतस्थ मन्दिरों के बीच मे एक बड़ा भारी मन्दिर पहाड काट कर बनाया गया है। इस मन्दिर मे भगवान महावीर की ९ फुट ऊची प्रतिमा पहाड मे उत्कीर्ण है। यह मन्दिर जमीन की सतह से १७ फुट नीचा है। पर्वत के अन्य मन्दिरों में प्राचीन शिलालेख हैं।

यहा भगवान महावीर का समवशरण आया था।

८२. सागर—यह मध्य प्रदेश के प्रमुख नगरो में से है। यहा १६ मन्दिर हैं जिनमे ३ विशेष विशाल व प्राचीन है।

८३. मालथौन (अतिशय क्षेत्र)—सागर से ३८ मील पर यह ग्राम है। यहा के प्राचीन मन्दिर मे १० फुट से २४ फुट तक ऊंची प्रतिमायें विराजमान हैं। एक प्राचीन शिलालेख भी है।

८४. बालाबेट (अतिशय क्षेत्र)—उक्त मालथौन ग्राम से ८ मील यह क्षेत्र है। यहां के मन्दिर में भगवान पार्श्वनाथ की अतिशय कारक २ फुट ऊंची मूर्ति विराजमान है।

८५. **विदिशा**—यह नगर मध्य रेलवे की इटारसी-झांसी वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर स्थित है। यहा एक विशाल दिगम्बर जैन मन्दिर है जो विशेष प्राचीन है। इसके अतिरिक्त कई सुन्दर मन्दिर व चैत्यालय है।

नगर से लगभग ४ मील की दूरी पर उदयगिरि पर्वत तथा सांची का स्तूप ऐतिहासिक दर्शनीय स्थान है। उदयगिरि में २० गुफायें तथा कई मन्दिर हैं। इन गुफाओ मे प्रथम व बीसवी जैन हैं दोनो गुफाओं मे प्राकृत भाषा व ब्राह्मी लिपि मे दो लेख है। दूसरी गुफा के एक आले में दो चरण चिन्ह हैं और दीवालों पर अर्हंत प्रतिमायें (भगवान पार्श्वनाथ आदि) खडितावस्था मे हैं। इस गुफा को गुप्त वंश के राजाओ के समय मे उनके एक जैन सेनापति ने जैन मुनिराजों के लिए निर्माण कराया था। इन प्रमाणो से यह अनुमान किया जाता है कि सभवत यह क्षेत्र ही दसवे तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ जी की जन्मनगरी भद्दिलपुर रही हो।

यहा स्टेशन के निकट ही जैन धर्मशाला भी है।

८६. **खजुराहो**—मध्य रेलवे की इटारसी-झासी वाली लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा २५ जैन मन्दिर है जिनकी शिल्पकला प्रख्यात है।

यह ऐतिहासिक स्थान है। यह चंदेलवश के राजाओ के समय विशेष उन्नति पर था। जैन मदिरो में 'जैनकाय जी का मन्दिर' विशेष आकर्षक है। इस मन्दिर को सन ६५४ में पाहिला नामक महानुभाव ने दान दिया था।

८७. **रामटेक (अतिशय क्षेत्र)**—दक्षिण-पूर्वी रेलवे की रामटेक नागपुर लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नगर के निकट ही जगल मे विशाल मन्दिर है एक मन्दिर मे १८ फुट ऊची कायोत्सर्ग पीले पाषाण की भगवान शान्तिनाथ की चौथे काल की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। ऐसा कहा जाता है कि श्री अप्पा साहब भोसले के राजमन्त्री श्री वर्धमान साव जी श्रावक ने यहा कई मदिर बनवाये थे।

८८. भद्रावती (भांदक)—मध्य रेलवे की वर्धा-विजयवाडा लाइन पर भादक स्टेशन है। भांदक का प्राचीन नाम भद्रावती है। गांव से थोडी दूर एक पहाडी पर तीन ओर गुफायें हैं जिनमे प्राचीन मूर्तिया उत्कीर्ण हैं। इन्हे विंध्यासन की गुफायें कहते हैं। टेकरी पर श्री पार्श्वनाथ मन्दिर है जिसके निकट के सरोवर मे अनेक प्राचीन जैन मूर्तिया प्राप्त हुई हैं। भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा भी स्वप्नादेश पर जमीन से निकाली गई है।

इसके अतिरिक्त भगवान आदिनाथ स्वामी का मदिर है जिसमे शिखर-भाग मे मनोहर चौमुखी प्रतिमा विराजमान है।

८९ मुक्तागिरि-मेंढागिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की मूर्तजापुर-एलिचपुर लाइन पर एलिचपुर स्टेशन से ६ मील दूर यह क्षेत्र है। यहां से ३॥ करोड मुनि मुक्त हुए हैं।

यह पवत लगभग २ फर्लांग ऊचाई का है। जिस पर सीडिया बनी हैं। ऊपर कई गुफायें हैं जिनमें बहुत सी प्राचीन प्रतिमायें है। गुफाओ के आस पास ३५ मन्दिर हैं जिनमे अधिकाश १६ वी शताब्दी के हैं, किन्तु कुछ मदिर अधिक प्राचीन हैं। यहा से प्राप्त एक ताम्रपत्र से इस क्षत्र का सम्बन्ध सम्राट श्रेणिक बिम्बसार का साथ प्रकट होता है। यहा ४० वें नं० का मन्दिर पर्वत के गर्भ मे खुदा हुआ व प्राचीन है। इस मन्दिर की नक्काशी का काम अति सुन्दर है। स्तभा और छत की रचना अपूर्व है। श्री शान्तिनाथ जी की प्रतिमा दर्शनीय है। यहा कुछ ऊपर चढने पर मेंढगिरि पर्वत है जहा कई मन्दिर हैं। श्री पार्श्वनाथ भगवान का नं० १ का मन्दिर भी प्राचीन और दर्शनीय शिल्प का नमूना है। पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा सप्त परम मंडित प्राचीन है। शान्तिनाथ जी के मन्दिर के निकट जलप्रपात भी है।

तलहटी मे भी एक मन्दिर है। इस क्षेत्र पर नित्य केशर की वर्षा होती है।

९० अमरावती—मध्य रेलवे की बडनेरा-अमरावती शाखा लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नगर के चारो ओर कोट है। यहा ५ शिखरयुक्त मन्दिर तथा ७ चैत्यालय हैं। एक मन्दिर मे भोंहरा है। दूसरे प्राचीन मन्दिर मे स्फटिक की १५, पुखराज की एक, चादी की ६, मूगा की १ और हीरा की एक, इस प्रकार रत्नो की ९० प्रतिमायें हैं।

९ परतवाडा—उक्त अमरावती नगर से ३३ मील दूर यह कस्बा है। यहां एक दिगम्बर मन्दिर दर्शनीय है। यहां से ३ मील की दूरी पर सुल्तानपुरा ग्राम मे एक विशाल दिगम्बर मन्दिर व चैत्यालय है। चैत्यालय मे ८ अगुल ऊची मूगा की एक प्रतिमा है।

९२ भातकुली (अतिशय क्षेत्र)—अमरावती से १० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा तीन मन्दिर व कई चैत्यालय हैं। इनमे श्री ऋषभनाथ जी की प्रतिमा अति मनोज्ञ व सातिशय विराजमान है।

९३ अतरिक्ष-पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—मध्य-रेलवे की भुसावल-नागपुर लाइन पर अकोला स्टेशन से १६ मील की दूरी पर शिरपुर ग्राम के निकट यह क्षत्र अवस्थित है। शिरपुर मे दो मन्दिर हैं जिनमे एक विशेष प्राचीन है। प्राचीन मन्दिर के एक भोंहरे मे २६ मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ की २½ फुट ऊची श्याम वर्ण की पृथ्वीतल से एक इंच ऊची अधर विराजमान है। इस प्रतिमा के अधर होने से ही यह क्षत्र अन्तरिक्ष नाम से सम्बोधित किया जाता है।

इस क्षत्र को दिगम्बर व श्वेताम्बर समान रूप से पूजते हैं। इसके अतिरिक्त ४ नशिया हैं।

९४ श्री महावीर जी (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई सेंट्रल बाली मेन लाइन पर श्री महावीर जी प्रसिद्ध स्टेशन है। स्टेशन से यह क्षेत्र लगभग ४ मील की दूरी पर है।

यहा विशाल जैन मन्दिर मे भगवान महावीर की अतिमनोज्ञ सातिशय प्रतिमा विराजमान है। यह प्रतिमा एक ग्वाले को जमीन खोदते समय मिली थी। जिस स्थान से प्रतिमा जी प्राप्त हुई थी वहां छतरी के नीचे चरण-चिन्ह अकित किये गये हैं। मन्दिर जी के सामने विशाल मान स्तभ भी बना है।

उपर्युक्त मदिर के निकट ही ब्र० कृष्णाबाई के सदप्रयत्नो से बना हुआ एक और विशाल मन्दिर है जिसमें

भगवान महावीर की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। मंदिर जी में बावन चैत्यालयों की सुन्दर रचना उपस्थित की गई है।

९५. सवाई माधोपुर—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई लाइन पर सवाई माधोपुर जंक्शन स्टेशन है। स्टेशन से लगभग ४ मील की दूरी पर आबादी है। यहां ७ विशाल मन्दिर हैं। कई मन्दिरों में भोंहरे हैं जिनमें सैकड़ों मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं।

९६. चमत्कार जी—उक्त सवाई माधोपुर स्टेशन से २ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां एक विशाल मंदिर व नशियां जी हैं। ऐसा कहा जाता है कि सन् १८४७ में एक स्फटिक मणि की ६ इंच की प्रतिमा एक बाग में मिली थी, उस समय यहां केशर की वर्षा हुई थी।

९७. रणथंभोर—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मेन लाइन पर रणथंभोर स्टेशन है। सवाई माधोपुर से यह १० मील दूर है। यहां राजा हम्मीरसिंह का बनवाया १ हजार वर्ष प्राचीन किला है जिसमें अनेक मन्दिरों के

साथ एक जैन मन्दिर भी है। मन्दिर जी में सं० १० की श्वेत पाषाण की एक फुट ऊंची पद्मासन भगवान चन्द्रप्रभु की मूर्ति विराजमान है।

९८. भंडार—रणथंभोर से २४ मील दूर यह स्थान है। यहां एक बड़े कोट में दो मन्दिर हैं उनमें अनेक विशाल प्रतिमायें हैं।

९९. श्री केशवराय-पाटन—पश्चिम रेलवे की बम्बई-दिल्ली लाइन पर कोटा जंक्शन स्टेशन से ५ मील दूर यह नगर अवस्थित है। यहां एक प्राचीन विशाल जैन मंदिर है जिसमें पृथ्वी के अन्दर गुफा में मूर्तियां विराजमान हैं।

१००. चांदखेड़ी (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की बीना-कोटा लाइन पर कोटा जक्शन से ७० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा सन् १६८९ का प्रतिष्ठित विशाल मन्दिर भूगर्भ मे है। इसमे भगवान ऋषभदेव की ५ फुट ऊंची प्रतिमा तथा उभय पार्श्वों में भगवान शान्तिनाथ की दो प्रतिमायें ७–७ फुट की विराजमान है। इनके अतिरिक्त सैकडों प्राचीन जैन बिम्ब हैं। द्वार के उत्तर भाग मे १० फुट ऊंचा एक कीर्ति स्तभ है जिसके चारों ओर प्रतिमायें उत्कीर्ण हैं।

१०१. बजरंगगढ़ (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की कोटा-बीना लाइन पर गुना स्टेशन से ५ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के ३ मन्दिरो में एक पाडाशाह द्वारा निर्मित है जिसमे एक भोंहरे में अनेकों प्रतिमायें हैं। इनमें से कुछ प्रतिमायें धार्मिक विद्वेष से जैनेतर लोगों ने लगभग १०० वर्ष पूर्व विध्वंस कर दीं। सन् ११८१ की प्रतिष्ठित भगवान अरहनाथ व भगवान कुंथुनाथ स्वामी की प्रतिमायें अतिशयुक्त हैं।

१०२. उज्जैन—यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान पश्चिमी रेलवे की नागदा-उज्जैन-भोपाल लाइन पर अवस्थित है। यह प्राचीन अतिशय क्षेत्र है। अवन्तिकापुरी का उज्जैन या उज्जयिनी नाम यहां जैन शासन के समय में ही पड़ा। यहां की श्मशान भूमि में भगवान महावीर ने तपस्या की थी और यहीं पर रुद्र ने उन पर घोर उपसर्ग किया था। कालान्तर में यह स्थान चन्द्रगुप्त की राजधानियों में से रहा। श्रुतकेवली भद्रबाहु यहां पधारे थे।

यहां के प्राचीन खंडहर अब भी यहा के प्राचीन जैन वैभव को बतलाते है।

१०३. इन्दौर—पश्चिम रेलवे की उज्जैन-इन्दौर लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

यह जैनो का प्रमुख केन्द्र है। यहां कई विशाल मंदिर धर्मशालायें तथा अन्य संस्थायें हैं। मन्दिरों मे स्व० दानवीर सेठ हुकमचन्द्र जी का मन्दिर अत्यन्त विशाल व कलापूर्ण है।

१०४. भोपावर—धार नगर से यह स्थान २४ मील है। यहां के विशाल प्राचीन मन्दिर में भगवान शान्तिनाथ स्वामी की १२ फुट ऊंची अति मनोज्ञ प्रतिमा प्रतिष्ठित है। अन्य तीर्थंकरों व गणधरों की प्राचीन प्रतिमायें है।

१०५. बखसी पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की नागदा-भोपाल वाली लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा एक मन्दिर है जिसमें मूलनायक प्रतिमा पद्मासन श्याम वर्ण ३½ फुट ऊंची सफल पार्श्वनाथ स्वामी की विराजमान है। इस प्रतिमा की पूजा वगैरह दिगम्बर व श्वेताम्बर भाई समान रूप से करते हैं। उभय पार्श्वों में श्वेताम्बरीय प्रतिमायें विराजमान हे।

इस मंदिर के चारो ओर ५२ देवरी और बनी हुई है जिनमें ५२ दिगम्बर जैन प्रतिमायें मूलसंघी शाह जीवराज पा.डीवाल द्वारा प्रतिष्ठित विराजमान हैं।

१०६. उदयपुर—यह ऐतिहासिक नगर पश्चिम रेलवे पर स्थित है। यहा कई कलापूर्ण मंदिर व चैत्यालय है।

१०७. जयपुर—पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर यह प्रसिद्ध ऐतिहासिक व वर्तमान राजस्थान राज्य का मुख्य नगर स्थित है।

यहां के प्राचीन कलापूर्ण जैन मन्दिर दर्शनीय है।

१०८. आमेर-अम्बर—यह स्थान जयपुर से ५ मील दूर है। जयपुर राज्य की प्राचीन राजधानी यही थी। यहां अनेक विशाल व कलापूर्ण जैन मन्दिर हैं।

१०९. सांगानेर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली वाली लाइन पर सांगानेर स्टेशन अवस्थित है। यह नगर जयपुर से लगभग ८ मील की दूरी पर है। यहां सात प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर हैं जिनमें अनेक प्राचीन प्रतिमायें हैं। इन मन्दिरों की चित्रकारी अनूठी है।

११०. अजमेर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर प्रसिद्ध नगर है। चौहान राजा अजयपाल ने इस नगर को बसाया था और अपनी राजधानी बनाया था। उसके अनन्तर भी चहान राजाओं की राजधानी रहा। इन चौहान राजाओं में पृथ्वीराज द्वितीय और सोमेश्वर जैन धर्म के पोषक थे। यहां मूल संघ के भट्टारकों की गद्दी भी रही है।

नगर में १५ शिखरयुक्त मंदिर और कई चैत्यालय है। सेठ टीकमचन्द्र भागचन्द्र जी सोनी की नशियां विशेष कलापूर्ण है, यह तीन मंजिल की बनी हुई है। पहली मंजिल में अयोध्या और समवशरण की रचना अत्यन्त सुन्दर है, दूसरी मे स्फटिक व माणिक आदि की प्रतिमायें है तथा तीसरी मंजिल में उत्सव आदि की सजावट का सामान है।

१११. पुष्कर—अजमेर से ७ मील दूर यह स्थान है। पश्चिमी रेलवे द्वारा चलने वाली आउट एजेंसी बसो से यहा आया जा सकता है। यहां भी कई प्राचीन मंदिर हैं जिनमें मनोज्ञ प्रतिमायें हैं।

११२. सूमेक (अतिशय क्षेत्र)—आसलीन स्टेशन से ४ मील कच्चे पहाड़ी मार्ग की दूरी पर यह स्थित है। यहा पर्वत पर एक छतरी बनी है जिसमें १½ हजार वर्ष प्राचीन शान्ति नाथ भगवान के चरण-चिह्न हैं।

११३. चूलेश्वर (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की अजमेर-खंडवा (मालवा सेक्शन) वाली लाइन पर चित्तौड़ गढ़ स्टेशन से २८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां पहाड़ के नीचे तथा ऊपर एक एक मंदिर हैं। ऊपर के मंदिरमें २ फुट ऊंची भगवान पार्श्वनाथ की एक प्रतिमा बालूकी बनी हुई है।

इस स्थान पर भ० पार्श्वनाथ स्वामी का समवसरण आया था।

११४. नीमच—पश्चिम रेलवे की अजमेर-चित्तौड़गढ़ रतलाम-खंडवा (मालवा-सेक्शन) वाली छोटी लाइन पर अवस्थित है। यहां एक सुन्दर दिगम्बर जैन मन्दिर हैं।

११५ बिजौलिया पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—उपर्युक्त नीमच स्टेशन से लगभग ६८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां २ दिगम्बर जैन मंदिर है, एक मे अन्य मूर्तियों के अतिरिक्त १ फुट ऊंची स्फटिक पाषाण की भगवान चन्द्रप्रभु की अति मनोज्ञ पद्मासन प्रतिमा विराजमान है, दूसरे मदिर मे एक देहरी है जिस मे २३ प्रतिमायें उत्कीर्ण की गई हैं दर्शनीय हैं। दो मानस्तंभ भी हैं, जिन पर प्राचीन शिला लेख हैं। चारो ओर दीवालो पर मुनियो की प्रतिमा उत्कीर्ण हैं। मदिर के निकट ३० फुट लम्बा चौडा और २१ फुट गहरा एक जल कुंड है।

११६. पावागिरि ऊन (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की अजमेर-खडवा वाली छोटी लाइन (मलावा-सेक्शन) पर सनावद स्टेशन से बस द्वारा खरगौन जाकर २ मील आगे यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा से सुवर्णभद्र आदि चार मुनिराजो ने मोक्ष प्राप्त किया, एतदर्थ सिद्धक्षेत्र है।

यह क्षेत्र लगभग १७-१८ वर्ष से प्रकाश मे आया है। यहा के मदिर आदि जमीन के अदर धस गये थे। आबादी से दक्षिण की ओर एक छोटे से टीले पर एक विशाल प्राचीन जैन मदिर है। इस मदिर मे सन १२०६ की प्रतिष्ठित भ० शान्तिनाथ की १५ फीट ऊंची बीच मे तथा उभय पार्श्वो मे ११-११ फीट ऊंची भगवान कुंथनाथ व अरहनाथ की कृष्ण पाषाण खड्गासन प्रतिमाये महामनोज्ञ और सागोपाग विराजमान हैं। इस मदिर जी के गर्भगृह मे इतनी मिट्टी जमा हो गई थी कि सिर्फ मूलनायक प्रतिमा का मुख ही दिखलाई देता था। निकट ही नदी होने से यह सर्वथा निर्भ्रांत है कि यह वही सिद्धक्षेत्र पावागिरि है जिसके विषय मे निर्वाणकाण्ड मे उल्लेख है।

११७ बड़वानी—पश्चिम रेलवे की अजमेर-चित्तौड़गढ खडवा वाली छोटी लाइन (मलावा-सेक्शन) पर अजनोद स्टेशन से लगभग १२ मील दूरी पर यह नगर अवस्थित है। नगर के बीच मे एक किला है जिसके निकट एक धर्मशाला व प्राचीन मदिर है।

११८. चूलगिरि-बावनगजा (सिद्धक्षेत्र)—उपर्युक्त बड़वानी नगर से दक्षिण की ओर लगभग ५ मील की दूरी

पर चूलगिरि पर्वत है। यहा से इन्द्रजीत और कुम्भकर्ण आदि ५½ करोड मुनिराजो को मुक्ति प्राप्त हुई, अतएव यह सिद्धक्षेत्र है। पर्वत पर २२ दिगम्बर जैन मदिर व एक चैत्यालय है।

एक मदिर मे पहाड मे उत्कीर्ण बावनगजा नामक ८४ फुट ऊची भगवान आदिनाथ स्वामी की विशाल प्राचीन प्रतिमा है। ऐसा भी मत है कि यह प्रतिमा कुम्भकरण की है। इस प्रतिमा जी के ऊपर पीछे की ओर एक दालान मे मध्य मे भगवान चन्द्रप्रभु तथा उभयपार्श्वो मे चरण-चिह्न विराजमान है। नीचे के मदिर की दो वेदियो मे क्रमश शान्तिनाथ कुथनाथ, अरहनाथ व मल्लिनाथ स्वामी और नेमिनाथ जी की विराजमान है। अन्य मदिरो मे भ० मल्लिनाथ भ०चन्द्रप्रभु, भ० मुनिसुव्रत नाथ आदि तीर्थंकरो की प्रतिमाये विराजमान हैं जिनमे अधिकाश यही जमीन के अन्दर से खुदाई मे प्राप्त हुई थी। कई मदिरो के भग्नावशेष भी पाये जाते हैं। एक छतरी मे तीन प्रतिमायें कुदकुदाचार्य आदि की विराजमान है।

११९ नागपुर—यह मध्य रेलवे पर प्रसिद्ध जक्शन स्टेशन है। यहा के अनेक मदिरो मे सैकडो प्राचीन और अर्वाचीन प्रतिमायें विराजमान हैं।

१२० कारजा (अतिशय क्षेत्र)—यहा एक प्राचीन विशाल मदिर व भट्टारको की गद्दिया है। मन्दिर मे धातु व पाषाण की प्राचीन अर्वाचीन सैकडो प्रतिमायें है। एक मन्दिर म सवधातुमयी सहस्त्रकूट चैत्यालय है। अन्य मदिरो मे नदीश्वर द्वीप सम्बन्धी ५२, पचमेरु की ८० तथा अनेक प्रतिमायें हैं। ब्रह्मचर्याश्रम के भवन के ऊपरी व भूगर्भ भाग मे चैत्यालय हैं। भूगर्भ चैत्यालय मे मूगा की ४, चांदी की ३, सोने की १ गरुणमणि की १, स्फटिक की ४ व नीलमणि की १, इस प्रकार कुल १४ रत्नमय प्रतिमायें है। चैत्यालय के सामने विशाल मानस्तम्भ है।

१२१. रायपुर—वह मध्य रेलवे पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

यहा के शिखर युक्त मदिर मे स्फटिक मणि की अनेक प्राचीन प्रतिमाये हैं।

पश्चिम-भारत

१२२ आबू पर्वत—पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद दिल्ली लाइन पर स्थित आबू रोड स्टेशन से आबू पर्वत लगभग १७ मील दूरी पर है। यह पर्वत १४ मील लम्बा और २०४ मील चौडा है।

आबू के सिविल स्टेशन से एक मील उत्तर पहाड पर दिलवाडा (देलवाता) मे पांच श्वेताम्बर जिन मन्दिर है। यह मन्दिर अपनी उत्कृष्ट कारीगरी के लिये विश्व-विख्यात हैं।

यहा मध्य मे चौमुखा मन्दिर है जिसमें भगवान ऋषभ देव की चतुर्मुख मूर्ति है। पश्चिम मे राजा भीम देव के सेनापति विमल शाह द्वारा सम्वत् १०८८ मे बनवाया गया मन्दिर है जिसमें भगवान पार्श्वनाथ की मूलनायक प्रतिमा विराजमान है। इसके निकट ही लवणवसही मे राजा वीर धवल के मत्री वस्तुपाल तेजपाल द्वारा सम्वत् १२८७ में बनवाया गया मन्दिर है जिसमे भगवान नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है। इस मदिर के गर्भगृह के उभय पार्श्वो मे दौरानी जिठानियो द्वारा निर्मित दो सुन्दर आले बने हैं। इन दोनों मन्दिरो मे सगमरमर की बारीक कारीगरी दर्शनीय है। उपर्युक्त दोनो मदिरो के बीच मे एक दिगम्बर जैन मन्दिर भी है जिनमे २२ जिनबिम्ब विराजमान हैं। इसके अतिरिक्त एक बड़ा मंदिर श्री आदि नाथ स्वामी का है। जिसकी प्रतिष्ठा सम्वत् १४९४ मे ईडर के भट्टारक द्वारा हुई थी।

यहा कई जैन धर्मशालाए है जहा ठहरने वगैरह की समुचित व्यवस्था है।

१२३ अचलगढ़—आबू रोड स्टेशन से लगभग ६ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा चारो ओर पर्वत का कोट है जिसमे ४ विशाल श्वेताम्बर मंदिर है। इनमे चौमुख जी के मंदिर की मुख्य मूर्ति पचधातु की १२० मन की है। निकट ही भगवान नेमिनाथ जी का मंदिर है। इसमे २४ वेदियां हैं। मदिर जी के समीप दो कुड हैं और थोड़ी दूर पर भरतहरि गुफा है।

१२४ केशरियानाथ जी—आबू के निकट यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां अत्यन्त विशाल व प्राचीन मदिर है। इसमे भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा विराजमान है। यहा हाथी पर मर्जमाल के ऊपर मनूदेवी की मूर्तियां अवस्थित है।

१२५ कुम्भरिया—आबू रोड से थोडी दूर पर यह ग्राम स्थित है। यहां विमलशाह के बनवाये हुये पांच विशाल कलापूर्ण मन्दिर हैं।

१२६. जीरावल्ली—आबू से १० मील पश्चिम में यह स्थान है। यहां के मुख्य मंदिर में पार्श्वनाथ जी की २ मूर्तियां हैं। प्राचीन मूर्ति मुसलमान शासनकाल में कुछ भग्न हो गई है।

१२७. भीलड़ी—पश्चिम रेलवे के पालनपुर कंडला लाइन पर पालनपुर से २८ मील दूर यह स्टेशन है। ग्राम के पश्चिम में एक भूगर्भ स्थित मंदिर है। इसमें भगवान पार्श्वनाथ की प्राचीन मूर्ति है। यहां अन्य प्रतिमायें भी बड़ी प्राचीन है।

१२८. कसाली—भीलड़ी से ६ मील पर यह गांव है। यहां भगवान ऋषभदेव का प्राचीन विशाल मंदिर है।

१२९. रामसेठा—भीलड़ी से २४ मील दूर यह ग्राम है। यहां के जैन मंदिर में जो मूर्ति है। उसके साथ ११वीं शताब्दी का शिलालेख है। नगर के पश्चिम भूगर्भ-मंदिर में ४ सुन्दर मूर्तियां हैं।

१३०. थराद—भीलड़ी से १७ मील दूर देवराज स्टेशन से पास ही यह नगर है। इसका प्राचीन नाम स्थिरपुर है। यहां पहले विशाल जैन मंदिर था जो काल दोष से अदृश्य हो गया है। यहां भूमि की खुदाई पर प्राचीन मूर्तियां प्रायः मिलती हैं। यहां के वर्तमान मंदिर में खुदाई में मिली पञ्चधातुमयी मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं।

१३१. मोरोल—थराद से यह स्थान १० मील है। यहां के विशाल मंदिर में श्री नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है।

१३२. तालनपुर (अतिशय क्षेत्र)—यहां कई विशाल मंदिर हैं। दोनों श्वेताम्बर व दिगम्बर मंदिरों में जमीन से निकली हुई प्रतिमायें विराजमान हैं। इनमें से एक प्रतिमा भ० मल्लिनाथ की अतिमनोज्ञ है।

१३३. बड़ौदा—पश्चिम रेलवे की बड़ौदा अहमदाबाद लाइन पर स्थित है।

यहां कई श्वेताम्बर मंदिर हैं जिनमें अति मनोज्ञ प्रतिमायें विराजमान हैं।

१३४. अहमदाबाद—यह औद्योगिक और गुजरात राज्य का प्रमुख नगर पश्चिम रेलवे की बड़ौदा-अहमदाबाद लाइन पर स्थित है। यहां कई प्राचीन व कलापूर्ण मंदिर है। रामदास की पोल वाले मदिर में दो भोंहरे हैं। जिनमे अनेक अत्यन्त प्राचीन प्रतिमायें हैं।

१३५. शत्रुंजय पालीताना (सिद्धक्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की सिहोर पालीताना छोटी लाइन पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहां से तीन पाडव कुमार, युधिष्ठिर, अर्जुन व भीम द्रविण देश के राजा तथा अन्य ८ करोड़ मुनि मोक्ष पधारे है, अतः यह सिद्धक्षेत्र

नगर से शत्रुंजय अथवा सिद्धाचल लगभग ३, ३½ मील की दूरी पर है। पर्वत के दोनों शिखरो के चारो ओर परकोटा है। परकोटे के साथ ही पाडव कुमारो की खड्गासन मूर्तिया हैं। परकोटे के अन्दर ३,५०० श्वेताम्बर मंदिर अपूर्व शिल्प चातुर्य से परिपूर्ण हैं। इनमे भ० आदिनाथ, सम्राट कुमारपाल विमलशाह, और चतुर्मुख मंदिर विशेष हैं। चौमुख मदिर में १२५ मनोज्ञ मूर्तिया हैं। यहां के ८ मंदिरों की शिल्प-कला विश्व ख्याति प्राप्त है।

रतनपोल के पास एक दिगम्बर जैन मन्दिर फाटक के भीतर है।

नगर में श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनो के मन्दिर व धर्मशालायें हैं।

१३६. झालरापाटन—यहां १२ शिखर युक्त मंदिर तथा कई चैत्यालय हैं। इनमें से एक मंदिर शहर के बाहर ईसा की दसवीं शताब्दी का बना हुआ पद्मनाथ स्वामी के नाम से प्रसिद्ध है। इसी मंदिर की ईशान दिशा में लगभग सन १०४३ के समय का लाखों रुपयों की लागत का विशाल मन्दिर है जिसमें ११ फुट ऊंची भगवान शांतिनाथ जी की खड्गासन प्रतिमा है। यह प्रतिमा जी जो कि सन १०४६ की प्रतिष्ठित हैं जमीन में से प्राप्त हुई थी।

१३७. शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ—शत्रुंजय से दसमील दूरी पर यह स्थान है। यहां का जैन मंदिर विशाल है। मुख्य मंदिर के समीप मंदिरों का एक समूह है, जिनमें विभिन्न तीर्थंकरों की मूर्तियां हैं। मुख्य मंदिर में पार्श्वनाथ स्वामी की मूर्ति है जिन्हें शङ्खेश्वर पार्श्वनाथ कहते हैं। मन्दिर नवीन हैं किन्तु प्रतिमा अत्यन्त प्राचीन है। पुराने मंदिर के नष्ट हो जाने पर नवीन मंदिर बनवा कर उसमें मूर्ति की प्रतिष्ठा हुई है।

१३८, भाव नगर—पश्चिम रेलवे की भाव नगर सुरेन्द्र नगर लाइन पर स्थित है। यहां कई विशाल मंदिर हैं। जिनकी स्थापत्य कला दर्शनीय है।

१३९. द्वारिका (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिम रेलवे की वीरमगाव-सुरेन्द्र नगर राजकोट लाइन पर द्वारका स्टेशन है।

यह नगर यादव वंशी राजाओं की प्राचीन राजधानी रही है। यहां ही भगवान नेमिनाथ स्वामी का जन्म हुआ था। यहां के मंदिर में भगवान नेमिनाथ स्वामी की मूर्ति व उनके चरण-चिह्न स्थापित हैं।

१४०. सोनगढ़—पश्चिम रेलवे की भाव नगर सुरेन्द्र नगर लाइन पर यह रेलवे स्टेशन है। यहां प्रसिद्ध अध्यात्मिक संत श्री कानजी स्वामी विराजते हैं। उनके द्वारा बनाया गया भगवान सीमंधर स्वामी का मंदिर है। अध्यात्म पिपासुओं के लिये कानजी स्वामी द्वारा संस्थापित एक आश्रम भी है।

१४१. जूनागढ़—यह नगर पश्चिमी रेलवे की राजकोट वेरावल छोटी लाइन पर जंक्शन स्टेशन है। नगर के पश्चिम में रेलवे स्टेशन और पूर्व में गिरनार पर्वत है। यह अपने प्राचीन नाम 'गिरिनगर' से भी प्रसिद्ध है। यहां कई श्वेताम्बर व दिगम्बर जैन मंदिर तथा धर्मशालाएँ हैं। निकट ही पुराना किला है जिसकी अनेक गुफाओं में बौद्ध व जैन मूर्तियां हैं। किले में एक वृहत तालाब तथा बावड़ी भी है।

१४२. गिरनार, ऊर्जयंत (सिद्धक्षेत्र)—उपर्युक्त जूनागढ़ नगर से लगभग ४ मील दूर गिरनार पर्वत है, बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ तथा वरदत्तादि ७२ करोड़ मुनिराजों की निर्वाण-भूमि होने से यह महान सिद्धक्षेत्र है। इस स्थान की यह विशेषता है कि हिन्दू, मुसलमान जैन आदि विभिन्न मतावलम्बी इसे अपनी अपनी श्रद्धा व मान्यता के अनुसार पूजनीय मानते हैं।

गिरनार, ऊर्जयंत अथवा रैवत पर्वत के नामों से भी प्रसिद्ध हैं। यह पर्वत समुद्रतल से लगभग ३,६६६ फुट ऊंचा हैं। इसकी प्राचीनता आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव के समय की है। भरत चक्रवर्ती अपनी दिग्विजय में यहा आये थे। ताम्रपत्र से प्रकट है कि ई० पूर्व ११४० में गिरिनार (रैवत) पर भगवान नेमिनाथ जी के मंदिर थे। यहीं पर चन्द्रगुफा में आचार्यवर्य श्री धरसेन जी ने तपस्या की और उनके द्वारा आचार्यगण पुष्पदंत व भूतबलि को अवशिष्ट श्रुतज्ञान को लिपिबद्ध करने का आदेश मिला। सम्राट अशोक ने यहीं पर जीवदया के प्रतिपादक धर्म लेख पाषाण पर लिखाये थे। छत्रप रुद्रसिंह के लेख से पता चलता कि मौर्य काल में व उसके बाद भी गिरिनार के प्राचीन मंदिर आदि तूफान से नष्ट हो गये थे। मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त के गुरु श्री भद्रबाहु स्वामी भी गिरिनार पधारे थे। भगवान कुंदकुंदाचार्य भी गिरिनार की वंदना को पधारे थे। राजा खंङ्गार के वंशज राजा मंडलीक ने गिरिनार पर भ० नेमिनाथ का सुन्दर मन्दिर बनवाया। सुल्तान अलाउद्दीन के काल में दिल्ली के सेठ पूर्णचन्द्र जी ससंघ यात्रा में यहां पधारे थे और उसी समय एक श्वेताम्बरीय संघ भी पहुंचा था। दोनों संघों ने मिलकर यात्रा की।

तलहटी से लगभग २ मील पर्वत पर चढ़ने के पश्चात सोरठ का महल है जो कि चूड़ासमासवंश के राजाओं का गढ़ है। इस महल से पूर्व ही एक सूखा कुंड है, जिसके ऊपर पार्श्व भाग में एक पद्मासन दिगम्बर जैन प्रतिमा अंकित है। इस प्रतिमा के बगल में एक युगल पुरुष व स्त्री की मूर्ति है और कमलनाल पर जैन अंकित है। युगल

सम्भवतः धरसेनप्र पद्मावली होने । आगे से थोड़ा हटकर कारशाह मिलता है जिसमें चरण-पादुकायें बनी हैं।

सोरठ महल के बाद जैन मन्दिर प्रारम्भ हो जाते हैं। इनके श्री कुमारपालतेज पाल आदि के बनवाये हुए अत्यन्त कलापूर्ण मन्दिर हैं। इनमें प्राचीनतम मन्दिर (Granite) ग्रेनाइट का है। जिसकी मरम्मत सम्वत् ११३२ में सेठ मान सिंह भोजराज ने कराई थी। यहां से आगे एक कोट में विशाल दिगम्बर जैन मंदिर हैं। इनमे एक श्री बंडीलाल जी द्वारा निर्मित सं० १६१५ का व दूसरा लगभग इसी समय का शोलापुर वालों का है। इस के अतिरिक्त एक मंदिर दिल्ली निवासी सागर मल महावीर प्रसाद जी ने सं० १६७७ में बनवाया था। इस मंदिर मे ही सबसे प्राचीन खड्गासन प्रतिमा विराजमान है। सम्वत् १६२० की नेमिनाथ स्वामी की प्रतिष्ठा थी, जिससे स्पष्ट है कि उस वर्ष यहा जिन बिम्ब प्रतिष्ठा हुई थी। इस पहली टोंक पर ही विशाल मंदिर है।

मंदिर समूह के निकट ही राजुलजी की गुफा है, जहां उन्होंने तप किया था। यहा राजुल जी की मूर्ति पाषाण में खुदी है तथा चरण-पादुकाएं हैं।

दूसरी टोंक पर जो अम्बादेवी की टोंक कहलाती है, अम्बादेवी का मन्दिर है। जो मूलतः जैनियों का हैं। अब इसे हिन्दू व जैन दोनों पूजते हैं। यहां चरण पादुकाएं भी हैं।

तीसरी टोंक पर भगवान नेमिनाथ स्वामी के चरण-चिह्न हैं। इस टोंक से लगभग ४,००० फुट नीचे उतर कर चौथी टोंक है। जिस पर काले पाषाण की श्री नेमिनाथ जी की दिगम्बर प्रतिमा और पास ही दूसरी शिला पर चरण चिह्न हैं। किन्हीं लोगों का मत है। कि भ० नेमिनाथ यहीं से मोक्ष पधारे थे। यह स्थान शंबुप्रद्युम्न नामक श्रीकृष्ण के पुत्रों का निर्वाण स्थान है।

चौथी टोंक से नीचे उतर कर पांचवी टोंक पर जाना होता है। यह शिखर सर्वोच्च व अतीव सुन्दर है। टोंक पर एक महिमा के नीचे नेमिनाथ के चरण चिह्न हैं। नीचे पास ही शिला भाग में खुदी हुई प्राचीन दिगम्बर जैन पद्मासन मूर्ति है। यहां एक बड़ा भारी घंटा है, वैष्णव इसे गुरुदत्तात्रेय का स्थान व मुसलमान मदारशाह पीर का तकिया कहते हैं। इस टोंक पर से कुछ सीढ़ी उतरने पर सम्वत् ११०८ का एक लेख मिलता है। नीचे उतर कर पुनः दूसरी टोंक पर आना होता है, यहां गौमुखी कुंड के दाहिनी ओर सहस्राम्रवन (सेसावन) है। जहां भ० नेमिनाथ ने १,००० राजाओं के साथ दीक्षा ग्रहण की थी। इस की दीवाल पर एक भाग में २४ तीर्थंकरों के २४ जोड़ी चरण हैं।

तलहटी में एक दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमें सम्वत् १५१० का एक यंत्र और सम्वत् १५४६ की साह जीवराज जी द्वारा प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है। शेष मूर्तियां अर्वाचीन हैं। मूलनायक श्री नेमिनाथ जी की कृष्ण पाषाण प्रतिमा सं० १६४७ में पिपलिया निवासी श्री पन्नालाल दोम्या ने प्रतिष्ठित कराई थी।

यहा के एक शिला लेख से तता चला है कि गिरनार की चारों टोंको पर सीढ़ियां दीवान बेचर दास के उद्योग से बनी।

यह क्षेत्र कोटि कोटि महान आत्माओं की तपोभूमि निर्वाण-स्थल होने के साथ साथ यहा के जैन मन्दिर व अन्य स्थान प्राचीन स्थापत्य व शिल्प कला के लिये संसार प्रसिद्ध हैं।

यहां से उत्तर-पश्चिम की ओर से २० मील दूर ढक नामक स्थान पर प्राचीन जैन मूर्त्तियां दर्शनीय है।

यहा श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनो की ही विशाल धर्मशालाएँ हैं।

१४३ अमीझरा पार्श्वनाथ (वडाली) अतिशय क्षेत्र—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-खेडब्रह्मा लाइन पर ईडर स्टेशन से ८ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा के प्राचीन मन्दिर मे चतुर्थ कालीन भ० पार्श्वनाथ जी की पद्मासन प्रतिमा है। यहा के अन्य मन्दिर भी कलापूर्ण हैं।

१४४. राणकपुर—पश्चिमी रेलवे की अहमदाबाद-दिल्ली लाइन पर रानी स्टेशन से निकट ही यह क्षेत्र है। यहा १२ मंदिर तथा ८६ देवकुलिकाएँ (मढ़ियां) हैं। इन सभी मन्दिरों की निर्माण कला दर्शनीय है। इनमें 'त्रैलोक्य दीपक' नामक मन्दिर विशाल चार मंजिल का है। इसकी कारीगरी अनूठी है। मन्दिर जी में मूलनायक प्रतिमा भगवान आदिनाथ स्वामी की हैं।

यहां से बरकाणा नाडोल, नाडलाई और घाठोराव ग्रामों में भी विशाल प्राचीन मन्दिर हैं। घाठोराव ग्राम से

१½ मील की दूरी पर मक्षाला महावीर नामक श्रेष्ठ मन्दिर है।

१४५. महुवा (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की सूरत भूसावल वाली लाइन पर बारदोली स्टेशन से ८ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां एक प्राचीन मदिर है जिसमें अन्य प्रतिमाओं के अतिरिक्त एक अत्यन्त प्राचीन श्याम-वर्ण पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा है। इस प्रतिमा को जैन व जैनेतर समानरूप से पूजते है और विघ्न हरणपार्श्वनाथ जी कहते है।

१४६. खंभात (अतिशय क्षेत्र)—पश्चिमी रेलवे की दिल्ली-बम्बई सेंट्रल लाइन पर आनन्द जक्शन स्टेशन से लगभग १½ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के मन्दिर मे १½ हाथ ऊंची भगवान विमलनाथ की मनोज्ञ प्रतिमा विराजमान है। इसके अतिरिक्त ७५ प्रतिमाये और भी है। प्राचीन काल में यहां बहुत मन्दिर थे जिनको मुसलमानी शासनकाल में विध्वस किया गया। इन्हीं मन्दिरो के पत्थर मुहम्मदशाह की मसजिद मे प्रयोग किये गये हैं। मसजिद के स्तंभो पर जैन प्रतिमायें उत्कीर्ण है जो अब भी स्पष्ट हैं।

१४७. रतलाम—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहां कई विशाल मन्दिर व स्थानक है। मन्दिरो की कारीगरी दर्शनीय है।

१४८ सूरत—पश्चिम रेलवे की दिल्ली-बम्बई लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है।

रेलवे स्टेशन से १ मील की दूरी पर आबादी है। यहा कई मन्दिर हैं जिनमे अति मनोज्ञ प्रतिमाये है। मन्दिरो में की हुई चित्रकारी दर्शनीय है।

१४६. अगास—पश्चिम रेलवे की आनन्द-खभात (कैम्बे) लाइन पर आनन्द से ८ मील दूरी पर अगास स्टेशन है। यह श्रीमद् राजचन्द्र का जन्मस्थान है। उनकी स्मृति मे श्री राजचन्द्र आश्रम बना है जिसके ऊपर के भाग मे दिगम्बर मूर्तियां और मध्य भाग मे श्वेताम्बर मूर्तिया तथा नीचे के भाग में श्रीमद् राजचन्द्र जी की मूर्ति विराजमान है। यहां दिगम्बर व श्वेताम्बर समान रूप से पूजन करते है।

१५०. बम्बई—यह प्रसिद्ध औद्योगिक और महाराष्ट्र राज्य का प्रमुख नगर मध्य व पश्चिम रेलवे लाइनो पर स्थित है। यह जैनों का प्रमुख केन्द्र है।

यहां कई विशाल जैन मन्दिर हैं जिनकी कारीगरी दर्शनीय है।

१५१. मांगी-तुंगी (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की दिल्ली-बम्बई वाली मुख्य लाइन पर मनमाड स्टेशन से लगभग ६० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इस क्षेत्र से श्री रामचन्द्र जी, हनुमान जी, सुग्रीव, गवय, गवाक्ष नील, महानील आदि ६६ करोड़ मुनिगण मोक्ष गये हैं।

यह स्थान पर्वत एव वन का है। मांगी व तुंगी दोनों अलग अलग पर्वत है। मागी पर्वत की चढ़ाई तीन मील की है। पर्वत पर चार गुफा मन्दिर हैं जिनमें मूलनायक भद्रबाहु स्वामी की मूर्ति है। अन्य प्रतिमाओ में कुछ भट्टारको की भी है। यह सभी मूर्तिया ११ वीं, १२ वी शताब्दी की है। चारो ओर प्रतिमायें पत्थर मे उत्कीर्ण भी है। पर्वत से थोडी दूर उतरने पर बाईं ओर एक विशाल गुफा मे मकराने का चबूतरा है जिस पर कई चरण चिन्ह हैं।

मांगी पर्वत से २ मील दूर तुगी पर्वत है। यहां तीन गुफा मन्दिर है। मूलनायक प्रतिमा श्री चन्द्रप्रभु स्वामी की ४ फुट ऊंची पद्मासन विराजमान है। यहाँ से उतरते समय 'सिद्ध बुद्ध की गुफायें' तथा 'अद्भुत जी' नामक स्थान हैं जहा मनोज्ञ व प्राचीन प्रतिमायें है।

पहाड की तलहटी मे कई प्राचीन मन्दिर है।

१५२ औरंगाबाद—यह नगर मध्य रेलवे की पुरना-मनमाद मुख्य लाइन पर स्थित है। यहा ६ मन्दिर व कई चैत्यालय है, इनमे एक प्राचीन विशाल मन्दिर है। मंदिर जी मे वेदियो के अतिरिक्त एक भोहरे में सैकड़ों प्राचीन प्रतिमायें है।

१५३. गोमापुरा (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र उपर्युक्त औरंगाबाद स्टेशन से लगभग १½ मील दूरी पर स्थित है। यहा पर एक प्राचीन मदिर है जिसमे बहुत प्राचीन प्रतिमाये है। निकट ही एक पहाड पर एक मंदिर है जिसमें भगवान नेमिनाथ की ४ फुट ऊची अत्यन्त मनोहर प्रतिमा विराजमान है। मंदिर के आगे तीन गुफायें हैं जिनमें बहुत सी जैन व बौद्ध प्रतिमाये है।

१५४. कचनेरा (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र उपर्युक्त औरगाबाद स्टेशन से लगभग २० मील की दूरी पर स्थित है।

यहा के मंदिर जी में, जो कि विशेष प्राचीन है, अन्य प्रतिमाओं के साथ एक प्रतिमा सातिशय भगवान पार्श्वनाथ जी की विराजमान है। लोकोक्ति के अनुसार इस मूर्ति का शिर अकस्मात् धड से अलग हो गया और जब श्रावको ने उनके स्थान पर अन्य मूर्ति स्थापित करने की योजना की तो एक श्रावक को स्वप्न हुआ कि जमीन के नीचे कोठरी बनाकर उसमे धड पर शिर रख कर १ माह तक रहने देने पर शिर जुड जावेगा। तदनुसार व्यवस्था की जाने पर मूर्ति पूर्ववत् हो गई और यथा-स्थान विराजमान कर दी गई। तभी से इनका विशेष है अतिशय । प्रति वर्ष मेला भी लगता है।

यहा एक जैन धर्मशाला भी है।

१५५. ऐलोरा–मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड लाइन पर दौलताबाद स्टेशन से ८ मील दूर यह स्थान है। यहा से निकट ही २ मील लम्बा एक पहाड़ है। जिसमे ४५ गुफाये हैं। इन गुफाओं में 'पार्श्वनाथ', 'नाग शय्या' व 'गणेश भुवन' नायक के ३ गुफाएँ नौ नौ खंड की विशेष महत्वपूर्ण हैं। यह गुफायें अपनी चित्रकारी व शिल्पकला के लिये ससार प्रसिद्ध है इन के निकट गर्म जल के १३ कुंड।

ऐलोरा ग्राम के निकट एक छोटा पहाड़ भी है जिस पर पार्श्वनाथ जी का मंदिर है जिसमें अनेक प्राचीन प्रतिमाये है।

यहा पर पत्थर का हाथी, सिंह, इत्यादि की रचना चिताकर्षक है। नीचे उतरने पर ७ गुफायें और है जिनमे अनेक प्रतिमाय है।

१५६. ऊखलद (अतिशय क्षेत्र)–मध्य रेलवे की पूर्णा-मनमाड लाइन पर पिंगली स्टेशन से ४ मील दूर पूर्णा नदी के तट पर यह क्षेत्र अवस्थित है। नदी के किनारे पत्थर का बना एक विशाल मंदिर है। जिसमे श्यामवर्ण नेमिनाथ भगवान की एक विशाल सातिशय प्रतिमा विराजमान है। ऐसा कहा जाता है कि इस प्रतिमा के अंगुष्ठ मे पारस मणिरत्न था (उसके निकल जाने का निशान अभी भी है) जिसको निकालने का प्रयत्न एक मुसलमान राज्याधिकारी ने किया। परन्तु ज्योही उसका स्पर्श हुआ त्यो ही दिव्य वाणी सहित मणि नदी मे उछल कर गिर गई। सतत प्रयत्नो के बाद भी यह मणि उसके हाथो मे न आई। इसी अतिशय के कारण यह क्षेत्र विश्व प्रसिद्ध है।

१५७. गजपंथा जी (सिद्धक्षेत्र)–यह क्षेत्र मध्य रेलवे की मनमाड-बम्बई वाली नार्थ-ईस्ट मेन लाइन पर नासिक रोड स्टेशन से लगभग ६ मील पर मसरूल ग्राम के निकट ४०० फुट ऊंचे पर्वत पर अवस्थित है यहा से बलभद्रादि आठ करोड मुनिगण मोक्ष पधारे हैं। पर्वत पर चढने के लिये ३५० सीढ़ियां हैं। ऊपर दो नये मंदिर है। जिनमे एक मे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की विशालकाय प्रतिमा है। पर्वत की चोटी में तीन गुफाये और एक सजल कुंड है। गुफाओं में १२ वीं से १६ वीं शताब्दी तक की प्रतिमायें और शिल्प दर्शनीय है।

नीचे तलहटी मे एक छतरी है जिसमे क्षेमेन्द्र कीर्ति भट्टारक के चरण है और बजीबाबा का मंदिर, व उदासीन आश्रम है।

ग्राम मे धर्मशाला कोट के रूप में है जिसके मध्य में ही एक मंदिर है।

१५८. अंजनगिरि (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की मनमाड-बम्बई मुख्य लाइन पर नासिकरोड स्टेशन से १४ मील दूर यह क्षेत्र है। यहा कई जीर्ण प्राचीन मदिर है जिनमे विविध स्थानों पर प्रतिमायें है। एक मंदिर मे एक अखंडित प्रतिमा अत्यंत प्राचीन विराजमान है।

१५९ फलटण—यह स्थान नासिक रोड से निकट ही है। यहां पर चारित्र-चक्रवर्ती शातिसागर जी का समाधि-स्थान है।

१६०. दहीगांव—मध्य रेलवे की बम्बई-रायचूर लाइन पर कुर्दुवाडी स्टेशन से ५ मील पहले टवलस स्टेशन है वहा से यह क्षेत्र २२ मील दूर है। यहा एक मदिर है जिसमे भगवान महावीर स्वामी की मूल नायक प्रतिमा है।

१६१ धारा शिव की गुफायें—मध्य रेलवे की लाटूर कुर्दुवाडी लाइन पर पेडशी स्टेशन से करीब दो मील दूर यह गुफाये है। यह ६ गुफाये पर्वत को काट कर बनायी गई है और अत्यत प्राचीन है तेईसवे तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के तीर्थ मे चम्पा के राजा करिकण्ड यहा दर्शन करने आये थे उन्होने इन गुफा मदिरो का, जो कि मूलतः नील महानील नामक विद्याधर राजाओ द्वारा बनवाये गये थे, जीर्णोद्धार कराया था और कुछ नवीन गुफा मदिर भी बनवाये थे। इनमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की बालू की बनी ६ फीट ऊंची पाषाण प्रतिमा मनोज्ञ तथा कलामय है। यहा भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा विराजमान है।

१६२. पढंरपुर—मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी मिराज शाखा लाइन पर स्थित है। इस नगर को पाण्डवो ने बसाया था। यहा दो दिगम्बर जैन मदिर है।

१६३. कलिकुंड पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-मिराज लाइन पर मिराज स्टेशन से थोडी दूरी पर यह क्षेत्र 'कुण्डल' नाम से प्रसिद्ध है। यहा एक विशाल व प्राचीन मदिर है जिसमे अन्य प्रतिमाओ के अतिरिक्त एक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की रत्नवत् उज्वल बडी विशाल और सातिशय है। यहा से २ मील की दूरी पर झरी पार्श्वनाथ तथा झारी पार्श्वनाथ नामक पहाड़ है।

१६४ आतनूर (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की कुर्दुवाड़ी-रायचूर वाली दक्षिण पूर्व मुख्य लाइन पर दूधनी स्टेशन से ६ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इस ग्राम में अनेक प्राचीन मंदिर हैं जिनमे प्राचीन प्रतिमायें विराजमान हैं। यहा खुदाई में अनेकों प्राचीन प्रतिमायें प्राप्त हुई है। इसी प्रकार खुदाई द्वारा प्राचीन मदिर निकला है। इस मदिर में दो हाथ ऊंची श्यामवर्ण चद्रप्रभु की एक सातिशय प्रतिमा विराजमान है।

१६५ आस्टे विदेनश्वर पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की कुर्दुवाड़ी-रायचूर वाली दक्षिण-पूर्व मेन लाइन पर दूधनी स्टेशन से आलंद होकर १८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा के प्राचीन मंदिर मे मूलनायक प्रतिमा भगवान पार्श्वनाथ की सातिशय है।

१६६. तड़कल (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर वाली दक्षिण-पूर्व मुख्य लाइन पर घाटागापुर स्टेशन से १२ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा के मदिर मे पत्थर मे उत्कीर्ण भगवान शातिनाथ स्वामी की ३ फुट ऊंची कृष्ण पाषाणीय प्रतिमा है। इसी मदिर मे भ० ऋषभदेव की सन १२१५ मे प्रतिष्ठित प्रतिमा विराजमान है।

१६७. शोलापुर—मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है। यहा कई मदिर व चैत्यालय विशाल व दर्शनीय है।

१६८. होठासलगी (अतिशय क्षेत्र)—मध्य रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर वाली दक्षिण-पूर्व मेन लाइन पर सावला जी स्टेशन से लगभग २ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहां श्री पार्श्वनाथ पद्मावती के नाम से प्रसिद्ध मदिर है। जिसमे ५, ६ फुट ऊंची १२ प्रतिमाये हैं। इसके अतिरिक्त १२ यक्ष-यक्षिणियो की मूर्तिया है।

१६९. खिद्रापुर—कृष्णा नदी के किनारे प्राचीन कोल्हापुर रियासत मे यह एक ग्राम है यहा एक प्राचीन मदिर है जिसमे एक विशाल प्रतिमा भगवान ऋषभदेव की विराजमान है।

१७०. कुण्डल (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे पर पूना मिराज लाइन पर सतारा जिले में कुण्डल स्टेशन से २ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। ग्राम के निकट पर्वत पर दो मदिर हैं, एक मदिर झरी पार्श्वनाथ कहा जाता है क्योंकि इसमें प्रतिमा पर जलवृष्टि होती है। दूसरा, मंदिर गिरि पार्श्वनाथ का है।

ग्राम में भी एक पार्श्वनाथ स्वामी का मंदिर है ।

१७१. कुंथलगिरि (सिद्धक्षेत्र)—मध्य रेलवे की मीराज-पढरपुर-लाटूर लाइन पर बर्सीटाउन स्टेशन से यह क्षेत्र २१ मील की दूरी पर स्थित है । शोलापुर से भी वहां बसें चलती हैं । यहां से देशभूषण व कुलभूषण मुनिवर मोक्ष गये है । यहां पहाड़ पर १० प्राचीन जैन मंदिर हैं ।

१७२. पूना— मध्य रेलवे की दक्षिणी पूर्वी मुख्य लाइन पर जकशन स्टेशन है । यहां श्वेताम्बर व दिगम्बर कई विशाल मदिर है ।

१७३. स्तवनिधि (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र बेलगाव जिले में अवस्थित है । यहां ६ प्राचीन दिगम्बर मन्दिर है जिनमे अनेक प्राचीन प्रतिमायें हे । एक प्रतिमा नवखड पार्श्वनाथ की सातिशय विराजमान है । कहा जाता है, कि बीजापुर मे एक पुजारी जो कि क्षेत्रपाल का उपासक था, की कन्या को वहा के नवाब ने बेगम बनाना चाहा । पुजारी क्षेत्रपाल की मूर्ति व कन्या को साथ लेकर बीजापुर छोड कर इस स्थान पर ठहर गया । उसे यहां जिन बिम्ब स्थापना की इच्छा हुई । रात्रि में क्षेत्रपाल जी ने स्वप्न दिया कि निकटवर्ती तालाब में पार्श्वनाथ स्वामी की मूर्ति है । पुजारी ने मूर्ति को निकाला, परन्तु उसके ६ टुकडे हो गये । क्षेत्रपाल ने पुनः स्वप्न दिया कि मूर्ति को विराजमान करो प्रतिमा अखंडित हो जावेगी । पुजारी ने वैसा ही किया । और मूर्ति जुड़ गई । मूर्ति पर जोड़ के चिह्न अब भी है ।

दक्षिण-भारत

१७४. बीजापुर—यह ऐतिहासिक नगर दक्षिण रेलवे की हुबली शोलापुर वाली लाइन पर स्थित है । इसका प्राचीन नाम विजयपुर है । यहां के कई राजा जैन धर्मावलम्बी थे । यहां दो विशाल जैन मन्दिर है । प्राचीन समय में जैन धर्म को यहां राज संरक्षण प्राप्त होने की बात की पुष्टि यहां प्राप्त होने वाले जैन मन्दिरो के खडहर, मूर्तियो व शिलालेखों द्वारा होती है ।

१७५. शेषफणा पार्श्वनाथ (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की हुबली शोलापुर वाली लाइन पर बीजापुर स्टेशन से लगभग २ मील पर यह क्षेत्र अवस्थित है । यहा चौथे काल का एक मन्दिर जमीन के अन्दर । इस मंदिर जी की उपलब्धि एक श्रावक के स्वप्नानुसार हुई थी । इस में भगवान पार्श्वनाथ की १०८ फणों की सातिशय प्रतिमा विराजमान है । मन्दिर जी में अपूर्व चित्रकारी है । यह मन्दिर छोटा होने पर भी करोड़ों रुपयों की लागत का है ।

१७६. बादामी (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की हुबली शोलापुर वाली छोटी लाइन पर बादामी स्टेशन अवस्थित है स्टेशन से लगभग १½ मील की दूर पर बादामी ग्राम है । ग्राम के पूर्व व दक्षिण में दो-दो प्राचीन पहाड़ी किले हैं । दक्षिण वाली पहाड़ी पर शैव व जैन गुफा मदिर है । पहिले २ गुफा मन्दिरों मे शिव, बराह और बावन की मूर्तिया है । तीसरी गुफा मे अनूठी चित्रकारी है । चौथा गुफा मंदिर सबसे ऊंचा है, इसमें चार दालान है । पहले दालान में जिनेन्द्र देव की एक पद्मासन मूर्ति सिहासनाधिष्ठित है । दूसरे दालान मे चौबीस प्रतिमा और पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमायें मुख्य है । तीसरे दालान मे श्री बाहुबली स्वामी की लगभग ७ फुट ऊंची विशाल प्रतिमा विराजमान है । और सामने श्री पार्श्वनाथ स्वामी की कायोत्सर्ग प्रतिमा ७ फुट ऊची है । चौथे दालान मे सैकडों दर्शनीय प्रतिमायें है । निकट मे ही मलप्रभा नदी के किनारे भी कई प्राचीन मन्दिर हैं ।

बादामी पश्चिमी चालुक्य राजाओं की राजधानी रही है । इन राजाओ मे कई राजा जैन धर्मावलम्बी थे । और उन्होंने ही जैन मन्दिरो का निर्माण कराया था ।

१७७. बाबानगर (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र दक्षिण रेलवे की हुबली-शोलापुर वाली लाइन पर बीजापुर स्टेशन से लगभग १७ मील पर अवस्थित है । यहा एक प्राचीन दिगम्बर जैन मन्दिर है जिसमे एक हरितवर्ण पद्मासन १½ हाथ ऊची श्री पार्श्वनाथ स्वामी की अति मनोज्ञ सातिशय प्रतिमा विराजमान है । यहा के अतिशय के बारे मे लोकोक्ति है कि एक मुसलमान बादशाह ने इस मूर्ति वाले मदिर को विध्वस कर उसमे विराजमान सभी मूर्तियो को बावडी मे फिकवा दिया, परन्तु केवल इस प्रतिमा को खिलौने सदृश रखने के लिये साथ ले गया । बाद में किसी समय बेगम के उदर शूल की पीडा उठी । जब बहुत इलाज से भी दर्द शात नही हुआ तो किसी पुरोहित को स्वप्न हुआ कि उपर्युक्त हरितवर्ण प्रतिमा का अभिषिक्त जलपान करने से शूल शांत हो जावेगा । वैसा किया गया और बेगम का उदरशूल शात हो गया । इस बात से प्रभावित होकर

बादशाह ने उसी स्थान पर नवीन मन्दिर का निर्माण कर इस प्रतिमा को श्रद्धापूर्वक विराजमान किया। तभी से यह अतिशय क्षेत्र माना जाता है।

१७८. हुबली आरटाल (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिणी रेलवे पर हुबली जंक्शन स्टेशन है। यहां ४ मन्दिर जी दर्शनीय हैं।

नगर से लगभग २४ मील दूरी पर आरटाल अतिशय क्षेत्र है। आबादी में एक प्राचीन मन्दिर है। जिसमे भ० पार्श्वनाथ की सातिशय प्रतिमा है। इस मन्दिर को चालुक्य काल में मुनि कनकचन्द्र के उपदेश से बीभसेट्टि ने निर्माण कराया था।

१७९. हैदराबाद—दक्षिण रेलवे पर यह ऐतिहासिक नगर स्थित है। यहा ६ मन्दिर बड़े विशाल व कलापूर्ण है।

१८०. हालेबिद (हलेबिड)—दक्षिण रेलवे की बगलोर सिटी पूना वाली लाइन पर बणावर स्टेशन से १८ मील दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। इसका प्राचीन नाम द्वार समुद्र है। यहां तीन मन्दिर है, प्रत्येक मन्दिर मे कसौटी पाषाड के १२, १२ थभे है। इन थंभो पर खुदायी तथा नक्काशी की शिल्पकला दर्शनीय है। दो मन्दिरो मे भ० पार्श्वनाथ की १५-१५ फुट ऊची कृष्ण पाषाणमय प्रतिमाये विराजमान है। एक मूर्ति पर छत्र भी है और एक पर नहीं हैं।

प्राचीन समय मे यह द्वार समुद्र नाम से प्रसिद्ध था। यह पूर्वकाल में होवसल वश के राजाओ की राजधानी थी। राजमयी हुल्ल और गगाराज ने यहां कई मन्दिर निर्माण कराये थे। 'विजय पार्श्व बस्ती' नामक मदिर को विष्णु वर्द्धन नरेश ने दान किया था। और भ० पार्श्वनाथ के दर्शन करके उसका नाम विजय पार्श्व रक्खा था। इस मन्दिर को उनके सेनापति गंगाराज ने बनवाया था। इस मे भ० पार्श्वनाथ स्वामी की खड्गासन प्रतिमा १६ हाथ ऊची विराजमान है। इसके अतिरिक्त श्री आदिनाथ व श्री शांतिनाथ जी के दर्शनीय मन्दिर है।

वर्तमान मंदिरों के अहाते में अगणित पाषाण भग्नावशेष पड़े हुए पुरातन जैन गौरव की याद दिलाते है। कहते हैं कि पहले यहा ७०२ जैन मन्दिर थे।

१८१. मैसूर—यह ऐतिहासिक व मैसूर राज्य का मुख्य नगर दक्षिण रेलवे पर जंक्शन स्टेशन है। यहां के भव्य व कलापूर्ण जैन मन्दिर दर्शनीय हैं।

१८२. बंगलौर—दक्षिण रेलवे की मद्रास बंगलौर लाइन पर मैसूर राज्य का यह प्रमुख नगर स्थित है।

यहां कई विशाल मन्दिर हैं। जिनमें प्राचीन मूर्तियां विराजमान हैं।

१८३. श्रवणबेलगोल (जैन बद्री)—यह सुविख्यात क्षेत्र दक्षिण रेलवे की मैसूर-आरसीकेरे लाइन पर हसन स्टेशन के पास हैं।

यह स्थान अत्यन्त प्राचीन काल से जैन साधुओं की तपोभूमि रहा है। राम-रावण काल के बने हुए जिनमंदिर यहा पर एक समय मौजूद थे। अन्तिम श्रुतकेवली भद्रबाहु स्वामी उत्तर भारत मे दुष्काल पड़ने पर जैन संघ की रक्षा हेतु इस स्थान पर पधारे थे और तप किया था। यहां चन्द्रगिरि पर्वत पर उनके चरण चिह्न विराजमान है। यहीं उनका समाधि स्थान भी है। इसी स्थान पर मौर्य सम्राट चद्रगुप्त को भद्रबाहु स्वामी ने दीक्षा दी थी। यहा के लगभग ५०० शिलालेख प्राचीन जैन गौरव को प्रगट करते है।

श्रवणबेलगोल गाव के दोनो ओर दो पर्वत हैं (१) विंध्यगिरि अथवा इन्द्रगिरि और (२) चन्द्रगिरि। गाव के बीच मे एक कल्याणी नामक झील है।

इन्द्रगिरि पर्वत ४०० फुट ऊंचा है। इस पर चढते ही 'ब्रह्मदेव मन्दिर' है जिस की अटारी मे पार्श्वनाथ स्वामी की एक मूर्ति है। पर्वत की चोटी पर पत्थर की प्राचीन दीवार के घेरे मे अनेक प्राचीन जैन मन्दिर है। इन मदिरो में 'चौबीस तीर्थकर बस्ती' चेन्नठरम बस्ती, व 'ओदेगल बस्ती' मुख्य है। इनमे विराजमान प्रतिमायें अति मनोज्ञ है।

इस पर्वत पर ही छोटे घेरे मे भगवान बाहुबलि स्वामी की विशाल काय ५७ फुट ऊची विश्वविख्यात कायोत्सर्ग मूर्ति है। इस घेरे के बाहर भव्य मगतराशी का त्यागद् 'ब्रह्मदेव स्तम्भ' नामक सुन्दर स्तम्भ छत से अधर लटका हुआ है। इस मूर्ति को गगवश के रायमल्ल नरेश के राजमंत्री सेनापति चामुंडराय ने बनवाया था जो श्री गोम्मटसार महान् आगमग्रथ के रचयिता श्री नेमिचन्द्राचार्य के शिष्य थे। उक्त स्तम्भ के सामने ही गोम्मटेश मूर्ति के आकार मे घुसने का अखण्ड द्वार है। इस द्वार की दाहिनी

ओर बाहुबलि जी व उनके बड़े भाई भरत का मन्दिर है। पास वाली चट्टान पर सिद्ध भगवान की मूर्तिया है जिसे 'सिद्ध बस्ती' कहते हैं।

चन्द्रगिरि पर्वत पर भी कई मन्दिर है। जो प्राचीन द्रविण शैली के हैं। सबसे प्राचीन मंदिर आठवी शताब्दि का है। भद्रबाहु स्वामी के चरण चिह्न इसी स्थान पर है। दक्षिण द्वार से आगे मान स्तम्भ हैं। इसके निकट ही कई प्राचीन शिला लेख है।

मानस्तम्भ के पश्चिम की ओर भ० शातिनाथ का छोटा मंदिर है। पूर्व मे महानवमी मडप है, व उत्तर मे भरत की अपूर्ण मूर्ति है। आगे श्री पार्श्वनाथ जी का मदिर है। और एक मानस्तम्भ है। निकट ही विष्णुवर्धन के सेनापति गगाराज द्वारा बनवाया गया विशाल मन्दिर 'कत्तले बस्ती' है जिसमे भगवान आदिनाथ स्वामी की मूर्ति विराजमान है।

यहा से चलकर 'चन्द्रगुप्त बस्ती' 'शासन बस्ती' 'मजिगराण बस्ती' 'सुपार्श्वनाथ बस्ती' तथा चामुण्डराय बस्ती 'एरकडुहें बस्ती', 'सवतिगंधवारण बस्ती', 'बाहुबलि-बस्ती', 'शांतिश्वर बस्ती', 'ओरगल बस्ती,' 'भण्डारी बस्ती, 'अक्कन बस्ती,' 'सिद्धान्त बस्ती' व मगाई बस्ती, के मन्दिर दर्शनीय हैं।

इन सभी मदिरो मे चित्रकारी व प्राचीन शिलालेख इस स्थान के प्राचीन जैन गौरव को बतलाते है।

१८४. गोम्मटपुरा (अतिशय क्षेत्र)—यह क्षेत्र मैसूर से लगभग २३ मील की दूरी पर स्थित है। इस ग्राम मे गोम्मटगिरि नामक एक छोटी सी पहाडी है जिसकी चोटी पर एक जीर्ण मन्दिर है। इस मन्दिर मे १५ फुट ऊंची खड्गासन बाहुबलि स्वामी की एक अति मनोज्ञ प्रतिमा है जिस का प्रतिवर्ष यहा के निवासी तैलादि से अभिषेक करते है। कहा जाता है कि कुछ लोगो ने यहा पर बलिदान करने का विचार किया था, उसी समय वज्रपात ने पहाड़ी के दो टुकडे कर दिये। इससे भयभीत होकर उन्होने बलिदान का विचार त्याग दिया।

१८५. वेणूर (अतिशय क्षेत्र)—दक्षिण रेलवे की मैसूर-आरसीकेरे लाइन पर हासन स्टेशन से थोडी दूर यह क्षेत्र अवस्थित है। यह जैनो का प्राचीन केन्द्र है। प्राचीन काल मे यहा अजलिरवश के राजाओ का राज्य था जो जैन मतावलम्बी थे। उनमें से वीर निम्मराज ने सन १६०४ मे बाहुबलि स्वामी की एक ३७ फुट ऊंची खड्गासन प्रतिमा प्रतिष्ठित कराई थी और षस्टम तीर्थंकर शातिनाथ स्वामी का मन्दिर निर्माण कराया था। बाहुबलि स्वामी की मूर्ति गुरुपर नदी के किनारे विराजमान है। यहा के अन्य मदिरो मे सहस्रो प्राचीन मूर्तिया है।

१८६. श्री मूड़ विदुरे (मूड़बद्री अतिशय क्षेत्र)—यह अतिशय क्षेत्र वेणूर से लगभग १२ मील की दूरी पर अवस्थित है। होयसल नरेशो के शासन काल मैं यहा जैन धर्म को राज सरक्षण प्राप्त था। यहा के प्रसिद्ध चौटावशी राजा जैन धर्मावलम्बी थे।

यहा २० मदिर हैं। कला की दृष्टि से सर्वोत्कृष्ट मदिर भगवान चद्रप्रभु स्वामी का है जो पीतल का ढला हुआ है। और मूलनायक चद्रप्रभु स्वामी की मूर्ति पचधातु की विराजमान है। यह प्रतिमा ५ गज ऊची अति मनोहर सुवर्णमयी प्रतीत होती है। मदिर जी का निर्माण सन १४२६ में लगभग ६ करोड रुपये की लागत से हुआ था। यह चार खडो मे विभक्त है पहले खड मे मुख्य मदिर हैं। दूसरे खड मे सहस्त्रकूट चैत्यालय है

जिसमे १,००८ सांचे में ढली हुई प्रतिमाये हे । इस मदिर को 'त्रिभुवन-तिलक-चुणामणि' कहा गया है । सन १४४२ में ईरान के व्यापारी अब्दुल रज्जाक ने इस मदिर को विश्व में अद्वितीय कहा था ।

अन्य मदिरो मे 'गुरू' और 'सिद्धांत बस्ती' उल्लेखनीय है । सिद्धात बस्ती में 'षट्खंडागम सूत्रादि' सिद्धात ग्रथ तथा हीरा पन्ना आदि नवरत्नो की ३५ मूर्तिया विराजमान है ।

'गुरु बस्ती' मे मूलनायक भ० पार्श्वनाथ स्वामी की आठ गज ऊंची प्रतिमा है ।

१८७. कारकल (अतिशय क्षेत्र)–मूडबद्री से १० मील दूर यह क्षेत्र है । यहां १२ प्राचीन दिगम्बर मदिर है । पूर्व की ओर एक छोटी सी पहाड़ी पर एक फलाग ऊपर चढने पर श्री बाहुबलि स्वामी की ४२ फुट ऊची प्रतिमा है । सन १४३२ मे कारकल नरेश वीर पाडय ने इस मूर्ति का निर्माण कराया था । यहा के भैरव ओडेयर वश के सभी राजा जैन मतावलम्बी थे । सान्तार वश के प्रसिद्ध महाराजधिराज लोकनाथरस के शासन काल मे सन १३३४ मे कुमुदचद भट्टारक के बनवाए भगवान शातिनाथ के मदिर को उनकी बहिनो व राज्याधिकारियो ने दान दिया था । इम्मडिभैरव-राजा ने सन१५८६ मे यहा सामने छोटी पहाडी पर 'चतुर्मुखी बस्ती' नामक विशाल मदिर बनवाया था । इस मदिर के चारो दिशाओ मे दरवाजे है और चारो ओर १२ प्रतिमाये सात सात गज की विराजमान है । यहा से पश्चिम की ओर ११ कलापूर्ण मंदिर बने हुऐ है ।

१८८. वारंग–कारकल से ३४ मील की दूरी पर यह क्षेत्र है । यहां कोट के भीतर नेमीश्वर-बस्ती नामक प्रसिद्ध मदिर है । इस क्षेत्र सम्बन्धी स्थल पुराण' व महात्म्य महा के मठ के स्वामी भट्टारक देवेंद्र कीर्ती जी के पास सुरक्षित है । यहा के निकट ही सरोवर मे स्थित मंदिर को जलमदिर कहते है । जलमंदिर मे - चौमुखी प्रतिमा विराजमान है ।

१८९. मद्रास–मध्य रेलवे की दिल्ली-मद्रास मुख्य लाइन पर प्रसिद्ध स्टेशन है । यहा से निकट श्री क्षेत्र पुग्कुल माया रक का मदिर दर्शनीय है ।

१९०. कांजीवरम (अप्पाकंम)–यहां एक प्राचीन छोटा सा मदिर अनूठी कारीगरी का दर्शनीय है ।

१९१ हुम्मच पद्मावती (अतिशय क्षेत्र)–यहां कई मदिर हैं । जिनमे एक मंदिर विशाल है और बहुत से स्तम्भों से विभूषित है । यहा पर बडी बड़ी गुफाये और प्रतिमाये हैं । यहा महाराजो की गद्दी भी है ।

१९२. पेरुमंडूर (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिण रेलवे की मद्रास बीच-धनुस्काडि लाइन पर तिंडिवनम् स्टेशन से लगभग ४ मील दूरी पर पेरुमंडूर ग्राम है । ग्राम में दो जैन मदिर है जिनमे सहस्त्राधिक मूर्तियां है । जब मेलापुर समुद्र मे डूबने लगा, तब उस स्थान की मूर्तियाँ लाकर यहा रखी गयीं थीं । यहा प्राचीन मदिर में ताड़पत्रो पर लिखित १५० शास्त्र है ।

१९३. पोन्नूर-वंदीवास (कुंदकुंदाश्रम अतिशय क्षेत्र)–उपर्युक्त तिंडिवनम स्टेशन से लगभग २५ मील दूर पहाड की तलहटी मे यह ग्राम है । ग्राम म एक शिखर बंद दिगम्बर मदिर है । पहाड पर एलाचार्य (कुंदकुंदाचार्य) के प्राचीन सातिशय चरण चिन्ह हैं । यह स्थान कुंदकुद स्वामी की तपोभूमि है ।

१९४ तिरुमलय (अतिशय क्षेत्र)–पोन्नूर से ६ मील दूरी पर १,००० फुट ऊचा तिरुमलय पर्वत है । तीन सौ फुट ऊचाई पर जाकर चार मदिर हैं जिनके आगे एक गुफा मे दो प्राचीन प्रतिमायें व भगवान ऋषभदेव के मुख्य गणधर वृषभसेन की चरणपादुका हैं । गुफा की चित्रकला दर्शनीय है । आगे चोटी पर तीन मंदिर और है, यहा के शिलालेखो से प्रगट है कि यहां बडे बड़े राजाओ द्वारा मदिर बनवाये गये थे और मुनिगण यहां तपस्या करते थे । यहा के कुदबई जिनालय को सूर्यवशी राजा महाराजा की पुत्री अथवा पाचवे चालुक्य राजा विक्रमादित्य की बडी बहिन ने बनवाया था । श्री परवादिभल्ल के शिष्य श्री अरिष्ठनेमि आचार्य द्वारा स्थापित एक यक्षिणी की मूर्ति भी है । दहलान शिल्प कला युक्त है । इसके सामने दो और दहलान हैं । जिनके मध्य में पाच फुट ऊची श्री पार्श्वनाथ स्वामी की कायात्सर्ग प्रतिमा विराजमान है । बड़े दहलान के सामने तीन मदिर है जिनकी चित्रकला दर्शनीय है । एक मे ब्रह्मा,दूसरे मे कूष्माण्ड देवी, तीसरे मे भगवान ऋषभ देव की प्रतिमा विराजमान है । भ० ऋषभदेव की प्रतिमा दो शिकारियों को जमीन खोदते समय प्राप्त हुई थी । बाद में एक मुनिराज ने पण्डाईवेडु की राज्य कन्या की भूतपीड़ा का निदान दूर करवा कर राजा द्वारा मदिर का निर्माण

करवाया और उसमें यह मूर्ति विराजमान की गई। यह क्षेत्र तभी से प्रसिद्ध है।

१६५. चितम्बूर–तिंडिवनम से १० मील वायव्यकोण में यह स्थान है। यहां दो जैन मदिर हैं इनमे एक डेढ़ हजार वर्ष से पूर्व का है।

१६६. विल्लुक–चितम्बूर से दो मील की दूरी पर यह ग्राम अवस्थित है। यहा १,००० वर्ष प्राचीन मदिर तथा सरोवर तट पर गुणसागर महाराज के चरण हैं।

१६७. पेराम्बूर–तिंडिवनम् से लगभग १५ मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा एक प्राचीन शिखरयुक्त मंदिर है जिसमे भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की श्यामवर्ण ६ फुट ऊंची मनोज्ञ प्रतिमा है।

१६८. बेल्लूर (अतिशय क्षेत्र)–पेराम्बूर से लगभग १० मील की दूरी पर यह क्षेत्र अवस्थित है। यहा श्री वीरसेनाचार्य का समाधिस्थान है। एक मंदिर जो मे उनके द्वारा श्रमणबेलगोल से लाई हुई पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा विराजमान है।

१६६. पुण्डी (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिण रेलवे की विल्लुपुरम-रेनीगुटा लाइन पर आरणी रोड स्टेशन से लगभग ३ मील दूरी पर यह क्षेत्र है। यहा एक विशाल प्राचीन मदिर है जिसके चारो ओर कोट है, अन्दर १६ स्तम्भो का दहलान।

२००. कुलपाक–मध्य रेलवे को वाडी-काजीपेट मुख्य लाइन पर अलीर स्टेशन से ४ मील दूर यह प्राचीन क्षेत्र अवस्थित है। यहां के मदिर में भगवान ऋषभ देव की माणिकस्वामी, नामक प्रतिमा विराजमान है।

२०१. आस्टे (अतिशय क्षेत्र)–दक्षिणी-पूर्वी रेलवे की कुर्दुवाडी-रायचूर लाइन पर आलद से लगभग १६ मील दूर यह क्षेत्र है। यहा एक प्राचीन मदिर में भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की सातिशय प्रतिमा है, जो विघनहरण पार्श्वनाथ के नाम से भी प्रसिद्ध है। ●

SHRI R C JAIN
7 A Rajpur Road, Delhi

SHRI I S JAIN
7 A Rajpur Road Delhi

MANAGING DIRECTORS OR DIRECTORS OF

	Telegrams	*Telephone*	*Branches*
P S Jain Motor Co (Pb) Pvt Ltd.	**Pasjan**	**2800**	**i Delhi—7 A, Rajpur Road, Delhi** *Gram* **Pasjan** *Phone* **227430** **ii. Pathankot**
Jaika Automobiles Pvt Ltd Nagpur	**Jaika**	**2563**	**i Akola** **ii Amravati**
Bhilai Motors Pvt Ltd Ruabandha, Durg	**Bhilmotors**		**i Raipur**
Raj Motors Malout	**Raj**	**67**	**i Ludhiana**
Kathmandu Transport Co Kathmandu (Nepal)	**Transport**		

ALL THE ABOVE CONCERNS ARE AUTHORISED DISTRIBUTORS OF TATA MERCEDES BENZ TRUCKS BUSES AND MOTOR PARTS SERVICE STATIONS AND WORKSHOPS AT JULLUNDUR PHTHANKOT MALOUT LUDHIANA KATHMANDU AKOLA AMRAVATI AND RAIPUR

SISTER CONCERNS

P S Jain & Sons Queens Road Delhi — *Grams* Pasjan *Phone* 223985

The Delhi Motor Hire Purchase Pvt Ltd
7 A Rajpur Road Delhi — *Grams* Motorhire *Phone* 227410

The Universal Industries Pvt Ltd
7 A Rajpur Road, Delhi.

The Rohtak General Transport Co. Pvt Ltd
Rohtak.

विज्ञापन क्रमिका

—✻—

निवेदन

इस डायरेक्टरी में यदि :-

★ कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है;

★ प्रकाशित विवरण अधूरा है;

★ प्रकाशित विवरण में त्रुटियां हैं;

★ प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है--

कृपया शीघ्र हो निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें।

विनीत :
मंत्री, जैन सभा
जैन निशी मंदिर, लेडी हार्डिंग रोड
नयी दिल्ली-१

REQUEST

In this Directory, If You Find That

★ **any information has been left out ;**

★ **the information given is incomplete ;**

★ **the information given is wrongly printed ;**

★ **the information given has undergone some change –**

Kindly Write to :

THE SECRETARY
JAIN SABHA
Jain Nishi Temple, Lady Hardinge Road
NEW DELHI-1

जैन सभा नयी दिल्ली

सदस्य-सूची

संरक्षक :

साहू शांती प्रसाद
- ६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
- ११ क्लाइव रो, कलकत्ता

साहू श्रेयांस प्रसाद
- ६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
- १५ ए हार्नीमन सर्किल,
- फोर्ट, बम्बई

श्री लाल चन्द्र
- कूंचा सेठ, धर्मपुरा

सदस्य :

श्री अजीत प्रसाद
- १ म्यूटिनी मेमोरियल रोड
- रिटायर्ड अकाउंटस आफीसर (नार्दन रेलवे)

श्री अतर चन्द्र
- २६८१ कूंचा नीलकंठ, दरियागंज (२२४०४६)
- अंडर सेक्रेट्री, कृषि मन्त्रालय (३६५२१)

श्री अनन्तवीर प्रसाद
- ६ बी, तिबिया कालेज क्वार्टर्स, करोल बाग
- एड० एण्ड वि० प० डायरेक्टोरेट (४६५२४)

श्री अभिमन्यु कुमार
- ४ तालकटोरा लेन
- अंडर सेक्रेट्री, शिक्षा मंत्रालय (३२४४३)

श्री अरिदमन कुमार
- ५१ डी, थोमसन रोड
- सुपरिटेंडेंट, डी. ए. जी. (पी. एण्ड. टी.) (२२४१७१)

श्री आदीश्वर प्रसाद
- १ डी, देव नगर (५४६१८)
- से० आफीसर, यू. पी. एस. सी. (४०१६३)

श्री आनन्द प्रकाश
- एड० आफीसर, सी. एस. आई. आर.
- नागपुर (म० प्र०)

श्री आनन्द राज सुराना
- ४१ सुन्दर नगर (७५८६२)
- इंडोयोरोपा ट्रेडिंग कं० १३६०, चां०चौक (२२४३०७)

श्री ओम प्रकाश
- २ टोडर मल स्क्वेअर
- आफी० सुप०, आर्मी हेड० (३१०२३)

श्री इंदर सेन
- ४६ हेस्टिंग्स स्कवेअर
- प्रेजीडेंटस प्रेस (३५३२१)

श्री उग्रसेन
- मद्रास काफी हाउस, क० सर्कस (४८१६२)

श्री उग्रसेन
- ५३ डी, देव नगर
- ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री उग्रसेन
- ३२ हनुमान रोड (४६३४३)
- एक्लिप्स ड्राईक्लीनर्स, क० सर्कस (४५८४७)

श्री उल्फत राय
- १०५ बेअर्ड रोड (४७३१८)
- मै० अर्जुन लाल उल्फत राय, बेअर्ड रोड (४७३१८)

डा० कन्हैया लाल (के० एल० जैन)
१२ स्कून लेन (४८११३)
१ डाक्टर्स लेन (४८१३८)

श्री कपूर चन्द
३ एलनबी रोड (४०६६२)
डि० सेक्रेट्री, डिफेंस मंत्रा० (३२४२५)

श्री कश्मीरी लाल
४० एफ, कमला नगर
से० आफीसर, राज्य सभा सेक्रे० (३१३८१)

श्री काशी प्रसाद
२८ पटौदी हाउस, केनिंग लेन
रिसर्च आफी०, डिफेंस मंत्रा० (३२४२८)

श्री किशन दयाल
३३-३५ मोडल बस्ती (५५६४४)
सुपरिटेंडेंट, एअर हेड० (३०१३१/२३१)

श्री कुंदन लाल मादीपुरिया
मैं० उमरावसिंह कुंदन लाल (२२०५१६)
कटरा खुशाल राय, किनारी बाजार

श्री कुलवन्त राय गोयल
२ पार्क लेन
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३२४०८)

श्री के० बी० लाल
४६ हेस्टिंग्स रोड
डिवीजन आफ बोटोनी, पूसा इन्स्टीच्यूट

श्री कैलाश चन्द
५/७२ वे० एक्स० एरिया, क० बाग (५२४२६)
एक्जी० इंजी०, सी. पी. डब्ल्यू. डी. (जी. ब्लाक)
(३१९८३)

श्री कैलाश चन्द
११, शेरसिंह बिल्डिंग, के ब्लाक,क० सर्कस (४५१०८)
न्यू इंडिया मोटर्स (प्रा०) लि०, सिंदिया हाउस
(४७७२७)

श्री कैलाश चन्द
२७, क्लाइव स्कवेअर,
खाद्य मंत्रालय (३५३११/६६)

श्री कैलाश चन्द
७५, जैन मन्दिर, राजा बाजार
प्रावीजन डीलर

श्री कोमल चन्द्र सोधिया
बी-३१, पंडारा रोड
अंडर सेक्रेट्री, अर्थ मंत्रा० (४७८३०)

श्री गेंदामल विलायती राम
८१० कनाट सर्कस (४६१८४)

श्री गेंदामल हेमराज
११ रीगल बिल्डिंग (४७९५१)

श्री गोकुल प्रसाद
४६५७/२१, दरियागंज,
विधि मंत्रा०, पी. ब्लाक (३६३१६)

श्री चक्रेश कुमार
३८ सी, बेअर्ड रोड
लोक सभा सेक्रेटेरियट, पार्लियामेंट हाउस (३१८९७)

श्री चन्द्र किरण
२४/९५ इबेटसन रोड चेमरीज
से० आफी०, सी. पी. डब्ल्यू. डी.

श्री छुन्नू मल
१२ लेडी हार्डिंग रोड
अशोका मार्केटिंग लि०, पार्लि० स्ट्रीट (४५६१३)

श्री जगत नारायन
१४ फौंच स्कवेअर (४४१५९)
अंडर सेक्रेट्री, प्ला० कमी० (३६२२०)

श्री जगदीश चन्द्र
ई १०, ग्रीन पार्क

श्री जगदीश शरण
सी-II/१०७ मोती बाग (३६४२६)
डिप्टी सेक्रेटी, इरीं० एण्ड पा० मंत्रा० (३२७३१)

श्री जगमंदर सिंह
३४ गौतम नगर
कामर्स एण्ड इंडस्ट्री मंत्रा०, उद्योग भवन (३३२८३)

श्री जम्बू प्रसाद
४८ डी, राजा बाजार
अ० अकाउंटस आफी०, ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री जय कुमार
१ बी, बंगला साहब लेन
से० आफीसर, सूचना व प्र० मंत्रा० (३६७६८)

श्री जय कुमार
एक्स ३३२, सरोजिनी नगर
साइंटि० एण्ड कल्चरल अ० मंत्रा० (३६५७८)

श्री जय चन्द
५ ओल्ड मिल रोड
चावड़ी बाजार (२२७३३४)

श्री जय देव
३६ डिप्टी गंज
सुपरिटेंडेंट, डिफेंस मंत्रा० (३२२८६)

श्री जय प्रकाश
२३ अहिल्याबाई रोड
इस्ट्रक्टर, सेक्रे० ट्रेनिंग स्कूल, जनपथ (४४१८३)

श्री जानकी दास
७६ रनजीत सिंह रोड
ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री जिनेन्द्र प्रसाद
४ टोडरमल रोड (४०६५६)
मैं० शाम लाल एण्ड संस, चावड़ी बाजार (२२६७३५)

श्री जीत मल
जैन मन्दिर, राजा बाजार

श्री जुगमंदर दास
४६ सी, इर्विन रोड (४७६१०)
अडर सेक्रेट्री, सूचना व प्र० मंत्रा० (३२५५७)

श्री जे० सी० पारिख
जे. सी. पारिख एण्ड कं०,
६ एफ, कनाट प्लेस (४७३५५)

श्री जैन प्रकाश
४/७ वे० एक्स. एरिया, करोल बाग

श्री जोती प्रसाद
१०२ ए, मोडल बस्ती (२२३२३३)
असि० एडजू० जनरल (रिटायर्ड)

श्री जंग बहादुर
डी-II/२३ नार्थ आफ सफदर जंग
स्टाफ आफीसर, आर्मी हेड० (३५७६१)

श्री टीकम चन्द्र
जैन मन्दिर, राजा बाजार,
पुनीत राम छदम्मी लाल, ३ लेडी हार्डिंग रोड

श्री टेक चन्द्र
१२-ई, बेअर्ड रोड
आइरन एण्ड स्टील मत्रा० उद्योग भवन
(३४२४१/२५)

श्री दीप चन्द
३३८ जोशी रोड, करोल बाग़
जैन फ्लोर मिल, ४६ गोल मार्केट

श्री धर्मकिशोर
७/३८ डा० सुखदेव लेन, दरियागंज (२२७६०८)
१६५ सेंट्रल रेवेन्यूज़ बि० (४५५५६)

श्री नरेन्द्र कुमार
२२ फीरोजशाह रोड
काट्रेक्टर

श्री नरेन्द्र कुमार
५५५६ बस्ती हर्फूलसिंह
कृषि मन्त्रालय

श्री नरेन्द्र सेन
१०ए/२३ शक्ति नगर
यू. पी. एस. सी (४०१६१)

श्री नरेश चन्द्र
२२ हेग स्केवअर
मेडीकल डाय० (डिफेंस)

श्री निहाल सिंह
१६-बी/२८ देव नगर, करोल बाग (५४४२३)
ज्वां० डायरेक्टर (रिटा०), डाय० आफ ऐस्टेटस
मैनुफैक्चरर—'वीनस' स्वी० मशीन

श्री नेम चन्द
२४ फोच स्कवेअर
से० आफी०, अर्थ मंत्रा० (४२५४८)

श्री नेम चन्द
७४/२ गली नाई वाली, क० बाग़
डि० डिवी० मैनेजर, स्टेट ट्रे० का० (४२४६३)

श्री नन्द लाल
जैन मंदिर, राजा बाजार

श्री पदम सेन
४३ जाफ़ी स्केवअर
स्टाफ आफी०, एअर हेड० (३०१३१)

श्री परषोत्तम दास
१३ महादेव रोड
आफीसर आन स्पे० ड्यूटी, डी. जी. एस. एण्ड डी. (४००२६)

डा० पी. सी. जयना
१६ बाबर रोड (४०४८८)
डेंटल स्पे०, फाउन्टेन (२२५२७३)

श्री पीताम्बर दास
३७ तुर्कमान रोड
एडवोकेट, २६७ दरीबा (२२५६५५)

श्री प्यारे लाल
जैन काटेज, ६ रामा पार्क, ओल्ड रोहतक रोड
प्रोफेसर, वाई. डब्ल्यू. सी. ए. (४८१५३)

श्री प्रकाश चन्द
७ क्लाइव स्केवअर

श्री प्रकाश चन्द्र
३८४-ई, देव नगर
कामर्स एण्ड इड० मंत्रा० (३४६०१/६४)

श्री प्रताप बहादुर
३-डी कोटला रोड (४३८२१)
डि० डायक्टेटर, रेलवे बोर्ड (३४२१४)

श्री प्रद्युम्न कुमार
१७ कार्नवालिस स्केवअर
से० आफी०, डब्ल्यू. एच. एस. मंत्रा (३११२५/२३९)

श्री प्रभू दयाल गुप्ता
३४ सी, इविन रोड
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३१३४४)

श्री प्रेम चन्द्र
१४७-१४८ ई, कमला नगर
पंजाब ने० बैंक, रीगल बिल्डिंग (४७८७७)

श्री प्रेम चन्द
२३/१७० लोदी कालोनी
आफी० सुप०, नेवल हेड० (३३५२६)

श्री प्रेम सागर
७६ रनजीत सिंह रोड
सुपरिटेंडेट, ए. जी. सी. आर. (४२३४१)

श्री बजरंग लाल
कट्रोलर जनरल मिलि० एकां०, जबलपुर

श्री बनवारी लाल
४८ फौच स्केवअर
अर्थ मंत्रालय (डिफेंस डिवी०)

श्री बलंद राज
झब्बूमल कालोनी, मोडल बस्ती
(फिल्मिस्तान सिनेमा के पीछे)
असि० मिलिटरी सेक्रेट्री (रिटा०) आर्मी हेड०

श्री बलवीर चन्द्र
३६-वाई, चित्रगुप्त रोड
खाद्य मत्रालय (फाइनेंस) (३६१६३)

श्री विशम्भर दयाल
४१ रनजीत सिंह रोड
आफी० सुप०, एअर हेड० (३२४६३)

श्री बिशंभर दयाल
बी-२२४ लक्ष्मीबाई नगर
से० आफी०, शिक्षा मंत्रा० (३३६७१)

श्री बी० बी० कपासी
बी ५ पंडारा रोड (४८४३६)
जर्नलिस्ट

श्री बीर दमन
डब्ल्यू-३६ ग्रीनपार्क
सी० पी० डब्ल्यू० डी०

श्री भगत राम
३०२३ बहादुरगढ़ रोड (२२८६४८)
जयपुर उद्योग लि०, पार्लि० स्ट्रीट (४३५६१)

श्री मगन चन्द
लड्डू घाटी, पहाडगज
कंट्रेक्टर

श्री मदन मोहन
एच ६५ साउथ एक्सटैंशन
अंडर सेक्रेट्री, सा० रि० एण्ड क० अफै० (४६०१६)

श्री मदन लाल
जैन मन्दिर, राजा बाजार
मदन लाल जैन एण्ड क०, टेलर्स, राजा बाजार

श्री मन मोहन वीर सिंह
३३ एक्स, चित्रगुप्त रोड
से० आफीसर, सूचना व प्र० मंत्रा० (३६८६०)

श्री मनोहर लाल
५४०५ लड्डू घाटी, पहाडगंज
इंस्टी० चार्टर्ड एका० (४७०३१)

श्री महावीर प्रसाद
३०/५३ वे० एक्स० एरिया, क० बाग (५५४८२)
आफी० सुप०, आर्मी हेड० (३२५६६)

श्री महेन्द्र प्रसाद (एम. पी. जैन)
डी II/२०४ काका नगर
अ० एजू० एडवाइजर, शिक्षा मंत्रा० (३६४१५)

श्री महीपाल
४४० ई, देव नगर
यू० पी० एस० सी० (४०१६१)

श्री महेन्द्र कुमार
१५/२८७ लोदी कालोनी
से० आफी०, सी. पी. डब्ल्यू. डी.

श्री महेन्द्र कुमार
३३ ई बेअर्ड लेन
से० आफीसर, राज्य सभा सेक्रे० (३१८४०)

श्री मानिक चन्द्र
१३११ दैदवाड़ा
लोक सभा सेक्रेटेरियट (३२५२८)

श्री माम चन्द
डाक्टर्स लेन
श्रीजी फ्लोर मिल्स, गोल मार्केट

श्री माम चन्द
६५ जैन मन्दिर, राजा बाजार (४४८१३)
कंट्रेक्टर

श्री मित्तर सेन
६६ ई राजा बाजार
सुपरिटेंडेंट, एअर हेड० (३०१३१/२५२)

श्री मुकद लाल
कन्फेक्शनर, कनाट प्लेस

श्री मुनीन्द्र कुमार
डी २/९ माडल टाउन, माल रोड
स० सम्पादक, आई. सी. ए. आर. (३०१६१)

श्री मुन्नी लाल
५८६४/५० बस्ती हर्फूल सिंह
डिवी० आफिस (L. I. C.) आसफ अली रोड

श्री मेहर चन्द
३३८ थानसिंह नगर, आनन्द पर्वत
शिक्षा मन्त्रालय (३३६७१/५४)

श्री मोती राम
३८२ गली कन्हैया लाल अत्तार
चर्खेवालान, चावड़ी बाजार
अ० फो० आफीसर, सूचना व प्रसा० मंत्रा०
(२२६६१०)

श्री मंगत राम
४८-ए/८ न्यू डबल स्टोरी क्वा०, लाजपत नगर
अमेरिकन एम्बेसी (४३०४१)

श्री आर. आर. जयना
१०२ बैरन रोड
नेशनल बि० आ०, जनपथ (४२५२२)

श्री रवि चन्द्र कुमार
२१२ ई देव नगर
सुप०, सी. ए. ओ., डिफेंस

श्री राकेश
२ सी/१० रोहतक रोड
सम्पादक, समाज कल्याण (४८८७८)

श्री राज कुमार
११ फौच स्केवग्रर
सी पी. डब्ल्यू डी (३४४८१/६७)

श्री राजाराम
३८ सी बेग्रर्ड रोड
प्रा० सेक्रेट्री टू ज्वा० एजू० एड०, शिक्षा मंत्रालय (३२७६२)

श्री राजेन्द्र कुमार
२२ सुन्दर नगर (७५६६५)
ग्रार. जी- गोवन एण्ड कं०, ५८ जनपथ (४५८२८)

श्री राजेन्द्र कुमार
सी ४३ जंगपुरा
डि० डायरेक्टर, सी डब्ल्यू. पी. सी. (४०६८१)

श्री राजेन्द्र कुमार
१४ फौच स्केवग्रर (४४१५६)
सें० सो० वे० बोर्ड (४७६५७)

श्री राम कंवर
३०२० गली चूड़ियां, मनजिद खजूर
से० ग्राफीसर, स्टेट ग्राफिस (३१२३७)

श्री राम चन्द्र
१३ पार्क लेन
स्टाफ ग्राफी०, ग्रार्मी हैड० (३१३४२)

श्री राम चन्द्र
ए-२५८ पंडारा रोड (४३६३७)
वेल्यूएशन ग्राफी०, रिहेबी० मन्त्रा० (४५२०५)

श्री राम प्रसाद
५६ डी फौच स्केवग्रर
लाइफ इन्श्योरेंस कार्पो० एच ब्लाक, क० सर्कस (४७४५८)

श्री राम बहादुर
ए-२१/८४ लोदी कालोनी
ग्रंडर सेक्रेट्री, हेल्थ मंत्रा० (३६३१६)

श्री रामेश्वर दास
७० सी बेग्रर्ड रोड
ऐड० ग्राफीसर, सी. ए. ग्रौज़ ग्राफिस (३१०६१)

श्री वकील चन्द
५३ ई राजा बाजार
ग्रर्थ मंत्रालय (३५७४१)

श्री विजय कुमार
चाहरहट
गृह मन्त्रालय (४५४६७)

श्री विमल चन्द्र
२ वाई चित्रगुप्त रोड
ई. टी. ग्रो., जामनगर हाउस (४५४१३)

श्री विलायती राम
४५० ई देव नगर
ग्रर्थ मन्त्रालय, मैनेजर, को० स्टोर्स (३५७२७)

श्री शकर लाल
१७ जी, मीरदर्द रोड
हेड क्लर्क, नार्दन रेलवे, (रिटा०)

श्री शकर लाल
१ म्यूटिनी मेमो० रोड (४४५२५)
सुखानद शकर लाल, खारी बावली (२२५३६४)

लाला शाम लाल
४, टोडर मल रोड (४०६५६)
महाबीर प्रसाद एण्ड सन्स
चावडी बाजार (२२६७३५)

श्री शाति कुमार
१७/१२/१६ ग्रतुलग्रोव चेम्बरीज़
मेटरोली० डिपा० (७४२४१/४४) लोदी रोड

श्री शांति प्रकाश
जैन स्टूडियो, कनाट प्लेस

श्री शांति प्रसाद (एस० पी० जैन)
मोरी गेट
जैन बुक एजेंसी, कनाट प्लेस (४०६२६)

श्री शांति सागर
भोगल रोड, जंगपुरा (७४६४४)
खाद्य मंत्रा० (३५३११/६)

श्री शिवदयाल सिंह
८ टैम्पिल लेन
इंस्ट्रक्टर, सेक्रेटेरियट ट्रेनिंग स्कूल, जनपथ (४३४१०)

श्री शिवनाथ मित्तल
ए-८ नेताजी नगर (७२५२६)
अ० प्रि० इन्फ० आफीसर, पी आई. बी. (४५८२७)

श्री शीतल प्रसाद
६ सरदार पटेल मार्ग (३४४०२)
११ क्लाइव रो, कलकत्ता

श्री शीतल प्रसाद
२२ डी करोल बाग, देव नगर
अंडर सेक्रेट्री, शिक्षा मंत्रालय (३४६६०)

श्री शुभ चन्द्र
छपरवाला कुआ, करोल बाग
एडवोकेट, ७ जनपथ (४७८५७)

श्री शुभ चन्द्र
८-II/८०६ लोदी कालोनी
आफी० सुप०, डिफेंस

श्री श्रीदयाल
३२ हनुमान रोड (४६३४३)
एक्लिप्स ड्राईक्ली०, ५६, जी क० प्लेस (४५८४७)

श्री सज्जन मल दूगढ
४८०४/२४ भरतराम रोड, दरियागंज (२२६६८०)
अकाउंटस आफीसर, कं० ला० एड० (३६६१६)

श्री सतीश कुमार
६६ ई राजा बाजार
कृषि मंत्रालय (३३७४१/२२)

श्री सरदारी लाल
ए-३ ग्रीन पार्क
से० आफीसर (रिटा०), एक्सटर्नल एफीयर्स मंत्रा०

श्री सीताराम
पहाड़ी धीरज
यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया, कनाट सर्कस (४२५५३)

श्री सुखमाल चन्द्र
२० सी बेयर्ड रोड
स्टाफ आफी०, आर्मी हेड० (३२२३५)

श्री सुखेन्द्र लाल
बी १८/३५० लोदी कालोनी
स्टाफ आफी०, डिफेंस (३३००७)

श्री सुमत प्रसाद
ए- ५५/जी लक्ष्मीबाई नगर
इन्कमटैक्स आफीसर (४२६६०)

श्री सुमत प्रसाद
४३-डी राजा बाजार
आर्मी हेड० (३३१०८)

श्री सुमेर चन्द
१२६ सम्मन बाजार, जंगपुरा

श्री सुमेर चन्द्र
डी-II/२४६, विनय मार्ग
अंडर सेक्रेट्री, ट्रांस० एण्ड कम्यू० मं० (३२१११)

श्री सुरेन्द्र कुमार
६५ जैन मंदिर, राजा बाजार,
कंट्रेक्टर (४४८१३)

श्री सुरेन्द्र नाथ
१६ डायज स्कवेयर
अर्थ मंत्रालय (रेवेन्यू)

श्री सुरेन्द्र बीर सिंह
३३ एक्स चित्रगुप्त रोड
अका० आफीसर, डाय० ओडो०
पब्लिसिटी (४६५२४)

श्री सुल्तान सिंह
१६ दरियागंज (२२८३४६)
मास्टर साठे एण्ड कोठारी,
कनाट सर्कस (४७४८६)

श्री संत लाल
२०५ जोर बाग (७४७०६)
डि० डायरेक्टर, रेलवे बोर्ड (रिटा०)
ओ. एस. डी., हिन्दुस्तान स्टील लि०, हीनू (रांची)

श्री हुकम चन्द
१७/१२/१६ अतुलग्रोव चमरीज
इंस्पेक्टर, जी. पी. ओ. (२२६३४४) (२२८१२०)

डा० हेम चन्द्र
११/३ पंचकुइया रोड (४५२०४)
रिटा० सर्जन, नार्दन रेलवे

श्री हेम चन्द्र
मुल्तानी ढांडा
इलेक्ट्रीकल डीलर्स

श्री हेम चन्द्र
२२ फीरोजशाह रोड
मद्रास काफी हाउस ५/६० कनाट सर्कस (४८१६८)

श्री होश्यार सिंह
१५ फायरब्रिगेड लेन
स्टा० आफीसर, एअर हेड० (३०१३१)

श्री हंस कुमार
२७ हेवलाक स्कवेअर
स्टाफ आफीसर, आर्मी हेड० (३१२५५)

श्री हंस राज
अ० कंट्रोलर, चीफ कंट्रो० प्रि०
एण्ड स्टेशनरी (४२२६१)
४६ सी मातासुन्दरी रोड

श्री त्रिलोक चन्द्र
एफ २ ग्रीन पार्क
असि० डायरेक्टर, रेलवे बोर्ड, रेल भवन (३५८२४)